उल्लंघन करने

वाले

जैस्मीन-किम
वेस्टेंडोर्फ

सेक्स, सहायता
और शांति स्थापना

शांति भंग

VIOLATING PEACE

JASMINE-KIM WESTENDORF

SEX, AID, AND PEACEKEEPING

शांति भंग

शांति भंग करना

सेक्स, सहायता और शांतिरक्षा

जैस्मीन-किम वेस्टेंडॉर्फ

कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस
इथाका और लंदन
कॉपीराइट © 2020 जैस्मीन-किम वेस्टेंडॉर्फ द्वारा

सर्वाधिकार सुरक्षित। समीक्षा में उद्धृत संक्षिप्त अंशों को छोड़कर, इस पुस्तक या इसके किसी भी अंश को प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस, सेज हाउस, 512 ईस्ट स्टेट स्ट्रीट, इथाका, न्यूयॉर्क 14850 से संपर्क करें। हमारी वेबसाइट cornellpress.cornell.edu पर जाएं।
कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रथम प्रकाशन 2020
अमेरिका के संयुक्त राज्य अमेरिका में छपी
लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा
नाम: वेस्टेंडॉर्फ, जैस्मीन-किम, लेखिका।
शीर्षक: शांति भंग करना: यौन संबंध, सहायता और शांति स्थापना / जैस्मीन-किम

वेस्टेंडॉर्फ।
विवरण: इथाका [न्यूयॉर्क] : कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस, 2020। |
बिबलियोग्राफिकल संदर्भ और अनुक्रमणिका शामिल है।
पहचानकर्ता: LCCN 2019028618 (मुद्रित) | LCCN 2019028619 (ईबुक)
|
ISBN 9781501748059 (हार्डकवर) | ISBN 9781501748066 (ईपब) |
ISBN 9781501748073 (पीडीएफ)
विषय: एलसीएसएच: संयुक्त राष्ट्र—शांतिरक्षक बल—यौन व्यवहार। |
शांतिरक्षा बल—यौन व्यवहार | यौन अपराध—राजनीतिक पहलू |
यौन अपराध—रोकथाम।
वर्गीकरण: एलसीसी जेजेड6374 .डब्ल्यू45 2020 (मुद्रित) | एलसीसी
जेजेड6374 (ईबुक) |
डीडीसी 364.15/3—डीसी23
एलसी रिकॉर्ड https://lccn.loc.gov/2019028618 पर उपलब्ध है
एलसी ईबुक रिकॉर्ड https://lccn.loc.gov/2019028619 पर उपलब्ध है

उन सभी लोगों के लिए जिन्होंने अपनी रक्षा के लिए भेजे गए लोगों के हाथों कष्ट सहा है।

युद्ध के बीच में रहकर अपने नैतिक मूल्यों को बनाए रखना कठिन है। आप अपने साथ लाए हैं। युद्ध लोगों को बदल देता है। और कुछ शांति रक्षक नहीं बदलते।

क्या उनमें शुरू से ही कोई नैतिक मूल्य हैं?

— साक्षात्कार के दौरान बोस्नियाई उत्तरदाता

अंतर्वस्तु

आभारोक्ति ix

संक्षिप्ताक्षरों की सूची xi

परिचय 1

1. यौन दुराचार का इतिहास और प्रकृति
शांति अभियानों में 20

2. बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में यौन शोषण और दुर्व्यवहार 55

3. स्थिति को और भी बदतर बनाना: दीर्घकालिक प्रभाव
यौन शोषण और दुर्व्यवहार 72

4. संकट में वैधता: यौन शोषण के प्रभाव
क्षमता और विश्वसनीयता पर दुर्व्यवहार 103

निष्कर्ष: कई समस्याओं में से एक समस्या? एक एकीकृत
यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर प्रतिक्रिया 134

टिप्पणियाँ 167

ग्रंथसूची 193

सूचकांक 213

स्वीकृतियाँ

कई लोगों के सहयोग के बिना मैं यह किताब नहीं लिख पाता।
और उन लोगों की उदारता जिन्होंने अपना समय, विशेषज्ञता, यादें साझा कीं।
और मेरे साथ प्रतिक्रिया साझा करने के लिए मैं बहुत आभारी हूं। मैं उन सभी लोगों
का तहे दिल से आभारी हूं जिन्होंने

इस परियोजना के हिस्से के रूप में साक्षात्कार देने के लिए सहमति व्यक्त की और जिनके बिना यह
किताब लिखना कभी संभव नहीं होता।
मैं विशेष रूप से ह्यूमैनिटेरियन संस्था की पूर्व सदस्य लुईस सियरल का आभारी हूं।
सलाहकार समूह (एचएजी), जिसने परियोजना के शुरुआती चरण में मेरे साथ साझेदारी की थी।
कई चरणों में, तिमोर-लेस्ते की क्षेत्रीय अनुसंधान यात्राओं में मेरे साथ शामिल होना भी शामिल है।
साराजेवो में साक्षात्कार आयोजित करने और जिनेवा में साक्षात्कार आयोजित करने में एचएजी ने भी सहयोग दिया।
परियोजना में अन्य महत्वपूर्ण तरीकों से भी: उत्कृष्ट जोसी फ्लिंट हमारे साथ आईं।
तिमोर-लेस्ते ने साक्षात्कार में सहायता की, और केट सटन ने एक कार्य-प्रणाली को सुगम बनाया।
2016 में कैनबरा में नीति निर्माताओं और संबंधित विद्वानों के साथ मिलकर परीक्षण करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी।
मेरे प्रारंभिक निष्कर्ष।
इस पुस्तक के लिए किए गए क्षेत्रीय शोध को ला से प्राप्त अनुदान द्वारा वित्त पोषित किया गया था।
ट्रोब विश्वविद्यालय का मानव समाज रूपांतरण अनुसंधान क्षेत्र।
मैं केटी होम्स का विशेष रूप से आभारी हूं, जिन्होंने रिसर्च फोकस का नेतृत्व किया।
x आभार

परियोजना के दौरान सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए क्षेत्र का धन्यवाद।
मेरे सहकर्मी-
लीग और मित्र बेक स्ट्रैटिंग ने शुरुआती ड्राफ्ट पढ़े और उन पर टिप्पणी की।
मैंने उन्हें लिखा और मैं प्रोत्साहन और प्रेरणा का एक निरंतर स्रोत था।
और एकजुटता। जेम अताहन ने कई ड्राफ्ट पढ़े और मेरी गलतियों को सुधारने में मेरी मदद की।
डेनिस ऑल्टमैन ने इस सब की जटिलताओं पर विचार किया और अपने विचार साझा

किए।
कई बार कॉफी पीते हुए उन्होंने मेरे साथ अपने विचार साझा किए। सारा डेविस, जैकी टू, लौरा
शेफर्ड और पॉल किर्बी ने इस शोध के शुरुआती हिस्सों पर अपनी प्रतिक्रिया दी।
और इस किताब को लिखने के लिए प्रोत्साहन देने के लिए। हमेशा की तरह, मैं निक का आभारी हूं।
बिस्ले, रॉबिन जेफरी और जूडिथ ब्रेट को उनके अकादमिक मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद।
इस परियोजना और मेरी अन्य सभी परियोजनाओं में प्रोत्साहन।
इस परियोजना के दौरान मुझे जो समर्थन मिला, वह मेरे लिए सौभाग्य की बात थी।
कई असाधारण प्रशिक्षुओं और शोध सहायकों के बारे में। मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।
नीना रॉक्सबर्ग, एलेजांद्रा पिनेडा सनाब्रिया, एम्मा जिडिंगर को धन्यवाद।
मोनिका केली और गैविन हाइट: आपके बिना यह कुछ और ही होता।
यह एक बहुत कठिन रास्ता था, और मैं बहुत आभारी हूं कि आप सभी मेरे साथ थे।
इस परियोजना के दौरान विभिन्न चरणों में शोध दल के सदस्य।
मैं कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस के रोजर हेडन का उनके उत्साह के लिए आभारी हूं।
पुस्तक के बारे में व्यापक चर्चा और पांडुलिपि पर तीक्ष्ण टिप्पणियाँ और सुझाव।
स्क्रिप्ट के विकास के दौरान, जूलिया कुक को उनकी असाधारण कॉपी एडिटिंग के लिए, और
प्रोडक्शन और डिज़ाइन टीमों को हर चीज़ को बेहतरीन बनाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।
साथ ही, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस को भी धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे कुछ रचनाओं को पुनः प्रकाशित करने की अनुमति दी।
यौन शोषण की प्रकृति और इतिहास पर मेरे प्रारंभिक विचार और
दुर्व्यवहार करना।
मैं अपने माता-पिता और बहनों, एगॉन, कॉनी के समर्थन के लिए आभारी हूं।
टीगन और सिमोन। मैं भाग्यशाली हूं कि मैं एक ऐसे समुदाय से घिरा हुआ हूं।
मेरे दोस्त और सशक्त महिलाएं जिन्होंने मेरा हौसला बढ़ाया और मुझे अपनी स्थिति पर विचार करने में मदद की

मैं जिस चुनौतीपूर्ण विषय से जूझ रहा था, और मैं विशेष रूप से धन्यवाद भेजता हूँ। एमिली, रूबी, कार्ली, लेस्ली और सूज़ी को धन्यवाद। और मैं आप सभी का आभारी हूँ।

यह दिन मेरे साथी जेम के प्यार और समर्थन के लिए समर्पित है, जिनके साथ सब कुछ है।

यह संभव है, और मेरी बच्ची बिली स्पैरो के लिए, जिसकी गर्भ में किक मुझे याद दिलाती थी...

मुझे यह एहसास हो रहा था कि मैं एक सख्त समय सीमा के भीतर लिख रहा हूँ और जिसकी खिलखिलाहट, मुस्कान और

प्रारंभिक चरण के ये अस्थायी कदम संशोधन प्रक्रिया को और भी सुखद बना देते हैं।

लघुरूप

मध्य अफ्रीकी गणराज्य

HIPPO रिपोर्ट, उच्च स्तरीय स्वतंत्र पैनल की रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान, जिसका शीर्षक है एकजुट करना

शांति के लिए हमारी ताकतें: राजनीति, साझेदारी और लोग

आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (IDP) के लिए IFOR कार्यान्वयन बल (बोस्निया और हर्ज़ेगोविना)

पूर्वी तिमोर में इंटरफेट अंतर्राष्ट्रीय बल

आईपीटीएफ संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय पुलिस कार्य बल

KFOR कोसोवो फोर्स MINUSCA UN बहुआयामी एकीकृत स्थिरीकरण मिशन

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में

MINUSMA UN बहुआयामी एकीकृत स्थिरीकरण गलत-

माली में सियोन

मिनुस्ताह (हैती में संयुक्त राष्ट्र स्थिरीकरण मिशन)

लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक मिशन MONUC
कांगो
गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ओएचसीएचआर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार
उच्चायुक्त कार्यालय
अधिकार
ओआईओएस संयुक्त राष्ट्र आंतरिक निरीक्षण सेवा कार्यालय
ऑक्सफैम जीबी, ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन, पीकेओ शांतिरक्षा अभियान
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम के लिए पीएसईए (PSEA)
दक्षिण पूर्व एशिया में यौन शोषण और दुर्व्यवहार
बोस्निया और हर्ज़ेगोविना में SFOR स्थिरीकरण बल, TCC सैन्य बल और पुलिस
योगदान देने वाले देश
संयुक्त राष्ट्र
यूएनएआईडी (संयुक्त राष्ट्र एचआईवी/एड्स कार्यक्रम)
पूर्वी तिमोर में यूएनएएमईटी और बोस्निया और हर्ज़ेगोविना में यूएनएएमईबीएच
संयुक्त राष्ट्र मिशन
पूर्वी तिमोर में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (UNMISET)
पूर्वी तिमोर में संयुक्त राष्ट्र एकीकृत मिशन (UNMIT)
UNPOL संयुक्त राष्ट्र पुलिस UNPROFOR संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा बल (क्रोएशिया
और बोस्निया और
हर्ज़ेगोविना)
कंबोडिया में संयुक्त राष्ट्र संक्रमणकालीन प्राधिकरण (UNTAC)
पूर्वी तिमोर में संयुक्त राष्ट्र संक्रमणकालीन प्रशासन (UNTAET), महिला, शांति
और सुरक्षा (WPS)

शांति भंग करना

परिचय

2015 में, यह खुलासा हुआ कि फ्रांस, चाड और अन्य देशों के शांति सैनिकों ने इक्वेटोरियल गिनी में बेघर और भूखे लड़कों का नियमित रूप से बलात्कार किया जाता था।
मध्य अफ्रीकी गणराज्य के शरणार्थी शिविरों में आठ से पंद्रह वर्ष की आयु के लोग हैं, और यह कि
एक फ्रांसीसी सैन्य कमांडर ने चार लड़कियों को बांधकर उनके कपड़े उतार दिए थे और
उन्हें कुत्ते के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया, जिसके बाद एक लड़की की मौत हो गई।
हालांकि ये खुलासे चिंताजनक हैं, लेकिन ये अभूतपूर्व नहीं थे: हस्तक्षेपकर्ताओं
शांति अभियानों में (जिसमें सैन्य, पुलिस और नागरिक शांति रक्षक शामिल हैं);
सहायताकर्मी, राजनयिक, निजी ठेकेदार और अन्य लोग इसमें शामिल रहे हैं।
स्थानीय महिलाओं और बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार में शामिल।
संयुक्त राष्ट्र (UN) के लगभग हर शांति अभियान में, युद्ध की समाप्ति के बाद से शीत युद्ध। ये व्यवहार विविध हैं और अवसरवादी व्यवहारों से लेकर कई प्रकार के रहे हैं।
संवेदनात्मक यौन उत्पीड़न और बलात्कार से लेकर सुनियोजित, क्रूर यौन हिंसा तक, जैसे कि
ऊपर वर्णित; नेटवर्क आधारित शोषण जैसे कि यौन तस्करी
और पोर्नोग्राफी का उत्पादन लेन-देन वाले यौन संबंध की ओर ले जाता है, जो अक्सर इसे “जीवन रक्षा के लिए किया जाने वाला यौन संबंध” भी कहा जाता है। 2 इनमें हिंसा के विभिन्न स्तर शामिल होते हैं। 2 परिचय

जबरदस्ती और सहमति, ये सभी अपराध नहीं हैं, हालांकि इन्हें प्रतिबंधित किया गया है।
संयुक्त राष्ट्र और मानवीय आचार संहिता।
मध्य अफ्रीकी गणराज्य का घोटाला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामने आने से दो साल पहले...
राष्ट्रीय मीडिया, संयुक्त राष्ट्र द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार की जांच

अफ्रीकी शांति अभियानों ने इसे "सबसे महत्वपूर्ण जोखिम" घोषित किया था।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों के लिए, अन्य प्रमुख जोखिमों के अलावा,
निम्नलिखित जोखिम भी शामिल हैं-
नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।" 3 पारंपरिक ज्ञान, जैसा कि व्यक्त किया गया है
संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक नेताओं का कहना है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वाले पक्ष क्षमता और विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को ठेस पहुंचाती है, जिससे शांति प्रक्रियाओं को नुकसान पहुंचता है।
संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की-मून ने स्वयं तर्क दिया था कि
"यौन शोषण और दुर्व्यवहार का एक पुष्ट मामला जिसमें शामिल है
संयुक्त राष्ट्र कर्मियों का मामला भी बहुत अधिक है," और उनके उत्तराधिकारी,
एंटोनियो गुटेरेस,
संयुक्त राष्ट्र की यौन शोषण और दुर्व्यवहार संबंधी नीतियों में सुधार करना एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है।
अपने कार्यकाल के आधारशिला के रूप में, उन्होंने तर्क दिया कि इसे रोकना ही लक्ष्य प्राप्त करने की कुंजी है।
संयुक्त राष्ट्र के व्यापक सुरक्षा, मानवीय और राजनीतिक लक्ष्य। 4 फिर भी इसके बावजूद
उच्च स्तरीय चिंता और पंद्रह वर्षों से अधिक के नीतिगत विकास के बावजूद
यौन शोषण और दुर्व्यवहार को रोकने और अपराधियों को पकड़ने के लिए बनाया गया है।
शांति से जुड़े नागरिक और वर्दीधारी कर्मियों दोनों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।
इन गतिविधियों के जारी रहने से यह सिलसिला जारी है, और ऐसे व्यवहारों के प्रभाव भी बढ़ रहे हैं।
अभी भी ठीक से समझ में नहीं आया है। शुरुआत में ही यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि नहीं
शांति अभियानों से जुड़े सभी शांति रक्षक या हस्तक्षेपकर्ता इसमें संलग्न होते हैं।

इस तरह के दुर्व्यवहार और शोषण का सामना वास्तव में अधिकांश लोग नहीं करते हैं। हालाँकि,
कुछ गिने-चुने लोगों के कार्यों का भी इस संगठन के कामकाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।
इस पुस्तक से पता चलता है कि बहुत से लोग ऐसा नहीं करते, इसीलिए यह पुस्तक इतनी महत्वपूर्ण है।
शांति अभियानों के सामने आने वाली चुनौतियों के संबंध में विचार करने योग्य एक महत्वपूर्ण मुद्दा।
आज के संदर्भ।
यह पुस्तक इस बारे में है कि शांति ओपेरा में यौन शोषण और दुर्व्यवहार कैसे होता है। इससे शांतिरक्षा और शांति निर्माण के परिणामों पर असर पड़ता है।
संचालन। यह कई प्रमुख प्रश्नों के इर्द-गिर्द घूमता है: यौन क्या है?
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार, और इसमें योगदान देने वाले कारक
शांति अभियानों में यौन शोषण का क्या प्रभाव होता है? यौन शोषण के क्या प्रभाव होते हैं?
और दुर्व्यवहार का शांतिरक्षा अभियानों के परिणामों पर क्या प्रभाव पड़ता है? क्या यह सीमित करता है?
अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता
सुरक्षा, स्थिरता और शांति निर्माण के लिए, या इसकी विश्वसनीयता के लिए
स्थानीय और वैश्विक आबादी? इन सवालों के जवाब देते हुए, पुस्तक यह भी बताती है कि...
यह लेख इस बात पर प्रकाश डालता है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार अन्य चुनौतियों से किस प्रकार संबंधित हैं।

परिचय 3

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के सामने आने वाली चुनौतियों और उन्हें रोकने के लिए नीतियों में सुधार कैसे किया जा सकता है
भविष्य में इस प्रकार के दुर्व्यवहार और शोषण को रोकने में यह पुस्तक योगदान देती है।

चल रही विद्वतापूर्ण और नीतिगत चर्चाओं के लिए उन चुनौतियों के बारे में जो संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी शांतिरक्षा और शांति निर्माण को कमजोर करना समाज और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इन समस्याओं का समाधान कैसे कर सकता है, इस पर चर्चा की जाएगी।
शांति और सुरक्षा की स्थापना और रोकथाम में सहायता करना
मानवाधिकारों का उल्लंघन।
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार एक उल्लेखनीय समस्या है।
नीतिगत और मीडिया का ध्यान बढ़ने के बावजूद यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर पर्याप्त अध्ययन नहीं हुआ है।
पिछले दशक में शांतिरक्षकों की गलतियों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ने के साथ-साथ इसे काफी लोकप्रियता मिली है।
आचरण में वृद्धि हुई है और घोटाले नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में रहे हैं।
पंक्तियाँ। यौन शोषण पर विद्वानों द्वारा किए गए कार्यों का अपेक्षाकृत छोटा समूह।
और इसके दुरुपयोग का एक कारण संभवतः इसके डेटा तक पहुँचने में आने वाली कठिनाइयाँ हैं।
अपराध और उन तरीकों के बारे में जिनमें कई हितधारक शामिल हैं,
संयुक्त राष्ट्र और सैन्य एवं पुलिस बल भेजने वाले देशों (टीसीसी) ने इस तथ्य को अस्पष्ट कर दिया है।
शांति अभियानों और संस्थागत व्यवस्थाओं में इसकी व्यापकता के बारे में जानकारी
प्रतिक्रियाएँ, जैसा कि कई व्हिसलब्लोअर घोटालों ने प्रदर्शित किया है। 5 नेवादा-
फिर भी, विद्वानों ने यौन शोषण पर महत्वपूर्ण रचनाएँ प्रस्तुत की हैं।
और दुर्व्यवहार जो कई व्यापक विषयगत क्षेत्रों में आते हैं। शायद
नारीवादी विद्वानों द्वारा किए गए कार्यों का सबसे स्थापित संग्रह सामने आया है।
अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर आधारित जहाज, जो लंबे समय से इस बात से चिंतित रहा है कि...
सैन्य गतिविधियों और शांतिरक्षा के लैंगिक निहितार्थ। स्कॉलर-
इस क्षेत्र में काम करने वाले शोधकर्ताओं ने पुरुषत्व के विभिन्न पहलुओं को विकसित किया, जिनमें शामिल हैं:
सैन्य पुरुषत्व, जो हमारी समझ के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं

विशेष रूप से यौन शोषण और दुर्व्यवहार के कारणों को
सैन्य शांति रक्षक। 6 इन विवरणों ने विश्लेषणों को प्रमुखता दी है।
लैंगिक गतिशीलता, शांतिरक्षकों और स्थानीय लोगों के बीच शक्ति का अंतर
समुदायों, नस्लवाद और उपनिवेशवाद की विरासत को एक लेंस के रूप में इस्तेमाल करते हुए
जिससे शांतिरक्षकों के दुर्व्यवहार को समझा जा सके। इन विश्लेषणों के आधार पर,
विद्वानों ने उन तरीकों के बारे में विवरण विकसित किए हैं जिनसे तैनाती होती है।
शांतिरक्षकों की तैनाती से शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाओं की स्थापना होती है, जो
औपचारिक और अनौपचारिक आर्थिक गतिविधियों के इर्द-गिर्द घूमते हैं जो सीधे तौर पर जुड़े होते हैं
स्थानीय व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति और यह बात उनके दिमाग में नहीं आएगी।
अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति के बिना समान पैमाने पर। 7 इस कार्य का अधिकांश भाग
शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाओं के लैंगिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो समर्थक-
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक और स्थायी लेन-देन आधारित यौन उद्योगों को बढ़ावा देना।
राष्ट्रीय कर्मियों और स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करना शांति रक्षक कार्यों को
समझने के लिए महत्वपूर्ण है। 4 परिचय

यौन शोषणकारी व्यवहारों में संलग्नता। 8 कुल मिलाकर, ये
ये रचनाएँ एक महत्वपूर्ण वैचारिक और प्रासंगिक ढाँचा प्रदान करती हैं।
यह समझना कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार इतना व्यापक क्यों हो गया है-
शांति अभियानों में हमारा योगदान।
नारीवादी आलोचना पर आधारित शोध की एक अन्य शाखा विकसित हुई है-
यौन अंत:क्रियाओं के उचित नियमन के प्रश्न के इर्द-गिर्द चर्चा हुई।
शांति सैनिकों और स्थानीय लोगों के बीच संबंधों को लेकर विद्वानों ने गहन अध्ययन किया है।
महिलाओं की स्वायत्तता का मुद्दा लेन-देन संबंधी या

शांति सैनिकों के साथ अन्य यौन संबंध, यह सवाल उठाते हुए कि क्या यह
ऐसे संबंधों पर प्रतिबंध लगाना और उनके संरेखण की जांच करना उचित है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर संयुक्त राष्ट्र की शून्य सहिष्णुता नीति, अंतर-
राष्ट्रीय मानवाधिकार मानदंड। 9 अन्य लोगों ने नारीवादी दृष्टिकोण को इसमें लागू
किया है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम के प्रशिक्षण की चुनौतियाँ (अक्सर
शांति अभियानों में तैनात सैन्य इकाइयों के लिए (जिसे पीएसईए प्रशिक्षण कहा जाता
है)
और मरम्मत के संबंध में नई संयुक्त राष्ट्र नीतियों को लागू करने की चुनौतियों के
लिए-
शांतिरक्षा टुकड़ियों का परीक्षण जो यौन शोषण करते हैं
और दुर्व्यवहार। 10 कुछ अन्य लोगों ने संगठन में लैंगिक समानता को इससे जोड़ा है।
शांति अभियानों से लेकर उन शांति अभियानों में होने वाली घटनाओं तक, जिनमें
शामिल हैं-
शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और उत्पीड़न के बढ़ते मामलों के रूप में
साथ ही महिला शांति सैनिकों और उनके प्रतिनिधियों के खिलाफ भेदभाव।
शांतिरक्षा के भीतर "सुरक्षित" कार्यों और स्थानों के संदर्भ में, इसके निहितार्थों के
साथ
क्या शांति अभियान लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के साधन के रूप में काम कर
सकते हैं?
समानता। 11
इस कार्य के समानांतर विद्वता का भी स्पष्ट रूप से विकास हुआ है।
नारीवादी विश्लेषण पर आधारित। उदाहरण के लिए, कुछ विद्वानों ने प्रस्तुत किया है।
गुणात्मक कार्य मुख्य रूप से यौन उत्पीड़न के पैमाने का दस्तावेजीकरण करने पर
केंद्रित था।
विशिष्ट शांति अभियानों में शांति सैनिकों द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार,
अनुभवजन्य क्षेत्रीय अनुसंधान और उपलब्ध संयुक्त राष्ट्र डेटा के आधार पर। 12
अन्य लोगों ने
संस्थागत नीतिगत प्रतिक्रियाओं के प्रभावों की जांच की गई ताकि कमी लाई जा सके

दुर्व्यवहार। 13 कानूनी विद्वानों ने वर्तमान अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की कमियों का अध्ययन किया है।
शांति सैनिकों द्वारा यौन दुर्व्यवहार से निपटने के लिए राष्ट्रीय कानूनी ढाँचे
और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संभावित कानूनी सुधारों की जांच की। 14 और एक
जोखिम कारकों की पहचान करने के प्रयास में साहित्य का एक छोटा सा हिस्सा सामने आया है।
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार का कृत्य। 15
शांतिरक्षकों के यौन शोषण पर किए गए इन विभिन्न अध्ययनों से जो बात सामने आती है, वह यह है कि
शोषण और दुर्व्यवहार, इनके प्रति प्रतिक्रिया देने की जटिलताओं का एक उदाहरण है।
और यौन संबंधों में शामिल ऐसे दुर्व्यवहार को विनियमित करना।

ये अक्सर दोनों पक्षों की सहमति और कानूनी एवं व्यावहारिक प्रावधानों के साथ होते हैं।
नीति सुधार के सामने आने वाली चुनौतियाँ।

हालाँकि, जबकि यह मौजूदा शोध हमें यह समझने में मदद करता है कि सेक्स-
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार होता है और चुनौतियाँ
एक अपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में इसे विनियमित करने में जो कमी है, वह यह है कि...
इसके प्रभावों का विवरण। यौन शोषण का कृत्य किस प्रकार होता है?
शांति अभियानों में शामिल लोगों द्वारा किया गया दुर्व्यवहार परिणामों को प्रभावित करता है।
उन अभियानों और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की उन्हें प्राप्त करने की क्षमता
अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा परियोजना को प्रेरित करने वाले लक्ष्य क्या हैं? ये हैं:
लक्ष्य सुरक्षा स्थापित करने और कमजोर समूहों की रक्षा करने के इर्द-गिर्द केंद्रित हैं।
हिंसा से लड़ना, मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और नींव स्थापित करना-
संस्थागत विकास के माध्यम से स्थायी शांति के लिए प्रयास। इसके अलावा,
मौजूदा साहित्य मुख्य रूप से यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर केंद्रित है।

व्यापक श्रेणी के बजाय सैन्य शांतिरक्षकों द्वारा किए गए अपराध।
शांति अभियानों से जुड़े नागरिक और गैर-संयुक्त राष्ट्र हस्तक्षेपकर्ताओं के बारे में, इस प्रकार, ऐसे व्यवहारों के होने के कारणों की केवल आधी तस्वीर ही सामने आती है।
शांति अभियानों में इतनी व्यापक भूमिका निभाने वाले ये लोग, उनके क्या प्रभाव डालते हैं और कैसे
नीतिगत उपायों से इनका बेहतर समाधान हो सकता है। वास्तव में, संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों से पता चलता है कि
जबकि सैन्य शांति रक्षक आरोपों के लिए समग्र रूप से अधिक जिम्मेदार होते हैं
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मामलों में, नागरिक शांतिरक्षक अधिक जिम्मेदार होते हैं।
आरोपों के लिए प्रति व्यक्ति संभावित। 16 यह कहीं अधिक संख्या को दर्शाता है
शांति अभियान में तैनात सैन्य कर्मियों के बारे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है।
यौन उत्पीड़न को हम कैसे समझ सकते हैं, इस बारे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न है।
संयुक्त राष्ट्र और गैर-संयुक्त राष्ट्र नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार
सैन्य हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए कृत्यों के विपरीत। व्यापक डेटा
संयुक्त राष्ट्र के नागरिक कर्मचारियों के अलावा अन्य व्यक्तियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहारों के संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।
और यही एक कारण है कि यौन दुर्व्यवहार का यह विशेष पहलू...
शांति अभियानों में इसकी भूमिका का बहुत कम अध्ययन किया गया है। और अंत में, साहित्य इस बात पर भी विचार करता है कि
इस अध्ययन में यौन शोषण और
दुर्व्यवहार और अन्य शांतिरक्षा संबंधी चुनौतियाँ तथा एकीकृत समाधान की संभावना नीतिगत प्रतिक्रियाएँ।
इस पुस्तक का उद्देश्य इन कमियों को दूर करना है। यह पहली तुलनात्मक जानकारी प्रदान करती है।
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभावों का विवरण
शांति स्थापना और शांति निर्माण पर शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वाले

यह विशेष रूप से सैन्य कर्मियों द्वारा न किए गए दुर्व्यवहार की जांच करने के उद्देश्य से आता है।
न केवल सैन्य शांतिरक्षकों द्वारा, बल्कि नागरिक शांतिरक्षकों और गैर-संयुक्त राष्ट्र नागरिक शांतिरक्षकों द्वारा भी।
हस्तक्षेपकर्ता। यह दर्शाता है कि इस तरह के व्यवहारों का प्रभाव 6 परिचय से परे कैसे पहुँचता है।

व्यक्तिगत मिशन के परिणाम, जो संयुक्त राष्ट्र की व्यापक क्षमता को प्रभावित करते हैं।
और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को शांति निर्माण और मानवीय सहायता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना।
वैश्विक स्तर पर भारतीय लक्ष्यों को प्राप्त करना और वैधता के बारे में वैश्विक धारणाओं को कमजोर करना
शांतिरक्षा और संयुक्त राष्ट्र के नैतिक अधिकार के ऐसे समय में जब
संगठन पहले से ही वैधता संकट का सामना कर रहा है। महत्वपूर्ण बातों से परे जाकर...
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभावों को व्यवहारों के एक समूह के रूप में देखा जाता है।
शांति अभियानों के संदर्भ में, यह पुस्तक उन तरीकों पर विस्तार से चर्चा करती है जिनसे
ये व्यवहार और उनके प्रभाव अन्य महत्वपूर्ण शांति संबंधी मुद्दों से परस्पर जुड़े हुए हैं।
चुनौतियों को बनाए रखना। इनमें शांति सैनिकों द्वारा अपने दायित्वों को पूरा करने में विफलताएं शामिल हैं।
उनके सुरक्षात्मक जनादेश, गैर-यौन दुर्व्यवहारों का क्रियान्वयन
स्थानीय आबादी और वैश्विक उत्तर के बीच उभरती दरारें
और दक्षिण कोरिया शांतिरक्षा नीतियों और जिम्मेदारियों के वितरण को लेकर।
इन्हें लागू करने की क्षमता। अंत में, पुस्तक कमियों और
यौन शोषण से संबंधित नीतियों के संभावित भविष्य के विकास और
दुर्व्यवहार, इस तरह के व्यवहार की प्रकृति और प्रभावों के बारे में इसके निष्कर्षों के

आलोक में-
ऐसा करने में, मैं मौजूदा शोध का उपयोग करता हूँ और इसे कुछ तरीकों से विस्तारित करता हूँ।
यह न केवल विद्वानों की बहसों के लिए बल्कि नीति निर्माताओं के लिए भी प्रासंगिक है।
यौन शोषण की घटना से जूझ रहे चिकित्सकों और
व्यवहार में दुर्व्यवहार।

यह क्यों महत्वपूर्ण है और संक्षेप में तर्क

शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार की प्रकृति और व्यापकता
शांतिरक्षा से जुड़े क्षेत्रों में भी इसे अक्सर ठीक से समझा नहीं जाता है, जिसका मुख्य कारण यह है कि
इन मुद्दों पर सीमित रिपोर्टिंग और डेटा संग्रह तथा इस तथ्य के कारण कि
अक्सर इन्हें अन्य चुनौतियों की तुलना में कम महत्वपूर्ण मानकर खारिज कर दिया जाता है।
शांतिरक्षा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यौन शोषण "कोई भी वास्तविक या
कमजोरी, असमान शक्ति या विश्वास की स्थिति का दुरुपयोग करने का प्रयास
यौन उद्देश्यों के लिए, जिसमें आर्थिक लाभ कमाना भी शामिल है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।
किसी दूसरे के यौन शोषण से सामाजिक या राजनीतिक रूप से अलग होना।" 17 इन कॉन-
इसके विपरीत, यौन शोषण को उसी नीति में "वास्तविक या धमकी भरा" के रूप में परिभाषित किया गया है।
यौन प्रकृति का शारीरिक अतिक्रमण, चाहे बलपूर्वक हो या असमान परिस्थितियों में।
या दबाव वाली स्थितियाँ।" यौन शोषण और दुर्व्यवहार सबसे पहले एक
संयुक्त राष्ट्र संक्रमणकालीन प्राधिकरण के दौरान शांति अभियानों में मुद्दा-
1993 में कंबोडिया में (UNTAC) में संगठित
देश में शांति सैनिकों के आगमन के बाद वेश्यावृत्ति बढ़ गई। उदाहरण

तब से सभी शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मामले सामने आए हैं।
संयुक्त राष्ट्र द्वारा तैनात किए गए कार्यों का स्तर अलग-अलग होता है।
इनमें यौन तस्करी, बलात्कार और हत्या से लेकर वेश्यावृत्ति तक के अपराध शामिल हैं।
अश्लील सामग्री का उत्पादन और लेन-देन आधारित यौन संबंध, अलग-अलग स्तरों पर
दबाव और सहमति के। उन्होंने वयस्कों और बच्चों दोनों को समान रूप से निशाना बनाया है, क्योंकि
अगले अध्याय में इसका विस्तारपूर्वक वर्णन किया जाएगा, और इसके मुख्य शिकार महिलाएं हैं।
और अठारह वर्ष से कम आयु के लड़के और लड़कियाँ। इसके अलावा, अपराधी-
गद्दार केवल शांतिरक्षा अभियानों में तैनात सैनिक ही नहीं होते; वे
इसमें वर्दीधारी और नागरिक संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की पूरी श्रृंखला शामिल है।
निजी ठेकेदारों, सहायता कर्मियों और शांति से जुड़े अन्य लोगों के रूप में
संचालन। इन सभी रुझानों पर आगे विस्तार से चर्चा की जाएगी।
कई अध्याय।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति अब तक की नीतिगत प्रतिक्रियाएँ निम्न प्रकार की रही हैं:

काफी हद तक प्रतिक्रियात्मक रहे हैं, और एक व्यक्तिगत समझ को प्रतिबिंबित करते हैं।
इस मुद्दे को व्यक्तियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के कृत्यों के संदर्भ में प्रस्तुत करना।
यह दृष्टिकोण व्यक्तियों पर केंद्रित है और व्यापक कारकों की अनदेखी करता है।
प्रशिक्षण और दंड तंत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के चक्कर में एक अन्य चीज़ को प्राथमिकता नहीं दी जाती।
जो लिंग, नस्लवाद, सत्ता की गतिशीलता जैसे संरचनात्मक कारकों को संबोधित करता है।
सामाजिक और आर्थिक संरचनाएं जो ऐसे संदर्भ बनाती हैं जिनमें व्यक्ति-

साथ ही यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अंजाम देते हैं। 18 परिणामस्वरूप, इस नीति में
इस क्षेत्र ने लगभग पूरी तरह से आचरण और अनुशासन ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया है।
यह कार्य करता है और इसे अन्य प्रासंगिक नीतियों से अलग करके आगे बढ़ाया गया है।
नागरिकों की सुरक्षा जैसे ढाँचे और अकादमिक विमर्श
और मानवीय कार्रवाई का मार्गदर्शन करने वाले बाल संरक्षण ढांचे,
महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडा, और संघर्ष से संबंधित यौन उत्पीड़न पर काम।
हिंसा।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति व्यक्तिगत दृष्टिकोण ने
साथ ही, इसे शांति प्रक्रिया की विफलता की व्यापक चर्चाओं से भी अलग कर दिया गया।
यह विरोधाभासी है, क्योंकि राजनयिकों और संयुक्त राष्ट्र की ओर से अक्सर यही बात दोहराई जाती है।
नेताओं का मानना है कि इस तरह का दुर्व्यवहार विश्वसनीयता और क्षमता को कमजोर करता है।
शांति अभियानों में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय। यह समझ की कमी है
हस्तक्षेपकर्ता के प्रभावों के विवरण को देखते हुए शायद यह समझ में आता है।
व्यवहार और संस्कृतियों को हाल ही में मुख्यधारा में एकीकृत किया गया है।
शांति प्रक्रिया की विफलता के बारे में विद्वानों के विमर्श को आगे बढ़ाना, जिसका नेतृत्व करना
सेवरिन ऑटोसेरे। 19 जैसा कि मैं इस पुस्तक में दिखाता हूँ, यौन शोषण और
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किया गया दुर्व्यवहार व्यापक संस्कृतियों से गहराई से जुड़ा हुआ है।
और वे संरचनाएँ जिनके भीतर शांति अभियानों में तैनात लोग काम करते हैं 8 परिचय

और जो स्थानीय समुदायों के साथ उनकी धारणाओं और अंतःक्रियाओं को आकार देते हैं।

इसके अलावा, हस्तक्षेपकर्ताओं के यौन व्यवहार—जिनमें दोनों शामिल हैं
यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीतियों के तहत निषिद्ध व्यवहार
और सहमति से बने रिश्तों को दुराचार के रूप में परिभाषित नहीं किया जाता है,
बल्कि उन्हें इस प्रकार परिभाषित किया जाता है।
फिर भी असमान शक्ति गतिशीलता के कारण—अन्य पहलुओं के साथ प्रतिच्छेदन होता है
हस्तक्षेपकर्ता संस्कृतियों और व्यवहारों का उपयोग गतिशीलता और परिणामों को उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।
जो शांति अभियानों के लक्ष्यों के साथ टकराव पैदा करते हैं और मौलिक रूप से उन्हें कम आंकते हैं-
शांति निर्माण के परिणामों को प्रभावित करना। यौन शोषण को समझकर ही यह संभव है।
इन व्यापक संस्कृतियों, संरचनाओं और संदर्भों में उत्पीड़न और दुर्व्यवहार।
उन दबावों को प्रभावी ढंग से संभाला जा सकेगा जिनका सामना अंतरराष्ट्रीय समुदाय कर सकेगा।
इसका समाधान करें।
हालांकि ऊपर उल्लिखित कुछ शोधों ने यह प्रदर्शित किया है कि
यौन शोषण और दुर्व्यवहार शांति की कथित निष्पक्षता को प्रभावित करता है।
संचालन करता है और लेन-देन को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करने में योगदान देता है।
राष्ट्रीय यौन अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में, हमारी समझ में एक बड़ा अंतर है कि कैसे यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभाव, चाहे वे किसी भी प्रकार के हों, कार्य करते हैं।
शांति अभियानों में जहां भी इसे अंजाम दिया गया है, वहां भी यह समान रहा है, और जिस हद तक उनके परिचालन संबंधी प्रभाव इस घटना में योगदान करते हैं
शांति प्रक्रिया की विफलता के कारण। 20 व्यापक क्षेत्र और विद्वतापूर्ण शोध पर आधारित,
इस पुस्तक में मैं यह प्रदर्शित करता हूँ कि यौन शोषण का कृत्य
और अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किया गया दुर्व्यवहार लक्ष्यों और परिणामों को प्रभावित करता है।

तीन स्तरों पर व्यक्तिगत शांति अभियान, जिनमें से सभी को कमजोर किया जा सकता है।
शांति निर्माण में विभिन्न स्तरों पर योगदान दिया जाता है। ये हैं: (1) व्यक्ति, परिवार और
सामुदायिक स्तर पर, मुख्य रूप से मानवाधिकारों के हनन को बढ़ाने के माध्यम से और पहले से ही कमजोर समुदायों में गरीबी; (2) संरचनात्मक स्तर,
यौन शोषण और दुर्व्यवहारपूर्ण व्यवहारों को सामान्य बनाकर और संस्थागत रूप से मेजबान राज्य में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए दंडमुक्ति को राष्ट्रीय बनाना सुरक्षा क्षेत्र और हस्तक्षेपकर्ता समुदायों के बीच; और (3) संचालन-
राष्ट्रीय स्तर पर, अन्य महत्वपूर्ण मानवाधिकारों के लिए उपलब्ध संसाधनों को मोड़कर
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति प्रतिक्रिया की दिशा में काम करना, अविश्वास पैदा करना
स्थानीय समुदायों के बीच हस्तक्षेप करने वाले, मिशन की निष्पक्षता को कमजोर करते हैं।
स्थानीय समुदायों की नजरों में निष्पक्षता में कमी आना और विश्वास कम होना।
हस्तक्षेपकर्ताओं के पास स्वयं अपने संगठन में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर
शांतिरक्षा और शांति निर्माण परियोजना।
शायद इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पुस्तक दर्शाती है कि इसके निहितार्थों के बारे में
अंतर्राष्ट्रीय परिचालन क्षमता के लिए यौन शोषण और दुर्व्यवहार।
वैश्विक स्तर पर सीमाओं को कम करके राष्ट्रीय समुदाय की पहुंच व्यक्तिगत मिशनों से परे हो जाती है।

शांतिरक्षा और संगठनों की वैधता के बारे में धारणाएँ
शांति अभियानों में शामिल, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र और मानवीय संगठनों में।
संयुक्त राष्ट्र सचिवालय और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश दोनों ही सक्रिय रूप से
संयुक्त राष्ट्र के कार्यों को वैधता प्रदान करने की प्रक्रियाओं में भाग लेना, ऐसी

प्रक्रियाएँ जो
संगठन के लिए समर्थन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन साथ ही मजेदार भी हैं।
यौन शोषण के मामलों के खुलासे से मौलिक रूप से चुनौती मिली है और
शांति अभियानों में दुर्व्यवहार और जवाबदेही प्रक्रियाओं की समस्याएं
तिथि। संयुक्त राष्ट्र और मानवीय सहायता के लिए वैधता की धारणा में कमी आई है।
इससे संगठनों में कर्मचारियों की संख्या में कमी और वित्त पोषण में गिरावट आ सकती है।
अपने देश की भागीदारी को सीमित करने की मांग करने वालों की वकालत को मजबूत करना
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांतिरक्षण और शांति निर्माण में।

इसके अलावा, यह पुस्तक दर्शाती है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार
शांति अभियान कोई अलग मुद्दा नहीं है, बल्कि इससे गहराई से जुड़ा हुआ है।
शांतिरक्षा की विफलताओं के अन्य कारणों के लिए। यह कुछ ऐसा है जिसे नीति
प्रतिक्रियाएँ पर्याप्त रूप से समझ नहीं पाती हैं और मौजूदा शोध भी इसे पूरी तरह से नहीं समझ पाया है।
इसका गहनता से अध्ययन किया गया है। मैं यह प्रदर्शित करता हूँ कि व्यापक मुद्दों
को बेहतर ढंग से संबोधित करने के लिए।
शांतिरक्षा प्रयासों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए, हमें अंतर्संबंधों
को समझना होगा।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार को जन्म देने वाले कारकों के बीच संबंध
और वे कारण जो शांतिरक्षकों को उनकी सुरक्षा जिम्मेदारियों में विफल होने की ओर ले जाते हैं-
संबंधों के संदर्भ में उदाहरण के तौर पर 1995 में स्ब्रेबेनिका की घटना शामिल है।
जब शांति सैनिकों ने मुस्लिम बोस्नियाई लोगों को शरण देने से इनकार कर दिया
संयुक्त राष्ट्र के अड्डे पर हुई कार्रवाई के कारण उन्हें पकड़ लिया गया और अंततः
आठ से अधिक लोगों का नरसंहार हुआ।
सर्ब मिलिशिया द्वारा हजारों पुरुषों और लड़कों की हत्या, और टेरेन होटल पर हमला।
2016 में जुबा में, जब शांति सैनिकों ने मानवीय सहायता के अनुरोध पर प्रतिक्रिया

देने से इनकार कर दिया था।
स्थानीय मिलिशियाओं द्वारा भारतीय कर्मियों पर लगातार हमले किए गए। दोनों ही मामलों में
इन परिस्थितियों में, शांति रक्षक भी यौन शोषण में बड़े पैमाने पर शामिल थे।
स्थानीय महिलाओं और बच्चों का दुर्व्यवहार और शोषण। यौन उत्पीड़न पर विचार करना।
स्थानीय आबादी के खिलाफ अन्य गैर-यौन दुर्व्यवहारों के संदर्भ में दुराचार।
हिंसा या भ्रष्टाचार जैसी स्थितियों का अध्ययन करना भी विकास के लिए उपयोगी है।
शांति वार्ता के अंतर्गत विकसित होने वाली संस्कृतियों की ठोस समझ।
इन संबंधों और शांति परिणामों पर उनके प्रभावों को दर्शाते हुए,
मैं हस्तक्षेपकर्ता संस्कृतियों और उनके निहितार्थों पर उभरते हुए कार्यों में योगदान देता हूँ।
शांति अभियानों की सफलता या विफलता के लिए कारक। मेरा विश्लेषण भी यही दर्शाता है।
यह पुस्तक इस बात पर प्रकाश डालती है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार किस प्रकार संरचनात्मक पहलुओं से परस्पर जुड़े हुए हैं।
और अंतरराष्ट्रीय शांतिरक्षा परियोजना के सामने आने वाली भूराजनीतिक चुनौतियां, इसमें निष्पक्षता को लेकर वैश्विक उत्तर और दक्षिण के बीच बढ़ती खाई भी शामिल है।
शांतिरक्षा के भार को वितरित करने और नीतियों को निर्धारित करने का तरीका 10
परिचय

जिसके द्वारा यह शासित होता है और विभिन्न पक्षों के अक्सर परस्पर विरोधी हित
शांति अभियानों में शामिल कलाकार।
शांति काल में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के स्वरूपों को समझना
संचालन, इसके उत्पन्न होने के कारक और क्षमता पर इसके प्रभाव
और विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की विश्वसनीयता अत्यंत महत्वपूर्ण है।
वैश्विक स्तर पर प्रभावी रोकथाम और प्रतिक्रिया नीतियां। यह पुस्तक दर्शाती है कि
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा इस प्रकार के दुर्व्यवहारों का क्रियान्वयन कमजोर

करता है
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की प्रभावी परिचालन क्षमता
गृहयुद्धों के बाद शांति स्थापित करना और मानवीय पीड़ा को स्थायी रूप से कम करना संकट। इसके अलावा, हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार एक महत्वपूर्ण समस्या पैदा करता है।
बहुपक्षीय शांतिरक्षा परियोजना की कथित वैधता के लिए जोखिम
और आम तौर पर संयुक्त राष्ट्र, जिसके प्रकृति और गतिशीलता पर व्यापक प्रभाव पड़ते हैं।
शांति प्रक्रियाओं में संयुक्त राष्ट्र की भविष्य की भूमिकाओं के बारे में। प्रभावी रूप से रोकथाम और
इस तरह के व्यवहारों पर प्रतिक्रिया देना वैश्विक शांति, व्यवस्था और न्याय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
यह पुस्तक उन तरीकों की पहचान करती है जिनसे भविष्य में नीतियों में सुधार किया जा सकता है।
इस बात का विवरण देते हुए कि वे अब तक असफल क्यों रहे हैं और इसकी प्रकृति की जांच करते हैं।
और यौन शोषण और दुर्व्यवहार के उन प्रभावों का सामना करना पड़ता है।
का जवाब।
इस विश्लेषण से नीतिगत दृष्टि से अनेक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टियाँ प्राप्त होती हैं।
सर्वप्रथम, यह
यह नीति निर्माताओं की समझ को पुनर्परिभाषित करने के महत्व पर प्रकाश डालता है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।
उन जटिल कारकों के समूह के लिए जो विभिन्न पैटर्न और अनुभवों को जन्म देते हैं-
विभिन्न संदर्भों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के अनुभव। दूसरा, यह
यह नेतृत्व पदों पर आसीन लोगों की प्रतिबद्धता के महत्व को रेखांकित करता है।
यौन शोषण के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी ठहराया गया और उसे इसके लिए जिम्मेदार ठहराया गया।
और दुर्व्यवहार नीति—शांति अभियानों और संगठनों के सभी स्तरों पर

उनसे जुड़े हुए। इसके लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सभी मध्य से उच्च स्तर के
अधिकारियों को यह समझ में आता है कि उनके कर्मचारियों द्वारा यौन दुर्व्यवहार किस प्रकार से प्रभावित करता है।
यह उनके और उनके संगठन के हितों से समझौता करके, उनके गलत इरादों को ठेस पहुंचाता है।
संगठन के मूल्यों और लक्ष्यों को प्रभावित करना, परिचालन क्षमता को प्रभावित करना और उसे कमजोर करना।
उनके काम की वैधता के बारे में स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय धारणाएँ। तीसरा,
यह पुस्तक दर्शाती है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति को कैसे विकसित किया जा सकता है।
भविष्य में इसे अन्य प्रणालियों के साथ अधिक निकटता से एकीकृत करके सक्रिय रूप से आगे बढ़ने की दिशा में काम किया जा सकता है।
प्रासंगिक नीतिगत ढाँचे, विशेष रूप से महिलाओं और शांति से संबंधित ढाँचे
और सुरक्षा और संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा। चौथा, यह प्रदान करता है
उदाहरणों के माध्यम से अधिक प्रभावी प्रशिक्षण के विकास के लिए आधार तैयार करना।
नियम-आधारित प्रशिक्षण को निरंतर प्रशिक्षण के साथ पूरक करने के महत्व पर जोर दिया गया है।

न केवल इस बारे में चर्चा और राजनीतिक शिक्षा के अवसर
कुछ व्यवहार निषिद्ध हैं, लेकिन यह भी स्पष्ट नहीं है कि कर्मियों को क्यों तैनात किया गया है और कैसे।
उनके रोजमर्रा के व्यवहार मिशन के लक्ष्यों और परिणामों को प्रभावित करते हैं, और किस हद तक।
कुछ व्यवहारों को प्रतिबंधित या हतोत्साहित किया गया है। अंत में, पुस्तक
यह दर्शाता है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार किस प्रकार एक अत्यंत महत्वपूर्ण समस्या है।

शांतिरक्षा की विफलता की पहेली के एक हिस्से को उजागर करता है और तर्क देता है कि इसे संबोधित करना आवश्यक है।
समग्र रूप से इसका विश्लेषण करना, समस्याओं के समाधान में एक महत्वपूर्ण पहला कदम होगा।
शांतिरक्षा के सामने आने वाली अन्य परस्पर जुड़ी चुनौतियाँ।

दृष्टिकोण और दायरा

नीति निर्माताओं ने अक्सर शांति काल में यौन दुर्व्यवहार के मुद्दे को इस प्रकार परिभाषित किया है
एक सिद्धांत के रूप में संचालन: जब शांति रक्षक स्थानीय आबादी का दुरुपयोग करते हैं-
इनसे मानवाधिकार सिद्धांतों और मूल्यों को कमजोर किया जाता है।
उनकी तैनाती पर रोक लगाएँ। 21 यौन उत्पीड़न के मामलों के जवाब में औपचारिक बयान
दुर्व्यवहार के बारे में कभी-कभी इशारों-इशारों में यह भी कहा जाता है कि इस तरह का व्यवहार-
इससे शांति अभियानों की क्षमता और विश्वसनीयता प्रभावित होती है। जबकि-
पहला दावा काफी हद तक स्वतः स्पष्ट है, जबकि दूसरा अधिक जटिल प्रस्ताव है।
जिसके इर्द-गिर्द यह पुस्तक घूमती है। इसमें, मैं एक बेहतर समझ विकसित करने का प्रयास करता हूँ।
हस्तक्षेपकर्ताओं की संस्कृतियों और व्यवहारों की समझ—विशेष रूप से,
यौन शोषण और दुर्व्यवहार—स्थानीय आबादी के बीच संबंधों की गतिशीलता को प्रभावित करते हैं।
उन क्षेत्रों और उनकी रक्षा के लिए भेजे गए अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं, और
इस प्रकार के व्यवहारों का मिशन के परिणामों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

यह पुस्तक विद्वतापूर्ण शोध और विश्लेषण के संयोजन पर आधारित है।
प्राथमिक दस्तावेजों और समाचार रिपोर्टों के साथ-साथ व्यापक साक्षात्कार-आधारित अध्ययन के आधार पर

डेटा संग्रह। यह शांति अभियानों से संबंधित मामलों और उदाहरणों पर आधारित है। यह शीत युद्ध के बाद के युग में वैश्विक स्तर पर किए गए व्यापक सर्वेक्षण का पूरक है।

यौन दुर्व्यवहार के अनुभवों और प्रभावों का गहन क्षेत्र अनुसंधान के साथ अध्ययन तिमोर-लेस्ते और बोस्निया-हर्ज़ेगोविना (जिसे आगे बोस्निया कहा जाएगा) में, साथ ही साथ

जिनेवा स्थित मानवीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र के साथ-साथ राजनयिक सहयोग के माध्यम से।

न्यूयॉर्क में लोकोमैटिक समुदाय। लगभग सौ साक्षात्कार लिए गए।

यह अध्ययन 2016 में उन व्यक्तियों के साथ किया गया था जिनके पास पेशेवर विशेषज्ञता दोनों थी।

इस परियोजना से संबंधित प्रासंगिकता और शांति संचालन में प्रत्यक्ष व्यक्तिगत अनुभव-

ये स्थितियां या तो केस स्टडी वाले देशों में हों या वैश्विक स्तर पर।

साक्षात्कारकर्ताओं को मोटे तौर पर दो समूहों में से एक में वर्गीकृत किया जा सकता था, हालाँकि

अक्सर कुछ ओवरलैप होता था। पहला समूह उन व्यक्तियों का था जो 12 वर्ष के थे। परिचय

शांति अभियानों और यौन शोषण के मुद्दों में पेशेवर रूप से संलग्न।

और शोषण (रोकथाम और जवाबदेही प्रक्रियाओं सहित)।

इसमें वे व्यक्ति शामिल थे जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ काम किया (जैसे जैसे कि संयुक्त राष्ट्र, यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन

[ओएससीई], और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन [नाटो]), अंतर्राष्ट्रीय-

राष्ट्रीय और स्थानीय गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), नागरिक समाज

संगठन, विदेशी सैन्य या पुलिस बल, निजी सैन्य और सुरक्षा-

सरकारी ठेकेदार, राष्ट्रीय और स्थानीय सरकारें, राष्ट्रीय सुरक्षा सचिव-

टोर और राजनयिक कोर, जिसमें विभिन्न प्रभावशाली मिशन शामिल हैं

दूसरा समूह संयुक्त राष्ट्र से संबंधित व्यक्तियों या संगठनों का था।

ऐसे संबंध जो हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार से प्रभावित हुए थे
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप के दौरान बोस्निया और तिमोर-लेस्ते। यह समूह
आम तौर पर यौन-संबंधी घटनाओं या पैटर्न पर प्रतिक्रिया देने में शामिल रहे हैं।
यौन दुर्व्यवहार, जिसमें पीड़ितों को सहायता प्रदान करना और उनके साथ काम करना
शामिल है।
अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को रोकथाम करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास
करना चाहिए।
अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहारों के लिए। दोनों समूहों और सभी संदर्भों में,
साक्षात्कार में शामिल सभी लोग अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप में शामिल थे।
स्थानीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। उन्हें इसकी जानकारी भी थी।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति प्रतिक्रियाओं की प्रकृति
और पेशेवर अनुभव के आधार पर प्रभावों के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि।
इस तरह के व्यवहार अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव
डालते हैं।
मेजबान समुदाय और दीर्घकालिक शांति निर्माण परिणामों पर
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप।
इन साक्षात्कारों के दौरान एकत्रित की गई जानकारी का विश्लेषण किया गया।
प्रासंगिक शोध साहित्य, समाचार रिपोर्टों और दस्तावेजों के साथ उनका मिलान करें।
या संयुक्त राष्ट्र, गैर सरकारी संगठनों और थिंक टैंकों द्वारा तैयार की गई रिपोर्टों को
एकीकृत करके।
इस संदर्भ में विद्वानों और अन्य स्रोतों के साथ-साथ उपाख्यानात्मक और गुणात्मक
साक्ष्य भी शामिल हैं।
इस तरह, मैं विभिन्न विवरणों में पैटर्न और थीम की पहचान करने में सक्षम था।
वे एक दूसरे को काटते और सहारा देते थे। इसी ने नींव रखी।
यौनिकता की प्रकृति और प्रभावों का विश्वसनीय, बहुआयामी विवरण प्राप्त करने के
लिए
शांति अभियानों में शोषण और दुर्व्यवहार। एकत्रित साक्ष्य और विश्लेषण-
इस तरह से विश्लेषण करने पर एक मजबूत और समग्र कथात्मक विवरण प्राप्त होता
है।

शांति अभियानों में यौन दुर्व्यवहार की घटना जो सामने आती है
शांति अभियानों में अग्रिम मोर्चे पर तैनात लोगों की आवाज़ें और अनुभव
और, अनेक शांति अभियानों के उदाहरणों और विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए
विस्तृत केस स्टडी के साथ-साथ, यह उन निष्कर्षों की ओर ले जाता है जो वैश्विक
स्तर पर प्रासंगिक हैं।
इसके अलावा, गुणात्मक विश्लेषण के दौरान एकत्रित जानकारी काफी प्रासंगिक है।

साक्षात्कारों से इस पुस्तक के निष्कर्षों को एक समृद्धता और जटिलता प्राप्त होती है।
विविधतापूर्ण संसाधनों तक पहुंच के अभाव में यह संभव नहीं होता।
साक्षात्कारों के दौरान अनुभवों और दृष्टिकोणों की एक विस्तृत श्रृंखला का सर्वेक्षण
किया गया।
उदाहरण के लिए, यह स्थानीय समुदायों और उनके बीच के अंतर को उजागर करता
है।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय यौन दुर्व्यवहार को समझता है और उसके बारे में बात करता है।
शांति अभियानों में और नीतिगत प्रतिक्रिया के निहितार्थों में। इसलिए जबकि
संयुक्त राष्ट्र और मानवीय सहायता विभाग के वरिष्ठ कर्मचारी अक्सर मुद्दों के बारे में
इस तरह से बात करते थे:
मूल्यों और वैधता के क्षरण के मुद्दे पर बोस्निया और तिमोर के स्थानीय उत्तरदाताओं
की राय।
लेस्टे ने आर्थिक आवश्यकता और सत्ता असमानता के तरीकों पर जोर दिया।
स्थानीय महिलाओं और बच्चों द्वारा भाग लेने के बारे में किए गए विकल्पों को इसने
प्रभावित किया।
हस्तक्षेपकर्ताओं के साथ लेन-देन संबंधी यौन संबंध और युद्धकालीन यौन अनुभवों का
प्रभाव
हिंसा ने इन अंतःक्रियाओं के बारे में स्थानीय समुदायों की धारणाओं को प्रभावित
किया।
जबकि अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने बेहतर प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया
और

रिपोर्टिंग तंत्रों के संबंध में, स्थानीय उत्तरदाताओं ने गहरे अनादर और
हस्तक्षेपकर्ताओं के व्यवहार के परिणामस्वरूप उन्हें विश्वासघात का एहसास हुआ।
और जबकि
अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारियों ने संबोधित करने या विनियमित करने की कठिन गतिशीलता
पर चर्चा की।
विदेशी कर्मचारियों और स्थानीय लोगों, बोस्नियाई और के बीच संबंधों को बेहतर
बनाना
तिमोर के उत्तरदाताओं ने यौन दुर्व्यवहार के बारे में बात की।
नस्लवाद और उन लोगों से मिली सहानुभूति की कमी जिन्हें कथित तौर पर समर्थक
कार्यों के लिए भेजा गया था।
उनकी रक्षा करें, शांति स्थापना के लक्ष्यों पर सवाल उठाएं और पूछें कि इससे क्या
नुकसान हो सकता है।
इसके लाभ प्राप्त करने के लिए उनके समुदायों को कठिनाइयों का सामना करना
पड़ेगा।
बोस्निया में एक उत्तरदाता ने शांति के मूल उद्देश्य पर सवाल उठाया।
अभियानों के दौरान, यह पूछते हुए कि, "किसके लिए शांति स्थापना? किस शांति के
लिए? बचाओ
किसे? किससे मुक्त कराना है?" बोस्निया और तिमोर-लेस्ते दोनों में अन्य लोग
यह सुझाव दिया गया कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार बस ऐसी चीजें हैं जो
शांति सैनिकों द्वारा संघर्ष का अंत करने के बदले में समुदायों को सहन करना पड़ा।
उन युद्धों के बारे में जो उन्होंने झेले थे। इसी तरह, हस्तक्षेपकर्ताओं के साथ साक्षात्कार
जिन्होंने
शांति अभियानों में उनकी भूमिकाएँ और अनुभव बहुत अलग थे, जिन पर प्रकाश
डाला गया।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने इस मामले को कितनी अच्छी तरह संभाला, इस पर अलग-
अलग दृष्टिकोण हैं।
यौन दुर्व्यवहार के आरोप, दुर्व्यवहार के महत्वपूर्ण उदाहरण
वास्तव में वे क्या हैं, और इस तरह के व्यवहार हस्तक्षेपकर्ताओं की धारणाओं को कैसे
प्रभावित करते हैं।

अपने सहयोगियों, अपने मिशन और व्यापक शांति के बारे में आपस में बातचीत करना।
परियोजना को जारी रखना।

साक्षात्कारों का संदर्भ आम तौर पर पुस्तक के पाठ में पूर्ण रूप से दिया जाता है, जिसमें निम्नलिखित का उपयोग किया जाता है:

व्यक्ति का नाम, संगठनात्मक संबद्धता या व्यावसायिक पृष्ठभूमि
उत्तरदाता के अनुरोध के अनुसार। हालाँकि, कुछ मामलों में, संवेदनशीलता के कारण साक्षात्कारों के दौरान साझा की गई सामग्री की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, प्रयास किए गए हैं। 14 परिचय

साक्षात्कारकर्ता की पहचान को छिपाने के लिए—उन मामलों में,
मैंने कभी-कभी रिपोर्टों जैसे वैकल्पिक स्रोतों का संदर्भ देना चुना है।
या समाचार लेख जो समान जानकारी प्रस्तुत करते हैं, या मैंने इसमें उल्लेख किया है संदेश में यह बताया गया है कि जानकारी देने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान गुप्त रखने का अनुरोध किया है।
अक्सर, संदर्भित जानकारी वर्णनात्मक होती है—यौन संबंधों के प्रकारों का वर्णन करती है।
उत्तरदाताओं द्वारा देखे गए शोषण और दुर्व्यवहार तथा इसके प्रभावों का अध्ययन किया गया।
उनके काम के दौरान और उत्तरदाताओं की संगठनात्मक प्रतिक्रियाओं के बारे में।
इसमें शामिल थे—इसलिए जहां प्रासंगिक हो, मैंने कई उत्तरदाताओं का संदर्भ दिया है।
जिन छात्रों ने समान जानकारी साझा की या लिखित स्रोतों का संदर्भ दिया साक्षात्कारों के साथ-साथ। कुछ मामलों में, क्रॉस-रेफरेंस करना संभव नहीं था।
अन्य स्रोतों से प्राप्त डेटा। मुझे जानकारी और स्रोत कहाँ से मिले।
फिर भी, इसे संतोषजनक रूप से विश्वसनीय बनाने के लिए, मैंने इसे एक किस्से के रूप में प्रस्तुत किया है।
बल्कि ऐसी कोई चीज जिसके लिए निर्विवाद प्रमाण उपलब्ध हों। अंत में,
कुछ मामलों में, जब कई अंतर्संबंधों से उत्पन्न विषयों का वर्णन किया जाता है-

ऐसे विचार जो सीधे तौर पर पेशेवर अनुभवों से जुड़े नहीं थे, लेकिन
संबंधित मुद्दों के बारे में धारणाओं के बजाय, मैं इस तरह की व्यापकता को इंगित करता हूं।
प्रत्येक व्यक्ति की पहचान करने के बजाय उत्तरदाताओं के बीच टिप्पणियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
जिन्होंने इन्हें बनाया।
इससे संबंधित एक मुद्दा यह है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार करने वाले अपराधी किस प्रकार कार्रवाई करते हैं।
इन देशों के बारे में जानकारी की उपलब्धता में असंगतता को देखते हुए इनका वर्णन किया गया है।
उत्पत्ति के प्रयास। जहां अपराधियों की राष्ट्रीयता के बारे में जानकारी उपलब्ध है।
उपलब्ध होने पर, मैंने उन विवरणों को शामिल किया है, आंशिक रूप से यह दिखाने के लिए कि हस्तक्षेपकर्ता
कई अलग-अलग देशों के लोग इस तरह का दुराचार करते हैं। कैसे-
हालांकि, यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक रिपोर्टों में केवल 2016 से उस जानकारी को व्यवस्थित रूप से शामिल किया गया, और यहां तक कि इसलिए, ऐसे मामले भी सामने आए हैं जहां इसे छिपाया गया है, जैसा कि मैं विस्तार से चर्चा करता हूं।
अध्याय 4 में। अपराधियों की राष्ट्रीयता भी कभी-कभी बताई गई है।
एनजीओ या मीडिया रिपोर्टों में खुलासा हुआ। हालाँकि, कई मामलों में वह जानकारी-जानकारी आसानी से उपलब्ध नहीं है, या मैं इसके बारे में विवरणों की पुष्टि करने में असमर्थ रहा हूँ।
मुझे साक्षात्कारों में जो राष्ट्रीयताएँ बताई गईं, और इसलिए उनमें मैंने
उन्होंने "शांति रक्षक," "सहायता कर्मी" जैसे अधिक सामान्य शब्दों का प्रयोग किया।
“संयुक्त राष्ट्र पुलिस,” इत्यादि। इसके अलावा, इस पाठ के कुछ हिस्सों में मैं चर्चा करता हूँ।
यौन शोषण में हस्तक्षेप करने वालों की भागीदारी में सामान्य रुझान और
दुर्व्यवहार—उदाहरण के लिए, वेश्यालयों को संरक्षण देने के संदर्भ में—और क्योंकि पूर्ण

इसमें शामिल व्यक्तियों की राष्ट्रीयता के बारे में डेटा उपलब्ध नहीं है। मैंने यह विकल्प चुना है।
सामान्य वर्णनकर्ताओं का भी उपयोग करें।

इस अध्ययन के लिए बोस्निया और तिमोर-लेस्ते को गहन केस स्टडी के रूप में चुना गया था।
यह परियोजना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ये यौन शोषण के बहुत अलग-अलग अनुभवों का प्रतिनिधित्व करती हैं।
शांति अभियानों के दौरान उत्पीड़न और दुर्व्यवहार, और दोनों ही पर्याप्त समय प्रदान करते हैं।
इस प्रकार के दुर्व्यवहार के दीर्घकालिक प्रभावों की जांच के लिए समय सीमा निर्धारित करना।
देश में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के शांति निर्माण परिणाम। बोस्निया-
निया उन पहले शांति अभियानों में से एक है जहां व्यापक यौन शोषण हुआ।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा की गई कार्रवाई का दस्तावेजीकरण किया गया है—इससे संबंधित समयसीमाएँ इस प्रकार होंगी।
अध्याय 1 में चर्चा की गई है। शांति रक्षक और अन्य हस्तक्षेपकर्ता तैनात किए गए थे-
युद्ध के दौरान और बाद में लेन-देन संबंधी यौन अर्थव्यवस्था में शामिल थे।
पड़ोसी राज्यों से महिलाओं और लड़कियों की जबरन तस्करी और अवैध व्यापार।
शांति रक्षकों और स्थानीय पुरुषों दोनों द्वारा अक्सर आने-जाने वाले वेश्यालयों में काम करने के लिए। 22
इसके विपरीत, हालांकि तिमोर-लेस्ते में हस्तक्षेप करने वाले भी यौन गतिविधियों में शामिल थे
दुर्व्यवहार की घटनाएं बोस्निया की तुलना में अधिक सीमित थीं, हालांकि उनका पैमाना लगभग समान था।
और अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप का स्वरूप। इसके अलावा, ऐसे स्वरूपों में
मेरे साक्षात्कारों से यह स्पष्ट हुआ कि दुर्व्यवहार के तरीके काफी अलग थे:
हालांकि हस्तक्षेपकर्ता लेन-देन संबंधी यौन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थे, फिर भी

अधिकतर मामले सार्वजनिक यौन उत्पीड़न और तोड़फोड़ से संबंधित थे।
विदेशियों के बीच सहमति से बने वयस्क संबंधों का टूटना या परित्याग होना
पुरुषों और तिमोर की महिलाओं पर संयुक्त राष्ट्र की नीति द्वारा कोई प्रतिबंध नहीं है, लेकिन
जिसके परिणामस्वरूप अक्सर ऐसे बच्चे पैदा होते हैं जिन्हें "शांति शिशु" के रूप में जाना जाता है और
बाद में इन्हें शोषणकारी माना गया। ये दो मामले दो अलग-अलग स्थितियों को दर्शाते हैं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के संबंध में समुदायों के अनुभव बहुत भिन्न हैं।
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं को यह एक मूल्यवान अवसर प्रदान करता है।
इस प्रकार के व्यवहारों के विभिन्न स्वरूपों की जांच और उन्हें समझने के लिए
विभिन्न संदर्भ (जिनमें अपराध करने में योगदान देने वाले कारक भी शामिल हैं)
इससे सुरक्षा प्रदान करते हैं)। इसके अलावा, वे जांच में भी सहायता प्रदान करते हैं।
विभिन्नता का (हालाँकि, जैसा कि यह शोध दर्शाता है, उल्लेखनीय रूप से समान-
(लार) इस तरह के व्यवहारों का स्थानीय लोगों के बीच संबंधों पर पड़ने वाले प्रभाव।
शांति निर्माण के परिणामों पर समुदाय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बीच चर्चा।
और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की व्यापक विश्वसनीयता पर भी, दोनों ही मामलों में
संबंधित देश और वैश्विक स्तर पर। इन केस स्टडी से प्राप्त निष्कर्षों का उपयोग तब किया जाता है।
वर्णित डेटा संग्रह और विश्लेषण के अन्य रूपों के साथ त्रिकोणीय रूप से संश्लेषित किया गया
उपरोक्त बातों का उपयोग करके समसामयिक मुद्दों और नीति का व्यापक विश्लेषण किया जा सकता है।
आशय।
यहां ध्यान देने योग्य एक अंतिम बिंदु यह है कि उपलब्ध जानकारी
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में मुख्य रूप से 16 बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया है।

स्थानीय लोगों के खिलाफ पुरुषों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अंजाम देने के

लिए
अठारह वर्ष से कम आयु की महिलाएं और बच्चे—लड़के और लड़कियां दोनों।
संयुक्त राष्ट्र के डेटाबेस में यौन शोषण या यौन शोषण का कोई मामला दर्ज नहीं है।
महिला शांतिरक्षकों द्वारा स्थानीय लोगों के खिलाफ किए गए दुर्व्यवहार के मामले हैं,
और ऐसे मामले भी हैं।
ऐसे बहुत कम मामले सामने आए हैं जिनमें वयस्क पुरुष पीड़ित के रूप में शामिल रहे हैं।
टिम्स. 23 इसके बावजूद, किशोर लड़कों का यौन शोषण और दुर्व्यवहार
पुरुष हस्तक्षेपकर्ता यह सुझाव दे सकते हैं कि इस प्रकार का दुर्व्यवहार अन्य
महिलाओं के विरुद्ध भी किया जाता है।
अठारह वर्ष से अधिक आयु के पुरुष, लेकिन सामाजिक कलंक के कारण उनकी
संख्या कम दर्ज की जाती है।
परिणामस्वरूप, यह पुस्तक मुख्य रूप से यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर केंद्रित है।
जैसा कि पुरुष हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा स्थानीय महिलाओं और बच्चों के खिलाफ किया गया था,
हालांकि दुर्व्यवहार के अन्य स्वरूपों पर भी उपलब्ध साक्ष्यों के रूप में चर्चा की गई है।
अनुमति देता है।
मौजूदा प्रणालियों की विफलता के बारे में वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ रही है।
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपों द्वारा दुर्व्यवहार और शोषण को रोकने के उपाय
शांति प्रक्रियाओं में बाधा उत्पन्न होने के कारणों की पहचान करने को लेकर वैश्विक
स्तर पर चिंता भी बढ़ रही है।
अक्सर स्थायी शांति स्थापित करने में विफल रहते हैं और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण और
व्यवहार शांति निर्माण को कमजोर करते हैं। 24 व्यापक प्राथमिक शोध के आधार पर
हस्तक्षेपकर्ताओं और शांति प्राप्त करने वाले समुदायों दोनों के साथ अनुसंधान।
संचालन को ध्यान में रखते हुए, यह पुस्तक विद्वतापूर्ण और
इन दोनों मुद्दों पर नीतिगत चर्चाएँ, यह दर्शाते हुए कि यौन
हस्तक्षेपकर्ताओं के दुर्व्यवहार के महत्वपूर्ण और व्यापक परिणाम होते हैं।
शांति अभियानों की सफलता और इसे बेहतर तरीके से कैसे संबोधित किया जा
सकता है

भविष्य।

शब्दावली पर एक टिप्पणी

इस अध्ययन में प्रयुक्त कई शब्दों को स्पष्टीकरण की आवश्यकता है, हालांकि, जैसा कि मैट्स ने कहा है।
बर्डल कहते हैं, "शब्दावली संबंधी कुछ हद तक अशुद्धि अपरिहार्य है।"
इस विषय से निपटना।" 25 यद्यपि ये परिभाषाएँ सटीक नहीं हो सकती हैं,
वे प्रक्रियाओं की बदलती प्रकृति को प्रतिबिंबित करने के लिए पर्याप्त गतिशील हैं और वर्णित समूह। मैं शांति प्रक्रिया शब्द का प्रयोग इस जटिल प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए करता हूँ।
एक लंबा और गतिशील प्रयास जिसके द्वारा एक समाज हिंसक संघर्ष से बाहर निकलता है।
संघर्ष और सामाजिक संगठन के शांतिपूर्ण तरीकों की ओर तथा विवाद-
सत्ता का केंद्रीकरण। शांति वार्ता और समझौते शांति के लिए केंद्रीय महत्व रखते हैं।
प्रक्रियाएं, लेकिन वे एक लंबी प्रक्रिया का सिर्फ एक हिस्सा हैं जिसमें शामिल हैं

शांति निर्माण, शांति सुदृढ़ीकरण और अक्सर, शांति स्थापना। शांति निर्माण
इस पुस्तक में प्रक्रियाओं का वर्णन करने के लिए प्रयुक्त व्यापक ढांचा है।
जिन राजनीतिक समझौतों को लागू किया जाता है और उन्हें अर्थपूर्ण रूप दिया जाता है-
हिंसक संघर्ष के बाद या उसके परिणामस्वरूप पूर्ण राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन
तिमोर-लेस्ते के मामले में, कब्ज़ा। इस शब्द का प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है।
शांति को मजबूत करना। शांतिरक्षा इन प्रयासों का एक महत्वपूर्ण तत्व है।
ऐसे मुद्दे जिनके इर्द-गिर्द बहुत सारा अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप घूमता है, लेकिन यह नहीं है
एकमात्र तत्व—व्यापक राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा समर्थक—

शांतिरक्षा के साथ उपकर ऐसे कार्य का निर्माण होता है जो इसके अंतर्गत आता है।
शांति निर्माण का झंडा। परिणामस्वरूप, शांति निर्माण के परिणाम हैं
शांतिरक्षा से जुड़े लोगों से कहीं अधिक व्यापक और इसमें शामिल हैं
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा लक्ष्यों को संचालित करने वाले लक्ष्य
संघर्षग्रस्त समाजों में हस्तक्षेप।

इसी के अनुरूप, मैं अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप शब्द का प्रयोग वर्णन करने के लिए करता हूँ।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की यह व्यापक परियोजना, जो इस ट्रांस- का समर्थन करती है...
शांति की स्थिति, और हस्तक्षेपकर्ताओं शब्द एक समावेशी शब्द के रूप में जो दर्शाता है
नागरिक, सैन्य, पुलिस और अन्य सुरक्षा कर्मी जो किसी संगठन से जुड़े हैं
शांति अभियान, साथ ही सहायताकर्मी, राजनयिक, निजी ठेकेदार,
और समर्थन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया से जुड़े अन्य व्यक्ति-
गृहयुद्ध से प्रभावित राज्यों के शांति की ओर संक्रमण का समर्थन करें। कुछ मामलों में ऐसे मामलों में, मैं हस्तक्षेपकर्ता समुदाय शब्द का प्रयोग इस व्यापक समूह को संदर्भित करने के लिए करता हूँ।
किसी विशेष संदर्भ में हस्तक्षेप करने वाले। अंत में, अंतर्राष्ट्रीय कॉम शब्द-
यहां 'समुदाय' से तात्पर्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय संस्थाओं के व्यापक समूह से है।
जिनसे ये हस्तक्षेपकर्ता चुने जाते हैं और जो उन्हें सेवाएं प्रदान करते हैं
उनका जनादेश (राजनीतिक और नैतिक दोनों)—विशेष रूप से प्रमुख राज्यों का,
गृहयुद्ध में शांति प्रक्रियाओं में शामिल संगठन और भागीदार।
इस पुस्तक के संदर्भ में, यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय अक्सर एक पर केंद्रित होता है।
यह संयुक्त राष्ट्र का शांति अभियान है, लेकिन इसका संचालन व्यापक स्तर पर होता है और इसमें अन्य क्षेत्र भी शामिल हैं।
संयुक्त राष्ट्र परिवार के संगठन: मानवीय और विकास संबंधी गैर सरकारी संगठन,
राजनयिक समुदाय और निजी क्षेत्र की कंपनियां, जिन्हें अनुबंधित किया गया है
संयुक्त राष्ट्र मिशन के संचालन का समर्थन करें। स्पष्ट मतभेदों के बावजूद

इन अभिनेताओं के दायरे, मिशन और क्षमता में और उनकी विविधता के बावजूद-
विभिन्न संदर्भों में जुड़ाव के विभिन्न स्तरों के बावजूद, वे इस मायने में समान हैं कि
वे व्यापक रूप से संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में शांति को बढ़ावा देने में लगे हुए हैं।
वे राज्यों में हस्तक्षेपकर्ताओं के रूप में लगे अभिनेताओं का समुदाय बनाते हैं।
शांति अभियान।

पुस्तक का संगठन

यह पुस्तक मुख्य रूप से तीन भागों में संगठित है: पृष्ठभूमि और
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार का संदर्भ, इसके प्रभाव
शांति निर्माण के परिणामों और अंतर-संस्था की क्षमता और विश्वसनीयता पर।
राष्ट्रीय समुदाय और प्रभावी नीतिगत प्रतिक्रिया के सामने आने वाली चुनौतियाँ।

अध्याय 1 में यौन शोषण के इतिहास का संक्षिप्त विवरण दिया गया है।

और वैश्विक स्तर पर शांति अभियानों में दुर्व्यवहार, जिसमें इसके विभिन्न रूप शामिल हैं
(जिनमें से कुछ ही आपराधिक हैं) और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लेन-देन की सीमा
इसमें उन हस्तक्षेपकर्ताओं का विवरण दिया गया है जो इसे अंजाम देते हैं। यह बताता है कि कैसे और क्यों ये
शांति अभियानों में होने वाले व्यवहारों की जांच स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर की जाती है।
वे राष्ट्रीय, मानक, प्रणालीगत और संरचनात्मक कारक जो इन्हें जन्म देते हैं।
इसमें हस्तक्षेप द्वारा यौन दुर्व्यवहार के बीच संबंधों को भी संबोधित किया गया है।
युद्धों के दौरान की गई संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा और यौन-
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा उनके विरुद्ध किया गया यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार
शांति अभियानों में सहयोगी।

अध्याय 2 में उन केस स्टडीज़ का परिचय दिया गया है जो विश्लेषण का आधार बनती हैं।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार के दीर्घकालिक प्रभावों का अध्ययन करता है। यह एक
यौन दुर्व्यवहार के संदर्भ, प्रकृति और पैमाने का विस्तृत विवरण
बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में शांति अभियानों के दौरान हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा
व्यापक प्राथमिक आंकड़ों पर आधारित। यह दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर किस
प्रकार से
समुदायों द्वारा इस प्रकार के दुर्व्यवहारों का अनुभव करना ऐतिहासिक अनुभवों पर
आधारित है।
सांस्कृतिक मानदंड, और कई मायनों में, भौतिक अभाव के विशेष रूप-
उन्होंने जिन यौन हिंसा का अनुभव किया, उसके निहितार्थों के साथ-
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा अनुचित व्यवहार माने जाने वाले कार्यों के लिए वे कार्रवाई करते
हैं।

अध्याय 3 यौनिकता के सूक्ष्म और मिशन-स्तरीय प्रभावों की पड़ताल करता है।

शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा किए गए शोषण और दुर्व्यवहार
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सुरक्षा से संबंधित अपने लक्ष्यों को पूरा करने की क्षमता-
संघर्षोत्तर संदर्भों में स्वतंत्रता, स्थिरता और शांति निर्माण। यह निम्नलिखित का
विश्लेषण करता है:
इस तरह के दुर्व्यवहार के स्थानीय लोगों के बीच संबंधों पर दीर्घकालिक प्रभाव
समुदाय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, कथित परिणाम
शांति अभियान, और शासन एवं सुरक्षा की नई संरचनाएं
शांति अभियान के दौरान स्थापित किया गया।

अध्याय 4 व्यापक और संस्थागत स्तर पर जांच करने पर

ध्यान केंद्रित करता है।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभाव। यह दर्शाता है कि यौन दुर्व्यवहार...
व्यक्तिगत मिशनों में किए गए कार्यों के दूरगामी प्रभाव होते हैं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करते हैं।
शांति अभियानों में प्रभावी ढंग से संलग्न होने और कम करने के लिए राष्ट्रीय क्षमताओं

शांति प्रयासों में संलग्न अंतरराष्ट्रीय समुदाय की कथित वैधता-
रक्षा और शांति स्थापना, जिससे अंतरराष्ट्रीय संबंधों को कमजोर किया जा रहा है।
समुदाय की उन व्यापक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने की क्षमता जो उसे प्रेरित करते हैं
शांतिरक्षा। यह 2015 के शांति-युद्ध के प्रति अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं पर नज़र रखता है।
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में रखवाले द्वारा यौन शोषण कांड और 2018
हैती में ऑक्सफैम यौन शोषण कांड के वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य का पता लगाया जाएगा
ऐसे घोटालों के निहितार्थ। यह दर्शाता है कि यौन शोषण किस प्रकार होता है।
और दुर्व्यवहार अंतर-संस्था की क्षमता और कथित वैधता को कमजोर करता है।
राष्ट्रीय समुदाय कई परस्पर सुदृढ़ तरीकों से, गंभीर रूप से-
शांतिरक्षा और शांतिनिर्माण के भविष्य के लिए इसके व्यापक निहितार्थ हैं।
प्रकृति, कारणों और प्रभावों का व्यापक विवरण विकसित करने में
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में यह पुस्तक खुलासा करती है।
यौन दुर्व्यवहार और अन्य कई चुनौतियों के बीच के अंतर-
आज संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में, शांति सैनिकों की विफलता सहित, कई समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।
सुरक्षात्मक जनादेशों को पूरा करना, वैश्विक उत्तर और के बीच बढ़ती दरार
दक्षिण में शांति स्थापना के भार के वितरण और इसके संबंध में विवाद है।

शांति अभियानों में हितों की प्रतिस्पर्धा चल रही है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र और अन्य पक्षों के बीच भी शामिल है।
सेना और पुलिस बल का योगदान देने वाले देश। अध्याय 5 में, मैं इन मुद्दों पर चर्चा करता हूँ।
हस्तक्षेपकर्ता संस्कृतियों के व्यापक परिवेश के साथ परस्पर क्रिया करने के तरीके पर विचार करके, हम मिलकर काम करेंगे।
शांति की प्रभावशीलता को चुनौती देने और कमजोर करने वाले कारकों की एक श्रृंखला
यौन दुराचार को अंजाम देने सहित कई कार्यों में शामिल हैं।
स्थानीय समुदायों के खिलाफ आचरण। इस संदर्भ में, मैं प्रमुख अंतर्दृष्टियों पर चर्चा करता हूँ।
इस पुस्तक ने यौन शोषण की प्रकृति और उसके प्रभावों के बारे में खुलासा किया है।
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार और यह सुझाव देना कि कैसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर
राष्ट्रीय समुदाय इस घटना और इसकी जटिलताओं को बेहतर ढंग से संबोधित कर सकता है।
भविष्य में परस्पर जुड़े निहितार्थ।

1

यौनिकता का इतिहास और प्रकृति

शांति अभियानों में दुर्व्यवहार

2018 की शुरुआत में, वैश्विक मानवीय समुदाय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मचे संकट से हिल गया था।
राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में सहायता कर्मियों द्वारा वेश्याओं को काम पर रखने और यौन पार्टियों का आयोजन करने की बात सामने आई है।
2010 के भूकंप के बाद आपातकालीन प्रतिक्रिया के दौरान हैती में संबंध।

जैसे-जैसे कहानी सामने आई, यह स्पष्ट हो गया कि इसमें शामिल कुछ कर्मचारियों ने इससे पहले भी इसी तरह के अनुचित यौन व्यवहार में शामिल होने के आरोप लग चुके हैं।
संघर्षग्रस्त क्षेत्रों सहित पूर्व मानवीय सहायता तैनाती। अधिक जानकारी-
ऑक्सफैम से बर्खास्तगी के बाद, उनमें से कई लोगों को काम मिल गया।
अन्य संगठन भी आपात स्थिति में कमजोर आबादी के साथ काम कर रहे हैं।
एजेंसी और संघर्ष क्षेत्र। 1
हैती में हुई घटनाओं के समय, मानवीय सहायता प्रतिक्रिया
भूकंप का संयुक्त राष्ट्र के चल रहे स्थिरीकरण अभियान से अटूट संबंध था।
हैती में मिशन (मिनुस्टाह), जिसे 2004 से तैनात किया गया था।
देश में हिंसा और अस्थिरता के जवाब में। मिनुस्ताह कॉन-
लगातार यौन उत्पीड़न की सबसे अधिक रिपोर्टों का सामना करना पड़ा है।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में शोषण और दुर्व्यवहार, जिसमें लेन-देन की रिपोर्ट भी शामिल है।
राष्ट्रीय यौन संबंध, नाबालिगों के साथ यौन संबंध और बलात्कार। 2 मिनुस्ताह के जनादेश में शामिल थे

एक सुरक्षित और स्थिर वातावरण की बहाली, और इसके लिए प्रोत्साहन।
राजनीतिक प्रक्रियाओं, हैती की शासन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए संस्थागत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करना।
कानून के शासन और मानवाधिकारों के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए।
देश में। 3 2010 के भूकंप के बाद, शांति अभियान भी
उन्हें हैती के अधिकारियों और मानवीय सहायता आयोग की सहायता करने का कार्य सौंपा गया है।
प्रभावित समुदायों के प्रति प्रतिक्रिया में समुदाय। परिणामस्वरूप, यह अंतर
संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत तैनात शांति सैनिकों और मानवीय सहायता कर्मियों के बीच
प्राकृतिक आपदा के जवाब में तैनात किए गए लोगों की स्थिति स्पष्ट नहीं थी—उन्होंने

काम किया
इसी संदर्भ में, वे समान संगठनों से लिए गए थे, वे
प्रभावित समुदायों की सेवा करने के लिए उन्होंने मिलकर काम किया, और, प्रति-
शायद सबसे महत्वपूर्ण बात, स्थानीय समुदायों के साथ उनके संबंधों की गतिशीलता
है।
समुदायों में समानता थी। यह घनिष्ठ संबंध इसके महत्व को और पुष्ट करता है।
शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार का अध्ययन करने के अलावा
इसमें शामिल विभिन्न पक्षों द्वारा किए गए परस्पर जुड़े अपराध।
किसी देश में शांति अभियान की उपस्थिति से कई सवाल उठते हैं।
इस बारे में कि क्या शांति सैनिकों द्वारा किए गए ऐसे दुर्व्यवहारों की प्रकृति,
विशेष रूप से सैन्य और पुलिस शांति रक्षकों के मामले में, यह काफी भिन्न है।
नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए अपराध—जिनमें नागरिक शांति रक्षक भी
शामिल हैं—
सुरक्षाकर्मियों, सहायता कर्मियों और राजनयिकों के लिए। निजी सुरक्षा ठेकेदार सुरक्षा
की एक अतिरिक्त परत जोड़ते हैं।
इस मिश्रण में जटिलता का एक पहलू यह है कि वे वर्दीधारी और
नागरिक क्षेत्र।
ऑक्सफैम घोटाले ने एक और महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया, अर्थात्, कौन सा
कुछ व्यवहारों को यौन शोषण की श्रेणी में माना जाता है।
दुर्व्यवहार और शोषण तथा इसे निर्धारित करने में सहमति की क्या भूमिका होती है,
विशेष रूप से-
खासकर जब वयस्क शामिल होते हैं। यौन रूप से अनुचित व्यवहार
इस विशेष मामले में वयस्क महिलाओं से यौन संबंध खरीदना शामिल था।
वेश्यावृत्ति के लिए काम कर रही थीं। ऐसी अटकलें थीं कि कुछ महिलाएं
वह नाबालिग हो सकता था; ऑक्सफैम की जांच इस बात की पुष्टि करने में असमर्थ
रही।
उस आरोप की पुष्टि नहीं की जा सकती, लेकिन यह भी कहा कि इस संभावना को
पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता।
खारिज कर दिया गया। 4 इस तरह का लेन-देन वाला यौन संबंध, भले ही इसमें

सहमति शामिल हो
वयस्कों के साथ दुर्व्यवहार करना, संयुक्त राष्ट्र और मानवीय समुदाय के आचरण संहिता का उल्लंघन करता है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित मामला, लेकिन यह जरूरी नहीं है
अपराध—यह मेजबान देश में वेश्यावृत्ति के नियमन पर निर्भर करता है
राज्य के कानूनी ढांचे। 5 यह वैचारिक और व्यावहारिक स्तर को और भी जटिल बना देता है।
यौन शोषण को समझने और उस पर प्रतिक्रिया देने में तकनीकी कठिनाइयाँ
और दुर्व्यवहार: इस श्रेणी में शामिल व्यवहार विविध हैं, लेकिन उनमें से कुछ ही
हालांकि ये आपराधिक हैं, लेकिन इनमें सहमति के स्तर में काफी अंतर होता है, और यह अध्याय 1 में 22 बार हो सकता है।

जिन परिस्थितियों में आरोप लगाए गए हैं, उनके कारण आरोपों को साबित करना मुश्किल हो सकता है।
शांति अभियान तैनात किए गए हैं।
यह अध्याय इन्हीं जटिलताओं के इर्द-गिर्द घूमता है और इन्हें सुलझाने का प्रयास करता है।
शांति अभियानों में यौन दुर्व्यवहार की प्रकृति, और वे तरीके जिनसे
इसे अंजाम देने वाले हस्तक्षेपकर्ताओं के विभिन्न समूह हैं, और इसमें योगदान देने वाले कारक...
शांति अभियानों में इसके क्रियान्वयन के कारण। मैं संक्षेप में इसकी शुरुआत करता हूँ।
अपराध से पहले शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार का इतिहास-
खाने-पीने की एक ऐसी वर्गीकरण प्रणाली जो चार मुख्य प्रकारों के बीच अंतर करती है
ऐसा व्यवहार जो यौन शोषण और दुर्व्यवहार की श्रेणी में आता है।
यह इस बात के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है कि इस तरह के व्यवहार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे प्रभाव डालते हैं।
शांति निर्माण के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समुदाय की क्षमता और नीति क्यों

आवश्यक है
अब तक की प्रतिक्रियाएँ काफी हद तक विफल रही हैं। इसके बाद मैं कारण और परिणामों पर चर्चा करता हूँ।
वे शाब्दिक कारक जो यौन शोषण को अंजाम देने में सहायक होते हैं और दुर्व्यवहारों के बीच अंतर्संबंधों पर विचार करें और हस्तक्षेप करें।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा, यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ता समुदाय के भीतर घटित। अंत में, मैं
नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार के मुद्दे पर अधिक विस्तार से विचार करें।
अब तक, अधिकांश डेटा और विश्लेषण वर्दीधारी कर्मियों पर केंद्रित रहा है।
नागरिक शांतिरक्षकों की अधिक उत्तरदायित्वता के बावजूद, शांतिरक्षकों की उत्तरदायित्व भूमिका होती है।
शांति काल में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के आरोपों के लिए प्रति व्यक्ति संभावित मुआवज़ा
यौन शोषण की व्यापकता के बारे में बढ़ती जागरूकता के बावजूद, यह अभियान जारी है।
हस्तक्षेपकर्ता समुदायों के भीतर उत्पीड़न और दुर्व्यवहार। इसे समझना।
पहेली का यह विशेष तत्व एक व्यापक रणनीति विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है।
यौन शोषण की प्रकृति, कारणों और परिणामों की समझ-
शांति अभियानों में हिंसा और दुर्व्यवहार।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार: एक संक्षिप्त इतिहास

शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार का मुद्दा सबसे पहले सामने आया।
कंबोडिया में संयुक्त राष्ट्र संक्रमणकालीन प्राधिकरण (UNTAC) के दौरान
1993 में, जब देश में वेश्याओं की संख्या छह से बढ़कर छह हो गई थी।
संयुक्त राष्ट्र के आने से पहले ही यह संख्या बढ़कर पच्चीस हजार से अधिक हो गई थी।
1993. 6 संयुक्त राष्ट्र कर्मियों द्वारा वेश्याओं का व्यापक उपयोग हिंसा में शामिल

था।
हिंसा और लड़कियों के यौन शोषण के मामले सामने आए हैं, जिनमें कुछ महिलाओं ने बताया है कि
यूएनटीएसी के ग्राहक कंबोडियाई ग्राहकों की तुलना में अधिक क्रूर हो सकते हैं।
वेश्यालय। 7 दरअसल, वेश्यालयों में काम करने वाली महिलाओं के एक समूह ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखा था।

इस बारे में शिकायत करते हुए और संयुक्त राष्ट्र से शांति सैनिकों को भेजने का अनुरोध करते हुए
भविष्य में कम हिंसक व्यवहार करें। हालाँकि शांति रक्षक की सटीक भूमिका अभी भी अनिश्चित है।
कंबोडिया में यौन शोषण और दुर्व्यवहार में शामिल होना असंभव है।
कुछ आंकड़े इसकी व्यापकता पर प्रकाश डालते हैं: संयुक्त राष्ट्र
एचआईवी/एड्स कार्यक्रम (यूएनएआईडीएस) के सर्वेक्षण में पाया गया कि 45 प्रतिशत
यूएनटीएसी में तैनात डच नौसेना और मरीन कर्मियों के साथ यौन दुर्व्यवहार हुआ था।
स्थानीय आबादी के अन्य सदस्यों या यौनकर्मियों के साथ व्यवहार करते समय
उनकी पांच महीने की तैनाती के दौरान उन्होंने लगातार कंडोम का इस्तेमाल नहीं किया। 8
उस समय, शांति रक्षकों की बढ़ती समस्या के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया...
यौन शोषण और दुर्व्यवहार में भागीदारी तीन गुना थी: दुर्व्यवहार का मुखिया-
यासुशी अकाशी ने इस मुद्दे के महत्व को नकारते हुए कहा कि
“लड़के तो लड़के ही होते हैं”; मिशन नेतृत्व ने शांति सैनिकों को न पहनने की सलाह दी।
वेश्यालयों का दौरा करते समय वर्दी पहनना और न ही संयुक्त राष्ट्र के वाहनों को सीधे बाहर पार्क करना;
और अतिरिक्त आठ लाख कंडोम भेजे गए।
संयुक्त राष्ट्र कर्मियों के बीच एचआईवी/एड्स के प्रसार को रोकने के लिए देश। 9

1995 में, शांतिरक्षकों के दुर्व्यवहार का मुद्दा एक बार फिर उठाया गया। इस बार बोस्निया-हर्जेगोविना के संबंध में अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित हुआ है, जहां सबसे पहले महिलाओं की तस्करी करके उन्हें यौन दास के रूप में काम पर ले जाने के सबूत सामने आए।

उन वेश्यालयों में जहां संयुक्त राष्ट्र मिशन के कर्मी, जिनमें शांति सैनिक भी शामिल हैं, अक्सर आते-जाते हैं।

और विशेष रूप से अमेरिकी डायनकॉप के निजी ठेकेदार जो इसके भीतर काम कर रहे हैं

मिशन; और बाद में, इस तस्करी में हस्तक्षेप करने वालों की मिलीभगत।

इसमें बारह साल की उम्र की महिलाओं और लड़कियों को यौन शोषण के लिए खरीदना भी शामिल है।

गुलाम। 10 ये व्यवहार संयुक्त राष्ट्र के वर्षों के शांतिरक्षा अभियानों के बाद सामने आए।

युद्ध के दौरान बोस्नियाई महिलाओं के साथ यौन संबंध बनाने वाले पुरुष। 11

फिर भी, नकारात्मक मीडिया और बढ़ते रुझान 1999 तक नहीं आए थे।

जनता के ध्यान के कारण बोस्निया और हर्ज़ेगोविना में संयुक्त राष्ट्र मिशन की स्थापना हुई।

(UNMIBH) और मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय

(ओएचसीआर) को समस्या के समाधान के लिए नीतिगत उपायों पर विचार करने का सुझाव देना चाहिए।

कि संयुक्त राष्ट्र इस बात को स्वीकार करने और इस मामले को सुलझाने में अनिच्छुक था कि इसमें किसकी संलिप्तता थी।

शांति रक्षकों को तस्करी में शामिल किया गया। 12 एक बार शुरू होने के बाद, संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया विफल रही।

पीड़ितों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की और अधिक सीमित परिभाषा अपनाई।

मानव तस्करी की परिभाषा जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत निर्धारित परिभाषा से अधिक है, उसे छोड़कर

वे महिलाएं जो जानती थीं कि उन्हें आगमन पर वेश्या के रूप में काम करना होगा बोस्निया में और केवल उन लोगों को शामिल किया गया जो नहीं थे। 13 ये महिलाएं

थीं
इसलिए उन्हें किसी भी सुरक्षा या सहायता सेवाओं से वंचित रखा गया है; वास्तव में, संयुक्त राष्ट्र एमआईबीएच और अंतर्राष्ट्रीय पुलिस टास्क फोर्स में दो लिंग सलाहकार (IPTF) जिसने 2001 तक तस्करी की स्थिति का निर्धारण किया, ने अध्याय 1 में 24 का उल्लेख किया।

इन महिलाओं को "प्रवासी वेश्याएं" कहकर संबोधित किया गया और मानवाधिकारों को सुझाव दिया गया।
ध्यान रहे कि संयुक्त राष्ट्र की उनके प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं थी। 14
इसके कुछ ही समय बाद, ध्यान पश्चिम अफ्रीका की ओर गया, जहाँ स्वतंत्र सलाहकारों ने चेतावनी दी कि संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी संगठनों के कर्मचारियों ने
शरणार्थी शिविरों में स्थानीय महिलाओं और लड़कियों का शोषण और दुर्व्यवहार किया जा रहा है।
गिनी, लाइबेरिया और सिएरा लियोन। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र आंतरिक मामलों के कार्यालय ने
वर्ष 2001 में ओवरसाइट सर्विसेज (ओआईओएस) की जांच ने पुष्टि की कि यौन दुर्व्यवहार हुआ था।
सहायता कर्मियों के बीच ऐसा आचरण प्रचलित था, उदाहरण के लिए, यह दस्तावेजीकरण करता है कि
संयुक्त राष्ट्र के एक नागरिक कर्मचारी और सत्रह वर्षीय युवक के बीच यौन संबंध।
स्कूल फीस के बदले में एक साल की शरणार्थी बच्ची के साथ हिंसक बलात्कार
शरणार्थी शिविरों में एनजीओ कर्मचारी, संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा लड़कों के साथ बलात्कार
सिएरा लियोन में, एनजीओ कर्मचारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए भोजन के बदले यौन संबंध बनाने का चलन, और
अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारियों द्वारा उन बच्चों की जिम्मेदारी लेने से इनकार करना
स्थानीय महिलाओं और लड़कियों से उनके बच्चे थे। 15 अपने बयान में उन्होंने कहा कि

रिपोर्ट में, महासचिव कोफी अन्नान ने घोषणा की कि

मानवीय सहायता कर्मियों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।
यह संयुक्त राष्ट्र के सभी सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। पुरुष, महिलाएं और बच्चे विस्थापित हुए हैं।
संघर्ष या अन्य आपदाओं से प्रभावित लोग पृथ्वी पर सबसे अधिक असुरक्षित लोगों में से हैं। वे आश्रय और सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र और उसके मानवीय सहायता भागीदारों की ओर देखते हैं।
संयुक्त राष्ट्र में कार्यरत या उससे संबद्ध कोई भी व्यक्ति जो उस पवित्र कर्तव्य का उल्लंघन करता है, वह दंडनीय है।
ट्रस्ट को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और जब परिस्थितियाँ इसकी अनुमति दें, अभियोजित। 16

इसके जवाब में, महासभा ने एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें "व्यक्त किया गया"
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की घटनाओं पर इसकी गहरी चिंता
कमजोर आबादी" और महासचिव को इसे विस्तारित करने का निर्देश देना।
सभी शांति और मानवीय अभियानों के लिए उपचारात्मक और निवारक उपाय-
यह सुनिश्चित करने के लिए कि रिपोर्टिंग और जांच प्रक्रियाएं सही ढंग से लागू हों।
इन सभी अभियानों में, और यौन शोषण और यौन शोषण से संबंधित डेटा बनाए रखने के लिए।
दुर्व्यवहार। इसने संयुक्त राष्ट्र के सभी निकायों और गैर सरकारी संगठनों को भी ऐसा ही करने के लिए "प्रोत्साहित" किया। 17
परिणामस्वरूप महासचिव ने 2003 का बुलेटिन जारी किया, जिसमें निम्नलिखित बातों की रूपरेखा दी गई थी:
संयुक्त राष्ट्र के सभी कर्मचारियों के लिए यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति।
और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने में मिशन नेतृत्व के कर्तव्यों का निर्वाह करना।
इसमें आपराधिक कार्यवाही के लिए मामलों को राष्ट्रीय अधिकारियों के पास भेजना

भी शामिल है।
क्रियान्वयन। इसे शून्य सहनशीलता बुलेटिन या नीति के रूप में भी जाना जाता है, और यह
छह विशिष्ट मानक लागू किए गए:

(क) यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार गंभीर दुर्व्यवहार के कृत्य हैं-
आचरण और इसलिए अनुशासनात्मक उपायों के आधार हैं,
तत्काल बर्खास्तगी सहित;
(ख) बच्चों (18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों) के साथ यौन गतिविधि करना
अपराध है।
स्थानीय स्तर पर वयस्कता की आयु या सहमति की आयु की परवाह किए बिना
निषिद्ध।
बच्चे की उम्र के बारे में गलत धारणा बचाव का आधार नहीं है;
(ग) यौन संबंध के बदले धन, रोजगार, सामान या सेवाओं का आदान-प्रदान, जिसमें
शामिल हैं-
यौन अनुग्रह या अपमानजनक, नीचा दिखाने वाले या अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार करना
शोषणकारी व्यवहार निषिद्ध है। इसमें किसी भी प्रकार का आदान-प्रदान शामिल है।
सहायता प्राप्तकर्ताओं को देय सहायता;
(घ) संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों और लाभार्थियों के बीच यौन संबंध
सहायता के मामले में, क्योंकि वे स्वाभाविक रूप से असमान शक्ति विभाजन पर
आधारित हैं।
नामिकियाँ, कार्य की विश्वसनीयता और अखंडता को कमजोर करती हैं।
संयुक्त राष्ट्र में इसका उपयोग करने से बचने की पुरजोर सलाह दी जाती है;
(ई) जहां संयुक्त राष्ट्र के किसी कर्मचारी को चिंता या संदेह उत्पन्न होता है-
किसी साथी द्वारा यौन शोषण या यौन दुर्व्यवहार से संबंधित चित्र
कर्मचारी, चाहे वह एक ही एजेंसी में हो या नहीं और चाहे हो या न हो
संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर, उसे इस तरह की जानकारी देनी होगी।
स्थापित रिपोर्टिंग तंत्रों के माध्यम से चिंताओं को सूचित करना;

(f) संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों को एक ऐसा वातावरण बनाने और बनाए रखने का दायित्व है-
ऐसा उपाय जो यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार को रोकता है। प्रबंधक
सभी स्तरों पर समर्थन और विकास करने की विशेष जिम्मेदारी है।
इस वातावरण को बनाए रखने वाली प्रणालियाँ। 18

इसमें यह भी अनिवार्य किया गया कि संयुक्त राष्ट्र के बाहर काम करने वाली सभी संस्थाएं या व्यक्ति
संयुक्त राष्ट्र के साथ सहयोग करना, व्यवहार के उन मानकों को स्वीकार करना और लागू करना।
या उनके सहयोगात्मक समझौते की शर्त के रूप में। शून्य सहिष्णुता
यह नीति यौन शोषण और हमले से संबंधित नीति की आधारशिला रही है।
तब से, हालांकि सहमति के प्रति इसके दृष्टिकोण के आधार पर इस पर तीक्ष्ण विवाद होता रहा है।
वयस्कों के बीच (सभी प्रकार के लेन-देन वाले यौन संबंध निषिद्ध हैं, चाहे वह किसी भी प्रकार का हो)
इसमें सहमति देने वाले वयस्क शामिल हैं) और समझने के लिए इसके निहितार्थ
स्थानीय महिलाओं की भागीदारी (शांति के बीच सभी यौन संबंध-
रखवालों और स्थानीय लोगों को ऐसा करने से सख्ती से मना किया जाता है—लेकिन प्रतिबंधित नहीं किया जाता—क्योंकि
असमान शक्ति समीकरणों के कारण, भले ही वे यौन शोषण न करते हों या शोषणकारी)। 19 इन तनावों के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं-
शांति अभियानों में जमीनी स्तर पर नीति के कार्यान्वयन और उसकी विश्वसनीयता के लिए-
हस्तक्षेपकर्ता समुदायों के बीच क्षमता, जिसकी समीक्षा अध्याय 6 में की जाएगी।
साक्षात्कारों के दौरान, कुछ उत्तरदाताओं ने तर्क दिया कि असंगति और 26 अध्याय 1

सहमति से बने वयस्क संबंधों के संबंध में नीति की अस्पष्टता

परिणामस्वरूप कुछ कर्मचारी नीति के बाकी हिस्सों को भी समान रूप से त्रुटिपूर्ण मानते हैं।
ये प्रारंभिक उदाहरण यौन शोषण की कुछ प्रमुख विशेषताओं को उजागर करते हैं।
शांति अभियानों में उत्पीड़न और दुर्व्यवहार: इस तरह के व्यवहार की व्यापकता-
बच्चों के खिलाफ दुर्व्यवहार की घटनाएं और उनका प्रचलन; व्यवहारों की विविधता
इसमें शामिल लोगों में से कुछ ही आपराधिक हैं; दोनों पक्षों की संलिप्तता-
संयुक्त राष्ट्र के गठित और नागरिक शांति सैनिकों के साथ-साथ निजी ठेकेदारों और
सहायता कर्मियों को भी सहायता प्रदान की जाती है।
शांति अभियानों से जुड़े श्रमिकों और अन्य लोगों; और विफलता
पर्याप्त प्रयासों के बावजूद यौन दुर्व्यवहार को रोकने के लिए नीतिगत प्रतिक्रियाएं
अपर्याप्त हैं।
ये विषय इस पुस्तक में बार-बार सामने आएंगे।

बुरे व्यवहार का वर्गीकरण

अंतर-जनित यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर उपलब्ध आंकड़े...
वेनेर्स का सुझाव है कि दुर्व्यवहार की सीमा विविध है, जिसमें शामिल हैं:
अवसरवादी यौन शोषण, लेन-देन आधारित यौन संबंध, नेटवर्क आधारित यौन शोषण-
और अत्यंत हिंसक या क्रूर हमले। यह यह भी बताता है कि कृत्य
दुर्व्यवहार और शोषण के पीछे कई अलग-अलग प्रेरक कारण होते हैं।
और अनुमेय कारक। परिणामस्वरूप, यौन शोषण का विश्लेषण करना उपयोगी है।
व्यक्तिगत मामलों में नकदी और अन्य चीजों के शामिल होने के तरीके के संदर्भ में
दुरुपयोग और दुर्व्यवहार।
भौतिक संसाधन, उनकी योजना किस हद तक बनाई गई है या उनमें क्या शामिल है
अपराधियों की संख्या और क्या वे किसी बड़े आपराधिक गिरोह से जुड़े हैं, इस बारे में
जानकारी जुटाना आवश्यक है।
नेटवर्क। आपराधिक गतिविधियों को समझना भी उपयोगी है।
उन लोगों के विपरीत जो नहीं हैं। विभिन्न प्रकारों में अंतर करके
सामान्य श्रेणी में शामिल व्यवहारों के बारे में बेहतर जानकारी प्राप्त करना संभव है।

यौन शोषण के विशिष्ट उदाहरणों के स्वरूप और कार्य को समझें।
दुर्व्यवहार और शोषण तथा उन कारकों की पहचान करना जो या तो ऐसे कार्यों का कारण बनते हैं या
वे जिस संदर्भ में घटित होते हैं, उसे बनाएं।
केट ग्रेडी के यौन उत्पीड़न के आरोपों पर संयुक्त राष्ट्र के डेटा संग्रह के अध्ययन के अनुसार
दुर्व्यवहार साबित होने पर, संयुक्त राष्ट्र ने इस व्यवस्था को त्याग दिया है और नई व्यवस्थाएं विकसित की हैं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के वर्गीकरणों का वार्षिक आधार पर विश्लेषण, जो
इससे रुझानों पर नज़र रखना या विश्लेषण के लिए डेटा का उपयोग करना लगभग असंभव हो गया है।
तालिका 20 यह व्यापक श्रेणियों की आवश्यकता को उजागर करता है।
दुर्व्यवहारों की प्रकृति और गतिशीलता को समझने में उपयोगी होना।
घटित हुआ। यौन शोषण के विभिन्न रूपों को समझना और
दुर्व्यवहार और उसे जन्म देने वाले कारक एवं प्रेरक तत्वों का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शांति निर्माण के परिणामों पर इसके विभिन्न प्रभावों को समझने के लिए।
यह समझना भी आवश्यक है कि अब तक की नीतिगत प्रतिक्रियाएं क्यों विफल रही हैं।
इस तरह के व्यवहारों को प्रभावी ढंग से रोकने या अपराधियों को जवाबदेह ठहराने में विफल रहे।
सक्षम। उन नीतियों में यौन शोषण और
दुर्व्यवहार को व्यक्तिगत स्तर पर किए गए दुराचार के एक रूप के रूप में देखा जाना चाहिए, बल्कि
व्यवहारों के एक बहुत ही विविध समूह की तुलना में, जो असंख्य कारण और प्रासंगिक कारकों को दर्शाते हैं।
ऐसे कारक, जिनमें से कुछ का ही आचरण और अनुशासन में समाधान किया जाता

है।
रोकथाम और जवाबदेही तंत्रों के प्रति दृष्टिकोण। 21
इस प्रकार की वर्गीकरण प्रणाली से स्वाभाविक रूप से प्रचलन के बारे में प्रश्न उठते हैं।
विभिन्न प्रकार के व्यवहारों की पहचान की गई। दुर्भाग्यवश, हालांकि,
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर मात्रात्मक आंकड़े
यह व्यापकता के विश्वसनीय दावों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत नहीं है।
जिन विशिष्ट व्यवहारों का मैं वर्णन करता हूँ। यौन दुर्व्यवहार पर मात्रात्मक डेटा-
शांति अभियानों में आचरण मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र के आचरण कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध है।
और अनुशासन इकाई—इसे सचिव की वार्षिक रिपोर्टों में शामिल किया जाता है।
यौन शोषण से सुरक्षा के लिए विशेष उपायों पर सामान्य जानकारी और
दुर्व्यवहार और यह ऐसे दुर्व्यवहार के अधिकांश मात्रात्मक अध्ययनों का आधार है। 22
संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े केवल संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों और कर्मियों के खिलाफ लगे आरोपों से संबंधित हैं।
शांति अभियानों और, जैसा कि ग्रेडी ने संयुक्त राष्ट्र के डेटा संग्रह और
समय के साथ रुझानों की रिपोर्टिंग करना, खराब डेटा प्रबंधन के कारण अविश्वसनीय है।
संभावित झूठे आरोपों और संभावित कम रिपोर्टिंग के कारण। 23 कमी
शांति कार्यों में दुर्व्यवहार की समान रूप से मजबूत रिपोर्टिंग तंत्रों का होना-
वैश्विक स्तर पर होने वाले बदलाव भी एकत्रित किए गए डेटा को प्रभावित करते हैं:
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए बदलावों के बारे में एक विशेषज्ञ का कहना है कि...
समुद्र-समुद्री आपदा (एसईए) की रोकथाम के लिए एजेंसी की स्थायी समिति की कार्यबल ने रिपोर्ट दी।
कई देशों में किए गए एक पायलट प्रोजेक्ट में पाया गया कि विश्वास की कमी
रिपोर्टिंग तंत्र के कारण यौन शोषण के आरोपों की संख्या में काफी कमी आई है।
दुर्व्यवहार और दुरुपयोग; जब इन तंत्रों में विश्वास पैदा हुआ, तो इनकी संख्या में वृद्धि

हुई।
यौन दुर्व्यवहार के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। 24 ये कारक
संयुक्त राष्ट्र के डेटाबेस में डेटा प्रस्तुत करने के तरीके से समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं।
और वार्षिक रिपोर्टों में, कई पीड़ितों को एक ही आरोप के तहत समूहीकृत किया गया है।
और दुर्व्यवहार के विशिष्ट रूपों का कोई विखंडन नहीं किया गया है।
प्रत्येक। इसके अलावा, जैसा कि इस अध्याय में बाद में चर्चा की गई है, विशिष्ट आरोपों का तरीका-
संयुक्त राष्ट्र के डेटाबेस में दुर्व्यवहार के विशेष रूपों के रूप में कोडित किया जाता है।
यह अत्यधिक परिवर्तनशील है, जिसका आंशिक कारण जटिलता और अंतर्संबंध है।
यौन शोषण और यौन उत्पीड़न के विभिन्न रूपों और उनकी कठिनाइयों के बारे में -
दुराचार के आरोपों की जांच में शामिल पंथ। इसके अलावा,
इस बात के प्रमाण हैं कि यौन दुर्व्यवहार के सभी आरोप और मामले अध्याय 1 के अंतर्गत नहीं आते हैं।

शांतिरक्षकों का उल्लेख आधिकारिक रिपोर्टों में कोड ब्लू अभियान के रूप में मिलता है।
एड्स-मुक्त विश्व का दस्तावेजीकरण किया गया है। 25 रैगनहिल्ड नॉर्दास और सिरी रुस्तद
शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित डेटासेट में मूल्यवान जानकारी शामिल है।
1999 के बीच सक्रिय कई गैर-संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर भी डेटा उपलब्ध है।
और 2010, लेकिन डेटासेट की समय-सीमित प्रकृति और इस तथ्य के कारण कि यह
संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भरता का अर्थ यह है कि यह मजबूत निष्कर्ष निकालने में भी असमर्थ है।
यौन दुर्व्यवहार के विभिन्न रूपों की व्यापकता के संबंध में निष्कर्ष
जिसकी चर्चा मैं इस अध्याय में करता हूँ। 26 इन सीमाओं के परिणामस्वरूप, यह

असंभव है-
व्यवहार के प्रकारों को व्यापकता के आधार पर क्रमबद्ध करना संभव है, लेकिन यह भी संभव है कि
अपराध करने के सामान्य पैटर्न को इंगित करता है, जो निम्नलिखित के संयोजन पर आधारित है:
गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा उपलब्ध है। इसके अलावा, सीमाएँ भी हैं।
मात्रात्मक आंकड़ों से एक मजबूत गुणात्मक प्रणाली विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की प्रकृति और स्वरूपों का विस्तृत विवरण
शांति अभियानों में किए गए अपराध।

अवसरवादी यौन शोषण

सैनिकों का यौन और लिंग आधारित हिंसा करने का लंबा इतिहास रहा है।
संघर्ष और संघर्षोत्तर दोनों स्थितियों में हिंसा, और बलात्कार और यौन हिंसा-
कई संघर्षों में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है जिनमें शांति स्थापित करने का प्रयास किया गया है।
सिएरा लियोन, सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ अमेरिका सहित कई देशों में अभियान चलाए गए हैं।
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, बोस्निया-हर्ज़ेगोविना, तिमोर-लेस्ते और लिबे-
रिया. 27 जबकि कुछ संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा का रणनीतिक रूप से उपयोग किया जा सकता है
सैन्य उद्देश्यों की पूर्ति में सहायता के लिए—अक्सर इसे "युद्ध का हथियार" कहा जाता है—
इसे निजी कारणों से या अवसरवादी रूप से भी अंजाम दिया जा सकता है।
"युद्ध का अभ्यास," जिसके बारे में एलिजाबेथ वुड का तर्क है कि "यह व्यवस्थित नहीं है (यहाँ तक कि
अप्रत्यक्ष रूप से) या संस्थागत रूप से, लेकिन इसे कई कारणों से सहन किया जाता है।" 28

युद्ध के दौरान बलात्कार होने के कई कारणों को देखते हुए, शायद यह आश्चर्य की बात नहीं है-
यह भी कहा जा रहा है कि शांति अभियानों के दौरान भी सैनिक इस तरह की हिंसा करते हैं।
संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यौन शोषण में यौन उत्पीड़न, बलात्कार और अन्य प्रकार की हिंसा शामिल हैं।
अन्य प्रकार के यौन अतिक्रमण, और यह व्यक्तियों द्वारा किया जाता है-
एल्स और समूह। 29 नॉर्डास और रुस्ताद को ग्यारह में बलात्कार की रिपोर्ट मिलीं।
उन्होंने जिन छत्तीस शांति अभियानों की जांच की (हालांकि विशिष्ट डेटा
लगभग आधे शांति अभियानों में यह उपलब्ध नहीं था, इसलिए यह आंकड़ा
संभवतः अधिक)। 30 2017 में, संयुक्त राष्ट्र की आचरण और अनुशासन इकाई ने दर्ज किया
यौन शोषण के बीस आरोप, जिन्हें "किसी व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार के यौन संबंध" के रूप में परिभाषित किया गया है।

शांति अभियानों में यौन दुर्व्यवहार 29

नाबालिग और किसी वयस्क के साथ बिना सहमति के यौन संबंध बनाना," सैन्य द्वारा।
दस शांतिरक्षा अभियानों में पुलिस और नागरिक शांतिरक्षक बल। 31
यह सभी यौन शोषण और दुर्व्यवहार के आरोपों का एक तिहाई हिस्सा था।
दर्ज की गई घटनाओं में 2017 की तुलना में भारी कमी आई है, जब यौन शोषण के मामलों की संख्या सबसे अधिक थी।
सभी आरोपों में से आधे के लिए। चौदह आरोपों को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया था।
बलात्कार के नौ मामलों में बच्चे शामिल थे, और कुछ मामलों में एक से अधिक लोग शामिल थे।
पीड़ित—एक आरोप बावन पीड़ितों से जुड़े कृत्यों से संबंधित था, हालांकि
पचास पीड़ितों का यौन शोषण किया गया और दो का यौन उत्पीड़न किया गया। 32
इसके अतिरिक्त, महासचिव की यौन शोषण पर वार्षिक रिपोर्ट भी शामिल है।

और दुर्व्यवहार में यौन शोषण के चौंतीस आरोप दर्ज किए गए।
संयुक्त राष्ट्र के कार्यान्वयन साझेदारों के खिलाफ दुर्व्यवहार सहित बीस लोगों के खिलाफ दुर्व्यवहार शामिल था।
तीन लड़कियां, तीन लड़के, नौ महिलाएं और दो पुरुष। ये आंकड़े बताते हैं कि
शांति ओपेरा में यौन दुराचार के एक रूप के रूप में बलात्कार की सापेक्ष व्यापकता-
हालांकि यह संभावना नहीं है कि ये आंकड़े वास्तविक स्थिति को सटीक रूप से दर्शाते हों।
उपलब्ध मात्रात्मक आंकड़ों की कमी को देखते हुए इस प्रकार के व्यवहार का पैमाना निर्धारित करना मुश्किल है।
जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, सक्षम।
प्रचलन के सवालों को एक तरफ रखते हुए, संयुक्त राष्ट्र के बाहर की कई जांचें
हमने उस घटना को दस्तावेजी रूप से दर्ज किया है जो अवसरवादी प्रतीत होती है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा बलात्कार। उदाहरण के लिए, 2015 में, ह्यूमन राइट्स वॉच ने दस्तावेजी कार्रवाई की।
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में कई बलात्कार की घटनाओं का जिक्र किया गया: दो युवा अठारह और चौदह वर्ष की दो महिलाओं ने घसीटे जाने की घटना का वर्णन किया।
झाड़ियों में ले जाकर संयुक्त राष्ट्र के सशस्त्र शांति सैनिकों द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया।
मध्य अफ़्रीकी क्षेत्र में त्रिआयामी एकीकृत स्थिरीकरण मिशन
रिपब्लिक (MINUSCA) के शांति सैनिक अपने अड्डे के पास थे—पूर्व में
शांति सैनिकों से भोजन या धन मांगने पर उसे धमकी दी गई।
यदि वह विरोध करती तो उसकी मृत्यु हो जाती, जबकि दूसरा व्यक्ति बस वहाँ से गुजर रहा था। 33 एक और
मध्य अमेरिका में बुरुंडी के एक शांति रक्षक ने चौदह वर्षीय लड़की का बलात्कार किया
अफ्रीकी गणराज्य की एक महिला, जिसने परिणामस्वरूप एक बेटे को जन्म दिया, ने बताया कि...
वॉशिंगटन पोस्ट में लिखा है, "कभी-कभी जब मैं अपने बच्चे के साथ अकेली होती हूँ, तो मैं सोचती हूँ..."

उसे जान से मारने के बारे में सोच रही हूँ। वह मुझे उस आदमी की याद दिलाता है जिसने मेरा बलात्कार किया था।" 34 मिलते-जुलते पोस्ट
अन्य देशों में भी ऐसी ही घटनाएं सामने आई हैं। हैती में एक लड़की ने बीबीसी को बताया।
कि जब वह चौदह साल की थी तब एक ब्राजीलियाई शांति रक्षक ने उसके साथ बलात्कार किया था:
उसने मुझे बांहों से पकड़कर नीचे गिरा दिया और मेरी दोनों कलाइयों को मरोड़ने लगा।
वापस आकर हम दोनों ने मिलकर संघर्ष किया। और फिर उसने मेरा बलात्कार किया।" उसकी मां ने बताया।
रिपोर्टर ने कहा, "जब मैंने उसे पाया तो मैं अपनी ही बच्ची को पहचान नहीं पाई..."
उसका चेहरा किसी मृत व्यक्ति जैसा था। 35 दक्षिण अफ्रीकी शांति सैनिक 30
अध्याय 1 में सेवारत हैं

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक मिशन में
(MONUC) को बच्चों के बलात्कार और हत्या के लिए दोषी ठहराया गया है, जबकि सिएरा लियोन में, यूक्रेनी शांति सैनिकों ने एक स्थानीय महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया, और एक
गिनी के एक शांति रक्षक ने बारह साल की बच्ची का बलात्कार किया। 36
जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण अक्सर एक संदर्भ में होता है
जहां यौन हिंसा लंबे समय से एक सामान्य बात रही है: समकालीन गृहयुद्ध
अक्सर (लेकिन हमेशा नहीं) यौन और
सामाजिक रूप से गहरी जड़ें जमा चुकी सामाजिक समस्याओं पर आधारित समूहों द्वारा लिंग आधारित हिंसा से लड़ना
पुरुषत्व की अवधारणाएँ, ऐसी अवधारणाएँ जो इस प्रकार की हिंसा को जन्म दे सकती हैं
युद्ध के बाहर। 37 इसके अलावा, 1989 से गृह युद्धों के एक हालिया सर्वेक्षण में
2009 में पाया गया कि शांति अभियानों को तैनात किए जाने की संभावना अधिक

थी।
उन संघर्षों की तुलना में जिनमें यौन हिंसा का स्तर अधिक था
जिन्होंने ऐसा नहीं किया। 38 इसके अलावा, सैन्य शांति रक्षक सबसे पहले और
सबसे महत्वपूर्ण हैं,
सैनिकों और शांति रक्षकों द्वारा बलात्कार की छिटपुट रिपोर्टों का संबंध मुख्य रूप से
निजी मामलों से प्रतीत होता है।
मुख्य रूप से नागरिक शांतिरक्षकों के बजाय सैन्य शांतिरक्षकों के आसपास या
सहायता कर्मी। यौन संबंधी विस्तृत चर्चाओं में यह प्रवृत्ति स्पष्ट होती है।
अगले अध्याय में तिमोर-लेस्ते और बोस्निया में शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में चर्चा
की जाएगी।
व्यापक शोध से यह सिद्ध हो चुका है कि जानबूझकर सैन्यीकरण करने से
सेनाओं में प्रशिक्षण तंत्र के रूप में मर्दानगी का उपयोग यौन हिंसा को जन्म देता है।
व्यवहार में बदलाव, जो इस प्रकार की हिंसा को कुछ हद तक समझाने में सहायक है।
39
कुछ मामलों में, लिंग के सामान्यीकरण के बीच समानताएं भी पाई जाती हैं।
शांति सैनिकों के गृह देशों में यौन हिंसा और उनके द्वारा की गई हिंसा
संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ तैनाती के दौरान यौन शोषण। उदाहरण के लिए, संयुक्त
राष्ट्र
2016 के आंकड़ों से पता चलता है कि वर्दीधारी शांतिरक्षा कर्मियों ने
डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और दक्षिण अफ्रीका जिम्मेदार हैं
यौन दुर्व्यवहार के आरोपों की सबसे अधिक संख्या के लिए। यौन और
दोनों देशों में लिंग आधारित हिंसा व्यापक रूप से व्याप्त है, जो एक ऐसी संस्कृति का
संकेत देती है जिसमें
महिलाओं के खिलाफ हिंसा जो व्यक्तिगत पुरुषों के व्यवहार को प्रभावित करेगी
सेना में, शांतिरक्षा अभियानों सहित। 40 इसी संदर्भ में,
सबरीना करीम और काइल बियर्ड्सली के हालिया अध्ययन से पता चला है कि
उच्चतर
शांतिरक्षा सैनिकों का वह अनुपात जो संबंधित देशों से प्राप्त हुआ है-
लैंगिक समानता के मजबूत रिकॉर्ड का संबंध कम घटनाओं से है।

उन शांति अभियानों में यौन शोषण, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न की सूचना मिली है।
संचालन। 41
यौन दुर्व्यवहार के इस रूप को अन्य रूपों से अलग करने वाला मुख्य कारक यह है कि
नीचे चर्चा की गई बातों में से एक यह है कि यह अवसरवादी है क्योंकि यह निजी क्षेत्र
के लिए है।
बलात्कारी (या बलात्कारियों) के गुप्त उद्देश्यों को इसमें शामिल नहीं किया गया है
और इसमें उस स्तर को शामिल नहीं किया गया है

पूर्वयोजना या समन्वय जो अन्य तीन प्रकारों की विशेषता है
नीचे वर्णित व्यवहार का।

सुनियोजित, क्रूर दुर्व्यवहार

उपलब्ध आंकड़ों में दिखाई देने वाला दूसरे प्रकार का यौन दुर्व्यवहार यह है:
संबंधित और समान रूप से आपराधिक, लेकिन इस मायने में भिन्न कि इसकी
विशेषता यह नहीं है
न केवल इसके अवसरवादी स्वभाव से, बल्कि सुनियोजित तरीके से बलात्कार करने
से भी,
क्रूर रूप। 2015 में, दमन के बाद संयुक्त राष्ट्र की एक आंतरिक रिपोर्ट लीक हो गई
थी।
संयुक्त राष्ट्र के उच्चाधिकारियों द्वारा जारी की गई इस रिपोर्ट में व्यापक और भयावह
घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया गया है।
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में बच्चों के खिलाफ यौन शोषण के कृत्य
शांति रक्षक सैनिकों द्वारा। 42 रिपोर्ट में नियमित मौखिक और
बीस लोगों द्वारा आठ से पंद्रह वर्ष की आयु के बेघर और भूखे लड़कों का गुदा मैथुन।
फ्रांस, चाड और इक्वेटोरियल गिनी के छह शांति सैनिकों ने यह उल्लेख किया कि
कुछ बच्चे उस शरणार्थी शिविर की अपेक्षाकृत सुरक्षित जगह से भाग गए जहाँ वे रह
रहे थे।

हमलों के बाद। 2016 की शुरुआत में, 108 से अधिक अतिरिक्त मामले सामने आए।
जांच की गई, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निन्यानवे लड़कियों के यौन शोषण का मामला भी शामिल है।
राष्ट्रीय शांति सैनिक जो सभी अपने-अपने देशों में लौट चुके थे
पीड़ितों के साथ साक्षात्कार आयोजित किए गए। 43 रिपोर्ट में आरोपों का दस्तावेजीकरण किया गया-
2014 में संगारिस सेना के एक फ्रांसीसी सैन्य कमांडर ने यह जानकारी दी थी।
(मध्य अफ्रीकी गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र के बाहर फ्रांसीसी सैन्य हस्तक्षेप)
संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत संचालित एक संस्था ने चार लड़कियों को बांधकर उनके कपड़े उतार दिए थे।
उन्हें कुत्ते के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया। परिणामस्वरूप, बच्चों में से एक...
एक अन्य ने बताया कि उसकी मृत्यु हो गई और उसे उसके समुदाय द्वारा बहिष्कृत कर दिया गया था।
बलात्कार के बाद उसे "संगारियों का कुत्ता" कहा जाने लगा। 44
ये मामले इस विशेष सुनियोजित और क्रूर रूप के प्रतीक हैं।
यौन शोषण के मामलों में ये स्पष्ट रूप से अन्य प्रकार की गलतफहमियों से भिन्न होते हैं।
इस अध्याय में मैं जिन मुद्दों पर चर्चा करता हूँ। ये दुर्व्यवहार किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए नहीं किए जाते।
वित्तीय लाभ, जैसे कि अश्लील सामग्री का उत्पादन या उसमें संलिप्तता।
यौन तस्करी। न ही वे लेन-देन आधारित या अवसरवादी हैं। वे प्रतीत होते हैं
अपराधियों के क्रूर आनंद के लिए किए गए कृत्य और उनमें शामिल हैं
योजना और समन्वय दोनों। ये घटनाएं सामान्य से कम होती हैं।
दुर्व्यवहार के अन्य रूपों पर चर्चा की गई है, लेकिन वे अलग-थलग नहीं हैं।
उदाहरण के लिए, 1993 में सोमालिया में कनाडाई शांति सैनिकों ने मारपीट, बलात्कार और अन्य गतिविधियों में भाग लिया।
उन्होंने एक सोमाली किशोर लड़के को यातना देकर मार डाला, जिसे उन्होंने पकड़ने

की कोशिश करते हुए पकड़ा था।
उन्होंने छोटे-मोटे चोरों को लुभाने के लिए जो भोजन और पानी बाहर रखा था, उसे चुरा लिया। 45 और
2005 में, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में एक फ्रांसीसी लॉजिस्टिक्स कर्मचारी 32
अध्याय 1

उसके पास से सैकड़ों वीडियोटेप बरामद हुए जिनमें उसे यातनाएं देते हुए दिखाया गया था और
नग्न लड़कियों का यौन शोषण।" 46 बोस्नियाई लोगों में यातना और यौन दासता का उपयोग-
निया, जिसकी चर्चा अगले अध्याय में की जाएगी, इसका एक और उदाहरण है।
इस प्रकार का यौन शोषण।
इस प्रकार के दुर्व्यवहार में अन्य प्रकार की यातनाओं के साथ समानताएं हैं।
उदाहरण के लिए, शांति सैनिकों के संबंध में, 2016 की शुरुआत में, ऐसे सबूत मिले थे कि
मध्य अफ्रीका में सेवारत कांगो गणराज्य के शांति सैनिक
गणतंत्र ने दो एंटी-बलाका नेताओं को यातना देकर मार डाला, दो को पीट-पीटकर मार डाला
नागरिकों को मार डाला और महिलाओं और बच्चों सहित बारह अन्य लोगों की हत्या कर दी। 47
इसमें अमेरिकी सैनिकों द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न से भी समानताएं हैं।
अबू ग़रेब में इराकी कैदियों के खिलाफ मौत। 48 इससे पता चलता है कि यह क्रूर
दुर्व्यवहार केवल यौन क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसी तरह के अन्य कारकों द्वारा इसे बढ़ावा दिया जाता है।
वे कारक जो व्यापक रूप से सैन्य कदाचार और यातना को जन्म देते हैं।

लेन-देन संबंधी यौन संबंध

संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक व्यापक विश्लेषण प्रदान करने के लिए गठित ज़ैद रिपोर्ट के

अनुसार...
शांतिरक्षकों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर व्यापक रिपोर्ट, विशाल
संयुक्त राष्ट्र द्वारा जांचे गए अधिकांश आरोप लेन-देन आधारित यौन संबंध से संबंधित हैं।
या "जीवनयापन के लिए यौन संबंध," जिसमें "पैसे के बदले यौन संबंध" (औसतन) शामिल है।
भोजन के लिए (तुरंत उपभोग या बाद में अदला-बदली के लिए) $1-3 प्रति मुलाकात।
या नौकरियों के लिए (विशेषकर दैनिक श्रमिकों को प्रभावित करने वाली नौकरियों के लिए)।" 49 शून्य सहिष्णुता बुल-
लेटिन स्पष्ट रूप से किसी भी प्रकार के "धन, रोजगार, सामान के आदान-प्रदान" को प्रतिबंधित करता है।
या यौन सेवाओं के लिए," लेकिन इस प्रकार का व्यवहार जरूरी नहीं कि आपराधिक हो।
ठीक उसी तरह जैसे ऊपर चर्चा किए गए दो हैं—चाहे वह अपराध हो-
यह लेन-देन की प्रकृति और मेजबान राज्य पर निर्भर करता है कि यह अंतिम है या नहीं।
वेश्यावृत्ति और सहमति की आयु से संबंधित कानून (यदि वे मौजूद हैं)। 50 मूलभूत सिद्धांत-
लेन-देन आधारित यौन संबंध और यौन संबंध के अन्य रूपों के बीच अंतर का मुख्य बिंदु-
यौन दुराचार का अर्थ यह है कि लेन-देन संबंधी यौन संबंध में "एक स्तर की स्वायत्तता शामिल होती है और
"बातचीत" भले ही यह अक्सर चरम परिस्थितियों के संदर्भ में की जाती हो
अभाव, हताशा और असुरक्षा। 51 (मध्य अफ्रीकी गणराज्य में-
उदाहरण के लिए, शांति रक्षक बलों द्वारा यौन शोषण के अधिकांश मामलों की रिपोर्ट की गई है।
संघर्ष के चरम पर ये घटनाएँ घटीं। 52) 2003 में, बुनिया के नागरिकों ने
पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के लोग विस्थापित हो गए और उन्होंने शरण

ली
और संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और शिविरों के आसपास जहां व्यापक स्तर पर जीवित रहने के लिए यौन शोषण होता है
अर्थव्यवस्था में तेजी आई। इंडिपेंडेंट ने तेरह साल के एक लड़के की कहानी छापी। बूढ़ी फाएला, जो युद्ध के दौरान सैनिकों द्वारा बार-बार किए गए बलात्कार के बाद गर्भवती हो गई थी।

शांति अभियानों में यौन दुर्व्यवहार 33

और जिसके पिता ने उसके होने की शर्म के कारण उसका भरण-पोषण करने से इनकार कर दिया था।
एक अविवाहित माँ। आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के शिविर में, वह और उसका मासूम चेहरा भूख से तड़प रहा था और इसलिए हर रात वह, अन्य लड़कियों के साथ
वही स्थिति थी, बाड़ फांदकर परिसर में घुस गया जहाँ
उरुग्वे और मोरक्को के सैनिक तैनात थे।

अगर मैं रात में [MONUC] सैनिकों से मिलने जाऊं और उनके साथ सोऊं, तो वे कभी-कभी मुझे खाना देते हैं, शायद एक केला या केक," वह कहती है, देखते हुए। अपने बेटे की ओर देखते हुए उसने कहा, "मुझे उनके साथ ऐसा करना ही होगा क्योंकि जोसेफ की देखभाल करने वाला कोई नहीं है, मेरे अलावा उसकी रक्षा करने वाला कोई नहीं है। वही मेरा सब कुछ है और मुझे उसी की देखभाल करनी होगी।"
उसके पीछे... "शिविर में जाना ठीक है क्योंकि सैनिक दयालु हैं।"
"मेरी तरफ बंदूकें मत तानो, जैसे दूसरे सैनिकों ने किया था," फाएला कहती हैं। 53

वाशिंगटन पोस्ट की बुनिया में हुई एक जांच में भी इसी तरह की कहानियां सामने आईं।
एक चौदह वर्षीय लड़की के साथ, जिसे स्थानीय रूप से "एक डॉलर वाली संयुक्त राष्ट्र की लड़की" के नाम से जाना जाता है।
रिपोर्ट में बताया गया है कि शांति सैनिकों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए वह जो

कीमत वसूलती है, उसी के कारण ऐसा होता है।
“मुझे इस बात का दुख है। लेकिन मुझे पैसों की ज़रूरत थी। मैं खेती नहीं कर सकता क्योंकि...”
मिलिशिया। मुझे कौन खिलाएगा? ... लेकिन कम से कम उन्होंने हमें पैसे तो दिए। मेरी कोई कीमत थी-
फिर भी कम ही था। युद्धकालीन बलात्कार के कारण मेरी प्रतिष्ठा धूमिल हो गई थी।
54
संघर्ष के बाद की स्थितियों में यह कोई असामान्य कहानी नहीं है, जहाँ
युद्धकालीन यौन हिंसा और इसके आसपास के मजबूत सांस्कृतिक मानदंडों का अंतर्संबंध
"शर्म," भौतिक अभाव, और अंतर्राष्ट्रीय अंतर- की उपस्थिति
पूजा-पाठ करने वाले लोग जीवित रहने के लिए यौन अर्थव्यवस्थाओं के उभरने की परिस्थितियाँ बनाते हैं और
फलना-फूलना। हैती में, नाबालिगों ने बताया कि उन्हें भोजन और थोड़ी मात्रा में चीजें दी जा रही थीं।
यौन संबंध के बदले नकद राशि। 55 गिनी और लाइबेरिया में, पुरुष मानवीय सहायता कर्मचारियों ने खाद्य और तेल सहित आवश्यक वस्तुओं या सेवाओं को रोक दिया।
तंबू बनाने का सामान, दवाइयाँ, राशन कार्ड, ऋण और शिक्षा या प्रशिक्षण
जब तक उन्हें यौन संबंध नहीं मिले, तब तक उन्होंने पाठ्यक्रम जारी रखे। 56 तिमोर-लेस्ते में, स्थानीय लोग, विशेषकर बच्चे-
बच्चों को "पैसे और अन्य भौतिक लाभों की पेशकश की गई थी, जिसके बदले में..."
"कमोबेश बेतरतीब ढंग से सेक्स," और "फील" लोगो वाली टी-शर्ट बेची गईं।
"आज रात सुरक्षित रहें: एक शांति रक्षक के साथ सोएं," यह स्पष्ट रूप से विडंबना का जिक्र करता है।
उन लोगों में से जिन्हें आबादी का शोषण करने वालों की रक्षा के लिए भेजा गया था। 57 यह स्पष्ट नहीं है
जिन्होंने कार्टून के साथ टी-शर्ट डिजाइन और बेचीं।
एक हट्टे-कट्टे, धमकी भरे और बेहद कामुक मर्दाना बुलडॉग की छवि
शांति रक्षक की बेरेट पहने हुए। कोटे डी'आइवर में, शांति रक्षकों ने भर्ती की।

स्थानीय लड़कों द्वारा लड़कियों को यौन संबंध के लिए लाने में सहायता करना, उन्हें पैसे की पेशकश करना।
कपड़े, और स्मृति चिन्ह, और उन्हें गोपनीयता की आवश्यकता के बारे में समझाना (अध्याय 1)

शांति सैनिकों को दंडित होने से बचाना और उनकी आपूर्ति श्रृंखला को बाधित होने से बचाना।
काट दिया गया। 58 और पश्चिम अफ्रीका में हुए शोध से पता चला है कि कुछ माता-पिता
वे अपने बच्चों की यौन गतिविधियों में भागीदारी को अपने लिए आवश्यक मानते थे।
परिवार के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए या तो इसे प्रोत्साहित किया गया या मौन रूप से स्वीकार किया गया।
एक आवश्यक हानि। 59
दिलचस्प बात यह है कि कुछ शांतिरक्षकों ने भी इसी तरह के तर्क दिए हैं, जैसे कि-
उनका यह कहना कि उनके यौन "लेन-देन" स्वीकार्य थे क्योंकि "दान" किया गया था
भोजन, संसाधन या धन जैसी चीजों ने शामिल महिलाओं को अधिक सुरक्षित बनाया।
मूलतः यह सुझाव देते हुए कि शोषण एक विशेष संदर्भ में परोपकारी भी हो सकता है।
शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाओं का। 60 यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि यह नहीं है
केवल शांति रक्षक और सहायता कर्मी ही इन लेन-देन में भाग लेते हैं।
यौन अर्थव्यवस्थाएँ। सेव द चिल्ड्रन ने पाया कि विभिन्न प्रकार के वयस्क पुरुष
तीस से साठ वर्ष की आयु के बीच के लोग यौन शोषण में शामिल थे।
लाइबेरिया से थे; कुछ लोग शिविर में रहने वाले समुदायों से थे, लेकिन कई लोग बाहर से थे।
बाहर से, शरणार्थी शिविरों में या उसके आस-पास आने-जाने या काम करने वाले लोग, जहाँ
शोषण हुआ। इनमें वे "शुगर डैडी" भी शामिल थे जो आर्थिक सहायता प्रदान करते थे।
युवा महिलाओं और लड़कियों को नियमित रूप से नकद या अन्य सहायता प्रदान करना।

बड़े यौन संबंध, व्यवसायी, वीडियो क्लब संचालक, "बड़े लोग"
जिन शिविरों में महत्वपूर्ण शक्ति या अधिकार थे, सरकारी कामकाज-
लाइबेरियाई सेना के अधिकारी, पुलिस अधिकारी, पूर्व लड़ाके, सैनिक
सेना और समुदाय के शिक्षक। 61 यह भी ध्यान देने योग्य है कि फायदे-
सैनिकों द्वारा वेश्यावृत्ति—या सैन्य वेश्यावृत्ति—भी एक सुस्थापित तथ्य है।
शांति स्थापना के संदर्भों के अलावा अन्य संदर्भों में भी यह घटना देखी जाती है। 62
हालाँकि, सैनिकों की सहभागिता-
शांति अभियानों के दौरान लेन-देन वाले यौन संबंध में शामिल होने से विशेष जोखिम
जुड़े होते हैं।
शांति सैनिकों को जिस सुरक्षात्मक जनादेश के तहत रखा गया है, उसे देखते हुए
इसके गंभीर निहितार्थ हैं।
तैनात किए जाते हैं और व्यवहार मानकों की उच्च अपेक्षाएं
शांति रक्षक। 63 इस मुद्दे पर बाद के अध्यायों में फिर से चर्चा की जाएगी, लेकिन
यह व्यापक संघर्ष और संघर्षोत्तर आर्थिक परिदृश्यों के संदर्भ में है।
यह समझना आवश्यक है कि हस्तक्षेपकर्ताओं की भागीदारी वाले लेन-देन संबंधी यौन
संबंध कैसे हो सकते हैं और
संबोधित किया गया।
जबकि वयस्क और बच्चे दोनों ही लेन-देन आधारित यौन संबंध में संलग्न होते हैं और
संयुक्त राष्ट्र
नीतियां इन दोनों के बीच अंतर नहीं करतीं (हालांकि संयुक्त राष्ट्र के साथ साक्षात्कार
में यह बात सामने आई है)।
कर्मचारियों ने सुझाव दिया कि नीतियों का व्यावहारिक कार्यान्वयन होता है, और यह
यह मुख्य रूप से बच्चों से जुड़े यौन लेन-देन संबंधी मामलों से संबंधित है, जो
(यौन शोषण के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए), लेनदेन के निहितार्थ-
बच्चों और वयस्कों के साथ यौन संबंध काफी भिन्न होते हैं, और अधिकांश
साहित्य में वर्णित लेन-देन संबंधी यौन संबंध बच्चों से संबंधित हैं। वास्तव में,

MONUC के एक पूर्व कर्मचारी ने सारा स्पेंसर को बताया कि "बेल्जियमवासी [में

MONUC चौदह से ऊपर किसी भी चीज़ को नहीं छुएगा, और शांति रक्षक...
पॉल हिगेट द्वारा देखे जाने पर बच्चों के साथ यौन संबंध को एक विकृत वस्तु के रूप में देखा गया,
कुछ लोगों का तर्क है कि सैनिक यह देखना चाहते हैं कि [युवा लड़कियों के साथ यौन संबंध] कैसा होता है।
जैसे... यह देखने के लिए कि क्या यह अलग है" और अन्य लोग दावा करते हैं कि "सेक्स करना
[युवा लड़कियों] के साथ व्यवहार स्थानीय संस्कृति के प्रति 'सम्मानजनक' था, जहाँ सहमति की आयु
मानदंड अलग हैं। 64 इसके बावजूद, व्यापक लेन-देन आधारित यौन अर्थव्यवस्थाएँ मौजूद हैं।
वयस्कों के साथ होने वाली झड़पें शांति अभियानों के संदर्भ में सामने आती हैं, जैसे कि तिमोर के मामले।
अध्याय 2 में चर्चा किए गए लेस्टे और बोस्निया इसका उदाहरण हैं। कई उत्तरदाता
इस पुस्तक के लिए साक्षात्कार देने वाले लोगों ने अफसोस जताया कि तैनाती के दौरान उन्हें
अक्सर वे अपने वरिष्ठों के समक्ष इस तरह के व्यवहार का मुद्दा उठाने में अनिच्छुक रहे हैं क्योंकि
वे संबंधित रिश्तों की प्रकृति या उनके बारे में निश्चित नहीं थे।
लेन-देन संबंधी तत्व। ऐसे संबंधों में विभिन्न प्रकार के तत्व शामिल हो सकते हैं।
यौन संबंध के बदले मुआवजा—चाहे वह भोजन या धन जैसी भौतिक वस्तुएं हों या कुछ और,
कभी-कभी, समर्थन के ऐसे रूप भी शामिल हो सकते हैं जो दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों।
आवास, रेस्तरां में भोजन या स्कूल जैसे संबंध
शुल्क—और विभिन्न स्तरों पर दबाव, जिसमें सहायता या अन्य चीजों को रोकना शामिल है।
मानवीय सहायता। वयस्कों के बीच यौन संबंध के ये लेन-देन संबंधी रूप।
लेन-देन संबंधी साहित्य और रिपोर्टों में शायद ये कम ही दिखाई देते हैं।

यौन शोषण की कम सीधी प्रकृति के कारण
सहमति देने वाले वयस्कों की भागीदारी।
लेन-देन संबंधी यौन संबंध में सहमति के विभिन्न स्तर शामिल होते हैं, जो विशेष रूप से...
जब इसमें बच्चे या किशोर शामिल होते हैं तो इसका निर्धारण करना काफी मुश्किल होता है।
ज़ैद रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि साक्षात्कार में शामिल कुछ लड़कियों ने "बलात्कार" का वर्णन किया है।
इसे वेश्यावृत्ति कहा जाता है, जिसमें अपराधी बाद में पीड़ित को "भुगतान" करता है।
एक वैध सहमतिपूर्ण लेनदेन का सुझाव देने के लिए। इसमें बहुत अंतर है-
सहमति और एजेंसी के संदर्भ में इसके अलग-अलग निहितार्थ हैं और यह दर्शाता है
ऊपर चर्चा किए गए अवसरवादी यौन शोषण के साथ महत्वपूर्ण रूप से समानता है।
कोटे डी आइवर में एक युवा लड़के के साथ बलात्कार का मामला कुछ इसी तरह की बात का संकेत देता है।
इलर: लौटे हुए युवक ने आरोप लगाया कि उसे उस जगह से बहला-फुसलाकर ले जाया गया था जहाँ वह रहता था।
वह अपने दोस्तों के साथ मछली पकड़ रहा था तभी वर्दीधारी शांति रक्षक ने उसे देखा जिसे वह जानता था और
पिछली मुलाकातों के आधार पर उस पर भरोसा किया गया था। उस आदमी ने लड़के का बलात्कार किया और उसे
उसे चुप कराने के लिए पैसे। 65 सहमति के बारे में भी सवाल हैं।
जांचकर्ताओं द्वारा निर्धारित किया गया है: एक बच्ची जिसने बलात्कार होने की सूचना दी थी
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में तैनात एक बुरुंडी शांति रक्षक का मामला
इसे यौन उत्पीड़न के बजाय लेन-देन संबंधी यौन संबंध के रूप में दर्ज किया गया। 66 इसके अलावा,
सहमति, इस प्रकार के यौन शोषण और दुर्व्यवहार के साक्ष्य मौजूद हैं 36 अध्याय 1

इससे निर्भरता की स्थिति उत्पन्न होती है, जिसके कारण दुर्व्यवहार के शिकार लोग

सहायता की तलाश करते हैं।
आगे के लेन-देन संबंधी मुलाकातों से बचने के लिए। दक्षिण में एक चौदह वर्षीय लड़का
सूडान ने 2007 में बताया कि वर्दीधारी शांति रक्षक द्वारा बलात्कार किए जाने के बाद...
गोलकीपर होने के बावजूद, वह अब नियमित रूप से उसी स्थान पर लौटता है इस उम्मीद में कि उसे मौका मिलेगा।
अन्य शांति सैनिकों द्वारा उसे ले जाया गया और उसकी सेवाओं के लिए भुगतान किया गया। उसने रिपोर्ट में बताया-
“मुझे पता है कि ऐसा करना बहुत बुरा है, लेकिन मुझे देर रात संयुक्त राष्ट्र की गाड़ियाँ दिखाई देती हैं।”
मैं रात में शराबखानों के पास बैठता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि कोई मुझे चुन लेगा। अगर मुझे एक दिन में 1000 एसडी (3 अमेरिकी डॉलर) मिल जाते हैं तो वह एक अच्छा दिन होता है।” 67 रिपोर्ट
शोधकर्ताओं ने पाया है कि बच्चों को अक्सर वादे के अनुसार भुगतान से भी वंचित कर दिया जाता है।
जहां वे लेन-देन आधारित यौन संबंध के लिए सहमत हुए हैं। 68
दूसरी ओर, लेन-देन संबंधी संबंध
सहमति देने वाले वयस्कों के मामले अधिक अस्पष्ट हैं, विशेष रूप से वे जिनमें कुछ लेन-देन शामिल हैं।
इनमें न केवल पारंपरिक तत्व होते हैं, बल्कि निरंतर रोमांटिक या यौन संबंध भी होते हैं।
रिश्ते। शून्य सहिष्णुता बुलेटिन "स्वाभाविक रूप से असमान" की पहचान करता है। संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों और लाभार्थियों के बीच संबंधों में "शक्ति गतिशीलता" सहायता प्रदान करने से मना करता है और उन्हें "सख्ती से हतोत्साहित" करता है क्योंकि वे "कमजोर" करते हैं।
संयुक्त राष्ट्र के कार्य की विश्वसनीयता और अखंडता पर सवाल उठाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि...
उन पर प्रतिबंध लगाओ। 69 इस रुख की इस बात के लिए कड़ी आलोचना की गई है

कि यह अनदेखी करता है
स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं की, इस तरह के संबंधों के लिए स्वेच्छा से सहमति देने की क्षमता-
जहाज, जिनमें लेन-देन शामिल हो भी सकता है और नहीं भी। 70 इसके अलावा, कौन गिनती करता है
लाभार्थी के रूप में उसकी भूमिका स्पष्ट नहीं है: जबकि संयुक्त राष्ट्र के आचरण आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि
और अनुशासन इकाई ने तर्क दिया कि शांति सैनिकों के लिए, पूरी आबादी
जिस देश में उन्हें तैनात किया गया है, वहां के निवासी लाभार्थी के रूप में पात्र होते हैं।
शांतिरक्षकों के व्यापक सुरक्षा जनादेश के कारण, अन्य लोग भी इसमें शामिल होते हैं-
देखे गए लोगों ने इस व्यापक परिभाषा को साझा नहीं किया। 71 जैसे-जैसे अनुभव तिमोर-लेस्ते और बोस्निया में जो कुछ हो रहा है, वह अगले अध्याय में वास्तविकता को दर्शाएगा।
शांति अभियानों में एक बात यह है कि ये अस्पष्ट संबंध अपेक्षाकृत जटिल हैं।
और उचित प्रतिक्रियाओं के विकास में चुनौतियां पेश करना
अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से लेकर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता तक
अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और मेजबान समुदायों के बीच अपनी कथित विश्वसनीयता को बनाए रखने में सक्षम होना।
लेन-देन संबंधी उचित विनियमन के प्रश्नों को एक तरफ रखते हुए
और सहमति देने वाले वयस्कों के बीच अन्य संबंधों में, यह स्पष्ट है कि लेन-देन-राष्ट्रीय यौन अर्थव्यवस्थाएं गरीबी और असुरक्षा की स्थितियों में उत्पन्न होती हैं, जहां युद्धों ने सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक व्यवस्था के विघटन में योगदान दिया है।
आर्थिक संरचनाएं जो शोषण से सुरक्षा प्रदान कर सकती हैं, विशेष रूप से-
विशेष रूप से बच्चों के लिए। जेन हॉल ल्यूट, संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव के रूप में।
शांतिरक्षा अभियानों के लिए, उन्होंने कहा कि उनकी "संचालन संबंधी धारणा यह है कि

यह हममें से हर एक में एक निरंतर या संभावित समस्या है
मिशन।" 72 क्योंकि जीवित रहने के लिए यौन संबंध बनाने के आर्थिक प्रेरक कारक उच्च हैं
कई शांति अभियानों में, कुछ हस्तक्षेपकर्ताओं ने लेन-देन संबंधी व्याख्या की है।
यौन संबंध और उससे जुड़े रिश्ते स्थानीय महिलाओं द्वारा संचालित होते हैं।
जो शांति सैनिकों को आकर्षित करने के लिए "उत्साहपूर्वक" प्रतिस्पर्धा करते हैं। 73 हालाँकि, यह
यह स्पष्ट है कि गरीबी की अंतर्निहित संरचनात्मक स्थितियां और
हस्तक्षेपकर्ताओं और स्थानीय लोगों के बीच असमान शक्ति संतुलन एक धारणा पैदा करता है-
ऐसा संचार वातावरण जिसमें लेन-देन आधारित यौन अर्थव्यवस्थाएं फल-फूल सकती हैं।
जैसा कि सारा स्पेंसर तर्क देती हैं, विकृत शक्ति गतिशीलता के संदर्भ में
संघर्ष में मौजूद, यौन आदान-प्रदान में शामिल एजेंसी की अभिव्यक्ति
भौतिक वस्तुओं या सुरक्षा के लिए यह तथ्य छुपाता है कि "ये शोषणकारी
परिस्थितियाँ वास्तविक विकल्पों को शामिल नहीं करतीं और इससे नुकसान हो सकता है।
स्थानीय लोग शामिल हैं। 74 इसके बावजूद, शून्य सहिष्णुता नीति द्वारा निषिद्ध होने के बावजूद-
एक बुलेटिन के अनुसार, सभी प्रकार का यौन संबंध अपराध नहीं है; यह केवल तभी अपराध है जब
इसमें बच्चे शामिल होते हैं या जब इसमें वेश्यावृत्ति शामिल होती है, उन न्यायक्षेत्रों में जहां
राष्ट्रीय कानून इसे प्रतिबंधित करते हैं।

नेटवर्क आधारित दुर्व्यवहार और शोषण

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामने आए सबसे चिंताजनक खुलासों में से एक यह है कि...
1990 के दशक में पूर्व यूगोस्लाविया में किए गए हस्तक्षेपों में शामिल होना भी एक प्रकार की भागीदारी थी।
शांतिरक्षकों और संबंधित कर्मियों द्वारा महिलाओं की यौन तस्करी में शामिल होने की भूमिका
पड़ोसी देशों से कोसोवो और बोस्निया में। ठीक उसी समय आगमन हुआ।
कंबोडिया में शांति सैनिकों की तैनाती से यौन सेवाओं की मांग में भारी वृद्धि हुई।
"बुराइयों" के आगमन के साथ-साथ बोस्निया में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप का आगमन भी हुआ।
और कोसोवो में यौन उद्योग का तेजी से विस्तार हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर-
विशेष रूप से बोस्निया में स्थिरीकरण बल के सैनिकों सहित अन्य सैनिक।
हर्ज़ेगोविना (एसएफओआर) का अनुमानित 70 प्रतिशत लाभ में योगदान था।
यह बोस्निया में वेश्यावृत्ति से बनता है और अनुमानित 30 से 50 प्रतिशत
वेश्यालयों में आने वाले ग्राहकों की संख्या, और यह अनुमान लगाया जाता है कि अधिकांश महिलाएं
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा संचालित वेश्यालयों में काम करने वाली महिलाओं की तस्करी की गई। 75 अंतर्राष्ट्रीय-
राष्ट्रीय कर्मी—विशेष रूप से अमेरिकी डायनकॉप के निजी ठेकेदार
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान की पुलिस टीम में अमेरिकी योगदान के रूप में तैनात किया गया।
न केवल मुख्य घटक, बल्कि अन्य सैन्य और पुलिस शांति रक्षक भी इसमें शामिल थे।
वेश्याओं के उपयोग में, वेश्यालयों में काम करने के लिए महिलाओं की तस्करी में, और अन्य अपराधों में...
महिलाओं और लड़कियों को यौन गुलाम बनाकर उनका पीछा करना, और कुछ मामलों में उन्हें खरीदना
वेश्यालय मालिकों से अवैध हथियार प्राप्त करना और अवैध गतिविधियों को छुपाना।
76 38 अध्याय 1

यहां तक कि इस बात के भी सबूत मिले हैं कि संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों ने

वेश्यालयों का सहारा लिया था।
साराजेवो के बाहर सर्ब-संचालित यातना शिविरों से संचालित।
युद्ध। 77 अधिकारियों ने गवाही दी है कि कोई "वैध" यौन उद्योग नहीं था।
मानव तस्करी और जबरन वेश्यावृत्ति से अलग करने का प्रयास करें, और यह तथ्य
संयुक्त राष्ट्र के कई शांति सैनिकों द्वारा इसे "स्वीकार नहीं किया गया या इसकी
अनदेखी की गई"।
जो बोस्निया में वेश्यावृत्ति में शामिल थे। अन्य लोग जानबूझकर
संगठनों के साथ साझेदारी में यौन दास व्यापार में गहराई से शामिल हो जाना।
संगठित अपराध।" 78 तस्करी और यौन गुलामी के इसी तरह के मामले सामने आए
कोसोवो फोर्स (केएफओआर) कर्मियों के संबंध में, और कोसोवो और दोनों में
बोस्निया में, साक्ष्य बताते हैं कि न तो यौन तस्करी और न ही जबरन वेश्यावृत्ति-
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं के आगमन से पहले भी ट्यूशन एक मुद्दा था। 79 यह है
यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि शोध से पता चला है कि शांतिरक्षण अर्थव्यवस्थाएँ
इस तरह के प्रयास शांतिरक्षा अभियानों से अधिक समय तक टिके रहते हैं, "लिंग-
आधारित पारिस्थितिकी को आकार देते हैं-"
दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक शक्ति संबंधों में लैंगिक समावेशन।
युद्धोत्तर अर्थव्यवस्था में काम और तस्करी। 80 प्राथमिक शोध संदर्भ-
तिमोर-लेस्ते और बोस्निया में आयोजित किए गए, जिनकी चर्चा निम्नलिखित
अध्यायों में की गई है।
इससे इस विशेष बिंदु पर और अधिक स्पष्टता आएगी।
आपराधिक नेटवर्क से संबंध होने के कारण यौन शोषण का यह रूप
दुराचार, लेन-देन संबंधी यौन संबंध से भिन्न होता है। हस्तक्षेपकर्ता न केवल बातचीत
करते हैं
बिचौलियों या आपराधिक नेटवर्क के साथ महिलाओं तक पहुँचने के लिए (अलग-
अलग
(लेनदेन वाले यौन संबंध की विशेषता वाले अधिक प्रत्यक्ष वार्ताओं से) लेकिन
वे अपने आपसी संबंधों के माध्यम से स्वयं भी लाभ कमाने में लगे हो सकते हैं।
इन नेटवर्कों के साथ संबंध। उदाहरण के लिए, इतालवी शांति सैनिकों पर आरोप है
कि उन्होंने इन नेटवर्कों के साथ संबंध स्थापित किए।

साराजेवो में अपनी बैरकों से बाल वेश्यावृत्ति के गिरोह संचालित करते हुए, यूक्रेनी
शांति रक्षकों ने शराब की तस्करी करके अपनी कम आय को पूरा किया।
मालवाहक, और महिलाओं और एक वेश्यालय की स्थापना जो बड़े पैमाने पर ग्राहकों
द्वारा संचालित थी
अन्य शांतिरक्षकों द्वारा। 81 इरिट्रिया में, संयुक्त राष्ट्र मिशन के एक शांतिरक्षक ने
इथियोपिया और इरिट्रिया में अश्लील फिल्में बनाने का दोषी पाया गया।
एक स्थानीय महिला के साथ संबंध, और सोमालिया में बेल्जियम के सैनिकों ने
कथित तौर पर खरीदा
एक किशोर लड़की को पैराटूपर के जन्मदिन के उपहार के रूप में दिया और उसे
मजबूर किया
यौन उत्तेजक प्रदर्शन करना और दो सैनिकों के साथ यौन संबंध बनाना। 82 तिमोर
में-
संयुक्त राष्ट्र के आगमन के बाद लेस्ते में यौन सेवाओं की मांग में वृद्धि हुई।
पूर्वी तिमोर में संक्रमणकालीन प्रशासन (UNTAET) के कारण...
अंतर्राष्ट्रीयकृत यौन उद्योग की मौजूदगी, जिसमें महिलाओं की तस्करी की जाती है
थाईलैंड, चीन और अन्य क्षेत्रीय राज्यों से। 83 इससे पता चलता है कि
जहां हस्तक्षेपकर्ता स्वयं तस्करी में शामिल नहीं होते हैं, वहां वे
नेटवर्क आधारित यौन शोषण और दुर्व्यवहार में शामिल होने के कारण
ऐसे वेश्यालयों को संरक्षण देना जो तस्करी की गई महिलाओं के "मालिक" होते हैं।

हस्तक्षेप द्वारा यौन दुर्व्यवहार के इस रूप के बीच घनिष्ठ संबंध हैं।
अपराधियों और वैश्विक आपराधिक नेटवर्क के साथ-साथ व्यापक समन्वय
इन व्यवसायों में शामिल होना इस प्रकार के व्यवहार को अन्य व्यवहारों से अलग
करता है।
चर्चा की गई। हस्तक्षेपकर्ताओं या नेट द्वारा लाभ कमाने की केंद्रीयता।
वे जिन कार्यों में उलझ जाते हैं, और इस रूप की नियोजित प्रकृति
दुर्व्यवहार के बारे में जानकारी होना यह समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि यह इतना
व्यापक क्यों रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप और वे कारक जो अनुकूल वातावरण बनाते हैं-
जिन वातावरणों में यह फला-फूला है।

यौन दुर्व्यवहार के विभिन्न रूप क्यों उत्पन्न होते हैं?

शांति काल में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के विभिन्न रूपों का यह विश्लेषण
संचालन से पता चलता है कि कदाचार की घटनाओं को अलग-अलग पहचाना जा सकता है।
इन अपराधों को इस आधार पर परखा जा सकता है कि वे किस हद तक अवसरवादी तरीके से अंजाम दिए गए थे।
वैज्ञानिक रूप से, इसमें एक स्तर की बातचीत या लेन-देन शामिल थी।
या तो वे लाभ-उन्मुख आपराधिक नेटवर्क से जुड़े थे, या वे क्रूर थे।
टिक और योजनाबद्ध। इस चर्चा से यह भी स्पष्ट है कि जबकि वहाँ
दुराचार के इन चार सामान्य रूपों के बीच बहुत भिन्नता है,
कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें समानता है—जैसे कि लेन-देन संबंधी और आंतरिक संबंधों के बीच की धुंधली रेखा।
यौन शोषण और अवसरवादी बलात्कार, जो अक्सर और भी जटिल हो जाता है
अस्पष्ट और असंगत जांच और रिकॉर्डिंग प्रक्रियाएं। हालांकि,
विरोधाभासी रूप से, यह यह भी बताता है कि इन व्यवहारों के बीच अंतर-
ये मुद्दे शायद यौन शोषण जैसे व्यापक वर्णन से कहीं अधिक व्यापक हैं।
दुर्व्यवहार और शोषण से पता चलता है: जबकि वे सभी यौन प्रकृति से एकजुट हैं
व्यवहारों में जो समानताएं हैं, वे व्यवहार में केवल आंशिक रूप से ही संबंधित हैं।
बलात्कार, आपसी सहमति से होने वाले लेन-देन वाले यौन संबंध से बिलकुल अलग है, यहाँ तक कि
असमान शक्ति संतुलन के संदर्भ में, और व्यक्तिगत लाभ के लिए यौन तस्करी
लाभ कमाना क्रूर यौन यातना से बिल्कुल अलग है।

अगले अध्यायों में, मैं जिन प्रश्नों पर विचार करूंगा उनमें से एक यह है कि क्या यौन दुर्व्यवहार के इन विभिन्न रूपों का अलग-अलग प्रभाव पड़ा है।
शांति निर्माण के परिणाम और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता पर

और शांति अभियानों में विश्वसनीयता। फिलहाल, हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि उन कारकों पर विचार करें जो यौन शोषण के इन विभिन्न रूपों को जन्म देते हैं। आक्रामक और अपमानजनक व्यवहार।

तर्कसंगत बनाने के लिए अक्सर कई प्रासंगिक कारकों को जुटाया जाता है। हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के कृत्यों को उजागर करना शांति अभियान। उदाहरण के लिए, अधिकारी और नीति निर्माता अलग-अलग बिंदुओं पर ध्यान दिलाते हैं। अध्याय 1

शांति सैनिकों की तैनाती की कठिन परिस्थितियों, भर्ती की कमी आदि के कारण... मनोरंजन सुविधाएं, अपर्याप्त विश्राम और स्वास्थ्य लाभ प्रावधान, और कभी-कभी तो बस यही कहा जाता है कि "लड़के तो लड़के ही होते हैं" और सैनिक ऐसी कठिन परिस्थितियों में तैनात लोगों को किसी न किसी तरह तनावमुक्त होने की आवश्यकता होती है, जो इस बात को प्रतिध्वनित करता है कि कंबोडिया में अकाशी के बयान। 84 इसका परिणाम यह है कि कुछ- मेलजोल, शराब के सेवन और संबंधित स्थायी आदेशों के समय कर्फ्यू लगाना—या, हाल ही में, तैनात महिलाओं के अनुपात को बढ़ाना शांति अभियानों में यौन शोषण को सीमित करने के तरीकों के रूप में इन्हें प्रस्तुत किया जाता है।

और दुर्व्यवहार। 85 नॉर्डास और रुस्ताद द्वारा छत्तीस शांति अभियानों का विश्लेषण 1999 और 2010 के बीच कई अन्य प्रासंगिक कारकों की पहचान की गई, जो शांति रक्षक बलों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार की संभावना बढ़ जाती है। 86 इनमें संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के उच्च स्तर का इतिहास शामिल है। प्रतिरोध, निम्न आर्थिक विकास (जो प्रेरक कारकों को बढ़ाता है) लेन-देन संबंधी यौन संबंध), और शांति अभियानों को विभिन्न संदर्भों में लागू करना युद्ध से संबंधित मौतों का स्तर कम होने के कारण (संभवतः शांति रक्षकों के कारण) ऐसे संदर्भों में तैनात व्यक्तियों का स्थानीय आबादी के साथ अधिक संपर्क होता है। युद्ध से संबंधित उच्च स्तर के संदर्भों में तैनात लोगों की तुलना में, ये तैनाती अधिक प्रभावी होती है।

(जिन मौतों के लिए आमतौर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाती है)।

इसके अलावा, उन्होंने पाया कि बड़े संगठनों में कदाचार होने की संभावना अधिक होती है।
संभवतः ऐसी कार्रवाइयों में आने वाली चुनौतियों के कारण संचालन संभव हो सकता है।
सैनिकों की निगरानी और नियंत्रण के संबंध में। इस निष्कर्ष की पुष्टि होती है
स्टीफन मोनक्रिफ द्वारा यौन शोषण और हमले के आरोपों का विश्लेषण
2007 से 2014 तक के आंकड़ों से पता चलता है कि अनुशासनहीनता के कारण
शांतिरक्षा मिशन के निचले स्तर के कमान इससे जुड़े हुए हैं
यौन दुराचार के उच्च स्तर। 87 कीथ ऑलरेड ने अपराधी को जोड़ा है-
शांति सैनिकों के बीच यह धारणा है कि वे यौन दुर्व्यवहार के कारण
उन्हें अभियोजन से छूट प्राप्त है, जो क्षेत्राधिकार से प्राप्त होती है।
टीसीसी, संयुक्त राष्ट्र और मेजबान देश के बीच व्यवस्था। 88
मेरे उपरोक्त विश्लेषण से इन संदर्भों की प्रासंगिकता की पुष्टि होती है।
ऐसे कारक जो यह दर्शाते हैं कि बड़ी संख्या में विस्थापित नागरिक आबादी मौजूद है,
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा, परिवारों के अलगाव का संदर्भ,
और सामान्य सामाजिक सुरक्षा जाल के टूटने से भेद्यता बढ़ सकती है।
यह यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति संवेदनशीलता को उजागर करता है। यह उन लोगों की भूमिकाओं पर भी प्रकाश डालता है जो इसमें शामिल हैं।
शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएँ जो भौतिक असमानता पर आधारित हैं
हस्तक्षेपकर्ता और स्थानीय लोग तथा महिलाओं और बच्चों की विशेष कमजोरियाँ
ऐसे हालात में बच्चों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उनमें मौजूदा आपराधिक नेटवर्क की उपस्थिति भी शामिल है।
ये कारक भी योगदान दे सकते हैं। हालाँकि, केवल ये प्रासंगिक कारक ही पर्याप्त नहीं हैं।

हस्तक्षेप के माध्यम से यौन दुर्व्यवहार की व्यापकता और पैटर्न की व्याख्या करें।
शांति अभियानों में कार्यरत।
"यौन शोषण" श्रेणी में आने वाले व्यवहारों की यौन प्रकृति...

"उत्पीड़न और दुर्व्यवहार" में यह तथ्य शामिल है कि वे किए जाते हैं
मुख्यतः, यदि पूरी तरह से नहीं, तो पुरुषों द्वारा, यह दर्शाता है कि वे कम-
लिंग संबंधी उन संरचनाओं से जकड़ा हुआ है जो यौन शोषण और दुर्व्यवहार को
सीमित कर देती हैं।
स्थानीय लोगों की भागीदारी पुरुषत्व के प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण तत्व है।
शांति अभियानों में पुरुष हस्तक्षेपकर्ताओं के बीच। यौन हिंसा को समझकर...
सामाजिक शक्ति से संबंधित एक कार्य के रूप में प्रतिरोध और लैंगिक प्रथाओं को
स्थापित करके
ऐतिहासिक रूप से स्थित विभेदकारी पदानुक्रम प्रणाली के भीतर अंतर्निहित-
वह व्यवस्था जो मर्दाना माने जाने वालों को उन लोगों की कीमत पर विशेषाधिकार
देती है जो
"स्त्रीत्व के रूप में परिभाषित" होने पर, हम देख सकते हैं कि यौन शोषण और
दुर्व्यवहार एक
व्यवहार लैंगिक शक्ति गतिशीलता और प्रदर्शन से अटूट रूप से जुड़ा हुआ है।
पुरुषत्व के प्रदर्शन। 89 यह दृष्टिकोण शांति रक्षकों के वृत्तांतों द्वारा समर्थित है।
स्वयं शांति रक्षक: शांति रक्षकों ने शोधकर्ताओं को बताया है कि उन्हें यह साबित
करने की आवश्यकता है
वे "बाहर जाकर किसी महिला से संबंध बनाने" मात्र से समलैंगिक नहीं हो जाते, यह
बात...
सैनिकों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाना "[सेना की क्षमता को सीमित करता है]"
प्रभावी सैनिक तैयार करने के लिए, और यह कि उन्हें अपनी यौन इच्छाओं को
"संतुष्ट" करने की आवश्यकता है।
उनकी मर्दानगी के एक मूलभूत घटक के रूप में। 90 इसके अलावा, यह हो सकता है
कि परंपरागत रूप से नागरिक कार्यों को अब सैनिकों से करने के लिए कहा जा रहा
है।
समकालीन बहुआयामी शांति अभियानों में प्रदर्शन करना—इसके विपरीत
जिस युद्ध भूमिका के लिए उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है, उसमें योगदान देना—
कमजोर करने में योगदान देता है
सैनिकों के रूप में उनकी पहचान की भावना और इसके परिणामस्वरूप ऐसे व्यवहार

उत्पन्न होते हैं जिनमें शामिल हैं:
स्थानीय आबादी का यौन शोषण और दुर्व्यवहार या उत्पीड़न
या संयुक्त राष्ट्र मिशन के अन्य सदस्यों या इकाइयों का दुरुपयोग। 91 इसी संदर्भ में,
करीम और बियर्ड्सली ने तर्क दिया है कि सैन्यीकरण प्रक्रियाएं अंतर्निहित हैं-
शांति अभियानों में भागीदारी से लैंगिक शक्ति असंतुलन उत्पन्न होता है, जो बदले में यौन शोषण, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के कृत्यों के रूप में प्रकट होते हैं। 92 विद्वान उन्होंने यह भी प्रदर्शित किया है कि किस प्रकार वर्चस्वशाली पुरुषत्वों का उत्पादन होता है।
समकालीन समाज में अधिक सामान्यतः प्रमुख स्थिति अंतर्निहित है
पुरुषों को महिलाओं पर तरजीह दी जाती है, जिससे सैन्य क्षेत्रों के बाहर भी यौन हिंसा को बढ़ावा मिलता है।
विशेषीकृत संदर्भ—उदाहरण के लिए, सहायता कर्मियों द्वारा किए गए कृत्यों के संदर्भ में—
ऊपर चर्चा की गई है। 93 हालाँकि, जैसा कि पॉल किर्बी ने दिखाया है, समझ
पुरुषत्व या पितृसत्ता जैसी लैंगिक व्यवस्थाओं और संरचनाओं को
यौन दुराचार के लिए जिम्मेदार व्यक्ति अनुचित हो सकता है।
जानबूझकर व्यक्तिगत और सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी दोनों को छिपाना
यह: व्यक्तिगत पुरुष अपने यौन व्यवहार के बारे में चुनाव करते हैं, और समूह 42
अध्याय 1

वे इन व्यवहारों के दर्शक, सूत्रधार और लाभार्थी के रूप में कार्य कर सकते हैं। 94
इसलिए लिंग विश्लेषण से आगे बढ़कर इसे समझना आवश्यक है।
ऐसे कई कारक हैं जो यौन अभिक्रिया की घटना को समझाने में मदद कर सकते हैं।
शांति अभियानों में शोषण और दुर्व्यवहार।
मार्शा हेनरी द्वारा शांतिरक्षकों के दुर्व्यवहार के विश्लेषण से निम्नलिखित बातों पर प्रकाश डाला गया है:
संघर्ष से संबंधित घटनाओं की व्याख्या करने के लिए कई प्रकार के स्पष्टीकरण प्रस्तुत किए गए हैं।

नारीवादी विद्वता में यौन हिंसा और सैन्य वेश्यावृत्ति: सैन्य
संस्कृतियाँ, नागरिक-सैन्य संबंधों में नस्ल की राजनीति, अंतर-
राष्ट्रीय संबंध और अंतर्राष्ट्रीय सरकारें प्रणालियों को बनाए रखने में भूमिका निभाती
हैं
सैन्य वेश्यावृत्ति, सैन्य उपस्थिति से प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं और
अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय हितधारकों के बीच हितों का अंतर्संबंध
महिलाओं की कामुकता और शरीर पर नियंत्रण। 95 इनमें से अधिकांश भी थे
यौन दुर्व्यवहार के विभिन्न प्रकारों के उपरोक्त विश्लेषण में स्पष्ट है-
शांति अभियानों में सहायक, जिसने प्रदर्शित किया कि अनुमेय कारक
जांचे गए प्रत्येक प्रकार के व्यवहार में इन्हें अलग-अलग पहचाना जा सकता है।
अवसर-
सैन्य संस्कृतियों के अंतर्संबंध से यौन उत्पीड़न को बढ़ावा मिलता है।
यौन व्यवहार के लैंगिक मानदंड, और अनियंत्रित परिस्थितियाँ
जिन शांति सैनिकों को तैनात किया जाता है। लेन-देन आधारित यौन अर्थव्यवस्थाएं
विकसित होती हैं।
अभाव, गरीबी और भौतिक असमानता के संदर्भ में
हस्तक्षेपकर्ता और स्थानीय लोग, जहाँ आम नागरिक जीवनयापन के लिए यौन संबंध
बनाने को एक तरीके के रूप में देखते हैं।
बुनियादी जरूरतों को सुरक्षित करने के लिए। नेटवर्क से जुड़ा दुर्व्यवहार और शोषण
एक
अनियमित लाभ कमाने का संदर्भ जहां आपराधिक तस्करी या वेश्यावृत्ति होती है-
शिक्षण नेटवर्क मौजूद हैं और अपने क्षेत्र में हस्तक्षेप करने वालों को शामिल करके
फल-फूल सकते हैं।
संचालन—और इसे लंबे और संस्थागत इतिहास का समर्थन प्राप्त है।
सैन्य वेश्यावृत्ति के बारे में। जैसा कि सिंथिया एनलो ने तर्क दिया है, "ऐसा कुछ भी
नहीं है-
अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा अभियानों में निहित कुछ ऐसी बातें जो सैनिकों को
उस तरह के लिंगभेद से प्रतिरक्षित जिसने सैन्य वेश्यावृत्ति को बढ़ावा दिया है
युद्धकाल और शांतिकाल।" 96 और यौन उत्पीड़न के क्रूर, सुनियोजित उदाहरण

दुर्व्यवहार अवसरवादिता से प्रेरित प्रतीत होता है, व्यक्तियों की विकृतियाँ काम करती हैं।
अनियमित वातावरण में जीवन यापन करना, और औपनिवेशिक हिंसा की छाया में जीना।
कनाडावासियों द्वारा किए गए यौन शोषण के इस अंतिम रूप के अपने विश्लेषण में-
सोमालिया में भारतीय शांति सैनिकों के संबंध में, शेरेन रज़ाक ने तर्क दिया कि नस्लीय भेदभाव
और यौन हिंसा में औपनिवेशिक मुठभेड़ के लक्षण स्पष्ट रूप से दिखाई देते थे, और बाद के एक अध्ययन में उन्होंने पाया कि इस तरह की हिंसा शांति अभियानों में सर्वव्यापी है।
“सोमालिया से बोस्निया तक” और इसे अप्रत्यक्ष औपनिवेशिकता का उत्पाद बताता है।
शांति स्थापना परियोजना में। 97 हेनरी ने इसी प्रकार दिखाया है कि "नस्लीय

शांतिरक्षा मुठभेड़ की विशेषताएं और औपनिवेशिक शक्ति संबंध” हैं
शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार को समझने के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।
अधिक व्यापक रूप से, विशेष रूप से लेन-देन संबंधी यौन संबंध या नेटवर्क से संबंधित
शोषण। 98 औपनिवेशिकता की प्रासंगिकता को स्पष्टीकरण द्वारा रेखांकित किया गया है-
फ्रांसीसी एमओएनयूसी के नागरिक शांति रक्षक द्वारा दिए गए बयान में, जिसने स्वीकार किया कि
2004 में चौबीस नाबालिग लड़कियों के साथ यौन संबंध बनाने के बारे में उन्होंने कहा, "वहाँ,
औपनिवेशिक भावना अभी भी कायम है। गोरे आदमी को जो चाहिए वो मिल जाता है।
लिंग विश्लेषण से आगे बढ़कर, हम देख सकते हैं कि स्थानीय स्तर पर कई कारक

मौजूद हैं,
अंतर्राष्ट्रीय, मानक और प्रणालीगत कारक लैंगिक व्यवस्थाओं के साथ परस्पर क्रिया करते हैं।
और ऐसी संरचनाएं बनाना जो यौन दुर्व्यवहार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करती हैं।
अनेक विशिष्ट रूपों में अंजाम दिया गया। इससे संकेत मिलता है कि-
विशिष्ट परिस्थितियाँ सीधे तौर पर विशिष्ट प्रकार के दुर्व्यवहार का कारण नहीं बनतीं, लेकिन
बल्कि चारों प्रकार के यौन शोषण और दुर्व्यवहार की परिस्थितियाँ
अधिकांश शांतिरक्षा (और मानवीय आपातकालीन) संदर्भों में सह-अस्तित्व: यह है
स्थानीय, अंतर्राष्ट्रीय, मानक और प्रणालीगत कारकों के परस्पर क्रिया करने का तरीका
एक दूसरे के साथ और शांतिरक्षा अभियानों के साथ, जिससे यह स्थिति उत्पन्न होती है
दुराचार के काफी अलग-अलग रूप होते हैं और अपराध करने के स्तर भी भिन्न-भिन्न होते हैं।
विशिष्ट संदर्भों में इन अंतर्संबंधों और अंत:क्रियाओं को समझना।
प्रभावी और प्रतिक्रियाशील नीतिगत प्रतिक्रियाएँ विकसित करने के लिए यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण है।
यौन दुर्व्यवहार के विभिन्न रूपों के लिए, और इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि
यह पुस्तक शांति निर्माण पर ऐसे व्यवहार के प्रभावों को समझने में सहायक है।
परिणाम।

परस्पर संबंधित मुद्दे: यौन शोषण और दुर्व्यवहार, संघर्ष-
संबंधित यौन हिंसा, और यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार

प्रकृति और कारणों के इस विश्लेषण में सबसे उल्लेखनीय चीजों में से एक यह है कि हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मामले में जो समानताएं उजागर

होती हैं, वे इस बात को दर्शाती हैं।
और यौन दुर्व्यवहार और संघर्ष से संबंधित यौन संबंधों के बीच अंतर्संबंध।
यौन हिंसा, और यौन दुर्व्यवहार, उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के बीच का अंतर।
हस्तक्षेपकर्ता समुदाय के भीतर। इन संबंधों को समझने से हमें मदद मिलती है।
संवेदनशीलता को बढ़ाने में संदर्भगत कारकों की भूमिका के बारे में अधिक समझें।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की संवेदनशीलता के साथ-साथ विभिन्न तरीकों से
इसमें शामिल लोग (यानी, सैन्य और नागरिक) इसे अलग-अलग तरीकों से अंजाम देते हैं, अलग-अलग तरह से-
कार्य में विभिन्न अनुमेय या कारण कारक मौजूद हैं। इसके परिणामस्वरूप अध्याय 1 में अधिक जानकारी मिलती है।

यौन प्रभावों की जांच करने के लिए एक मजबूत आधार।
शांति निर्माण के परिणामों पर दुर्व्यवहार, और दूसरा वे तरीके जिनसे
नीतिगत उपायों से इस मुद्दे का बेहतर समाधान हो सकता है।

संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा में निम्नलिखित शामिल हैं:
बलात्कार, यौन दासता, जबरन वेश्यावृत्ति, जबरन गर्भावस्था जैसे किसी भी कृत्य को अंजाम देना
जबरन नसबंदी और तुलनात्मक यौन हिंसा के अन्य रूप-
महिलाओं, पुरुषों, लड़कियों या लड़कों के खिलाफ किए गए गंभीर अपराधों से संबंधित,
प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से (कालिक, भौगोलिक या कारणिक रूप से) किसी संबंध में-
संघर्ष।" 100 व्यवहार में, इसका अर्थ यह है कि अपराधी अक्सर इससे जुड़े होते हैं।
एक सशस्त्र समूह या संस्था जो संघर्ष में शामिल है, जिसके पीड़ितों की ओर झुकाव होता है
उत्पीड़ित अल्पसंख्यक या विपक्षी समूह का वास्तविक या कथित सदस्य होना।

समूह में, और यह कि संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा की घटना घटित होती है।
या तो संघर्ष के संदर्भ में या संघर्ष से सटे संदर्भ में जैसे कि एक अलगाव-
प्लेसमेंट कैंप। इसमें यौन शोषण के लिए मानव तस्करी भी शामिल है।
संघर्ष की स्थितियों में किए गए कार्य। महत्वपूर्ण रूप से, हालांकि अधिकांश
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के पीड़ितों में से अधिकांश महिलाएं और लड़कियां हैं,
पुरुषों और लड़कों के खिलाफ इस तरह की हिंसा के पैमाने के बारे में बढ़ती
जागरूकता
संघर्षों में भी। 101
जैसा कि इस अध्याय में पहले चर्चा की गई है, सैनिकों द्वारा यौन हिंसा के कृत्य
इन्हें रणनीतिक रूप से, युद्ध के हथियारों के रूप में अंजाम दिया जा सकता है, लेकिन
ये भी हो सकते हैं
अवसरवादी रूप से या युद्ध की उन प्रथाओं के रूप में अंजाम दिया गया जिन्हें सहन
किया जाता है—
या कभी-कभी राजनीतिक या सैन्य नेतृत्व द्वारा प्रोत्साहित भी किया जाता है।
कई कारणों से। ऊपर अवसरवादी यौन शोषण के बारे में चर्चा की गई है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार यह दर्शाता है कि स्पष्ट समानताएं हैं।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा और यौन शोषण के कुछ रूपों के बीच
उत्पीड़न और दुर्व्यवहार; प्राथमिक अंतर यह है कि संघर्ष से संबंधित यौन
हिंसा किसी संघर्ष के हिस्से के रूप में की जाती है, जबकि यौन शोषण
और शांति प्रक्रिया के हिस्से के रूप में हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार किया जाता है,
हालांकि
एक ऐसी घटना जो हिंसक संघर्षों के संदर्भ में घटित होती है जहाँ संघर्ष से संबंधित
यौन हिंसा अक्सर आम बात है। वास्तव में, कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यौन
हिंसा
शोषण और दुर्व्यवहार को संघर्ष से संबंधित यौन शोषण के एक रूप के रूप में देखा
जाना चाहिए।
हिंसा को उसी वैचारिक और नीतिगत ढांचे के भीतर संबोधित किया जाना चाहिए।
कार्य करता है। 102 हालाँकि, यौन शोषण को समाहित करने में जोखिम हैं।
और संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के ढाँचों के अंतर्गत दुर्व्यवहार की प्रतिक्रियाएँ

और नीतियां। सबसे पहले, प्रभावी नीतिगत प्रतिक्रियाएं विकसित करने के लिए, हमारे
हिंसा के इन परस्पर जुड़े हुए लेकिन भिन्न रूपों की समझ आवश्यक है
मजबूत और गतिशील। शांति रक्षकों और सहायता कर्मियों को एक साथ समूहित करना जो संलग्न हैं
यौन शोषण और दुर्व्यवहार में सैनिकों के समान श्रेणी में रखना या
विद्रोहियों द्वारा यौन हिंसा में लिप्त होना समस्याग्रस्त है क्योंकि यह समस्या को छिपाने का काम करता है।
(क) इसमें शामिल अभिनेताओं की प्रकृति में बहुत वास्तविक अंतर (वे
जिनका जनादेश युद्ध करना है और जिनका जनादेश शांति स्थापित करना है-
(बी) अपराध करने में योगदान देने वाले कुछ भिन्न कारक,
और (ग) आवश्यक नीतिगत प्रतिक्रियाएँ। दूसरा, पीड़ितों के बयानों से पता चलता है
हिंसा को अंजाम देने पर उसके अलग-अलग अर्थ निकलते हैं।
जिन्हें सुरक्षा के लिए भेजा गया है। तिमोर में एक पीड़ित का वकील-
लेस्टे ने सुस्थापित अंतरों का वर्णन करते हुए कहा कि
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा जो इंडोनेशियाई सैनिकों द्वारा की गई थी-
तिमोर-लेस्ते पर चौबीस साल के कब्जे और (मान्यतानुसार)
शांति सैनिकों द्वारा बलात्कार के दुर्लभ मामलों के बारे में मुझे बताया, "हम
इंडोनेशियाई लोगों को जानते थे।"
सैनिक हमसे नफरत करते थे, हमें नहीं लगता था कि शांति रक्षक भी ऐसा ही करते होंगे। 103
हालांकि यौन शोषण और दुर्व्यवहार को एक ही श्रेणी में रखना महत्वपूर्ण नहीं है।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के दायरे में, मुझे लगता है कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं
इन दोनों के बीच कुछ बहुत महत्वपूर्ण अंतर्संबंध हैं जो इसे समझाने में मदद करते हैं।
जिस प्रकार से बाद वाला भेद्यता के कारकों को उत्पन्न और मजबूत करता है, उसी प्रकार
अनुमेय कारक के रूप में, जो अपराध को अंजाम देने में योगदान करते हैं

शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा यौन दुर्व्यवहार।

इस अध्याय के पहले भाग में, डेमो में तेरह वर्षीय फाएला की कहानी बताई गई है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य ने दिखाया कि संघर्ष का पूर्व अनुभव किस प्रकार यौन हिंसा से संबंधित घटनाओं के कारण विस्थापन और परिवार से अलगाव हो सकता है।

नेटवर्क और गर्भावस्था, जो युवा महिलाओं को विशेष रूप से असुरक्षित बनाती हैं। हस्तक्षेपकर्ताओं के आने पर यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति संवेदनशील। शांति अभियान का। बलात्कार और यौन उत्पीड़न के अन्य रूप—चाहे अवसरवादी या पूर्व नियोजित—शायद सबसे अधिक राशि प्राप्त की है संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा पर साहित्य में ध्यान आकर्षित करने का कारण संभवतः यह है कि

इस प्रकार की यौन हिंसा की उच्च व्यापकता के कारण। कई मामलों में, वे फ़ेला द्वारा वर्णित प्रभावों के समान प्रभाव हैं: एक वैश्विक अवलोकन 1987 और 2007 के बीच संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के एक अध्ययन में पाया गया कि यौन

हिंसा के परिणामस्वरूप पीड़ितों के लिए गंभीर सामाजिक-आर्थिक परिणाम होते हैं। अपने समुदायों में कलंक और हाशिए पर धकेले जाने के कारण। 104 रिपोर्ट में पाया गया कि इससे गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक संकट पैदा हो सकता है।

बहिष्कार, ये सभी कारक पीड़ितों को यौन उत्पीड़न के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील बनाते हैं। अध्याय 1

व्यापक रूप से शोषण और मानव तस्करी। इसके अलावा, इसमें पाया गया कि संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा उन कारकों में से एक है जो स्थिति को और बिगाड़ सकती है।

परिवारों के भीतर होने वाली हिंसा, जिसमें यौन हिंसा भी शामिल है, की व्यापकता को कम करना।

जिससे सामुदायिक और पारिवारिक संबंध भी टूट सकते हैं और कलंक लग सकता है।

इसके अलावा, पीड़ितों को अपने परिवारों को छोड़कर जाना पड़ता है। साथ ही संरचनात्मक निहितार्थ भी हैं।
ऐसी स्थितियाँ जो यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ा सकती हैं
हस्तक्षेपकर्ता: संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के लिए दंडमुक्ति से स्थिति और बिगड़ सकती है।
महिलाओं और बच्चों के खिलाफ ऐसे कृत्यों के प्रति सहिष्णुता, जो एक और समस्या बन सकती है-
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा इस प्रकार के दुर्व्यवहार के लिए अन्य अनुमेय कारक। 105 कई जिन पीड़ितों की आवाज़ें इस अध्याय में पहले शामिल की गई थीं, उन्होंने सुझाव दिया।
कि एक बार संघर्ष से संबंधित यौन उत्पीड़न के परिणामस्वरूप उन्होंने अपनी "इज्जत" खो दी।
हिंसा के बाद, उन्होंने हस्तक्षेप करने वालों के साथ लेन-देन आधारित यौन संबंध बनाने का रास्ता खोजा।
उनकी गरीबी दूर करने के लिए क्योंकि उनके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं बचा था। इन सभी
सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक निहितार्थ, निश्चित रूप से, इनके अतिरिक्त हैं।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के अक्सर गंभीर और दीर्घकालिक परिणाम होते हैं।
हिंसा का पीड़ितों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?
इससे व्यापक कारकों को समझने का महत्व स्पष्ट होता है।
और वे प्रक्रियाएं जो ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करती हैं जिनके तहत कुछ व्यक्ति या समूह यौन शोषण या दुर्व्यवहार के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं।
शांति अभियान के दौरान हस्तक्षेपकर्ताओं की तैनाती के समय ये दोनों ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभावों को समझने के लिए
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए हस्तक्षेप व्यक्तिगत, सामाजिक और संरचनात्मक प्रभावों को और भी जटिल बना देते हैं।
पूर्व दुर्व्यवहारों और उल्लंघनों और प्रभावी रोकथाम के विकास के लिए-

विशिष्ट परिस्थितियों में मौजूद विशेष कमजोरियों के आधार पर कार्य तंत्र संदर्भ।

मानवीय सहायता क्षेत्र में यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार

दूसरा मुद्दा जो यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ा है, वह यह है कि
हस्तक्षेपकर्ता और जो इसके कारणों पर प्रकाश डालने में मदद कर सकते हैं
अपराध का अर्थ है हस्तक्षेपकर्ता के दायरे में यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार।
समुदाय। आम धारणा के बावजूद कि यौन दुर्व्यवहार
उपलब्ध साक्ष्यों के अनुसार, यह अपराध मुख्य रूप से सैन्य शांतिरक्षकों द्वारा किया जाता है।
इससे पता चलता है कि हालांकि सैन्य शांति रक्षक समग्र रूप से अधिक जिम्मेदार हैं
दुर्व्यवहार के आरोपों के मामले में, नागरिक शांति रक्षक अधिक जिम्मेदार होते हैं।
आरोपों के लिए प्रति व्यक्ति। 106 यह सैन्य कर्मियों की कहीं अधिक संख्या को दर्शाता है।
शांति अभियान में तैनात कर्मियों के बारे में, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा भी उठाता है।

यह सवाल उठता है कि हम यौन शोषण को किस प्रकार समझ सकते हैं।
नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए उत्पीड़न और दुर्व्यवहार की तुलना में, इसके विपरीत जो किया गया था
सैन्य हस्तक्षेपकर्ता। यौन अपराधों के कृत्यों पर व्यापक डेटा।
गैर-संयुक्त राष्ट्र नागरिक कर्मचारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की जानकारी उपलब्ध नहीं है, जो कि एक कारण है।
इस घटना के इस विशेष पहलू पर इतना कम अध्ययन किए जाने के कारण।
हालाँकि, नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के मामले सामने आए हैं।
मानवीय समुदाय में उनके सहयोगियों को कुछ

जांच से यौन दुर्व्यवहार के मामलों पर प्रकाश डालने में मदद मिल सकती है।
साथ ही साथ हस्तक्षेप करने वाले उसी समूह द्वारा स्थानीय समुदायों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।
सहायता कर्मियों के अनुभवों पर कई सर्वेक्षण किए गए हैं।
यौन उत्पीड़न और हमले के संबंध में। 107 ये, इनके साथ-साथ बढ़ते-
मानवीय कार्यकर्ताओं के खिलाफ दुर्व्यवहार की कहानियों पर मीडिया का ध्यान आकर्षित करने का मतलब यह हुआ है कि
अपराध की प्रकृति और उसे अंजाम देने के संबंध में पीड़ितों के कुछ बयान उपलब्ध हैं।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा अपने सहयोगियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के मामले
और ऐसे व्यवहारों को आधार देने वाले कारकों पर मेरा विश्लेषण केंद्रित होगा।
इन मुद्दों पर बारी-बारी से विचार करने के बाद व्यापक निहितार्थों पर विचार करें।
यौन रूप से अनुचित व्यवहारों का यह विशेष समूह हमारी समझ के लिए है-
शांति अभियानों में नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार का मामला।
यह उल्लेखनीय है कि, हालांकि वर्दीधारी कर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार के कुछ मामले सामने आए हैं
शांति सैनिकों का अपने नागरिक और सैन्य समकक्षों के खिलाफ वर्चस्व, अधिकांश
इस मुद्दे पर उपलब्ध जानकारी दुर्व्यवहार और उत्पीड़न से संबंधित है।
नागरिक शांतिरक्षकों और अन्य नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा उनके खिलाफ किए गए व्यवहार के कारण
नागरिक सहकर्मी। यह जरूरी नहीं कि व्यापकता को दर्शाता हो, बल्कि
इस घटना पर अधिक व्यापक डेटा एकत्र करने की सीमाएँ-
इसके अलावा, महिला मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है-
शांति से जुड़े न रहने वाले स्थानीय लोगों द्वारा दुर्व्यवहार और मारपीट।
यदि यह अभियान या मानवीय संगठनों से संबंधित है, तो यह इसके दायरे से बाहर आता है।
इस पुस्तक को अस्वीकार कर दें क्योंकि इसका संबंध यौन शोषण और दुर्व्यवहार से

नहीं है।
यह हस्तक्षेपकर्ताओं की बात नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर यौन हिंसा की व्यापकता को दर्शाता है।
सामान्य तौर पर सहयोगी और विशेष रूप से काम करने वाली महिलाओं को जिन कमजोरियों का सामना करना पड़ता है
संघर्ष संदर्भ। 108
जुलाई 2015 में, गार्जियन ने मेगन नोबर्ट द्वारा लिखित एक संक्षिप्त लेख प्रकाशित किया।
जिसने बताया कि एक मानवीय संगठन के लिए काम करते समय
दक्षिण सूडान में उसे नशीली दवा देकर मानव संसाधन संगठन के एक साथी सदस्य द्वारा बलात्कार किया गया था।
एक रूढ़िवादी समुदाय, जो एक उपठेकेदार के लिए काम कर रहा था, जिसे एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी। 109 नोबर्ट के हमले पर प्रतिक्रिया कई कारणों से खराब रही।
कानूनी या प्रशासनिक ढाँचों की अपर्याप्तता सहित कारकों के कारण 48 अध्याय 1

संयुक्त राष्ट्र के एक उपठेकेदार के कर्मचारी द्वारा किए गए हमले को संबोधित करने के लिए, एक अनुपस्थिति
उपयोगी स्थानीय जवाबदेही ढांचा, अपर्याप्त प्रतिक्रिया प्रक्रियाएं
उसके नियोक्ता और संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की अनिच्छा प्रतीत होने के कारण...
महत्वपूर्ण मीडिया कवरेज से पहले मामले की जांच के लिए आंतरिक निगरानी समिति को नियुक्त किया गया।
निश्चित रूप से विकसित हुआ। 110 परिणामस्वरूप, नोबर्ट ने एनजीओ रिपोर्ट द एब्यूज की स्थापना की।
मानवीय कार्यकर्ताओं के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाओं को एकत्र करना और बढ़ावा देना
इस प्रकार के उल्लंघनों से निपटने के लिए बेहतर नीतियों और तंत्रों का विकास।
संगठनों के भीतर और वैश्विक स्तर पर प्रभाव। लगभग उसी समय,
मानवीय महिला नेटवर्क और फ़ाइनस्टीन अंतर्राष्ट्रीय केंद्र-
वे भी इन्हीं मुद्दों की जांच कर रहे थे और महिलाओं के व्यापक सर्वेक्षण कर रहे थे।

तैनाती के दौरान यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के एन के अनुभवों के बारे में।
शांति अभियान। हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने एक अभियान शुरू किया।
संयुक्त राष्ट्र के भीतर यौन उत्पीड़न पर एक सर्वेक्षण, जो कि द्वारा आयोजित किया गया था
डेलॉइट द्वारा 2019 की शुरुआत में जारी किया गया। इसमें एकत्रित गवाहियों और डेटा का उपयोग किया गया था।
साथ ही यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार पर मीडिया की तदर्थ रिपोर्टिंग भी शामिल है।
मानवतावादियों द्वारा अनुभव किए गए कुछ प्रमुख विषयों पर प्रकाश डाला गया है।
नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार की हमारी समझ में इसका उपयोग करें
स्थानीय आबादी के विरुद्ध, यह देखते हुए कि वे एक ही व्यापक समूह से संबंधित हैं।
अपराधियों का।
सबसे पहला जो रुझान उभर कर सामने आता है, वह है यौन उत्पीड़न की व्यापकता।
और, कुछ हद तक कम, यौन आक्रामकता और हमले के खिलाफ।
मिशन पर रहते हुए अन्य हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा महिला मानवीय सहायता। यह महत्वपूर्ण है।
यह ध्यान रखते हुए कि रिपोर्ट किए गए व्यवहार इन अधिक सीमित श्रेणियों के अंतर्गत आते हैं-
ऊपर वर्णित श्रेणियों के व्यापक समूह के बजाय,
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मामले। मुझे यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मामले नहीं मिले हैं।
उपलब्ध साक्ष्यों में शोषण या लेन-देन आधारित यौन संबंध का उल्लेख है; यह प्रतिबिंबित हो सकता है
आंकड़ों में कुछ कमियां हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह अलग-अलग परिस्थितियों को दर्शाती हैं।
प्रवासी महिला मानवतावादियों को जिन कमजोरियों का सामना करना पड़ता है, उनकी तुलना में
स्थानीय महिलाओं और बच्चों, या यहां तक कि उनके राष्ट्रीय कर्मचारियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों के साथ।
समकक्षों। इसके अलावा, यौन उत्पीड़न इन सीमाओं से बाहर है।

शून्य-सहिष्णुता नीति में यौन शोषण और दुर्व्यवहार किसे माना जाता है, इस बारे में। नीति के तहत, और अधिकांश संगठनों में इसे पूरी तरह से अलग तरीके से निपटाया जाता है।
दर नीति ढांचा, हालांकि, जैसा कि अध्याय 2 में दिखाया जाएगा, कुछ होस्ट कॉम-समुदाय इसे यौन शोषण और दुर्व्यवहार का अभिन्न अंग मानते हैं।
जब से नोबर्ट के साथ हुए बलात्कार की कहानी अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सामने आई है, तब से
यह स्पष्ट हो गया कि, हालांकि उसका अनुभव भयावह था, लेकिन वह अनोखी नहीं थी।
इसके बाद अन्य महिला सहायताकर्मियों ने भी इसी तरह की कहानियां सुनाई हैं, जिनमें शामिल हैं:

नशीली दवा या शराब पिलाकर बहला-फुसलाकर अपने बॉस या सहकर्मी द्वारा बलात्कार किया जाना।
लीग; सहकर्मियों के साथ मुख मैथुन करने के लिए मजबूर होना; किसी द्वारा बलात्कार किया जाना
एक सहकर्मी शौचालय जाते समय, जब वह किसी समुदाय में ड्यूटी पर था...
एकजुटता; पार्टियों, होटलों में उन पर हमला करने की कोशिश करने वाले सहकर्मियों से लड़ना,
या अपने साझा घरों में; सहकर्मियों से इतना डरते थे कि वे सो जाते थे
सुरक्षा के लिए क्रिकेट बैट के साथ; अन्य संगठनों के पुरुष सहकर्मियों का होना-
जब वे सो रही थीं तब उनके तम्बू में घुसकर उनके साथ बलात्कार किया गया; और उसके बाद उन्हें निकाल दिया गया।
सहकर्मियों द्वारा बलात्कार किए जाने की रिपोर्ट करना। 111 इन विवरणों के अतिरिक्त
यौन उत्पीड़न, यौन शोषण के अनगिनत मामले दर्ज किए गए।
इसमें महिलाओं को यौन संबंध के बदले नौकरी का वादा करना और उनके साथ छेड़छाड़ करना शामिल है।

या कार्यस्थल और सामाजिक संदर्भों में सहकर्मियों द्वारा अनुचित तरीके से छुआ गया हो।
लीगों में भाग लेना, या मौखिक यौन उत्पीड़न का अनुभव करना। 112 इन सभी किस्सों में-
महिलाओं ने बताया कि उन्हें यह व्यवहार मुख्य रूप से पुरुषों से मिलता है।
न केवल संगठन में उनके सहकर्मियों से, बल्कि अन्य लोगों के साथ काम करने वाले पुरुषों से भी।
तैनाती वाले देश में नागरिक एजेंसियां और संगठन—
कुछ ही मामलों में महिलाओं ने स्पष्ट रूप से बताया कि शामिल व्यक्ति स्थानीय कर्मचारी था।
सदस्य; अधिकतर मामलों में उनका तात्पर्य अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारियों से था। इसलिए, अनौपचारिक रूप से,
ऐसा प्रतीत होता है कि कई मानवीय सहायता कर्मी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं।
और साथी अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं के हाथों हमला, लेकिन क्या
इन व्यवहारों की व्यापकता के बारे में हमारे पास क्या जानकारी है?
हस्तक्षेपकर्ता समुदाय?

ह्यूमैनिटेरियन विमेंस नेटवर्क ने एक हजार से अधिक महिलाओं का सर्वेक्षण किया।
मानवीय क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं, उत्तरदाताओं को कवर कर रही हैं
गैर सरकारी संगठनों, संयुक्त राष्ट्र और निजी क्षेत्रों के सत्तर संगठनों से। 113
सर्वेक्षण में पाया गया कि दो तिहाई से अधिक महिलाओं ने किसी न किसी प्रकार की समस्या का अनुभव किया था।
यौन उत्पीड़न का एक रूप, और इनमें से आधे से अधिक ने बताया कि
यह जानकारी एक पुरुष सुपरवाइजर से मिली थी। इसके अलावा, लगभग आधे लोगों ने अनुभव किया था।
यौन उत्पीड़न और/या हमले का शिकार होने की रिपोर्ट करने वालों में से 4 प्रतिशत ने बताया कि वे इसके शिकार हुए थे।
बलात्कार। 114 उत्तरदाताओं ने बताया कि पुरुष सहकर्मियों ने ही ये सभी कृत्य किए।
इन कृत्यों के बारे में, एक तिहाई महिलाओं ने बताया कि अपराधी एक

पुरुष पर्यवेक्षक, हमारी समझ में शक्ति की प्रासंगिकता को उजागर करते हुए।
यौन रूप से अनुचित व्यवहारों के बारे में। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यद्यपि
उत्तरदाताओं में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कर्मचारियों का समान प्रतिनिधित्व था।
बलात्कार की रिपोर्टिंग के अलावा, राष्ट्रीय कर्मचारियों ने एकाधिक अनुभवों के
अधिक मामले दर्ज किए।
बलात्कार के मामलों में उनकी अंतरराष्ट्रीय समकक्षों की तुलना में अधिक वृद्धि हुई है।
115 अधिकांश
सभी श्रेणियों में दर्ज किए गए मामले उप-सहारा क्षेत्र के मिशनों में हुए।
अफ्रीका। अध्याय 1 में बताए गए 50 यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार का पैमाना।

ह्यूमैनिटेरियन विमेंस नेटवर्क के सर्वेक्षण की व्यापक रूप से पुष्टि की गई है
रिपोर्ट द एब्यूज द्वारा 1400 से अधिक उत्तरदाताओं के साथ किए गए सर्वेक्षण में,
जिनमें से 96 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता कर्मी थे।
उत्तरदाताओं में से लगभग तीन-चौथाई ने यौन हिंसा का अनुभव किया था, लगभग
90 प्रतिशत लोग ऐसे सहकर्मी को जानते थे जिसने इस तरह की हिंसा का अनुभव
किया था, और
अधिकांश लोग अपने हमलावर को जानते थे और उसके साथ काम करते थे। 116 द
2019 डेलॉइट
संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और संबंधित संस्थाओं में काम करने वाले व्यक्तियों का वैश्विक
अध्ययन।
अन्य लोगों को कुछ अलग परिणाम मिले, जो कि समझ में आता है।
इस सर्वेक्षण की अलग प्रकृति—चर्चा किए गए अन्य सर्वेक्षणों के विपरीत,
2019 के सर्वेक्षण में पुरुष और महिला दोनों शामिल थे और केवल उन्हीं को शामिल
किया गया था।
संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर। 30,364 उत्तरदाता थे, जो प्रतिनिधित्व करते थे।
सभी संबंधित कर्मियों में से 17 प्रतिशत, और लगभग समान प्रतिनिधित्व था-
पुरुषों और महिलाओं की प्रतिक्रिया। लगभग 39 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने
संयुक्त राष्ट्र के साथ काम करते समय मुझे किसी न किसी प्रकार के यौन उत्पीड़न
का सामना करना पड़ा।

महिलाओं द्वारा यौन उत्पीड़न का अनुभव करने की रिपोर्ट करने की संभावना 1.7 गुना अधिक थी।
जबकि ट्रांसजेंडर, बाइनरी जेंडर नॉन-कन्फॉर्मिंग, और वे लोग जो
जिन्हें "अन्य" के रूप में पहचाना गया था, उनके यौन उत्पीड़न की रिपोर्ट करने की संभावना 2.1 गुना अधिक थी।
हालांकि इस सर्वेक्षण में उत्पीड़न के अनुभवों की दर कम पाई गई है।
यह अध्ययन महिलाओं के बीच पिछले अध्ययनों की तुलना में अधिक प्रभावी है, जिनमें विभिन्न पृष्ठभूमि के उत्तरदाताओं को शामिल किया गया था।
संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों दोनों के अनुसार, यह दर फिर भी उच्च थी।
लगभग 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने यह बात कही। 117
ये आंकड़े मददगार हैं, हालांकि इनकी स्वैच्छिक भागीदारी वाली प्रकृति और पद्धति-तार्किक सीमाओं का अर्थ है कि इन्हें कार्य में सहायता के लिए सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है।
वे लोग जिन्होंने सर्वेक्षणों का जवाब नहीं दिया। फिर भी, वे यह सुझाव देते हैं कि इस मुद्दे पर मीडिया रिपोर्टों के साथ-साथ, यौन उत्पीड़न
और पुरुष मानवीय कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी महिला सहकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार।
शांति अभियानों के संदर्भ में यह एक व्यापक समस्या है। इसके गंभीर परिणाम होते हैं।
इसके परिणाम न केवल प्रत्यक्ष रूप से शामिल महिलाओं के लिए बल्कि अन्य लोगों के लिए भी होंगे।
मानवीय समुदाय में महिलाओं द्वारा इस क्षेत्र को छोड़ने के परिणामस्वरूप
भविष्य में उत्पीड़न और दुर्व्यवहार से बचने के लिए काम से संबंधित। 118 इसके अलावा, यह डेटा
यह दर्शाता है कि यौन शोषणकारी व्यवहार केवल इसी दायरे में नहीं आते हैं।
शांति अभियानों में तैनात सैनिकों द्वारा किए गए कृत्य नहीं; बल्कि, ये कृत्य उनके द्वारा किए जाते हैं।
अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहायता कर्मियों द्वारा भी उनके सहयोगियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई।
अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय दोनों लीग। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि

पहले उल्लेखित संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों से पता चलता है कि शांति अभियानों में नागरिक कर्मी-
ये स्थितियाँ यौन शोषण और दुर्व्यवहार की उच्च दर के लिए भी जिम्मेदार हैं।
स्थानीय समुदायों के खिलाफ।

यौनिकता संबंधी उपलब्ध आंकड़ों से उभरने वाला दूसरा रुझान यह है कि
हस्तक्षेपकर्ता समुदायों के भीतर उत्पीड़न और दुर्व्यवहार वह प्रणाली है।
इन व्यवहारों पर प्रतिक्रिया देने के लिए उपलब्ध तरीके अपर्याप्त हैं। यह डेटा कुछ
कमियों को दूर करने में मदद करता है।
इस बात पर प्रकाश डालें कि अपराध के बारे में इतनी कम जानकारी क्यों उपलब्ध है।
नागरिक कर्मियों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार, कई नागरिक
मानवीय कार्यकर्ता संदिग्ध यौन दुर्व्यवहार की रिपोर्ट न करने का निर्णय ले सकते हैं।
स्थानीय आबादी के खिलाफ सहकर्मी, और लंबे इतिहास वाले व्यक्ति क्यों-
इस क्षेत्र में अनुचित यौन व्यवहार के कई मामले सामने आ सकते हैं।
अपने कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराए बिना।

मानवीय महिला नेटवर्क को जवाब देने वाली महिलाओं में से
सर्वेक्षण में शामिल 69 प्रतिशत लोगों ने उत्पीड़न, आक्रामकता या हमले की रिपोर्ट नहीं की।
उन्हें सहकर्मियों के हाथों कई कारणों से जो कुछ झेलना पड़ा, वह यह था कि
इसमें पेशेवर परिणामों के बारे में चिंता, और यह भावना शामिल है कि यह
रिपोर्ट करने लायक "गंभीर" या "हिंसक" नहीं, व्यवस्था पर अविश्वास
और जो लोग प्रतिक्रिया देने की स्थिति में हैं, और रिपोर्टिंग तंत्र की कमी-
पूर्वाग्रह और उचित साक्ष्य मानक, साथ ही शर्म, भय
हमलावर द्वारा प्रतिशोध, या इसके कारण रिपोर्ट न करने का निर्देश
सांस्कृतिक विचार। 119 दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करें, फ़िनस्टीन इंटरनेशनल
सेंटर और डेलॉइट ने कम रिपोर्टिंग दरों के लिए समान कारण पाए—
बाद में यह भी पाया गया कि एक लिंगभेदी या स्त्री-विरोधी कार्यस्थल,
पीड़ित को ही दोषी ठहराना और आरोपों को गंभीरता से न लेना कम स्वीकार्यता में

योगदान करते हैं।
रिपोर्टिंग दरें और यह तथ्य कि पीड़ित अक्सर उत्पीड़न की रिपोर्ट करने का विकल्प चुनते हैं।
और दुरुपयोग कर सकते हैं यदि उन्हें विश्वास है कि जवाबदेही तंत्र भरोसेमंद हैं।
उचित और उपयुक्त चिकित्सा एवं मनोवैज्ञानिक देखभाल प्रदान की जाएगी। 120
यह मान लेना कोई बड़ी बात नहीं है कि इसी तरह के कारक रिपोर्टिंग को रोकते हैं।
नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा स्थानीय व्यक्तियों के विरुद्ध किए गए दुर्व्यवहार।

शायद सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि जब रिपोर्ट द एब्यूज ने एक समीक्षा की
संयुक्त राष्ट्र की बानवे एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों और सरकारी संस्थाओं की नीतियों के बारे में।
इस अध्ययन में पाया गया कि इनमें से केवल 16 प्रतिशत निकायों के पास ही कोई रणनीति या नीति थी।
या अपने कर्मचारियों के खिलाफ यौन हिंसा का जवाब देने की प्रक्रियाएं; यह
यह इस बात को रेखांकित करता है कि इतने सारे पीड़ित औपचारिक रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं से क्यों दूर रहते हैं। 121
इसके अलावा, जिन लोगों ने औपचारिक रूप से दुर्व्यवहार और उत्पीड़न की शिकायत की,
अधिकांश लोग प्रतिक्रियाओं से असंतुष्ट थे: लगभग आधे मामलों में,
कुछ नहीं हुआ; केवल 10 प्रतिशत मामलों में ही महिलाओं को सामाजिक सहायता दी गई।
मनोवैज्ञानिक सहायता के लिए सहायता प्रदान की गई या संदर्भित की गई; और 22 प्रतिशत मामलों में
महिलाओं ने स्वयं नकारात्मक व्यावसायिक परिणामों का सामना करने की सूचना दी।
रिपोर्टिंग के परिणामस्वरूप। 122 ये मुद्दे जो रिपोर्टिंग को हतोत्साहित करते हैं 52
अध्याय 1

इससे पता चलता है कि संगठनों के कामकाज में कोई अंतर्निहित समस्या है।
यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार की प्रकृति और उसके प्रभाव को समझें
उनके कर्मचारियों के लिए। वास्तव में, मौजूदा रोकथाम रणनीतियों में प्रशिक्षण भी

शामिल है।
और सुरक्षा संबंधी सलाह, मिनी- के लिए काफी हद तक महिलाओं पर ही जिम्मेदारी डालती है।
तैनाती के दौरान उन्हें जिन जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है, उन्हें नजरअंदाज करना, इस तथ्य के बावजूद कि
इस प्रकार के दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के कारणों का व्यक्ति के विकल्पों से बहुत कम संबंध होता है।
महिलाएं स्वयं बनाती हैं। 123 सांस्कृतिक और संगठनात्मक कारक जो
इसके परिणामस्वरूप संगठनों को यौन शोषण और अनुचित व्यवहार के मामलों पर प्रतिक्रिया देनी पड़ती है।
इस तरह से कर्मचारियों द्वारा सहकर्मियों के प्रति किया गया व्यवहार संभवतः समान रूप से कार्य करता है।
मजबूत निवारक तंत्र की स्थापना और रखरखाव को रोकने के प्रमुख तरीके-
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए जवाबदेही और निवारण तंत्र
स्थानीय समुदायों के खिलाफ हस्तक्षेप करने वाले।
यह आंकड़ों और साहित्य से उभरने वाले अंतिम रुझान का पूर्वाभास देता है।
हस्तक्षेपकर्ता समुदायों के भीतर यौन उत्पीड़न पर जो स्थिति संबंधित है
उन प्रासंगिक कारकों के लिए जो ऐसे वातावरण का निर्माण करते हैं जिनमें इस तरह का व्यवहार होता है-
ये अपराध पनपते हैं और स्थानीय समुदायों के खिलाफ भी किए जाते हैं।
कई मायनों में, ये कारक यौनिकता के संबंध में ऊपर चर्चा किए गए कारकों को प्रतिबिंबित करते हैं।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार, यह दर्शाता है कि ये व्यवहार
एक ही सिक्के के दो पहलू। यौन शोषण के उनके गुमनाम वृत्तांत में।
और उत्पीड़न के संबंध में, तीन महिला सहायता कर्मियों ने तर्क दिया कि

महिला मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के दुर्व्यवहार के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होने का कारण यह है कि...
यह तथ्य कि हम अपने सहकर्मियों के साथ काम करते हैं, मेलजोल रखते हैं और रहते

हैं; हम अस्थिरता में रहते हैं-
ऐसे वातावरण जहां कानूनों और नियमों का नियमित रूप से उल्लंघन होता है, और प्रवासी
अक्सर वे बेखौफ होकर मनमानी कर सकते हैं। हम सामान्य समाज से बहुत दूर हैं, और कुछ पुरुष ऐसे व्यवहार करने के लिए बेखौफ नज़र आते हैं जो वे कभी भी सामान्य समाज में नहीं करते।
घर। हमारे कार्यस्थल के कई स्थानों पर, कानूनी न्याय और जवाबदेही शायद ही कभी देखने को मिलती है।
ऐसा इसलिए होता है क्योंकि संरचनाएं मौजूद ही नहीं हैं। 124

लेखक इस बात पर भी प्रकाश डालते हैं कि अलगाव, सहयोग की कमी जैसे कारक...
संचार, सांस्कृतिक टकराव, लंबे कार्य घंटे और शराब एवं नशीली दवाओं का सेवन
ऐसा माहौल बनाने में योगदान देना जहां उत्पीड़न और दुर्व्यवहार होता है-
पेन। डायन मज़ुराना और फोबे डोनेली ने इन सुझावों की पुष्टि की।
इस मुद्दे पर अपने व्यापक गुणात्मक शोध में, उन्होंने तीन प्रमुख बिंदुओं की पहचान की।
पर्यावरणीय कारक। 125 सबसे पहले, उन्होंने पाया कि लिंगभेद, मर्दानगी और मानवीय सहायता क्षेत्र में पुरुषों का वर्चस्व, जो "लड़कों की इच्छाशक्ति" को बढ़ावा देता है
"लड़के बनो" संस्कृति, ऐसे वातावरण बनाने के लिए महत्वपूर्ण है जिसमें यौन

सहकर्मियों का उत्पीड़न और दुर्व्यवहार इतना व्यापक है। दूसरा, व्यापक स्तर पर वह वातावरण जिसमें मानवीय सहायता अभियान चलाए जाते हैं—जिसमें
वहाँ अक्सर कानून-व्यवस्था चरमरा जाती है और यौन हिंसा की घटनाएं व्यापक रूप से प्रचलित हैं।
महिलाओं के खिलाफ होने वाले हमले व्यापक रूप से इन व्यवहारों में योगदान करते हैं।

और अंत में, शराब और नशीली दवाओं के सेवन की उच्च दर और उससे जुड़े
पार्टी संस्कृति, जिसका उपयोग अक्सर सहायता के लिए तनाव-राहत तंत्र के रूप में किया जाता है
श्रमिक ऐसे हालात पैदा करते हैं जिनमें महिलाएं विशेष रूप से असुरक्षित होती हैं।
दुर्व्यवहार और उत्पीड़न।
ये तीनों रुझान न केवल यौन संबंधों के संदर्भ में बल्कि अन्य संदर्भों में भी महत्वपूर्ण हैं।
हस्तक्षेपकर्ता समुदाय के भीतर ही नहीं बल्कि अन्य संदर्भों में भी उत्पीड़न और दुर्व्यवहार
पुरुष नागरिक अंतर-जनित व्यक्तियों द्वारा किए गए यौन दुर्व्यवहार को समझने के लिए
स्थानीय समुदायों के प्रति श्रद्धा भाव। सबसे पहले, वे संस्कृतियाँ जो इस तरह की प्रथाओं को बढ़ावा देती हैं।
संगठनों के भीतर व्याप्त यौन उत्पीड़न यहीं नहीं रुकेगा।
उन संगठनों की सीमाओं का, और यह संभव है कि अपराधी
स्थानीय महिलाओं के साथ भी इसी तरह का व्यवहार किए जाने की संभावना है।
तिमोर में हुए साक्षात्कारों के अनुसार-
लेस्टे ने सुझाव दिया कि यही स्थिति थी और एक व्यापक संस्कृति मौजूद थी।
विशेष रूप से स्थानीय महिलाओं के साथ सैन्य और अन्य लोगों द्वारा सड़कों पर की जाने वाली छेड़छाड़ के बारे में।
नागरिक हस्तक्षेपकर्ता, जैसा कि अगले अध्याय में चर्चा की जाएगी। दूसरा, कई
जिन महिलाओं ने ऊपर वर्णित अध्ययनों में अपने अनुभवों का वर्णन किया है
इसमें लेन-देन आधारित यौन संबंध, विशेष रूप से व्यावसायिक यौन संबंध की संस्कृति का उल्लेख किया गया है।
स्थानीय लोगों के यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के अनुभवों के विवरण के साथ।
पुरुष सहकर्मी। तीसरा, यदि रिपोर्टिंग और जवाबदेही तंत्र इतने कमजोर हैं
संगठनों के भीतर दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के संबंध में खराब स्थिति को देखते हुए
ऊपर उल्लिखित संरचनात्मक और सांस्कृतिक कारक जो इसे और भी कमजोर करते हैं

इन प्रतिक्रियाओं को देखते हुए, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्हीं संगठनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए यौन दुर्व्यवहार के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना स्थानीय लोगों के खिलाफ। और अंत में, यह विश्लेषण दर्शाता है कि व्यापक मानक, सांस्कृतिक और लैंगिक कारक जो यौन शोषण की व्याख्या कर सकते हैं- सैन्य हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए उत्पीड़न और दुर्व्यवहार को समझना भी प्रासंगिक है।
वे कारक जो नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार को जन्म देते हैं, दोनों स्थानीय आबादी के खिलाफ और उन लोगों के खिलाफ जिनके साथ वे काम करते हैं —
या दूसरे शब्दों में, अपने साथी हस्तक्षेपकर्ताओं के खिलाफ।

इस जानकारी की सबसे उपयोगी बात यह है कि—इस तथ्य के बावजूद कि यह सीमित है—यह एक बड़ी कमी को पूरा करने की दिशा में पहला कदम है।
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में हमारी समझ।
इस बात को समझने के लिए विद्वानों और नीतिगत स्तर पर काफी ध्यान दिया गया है-
सैनिकों द्वारा यौन हिंसा करने के कारणों का अध्ययन करना। इससे बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई है। अध्याय 1

सैद्धांतिक और वैचारिक ढाँचे जिनके माध्यम से हम अर्थ समझ सकते हैं
शांति अभियानों में सैन्य कर्मियों द्वारा यौन दुर्व्यवहार—उदाहरण के लिए,
सैन्यीकृत ताकतों द्वारा उत्पन्न दबावों और प्रोत्साहनों को समझकर-
पाक कला और सैन्य वेश्यावृत्ति की विरासत। हालाँकि, हम ऐसा नहीं करते हैं।
यौनिकता को समझने के लिए एक सुविकसित वैचारिक ढांचा होना चाहिए
नागरिक कर्मियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के कारण, और इसका एक कारण यह भी है कि
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित आंकड़े अपूर्ण हैं।
और इन्हें अलग-अलग करना मुश्किल है, खासकर जब शांति स्थापना के अलावा अन्य गतिविधियों पर विचार किया जाता है।

मानवीय संगठनों में काम करने वाले नागरिक कर्मियों सहित...
मेजबान राज्य में राजनयिकों के रूप में या प्रतिनिधियों के रूप में। हालाँकि यह इसके दायरे से बाहर है।
इस पुस्तक का उद्देश्य यौनिकता के संबंध में एक ऐसा वैचारिक ढांचा विकसित करना है।
नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार के संबंध में, उपरोक्त विश्लेषण कुछ महत्वपूर्ण बातें बताता है।
इन दोनों के बीच संबंध स्थापित करके और समानताएं पहचान कर प्रारंभिक कदम उठाएं।
यौन रूप से अनुचित और अपमानजनक व्यवहार के विभिन्न रूपों और
कुछ अनुमेय और/या कारण कारकों को इंगित करना जो उत्पन्न होते हैं
उन्हें। इस तथ्य से अवगत होते हुए कि नागरिक हस्तक्षेपकर्ता कम से कम समान रूप से
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार में शामिल लोगों की पहचान करना बेहद महत्वपूर्ण है।
पर्याप्त रोकथाम और जवाबदेही तंत्र स्थापित करने के लिए और
हस्तक्षेपकर्ताओं के इस समूह द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के निहितार्थों को समझना
शांति निर्माण के परिणामों पर, जिस पर अगले अध्याय में विचार किया गया है।

इस अध्याय में यह दर्शाया गया है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार में निम्नलिखित बातें शामिल हैं:
व्यवहारों का एक व्यापक समूह जो विभिन्न हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किया जाता है
शांति अभियानों से जुड़े विभिन्न रूपों को समझना।
श्रेणी में इस श्रेणी और अन्य श्रेणियों के बीच के अंतर्संबंध शामिल हैं।
यौन हिंसा और दुर्व्यवहार के रूप, और प्रासंगिक, मानक, और
इन समस्याओं को जन्म देने वाले प्रणालीगत कारकों को समझना भी महत्वपूर्ण है।
इस प्रकार के व्यवहारों का इसमें शामिल व्यक्तियों पर पड़ने वाले प्रभाव, शांति संचालन-
विचाराधीन स्थितियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक क्षमता और विश्वसनीयता को

देखते हुए...
शांति अभियानों में राष्ट्रीय समुदाय की भूमिका को समझना भी महत्वपूर्ण है।
वे तरीके जिनसे यौन दुर्व्यवहार अन्य कृत्यों के साथ अतिव्यापी और प्रतिच्छेदित होता है
शांतिरक्षा से जुड़ी चुनौतियाँ, उनसे बेहतर तरीके से कैसे निपटा जा सकता है, और नीतिगत नीति क्यों महत्वपूर्ण है।
इन प्रतिक्रियाओं के परिणामस्वरूप सुदृढ़ रोकथाम और जवाबदेही तंत्र विकसित नहीं हो पाए हैं।
इस पुस्तक का शेष भाग इन्हीं प्रश्नों के उत्तर देने के लिए समर्पित है।

2

यौन शोषण और दुर्व्यवहार

बोस्निया और तिमोर-लेस्ते

बोस्निया में शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों के तरीके और
तिमोर-लेस्ते में यौन दुर्व्यवहार और शोषणकारी व्यवहार में लिप्त लोग
यौन दुराचार के रूपों और उनकी जटिलताओं का उदाहरण प्रस्तुत करता है।
पिछले अध्याय में जिन विषयों पर चर्चा हुई थी, इस अध्याय में दो केस स्टडी प्रस्तुत की गई हैं।
जो इस पुस्तक के शेष भाग को जीवंत बनाने वाले विश्लेषण का आधार हैं—
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के दीर्घकालिक प्रभावों का विश्लेषण।
यह यौन संबंधों के संदर्भ, प्रकृति और पैमाने का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है।
बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में शांति अभियानों के दौरान दुर्व्यवहार,
दोनों देशों में प्राथमिक शोध पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है। व्यवहार
ये सभी चार प्रकार के दुर्व्यवहारों को शामिल करते थे और इन्हें विभिन्न प्रकार के लोगों द्वारा अंजाम दिया गया था।
शांति रक्षकों और गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों सहित वर्दीधारी और नागरिक

हस्तक्षेपकर्ता।
प्रत्येक क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की उपस्थिति से जुड़े कर्मियों
देश। वे अध्याय 1 में पहचाने गए कई रुझानों की पुष्टि करते हैं।
अपराध करने के तरीके और इसमें योगदान देने वाले कारक। हालाँकि, यह विश्लेषण
यह भी दर्शाता है कि स्थानीय समुदाय अध्याय 2 में 56 का अनुभव कैसे करते हैं

यौन शोषण और दुर्व्यवहार ऐतिहासिक अनुभव, संस्कृति आदि पर आधारित है।
प्राकृतिक मानदंड, और कई मायनों में, भौतिक अभाव के विशेष रूप-
शिक्षा और संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा का अनुभव किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण
दोनों में अनुचित व्यवहार माने जाने वाले व्यवहार में भिन्नता
देशों। वास्तव में, कुछ मामलों में, इन समुदायों के सदस्यों का क्या विचार है-
यौन रूप से अनुचित व्यवहार के सबसे हानिकारक रूपों में से एक माना जाता था।
यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा परिभाषित यौन शोषण की श्रेणी में नहीं आता है।
शून्य-सहिष्णुता बुलेटिन में बताए गए अनुसार दुर्व्यवहार और दुरुपयोग। विशेष रूप से, ये
हस्तक्षेपकर्ताओं और स्थानीय लोगों के बीच सहमति से बने यौन संबंध थे।
परिणामस्वरूप ऐसे बच्चे पैदा हुए जिन्हें बाद में उनके विदेशी माता-पिता ने छोड़ दिया।
अन्य। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, ऐसे रिश्तों को सख्त रूप से हतोत्साहित किया जाता है।
संयुक्त राष्ट्र की नीति, "अंतर्निहित असमान शक्ति समीकरणों" के कारण, जिस पर आधारित है
वे आधारित हैं, लेकिन प्रतिबंधित नहीं हैं। 1
ये मामले जांच के लिए एक मूल्यवान आधार प्रदान करते हैं।
कई कारणों से मिशन के परिणामों पर यौन दुर्व्यवहार के प्रभाव-
बेटों। सबसे पहले, यौन शोषण और दुर्व्यवहार के अनुभव और उसका पैमाना।
मिशन के आकार में समानता के बावजूद, प्रत्येक देश में स्थितियाँ काफी भिन्न थीं।
और उद्देश्यों और इस तथ्य कि दोनों देशों ने उच्च स्तर का अनुभव किया
अंतर्राष्ट्रीय तैनाती से पहले संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा
बल। इसके अतिरिक्त, स्थानीय धारणाएँ कि कौन से यौन व्यवहार प्रचलित थे-

उपयुक्त रूप से काफी भिन्नता पाई गई। ये अंतर एक मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं।
विभिन्न क्षेत्रों में कदाचार के विभिन्न पैटर्न की जांच करने का अवसर।
विभिन्न संदर्भों और मिशन के परिणामों पर इसके विभिन्न प्रभावों को ध्यान में रखते हुए।
और स्थानीय समुदायों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संबंधों पर।
संक्रमण काल के दौरान उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए हस्तक्षेपकर्ताओं को तैनात किया गया।
संघर्ष से शांति की ओर। निम्नलिखित अनुभाग विभिन्न अनुभवों का विस्तार से वर्णन करेंगे।
प्रत्येक देश में यौन शोषण और दुर्व्यवहार की घटनाओं और प्रकारों की शुरुआत-
बोस्निया में शांति अभियानों के साथ शुरुआत करने के बाद, अनुभवों की ओर रुख किया जाएगा।
तिमोर-लेस्ते में।

बोस्निया में शांति अभियानों के दौरान यौन दुर्व्यवहार

बोस्निया में शांति अभियान के दौरान यौन दुर्व्यवहार के शुरुआती मामलों में से एक सामने आया।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में आचरण संबंधी घोटाले सामने आ रहे हैं, जिनमें कई खुलासे भी शामिल हैं।
1990 के दशक के उत्तरार्ध में संयुक्त राष्ट्र पुलिस की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संलिप्तता के बारे में
वेश्यालयों में यौन दासियों के रूप में काम करने के लिए महिलाओं की तस्करी की जाती थी।

शांति रक्षकों और स्थानीय पुरुषों दोनों द्वारा। हालाँकि, यौन शोषण और
बोस्निया में हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार की शुरुआत पहले की अंतरराष्ट्रीय तैनाती

के दौरान हुई थी।
संघर्ष क्षेत्र में बदलाव।

अंतर्राष्ट्रीय बलों को सर्वप्रथम पूर्व यूगोस्लाविया में तैनात किया गया था। शांति और सुरक्षा की स्थितियों को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए 1992 में- शांति समझौते के लिए आवश्यक कदम, जिसमें नागरिकों की सुरक्षा करना भी शामिल है।
हवाईअड्डे की सुरक्षा के माध्यम से देश भर में संयुक्त राष्ट्र संरक्षित क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
और घेराबंदी के दौरान साराजेवो को मानवीय सहायता प्रदान करने में सहायता करना। शहर में, कुछ क्षेत्रों में नो-फ्लाई ज़ोन की निगरानी और विसैन्यीकरण के माध्यम से उन क्षेत्रों में, और युद्धविराम के कार्यान्वयन का समर्थन करके, जैसा कि वे बातचीत हुई। 2 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा बल (UNPROFOR) में सैन्यकर्मी शामिल थे। सेना, पुलिस और नागरिक तत्वों सहित कुल 40,000 से अधिक लोग शामिल थे। 1995 (38,599 सैन्यकर्मी, 803 नागरिक पुलिस, 2017 अंतर्राष्ट्रीय) नागरिक कर्मचारी और 2615 स्थानीय नागरिक कर्मचारी)। 3 यूएनपीआरओआर को प्रतिस्थापित किया गया
1995 में नाटो के नेतृत्व वाली बहुराष्ट्रीय कार्यान्वयन बल (आईएफओआर) द्वारा, जो कार्यान्वयन के सभी सैन्य पहलुओं के लिए जिम्मेदार था।
डेटन समझौते के तहत बोस्निया में हिंसा का अंत हुआ था।
1995 में। 4 एक साल बाद, IFOR की जगह बहुराष्ट्रीय कंपनी Stabi ने ले ली। संगठन बल (एसएफओआर), जिसने आईएफओआर के काम को जारी रखा लेकिन काफी हद तक
कर्मचारियों की संख्या कम की गई। 5 IFOR/SFOR ने संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर काम किया।
अंतर्राष्ट्रीय पुलिस कार्य बल (IPTF) और संयुक्त राष्ट्र के नागरिक कार्यालय, जो इन सभी को बोस्निया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तत्वावधान में एक साथ लाया गया था।
और हर्ज़ेगोविना (UNMIBH)□ 6 IPTF की संरचना का एक महत्वपूर्ण तत्व अमेरिकी योगदान में भर्ती किए गए पुलिसकर्मी शामिल थे।

और वह निजी सुरक्षा कंपनी डायनकॉप इंटरनेशनल में कार्यरत हैं।
जिसने आईपीटीएफ की ओर से पुलिस तैनात करने का अनुबंध हासिल किया।
अमेरिका में संघीय पुलिस बल की कमी के कारण, अमेरिका के पास यह सुविधा नहीं थी।
अमेरिकी पुलिस को तैनात करने के लिए संरचनाएं। अन्य सभी टुकड़ियाँ
इन्हें सीधे उन राज्यों द्वारा तैनात किया गया जिन्होंने इन्हें योगदान दिया था, जैसा कि सामान्य तौर पर होता है।
शांति अभियान।

हालांकि यौन दुर्व्यवहार के अधिकांश मामले इससे संबंधित हैं
डेटन काल के बाद, यूएनपीआरओआर शांति सैनिकों के बारे में विवरण मिलते हैं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहारपूर्ण व्यवहार में लिप्त होना। उदाहरण के लिए,
संयुक्त राष्ट्र समेत कई रिपोर्टों में बताया गया है कि कुछ शांति सैनिक अक्सर इन जगहों पर जाते हैं।
वेश्यालय जो सर्ब-नियंत्रित यातना शिविरों से संचालित किए जा रहे थे
साराजेवो के बाहर। 7 एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी जिसके पास कानूनी पृष्ठभूमि है-
युद्ध अपराधों से निपटने के जमीनी अनुभव और पृष्ठभूमि में भी इसी तरह अध्याय 2 में 58 में वर्णित किया गया है।

सर्ब नियंत्रण वाले एक क्षेत्र में, बोस्नियाई महिलाओं और लड़कियों के साथ बलात्कार किया गया और
अंतर्राष्ट्रीय बलों को यौन सेवाएं प्रदान करने के लिए मजबूर किया गया—जिनमें से कुछ
उन्होंने इस बारे में गवाही दी लेकिन उन पर मुकदमा नहीं चलाया गया। 8 यह इस बात को उजागर करता है
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा और यौन शोषण के बीच अंतर्संबंध
बोस्नियाई संदर्भ में हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार। इसके अलावा, कुछ विवरण भी हैं
शांति रक्षकों द्वारा स्थानीय महिलाओं के साथ यौन संबंध बनाना, विशेष रूप से-
मुख्यतः संयुक्त राष्ट्र द्वारा संरक्षित क्षेत्रों या संयुक्त राष्ट्र के ठिकानों पर। 9 एक

प्रमुख कारक जो इसे बढ़ावा दे रहा है
युद्ध के दौरान स्थानीय परिवारों को जिस घोर अभाव का सामना करना पड़ा, वह यही था।
जिसके कारण महिलाओं को भोजन, पानी और अन्य आवश्यक वस्तुओं के बदले यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।
अपने परिवारों का भरण-पोषण करना। साराजेवो में रहने वाले एक साक्षात्कारकर्ता ने कहा कि
घेराबंदी के दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ व्यापक रूप से काम किया।
युद्ध के दौरान और उसके बाद कार्यालय में काम करने के दर्द को बयां किया।
एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन जहां उसके नीचे डिब्बाबंद खाने के डिब्बे रखे थे
डेस्क पर, भले ही स्थानीय लोग अपने परिवारों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन प्राप्त नहीं कर पा रहे थे।
झूठ। आखिरकार जब उसने अपने परिवार को खिलाने के लिए कुछ डिब्बाबंद मछली चुराई, तो वह
अगली सुबह उसका सामना उसके बॉस और संगठन की सुरक्षा टीम से हुआ।
सलाहकार पर चोरी का आरोप लगाया गया और उसे चेतावनी दी गई कि वह दोबारा ऐसा न करे अन्यथा उसे
उसकी नौकरी चली गई। "शांति रक्षकों के पास सब कुछ था, और हमारे पास कुछ भी नहीं था।"
उसने कहा, “हम भूख से मर रहे थे; हमारे पास खाने को कुछ नहीं था। मैं कुछ भी कर सकती थी।
खाने के लिए।" 10
इस भावना को दो स्थानीय शोधकर्ताओं ने भी दोहराया जिन्होंने जांच की थी।
युद्ध के स्थानीय वृत्तांतों की जांच की गई, जिनमें कई स्थानांतरण संबंधी विवरण शामिल थे।
शांति रक्षकों के साथ यौन क्रियात्मक संबंध, जिनके बारे में कभी छोटों के साथ साझा नहीं किया गया था।
पीढ़ियों से चली आ रही शर्म की वजह से। 11 शोधकर्ताओं में से एक ने पुनः-
उन्होंने युद्ध के दौरान और उसके बाद के अपने अनुभवों का जिक्र किया, जब वह

दूसरे बच्चों के साथ दौड़कर संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों के पास जाओ और उनसे मिठाई मांगो ("गुम्मी,
"गुम्मी?"); शांति रक्षक बच्चों से लाने के लिए कहते हुए जवाब देते।
उनकी माताओं ("मम्मी, मम्मी?") को पुकारते हुए, जिसका अर्थ है कि बच्चों को
वे अपनी माताओं को यौन शोषण के लिए लाते हैं। यौन शोषण के अलावा, शांति-
रखवाले कई अन्य अवैध गतिविधियों में भी शामिल थे, जिनमें शामिल हैं:
मानव, सामान, शराब और नशीली दवाओं की तस्करी। 12
युद्धोत्तर काल में भी यौन संबंध बनाने के ये सौदे जारी रहे।
लगातार शांतिरक्षा तैनाती और अन्य लोगों के आगमन के साथ-
बोस्निया में घुसपैठ करने वाले लोग ऐसे समय में आए जब बोस्नियाई लोग बहुत गरीब थे और
इसलिए ऐसे शोषण के प्रति संवेदनशील। 13 कुछ साक्षात्कारकर्ताओं ने सुझाव दिया कि ऐसे व्यवहारों को जरूरी नहीं कि अनुचित ही समझा जाए।
क्योंकि उन्हें आम तौर पर जीवित रहने की एक आवश्यक रणनीति के रूप में स्वीकार किया जाता था।

स्थानीय समुदायों को सहायता प्रदान करके संभवतः "कई लोगों की जान बचाई"।
उन्होंने परिवारों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराकर और उनके साथ संबंध बनाकर उनकी मदद की।
स्थानीय लोगों और अंतर्राष्ट्रीय बलों के बीच। 14 फिर भी, जबकि ट्रांस-
क्रियात्मक यौन संबंध स्पष्ट रूप से काफी आम था और काफी हद तक स्वीकार्य था।
जीवित रहने की एक विधि के रूप में, मौन की एक मजबूत संस्कृति थी और आज भी बनी हुई है।
और इससे जुड़ी शर्मिंदगी, जिसने महिलाओं को अपने बारे में बोलने से रोक दिया।
अनुभवों के आधार पर, एक साक्षात्कारकर्ता ने अक्सर सुनाई जाने वाली एक चुटकुला सुनाया। इसे समझाने के लिए, एक साक्षात्कारकर्ता ने एक चुटकुला सुनाया जो अक्सर सुनाया जाता था।
साराजेवो की घेराबंदी के दौरान:

उस समय एक आम मज़ाक प्रचलित था, जिसमें एक बच्चा पूछता था, "पापा, यह क्या है?"
“वास्तविक क्या है और कानूनी क्या है?” और पिता कहते हैं, “अगर कोई संयुक्त राष्ट्र का सैनिक तुम्हारी माँ से 100 मिलियन डॉलर के लिए उसके साथ सोने को कहे, तो वह मान जाएगी। और फिर अगर वह पूछे तो...”
अगर आपकी बहन 100 डीएम के लिए उसके साथ सोएगी, तो वह भी ऐसा ही करेगी। कानूनी तौर पर, हम
हमारे पास 200 डीएम हैं। असल में, हमारे घर में दो वेश्याएं हैं।" इन सब की तुलना में
शहर में चल रही अन्य घटनाओं को देखते हुए, यह उतना बुरा नहीं लग रहा था। 15

मैं यौन शोषण के इर्द-गिर्द चुप्पी की इन संस्कृतियों पर वापस लौटूँगा और
दुर्व्यवहार और उसके परिणामों पर जल्द ही चर्चा की जाएगी।
युद्ध के बाद, यौन दुर्व्यवहार की प्रकृति में परिवर्तन आया।
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं ने मुख्य रूप से लेन-देन में संलग्नता से हटकर एक अलग दृष्टिकोण अपनाया।
ऊपर वर्णित कुछ उल्लेखनीय अपवादों को छोड़कर, राष्ट्रीय यौन अर्थव्यवस्थाएँ
मानव तस्करी, जबरन वेश्यावृत्ति और गुलामी में संलिप्तता।
आईपीटीएफ में तैनात अमेरिकी डायनकोर्प ठेकेदारों के बारे में खुलासा हुआ।
आईपीटीएफ के व्हिसलब्लोअर कैथरीन बोल्कोवाक और बेन के काम के माध्यम से
जॉनस्टन और मैडलीन रीस द्वारा, जो उस समय कार्यालय की प्रमुख थीं।
बोस्निया में मानवाधिकार उच्चायुक्त की ओर से। इस खबर के अनुसार...
डायनकोर्प कर्मियों की यौन शोषण और दुर्व्यवहार में संलिप्तता जल्द ही सामने आएगी।
इससे अन्य आईपीटीएफ कर्मियों के बीच ऐसे व्यवहारों के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा हुई।
पड़ोसी राज्यों से महिलाओं और लड़कियों की तस्करी करके उन्हें यौनकर्मी के रूप में काम करने के लिए लाया जाता था।

शांति रक्षक कर्मियों और स्थानीय लोगों द्वारा संचालित वेश्यालयों में गुलाम
विशेषज्ञों का अनुमान है कि वेश्यालय के मुनाफे का कम से कम 70 प्रतिशत हिस्सा
पुरुषों से आता था।
विदेशी पुरुषों से, भले ही वे सीमा शुल्क का केवल 30 प्रतिशत ही बनाते थे।
16 इसके अलावा, कुछ डायनकॉप आईपीटीएफ कर्मी भी इसमें शामिल हो गए।
तस्करी नेटवर्क और उन्हें चलाने वालों की सुरक्षा में। 17
तस्करी की गई महिलाओं और लड़कियों को अक्सर भूखा रखा जाता था, पीटा जाता
था, यातना दी जाती थी और रखा जाता था।
भयानक जीवन स्थितियों में। जब वेश्यालयों के खिलाफ आईपीटीएफ के छापे जारी
थे-
जांच के दौरान, कुछ पीड़ितों ने छापेमारी में शामिल आईपीटीएफ अधिकारियों को
पहचान लिया।
उनके मुवक्किलों और दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ, और कुछ मामलों में, 60
अध्याय 2 के विरुद्ध एकत्र किए गए साक्ष्य

मानव तस्करी और जबरन वेश्यावृत्ति के नेटवर्क चलाने वाले पुरुषों में शामिल थे-
आईपीटीएफ कर्मियों के नियमित रूप से उपस्थित होने के दस्तावेजीकरण का विवरण
दिया गया।
वेश्यालय। ह्यूमन राइट्स वॉच ने भी इसमें संलिप्तता का दस्तावेजीकरण किया है।
बाद के अभियानों में तैनात शांतिरक्षक, विशेष रूप से डायनकॉप अनुबंध-
तस्करी में SFOR के लिए टॉर्स। 19
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा महिलाओं और बच्चों का नेटवर्कबद्ध शोषण भी
इसमें उन्हें गुलामों के रूप में खरीदना और बेचना शामिल था। लिलियाना सोरेन के
अनुसार-
टिनो, मानवाधिकार, प्रवासन और आधुनिक समय के स्वतंत्र विशेषज्ञ हैं।
गुलामी में, कुछ को खरीदे जाने के बाद घरेलू दासता में रखा गया था।
क्रोएशियाई नदी के किनारे देश के उत्तर में स्थित ब्रको शहर में एरिज़ोना मार्केट।
तियान सीमा पर, जबकि अन्य को यौन गुलामी में रखा गया था। 20 बेन जॉनस्टन,
एक

आईपीटीएफ द्वारा यौन शोषण में संलिप्तता के बारे में मूल मुखबिरों में से एक।
दुर्व्यवहार और दुर्व्यवहार के बारे में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट अमेरिकी डायनकोर्प से सुनने के बाद दर्ज की।
सहकर्मी महिलाओं और लड़कियों को यौन शोषण के लिए खरीदने और बेचने के बारे में शेखी बघार रहे थे।
अपने "दासों" की उम्र और प्रतिभाओं के बारे में शेखी बघारते हुए और उनकी प्रशंसा करते हुए
घर में यौन दासी रखने के लाभ। 21 ह्यूमन राइट्स वॉच ने भी...
इस घटना का व्यापक रूप से दस्तावेजीकरण किया गया है: कई हस्तक्षेपकर्ताओं सहित
आईपीटीएफ और एसएफओआर के कर्मियों और ठेकेदारों द्वारा खरीदारी की गई पाई गई।
वेश्यालय मालिकों या अन्य तस्करों से महिलाओं और लड़कियों (और उनके पासपोर्ट) को छुड़ाना।
उन्होंने महिलाओं के साथ यौन शोषण किया और उन्हें अपने निजी आवासों में यौन दासों के रूप में रहने के लिए मजबूर किया;
कुछ लोगों ने अवैध हथियार भी खरीदे और उनमें से कम से कम एक व्यक्ति इसमें शामिल था।
एक महिला का बलात्कार करते हुए अश्लील फिल्म बनाना। 22 मानवाधिकार
वॉच रिपोर्ट में दस्तावेजीकरण किया गया कि अपराधियों में वे पुरुष शामिल थे जिन्हें तैनात किया गया था।
स्पेन, फ्रांस, ब्रिटेन, मैक्सिको, फिजी, पाकिस्तान से आए अंतरराष्ट्रीय मिशन-
स्टैन, रूस और अर्जेंटीना।
ये व्यवहार काफी हद तक सामान्य हो गए थे और इनमें शामिल थे
खरीदी गई महिलाओं को कार्य इकाइयों के बीच और यहां तक कि सक्रिय रूप से साझा करना
वरिष्ठ अधिकारी—उदाहरण के लिए, इसमें पाकिस्तानी आईपीटीएफ के खरीददारों की निगरानी करने वाले अधिकारी शामिल थे।
महिलाओं को भर्ती करना और फिर उन्हें पाकिस्तानी गिरोह के "प्रमुख" को सौंप देना।

टिंगेंट, जिन्होंने आईपीटीएफ की आंतरिक जांच इकाई के प्रमुख के रूप में भी कार्य किया। 23
ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र ने बाद में इसे स्थानांतरित कर दिया।
जांच इकाई से अधिकारी बाहर।
यह भी ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि एक अन्य प्रकार का यौन शोषण भी व्यापक रूप से प्रचलित है।
यह व्यवहार का एक ऐसा रूप था जो बोस्निया में प्रचलित था, जो दुर्व्यवहार और शोषण से मिलता-जुलता था।
युद्ध के बाद, अर्थात्, आपसी सहमति से बने संबंध
वयस्क (मुख्य रूप से स्थानीय महिलाएं और प्रवासी पुरुष), जिन्हें अलग कर दिया गया है-
2003 से यौन दुर्व्यवहार संबंधी नीतियों द्वारा प्रोत्साहित किया गया है, लेकिन प्रतिबंधित नहीं किया गया है।

बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में एसईए 61

क्योंकि इसमें शक्ति का असमान संतुलन शामिल है। जैसा कि पहले चर्चा की गई है-
पिछले अध्याय में, ये रिश्ते एक अस्पष्ट मध्य स्थिति में आ जाते हैं क्योंकि
सहमति और लेन-देन दोनों पहलुओं की उपस्थिति के बारे में। बोस्निया में,
शोध से पता चला है कि ये संबंध किस प्रकार कई कारकों के संयोजन से आकार लेते हैं।
वास्तविक रोमांटिक रुचि और इच्छा सहित कई कारकों का संयोजन।
कुछ महिलाओं ने अपने या अपने परिवार के बेहतर भविष्य को सुरक्षित करने के लिए इसमें भाग लिया।
परिवार। 24
इन विवरणों से यह स्पष्ट है कि यौन शोषण और
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपों के दौरान बोस्निया में दुर्व्यवहार व्यापक रूप से व्याप्त था।
युद्ध के दौरान और उसके बाद, इस तरह के दुर्व्यवहार के पैमाने का पता लगाना असंभव है।
और रिपोर्टिंग की कमी सहित विभिन्न कारकों के कारण होने वाला शोषण।

पारदर्शिता और पारदर्शिता। यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर संयुक्त राष्ट्र की नीतियां।
उस समय व्यवस्था अभी प्रारंभिक अवस्था में ही थी, क्योंकि इसे बीच में ही लागू
किया गया था।
अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता। एक अन्य कारक व्यापक सांस्कृतिक प्रभाव है।
इस मुद्दे पर चुप्पी का जो स्वरूप है, वह शर्म से गहराई से जुड़ा हुआ है।
और संघर्ष से संबंधित बलात्कार और यौन हिंसा से जुड़े कलंक। 25
एक स्थानीय महिला अधिकार कार्यकर्ता के अनुसार, युद्ध के बाद कई लोग
कहा जाता है कि एक सच्ची बोस्नियाई (यानी बोस्नियाई मुस्लिम) महिला हत्या
करना अधिक पसंद करेगी।
खुद को बलात्कार का शिकार होने देने की बजाय खुद को बचाना; यह इस बात को
रेखांकित करता है कि यह कितना मुश्किल है।
महिलाओं के लिए युद्धकालीन बलात्कार के अपने अनुभवों के बारे में खुलकर बोलने
और यह बताने के लिए कि
युद्धकालीन यौन उत्पीड़न पर चुप्पी तोड़ने में समुदाय ने काफी प्रगति की है।
हिंसा। 26 इसके अलावा, नेला पोरोबिक, एक स्थानीय शोधकर्ता और कार्यकर्ता
बोस्निया में शांति और स्वतंत्रता के लिए महिला अंतर्राष्ट्रीय लीग,
यह तर्क दिया गया कि हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार की कहानी
बोस्नियाई महिलाओं के खिलाफ बोस्निया एक अलिखित विवाद है। उन्होंने सुझाव
दिया कि यह
इसका एक बड़ा कारण यह है कि यूगोस्लाव युद्ध के बारे में बोस्नियाई दृष्टिकोण बदल
गया है।
यौन हिंसा के अपने अनुभवों पर विशेष ध्यान केंद्रित करना।
सर्ब सैनिकों के बीच, युद्धकालीन यौन संबंधों में अंतर करना आवश्यक हो जाता है।
हिंसा और जिसे सहमति से किए गए यौन संबंध के रूप में देखा जाता है, वह घटित
हुआ।
शांति सैनिकों के साथ। 27

लेकिन पड़ोसी राज्यों की महिलाओं के मामले में ऐसा नहीं था।
उन राज्यों के लोगों को शामिल किया गया जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तस्करी के
शिकार हुए थे।

हस्तक्षेपकर्ता। इन महिलाओं को अक्सर मूल बोस्नियाई लोगों द्वारा "सहयोगी" के रूप में देखा जाता था।
ऐसी वेश्याओं को भेजना जिन्होंने तस्करी का विकल्प चुना था और इसलिए वे ऐसा नहीं करती थीं
सहानुभूति या चिंता के पात्र; कई लोगों की राय में, लोगों की चिंताएँ
तस्करी की शिकार महिलाओं की पीड़ा स्थानीय लोगों की चल रही पीड़ा के सामने फीकी पड़ जाती है।
बोस्नियाई। 28 अन्य जिन्होंने उस समय मानव तस्करी विरोधी अभियान में काम किया। 62 अध्याय 2

उनका एक वैकल्पिक दृष्टिकोण था: कि "पोस्ट-
युद्धग्रस्त देश। आपने बहुत खून देखा है। हम जो युद्ध से बच गए हैं,
अन्य मनुष्यों से अलग।" 29 शोधकर्ताओं ने आशा की ओर भी इशारा किया-
कुछ स्थानीय लोगों को तस्करी के संबंध में कम महसूस हुआ, विशेष रूप से उन लोगों को
महिलाओं के उन नेटवर्कों के भीतर, जिन्हें पता था कि यह सब चल रहा है, लेकिन उन्हें लगा कि
रिपोर्टिंग और जवाबदेही की कमी के कारण वे कुछ नहीं कर सकते थे।
अंतर्राष्ट्रीय मिशनों में क्षमता तंत्र। 30 कई कारक
इसमें वरिष्ठ आईपीटीएफ अधिकारियों की भागीदारी सहित कई कारकों ने योगदान दिया।
तस्करी की गई महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और शोषण, यह तथ्य कि बोस्नियाई
पुलिस को शांतिरक्षा कर्मियों पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं था जिन्हें उन्होंने पाया था
मानव तस्करी या यौन शोषण या दुर्व्यवहार में संलिप्त होना, और प्रत्यक्ष रूप से शामिल होना-
बोस्नियाई पुलिस की कुछ इकाइयों की नेटवर्क आधारित शोषण में संलिप्तता
महिलाओं और लड़कियों। 31 हालांकि यूएनएमआईबीएच ने अठारह अंतरराष्ट्रीय
महिलाओं और लड़कियों को वापस भेज दिया।
यौन शोषण में संलिप्तता के कारण राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं पर आरोप लगाना,

इन अपराधों के लिए बोस्निया में एक भी हस्तक्षेपकर्ता को गिरफ्तार नहीं किया गया और न ही उस पर मुकदमा चलाया गया।
(केवल कुछ स्थानीय माफिया सदस्यों पर ही मुकदमा चलाया गया), जिससे मामला और भी जटिल हो गया।
यह भावना कि रिपोर्टिंग बेकार थी। 32 इन विभिन्न कारकों ने इस बात को और पुष्ट किया कि
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार के प्रति चुप्पी की संस्कृति, और वे इसका समर्थन करते हैं-
पिछले अध्याय में चर्चा किए गए मुद्दों के संदर्भ में कुछ और जानकारी प्रदान करें।
संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों की अपर्याप्तता के बारे में, जो यौन शोषण की दरों को सटीक रूप से दर्ज करने में सक्षम नहीं हैं।
हिंसा और दुर्व्यवहार।

तिमोर-लेस्ते में शांति अभियानों के दौरान यौन दुर्व्यवहार

हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के अनुभवों के दौरान
तिमोर-लेस्ते में शांति अभियान बोस्निया और लेस्ते में चलाए गए अभियानों से काफी अलग थे।
मिशन के आकार और जनादेश में समानता के बावजूद और एक समानता के बावजूद, निया
तैनाती में कर्मियों की संरचना समान है। इससे कई सवाल उठते हैं।
यौन दुर्व्यवहार के जोखिम कारकों पर प्रकाश डालता है और चर्चा किए गए मुद्दों को शामिल करता है।
पिछले अध्याय में दिए गए विवरण के विपरीत, बोस्निया के अनुभवों की तुलना में यहाँ कम था।
भोजन या अन्य बुनियादी वस्तुओं के बदले यौन संबंध बनाना आम बात थी, लेकिन कुछ छिटपुट मामले भी थे।
बलात्कार के मामले और नेटवर्क में शांतिरक्षकों की महत्वपूर्ण भागीदारी
शोषण, जिसमें वेश्यावृत्ति और अश्लील सामग्री का उत्पादन शामिल है।

क्या अधिक प्रचलित था, और क्या अधिक चिंता का विषय प्रतीत होता था?
स्थानीय समुदाय के अनुसार, ऐसे व्यवहार थे जो मानकों को पूरा नहीं करते थे।

शून्य-सहिष्णुता बुलेटिन में निर्धारित यौन शोषण और दुर्व्यवहार,
अर्थात् सड़क पर होने वाली छेड़छाड़ और आपसी सहमति से बने रिश्ते जो टूट गए।
और इसके परिणामस्वरूप महिलाओं को "शांति शिशु" के साथ छोड़ दिया गया।
शांति सैनिकों के साथ उनके संबंधों से। 33
1999 में, पूर्वी तिमोर में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यूएनएएमईटी) ने आयोजन किया और संचालन किया।
तिमोर के साथ भविष्य के संबंधों पर एक स्वतंत्रता जनमत संग्रह-
लेस्ते और इंडोनेशिया, जिसने 1975 में पोर्टो के बाद इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था-
तुर्की के औपनिवेशिक शासन का अंत हुआ। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने सबसे पहले तैनाती की।
तिमोर-लेस्ते में शांति सैनिकों की तैनाती के पक्ष में भारी बहुमत से मतदान होने के बाद, शांति सैनिकों को तिमोर-लेस्ते में भेजा जाएगा।
इंडोनेशिया पर निर्भरता के चलते व्यापक हिंसा हुई, जिसमें शामिल हैं
इंडोनेशिया समर्थित मिलिशियाओं द्वारा की गई यौन हिंसा, जो मुख्य रूप से
इस संकट ने तिमोर के नागरिकों को निशाना बनाया। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ।
और पूरे क्षेत्र में तबाही हुई और इसके परिणामस्वरूप सुरक्षा परिषद ने यह कदम उठाया।
संकल्प 1264 में, जिसमें "उन रिपोर्टों पर चिंता व्यक्त की गई है जो संकेत देती हैं"
कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का व्यवस्थित, व्यापक और घोर उल्लंघन हुआ है-
पूर्वी तिमोर में मानवाधिकार और लोकतांत्रिक कानूनों का उल्लंघन किया गया है।
और इसके जवाब में एक बहुराष्ट्रीय बल की स्थापना को अधिकृत किया। 34
पूर्वी तिमोर में अंतर्राष्ट्रीय बल (INTERFET) को चार बार तैनात किया गया था।
कुछ दिनों बाद, ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल के नेतृत्व में और उनमें से अधिकांश के

कर्मचारियों द्वारा संचालित, अल-
हालांकि इसमें बाईस अन्य राज्यों का योगदान भी शामिल था।
अपने चरम पर इसमें ग्यारह हजार कर्मी कार्यरत थे और इसे पुनर्स्थापित करने का आदेश दिया गया था।
तिमोर-लेस्ते में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना, यूएनएएमईटी की रक्षा करना और उसका समर्थन करना।
अपने काम का परीक्षण करना और मानवीय सहायता को सुगम बनाना। इंटरफेट
पांच महीने पहले सैन्य कमान और नियंत्रण की जिम्मेदारी सौंप दी गई थी।
बाद में पूर्वी तिमोर में संयुक्त राष्ट्र संक्रमणकालीन प्रशासन (UNTAET) को सौंप दिया गया।
जिसकी स्थापना सुरक्षा परिषद द्वारा अक्टूबर 1999 में की गई थी।
इसे क्षेत्र का प्रशासन करने का दायित्व सौंपा गया था, जिसमें प्रावधानों के माध्यम से प्रशासन करना भी शामिल था।
सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने, विधायी और
स्वतंत्रता की ओर संक्रमण काल के दौरान कार्यकारी प्राधिकरण, समर्थन-
स्वशासन के लिए बंदरगाह क्षमता निर्माण और मानवीय सहायता समन्वय
और विकास सहायता। 35 यूएनटीएईटी में सशस्त्र शांतिरक्षा शामिल थी।
इंटरफेट के बराबर आकार का बल, साथ ही एक नागरिक पुलिस बल-
इसमें 1,640 कर्मियों का दल, साथ ही सैन्य पर्यवेक्षक और बड़ी संख्या में नागरिक कर्मचारी शामिल हैं।
घटक। 36 यूएनटीएटी तब तक संचालित होता रहा जब तक तिमोर-लेस्ते एक स्वतंत्र देश नहीं बन गया।
20 मई 2002 को, संविधान अपनाने और एक प्रतिनिधि का चुनाव करने के बाद, राज्य ने एक संविधान अपनाया।
राष्ट्रपति। इसके बाद पूर्वी तिमोर में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन का गठन हुआ।

(UNMISET), जिसे तिमोर-लेस्ते को उसके परिवर्तन में सहायता करने का दायित्व सौंपा गया था।

स्वतंत्रता और क्षेत्र के सभी शासन की पूर्ण जिम्मेदारी के लिए।
तिमोर-लेस्ते में संयुक्त राष्ट्र की शांतिरक्षा उपस्थिति 2005 में वापस ले ली गई थी।
एक बार यह परिवर्तन हो जाने के बाद, एक साल बाद इसे तुरंत पुनः तैनात कर दिया गया।
जब सेना के विभिन्न तत्वों के बीच संघर्ष के कारण तख्तापलट का प्रयास हुआ और देश भर में व्यापक हिंसा भड़क उठी। इसके जवाब में
संकट के दौरान, तिमोर सरकार ने शुरू में पुलिस और सेना से अनुरोध किया था-
ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, मलेशिया और पुर्तगाल से प्राप्त मौद्रिक सहायता, और
एक महीने के भीतर संयुक्त राष्ट्र पुलिस बल की स्थापना का अनुरोध किया गया ताकि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी जा सके।
राष्ट्रीय पुलिस बल के पुनर्गठन के दौरान कानून और व्यवस्था।
महासचिव की सिफारिश पर सुरक्षा परिषद ने...
इसके परिणामस्वरूप पूर्वी अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र एकीकृत मिशन की स्थापना को अधिकृत किया गया।
अगस्त 2006 में तिमोर (UNMIT) को संयुक्त राष्ट्र विकास आयोग (UNMIT) द्वारा तिमोर-लेस्ते की सहायता करने का दायित्व सौंपा गया था।
संकट के कारणों और परिणामों को संबोधित करना। 37 यूएनएमआईटी बंद हो गया।
2012 के अंत तक, हालांकि संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां विकास के हिस्से के रूप में बनी रहीं।
समर्थन मिशन।
तिमोर-लेस्ते में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मामले आम हैं।
यौन दुर्व्यवहार पर अधिकांश साहित्य और आंकड़ों में यह बात स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है।
शांति अभियान; देश को चुनने के कारणों में से एक यह भी था।
इस पुस्तक के लिए गहन केस स्टडी में से एक के रूप में। रिपोर्ट की गई कम दरें
यौन दुर्व्यवहार के मामलों से यह सवाल उठता है कि क्या यह वास्तव में अधिक था जितना आमतौर पर समझा जाता है, उससे कहीं अधिक व्यापक था, फिर भी इसके क्या प्रभाव पड़े?
कम, और कम दरों का कारण क्या है? सार्वजनिक रूप से स्वीकार किए गए खातों में

से-
धारदार, शायद सबसे प्रसिद्ध, कुछ लोगों द्वारा किए गए बलात्कारों से संबंधित है।
यूएनएटीईईटी की तैनाती के प्रारंभिक दौर में जॉर्डन के शांति सैनिक।
दरअसल, बटालियन में बलात्कार की पहली घटना तिमोर-लेस्ते जाते समय हुई थी।
ऑस्ट्रेलिया के डार्विन हवाई अड्डे पर पैंतालीस मिनट का ठहराव। 38 यह
इसके बाद तिमोर-लेस्ते में कई और बलात्कार की घटनाएं हुईं, जिनमें शामिल हैं...
दिली के जिस होटल में वे ठहरे थे, वहां सफाईकर्मी के तौर पर काम करने वाली एक महिला के साथ बलात्कार।
और उस क्षेत्र में कम से कम चार छोटे बच्चों, लड़कों और लड़कियों का भी।
ओकुसे, जिनमें से कुछ को बदले में भोजन और पैसा दिया गया था।
मुख मैथुन और गुदा मैथुन। 39 जॉर्डन के शांति रक्षकों की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है-
इसके अलावा, उसने उन बच्चों से उन महिलाओं के बारे में भी पूछा जिनके साथ वे यौन संबंध बना सकें।
दो अन्य जॉर्डन के शांति सैनिकों को घायल अवस्था में उनके घर वापस भेज दिया गया।
बकरियों के साथ बलात्कार के बाद लिंग। 40 हालांकि कोई दस्तावेज़ इसकी पुष्टि नहीं करता है,
कई जॉर्डन के शांति सैनिकों का कोर्ट मार्शल किया गया और उन्हें मौत की सजा दी गई।
इस दुर्व्यवहार के परिणामस्वरूप उन्हें जॉर्डन वापस भेजे जाने पर,

मेरे द्वारा किए गए साक्षात्कारों और मिरटिनेन को दिए गए इसी तरह के विवरणों के आधार पर
कोयामा, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ सूत्र भी शामिल हैं। 41
हालांकि अवसरवादी यौन शोषण अपेक्षाकृत सीमित रहा है।
और यह मुख्य रूप से जॉर्डन की टुकड़ी द्वारा अंजाम दिया गया था—लेकिन इस शर्त के साथ कि,

हालांकि, इस तरह की हिंसा के प्रति चुप्पी की संस्कृति का प्रभाव पड़ने की संभावना है।
इसके परिणामस्वरूप कम रिपोर्टिंग हुई—नेटवर्क आधारित दुर्व्यवहार और शोषण अधिक प्रचलित था।
तिमोर-लेस्ते में हस्तक्षेप के दौरान प्रतिभाशाली। देश में हस्तक्षेपकर्ता
इससे स्थानीय यौन उद्योग के विकास को बढ़ावा मिला, जिसमें न केवल स्थानीय लोग शामिल थे
न केवल यौनकर्मी बल्कि वे लोग भी जिन्हें तस्करी करके देश में लाया गया था
पूर्वी और दक्षिणपूर्वी एशियाई राज्य बढ़ती यौन मांग को पूरा करने के लिए-
उद्योग। 42 इनमें से कुछ लोगों को वेश्यालयों में काम करने के लिए तस्करी करके ले जाया गया था, जहाँ संयुक्त राष्ट्र के लोग अक्सर आते-जाते थे।
और अन्य अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ता बारह वर्ष जितने युवा थे। 43
बाल यौन शोषण का प्रचलन और भी व्यापक था। 2004 के एक प्रमुख सर्वेक्षण के अनुसार...
दिली में 75 प्रतिशत से अधिक पुरुष यौनकर्मी अठारह वर्ष से कम आयु के थे।
यौन कार्य में प्रवेश करने की औसत आयु 14.5 वर्ष है;
सर्वेक्षण में शामिल तिमोर की महिला यौनकर्मियों में यह दर कम थी।
हालांकि एक तिहाई से अधिक ने चौदह वर्ष की आयु में यौन कार्य शुरू कर दिया था।
44 कोई विदेशी यौन कार्य नहीं
श्रमिकों की आयु अठारह वर्ष से कम पाई गई। इसके अलावा,
सड़कों पर खुलेआम किशोरियों द्वारा पैसों के बदले वेश्यावृत्ति करना या
अन्य सामान, और यौन कार्य में शामिल न होने वाले नाबालिगों को पैसे की पेशकश की गई थी या
अन्य वस्तुओं के बदले यौन संबंध "कमोबेश यादृच्छिक रूप से।" 45 ये नेट-
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के सुनियोजित रूप मुख्य रूप से आसपास केंद्रित थे।
दिली में ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय क्षेत्रों में भी ऐसा हुआ; उदाहरण के लिए, जांच
ओकुसे में जॉर्डन के शांति सैनिकों द्वारा यौन दुर्व्यवहार की जांच में पाया गया कि
वही दल नियमित रूप से पूरे देश से वेश्याओं को लाता-ले जाता था।
पश्चिमी तिमोर में सीमा। 46 इनमें से कुछ मुठभेड़ों में हिंसा भी शामिल थी:

संयुक्त राष्ट्र के एक पूर्व राष्ट्रीय कर्मचारी ने तिमोर के तीन से पांच मामलों को याद किया।
वेश्यावृत्ति में काम करने वाली महिलाओं को इससे गंभीर नुकसान हो रहा है।
तुर्की के शांति रक्षक जिन्होंने उनसे यौन संबंध खरीदे और अस्पताल की तलाश कर रहे थे।
परिणामस्वरूप, स्कारलेट-तिमोर सेक्स के समन्वयक का उपचार किया गया।
श्रमिक समूह ने भी इसी प्रकार विदेशी पुरुषों द्वारा यौन संबंध के लिए भुगतान न करने के मुद्दों को उठाया।
श्रमिकों के साथ हिंसा करना और उनका बलात्कार करना। 47 इनमें से कुछ
लेन-देन संबंधी बातचीत के परिणामस्वरूप बच्चों का जन्म हुआ।
इसके अलावा, जहाँ कुछ हस्तक्षेपकर्ताओं ने सीधे वेश्यालयों का संरक्षण किया, वहीं

अन्य-

नेटवर्क आधारित शोषण में अधिक प्रत्यक्ष रूप से शामिल थे। कई
स्थानीय साक्षात्कारकर्ताओं और तिमोर-लेस्ते में काम करने वाले अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारियों
हस्तक्षेपों के दौरान याद दिलाया गया कि पुर्तगाली दल ने 66 सैनिकों को तैनात किया था (अध्याय 2)

2006 के संकट के बाद, उन्हें दिली 2001 होटल में ठहराया गया था, जो दोगुना हो गया था।
एक कराओके क्लब और वेश्यालय के रूप में। इसी तरह, कई साक्षात्कारकर्ताओं ने भी ऐसा ही कहा था।
उन्होंने अपने पेशेवर पदों पर रहते हुए यौन शोषण और दुर्व्यवहार का जवाब दिया।
उन्होंने बताया कि हस्तक्षेपकर्ताओं को "तैरती नाव" पर ठहराया गया था—
पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, दिली तटरेखा के ठीक पास एक होटल जहाज को लंगर डाला गया है।
1999-2000 में संयुक्त राष्ट्र और अन्य गैर सरकारी संगठनों के कर्मचारियों ने नियमित रूप से पेशेवरों को लाया था।
संस्थानों को जहाज पर ले जाया गया। 48 इसमें नाबालिग लड़कियां और कुछ लड़के

शामिल थे जो
वे दो से तीन दिन तक नाव पर ही रहे, और नाव ही घटना स्थल भी थी।
जिसके बारे में अफवाह है कि तिमोर की पहली स्थानीय पोर्नोग्राफी फिल्म का समर्थन किया गया था-
49 अश्लील सामग्री, जिसमें बाल अश्लील सामग्री भी शामिल है, का उत्पादन किया गया।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा अक्सर आने-जाने वाले अन्य वेश्यालयों में, और कुछ मामलों में शामिल
हस्तक्षेपकर्ता स्वयं। 50
यौन दुर्व्यवहार का एक अंतिम रूप था जिसका उल्लेख किया गया था।
तिमोर में यौन हिंसा के बारे में कुछ साक्षात्कारों और रिपोर्टों में इसका जिक्र किया गया है।
लेस्ते में, विशेष रूप से "नरम तकिया" की प्रथा, जो एक पारंपरिक प्रथा है।
माता-पिता द्वारा अपनी बेटियों को आने वाले अधिकारियों के साथ सोने की पेशकश करना या
गणमान्य व्यक्तियों के लिए। यह प्रथा कम से कम पुर्तगालियों के समय से चली आ रही है।
देश पर औपनिवेशिक शासन रहा है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद भी यह जारी है।
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं के आगमन के साथ: वरिष्ठ शांति रक्षक और
अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों के कर्मचारियों पर इस प्रथा में शामिल होने का आरोप लगाया गया है और यह संभावना है कि
इसमें हस्तक्षेप करने वालों की एक व्यापक श्रेणी ने भी भाग लिया है। 51
हस्तक्षेपकर्ता द्वारा यौन दुर्व्यवहार के इन रूपों के अलावा, जिनमें से सभी
अब शून्य-सहिष्णुता बुलेटिन के तहत प्रतिबंधित हैं, लेकिन जो पहले प्रतिबंधित नहीं थे।
तिमोर में प्रारंभिक तैनाती के दौरान 2003 से पहले समान रूप से विनियमित किया गया था।
लेस्टे में, हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन व्यवहार के अन्य रूप भी सामने आए जो कि
स्थानीय तिमोरियों द्वारा इसे यौन शोषण और दुर्व्यवहार माना जाता है और

इसलिए यहां विचार करना उचित है। ये यौन उत्पीड़न और धोखाधड़ी से संबंधित मामले हैं।
कुछ मामलों में, ऐसे कामुक संबंध जिन्हें बाद में शोषणकारी माना गया।
शांतिप्रिय संतानों के जन्म के कारण मामले दर्ज किए गए।
शांति सैनिकों द्वारा स्थानीय लोगों के यौन उत्पीड़न के कई मामले सामने आए हैं।
सार्वजनिक और निजी दोनों स्थानों में महिलाएं और बच्चे। उदाहरण के लिए,
जापानी शांति सैनिकों के एक समूह द्वारा बार-बार उत्पीड़न किए जाने की खबरें हैं।
ओकुसे के एक अनाथालय में किशोरों के साथ कई घटनाओं के बाद, इकाई को
खबरों के मुताबिक, आगे किसी भी प्रकार की बदतमीजी को रोकने के लिए उसे बैरक में ही बंद कर दिया गया था।
और एक पश्चिम तिमोर की पत्रकार ने पाकिस्तानी व्यक्ति द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया।
यूएनपोल दल। 52 कई साक्षात्कारकर्ताओं ने बताया कि यह कितना प्रचलित है।
शांतिरक्षकों द्वारा सड़कों पर की गई बदसलूकी, विशेष रूप से ध्यान देने योग्य बात यह थी कि यह

महिलाओं और लड़कियों के लिए यह भयावह था क्योंकि शांति रक्षकों ने अपनी ही भाषा का इस्तेमाल किया था।
ऐसे गेज लगाए गए थे जिससे महिलाएं यह नहीं समझ पा रही थीं कि वे क्या कह रहे हैं, और
कुछ शांतिरक्षकों ने स्थानीय लड़कों को उनके शब्दों का अर्थ सिखाया ताकि
वे महिलाओं और लड़कियों को भी उसी तरह से परेशान कर सकते हैं।
हालाँकि, यह और यौन शोषण के अन्य सभी रूप
ऊपर वर्णित दुर्व्यवहार के मुद्दे साक्षात्कारों में शांति की चर्चाओं के आगे फीके पड़ गए।
स्थानीय महिलाओं और विदेशी पुरुषों के बीच शिशुओं और उनसे जुड़े संबंधों पर चर्चा
जो आपसी सहमति से हुए थे, लेकिन जब उनका उल्लंघन हुआ तो उन्हें शोषणकारी माना जाने लगा।
या जब पुरुष अपनी तैनाती के बाद घर लौटने के लिए रवाना हुए। (अंगकिस)

स्कारलेट-तिमोर में यौनकर्मियों के समूह की समन्वयक लियोनोरा ने रिपोर्ट दी।
कि विदेशी यौनकर्मियों से पैदा हुए बच्चों की संख्या भी कम से कम उतनी ही थी।
पिता, लेकिन ऐसा प्रतीत नहीं होता कि इन्हें शांति शिशु कहा जाता था।
ठीक उसी तरह—शायद वेश्यावृत्ति से जुड़े अतिरिक्त कलंक के कारण—
53) जब उनसे अंतर-जनित यौन दुर्व्यवहार के बारे में उनके ज्ञान के बारे में पूछा गया...
तिमोर-लेस्ते में पूजा-पाठ करने वालों में से लगभग सभी व्यक्तियों ने साक्षात्कार में उल्लेख किया।
किसी भी अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार से पहले शांतिप्रिय बच्चे और सभी साझा कहानियाँ
उन महिलाओं के बारे में जिन्हें वे जानते थे और जिनका पहले किसी के साथ संबंध रहा था-
अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति से जुड़े विदेशी पुरुष। ये संबंध
ये मुख्य रूप से दो श्रेणियों में आते प्रतीत होते थे: वे जिनमें महिलाएं शामिल थीं
पुरुषों द्वारा घरेलू नौकरानी के रूप में काम पर रखी गई महिलाओं के साथ यौन संबंध स्थापित किए जाते थे।
फिर उनका विकास हुआ; और वे जिनमें रोजगार संबंध शामिल नहीं थे-
साक्षात्कारकर्ताओं ने सुझाव दिया कि ऐसे रिश्तों में एक प्रमुख समस्या यह है कि
बात यह थी कि इसमें शामिल पुरुषों ने शादी और दीर्घकालिक संबंधों के बारे में वादे किए थे।
उनके रिश्ते थे, लेकिन कुछ मामलों में उनके अपने देशों और अन्य देशों में परिवार थे।
कई मामलों में तिमोर-लेस्ते में अपने निर्धारित समय से अधिक समय तक रहने का कोई वास्तविक इरादा नहीं था।
तैनाती। एक स्थानीय नागरिक समाज नेता जो सबसे आगे रहा था।
ऐसी परिस्थितियों में महिलाओं की जरूरतों को पूरा करने के बारे में याद दिलाते हुए यह बात सामने आई कि
इसमें शामिल महिलाओं का नाबालिग होना असामान्य नहीं है, पंद्रह वर्ष की आयु के बीच।
और सत्रह वर्ष की आयु की। 54 अन्य जिन्होंने महिला अधिकार क्षेत्र में काम किया-

टोर ने पुष्टि की कि शांति रक्षक बलों द्वारा अक्सर युवा महिलाओं की तलाश की जाती थी।
ऐसे रिश्तों के लिए इच्छुक लोग; वास्तव में, कुछ ने बताया कि उनसे विदेशियों द्वारा ऐसे रिश्ते बनाने के लिए कहा गया था।
सहकर्मियों से उनके कार्यकाल के दौरान उनके लिए एक "अस्थायी पत्नी" खोजने में मदद करने के लिए कहा गया।
तैनाती। 55 यह ध्यान देने योग्य है कि इसमें शामिल महिलाओं के बारे में तथ्य
नाबालिगों के साथ यौन शोषण को संयुक्त राष्ट्र के मानकों के तहत यौन शोषण माना जाता है।
अस्तित्व में है, हालांकि रिपोर्टिंग तंत्र और गहन विश्लेषण को लेकर भ्रम बना हुआ है।
महिलाओं की संयुक्त राष्ट्र को रिपोर्ट करने में अनिच्छा का मतलब है कि कुछ ही मामलों की पुन: जांच की गई।
संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को सौंप दिया गया। 56 इनमें से कई मामले अध्याय 2 से पहले घटित हुए थे। 68

शून्य-सहिष्णुता नीति और उससे संबंधित तंत्र लागू होने से जटिलताएं उत्पन्न हुईं।
इस प्रतिक्रिया में, अधिकारियों ने शिकायत करने के लिए महिलाओं पर भरोसा किया ताकि
उन मामलों की औपचारिक रूप से जांच की जानी चाहिए, भले ही उन्हें अनौपचारिक रूप से कुछ जानकारी हो।
इन व्यवहारों में से।
इसके अलावा, दीर्घकालिक संबंधों के संदर्भ में भी, कुछ लोग...
साक्षात्कारकर्ताओं ने लेन-देन संबंधी तत्वों की उपस्थिति पर जोर दिया—जैसे कि महिलाओं या उनके विदेशी साथी के लिए धन या आवास उपलब्ध कराया जा रहा है इसे गरीबी से बाहर निकलने के पासपोर्ट के रूप में देखा जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के एक राष्ट्रीय कर्मचारी सदस्य।
आचरण एवं अनुशासन इकाई में काम करने वाले व्यक्ति ने तर्क दिया कि भले ही इसमें शामिल पुरुषों ने महिलाओं के प्रति अपने प्यार का इजहार किया, इस तथ्य को कि वे जानते थे

जिन महिलाओं के साथ उनका संबंध था, उन्हें उनके द्वारा दिए गए पैसों की आवश्यकता थी।
इसका मतलब है कि "अपराधियों को पता था कि यह शोषण है, भले ही पीड़ितों को पता हो कि वे शोषण कर रहे हैं।"
नहीं किया।" 57 इसके अलावा, कम से कम एक प्रलेखित मामले में, क्षमता
इस रिश्ते में शामिल महिला की सहमति पर सवालिया निशान है: एक पुर्तगाली महिला...
एक छोटे से क्षेत्रीय कस्बे में तैनात एक यहूदी शांति रक्षक ने एक बच्चे को जन्म दिया।
एक बधिर और मूक तिमोरियन महिला को सहायता देने से इनकार कर दिया।
बच्चा। 58 इसका यह मतलब नहीं है कि विदेशियों के बीच सभी संबंध
कर्मचारी और स्थानीय महिलाएं शोषणकारी थीं, लेकिन इसके बजाय अस्पष्टता को उजागर करने के लिए-
इन सहमतिपूर्ण संबंधों को समझने में कठिनाई
स्थानीय समुदाय के कई लोगों का मानना है कि इसमें शोषणकारी तत्व मौजूद हैं क्योंकि
इसमें शामिल व्यक्तियों की भौतिक संपदा में भारी असमानता के कारण,
विशेष रूप से बाद में तब जब बच्चों को महिलाओं के पालन-पोषण के लिए छोड़ दिया जाता है।
अकेला।
यह ध्यान देने योग्य बात है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया का अधिकांश ध्यान...
संयुक्त राष्ट्र की यौन दुर्व्यवहार संबंधी रिपोर्टिंग और रिपोर्टिंग में भी इस पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया जाता है।
ऐसे रिश्ते जिनसे शांतिप्रिय संतानें पैदा हुईं, भले ही उनमें से कम से कम कुछ
ये संबंध अब प्रतिबंधित व्यवहारों के अंतर्गत नहीं आते हैं। 59
यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय कर्मचारियों के भी कुछ विवरण मौजूद हैं।
अपने परिवारों से दूर तैनात होने पर "अस्थायी पत्नियां" रखना,
और इन प्रतिक्रियाओं के संदर्भ में स्थानीय समुदायों से भी इसी प्रकार की प्रतिक्रियाएँ मिलीं।

इस तरह के व्यवहार में अस्वीकार्यता और शर्म शामिल है। 60
एक संबंधित लेकिन भिन्न प्रकार का व्यवहार जिसे कुछ साक्षात्कारकर्ताओं ने उठाया।
संपत्ति और बाजार तक पहुंच के कारणों से स्थानीय महिलाओं से विवाह किया जाता था।
क्योंकि स्थानीय कानून संपत्ति और व्यवसाय के स्वामित्व को केवल तिमोरवासियों तक ही सीमित रखता है।
नागरिकों। 61 ऐसा लगता है कि यह निजी क्षेत्र में अधिक प्रचलित रहा है।
अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति से जुड़े व्यवसाय और व्यापार समुदाय
तिमोर-लेस्ते में, शांति सैनिकों या गैर सरकारी संगठन के कर्मचारियों के बजाय। एक निदेशक

एक स्थानीय गैर सरकारी संगठन जो महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार सहित अधिकारों और संरक्षण के अधिकार।
उन्होंने तर्क दिया कि अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को कई बार उठाने के बावजूद, सरकार ने इस समस्या के समाधान में कोई रुचि नहीं दिखाई है। 62

यौन दुर्व्यवहार की रिपोर्टिंग दरें और सभी के बारे में सार्वजनिक चर्चा

ऐसे व्यवहार जिन्हें यौन रूप से अनुचित, शोषणकारी और अपमानजनक माना जाता है
तिमोर-लेस्ते में भी दरें कम रही हैं, जिसके कारण काफी हद तक उन्हीं कारणों से हैं जो लगातार बनी हुई हैं।
बोस्निया में यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर चुप्पी की संस्कृति को उजागर किया।
अधिकांश साक्षात्कारकर्ताओं ने बताया कि संबोधित करने से संबंधित चुनौतियों में से एक यह है कि
इस प्रकार के दुर्व्यवहार से प्रभावित कई महिलाएं और बच्चे
शर्म और बदनामी के डर से वे अपने अनुभवों को बताने में हिचकिचाते हैं।
विवाहेतर यौन संबंधों और यौन हिंसा से संबंधित
व्यापक रूप से। कब्जे के दौर में यौन शोषण से जुड़ी शर्म की छायाएँ...
इस संदर्भ में इंडोनेशियाई सैनिकों द्वारा की गई यौन हिंसा का भी उल्लेख किया गया।

व्यवहारों में भी समानता थी: इंडोनेशियाई सैनिक व्यापक रूप से शामिल थे-
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के समान रूपों में शामिल, विशेष रूप से बलात्कार
और नेटवर्क आधारित शोषण, और साथ ही बच्चों को पीछे छोड़कर उनका पालन-
पोषण करने के लिए छोड़ दिया।
उनकी तिमोर की माताएँ। 63 संयुक्त राष्ट्र के एक राष्ट्रीय कर्मचारी जिन्होंने काम किया
यूएनपोल के मानवाधिकार अनुभाग ने सुझाव दिया कि ऐतिहासिक अनुभव
दुर्व्यवहार की घटनाओं की रिपोर्ट करने में भी बाधा उत्पन्न हुई क्योंकि लोगों को
अधिकारियों पर भरोसा नहीं था।
उनके बीच संबंध थे और इसलिए वे सीधे संयुक्त राष्ट्र या पुलिस को रिपोर्ट करने से
हिचकिचा रहे थे। 64
कुछ अन्य लोगों ने सुझाव दिया कि हालांकि अधिकारियों के प्रति इस अविश्वास का कुछ हिस्सा
समय के साथ बदलाव आया है, लेकिन स्थानीय समुदायों को अब भी लगता है कि
कुछ बदलाव हुआ है।
उन मामलों में जांच और परिणामों के बारे में पारदर्शिता का अभाव जो
इन मामलों को संयुक्त राष्ट्र को भेजा गया है, जिससे पीड़ितों का मनोबल और भी गिर गया है या
उनके परिवारों को यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र को करने से रोकना या
अन्य अधिकारियों। 65 कुछ साक्षात्कारकर्ताओं ने भी इस बात को स्वीकार किया।
हो सकता है कि महिलाओं ने इसलिए रिपोर्ट न की हो क्योंकि उन्होंने सहमति दी थी और...
उन्होंने यौन संबंधों का आनंद लिया, भले ही दूसरे उन्हें शोषणकारी मानते हों।
या अनुचित। ये मौन की संस्कृतियाँ लैंगिक भेदभाव से और भी मजबूत होती हैं।
तिमोर-लेस्ते में व्यवहार संबंधी अपेक्षाएँ, जिनमें से एक तत्व पूर्व-
यह धारणा कि यौन हिंसा का शिकार होने वाली महिलाएं दोषी होती हैं क्योंकि
उन्हें घर पर होना चाहिए था, और दूसरा कारण हिंसा की उच्च दरें थीं।
देश में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और बच्चों के साथ दुर्व्यवहार। 66

यौन शोषण और दुर्व्यवहार की प्रकृति और पैमाने का यह अवलोकन
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपों के दौरान बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में हस्तक्षेपकर्ता 70
अध्याय 2

आगे बढ़ने से पहले कई ऐसे विषयों पर ध्यान देना आवश्यक है जो इस लेख में सुझाए गए हैं।
स्थानीय समुदायों पर इस प्रकार के दुर्व्यवहार के दीर्घकालिक प्रभावों का विश्लेषण।
समुदायों और मिशन-स्तरीय परिणामों। सबसे पहले, ये विवरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि
पिछले अध्याय में दिए गए तर्कों के अनुसार, यौन दुर्व्यवहार एक
विभिन्न लेकिन परस्पर जुड़े रूपों की संख्या और यह विश्लेषणात्मक रूप से उपयोगी है-
उनकी प्रकृति को ठीक से समझने के लिए उन्हें अलग-अलग करके देखना आवश्यक है।
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के व्यवहार, यह तथ्य-
इनके जन्म के कारक और इनके विभिन्न प्रभाव। इसके अलावा, यह उच्च-
यह लेख यौन शोषण की परिभाषा की धुंधली सीमाओं पर प्रकाश डालता है और
बोस्निया में दुर्व्यवहार के प्रति कुछ हद तक अधिक सहनशीलता है, जबकि वहां लेन-देन आधारित यौन संबंध के प्रति सहनशीलता अधिक है।
और कई लोगों की इसे यौन शोषण मानने में अनिच्छा, और इसके परिणामस्वरूप-
इसके विपरीत, शोषण को गठित करने वाले व्यवहारों की एक व्यापक अवधारणा-
तिमोर-लेस्ते में। यह दर्शाता है कि स्थानीय समुदायों का अनुभव करने का तरीका
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है।
स्थानीय अनुभव, सांस्कृतिक मानदंड और, कई मायनों में, विशेष रूप
भौतिक अभाव और संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा का अनुभव करने वाले लोगों के लिए—
उदाहरण के लिए, बोस्निया में, युद्धकालीन यौन हिंसा की प्रकृति का अर्थ था कि यौन-

हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार को कहीं कम बुराई माना जाता था, विशेष रूप से वयस्कों के बीच लेन-देन संबंधी यौन संबंध जैसे सहमतिपूर्ण रूप। दूसरा, ये मामले इस बात पर जोर दें कि भले ही उपलब्ध आंकड़े यह सुझाव देते हों कि यौन कुछ परिस्थितियों में दुर्व्यवहार की दर दूसरों की तुलना में अधिक होती है, गहन शोध से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है।
यौन शोषण के अंतर्गत आने वाले व्यवहारों की वास्तविक व्यापकता को उजागर करना और दुर्व्यवहार, चाहे वह संयुक्त राष्ट्र की नीति द्वारा निषिद्ध हो या स्थानीय समुदायों की नज़र में।
समुदायों में। दोनों ही मामलों में, एक समुदाय द्वारा निर्मित मौन की मजबूत संस्कृतियाँ...
लैंगिक, सामाजिक और ऐतिहासिक कारकों के संयोजन से कम रिपोर्टिंग हुई।
जिससे उपलब्ध आंकड़ों में विकृति आ जाती है।
ये मामले प्रसार से संबंधित कुछ रुझानों को भी पुष्ट करते हैं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के विभिन्न रूपों का सुझाव दिया गया है
पिछले अध्याय में किए गए विश्लेषण के अनुसार, लेन-देन संबंधी यौन संबंध प्रतीत होता है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार का सबसे आम रूप, और
नेटवर्क आधारित शोषण और दुर्व्यवहार शांति के लिए सर्वव्यापी प्रतीत होता है।
हालांकि, हस्तक्षेपकर्ताओं की भागीदारी के विभिन्न स्तरों के साथ संचालन किया जाता है।
नेटवर्कों का संगठन। बलात्कार और सुनियोजित, क्रूर दुर्व्यवहार दिखाई देते हैं।
हालांकि कम रिपोर्टिंग, कलंक और संस्कृतियों के कारण यह कम आम है।
चुप्पी का मतलब यह हो सकता है कि इन घटनाओं के बारे में सुनी-सुनाई बातें खुलकर साझा न की जाएं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के अन्य रूपों की तुलना में। अंत में, अंतर-
बोस्निया और अन्य देशों में यौन दुर्व्यवहार के अनुभवों के बीच अंतर

तिमोर-लेस्ते उन तरीकों पर प्रकाश डालता है जिनसे असंख्य स्थानीय, ऐतिहासिक,

और
अंतर्राष्ट्रीय, मानक और प्रणालीगत कारक परस्पर क्रिया करते हैं और अलग-अलग तरीके से काम करते हैं।
प्रत्येक विशेष संदर्भ में अलग-अलग यौन पैटर्न उत्पन्न करने के लिए।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार।

तो, यौन दुर्व्यवहार के इन विभिन्न रूपों का क्या प्रभाव पड़ा?
बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में शांति निर्माण के परिणामों पर क्या प्रभाव पड़ा है? यह इसी से संबंधित है।
अगला अध्याय इसी प्रश्न पर केंद्रित होगा।

3

हालात और भी बदतर हो रहे हैं

दीर्घकालिक प्रभाव
यौन शोषण और दुर्व्यवहार

2012 में, संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की-मून ने एक टीम को नियुक्त किया।
तीन विशेषज्ञों को जोखिमों की जांच और मूल्यांकन करने और प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए नियुक्त किया जाएगा।
2003 के शून्य-सहिष्णुता बुलेटिन और उससे संबंधित संयुक्त राष्ट्र नीतियों का उल्लेख करते हुए
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम पर। टीम को निम्नलिखित कार्य सौंपे गए थे:
लगातार चल रहे चार प्रमुख शांतिरक्षा अभियानों की जांच करना
संयुक्त राष्ट्र संगठन में यौन दुर्व्यवहार के आरोपों की दर सबसे अधिक रही।
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संगठन स्थिरीकरण मिशन
हैती में संयुक्त राष्ट्र स्थिरीकरण मिशन, लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन और दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन। इन चारों मिशनों ने मिलकर इसका हिसाब रखा।

रिपोर्ट किए गए सभी यौन शोषण और दुर्व्यवहार के आरोपों में से 85 प्रतिशत
संयुक्त राष्ट्र। विशेषज्ञ दल ने अपनी रिपोर्ट महासचिव को सौंपी।
नवंबर 2013 में, लेकिन रिपोर्ट, जो प्रतिक्रियाओं की कड़ी आलोचना करती थी
संयुक्त राष्ट्र सचिवालय और सैन्य योगदान देने वाले देशों द्वारा यौन दुर्व्यवहार के
मामलों में...
शांति अभियानों में शामिल, इसे कभी आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया;
एनजीओ एड्स-
फ्री वर्ल्ड ने 2013 में इसकी एक लीक हुई प्रति प्रकाशित की थी।
रिपोर्ट की शुरुआत इस दावे से हुई कि यौन शोषण और
दुर्व्यवहार को संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के लिए "सबसे महत्वपूर्ण खतरा" माना गया है।
हालात और भी बदतर हो गए 73

मिशन, अन्य प्रमुख जोखिमों के अलावा, जिनमें सुरक्षा भी शामिल है।
नागरिकों।" 1 दो साल से भी कम समय बाद, इसी तरह की एक समीक्षा शुरू की गई
थी
अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा बलों द्वारा यौन दुर्व्यवहार की जांच करें
मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने भी इसी तरह के दावे किए, यह तर्क देते हुए कि यौन
शांति सैनिकों द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार (और खराब संस्थागत पुनर्निर्माण)
इस पर प्रतिक्रिया देते हुए) “[यह] शांति रक्षकों के महत्वपूर्ण और मूल्यवान कार्य को
कलंकित करता है।”
कुल मिलाकर, . . . यह विश्वास के रिश्ते को गंभीर रूप से खतरे में डालता है
नागरिक आबादी, सैन्य योगदान देने वाले देश, संयुक्त राष्ट्र और अंतर-
राष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करता है और शांति स्थापना की स्थिरता को कमजोर
करता है।
लंबी अवधि में मिशन।" 2 हालाँकि, इन दावों के बावजूद, न तो
न तो संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट और न ही अकादमिक शोध ने इस बात की जांच की है
कि यौन शोषण कैसे होता है।
दुर्व्यवहार और शोषण शांतिरक्षा अभियानों और उनकी स्थिरता को कमजोर करता है।
उनके लक्ष्यों और उपलब्धियों की गुणवत्ता। यह अध्याय उस कमी को पूरा करने का

प्रयास करता है।
इस प्रकार के व्यवहारों के सूक्ष्म और मिशन-स्तरीय प्रभावों के संबंध में
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वाले।

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा वेबसाइट के अनुसार, शांतिरक्षा के पाँच प्रमुख पहलू हैं।
लक्ष्य: सशस्त्र संघर्ष से नागरिकों की रक्षा करना (विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए)
बाल संरक्षण और संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा पर); संघर्ष को रोकने के लिए-
मानवीय पीड़ा को कम करने और स्थिर एवं समृद्ध समाज का निर्माण करने के उद्देश्य से संघर्ष।
समाजों को सशक्त बनाना और लोगों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने में सक्षम बनाना; शासन को मजबूत करना
राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर कानून और सुरक्षा संस्थानों के, ताकि
स्थायी शांति की स्थापना का समर्थन करना; रक्षा और प्रोत्साहन देना
मानवाधिकारों के लिए; और महिलाओं को शांति प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए।
और राजनीतिक और चुनावी प्रणालियों में महिलाओं की भागीदारी की वकालत करना। 3
ये लक्ष्य व्यापक रूप से उन सभी शांति अभियानों पर लागू होते हैं जिन्हें अनिवार्य किया गया है।
संयुक्त राष्ट्र और क्षेत्रीय संगठनों में ये विचार परिलक्षित होते हैं और अधिकांश मिशनों में भी दिखाई देते हैं।
आदेश। तो यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े व्यवहार किस प्रकार से...
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वाले लोग इन व्यापक लक्ष्यों की प्राप्ति को प्रभावित करते हैं।
मेज़बान देशों में? यह अध्याय इस तरह के विस्तृत विश्लेषण पर आधारित है।
पिछले अध्याय में बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में व्यवहारों का अध्ययन करने के लिए इस प्रश्न का उत्तर दें। मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित साक्षात्कारों का भी सहारा लेता हूँ।
विशेष रूप से जॉर्जिया में मानवीय समुदाय सहित आदरणीय समुदायों को सम्मानित

किया जाता है।
नेवादा और संयुक्त राष्ट्र तथा न्यूयॉर्क में स्थित संबंधित संगठन और मिशन।
मैं इस प्राथमिक डेटा को यौन प्रभावों के विवरणों के साथ मिलाकर विश्लेषण करता हूँ।
मीडिया में प्रकाशित और व्यापक स्तर पर प्रसारित दुर्व्यवहार
शैक्षणिक छात्रवृत्ति।
मेरे द्वारा किए गए शोध से पता चलता है कि ये प्रभाव इस प्रकार कार्य करते हैं।
तीन स्तर, जिनमें से प्रत्येक पर इस पुस्तक के अध्याय 3 के क्रमिक अनुभागों में चर्चा की गई है।

अध्याय: व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर, संरचनात्मक स्तर, और
परिचालन स्तर पर। इनमें से प्रत्येक खंड में, मैं समानताएं पहचानता हूँ।
अन्य शांति अभियानों में यौन दुर्व्यवहार के अनुभवों के कारण,
इसके प्रभावों के बारे में निष्कर्षों को इस प्रकार आधार प्रदान करना कि वे प्रासंगिक बने रहें
इस पुस्तक के दो मुख्य केस स्टडीज़ में, मैं उन तरीकों पर विचार करता हूँ जिनसे
इन प्रभावों से शांति स्थापना के मूल लक्ष्यों की प्राप्ति बाधित होती है।
ऐसे लक्ष्य, जो सुरक्षा स्थापित करने, मानव कल्याण को बढ़ावा देने आदि के इर्द-गिर्द घूमते हैं।
अधिकारों की रक्षा करना, नागरिकों की सुरक्षा करना और संघर्ष प्रभावित राज्यों का समर्थन करना और
समाजों को स्थायी शांति की ओर ले जाना। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके प्रभाव।
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समुदाय की विश्वसनीयता और क्षमता
अगले अध्याय में इस पर चर्चा की जाएगी।

गरीबी और मानवाधिकारों का बढ़ता संकट
दुर्व्यवहार: व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर
यौन दुर्व्यवहार के प्रभाव

यौन दुर्व्यवहार के वृत्तांतों को पढ़ने के बाद शायद यह बात स्पष्ट हो जाती है।
पिछले अध्याय में बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में हस्तक्षेप करने वालों के बारे में बताया गया था कि इस तरह
व्यवहारों का व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।
इसमें शामिल समुदाय। यह स्पष्ट है कि कुछ यौन शोषणकारी और
दुर्व्यवहारपूर्ण व्यवहार पीड़ितों के मानवाधिकारों का प्रत्यक्ष उल्लंघन करता है।
लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सकता है कि ये व्यवहार किस प्रकार हानि पहुंचाते हैं।
शांतिरक्षा अभियानों के घोषित लक्ष्य और मूल्य। सुरक्षा
मानवाधिकार संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख सिद्धांतों में से एक है। वास्तव में, चार्टर ऑफ इंडिया में भी इसका उल्लेख है।
संयुक्त राष्ट्र इस कथन से शुरू होता है कि

हम, संयुक्त राष्ट्र के लोग, दृढ़ संकल्पित हैं
आने वाली पीढ़ियों को युद्ध के प्रकोप से बचाने के लिए, जो दो बार
हमारे जीवनकाल ने मानवता को अथाह दुख दिया है, और
मौलिक मानवाधिकारों, गरिमा और मूल्य में विश्वास की पुष्टि करने के लिए
मानव व्यक्ति के अधिकारों में, पुरुषों और महिलाओं के समान अधिकारों में और
राष्ट्रों के समान अधिकारों में।
बड़े और छोटे... 4

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा उन प्रमुख तरीकों में से एक बन गई है जिनके द्वारा
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय इन लक्ष्यों का अनुसरण करता है, और एक सामान्य सहमति है-
संयुक्त राष्ट्र के नीति निर्माताओं के बीच यह विश्वास है कि प्रभावी शांतिरक्षा और स्थापना...
स्थायी शांति की स्थापना के लिए मानदंडों में सुदृढ़ आधारशिला होना आवश्यक है।
हालात और भी बदतर हो गए 75

मानवाधिकार और लोकतंत्र। 5 दूसरे शब्दों में, मानवाधिकार को माना जाता है
यह उन स्तंभों में से एक है जिन पर स्थिर शांति का निर्माण किया जा सकता है, और

जिसके बिना
राज्यों और समाजों को युद्ध की ओर लौटने का खतरा है। इसके विपरीत,
मानवाधिकारों का उल्लंघन...
इन स्थितियों को हिंसक संघर्ष के अंतर्निहित कारणों में से एक माना जाता है।
यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है, और तैनाती का एक प्रमुख
कारण है।
शांतिरक्षकों का उद्देश्य ऐसे उल्लंघनों को रोकना और उनका समाधान करना है।
जबकि विद्वानों का मानना है कि...
उदार शांतिरक्षा प्रतिमान को चुनौती दी है जो "सार्वभौमिक" देखता है
लोकतंत्र और मानवाधिकार जैसे मूल्यों को स्थायी समाधान के केंद्र में रखना।
गृहयुद्धों के समाधान के बावजूद, इसने प्रतिबद्धता की केंद्रीयता को नहीं बदला है।
संयुक्त राष्ट्र में यह बात सामने आई कि मानवाधिकारों की रक्षा और उन्हें मजबूत
करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।
युद्ध से संक्रमण कर रहे राज्यों के लिए प्रभावी अंतरराष्ट्रीय समर्थन के लिए
महत्वपूर्ण।
शांति। 6 इस विश्वास की पुष्टि, उदाहरण के लिए, 2000 की रिपोर्ट में की गई थी।
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर पैनल (ब्राहिमी रिपोर्ट), 2004 की रिपोर्ट
खतरों, चुनौतियों और परिवर्तन पर उच्च स्तरीय पैनल द्वारा, जिसका शीर्षक है
एक अधिक सुरक्षित दुनिया: हमारी साझा जिम्मेदारी, और 2015 की रिपोर्ट
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय स्वतंत्र पैनल,
"शांति के लिए हमारी शक्तियों को एकजुट करना: राजनीति, साझेदारी और लोग"
शीर्षक से
(हिप्पो रिपोर्ट) 7. अंततः, यह तथ्य कि कुछ शांति रक्षकों को...
गरीबी को बढ़ाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन को बढ़ावा देने में प्रत्यक्ष रूप से
शामिल।
जिन समुदायों की रक्षा के लिए उन्हें भेजा गया है, उन्हीं के खिलाफ हिंसा करना।
इस प्रकार का उल्लंघन उन घोषित मूल्यों और लक्ष्यों के विपरीत है जो इसके
आधारभूत सिद्धांतों का समर्थन करते हैं।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा। तो इसमें यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार कैसे शामिल था?

बोस्निया और तिमोर-लेस्ते अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लक्ष्यों को कमजोर करते हैं।
और व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर मूल्यों का क्या प्रभाव पड़ा?
शांति स्थापना के परिणामों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

साक्षात्कारों से उभरने वाला एक प्रमुख विषय वह महत्वपूर्ण तरीका था जिससे हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किया गया यौन दुर्व्यवहार महिलाओं और बच्चों को सीधे तौर पर प्रभावित करता है।
मानवाधिकार उल्लंघन के अपने अनुभवों को और अधिक जटिल बनाकर इसमें शामिल हैं
ऐसे संदर्भ जहां मानवाधिकार उल्लंघनों की व्यापकता एक प्रमुख कारण है
शांति अभियानों को तैनात किया गया है और जहां कानूनी सहायता उपलब्ध है
या पुलिस चैनल उपलब्ध नहीं हैं। 8 ऊपर दिए गए कई विवरण
इसमें युवा महिलाओं और बच्चों का यौन शोषण या दुर्व्यवहार शामिल था।
विशेष रूप से तिमोर-लेस्ते में—और यह इस तरह की उच्च दरों के अनुरूप है।
अन्य शांतिरक्षा संदर्भों में बच्चों के खिलाफ दुर्व्यवहार की रिपोर्ट की गई है और...
पिछले अध्याय में चर्चा की गई है। बच्चों को पुनः प्राप्त करने में विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार की रिपोर्टिंग, और अपराधियों द्वारा बच्चों को निशाना बनाना
यह इन विशेष कमजोरियों का फायदा उठाता है।

उत्तरी बोस्निया के एरिज़ोना बाज़ार में दास व्यापार के मामले में,
इन मानवाधिकार उल्लंघनों में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी विरोधाभासी थी।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने अमेरिका के बगल में बाजार स्थापित करने में मदद की।
शांति रक्षक अड्डे का उद्देश्य, आपसी संबंध और सद्भाव को बढ़ावा देना है।
युद्ध के दौरान हुए अंतरसामुदायिक हिंसा के बाद बोस्नियाई, सर्ब और क्रोएशियाई लोगों की स्थिति।
इस विश्वास में कि आर्थिक परस्पर निर्भरता आगे की हिंसा को रोकेगी-
हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन। 9 हालाँकि, बाजार जल्दी ही

एक फलते-फूलते काले बाजार में महिलाओं और लड़कियों को खुलेआम नीलामी में बेचा जाता था।
और जहां अवैध मीडिया और गुप्त सूचनाओं के साथ-साथ ड्रग्स और हथियार बेचे जाते थे।
हस्तनिर्मित सामान। 10 अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने बड़े पैमाने पर इस पर आंखें मूंद लीं।
इसके अलावा, शांति रक्षकों ने व्यापार और यातायात में सक्रिय रूप से भाग लिया।
बाजार के माध्यम से महिलाओं का यौन शोषण, क्योंकि इसके प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता है।
आर्थिक एकीकरण के शांति निर्माण संबंधी लाभ। इस प्रकार यह था-
बाजार में हुए मानवाधिकार उल्लंघनों में संलिप्त, उल्लंघन
नागरिकों की सुरक्षा और संवर्धन से संबंधित मिशन के लक्ष्य
युद्धोत्तर राज्य और समाज में मानवाधिकार।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रत्यक्ष स्वास्थ्य प्रभाव भी थे।
मानवाधिकारों के लिए प्रासंगिक। तिमोर के एक गैर सरकारी संगठन के निदेशक, जो इस क्षेत्र में काम करता है।
सुरक्षा और हिंसा के मुद्दों पर उन्होंने बताया कि उन्हें कई बातों की जानकारी थी।
महिलाओं के एचआईवी से संक्रमित होने के मामले, यौन संबंधों के परिणामस्वरूप हस्तक्षेपकर्ता। 11 तिमोर की यौनकर्मी सामूहिक के समन्वयक भी
इस मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने बताया कि शांति रक्षक अक्सर किसी भी प्रकार की सुरक्षा की मांग नहीं करते थे।
यौन संबंध के दौरान, कभी-कभी वे इसके लिए भुगतान की जा रही उच्च दरों का हवाला देते थे।
इसका औचित्य सिद्ध करें। 12 हस्तक्षेपकर्ताओं से यौन संचारित संक्रमणों का होना
इससे महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की असुरक्षा और भी बढ़ गई।
इसमें शामिल होने के गंभीर मानवाधिकार निहितार्थ हैं। बढ़ती रिपोर्टों के अनुसार
एचआईवी और अन्य यौन संचारित संक्रमण और रोग दोनों
यौन शोषण के परिणामस्वरूप स्थानीय आबादी और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को नुकसान पहुंचता है।
और दुर्व्यवहार के मामले अन्यत्र भी दर्ज किए गए हैं। 13
इसके अलावा, वेश्यावृत्ति में लिप्त महिलाओं के मामलों में...

हस्तक्षेपकर्ताओं के मामले में, इस तरह के शोषण पर पुलिस की प्रतिक्रिया अक्सर उन्हें खतरे में डाल देती है।
मानवाधिकारों के उल्लंघन में वृद्धि का खतरा। उदाहरण के लिए, जब पुलिस ने शुरू किया
तिमोर-लेस्ते में अवैध वेश्यालयों को निशाना बनाते हुए, वहां काम करती पाई गई महिलाओं में
उन्हें अक्सर मनमाने ढंग से हिरासत में लिया जाता था और वीजा उल्लंघन के लिए उन पर मुकदमा चलाया जाता था।
संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार इकाई की आपत्तियों के बावजूद, 14 इसी प्रकार,
बोस्निया में, आईपीटीएफ और राष्ट्रीय पुलिस की छापेमारी के दौरान महिलाओं को गिरफ्तार किया गया।
वेश्यालय—जिनमें से अधिकांश मानव तस्करी की शिकार थीं—अक्सर समस्याओं का सामना करते थे।

मानवाधिकारों का और अधिक उल्लंघन हुआ। कुछ लोगों ने उनका साक्षात्कार लिया।
वही आईपीटीएफ कर्मचारी जिनके द्वारा जबरन काम करने के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया था
वेश्यावृत्ति, मानव तस्करी पीड़ितों को मिलने वाले अधिकारों और सुरक्षा से वंचित करना।
अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत हकदार, वीजा संबंधी अपराधों के लिए अभियोजित, अभियोजक-
संस्थागत दंड, या सार्वजनिक नैतिकता के विरुद्ध अपराध, और कभी-कभी देश से निर्वासित कर दिया जाता है।
देश की। 15 इन प्रतिक्रियाओं के परिणामस्वरूप, कई महिलाएं थीं
आगे शोषण के खतरे में: एक मानव तस्करी विरोधी संस्था के निदेशक
बोस्निया में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) जिसने अंतर्राष्ट्रीय संगठन में भी काम किया था
प्रवासन मंत्रालय के मानव तस्करी विरोधी कार्यक्रमों ने बताया कि इनमें से कई

गिरफ्तार महिलाएं अक्सर उन्हीं बारों में वापस जाना पसंद करती थीं जहां उन्हें गिरफ्तार किया गया था।
आईपीटीएफ जांचकर्ताओं को तस्करी के बारे में सच्चाई से बताने के बजाय...
उन्होंने यौन संबंध बनाने के लिए इसलिए हाथ-पैर मारे क्योंकि वे इसके परिणामों से भयभीत थे।
चेहरा। 16 उसने यह भी याद किया कि कुछ मामलों में, महिलाओं को वापस भेज दिया गया था।
या तो पुलिस ने स्वयं उनके "मालिकों" को पकड़ लिया, या उन्हें देश से निर्वासित कर दिया गया।
और इस प्रकार उन्हें उसी गिरोह द्वारा दोबारा तस्करी किए जाने का तत्काल खतरा पैदा हो जाता है।
वे नेटवर्क जिन्होंने मूल रूप से उनका शोषण किया। योगदान देने वाले कारकों में से एक-
इस खराब प्रतिक्रिया का कारण पुलिस और दोनों की आम धारणा थी।
स्थानीय समुदाय का मानना था कि तस्करी की गई महिलाएं "सहमत वेश्याएं" थीं।
और इसलिए मानवाधिकार आधारित प्रतिक्रिया के हकदार नहीं थे—जो
यह मानवाधिकारों की संस्कृति को स्थापित करने के बारे में संयुक्त राष्ट्र के लक्ष्यों के विपरीत है।
युद्धोत्तर राज्यों और समाजों में। 17 सहायता को लेकर 2018 का ऑक्सफैम घोटाला।
हैती में कामगारों द्वारा यौन संबंध खरीदने की प्रथा यौन शोषण के तरीकों को और भी उजागर करती है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार, और इसके प्रति संस्थागत प्रतिक्रियाएँ,
इससे शामिल महिलाओं के लिए जोखिम और बढ़ सकता है, खासकर ऐसे संदर्भों में।
जहां वेश्यावृत्ति गैरकानूनी है, जैसा कि हैती में है: वहां की मांगें बहुत अधिक थीं।
घोटाले के बाद राष्ट्रीय अधिकारियों को मामलों के बारे में सतर्क किया जाना चाहिए।
वेश्याओं के साथ संबंध रखने वाले विदेशी इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि इससे किस तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।
महिलाओं को न केवल अभियोजन का बल्कि आगे के शोषण का भी अधिक खतरा

है।
पुलिस द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार।
मानवाधिकारों के उल्लंघन को सीधे तौर पर बढ़ाने के अलावा
पीड़ितों के साथ-साथ हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार भी शामिल है।
इससे पीड़ितों का समाज में गहरा कलंक लग गया और कभी-कभी, इसके
परिणामस्वरूप...
इससे उनके परिवारों को और भी अधिक नुकसान हुआ, जिससे उनकी कमजोरियां
और भी बढ़ गईं।
उदाहरण के लिए, तिमोर-लेस्ते में, जिन लड़कियों ने लेन-देन के आधार पर यौन संबंध
बनाए थे,
हस्तक्षेपकर्ताओं को अक्सर अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए स्कूल वापस लौटना
मुश्किल लगता था।
इसका उनके और उनके आर्थिक भविष्य पर स्थायी प्रभाव पड़ेगा।
परिवार और समुदाय। 18 कुछ को उनके समुदायों से बाहर निकाल दिया गया 78
अध्याय 3

और अंततः उनका भरण-पोषण करने के लिए दिली में यौन उद्योग में काम करने
लगीं।
स्वयं और कभी-कभी उनके बच्चे। 19 इसके अलावा, जैसा कि चर्चा की जाएगी
कुछ ही समय में, कमजोर महिलाएं वेश्यावृत्ति में शामिल हो गईं, क्योंकि यह उनके
लिए एक सहारा बन गया था।
गरीबी के माहौल में अपना गुजारा करना उनके लिए मुश्किल था।
इससे बाहर निकलने के लिए, भले ही वे ऐसा करना चाहते थे। 20 हालाँकि ये विशेष
समस्याएं-
बोस्निया में समझौते उतने स्पष्ट नहीं थे, संभवतः विभिन्न परिस्थितियों के कारण।
वहां यौन शोषण और दुर्व्यवहार के जो रूप देखने को मिले, उनमें कुछ समानताएं थीं।
साक्षात्कारकर्ताओं में से एक वकील थे जिन्होंने मानवाधिकारों पर व्यापक रूप से
काम किया था।
कानून के शासन और शरणार्थियों की वापसी के बारे में बताते हुए, उन्होंने कुछ बच्चों

को पीछे छूट जाने की बात कही।
देश में तैनात शांति सैनिकों द्वारा छोड़े गए बच्चों को उनकी माताओं ने गोद लेने के लिए दे दिया।
युद्धकालीन बलात्कार से पैदा हुए उतने ही बच्चों को गोद लिया गया। 21 अन्य
यह भी ध्यान दिया गया कि जिन महिलाओं का शांति सैनिकों के साथ संबंध रहा था, वे भी
कभी-कभी उन्हें दीर्घकालिक कलंक का सामना करना पड़ता था और उन्हें अवसरवादी समझा जाता था।
जिसने अनैतिक कार्य किया था—हालांकि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह
युद्धोत्तर संबंधों के संदर्भ में, न कि उस दौरान के लेन-देन संबंधी यौन संबंधों के संदर्भ में।
और युद्ध के तुरंत बाद। 22 इसी तरह, तिमोर में कई साक्षात्कारकर्ताओं ने-
लेस्टे ने रिश्तों की पारंपरिक अपेक्षाओं का हवाला देते हुए सुझाव दिया
कि जिन महिलाओं ने हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार या शोषण का अनुभव किया था या
उनके साथ सहमति से बने संबंधों में शामिल होने के सीमित अवसर थे।
सामाजिक कलंक के कारण भविष्य में रिश्तों या शादी के लिए संभावनाएं सीमित हो जाती हैं।
कई साक्षात्कारकर्ताओं ने उल्लेख किया कि "शांति के लिए जन्मे बच्चे" पीछे छूट गए थे।
इससे परिवारों और समुदायों में अतिरिक्त तनाव पैदा हुआ, न केवल
अविवाहित माताओं से जुड़ी शर्मिंदगी के कारण ही नहीं, बल्कि इसलिए भी कि
अब परिवारों को पहले से ही खराब हालत में एक अतिरिक्त सदस्य का पेट पालना पड़ रहा था।
एक ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके परिणामस्वरूप कुछ मामलों में परिवार के भीतर और परिवार के भीतर ही मतभेद पैदा हो गए।
सामुदायिक संघर्ष।
कुछ संदर्भों में, यह कलंक और इसके प्रभाव पीढ़ी दर पीढ़ी बने रह सकते हैं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार से पैदा हुए बच्चे भी हाशिए पर धकेल दिए जाते हैं।

उन्हें अपने परिवार और समुदाय से भी अलग होना पड़ा और आगे भी भेदभाव का सामना करना पड़ा।
तिमोर-लेस्ते में, शांति स्थापना के बाद जन्मे बच्चे जमीन के उत्तराधिकारी नहीं बन सकते क्योंकि यह वंशानुगत रूप से हस्तांतरित होती है।
पिता के वंश के माध्यम से; वे जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं।
पिता का नाम न होने के कारण बच्चों के जन्म और मृत्यु दर पर असर पड़ता है।
शिक्षा की संभावनाएं; अगर वे ऐसे दिखते हैं तो उनके साथ नस्लवाद होने की संभावना अधिक होती है।
अन्य तिमोर के बच्चों से काफी अलग; और उनमें कुछ भिन्नताएँ हो सकती हैं-
वे सामाजिक कलंक के डर से शादी करने में हिचकिचाते हैं। 23
इस विश्लेषण ने यह स्पष्ट किया है कि हस्तक्षेप करने वालों द्वारा यौन दुर्व्यवहार किस प्रकार होता है।
बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में लोगों का रवैया उन मूल्यों और लक्ष्यों के विपरीत था जो
हालात और भी बदतर हो गए 79

संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों को गति प्रदान की गई। वास्तव में, ऐसे मानवाधिकार ये उल्लंघन संयुक्त राष्ट्र के मूल उद्देश्य, यानी "पुनः-
मौलिक मानवाधिकारों में, गरिमा और मूल्य में विश्वास की पुष्टि करें
मानव व्यक्तित्व।" इसके निहितार्थ न केवल पीड़ितों पर ही पड़ते हैं।
न केवल वे स्वयं, बल्कि उनके परिवार और समुदाय, दीर्घकालिक और अंतर्संबंधों के साथ-
पीढ़ीगत प्रभाव। इसके अलावा, जब संयुक्त राष्ट्र यह सुनिश्चित करने में विफल रहता है कि उसका
हस्तक्षेपकर्ता के दुर्व्यवहार पर प्रतिक्रियाएँ मानवाधिकार आधारित सिद्धांतों पर आधारित होती हैं।
यदि यह दृष्टिकोण अपराधियों को जवाबदेह ठहराने में विफल रहता है, तो यह इस व्यवस्था को कमजोर करता है।
इस दावे की विश्वसनीयता कि संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकारों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है

मानवाधिकारों का सम्मान करना और प्रभावी कार्यप्रणाली के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।
शांति स्थापना। इस पर अगले भाग में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

यौनिकता की संस्कृतियों और अर्थव्यवस्थाओं को समाहित करना
शोषण और दुर्व्यवहार: संरचनात्मक
यौन दुर्व्यवहार के प्रभाव

व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर प्रभावों के अलावा, लिंग-
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के महत्वपूर्ण संरचनात्मक निहितार्थ हैं।
मेजबान समाजों की संस्कृतियों, अर्थव्यवस्थाओं और संस्थाओं पर आधारित समझौते।
इसके प्रभाव सीधे तौर पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लक्ष्यों को कमजोर करते हैं।
कानून के शासन को मजबूत करने और मानवाधिकारों की संस्कृति को स्थापित करने के लिए
स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर, जिन्हें स्थापना के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।
स्थायी शांति के। जैसा कि जेरेमी फैरल ने प्रदर्शित किया है, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा-
1992 से ही नगर परिषद ने कानून के शासन में बढ़ती रुचि दिखाई है।
और वह इस शब्द का प्रयोग विभिन्न रूप से कानून की पुनर्स्थापना के संदर्भ में करता है।
गृहयुद्धों के बाद व्यवस्था संस्थाओं को स्थापित करना, अपराधों के लिए दंडमुक्ति को समाप्त करना, समर्थक-
मानवाधिकारों की रक्षा और संवर्धन तथा सिद्धांतवादी शासन
व्यापक रूप से, जिसमें भ्रष्टाचार उन्मूलन के प्रयास शामिल हैं। 24 कानून का शासन है
शांतिरक्षा जनादेश और सिद्धांत की एक सामान्य विशेषता बन गई है
परिणाम। ब्राहिमी रिपोर्ट ने समग्र दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।
कानून के शासन को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए मिशन दृष्टिकोण और पुनर्स्थापना

प्रभावी शांतिरक्षा के आधारशिला के रूप में मानवाधिकारों के प्रति सम्मान। 25
HIPPO रिपोर्ट ने एक कदम आगे बढ़ते हुए तर्क दिया कि सुरक्षा क्षेत्र में सुधार आवश्यक है।
प्रभावी शांतिरक्षा के लिए यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस क्षेत्र में व्यवधान उत्पन्न करने की क्षमता है।
शांति भंग हो सकती है, और इसमें नीति में महत्वपूर्ण बदलाव शामिल होना चाहिए।
पुलिस विकास और सुधार का समर्थन करने के लिए दृष्टिकोण जो अध्याय 3 में 80 को एकीकृत करता है

मानवाधिकार और कानून के शासन की क्षमताएँ। 26 वास्तव में, इसने तर्क दिया कि अतीत
शांतिरक्षा अभियान जो कानून के शासन की क्षमता विकास पर केंद्रित थे-
मानवाधिकारों पर उचित ध्यान दिए बिना किए गए प्रशासन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में असमर्थ रहे।
स्थिर शांति की स्थापना के लिए संस्थागत सुधार आवश्यक है, और
कि "शांति अभियानों को यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि कानून का शासन सुचारू रूप से चले-
मानवाधिकारों की रक्षा करने वाले तरीके से कार्य करता है, जिसमें समस्याओं का समाधान करना भी शामिल है।
दंड। बोस्निया और तिमोर-लेस्ते दोनों में 27 मिशनों को कानून का शासन दिया गया।
अनिवार्यताओं के बावजूद, यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अंजाम देना...
उन मिशनों से जुड़े हस्तक्षेपकर्ताओं ने सांस्कृतिक, आर्थिक,
और संरचनात्मक परिणाम जिन्होंने मौलिक रूप से क्षमता को कमजोर कर दिया
उन मिशन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, जिससे दीर्घकालिक शांति को कमजोर किया जा सके।
परिणामस्वरूप निर्माण।
साक्षात्कारकर्ताओं के साथ हुई चर्चाओं के दौरान एक विषय प्रमुखता से सामने आया-
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार के प्रभावों के बारे में जो जानकारी सामने आई, वह यह थी कि

सबसे पहले मौजूदा संस्कृतियों और अर्थव्यवस्थाओं के विस्तार में योगदान दिया।
दुर्व्यवहार और शोषण से लेकर युद्धोत्तर काल में उनकी मजबूत पकड़ तक।
समाज और राज्य। उदाहरण के लिए, उठाई गई शिकायतों में से एक में कई मुद्दे
उठाए गए थे।
तिमोर-लेस्ते में स्थानीय और विदेशी दोनों उत्तरदाताओं द्वारा बार-बार यही बात कही गई थी कि
शांति सैनिकों ने लड़कों को महिलाओं और लड़कियों का यौन उत्पीड़न करना सिखाया।
सड़क, और परिणामस्वरूप यह एक बहुत ही आम बात हो गई है-
विशेष रूप से दिली में दैनिक जीवन के पहलू। 28 यह स्पष्ट रूप से असंभव है कि इसे चित्रित किया जाए।
यहां एक सीधा कारण-कार्य संबंध है, क्योंकि उत्पीड़न निश्चित रूप से पहले से मौजूद था।
शांति सैनिकों की तैनाती और यौन हिंसा के दस्तावेजी प्रमाणों के आधार पर...
इंडोनेशिया के कब्जे के दौरान व्यापक रूप से होने का उल्लेख किया गया है। 29 कभी नहीं-
फिर भी, यह ध्यान देने योग्य है कि कई तिमोर भाषी उत्तरदाताओं का मानना था कि हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा की गई उत्पीड़नकारी गतिविधियों ने उन व्यवहारों को बढ़ावा दिया।
स्वतंत्रता के बाद तिमोर के समाज में और भी अधिक गहराई से जड़ें जमा लीं।
इसके अलावा, कई अंतरराष्ट्रीय उत्तरदाताओं ने सुझाव दिया कि उत्पीड़न-
तिमोर के पुरुषों और लड़कों द्वारा विदेशी महिलाओं के प्रति दिखाई जाने वाली भावनाओं में वृद्धि हुई है।
महत्वपूर्ण रूप से, संभवतः कुछ पुरुष हस्तक्षेपकर्ताओं के व्यवहार के कारण
प्रारंभिक मिशनों में इस धारणा को बल मिला कि सभी विदेशी
वे अत्यधिक कामुक थे और यौन संबंधों के प्रति उनका रवैया "अधिक खुला" था।
तिमोर के एक वरिष्ठ लिंग विशेषज्ञ ने तर्क दिया कि पुरुषों के कुछ समूह सोचते हैं
“अगर वे [संयुक्त राष्ट्र] हमारी महिलाओं के साथ ऐसा करेंगे, तो हम भी उनकी महिलाओं के साथ ऐसा ही करेंगे।” 30 यह

रिपोर्ट के अनुसार, इसने कुछ विदेशी महिलाओं के सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने के तरीके को प्रभावित किया है।
स्थानीय लोगों से बातचीत करने और उनके रोजमर्रा के जीवन में उनके साथ जुड़ने के लिए स्थान तलाशें।
तिमोर में काम कर रहा हूँ।

इसी तरह, एक तिमोरियन उत्तरदाता जिसने व्यापक स्तर पर काम किया था-
संयुक्त राष्ट्र मिशन की आचरण और अनुशासन इकाई के साथ मिलकर काम करने से यह सुझाव दिया गया कि
संबंध स्थापित करने में कुछ हस्तक्षेपकर्ताओं का शोषणकारी व्यवहार
विवाह के झूठे वादों पर आधारित विवाह ने ऐसे पूर्व संबंधों को सामान्य बनाने में योगदान दिया।
तिमोर के पुरुषों के बीच शोषणकारी और कपटपूर्ण संबंध, जिनमें से कुछ
काम के सिलसिले में दिली जाने पर राष्ट्रीय कर्मचारियों द्वारा दूसरी शादी करने के साथ,
पिछले अध्याय में चर्चा किए गए समान निहितार्थ। 31 इसी तरह की कहानियां
तिमोर-लेस्ते रक्षा बल के कर्मियों के बारे में बताया गया। 32 और एक राष्ट्रीय
वह कर्मचारी जिसने हिंसा के मुद्दों पर व्यापक रूप से काम किया था
महिलाओं ने सुझाव दिया कि ओकुसे में कुछ तिमोर के पुरुषों ने इस व्यवहार की नकल की।
वहाँ तैनात शांति सैनिकों, विशेष रूप से जोर्जिन-
डेनिश दल ने कई बलात्कार और महिलाओं की तस्करी की घटनाओं को अंजाम दिया।
पश्चिमी तिमोर की सीमा पार से यौन संबंध के लिए। 33

यह दर्शाता है कि यौन हिंसा और दुर्व्यवहार के संदर्भ में, किस प्रकार
महिलाओं और बच्चों की संख्या पहले से ही बहुत अधिक थी, हस्तक्षेप करने वाले लोग उन पर अत्याचार करते थे।
पहले से ही कमजोर लोगों का यौन शोषण और दुर्व्यवहार किया गया

संस्कृतियों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण में योगदान दिया।
स्थानीय समुदायों में यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और शोषण। 34 यह
इसका मतलब यह नहीं है कि ये व्यवहार तिमोर-लेस्ते के लिए नए थे; वे पहले से ही मौजूद थे।
नहीं। लेकिन जिन लोगों का मैंने साक्षात्कार लिया, उनके बयानों से पता चलता है कि मॉडलिंग के माध्यम से
स्वतंत्रता और शांति की ओर संक्रमण के दौरान ऐसे व्यवहार, जो
यह भेदभाव के स्वरूपों को चुनौती देने और बदलने का एक अवसर था।
हिंसा और हस्तक्षेपकर्ताओं ने युद्धोत्तर नए पैटर्न बनाने में योगदान दिया।
पुरुषों द्वारा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा और दुर्व्यवहार करने के कृत्यों के संबंध में।
और ऐसे व्यवहारों के लिए दंडमुक्ति से जुड़े मानदंड। यह महत्वपूर्ण रूप से
यह मानवाधिकारों और संरक्षण के कई दीर्घकालिक लक्ष्यों को कमजोर करता है।
शांति अभियानों और मानवीय एवं विकास प्रक्रियाओं के
उनसे जुड़े हुए।

इसी प्रकार, हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण ने भी इसमें योगदान दिया।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की अर्थव्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण। हालाँकि
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ता ही उपस्थिति के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं हैं
नेटवर्क आधारित शोषण और दुर्व्यवहार, बोस्निया और तिमोर-लेस्ते के मामले
यह प्रदर्शित करना कि हस्तक्षेपकर्ताओं का आगमन किस प्रकार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है
नेटवर्क आधारित शोषण के इन रूपों का प्रसार और इसके परिणामस्वरूप होने वाली वृद्धि...
संबद्ध अर्थव्यवस्थाओं का विभाजन। अन्य योगदान कारक प्रत्यक्ष हैं।
युद्ध के परिणाम, अर्थात् अर्थव्यवस्थाओं, कानून और व्यवस्था का पतन, और
परंपरागत सामाजिक सुरक्षा जाल। 35 शुकुको क्योमा और हेनरी मर्टिनन 82
अध्याय 3

अध्ययनों से पता चला है कि यूएनटीएटी के आगमन ने विकास की शुरुआत की।

तिमोर-लेस्ते में एक अंतरराष्ट्रीयकृत यौन उद्योग, जबकि कैथलीन जेनिंग्स
और वेस्ना निकोलिक-रिस्तानोविच ने विकास के बारे में इसी तरह के निष्कर्ष निकाले हैं।
बोस्निया, कोसोवो, लाइबेरिया और हैती में यौन कार्य अर्थव्यवस्थाओं का विकास और निष्कर्ष निकाला गया कि ये अर्थव्यवस्थाएँ शांति अभियानों की तुलना में कहीं अधिक समय तक टिकी रहती हैं।
जो उनके निर्माण में मदद करते हैं। 36 ये अर्थव्यवस्थाएँ दोनों ही पक्षों पर निर्भर करती हैं और उन्हें बाध्य भी करती हैं।
विभिन्न व्यक्तियों और समूहों की व्यापक भागीदारी, जो इसमें योगदान देती है
उनकी उल्लेखनीय दीर्घायु, लचीलापन और पालतू न बनाए जा सकने की क्षमता
भविष्य में कानूनी और न्यायिक ढांचों के माध्यम से।
मेरे निष्कर्ष इन पिछले अध्ययनों से काफी हद तक मेल खाते हैं: बोस्निया में, स्थानीय
विशेषज्ञों ने तर्क दिया कि यद्यपि रोमा लोगों की कुछ तस्करी हुई थी
लोग सड़कों के कोनों पर भीख मांगते थे, यौन तस्करी लगभग अज्ञात थी।
अंतर्राष्ट्रीय बलों के आगमन से पहले देश की स्थिति, और उसके बाद की स्थिति...
अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति में कमी और तस्करी विरोधी उपायों की शुरुआत।
तस्करी कानूनों, तस्करी नेटवर्क जिन्होंने खुद को मजबूत किया
शांति अभियानों के दौरान अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति का लाभ उठाना
उन्होंने अपने व्यावसायिक मॉडलों को समायोजित कर लिया। 37 उदाहरण के लिए, एक वरिष्ठ बोस्नियाई
सरकारी अधिकारी ने याद दिलाया कि कई मौजूदा व्यवसाय, जैसे कि रेस्तरां-
रेस्तरांओं ने अपने व्यापार मॉडल का विस्तार करते हुए उसमें वेश्यावृत्ति को भी शामिल कर लिया।
महामारी के दौरान बढ़ती मांग के जवाब में उन्होंने अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाया।
हस्तक्षेप। 38 अब, एक गंतव्य देश होने के बजाय, बोस्निया एक
श्रम और यौन शोषण दोनों के लिए मानव तस्करी के स्रोत और पारगमन देश,
हालांकि अभी भी कुछ हद तक बच्चों की तस्करी देश में होती है।
पड़ोसी राज्यों में जबरन श्रम और भीख मांगने के लिए। इसके अलावा, जेन-
जैसा कि निंग और निकोलिक-रिस्तानोविच ने दिखाया है, एक मजबूत की स्थापना

बोस्निया में यौन उद्योग अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं की मांगों को पूरा करने के लिए बनाया गया है।
इसने एक मजबूत संगठित अपराध अर्थव्यवस्था को जन्म दिया जो यौन शोषण के इर्द-गिर्द घूमती थी।
उद्योग। उस उद्योग ने इसमें शामिल कई लोगों के लिए आय का सृजन किया और परिणामस्वरूप इसे "पूरक या विकल्प के रूप में स्वीकार कर लिया गया है"
अक्षम औपचारिक अर्थव्यवस्था, जो पिछले कई वर्षों से लगातार संचालित हो रही है, यद्यपि संशोधित रूपों में। 39 यह दर्शाता है कि मौजूदा नेटवर्क ने कैसे काम किया।
आगमन के साथ उत्पन्न हुए नए आर्थिक अवसरों का लाभ उठाना
अंतर्राष्ट्रीय ताकतों और उन्होंने इन अर्थव्यवस्थाओं को कैसे अनुकूलित किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके
अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति में गिरावट आने पर भी लाभ जारी रहा।
तिमोर-लेस्ते में किए गए शोध में भी इसी तरह के निष्कर्ष सामने आए। आगमन से पहले
यूएनएएमईटी का, जिसने स्वतंत्रता जनमत संग्रह का समन्वय और संचालन किया। 1999 में, देश में वेश्यावृत्ति होती तो थी, लेकिन उसे न तो औपचारिक रूप दिया गया था।

कई स्थानीय विशेषज्ञों के अनुसार, जो इस पर प्रतिक्रिया दे चुके हैं, यह दिखाई भी नहीं देता है।
देश में यौन शोषण के मुद्दे। 40 यूएनएएमईटी के आने के बाद,
स्थानीय लड़कियों और महिलाओं तथा मिशन कर्मियों के बीच यौन संबंध, जिसमें पैसों का लेन-देन भी शामिल है।
विशेष रूप से पुर्तगाली दल के कारण, अधिक विकास हुआ।
व्यापक लेन-देन आधारित यौन अर्थव्यवस्थाओं और अंततः औपचारिकीकरण की ओर-
उन अर्थव्यवस्थाओं के विकास के कारण वेश्यालय खोले गए, साथ ही मसाज पार्लर भी खोले गए।

कराओके बार और यौन सेवाएं प्रदान करने वाले होटल। समय के साथ, जैसे-
यौन संबंध की मांग बढ़ने के साथ ही आपराधिक गिरोह महिलाओं की तस्करी करके उन्हें तिमोर भेजने लगे।
लेस्ते क्षेत्र से और टैक्सी ड्राइवरों और स्थानीय पुरुषों के साथ काम करने के लिए यौन उद्योग में काम करने के लिए अधिक तिमोर महिलाओं को प्राप्त करना। कुछ मामलों में,
यह खरीद प्रक्रिया वास्तविक समय में हुई, आपूर्ति की कमी के जवाब में।
इन स्थानों पर महिलाएं पैसे लेकर यौन संबंध बनाने की पेशकश कर रही हैं। 41
यौन सेवाओं की बढ़ती आपूर्ति और यौन गतिविधियों का सुदृढ़ीकरण
तिमोर-लेस्ते में उद्योग ने कथित तौर पर बाल यौन शोषण करने वालों को भी आकर्षित किया है।
दुनिया के अन्य हिस्सों से आए यौन पर्यटक जिन्होंने इस कमी का फायदा उठाया
प्रभावी विनियमन और कानून प्रवर्तन के। उदाहरण के लिए, एक अंतरराष्ट्रीय-
PRADET के राष्ट्रीय कर्मचारी, जो पीड़ितों को सहायता प्रदान करने वाला एक गैर सरकारी संगठन है।
घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, बाल शोषण और मानव तस्करी के मामलों में।
इंग ने बताया कि 2005-06 में एक होटल में रहते हुए, कर्मचारियों ने उनसे अनुरोध किया था।
एक अस्सी वर्षीय जर्मन व्यक्ति से निपटने में मदद करना जो स्थानांतरित हो गया था
वह बाली से दिली आई थी और सड़कों से युवा लड़कों को यौन शोषण के लिए भर्ती कर रही थी।
1 अमेरिकी डॉलर या एक टी-शर्ट के बदले में। 42 मामले की सूचना पुलिस को दी गई, और
उस व्यक्ति पर मुकदमा चला लेकिन उसे रिहा कर दिया गया क्योंकि वह बहुत बूढ़ा था और न्यायाधीश ने
उन्हें डर था कि वह जेल में मर जाएगा और देश के लिए मुसीबत खड़ी कर देगा।
उसी उत्तरदाता ने कम से कम एक अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी की घटना को भी याद किया।
तिमोर के संदर्भ और उभरते हुए यौन रुझान का लाभ उठाते हुए नेटवर्क

उद्योग दुनिया के अन्य हिस्सों में महिलाओं की तस्करी करके उन्हें यौन कार्य के लिए मजबूर करता है।
इस मामले में, जिम्मेदार व्यक्ति ने संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी के रूप में खुद को पेश किया ताकि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच प्राप्त कर सके।
वह विस्थापित व्यक्तियों के शिविरों में महिलाओं की भर्ती करता था ताकि उन्हें तस्करी के लिए भेजा जा सके।
मध्य पूर्व की ओर। बाल यौन शोषण के कुछ नए सबूत भी सामने आ रहे हैं।
मानवीय कार्यों का उपयोग करके कमजोर बच्चों तक पहुंचना, हालांकि यह
यह कितना आम है, यह स्पष्ट नहीं है। 43
ये मामले इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि यौन अर्थव्यवस्थाओं की जड़ें किस प्रकार गहरी होती जा रही हैं।
अंतर्राष्ट्रीय कर्मियों के आगमन से प्रेरित शोषण
शांति अभियान के साथ, अन्य लोगों के लिए इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, एक अंतरराष्ट्रीय
विशेषज्ञ ने सुझाव दिया कि यह असामान्य नहीं था, और अध्याय 3 में हुए 84 विस्फोटों का हवाला दिया।

कंबोडिया में यौन उद्योग, यूएनटीएसी के आगमन के जवाब में, एक सृजनकर्ता के रूप में।
अब जड़ जमा चुके यौन पर्यटन और तस्करी की नींव रखना
देश की अर्थव्यवस्था। 44 हाल ही में शांति अभियानों के एक अध्ययन में
2001 और 2011 के अध्ययनों ने भी इस बात का समर्थन किया, जिनमें पाया गया कि शांति सैनिकों की उपस्थिति
इससे मेजबान राज्य के गंतव्य बनने की संभावना बढ़ जाती है।
यौन तस्करी, विशेषकर जब शांति अभियान बड़ा हो, में शामिल है
कई सैन्य योगदान देने वाले देशों के साथ मिलकर काम करता है और कई वर्षों तक संचालित होता है। 45
इसके अलावा, जेनिंग्स ने दिखाया है कि कैसे, हालांकि शांति स्थापना अर्थव्यवस्थाएं
ये अर्थव्यवस्थाएँ हमेशा सेक्स टूरिज्म अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तित नहीं होतीं, लेकिन

अक्सर ऐसा हो जाता है।
संदर्भगत कारकों और उनके द्वारा निर्मित "मनोरंजन" अवसंरचना के परिणाम स्वरूप पीछे छोड़ देना। 46 जेनिंग्स के अनुसार, इन कारकों में आर्थिक कारक शामिल हैं- स्थानीय स्तर पर वंचित आबादी के लिए पर्यटन समर्थक नीतियों का समर्थन किया जाता है।
अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय दानदाताओं, अत्यधिक असमानता और राज्य की निष्क्रियता-
यौन उद्योग के प्रति दृष्टिकोण। इसके अलावा, बाल यौन शोषण करने वाले के उदाहरण के रूप में
ऊपर दिए गए सुझाव के अनुसार, कुछ सेक्स टूरिस्ट युद्धोत्तर राज्यों में जाना पसंद कर सकते हैं।
उनके द्वारा प्रदान किए गए कुछ हद तक अनियमित वातावरण का फायदा उठाने के लिए
ताकि वे उन यौन क्रियाओं तक पहुंच सकें जो उन्हें अधिक समृद्ध देशों में अन्यथा नहीं मिल पातीं।
विनियमित यौन उद्योग। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रभावी व्यवस्था की कमी किस प्रकार से
कानून के शासन में सुधार और क्षमता निर्माण से इसके अस्तित्व को लंबे समय तक बनाए रखा जा सकता है।
इस प्रकार की शोषणकारी अर्थव्यवस्थाओं के फलने-फूलने के अवसर और साथ ही साथ कैसे
ऐसी अर्थव्यवस्थाओं में सुरक्षा क्षेत्र की मिलीभगत और निवेश
इससे शांति के हिस्से के रूप में उन्हें प्रभावी ढंग से विनियमित न करने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है।
निर्माण प्रक्रिया।
तिमोर-लेस्ते में, स्कारलेट-तिमोर के समन्वयक ने याद दिलाया कि
हस्तक्षेप की अधिकतम सीमा के तहत कुछ यौनकर्मियों को 1000 डॉलर के बीच राशि प्राप्त होगी।
और संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों से उनकी उच्च उपलब्धता के कारण प्रति मुलाकात

2000 अमेरिकी डॉलर तक का भुगतान मिलता है।
लेकिन यह भी देखा गया कि आय में कमी के साथ इसमें काफी गिरावट आई है।
शांति अभियानों की समाप्ति के साथ ही अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति में कमी आई।
कुछ नाबालिग स्थानीय वेश्याओं को प्रति यौन संबंध मात्र 5 डॉलर का भुगतान किया जाता है।
साक्षात्कार के समय सामना हुआ। 47 बोस्निया की ही तरह, यहाँ भी यौन कार्य-
परिणामस्वरूप उद्योग में बदलाव आया और मुख्य रूप से स्थानीय पुरुषों को खरीदार के रूप में लक्षित किया जाने लगा।
टैक्सी ड्राइवरों के साथ यौन संबंध बनाना और कम उम्र की लड़कियों को वेश्यावृत्ति में भर्ती करना
अब वे वृद्ध पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए स्कूली छात्राओं की भर्ती में शामिल हैं।
कुछ मामलों में, ये टैक्सी ड्राइवर दूसरी लड़कियों को अपने दोस्तों को धोखा देने के लिए मना लेते हैं।
उन्हें टैक्सियों में बैठने के लिए मजबूर किया जाता है, जहाँ उन पर यौन संबंध बनाने का दबाव डाला जाता है।
उन्हें अभिनय करने के लिए प्रोत्साहित किया गया और फिर उन्हें उच्च दरें दी गईं,
संभवतः उन्हें प्रोत्साहित करने के तरीके के रूप में।
पुनः भाग लेने के लिए। 48 ये मामले दर्शाते हैं कि किस प्रकार संरचनाएं और तर्क

यौन शोषण और दुर्व्यवहार की अर्थव्यवस्थाएं विकसित होती हैं, पुनरुत्पादित होती हैं, और
इसमें शामिल लोगों की आय के स्रोतों को बनाए रखने के लिए इसमें संशोधन किए जाते हैं।
शोषण और दुर्व्यवहार के नेटवर्क वाले रूपों को व्यवस्थित करने में—चाहे
स्थानीय पुरुष टैक्सी चालकों की तरह अपनी कमाई से कुछ अतिरिक्त पैसे कमाते हैं।
संगठित यौन तस्करी नेटवर्क चलाने वाले विदेशी या उनकी भागीदारी
वैश्विक स्तर पर।

यौन दुर्व्यवहार का तीसरा और शायद सबसे कपटपूर्ण तरीका यह है कि
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए कार्यों का युद्धोत्तर राज्यों की संरचनाओं पर
दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है और
शांति स्थापना के लक्ष्यों के विपरीत समाजों को संस्थागत रूप से नियंत्रित किया जाता है।
सुरक्षा और न्यायिक व्यवस्था में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए दंडमुक्ति को बढ़ावा देना।
सामाजिक क्षेत्रों में और विशिष्ट संगठनों या कंपनियों की प्रथाओं में
शांति अभियानों में शामिल। यह दो तरीकों से होता है: आंतरिक संरचना को आकार देकर-
संगठनों की आंतरिक संस्कृति ऐसी है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार होता है।
यह रोजमर्रा की प्रथाओं का हिस्सा बन जाता है; और/या प्रथाओं को संस्थागत रूप देने से
हस्तक्षेप करने वाले यौन शोषण और दुर्व्यवहार के अपराधियों को दंड से मुक्ति मिल सके।
और हस्तक्षेप न करने वाले यौन हिंसा और शोषण के मामलों में जवाबदेही तय नहीं की जाती है।
संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित कानूनी ढांचे या कदाचार नीतियों के अनुरूप कार्य करने में सक्षम।
यौन दुर्व्यवहार के ये निहितार्थ सीधे तौर पर मूल लक्ष्यों को कमजोर करते हैं।
कानून के शासन की पुनर्स्थापना और उसे बढ़ावा देने जैसे शांति अभियानों
न्यायिक प्रणाली के विकास सहित मानवाधिकारों के क्षेत्र में प्रगति।

हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अंजाम देना—
विशेष रूप से वर्दीधारी शांतिरक्षकों द्वारा जो औपचारिक रूप से मार्गदर्शन कर रहे हैं या
स्थानीय सुरक्षा क्षेत्र के कर्मियों को प्रशिक्षण देना (जैसा कि तिमोर में हुआ था)
लेस्ते और बोस्निया में तथा अन्य अधिकांश समकालीन शांति अभियानों में)
यह स्थानीय पुलिस, सेना और अभिजात वर्ग को संदेश भेजता है कि इस तरह के व्यवहार
औपचारिक रूप से निषिद्ध होने पर भी ये चीजें अनुमेय हैं। इस प्रकार यह

सशक्तिकरण में योगदान देता है।
सुरक्षा व्यवस्था में दण्ड मुक्ति और मानवाधिकार उल्लंघन की संस्कृति को बढ़ावा देना
नवगठित युद्धोत्तर राज्य की संरचनाएँ। मेरा शोध बताता है कि यह है
विशेष रूप से तब होने की संभावना अधिक होती है जब अपराधियों को जवाबदेह नहीं ठहराया जाता है और जब
शांति अभियानों और संबंधित संगठनों में सक्रिय रूप से शामिल प्रमुख व्यक्ति
जवाबदेही से बचने के लिए दुर्व्यवहार के कृत्यों को छुपाना।
कर लगाए जा रहे हैं। बोस्निया में, ह्यूमन राइट्स वॉच ने पाया कि स्थानीय
पुलिस तस्करी की अर्थव्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से शामिल थी: तस्करों के रूप में और
वेश्यालय मालिकों के रूप में; वेश्यालय में कर्मचारियों के रूप में; और तस्करी को सुविधाजनक बनाकर।
कार्य परमिट जारी करके, दस्तावेजों में हेराफेरी करके और अनदेखी करके भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना।
तस्करी नेटवर्क की गतिविधियों पर नज़र रखने के बदले में मुफ्त पहुंच प्राप्त करना।
वेश्याएँ। 49 हालाँकि इनमें से कुछ व्यवहार अध्याय 3 से पहले के हो सकते हैं। 86

हस्तक्षेप के संबंध में, ह्यूमन राइट्स वॉच के शोध से पता चलता है कि वे विकसित हुए।
उसी समय हस्तक्षेपकर्ता उसी नेटवर्क में शामिल हो गए
शोषण के तरीके।
उदाहरण के लिए, कैथी बोल्कोवाक का डायनकोर्प के बारे में खुलासा करने वाला विवरण।
बोस्निया में यौन शोषण और दुर्व्यवहार का घोटाला दर्शाता है कि स्थानीय पुलिस
किस प्रकार कार्य करती है।
आईपीटीएफ कर्मियों द्वारा प्रशिक्षित और उनके साथ साझेदारी में काम करने वाले कर्मी
नेटवर्क आधारित यौन शोषण में शामिल लोग संस्कृति में घुलमिल गए।
दोनों को समान प्रथाओं और समान तरीकों में शामिल करना ताकि यह सुनिश्चित

किया जा सके कि वे
इसमें शामिल लोगों को जवाबदेह नहीं ठहराया गया। 50 जैसा कि पिछले अध्याय में चर्चा की गई है-
कुछ हस्तक्षेपकर्ता जिन्होंने यौन शोषण और दुर्व्यवहार किया था, वे थे
वरिष्ठ पदों पर आसीन और आचार संहिता लागू करने के लिए जिम्मेदार, जो
इससे दण्डमुक्ति को और भी मजबूत करने में योगदान मिला। इस समस्या का समाधान करना कठिन है।
व्यवहारों के स्थानांतरण, विशेष रूप से दंडमुक्ति से संबंधित, का मुद्दा उठाया गया।
अन्य कई बोस्नियाई साक्षात्कारकर्ताओं द्वारा, जिन्होंने इस संगठन के हिस्से के रूप में काम किया था,
मानव तस्करी विरोधी प्रतिक्रिया। उदाहरण के लिए, मानव तस्करी विरोधी अभियान के निदेशक...
मानव तस्करी विरोधी एनजीओ एम्माउस ने सुझाव दिया कि गरीबों को मानव तस्करी विरोधी प्रशिक्षण की आवश्यकता है।
आईपीटीएफ कर्मियों द्वारा प्रदान की गई व्यवस्था का मतलब यह था कि जब आईपीटीएफ चली गई, तो स्थानीय पुलिस
उन्हें यातायात की स्थिति में प्रतिक्रिया देने की क्षमता या कौशल के बिना छोड़ दिया गया था।
तस्करी के मामले, जिन्होंने राष्ट्रीय मानव तस्करी विरोधी कार्यक्रम को कमजोर कर दिया।
इसके अलावा, इसका मतलब यह था कि यदि स्थानीय पुलिस ने छापेमारी की और स्थानीय लोगों को पाया
यौन उद्योग में भाग लेने वाले राजनेता या अन्य अधिकारी, वे थे
या तो वे आसानी से धमकाकर गिरफ्तारी न करने के लिए राजी हो गए या उन्होंने स्वेच्छा से गिरफ्तारी जारी रखी।
उन्हें बिना किसी सजा के घूमने देने की "लड़कों के क्लब" वाली प्रथा। 51
तिमोर-लेस्ते में हुए शोध में हस्तक्षेपकर्ताओं की गलतियों के समान पैटर्न पाए गए।
यौन अपराधों के लिए दंडमुक्ति के संस्थागतकरण में योगदान देने वाला आचरण
सुरक्षा क्षेत्र में दुर्व्यवहार, जिसने विकास को गंभीर रूप से बाधित किया-

स्थानीय न्याय संस्थानों का सुदृढ़ीकरण और मानवाधिकारों को समाहित करना
नए राज्य की संस्थाओं का एक आधारशिला। उदाहरण के लिए, नेल्सन बेलो,
एक स्थानीय गैर सरकारी संगठन के निदेशक, जो सुरक्षाकर्मियों द्वारा की गई हिंसा के
मुद्दों पर काम करता है।
बलों ने तर्क दिया कि यूएनपोल के तिमोर-लेस्ते छोड़ने के कुछ वर्षों के भीतर
2012 में, उनके संगठन ने यौन शोषण और दुर्व्यवहार के पैटर्न को देखा।
यूएनपोल द्वारा बताई गई प्रक्रियाओं को तिमोर पुलिस द्वारा दोहराया जा रहा था।
इसमें शामिल थे-
यौन तस्करी और वेश्यावृत्ति नेटवर्क में संलिप्तता और संरक्षण,
पुलिस को आर्थिक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के उद्देश्य से उनके बीच लाभ
साझा करना।
यौन शोषण, और वरिष्ठ राजनेताओं की संलिप्तता और संरक्षण-
इन नेटवर्कों द्वारा नागरिकों और अधिकारियों को निशाना बनाया गया है। 52 तिमोर
पुलिस अधिकारियों को भी निशाना बनाया गया है।
अन्य प्रकार के यौन शोषण में भी संलिप्त; उदाहरण के लिए, 2004 में छह
पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया था।

अधिकारियों पर एक नाबालिग के साथ बलात्कार का आरोप लगाया गया था, लेकिन
घटना की जांच जारी है।
उनके पुलिस सहयोगियों ने बाधा डाली और गवाहों को धमकाया भी।
और जब मुकदमा चल रहा था तब उन्होंने अदालत के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। 53
दोनों
तिमोर की पुलिस और सैन्य कर्मियों पर इसके इस्तेमाल में शामिल होने का आरोप है।
तिमोर की यौनकर्मियों का उत्पीड़न और दुर्व्यवहार तथा उनके खर्चों की भरपाई करने
से इनकार करना
सहमति से यौन संबंध बनाए गए, जबकि इस बात के सबूत हैं कि तिमोर पुलिस
उन्होंने यौनकर्मियों से मुफ्त यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डाला है और कुछ मामलों
में जवाब देने में भी विफल रहे हैं।

यौनकर्मियों के विरुद्ध किए गए अपराधों के लिए पर्याप्त रूप से। 54 जबकि ये-
इन व्यवहारों को केवल यूएनपीओएल के समकक्षों द्वारा दिए गए "प्रशिक्षण" के लिए ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।
कुछ हिस्सों में, हस्तक्षेप करने वालों के व्यवहार ने निश्चित रूप से एक भूमिका निभाई है।
सुरक्षा बलों की यौन शोषण में भागीदारी को मजबूत करने में
नव स्वतंत्र राज्य में दुर्व्यवहारपूर्ण प्रथाओं को बढ़ावा देना और उन्हें जड़ से स्थापित करना
यौन दुराचार के लिए दंडमुक्ति की संस्कृति जो यह सुनिश्चित करती है कि अपराधी...
अपराधियों को सजा नहीं मिलती। तिमोर सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आगे तर्क दिया।
यह तथ्य कि यौन शोषण के आरोपों पर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रियाएँ...
दुर्व्यवहार और दुर्व्यवहार की व्यवस्था इतनी खराब थी कि अपराधियों को बिना सजा के छोड़ दिया गया।
इससे अपराध से निपटने के तरीके के संबंध में एक गलत मिसाल कायम हुई।
सामान्य तौर पर और विशेष रूप से यौन शोषण और दुर्व्यवहार। 55 यह भावना-
इस बात को कई अन्य तिमोर वासियों ने भी समर्थन के साथ दोहराया।
सुरक्षा और न्यायिक क्षेत्रों द्वारा दी गई प्रतिक्रियाओं का पेशेवर अनुभव
यौन हिंसा।

यहां यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि सभी स्थानीय सुरक्षा क्षेत्र के कर्मी
उन्हें यौन शोषण और दुर्व्यवहारपूर्ण व्यवहारों के प्रति अभ्यस्त कर दिया गया था।
हस्तक्षेप करने वाले अपराधियों के छोटे समूहों की कार्रवाइयां। दोनों देशों में,
सुरक्षा प्रणाली के कामकाज में विशेषज्ञता रखने वाले कई उत्तरदाताओं ने
इस क्षेत्र ने इस बात पर जोर दिया कि इसके परिणामस्वरूप पुलिस व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
संयुक्त राष्ट्र बलों द्वारा प्रदान किया गया प्रशिक्षण, इस तथ्य के बावजूद कि कुछ समूह
सुरक्षा क्षेत्र के भीतर यौन शोषण की संस्कृति को अपना लिया गया था और
दुर्व्यवहार किया और इसके लिए दंड से मुक्ति सुनिश्चित करने के लिए काम किया।

यह एक मजबूत व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभावों की समझ: ठीक उसी तरह
हस्तक्षेपकर्ता समुदाय के एक छोटे से उपवर्ग द्वारा यौन दुर्व्यवहार
इसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं जो शांति अभियान के व्यापक लक्ष्यों को कमजोर कर सकते हैं।
यौन दुर्व्यवहार की संस्कृति को जड़ जमाने के दीर्घकालिक प्रभाव
और संघर्ष के बाद के राज्यों में पुलिस या सेना के उप-वर्गों में दण्डमुक्ति।
इससे सुरक्षा क्षेत्र के कामकाज पर दीर्घकालिक रूप से अमिट छाप पड़ सकती है।
यह शब्द और यह व्यापक संस्कृतियों और यौन अर्थव्यवस्थाओं के साथ कैसे परस्पर क्रिया करता है
शोषण और दुर्व्यवहार।

दंडमुक्ति को संस्थागत रूप देने में योगदान देने के अलावा
सुरक्षा क्षेत्र की संस्कृति और प्रथाओं के माध्यम से यौन दुर्व्यवहार।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जड़ जमा लेने में योगदान होता है।
इन प्रथाओं को कई अप्रत्यक्ष तरीकों से लागू किया जा रहा है। सबसे पहले, कई
तिमोर-लेस्ते में और उत्तरदाताओं के बीच काम करने वाले साक्षात्कारकर्ताओं में से
संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवीय सहायता क्षेत्र के साथ, यह सुझाव दिया गया कि कुछ
वर्दीधारी शांतिरक्षा टुकड़ियों ने मामले को अपने हाथ में ले लिया।
संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल के दौरान उनके यौन संबंधों पर लगी पाबंदियों को दरकिनार करने के लिए।
रोजगार। उदाहरण के लिए, एक वरिष्ठ विदेशी सैन्य उत्तरदाता, जिनके पास लंबे समय से...
तिमोर-लेस्ते में शांति अभियानों में अपने कार्यकाल के अनुभव से उन्होंने यह बात स्वीकार की कि एक
प्रमुख शांतिरक्षा दल में नर्सों का एक समूह शामिल था जो अप्रशिक्षित थीं।
अन्य समूहों द्वारा नर्सों के बजाय अंतर्निहित यौनकर्मियों के रूप में समझा गया

कार्यकर्ता। 56 विश्व स्तर पर कई अन्य शांतिरक्षा विशेषज्ञों ने भी इस बात का समर्थन किया।
कम से कम एक अन्य प्रमुख सैन्य योगदानकर्ता देश के बारे में और सुझाव दिया
दल में यौनकर्मियों को शामिल करने से दोहरे उद्देश्य पूरे होते थे।
अर्थात्, तैनात महिलाओं की संख्या बढ़ाकर और इस प्रकार संतुष्टि प्रदान करना।
महिलाओं पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1325 के तहत आवश्यकताओं को पूरा करना,
शांति और सुरक्षा के साथ-साथ यौन दुर्व्यवहार के आरोपों में कमी आना।
स्थानीय आबादी के खिलाफ यौन संबंधों के लिए रास्ते उपलब्ध कराकर
घर।" मैं इन आरोपों की पुष्टि नहीं कर पाया हूँ, लेकिन संख्या
उन विशेषज्ञों के बारे में जिन्होंने साक्षात्कार के दौरान बिना किसी संकेत के स्वतंत्र रूप से ये प्रश्न उठाए।
इससे दावों को कुछ हद तक बल मिलता है।
दूसरे, यौन दुराचार के लिए दंडमुक्ति भी जड़ जमा लेती है।
रिपोर्टिंग के डर का परिणाम। मेगन नोबर्ट, संस्थापक और निदेशक
अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन 'रिपोर्ट द एब्यूज' ने तर्क दिया कि दक्षिण सूडान में,
राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही कर्मचारियों को अपनी नौकरी खोने का डर था।
यौन शोषण या दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया जाता था,
इससे मौन और दण्डमुक्ति की संस्कृति को बढ़ावा मिला। 57 इसकी रिपोर्ट की गई है।
अन्यत्र—इंडिपेंडेंट द्वारा यौन दुर्व्यवहार की जांच
लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के शिविरों में शांति सैनिकों द्वारा
कांगो गणराज्य को यह जानकारी एनजीओ के लिए काम करने वाले एक स्थानीय व्यक्ति ने दी।
शिविर के प्रबंधन के प्रभारी ने कहा, "हाँ, हम जानते हैं कि लड़कियाँ वहाँ घूमने जाती हैं।"
हर रात संयुक्त राष्ट्र के सैनिक आते हैं। उन्हें रोकने के लिए कुछ भी नहीं है, और लड़कियाँ

मुझे भोजन चाहिए। लेकिन चुप रहना ही बेहतर है। मुझे डर है कि अगर मैंने कुछ कहा तो...
ऐसा होने पर मेरी नौकरी जा सकती है, और मुझे अपने बच्चों का भी पेट पालना है। 58
रिपोर्टिंग का यह डर संयुक्त राष्ट्र के संबंध में भी था; एक वरिष्ठ
संयुक्त राष्ट्र के पुलिस अधिकारी ने याद दिलाया कि हैती में शांति अभियान के दौरान
मामले को और भी बदतर बनाना 89

शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई थी, लेकिन
वे आरोपों की जांच करने में अनिच्छुक थे क्योंकि वे उनके साथ काम करते थे।
और अपनी सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर निर्भर थे। 59 एक वरिष्ठ बोस्नियाई
सरकारी अधिकारियों ने जवाबदेही की कमी के बारे में इसी तरह के दावे किए।
बोस्निया में तस्करी में हस्तक्षेपकर्ताओं की संलिप्तता के लिए, यह तर्क देते हुए कि कुछ
राज्य के राजनेता आरोपों को छिपाने में शामिल थे क्योंकि
उन्हें चिंता थी कि अगर अल-
दूतावासों का खुलासा हुआ। 60 इसके अलावा, दो मानवीय सहायता संगठनों के अनुसार
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति संगठनात्मक प्रतिक्रियाओं के विशेषज्ञ,
आरोपों पर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रियाओं की अपर्याप्तता के बारे में आम जनता की राय
और इस बात का डर भी कि गवाहों द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग कैसे किया जाएगा।
इससे स्थानीय समुदाय के सदस्यों द्वारा रिपोर्टिंग को हतोत्साहित किया गया, जो अक्सर...
उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि रिपोर्ट करने का कोई मतलब नहीं था क्योंकि कुछ भी नहीं किया गया था।
किसी भी तरह से अपराधियों को जवाबदेह ठहराना और पीड़ितों का समर्थन करना।

61 यह
बोस्निया और तिमोर-लेस्ते दोनों में हुए साक्षात्कारों में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई।
संघर्ष के बाद यौन हिंसा की रिपोर्टिंग दरों पर इसके स्पष्ट प्रभाव पड़ते हैं।
अधिक व्यापक रूप से और न्यायिक या प्रशासनिक प्रतिक्रियाओं में जनता के विश्वास के लिए
ऐसी रिपोर्टों के लिए।

अंत में, जब अपराधियों को जवाबदेह नहीं ठहराया जाता है तो इससे एक मजबूत संदेश जाता है।

अन्य हस्तक्षेपकर्ताओं को यह संदेश कि वे भी इस तरह के व्यवहार से बच सकते हैं।
उदाहरण के लिए, डायनकॉप द्वारा ट्रैफ़िक का निर्यात इसका प्रमाण है।
हर दूसरे शांतिरक्षा अभियान या हस्तक्षेप में घटिया प्रथाओं का प्रयोग किया जाता है।
उन्हें यौनकर्मियों के आयात में सहायता करने का ठेका दिया गया है।
कुछ चीनी निर्माण कंपनियों के श्रमिकों को यौन सेवाएं प्रदान करना
तिमोर-लेस्ते; और यौन शोषण और दुर्व्यवहार का आंदोलन
विशेष रूप से वे व्यक्ति जो टुकड़ियों या संयुक्त राष्ट्र मिशनों का नेतृत्व करते हैं, वर्णित
बोस्निया, तिमोर-लेस्ते, जिनेवा में कई साक्षात्कारों में अनौपचारिक रूप से यह बात सामने आई है।
और न्यूयॉर्क। 62 इस प्रकार, यौन दुराचार और व्यवहार के लिए दंडमुक्ति-
इसमें शामिल कारक हस्तक्षेपकर्ता की संरचनाओं में अंतर्निहित हो जाते हैं।
स्वयं समुदाय।

यह विश्लेषण यौन दुर्व्यवहार के संरचनात्मक प्रभावों का विश्लेषण करता है।
टेरवेनर्स यह दर्शाता है कि कारकों का एक परस्पर जुड़ा जाल किस प्रकार कार्य करता है।
दंडमुक्ति को संस्थागत बनाना और संस्कृतियों को मजबूत करने में योगदान देना और
युद्धोत्तर राज्यों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार की अर्थव्यवस्थाएँ जब अंतर-
शांति अभियानों से जुड़े पूजनीय लोग ही सबसे पहले इसे अंजाम देते हैं।
और उनके संगठन उन्हें प्रभावी ढंग से जवाबदेह ठहराने में विफल रहते हैं।

दूसरा। ये संरचनात्मक प्रभाव न केवल अध्याय 3 के 90 के कारण अस्वीकार्य हैं।

हिंसा, दुर्व्यवहार और शोषण के निरंतर चक्र, लेकिन
साथ ही, क्योंकि वे शांति के कुछ प्रमुख लक्ष्यों के साथ स्पष्ट रूप से विरोधाभास में हैं।
विशेष रूप से कानून के शासन की पुनर्स्थापना के इर्द-गिर्द के अभियान—
मजबूत न्यायिक संस्थानों के विकास और सुधारों सहित
जवाबदेह सुरक्षा क्षेत्र संस्थाएँ और संचार का मुख्यधाराकरण-
युद्धोत्तर संस्थानों द्वारा मानवाधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता और संरक्षण।
उपरोक्त विश्लेषण ने यह प्रदर्शित किया है कि किस प्रकार ये सभी बातें इनके द्वारा कमजोर हो जाती हैं।
यौन दुर्व्यवहार के संरचनात्मक निहितार्थ। इसके अलावा, HIPPO Re-
बंदरगाह विशेष रूप से यह नोट करता है कि "[मानवाधिकार] उल्लंघनों को संबोधित करने में विफलता"
इससे दंडमुक्ति का माहौल बनता है, जो नागरिकों के लिए और भी खतरा पैदा करता है। 63
मेरे विश्लेषण ने यह दर्शाया है कि शांति अभियानों में यह किस प्रकार घटित होता है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अंजाम देना और उसे रोकने में विफलता
अपराधियों को जवाबदेह ठहराना, और यह किस प्रकार सहभागिता के लिए निरंतर प्रोत्साहन पैदा करता है-
शोषण और दंडमुक्ति दोनों की संस्कृतियों और अर्थव्यवस्थाओं में सहनशीलता
स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई हितधारक। इन परिणामों के कारण धीरे-धीरे क्षरण होता है।
पहले उल्लेखित व्यापक शांतिरक्षा लक्ष्यों की दिशा में प्रगति
मानव पीड़ा में कमी और उत्तर-पूर्व युग में महिलाओं का सशक्तिकरण।
संघर्षग्रस्त समाज, जिनकी चर्चा निष्कर्ष में अधिक विस्तार से की जाएगी।
इस पुस्तक का अध्याय।

अविश्वास, संघर्ष और भटकाव: परिचालन

यौन दुर्व्यवहार के प्रभाव

तीसरा स्तर जिस पर यौन शोषण और दुर्व्यवहारपूर्ण व्यवहारों को शामिल किया गया है
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वाले अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति को प्रभावित करते हैं।
मेजबान देशों में समुदाय के लक्ष्य परिचालन स्तर पर हैं: यौन दुर्व्यवहार-
इस आचरण से स्थानीय समुदायों और उनके बीच अविश्वास और संघर्ष उत्पन्न होता है।
शांति अभियान और व्यापक रूप से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय; इसके परिणामस्वरूप
शांति अभियान और संगठनात्मक इकाइयों के बीच दरार
संबंधित अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति; और महत्वपूर्ण संसाधनों को इससे दूर ले जाता है
आवश्यक शांति निर्माण गतिविधियाँ। ये परिचालन स्तर के प्रभाव हैं
संरचनात्मक और व्यक्तिगत स्तर पर पहचाने गए लोगों का परस्पर सुदृढ़ीकरण/
सामुदायिक स्तर। बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय-
देश के शांति, सुरक्षा और मानवाधिकारों से संबंधित लक्ष्य कमजोर पड़ गए।
इन परस्पर परस्पर परिणामों के परिणामस्वरूप, महत्वपूर्ण रूप से, स्थायी प्रभाव के साथ-
युद्धोत्तर राज्यों और समाजों के लिए समझौते।

हालात और भी बदतर हो गए 91

स्थानीय समुदायों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वास का टूटना-
तिमोर-लेस्ते और बोस्निया में राष्ट्रीय समुदाय सबसे महत्वपूर्ण समुदायों में से एक था।
उत्तरदाताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार के प्रभावों को परिभाषित करने के तरीके
परिचालन परिणामों पर हस्तक्षेप करने वालों पर इसका प्रभाव पड़ता है। इस बढ़ते अविश्वास ने कई तरह से प्रभाव डाला।
कई प्रकार के प्रपत्र। उदाहरण के लिए, तिमोर-लेस्ते में कई उत्तरदाताओं ने कहा
अब यह उम्मीद की जा रही है कि विदेशियों का आगमन शीघ्र ही होगा।

इसके बाद उनके बच्चों का जन्म होता है, और कुछ महिलाएं अब
परिवार के सदस्यों द्वारा संयुक्त राष्ट्र के साथ काम करने के लिए कम इच्छुक होना
या अनुमति न मिलना
अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों में, क्योंकि उनके परिवार और समुदाय यह मान लेते
हैं कि
वे काम के बदले यौन संबंध बनाएंगे। 64 अन्य
याद आया कि बहुत से लोग विशेष वर्दीधारी टुकड़ियों से डरते थे।
शांति अभियानों के दौरान कुछ विशेष दुर्व्यवहारों के परिणामस्वरूप सज्जनों को
दिली में, उन टुकड़ियों में से जो अधिक कुख्यात थीं, उन्होंने ये अपराध किए थे।
सड़कों पर उत्पीड़न, और ओकुसे में, जॉर्डन के शांति सैनिकों के साथ आम तौर पर
दुर्व्यवहार किया गया।
कई उत्तरदाताओं ने स्थानीय लोगों के गुस्से के बारे में भी बताया।
उनके यौन दुर्व्यवहार के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के प्रति और
उन्हें इस बात की निराशा थी कि शांति सैनिकों ने अपने मिशन का सम्मान नहीं
किया।
आचार संहिता का पालन करने के लिए पर्याप्त शांति लाना। जवाबदेही का अभाव-
संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को सूचित किए गए अपराधियों के प्रति संवेदनशीलता ने
इस आक्रोश को और भड़का दिया।
और प्रक्रियाओं और परिणामों के बारे में पारदर्शिता की कमी और भी गहरी हो गई।
अविश्वास ने, कुछ उत्तरदाताओं के अनुसार, आघातों को और बढ़ा दिया।
कब्जे और अधिकारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहारों के प्रति चुप्पी की संस्कृति।
इसके अलावा, कुछ उत्तरदाताओं ने समुदाय के प्रति गहरे अनादर की बात कही।
हस्तक्षेपकर्ताओं के अनुचित यौन व्यवहार के बावजूद एकता का अनुभव हुआ
और जिस तरह से उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे उनकी नैतिक संहिता और संस्कृति को
नष्ट किया जा रहा हो।
इन व्यवहारों और उचित व्यवहार की कमी के कारण उपेक्षित और उपहासित।
अधिकारियों की प्रतिक्रियाएँ। कई लोगों ने सुझाव दिया कि उनके समुदाय को उम्मीद
थी
हस्तक्षेपकर्ताओं को "इससे बेहतर होना चाहिए।"

इन भावनाओं को अन्य समुदायों द्वारा भी व्यक्त किया गया है:
2004 में लाइबेरिया में समुदाय के सदस्यों के साथ यौन उत्पीड़न के बारे में साक्षात्कार किए गए।
एक व्यक्ति ने शिकायत की कि शांति सैनिकों द्वारा बच्चों का दुर्व्यवहार और शोषण किया जा रहा है।
सारा मार्टिन से कहा गया कि "घर में इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं होगा।"
इन सैनिकों का देश। ये सैनिक हमारे देश के साथ खिलवाड़ क्यों कर रहे हैं?
बच्चे?" एक लाइबेरियाई महिला ने आगे कहा कि "ये लड़कियां जो [संयुक्त राष्ट्र]
जिन शांति रक्षक सैनिकों के साथ वे जाते हैं, वे तो बस बच्चे होते हैं। वे तर्क नहीं कर सकते।
अपने लिए। वे भूखे हैं और स्कूल के लिए पैसे चाहते हैं। शांति-
रक्षक उन्हें यह सुविधा देते हैं। लेकिन शांति रक्षक वयस्क होते हैं। उन्हें अध्याय 3 के अनुसार कार्य करना चाहिए।

जिम्मेदारी से।" 66 यह दर्शाता है कि समुदाय एक साथ कैसे अ-
बच्चों और उनके लिए लेन-देन आधारित यौन संबंध के आर्थिक कार्य को समझें
अभाव और असुरक्षा के उन संदर्भों में रहने वाले परिवार जिनमें वे खुद को पाते हैं
स्वयं को तो संतुष्ट रखना ही, साथ ही व्यवहार के प्रति उच्च अपेक्षाएँ रखना।
उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेपकर्ताओं की फौज भेजी गई।
बोस्निया में हुए साक्षात्कारों में अलग-अलग लेकिन संबंधित चिंताओं का एक समूह सामने आया, जो सभी मामलों में समान था।
यौन शोषण की भिन्न, कम दृश्यमान प्रकृति के कारण संभावना अधिक होती है।
युद्धोत्तर काल में हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार और शोषण, विभिन्न ऐतिहासिक
इस संदर्भ में, और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि पीड़ितों में से कई बोस्नियाई नहीं थे,
बल्कि पड़ोसी राज्यों की महिलाएं। उदाहरण के लिए, एक बोस्नियाई उत्तरदाता-
यूएनप्रोफोर के दौरान संयुक्त राष्ट्र के साथ काम करने वाली डेंट ने अपने गहरे अनुभव को याद किया।
जब मिशन के प्रमुख और विशेष प्रतिनिधि को निराशा हुई

महासचिव जैक्स पॉल क्लेन बीबीसी पर इस घटना के जवाब में उपस्थित हुए।
शांति सैनिकों के वेश्यावृत्ति और तस्करी में शामिल होने के आरोप-
उसे याद आया कि कर्मचारी, खासकर राष्ट्रीय कर्मचारी, इंतजार कर रहे थे।
उसे जो हुआ उसे स्वीकार करने और उसके लिए जवाबदेही का वादा करने के लिए कहा गया।
वे अपराधियों के प्रति सदृश और निराश थे जब उसने इसके बजाय इनकार कर दिया।
समस्या यह थी कि परिणामस्वरूप कई कर्मचारियों ने उनके नेता पर से विश्वास खो दिया।
जहाज और शांति प्रक्रिया के बारे में उनके द्वारा किए गए अन्य दावों की सत्यता। 67
अन्य लोगों ने इस बारे में बात की कि संस्थागत व्यवस्था में जनता का विश्वास बहुत कम है।
दुर्व्यवहार के प्रति प्रतिक्रियाएँ, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, जिसके कारण सामान्य रूप से
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार की रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को देने में अनिच्छा। 68 आगे-
इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने बोस्नियाई लोगों के अनुभवों का अध्ययन किया था-
युद्ध और उसके बाद के घटनाक्रमों का अध्ययन करने पर पता चला कि कई स्थानीय लोग बहुत बदल गए थे।
बहुत अलग परिस्थितियों के परिणामस्वरूप अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की आलोचना करना
कठिन परिस्थितियों में कार्यरत कर्मियों के व्यवहार, क्षमताओं और योग्यताओं के मानक।
विभिन्न वर्दीधारी इकाइयाँ। 69 यह भावना कि संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान नहीं था
यह सुसंगत नहीं था और मिशन के विभिन्न तत्व ठीक से काम नहीं कर रहे थे।
इन सबने मिलकर व्यापक अविश्वास और असंतोष को बढ़ावा दिया।
लक्ष्य।
हस्तक्षेपकर्ता के यौन दुर्व्यवहार से सीधे तौर पर उत्पन्न अविश्वास
कई स्थानीय लोगों द्वारा महसूस की जाने वाली असमानता ने इस समस्या को और भी जटिल बना दिया।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और स्थानीय समुदाय ने जैसा कि प्रदर्शित किया है

स्थानीय अनुवादकों और राष्ट्रीय अनुवादकों की रोजगार की शर्तें और उनके साथ व्यवहार
संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी संगठनों द्वारा नियोजित कर्मचारियों और उनके व्यापक व्यवहारों में
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय। उदाहरण के लिए, कई साक्षात्कारकर्ताओं ने उल्लेख किया घेराबंदी के दौरान हर साल संयुक्त राष्ट्र के अड्डे पर आयोजित होने वाला क्रिसमस समारोह।

हालात और भी बदतर हो गए 93

साराजेवो में, जब किसी और के पास बिजली, हीटिंग या पर्याप्त भोजन नहीं था। समारोह के दौरान, बोस्नियाई पुलिस को कड़ाके की ठंड में बाहर खड़ा रहना पड़ा। मौसम और उत्सव की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए। इसे घोर असंवेदनशीलता के रूप में देखा गया।
और घिरे हुए स्थानीय समुदाय की स्थिति के प्रति अनादरपूर्ण है और
आम तौर पर बोस्नियाई लोग। "और फिर भी वे [शांति रक्षक] यौन संबंध बनाते थे।"
“एक डिब्बाबंद टूना के लिए लड़कियों के साथ,” एक उत्तरदाता ने कहा, यह बताते हुए कि कैसे-
शांतिरक्षकों द्वारा शोषणकारी लेन-देन में संलग्न होना आपत्तिजनक था।
जब उन्हें इतना अच्छा भोजन और देखभाल मिलती थी, तब भी वे यौन संबंध नहीं बना पाते थे। 70 हसन नुहानोविक
स्ब्रेबेनिका में डच दल के साथ काम करने वाला बोस्नियाई अनुवादक,
उन्होंने बताया कि मिशन के लिए काम करने वाले अनुवादक और अन्य पुरुष किस प्रकार थे।
बेस की कैंटीन में खाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था जबकि युवा बोस्नियाई
अड्डे पर काम करने वाली महिलाओं को ऐसा करने की अनुमति थी, और यह बात निहित थी।
कि उन महिलाओं और शांति रक्षक कर्मियों के बीच यौन संबंध थे।
बेस पर मौजूद लोगों के बारे में नुहानोविक ने विस्तार से बताया कि यह किस प्रकार कमी को दर्शाता है।

शांति सैनिकों द्वारा नागरिकों के प्रति दिखाई गई सहानुभूति, करुणा और सम्मान।
उन्हें इन रूपों की रक्षा करने का दायित्व सौंपा गया था और इन रूपों की धारणाओं को
जिस तरह से बदला गया था।
भेदभाव और नस्लवाद ने बाद की बातचीत को गहराई से प्रभावित किया।
स्थानीय आबादी और तैनात अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं के बीच
देश। 71 संक्षेप में, यौन दुर्व्यवहार को कई संदर्भों में देखा गया।
अन्य परस्पर जुड़ी अपमानजनक और हानिकारक प्रथाओं के बारे में, जिनका हस्तक्षेप
करने वालों ने उल्लंघन किया।
उन्होंने मिलकर हस्तक्षेपकर्ताओं के प्रति गहरा अविश्वास पैदा किया।
स्थानीय आबादी के वर्ग।

तिमोर-लेस्ते के उत्तरदाताओं ने लिंगभेद और भेदभाव से संबंधित प्रश्न भी उठाए।
रोजगार प्रथाओं के संबंध में भेदभाव और नस्लवाद। इस प्रकार का भेदभाव-
अपराधिक प्रथाओं ने कई प्रकार की अनुचित, शोषणकारी गतिविधियों को जन्म दिया,
और स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कर्मियों के बीच समस्याग्रस्त अंतःक्रियाएं,
जिनमें से कुछ यौन शोषण से निकटता से जुड़े थे और अन्य
जो अधिक सामान्यतः स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय के बीच की गतिशीलता से संबंधित है।
कार्यस्थलों में राष्ट्रीय कर्मचारी। उदाहरण के लिए, यह काफी आम बात है।
शांति अभियानों के तहत महिलाओं को नौकरानी या घरेलू कामगार के रूप में काम
पर रखा जाएगा।
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं के लिए रक्षक। हैती में, पॉल हिगेट और मार्शा
हेनरी को बताया गया कि "[पुरुष] अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारी हमेशा तलाश में रहते हैं
एक छोटी लड़की जिसे वे अपने घर में 'काम पर' रख सकें... यह शोषण है।
क्योंकि उसके पास वित्तीय शक्ति है और अपने गृह देश में वह कभी भी
"उस तरह के किशोर को नौकरी पर रखना।" 72 यह बात साक्षात्कारों में कई बार
सामने आई।
तिमोर-लेस्ते में भी: कभी-कभी व्यवस्था केवल घर के लिए होती थी।
लेकिन अन्य समय में यह अपेक्षा थी कि यौन सेवाएं 94 अध्याय 3

जैसा कि पिछले अध्याय में दिखाया गया है, यह भी प्रदान किया जाएगा। पूर्वाग्रह और

इस प्रकार के शोषण को आधार देने वाली सत्तागत गतिशीलता भी उत्पन्न करती है
कार्यस्थल की उन नीतियों के लिए जो स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय के बीच अंतर करती हैं
कार्यस्थल के अधिकारों और पारिश्रमिक के मामले में कर्मचारी। अधिकांश तिमोरवासी
उत्तरदाताओं ने किसी न किसी बिंदु पर अनुचित वेतन व्यवस्था का उल्लेख किया।
इसका मतलब यह था कि राष्ट्रीय कर्मचारियों को उनके अंतरराष्ट्रीय कर्मचारियों की
तुलना में काफी कम वेतन मिलता था।
समान नौकरियों के समकक्षों को समान दैनिक भत्ता नहीं मिलता था।
अपने रहने-सहने के खर्चे उतने ही अधिक होने के बावजूद मुख्यालय से दूर यात्रा
करना।
उच्च। इसके अलावा, कुछ मामलों में राष्ट्रीय कर्मचारियों के उपयोग पर भी सीमाएं
थीं।
व्यापारिक वाहनों का मामला, जिसे विशेष रूप से आपत्तिजनक माना गया था।
कुछ लोगों के खतरनाक और कभी-कभी अवैध सड़क व्यवहारों के बारे में।
आधिकारिक वाहनों में अंतरराष्ट्रीय कर्मी। अन्य लोगों ने शिकायत की कि वे
ऐसा लगा मानो तिमोर के कर्मचारियों को दोयम दर्जे का समझा जाता था और उन्हें
महत्व नहीं दिया जाता था।
कुछ नौकरियों के लिए उतने ही बुद्धिमान या उतने ही योग्य, भले ही उनकी पेशेवर
और
शैक्षिक पृष्ठभूमि। 73 इससे न केवल तनाव और अविश्वास पैदा हुआ
स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदायों के बीच न केवल एक अंतर पैदा हुआ, बल्कि एक
ऐसा क्षेत्र भी बना जो...
वैज्ञानिक अर्थव्यवस्था के कारण, दिली में जीवन यापन की लागत में काफी वृद्धि हुई
है।
राजधानी में तिमोर समुदाय पर इसके प्रभाव पड़े, और इसका यह भी अर्थ था कि
एक बार जब बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति कम हो गई तो स्थानीय अर्थव्यवस्था कमजोर
पड़ गई
बुरी तरह प्रभावित हुआ।
यह दर्शाता है कि यौन दुर्व्यवहार के परिणामस्वरूप अविश्वास के पैटर्न कैसे उत्पन्न
होते हैं।

आचरण और अन्य, अक्सर परस्पर जुड़ी प्रथाएं और व्यवस्थाएं जो-
स्थानीय समुदायों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शक्ति के अंतर को बढ़ाएँ
हस्तक्षेपकर्ता। जैसा कि सेवेरिन ऑटोसेरे ने दिखाया है, असमानता की संरचना
हस्तक्षेपकर्ताओं और उनके स्थानीय समकक्षों के बीच संबंधों में व्याप्त है।
जो दोनों समूहों के बीच की सीमाओं को मजबूत करता है और शत्रुता पैदा करता है।
स्थानीय आबादी; मेरे विश्लेषण ने दिखाया है कि असमानता की संरचना कैसे
यह यौन शोषण और दुर्व्यवहार के साथ-साथ गैर-यौन प्रथाओं में भी प्रकट होता है।
शोषण या भेदभाव का। 74 परिणामस्वरूप विश्वास का टूटना
मेजबान आबादी और तैनात अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच
इसकी सेवा और सुरक्षा करने के स्पष्ट परिचालन निहितार्थ हैं। महत्व
शांति अभियानों की प्रभावशीलता में स्थानीय भागीदारी और समर्थन के बारे में।
शांतिरक्षा संबंधी साहित्य और व्यवहार में यह अच्छी तरह से स्थापित हो चुका है। 75
रिचर्ड कैपलान ने दिखाया है कि वैधता (और इसलिए सफलता) कैसे
शांति अभियान, शांति अभियानों की जवाबदेही पर निर्भर करता है।
विशेष रूप से स्थानीय आबादी के लिए, और इसमें विश्वास कितना महत्वपूर्ण पहलू
है। 76
एंड्रयू गोल्डस्मिथ और वैंड्रा हैरिस ने यह दर्शाया है कि दीर्घकालिक

पुलिस कार्रवाई में सहयोग और अनुपालन विश्वास पर निर्भर करता है।
स्थानीय आबादी का और इस तरह के भरोसे के अभाव में स्थानीय व्यक्ति कैसे
प्रभावित होते हैं-
लोग और समूह सीधे तौर पर अंतरराष्ट्रीय कर्मियों की अवहेलना कर सकते हैं या
प्रतिरोध कर सकते हैं, जिससे...
उनका आकलन करना, या उनमें हेरफेर करने का प्रयास करना, जिससे उनकी क्षमता
कमजोर हो सकती है।
मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए। 77 ऑटोसेरे ने दिखाया है कि संरचना कैसे
शांति अभियानों में असमानता उनकी प्रभावशीलता को कम करती है क्योंकि यह उन्हें
मजबूत करती है।

प्रवासी और उनके स्थानीय समकक्षों के बीच की सीमाओं को कम करना और उन्हें बढ़ावा देना
हस्तक्षेपकर्ताओं के प्रति स्थानीय आक्रोश और अनादर और अपमान की भावनाएँ
माना जाता है, जो स्थानीय भागीदारी और स्वामित्व को कमजोर करता है और
प्राधिकरण को भी।
शांति निर्माण का नेतृत्व। 78 अंततः, यह सब दर्शाता है कि जब
हस्तक्षेपकर्ता ऐसे व्यवहार में संलग्न होते हैं जो स्थानीय आबादी के विश्वास को
कमज़ोर करते हैं।
उनमें और व्यापक रूप से शांति अभियान में, यह मूल रूप से
इससे मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने की उनकी क्षमता कमजोर हो जाती है, जो इस
पर निर्भर करते हैं।
मेजबान समुदाय का सहयोग, सहमति और समर्थन।

हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार का एक संबंधित परिचालन प्रभाव यह है:
कुछ मामलों में इसकी वजह से शांति अभियान सीधे तौर पर निशाना बन गया है।
हिंसा का। कंबोडिया में अनुभव रखने वाले एक वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय अधिकारी ने...
बोस्निया और तिमोर-लेस्ते के लोगों ने याद दिलाया कि कंबोडिया में बलात्कार की
घटनाएं घटित हुईं।
बुल्गारियाई शांति सैनिकों के एक समूह द्वारा की गई कार्रवाई के कारण शांति सैनिकों
पर हमला हुआ।
जिसके परिणामस्वरूप कई मौतें हुईं। 79 उसी अधिकारी ने याद दिलाया कि बोस्निया
में,
कुछ शांति सैनिकों को खतरे में होने के कारण अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया
गया।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार करने के बाद प्रतिशोधात्मक हमलों के बारे में।
लाइबेरिया में, संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित एक चौकी पर मोलोटोव कॉकटेल फेंका
गया।
बांग्लादेशी दल द्वारा, कथित तौर पर इसलिए क्योंकि स्थानीय लोग नाराज थे।
कि संयुक्त राष्ट्र के सैनिक स्थानीय महिलाओं के साथ यौन संबंध बना रहे थे। 80
हसन नुहानोविक, बोस्नियाई अनुवादक जिन्होंने यूएनपीआरओ के साथ काम किया

था।
युद्ध के दौरान, उन्होंने कनाडाई लोगों के बीच हुए संघर्ष के एक मामले को याद किया।
जिस दल के लिए उन्होंने काम किया और स्थानीय पुलिस बल: शांति रक्षक दल-
वह नियमित रूप से स्थानीय महिलाओं के एक समूह को भोजन के बदले यौन संबंध
बनाने के लिए अड्डे में प्रवेश करने देता था।
और अन्य भौतिक वस्तुएं, जिससे स्थानीय लोग नाराज हो गए कि वे
उन्हें शांति सैनिकों के साथ अन्य वस्तुओं का व्यापार करने के लिए अड्डे पर जाने की
अनुमति नहीं है।
पुरुषों ने स्थानीय पुलिस प्रमुख से शिकायत की, जिन्होंने कनाडाई पुलिस अधिकारी
से संपर्क किया।
कमांडर ने बताया कि उसने बारह से पंद्रह महिलाओं को गिरफ्तार किया है।
इसमें शामिल होने का कारण वेश्यावृत्ति थी और उसे उम्मीद थी कि इससे उसे लाभ
होगा।
इसमें शामिल कनाडाई शांति सैनिकों को गिरफ्तार करने और उन्हें वापस भेजने का
आदेश दिया गया।
कमांडर ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उसके पास पहले से ही कर्मियों की
कमी है, और चूंकि
परिणामस्वरूप दोनों के बीच संबंध टूट गए और उन्होंने आपस में बात करना बंद कर
दिया। (अध्याय 3)

एक महीने तक एक-दूसरे के साथ समन्वय बनाए रखने के बावजूद, शांति-
इस मिशन के काम में रखवाले और स्थानीय पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण थी। 81
कई
संयुक्त राष्ट्र के नौकरशाही तंत्र में ऐसे व्यक्ति जिन्होंने शांति अभियानों में काम किया
था
वैश्विक स्तर पर आगे यह तर्क दिया गया कि यौन दुर्व्यवहार या यहां तक कि इसकी
आशंका भी
कुछ समूहों के साथ अनुचित संबंध किसी मिशन को कमजोर कर सकते हैं।
स्थानीय समुदायों की नजरों में निष्पक्षता, जिससे दोनों के लिए जोखिम पैदा होता है-

संगठन के कर्मियों और उद्देश्यों के बारे में। उनके व्यक्तिगत अनुभव सुसंगत रहे हैं।
केट ग्रेडी के शोध द्वारा इसकी पुष्टि की गई। 82 ग्रेडी ने पाया कि यौन शोषण
और दुर्व्यवहार शांति सैनिकों के मामले में निष्पक्षता के बारे में स्थानीय धारणाओं को
प्रभावित कर सकता है।
किसी गिरोह द्वारा तस्करी की गई महिलाओं को बेचने वाले वेश्यालयों का संरक्षण
करना
संघर्ष में योगदान देकर, वह उस समूह को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही थी। उसने
यह भी पाया कि
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार की रिपोर्टों का इस्तेमाल एक समर्थक के रूप में
किया गया है।
किसी संघर्ष में शामिल पक्षों द्वारा अपने स्वयं के संघर्ष को आगे बढ़ाने के लिए
इस्तेमाल किया जाने वाला एक छद्मवेशी उपकरण।
संयुक्त राष्ट्र के अधिकार को कमजोर करके हितों को नुकसान पहुंचाना: ऐसे समूहों
ने तर्क दिया कि यौन
शांति सैनिकों और एक विशेष समूह के स्थानीय लोगों के बीच बातचीत
इससे संयुक्त राष्ट्र का उस विशेष समूह के प्रति पक्षपात स्पष्ट हो गया।
स्थानीय जनता के बीच संघर्ष और अविश्वास पैदा करने के अलावा-
मेजबान देश में अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति और यौन दुर्व्यवहार
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा की गई गतिविधियाँ संगठनों के बीच अविश्वास और संघर्ष को
भी जन्म देती प्रतीत होती हैं।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के भीतर राष्ट्रीय इकाइयाँ। एक महत्वपूर्ण संख्या
मैंने जिन अंतरराष्ट्रीय कर्मचारियों का साक्षात्कार लिया, उनमें केस स्टडी देशों के
कर्मचारी भी शामिल थे।
और अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय में, उन्होंने साथ काम करने में अनिच्छा व्यक्त की।
जिन सहकर्मियों के बारे में उन्हें पता था कि वे यौन शोषण या दुर्व्यवहार में शामिल थे
(विशेष रूप से लेन-देन आधारित यौन संबंध) या उन संगठनों के साथ जिनकी प्रतिष्ठा
थी-
अपराधियों की जवाबदेही सुनिश्चित न करने के लिए। प्रत्यक्ष संघर्ष भी
कुछ मामलों में यह बात सामने आई: ऑस्ट्रेलियाई अखबार ने बताया कि एक

ऑस्ट्रेलियाई के बाद
एक सैनिक ने जॉर्डन के शांतिरक्षक बलों द्वारा बच्चों के साथ दुर्व्यवहार का खुलासा किया।
ओकुसे में मौजूद लोगों के बीच, जॉर्डनवासियों ने मुखबिर और अन्य लोगों को धमकी दी।
ऑस्ट्रेलियाई शांति सैनिक सशस्त्र टकराव में शामिल थे, जिसके परिणामस्वरूप व्हिसल-
विद्रोही को निकाला जा रहा है और ऑस्ट्रेलिया समर्थक सैनिकों को सहायता के लिए भेज रहा है।
ओकुसे में तैनात ऑस्ट्रेलियाई शांति सैनिकों की रक्षा करें। 83 हालाँकि यह
शांतिरक्षा इकाइयों के बीच प्रत्यक्ष संघर्ष का यह एक दुर्लभ मामला प्रतीत होता है।
अनेक सैन्य अभियानों में अनुभव रखने वाला एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी
वैश्विक स्तर पर यह सुझाव दिया गया कि खराबी होना कोई असामान्य बात नहीं थी।
उन राष्ट्रीय टुकड़ियों के बीच जो सख्त आचरण नियमों का पालन करती थीं और जो नहीं करती थीं
जो अपने कर्मचारियों द्वारा यौन दुर्व्यवहार को बर्दाश्त करते थे। 84 एक और दिलचस्प बात
संगठनात्मक इकाइयों के बीच संघर्ष का एक उदाहरण, जो कि दीर्घकालिक परिणाम के रूप में सामने आता है।

मामले को और भी बदतर बनाना 97

मुझे तिमोर-लेस्ते में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में बताया गया था।
शांति अभियानों का दीर्घकालिक अनुभव रखने वाला वरिष्ठ विदेशी सैन्य अधिकारी-
देश में मौजूद लोगों ने याद दिलाया कि फिजी की एक विशेष इकाई यौन गतिविधियों में लिप्त थी।
तिमोर-लेस्ते में शुरुआती तैनाती के दौरान दुर्व्यवहार, और जब एक फ़िजीयन
एक अलग यूनिट के सैनिक को दस से अधिक वर्षों के लिए वरिष्ठ पद पर नियुक्त किया गया था।
कई वर्षों बाद, उन्हें स्वीकार्यता प्राप्त करने और मजबूत कार्य-स्थापना करने में

कठिनाई होने लगी।
तिमोर के अपने समकक्षों के साथ उनके संबंधों में आ रही समस्याओं के कारण...
अतीत में फ़िजीवासियों के साथ हुए दुर्व्यवहार और इस आशंका के कारण कि वह भी इसी तरह का व्यवहार करेगा
तरीके। ये मामले, यद्यपि प्रकृति और तीव्रता में भिन्न हैं, प्रदर्शित करते हैं
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार किस प्रकार परिचालन परिणामों को कमजोर कर सकता है?
शांति अभियानों का परिणाम संघर्ष को बढ़ावा देने से होता है जब सहयोग के बीच
शांति अभियान और एकीकृत प्रतिक्रियाओं के विभिन्न तत्वों में
किसी मिशन को उसके निर्धारित कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए
महत्वपूर्ण साबित किया गया है।
कर्तव्य। 85

हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार का एक अंतिम परिचालन प्रभाव यह है कि इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण संसाधनों को उन मुख्य शांति निर्माण कार्यों से दूर मोड़ना है जो
शांति अभियानों के दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए मौलिक। मैडलीन
रीस, मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय के प्रमुख
युद्ध के बाद बोस्निया में, संस्थागत व्यवस्था के लिए दबाव बनाने में वे अग्रणी भूमिका में थे।
शांति रक्षक बलों द्वारा किए गए यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति प्रतिक्रिया-
कैथरीन बोल्कोवाक ने जिन बातों का खुलासा किया। उन्होंने उनसे सीखे गए सबकों पर विचार किया।
बोस्निया में काम करने के अपने अनुभव के आधार पर, रीस ने शोधकर्ताओं को बताया है:

वहाँ रहते हुए मुझे ट्रैफिक से निपटने में बहुत परेशानी हुई। मैं बहुत परेशान था।
हमें संघर्षोत्तर मुद्दों पर काम करने के लिए नियुक्त किया गया था। हम इससे कहीं अधिक कर सकते थे।
अगर हम (और यहाँ मेरा तात्पर्य महिला गैर-सरकारी संगठनों से भी है) इन मुद्दों पर

प्रगति कर सकते हैं
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और सरकार के “अच्छे” हिस्सों के साथ काम करने पर हमें अपना 50 प्रतिशत समय मानव तस्करी पर खर्च नहीं करना पड़ता।
बोस्नियाई सरकार बहुत अच्छी थी, वे हमारी बात सुनने को तैयार थे। लेकिन क्या? संक्रमणकालीन न्याय से जुड़े अन्य सभी मुद्दों के साथ भी ऐसा ही हो रहा था, जबकि हम
क्या वे ऐसा कर रहे थे? 86

यह सुझाव कि बोस्निया में हस्तक्षेपकर्ताओं के दुर्व्यवहार ने महत्वपूर्ण अन्य कार्यों में देरी की
कई साक्षात्कारकर्ताओं ने भी इस कार्य की पुष्टि की, जिन्होंने इन- के साथ काम किया था।
यौन शोषण के प्रति अपनी प्रतिक्रिया में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठन-
और बताया कि इसने संसाधनों और ध्यान को इससे दूर कर दिया।
व्यापक संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के दुष्परिणामों का समाधान करना
युद्ध के दौरान। मानवाधिकार कानून और लैंगिक समानता के बोस्नियाई विशेषज्ञ 98
अध्याय 3

उन्होंने इसी तरह की दलीलें देते हुए दावा किया कि सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि
आज देश के सामने सबसे बड़ी समस्या सार्वजनिक नीति, कानून और समर्थन की कमी है।
यौन हिंसा और यौन उत्पीड़न से संबंधित बंदरगाह तंत्र और
इसका तात्पर्य यह है कि यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाओं ने हस्तक्षेप किया होता तो इन मुद्दों का समाधान हो सकता था।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने संबोधन के महत्व के बारे में एक उदाहरण प्रस्तुत किया।
हस्तक्षेपकर्ता यौन हिंसा के प्रति सशक्त प्रतिक्रिया अपनाकर यौन हिंसा को रोकना।
शोषण और दुर्व्यवहार। 87 हालाँकि तिमोर में यह मुद्दा नहीं उठाया गया था-
न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लेस्टे ने तर्क दिया, "यौन

शोषण-
दुर्व्यवहार और गाली-गलौज हमारी विश्वसनीयता को उतना प्रभावित नहीं करते जितना कि इसका मतलब यह है कि
हम जहां भी काम कर रहे हैं, वहां चीजों को जल्दी ठीक नहीं कर सकते," और सुझाव दिया।
कि "चीजों को ठीक करने" में देरी का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है
संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता। 88 यह दर्शाता है कि यौन उत्पीड़न का जवाब देना कितना अनिवार्य है।
शांति अभियानों के दौरान मौजूदा संसाधनों और कर्मियों का दुरुपयोग करना।
इससे प्रमुख कर्मचारियों और परिचालन इकाइयों का ध्यान भटक सकता है।
संचालन का मुख्य व्यवसाय, जिसमें समग्र लक्ष्यों का अनुसरण करना शामिल है।
मिशन रणनीति, युद्धकालीन अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना (सहित यौन हिंसा), प्रभावशीलता और जवाबदेही को मजबूत करना
सुरक्षा क्षेत्र, और मानवाधिकार ढांचे को स्थापित करने के लिए स्थानीय प्रयासों का समर्थन करना-
युद्धोत्तर राज्य और विधायी संरचनाओं में कार्य और नीतियां। विलंब
इन मुख्य कार्यों में महत्वपूर्ण बदलाव शांति अभियानों के परिणामों पर असर डाल सकते हैं।
संगठन ये हासिल करने में सक्षम हैं।
इस चर्चा से यह स्पष्ट हो गया है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार किस प्रकार
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए कार्यों से गलत धारणाओं को बढ़ावा देकर महत्वपूर्ण परिचालन प्रभाव पड़ सकते हैं।
अंतर्राष्ट्रीय मिशन के भरोसे को ठेस पहुँचाते हुए, दोनों पक्षों के बीच संघर्ष को बढ़ावा दिया गया।
स्थानीय समुदाय और अंतर्राष्ट्रीय कर्मियों तथा विभिन्न तत्वों के बीच
किसी मिशन से ध्यान हटाकर और महत्वपूर्ण कार्यों से ध्यान और संसाधनों को हटाकर
शांति निर्माण कार्यों और दुर्व्यवहार का जवाब देने की दिशा में। पार क्या है?
विशेष रूप से ध्यान देने योग्य बात यह है कि ये परिचालन-स्तर के प्रभाव किस प्रकार

एक दूसरे से जुड़ते हैं और
ये संरचनात्मक और आंतरिक स्तर पर पहले से पहचाने गए प्रभावों को परस्पर सुदृढ़ करते हैं।
शांति अभियानों में व्यक्तिगत/सामुदायिक स्तर। इन तीनों को मिलाकर देखें तो...
प्रभावों का स्तर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए महत्वपूर्ण बाधाएं प्रस्तुत करता है।
शांति अभियानों में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की समुदाय की क्षमता पर सवाल उठते हैं और संदेह पैदा होता है।
उन मूल्यों की विश्वसनीयता पर जो उन्हें प्रेरित करते हैं।
हालांकि, चर्चा के दौरान एक दिलचस्प विरोधाभास सामने आया।
स्थानीय उत्तरदाताओं द्वारा यौन शोषण के प्रभावों के बारे में दिए गए विवरण
दुर्व्यवहार से पता चलता है कि इस तरह के व्यवहार गहरे तनाव में हैं।
शांति अभियानों के मूल लक्ष्य और सिद्धांत तथा उनसे प्रभावित होने वाले कारक
मामले को और भी बदतर बनाना 99

मिशन के परिणाम महत्वपूर्ण तरीकों से प्रभावित होते हैं। फिर भी, कुल मिलाकर, स्थानीय उत्तरदाताओं
तिमोर-लेस्ते और बोस्निया दोनों में यह तर्क दिया गया कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार इससे हिंसा को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।
सुरक्षा स्थापित करना और उसे बनाए रखना। अधिकांश ने सुझाव दिया कि सुरक्षा का तथ्य
अपने देश में अपेक्षाकृत सफलतापूर्वक स्थापित (कुछ संकटों के बावजूद)
यह इस बात का सबूत था कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार का कोई प्रभाव नहीं पड़ा या इससे कोई फर्क नहीं पड़ा।
शांति अभियान के समग्र परिणामों का निर्धारण करना। यह दर्शाता है कि
शांति अभियानों के मूल लक्ष्यों के बारे में काफी संकीर्ण दृष्टिकोण: सुरक्षा
स्थानीय उत्तरदाताओं द्वारा अंतर-क्षेत्रीय लक्ष्यों के अतिरिक्त इसे महत्व दिया गया।
राष्ट्रीय समुदाय स्वयं भी इसे समान रूप से महत्वपूर्ण मान सकता है, जैसे कि
मानवाधिकारों की रक्षा, न्याय और जवाबदेही की खोज,

और कानून के शासन की स्थापना तथा युद्धोत्तर सशक्त एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थापना
सुरक्षा संस्थानों। यह इस बात के बीच एक मूलभूत तनाव को दर्शाता है कि कैसे शांति अभियानों के उद्देश्य उन लोगों द्वारा समझे जाते हैं जो उनके लिए अभियान चलाते हैं।
मिशन और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा उन्हें किस प्रकार समझा जाता है,
और यह दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं का व्यवहार किस प्रकार प्रभावित कर सकता है।
वे अपने मिशनों के लिए जो मूलभूत औचित्य प्रस्तुत करते हैं
इसके विपरीत, स्थानीय समुदाय जिन चीजों को सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं, उनके विपरीत...
इसके अलावा, यह इस बात में एक तनाव को दर्शाता है कि विभिन्न तत्व किस प्रकार शांति अभियानों को एक दूसरे से संबंधित समझा जाता है; शांतिरक्षा
जैसा कि पहले चर्चा की गई है, यह सिद्धांत मानता है कि स्थायी शांति की स्थापना और सुरक्षा न्याय से संबंधित लक्ष्यों की प्राप्ति पर निर्भर है।
कानून का शासन, लोकतंत्र और समावेशिता। इससे पता चलता है कि अधिक काम की आवश्यकता है।
शांति अभियानों के व्यापक लक्ष्यों को संप्रेषित करने के लिए यह आवश्यक है और स्थानीय समुदायों को इनके बीच के संबंध को समझने में शामिल करना।
सुरक्षा और व्यापक राजनीतिक, सामाजिक और न्याय संबंधी स्थापना
शांति अभियानों में लक्ष्य।

इस अध्याय में यह दिखाया गया है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार किस प्रकार अंजाम दिए जाते हैं।
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा की गई कार्रवाइयों के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।
शांति अभियानों के परिणाम और यह किस प्रकार व्यापक लक्ष्यों को कमजोर करता है
इस प्रकार के कार्यों की स्थापना में सहायता करने के उद्देश्य से किए जाते हैं।

शांति और सुरक्षा तथा मानवाधिकारों और कमजोर वर्गों के संरक्षण के लिए
बोस्निया और तिमोर-लेस्ते के अनुभव दर्शाते हैं कि यौन
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किया गया दुर्व्यवहार अल्पावधि में इन लक्ष्यों का प्रत्यक्ष उल्लंघन करता है।
साथ ही, यह प्रथाओं और अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने में भी योगदान देता है।
जो शांति अभियानों से भी अधिक समय तक चलते हैं और इस प्रकार उनकी दिशा में किए जा रहे प्रयासों को कमजोर करते हैं 100 अध्याय 3

इसके दूरगामी परिणाम भी होते हैं। इस प्रकार के दुर्व्यवहार के प्रभाव व्यापक रूप से दिखाई देते हैं।
कई स्तरों पर: व्यक्तियों और उनके समुदायों के लिए; संरचना के लिए-
युद्धोत्तर राज्यों और समाजों की प्रकृति, अर्थव्यवस्थाओं और संस्कृतियों; और इसके लिए
मिशनों की अपने निर्धारित कार्यों को प्रभावी ढंग से संपन्न करने की क्षमता और अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना। इससे निकलने वाला एक स्पष्ट निष्कर्ष यह है।
विश्लेषण से पता चलता है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार करने में हस्तक्षेप करने वाले...
मानवाधिकार उल्लंघन करते हैं, संरचनाओं और प्रक्रियाओं को मजबूत करते हैं
जो आगे शोषण और दुर्व्यवहार को बढ़ावा देते हैं, और संघर्ष को जन्म देते हैं।
ऐसे व्यवहारों पर आपत्ति जताने वाले उपभोक्ताओं के लिए; इसलिए ये परिणाम इसके अनुरूप नहीं हैं।
शांति सैनिकों के स्थानीय स्तर पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में सामान्य अपेक्षाएँ
जनसंख्या और मेजबान राज्य।
इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इस अध्याय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इसके निहितार्थों का क्या अर्थ है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार के स्पष्ट और दीर्घकालिक परिणाम होते हैं।
जिन शांति अभियानों में उन्हें तैनात किया जाता है, उनके परिणामों के लिए।
दूसरे शब्दों में, हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार से नुकसान होता है।

मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता
और इसके परिणामस्वरूप ऐसे परिणाम निकलते हैं जो व्यापक लक्ष्यों के साथ सीधे
तौर पर विरोधाभास में होते हैं।
स्थायी शांति, सुरक्षा और मानवाधिकारों के सम्मान की स्थापना के इर्द-गिर्द
जो शांतिरक्षा परियोजना को गति प्रदान करते हैं। वास्तव में, अध्ययन किए गए
मामलों में, ऐसे कारक पाए गए हैं।
व्यवहारों ने पैटर्न के विस्तार और सुदृढ़ीकरण में योगदान दिया।
मानवीय पीड़ा और लैंगिक शोषण की संस्कृतियों और अर्थव्यवस्थाओं के बारे में-
यौन शोषण, दुर्व्यवहार और दण्ड मुक्ति, जो शांति अभियानों के बाद भी लंबे समय
तक जारी रही।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार अविश्वास का एक महत्वपूर्ण स्रोत था।
स्थानीय समुदाय और अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप, विशेष रूप से जब यह
यह उन अन्य व्यवहारों से जुड़ा हुआ था जो शक्ति को बढ़ाते और उसका दुरुपयोग
करते थे।
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं और स्थानीय लोगों के बीच असंतुलन। इसके अलावा-
इसके अलावा, इसने मिशन के भीतर और बाहर दोनों जगह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष
संघर्ष को जन्म दिया।
स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कर्मियों के बीच। और अंत में, इसने महत्वपूर्ण जानकारी
को दूसरी दिशा में मोड़ दिया।
(और सीमित) संसाधनों को शांति निर्माण के मूल मुद्दों से हटाकर अन्य मुद्दों की ओर
लगाना।
हस्तक्षेपकर्ता के दुर्व्यवहार पर प्रतिक्रिया। इन परिणामों ने इसे कमजोर कर दिया।
अंतर्राष्ट्रीय कर्मियों की अपने लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने की क्षमता, दोनों
प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से, समुदाय के विश्वास को कमजोर करके
शांति अभियान का उद्देश्य और विश्वसनीयता। इसके अलावा, यह विश्लेषण-
इस शोध से पता चला है कि अधिक हिंसक मामलों की सीमित संख्या भी
यौन शोषण के विभिन्न रूप हस्तक्षेप पर जनमत को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते
हैं।
और यहां तक कि यौन दुर्व्यवहार के वे रूप भी जिन्हें कम जघन्य माना जाता है

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा – अर्थात् लेन-देन आधारित यौन संबंध – का महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है।
शांति निर्माण के परिणामों और वैधता की धारणाओं को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है।
शांति अभियानों का।
जेनी व्हलन के शांति अभियानों के काम करने के तरीके पर किए गए अध्ययन से पता चला कि
अपने परिवर्तनकारी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, शांति अभियान सबसे पहले निर्भर करते हैं।
और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्थानीय अनुपालन प्राप्त करने और बनाए रखने की उनकी क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया जाए।
और सहयोग। उनका तर्क है कि यह तभी संभव है जब शांति वार्ता हो।
स्थानीय समुदायों द्वारा इन कार्यों को वैध माना जाता है:

जब स्थानीय पक्ष किसी शांति अभियान को वैध मानते हैं, तो उनके द्वारा ऐसे कार्यों को करने की संभावना अधिक होती है जो अभियान को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं।
किसी शांति अभियान, उसके कर्मियों और उसके लक्ष्यों का "सही" होना कोई प्रमाण नहीं देता।
स्थानीय अभिनेताओं के सहयोग करने के लिए स्थानीय कारण; इस बीच, यह धारणा कि
कोई ऑपरेशन अवैध है—यानी वह अनुचित, पक्षपातपूर्ण, अविश्वसनीय या स्वार्थपूर्ण है।
अपमानजनक—स्थानीय कलाकारों को इसका विरोध करने के कारण प्रदान करता है।
89

यह मौलिक रूप से सामाजिक शक्ति संबंधों को उजागर करता है।

स्थानीय समुदायों और अंतर्राष्ट्रीय कर्मियों और इसके महत्व के बारे में।
स्थानीय समुदायों और हस्तक्षेपकर्ताओं के बीच सामाजिक अनुबंध—अंततः,
कि "समाज के लोग सत्ता के केंद्रीकरण को स्वीकार कर लेंगे"
सरकार का एक ऐसा स्वरूप, इस शर्त पर कि सरकार उनकी रक्षा करे।
व्यक्तिगत और सामूहिक अधिकार।" 90 यह निर्माण पर निर्भर करता है
किसी शांति अभियान के अधिकार और राजनीतिक शक्ति के लिए एक नैतिक आधार,
जो वैधता की स्थानीय धारणाओं के लिए केंद्रीय है: उपरोक्त विश्लेषण दर्शाता है-
यह दर्शाता है कि हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार किस प्रकार स्थानीय व्यवस्था को सीधे तौर पर कमजोर करता है।
वैधता की धारणाएं और सहयोग करने तथा अनुपालन करने की तत्परता
शांति अभियान। यौन शोषण और दुर्व्यवहार का कृत्य, और
अपराधियों को जवाबदेह ठहराने में विफलता, निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करती है।
मानवाधिकारों के मानदंडों के प्रति अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की प्रतिबद्धता, जवाबदेही-
क्षमता और कानून का शासन—जो कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को देखते हुए
युद्धोत्तर समाजों में इन मानदंडों को स्थापित करने का प्रयास एक गहरी खामी को उजागर करता है।
शांतिरक्षा परियोजना में पाखंड।

शांतिरक्षा का यह क्षण अपार संभावनाओं और अवसरों से भरा है।
जिसके दौरान अंतर्राष्ट्रीय समुदाय स्थानीय स्तर पर सहायता प्रदान करने के लिए काम कर सकता है
हिंसा से शांतिपूर्ण तरीकों की ओर संक्रमण कर रहे समुदाय
सामाजिक और राजनीतिक संगठन और प्रतिस्पर्धा। यह अवसर हाथ से निकल गया।
जब हस्तक्षेपकर्ता स्थानीय 102 अध्याय 3 के विरुद्ध यौन शोषण और दुर्व्यवहार करते हैं

आबादी, इसके बजाय दण्डमुक्ति, पीड़ा और
युद्धोत्तर समाजों और राज्य संरचनाओं में हिंसा और क्षमता को सीमित करना
स्थानीय पक्षों को वैधता के बारे में आश्वस्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की

आवश्यकता है।
शांति अभियान में इसके लक्ष्यों और विधियों की आलोचना। यह विश्लेषण एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।
प्रश्न: क्या यौन दुर्व्यवहार के ये प्रभाव एक स्तर पर ही समाप्त हो जाते हैं?
क्या वे उन मिशनों को प्रभावित कर सकते हैं जिनमें दुर्व्यवहार किए जाते हैं या क्या वे अंतर-
राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता और विश्वसनीयता, जिसके व्यापक परिणाम होंगे।
अंतर्राष्ट्रीय शांति स्थापना परियोजना के लिए? यही वह प्रश्न है जिसका उत्तर दिया जाना चाहिए।
अगला अध्याय शुरू होता है।

4

संकट में वैधता

यौन दुर्व्यवहार के प्रभाव
क्षमता और विश्वसनीयता

पिछले अध्याय में यह स्थापित करने के बाद कि यौन शोषण किस प्रकार होता है...
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ता है।
विशिष्ट मिशनों में अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए समुदाय की क्षमता पर, मैं ध्यान केंद्रित करता हूँ।
इस अध्याय में इस प्रश्न पर विचार किया जाएगा कि क्या ऐसे व्यवहारों के निहितार्थ हैं-
विशिष्ट मिशनों से परे के कार्यों के वैश्विक राजनीतिक निहितार्थ क्या हैं?
क्या यौन दुर्व्यवहार घोटालों का कोई हल है? क्या यौन शोषण और दुर्व्यवहार...
इससे जनता की नजरों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की विश्वसनीयता कम हो जाती है।
और दुनिया भर के समुदायों को प्रभावित करता है, ठीक उसी तरह जैसे यह

विश्वसनीयता को कम करता है।
क्या यह स्थानीय स्तर पर काम करता है? क्या इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिचालन क्षमताओं पर प्रभाव पड़ता है?
और, शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या यह वैधता की धारणाओं को प्रभावित करता है?
वैश्विक शांतिरक्षा और शांति निर्माण परियोजना के बारे में? इन सवालों के जवाब देते हुए
प्रश्नों के उत्तर में, यह अध्याय स्थानीय और परिचालन स्तर के विश्लेषण से हटकर अन्य पहलुओं पर केंद्रित हो जाता है।
एक ऐसे दृष्टिकोण की ओर जो मुख्य रूप से संस्थागत और व्यापक स्तर के प्रभावों पर केंद्रित है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार।
यह अध्याय दर्शाता है कि व्यक्तिगत मिशनों में यौन दुर्व्यवहार
इसके दूरगामी प्रभाव हैं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जुड़ने की क्षमताओं को कम करते हैं (अध्याय 4)।

शांति अभियानों में प्रभावी ढंग से और कथित वैधता को कम करना
शांतिरक्षा और शांतिनिर्माण में संलग्न अंतर्राष्ट्रीय समुदाय,
इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय समुदाय की आगे बढ़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है।
शांतिरक्षा को प्रेरित करने वाले व्यापक महत्वाकांक्षी लक्ष्य। विश्लेषण करके
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं के स्वयं के दृष्टिकोण और अनुभव और
2015 में शांतिरक्षकों के साथ हुए यौन शोषण पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं पर नज़र रखकर
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में घोटाला और 2018 में ऑक्सफैम द्वारा यौन शोषण का मामला।
हैती में शोषण कांड, यह अध्याय दर्शाता है कि इस तरह के व्यवहार-
आईओआरएस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी क्षमता और कथित वैधता को कमजोर करते हैं।
समुदाय कई परस्पर सुदृढ़कारी तरीकों से। यौन शोषण-

दुर्व्यवहार और दुरुपयोग निष्पक्षता की धारणाओं को प्रभावित करता है और इसे कम करता है।
हस्तक्षेपकर्ताओं को अपने संगठन पर जो भरोसा है और
अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा परियोजना, जिसके कारण कर्मचारियों की छंटनी होती है। यह इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न होता है।
विभिन्न संगठनात्मक या शांतिरक्षा इकाइयों के बीच संघर्ष के परिणामस्वरूप
दुर्व्यवहार की आशंका शांति सैनिकों के मनोबल को कम करती है और
मानवतावादी। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र द्वारा मुआवजे की बढ़ती मांग के साथ-
शांति सैनिकों द्वारा यौन दुर्व्यवहार के पीड़ितों के लिए सहायता और समर्थन, यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटने के लिए अपनाई गई नीतिगत प्रतिक्रियाओं से वित्तीय दबाव और बढ़ सकता है।
पहले से ही कम वित्तपोषित संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों पर संसाधनों का अपवर्जन करना।
अन्य केंद्रीय शांतिरक्षा कार्यों से। शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यौन शोषण-
शोषण और दुर्व्यवहार स्थापित प्रक्रियाओं के लिए एक चुनौती पेश करते हैं।
संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय जिस वैधता की तलाश करते हैं,
दुनिया की नजरों में नैतिक अधिकार की धारणा को बनाए रखने के लिए
राज्यों और लोगों के बीच संबंध इसके निरंतर कार्य के लिए मूलभूत हैं। यह
इसके परिणामस्वरूप शांति अभियानों के लिए वित्तीय और अन्य सहायता में कमी आएगी और
संबंधित कार्यों को बढ़ावा देना और हस्तक्षेप-विरोधी अभियानकर्ताओं को सामग्री प्रदान करना, जो
मिशनों में क्षमता पर तत्काल प्रभाव पड़ता है और एक ऐसा चक्र बनता है जिसके द्वारा-
विश्वसनीयता में कमी से क्षमता और भी कम हो जाती है, जो बदले में और भी अधिक नुकसान पहुंचाती है।
इससे विश्वसनीयता की धारणा कम हो जाती है। इसके गंभीर परिणाम होते हैं।
शांतिरक्षा और शांतिनिर्माण के भविष्य के बारे में सुझाव देते हुए, यह सुझाव दिया गया है कि यौन दुर्व्यवहार...

डक्ट मुख्य दक्षताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है और
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सामूहिक लक्ष्य।
यह अध्याय दो भागों में विभाजित है। पहला भाग इस प्रश्न का समाधान करता है।
क्षमता की जांच करना, यह पता लगाना कि हस्तक्षेप करने वालों द्वारा यौन शोषण
और दुर्व्यवहार कैसे होता है।
ईआरएस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की क्षमता को प्रभावित करता है।
शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने से संबंधित अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना। यह
अनुभाग-
और इस तरह के व्यवहारों के वैश्विक राजनीतिक निहितार्थों पर चर्चा करता है, जिनमें
शामिल हैं:

शांतिदूत के रूप में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की कथित विश्वसनीयता के लिए और
शांति निर्माता और शांतिरक्षा एवं शांति निर्माण परियोजना के लिए अधिक
व्यापक रूप से। यह इस बात पर विचार करता है कि यौन दुर्व्यवहार किस प्रकार एक
चुनौती प्रस्तुत करता है।
संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाई जाने वाली वैधता की स्थापित प्रक्रियाओं के माध्यम से
विश्व के राज्यों और लोगों की दृष्टि में अपनी नैतिक प्रतिष्ठा बनाए रखना।
और केस स्टडी के माध्यम से यह पता लगाता है कि यह किस प्रकार परस्पर
सुदृढ़कारी संबंध बनाता है।
क्षमता और कथित विश्वसनीयता में लगातार गिरावट आती रहती है।

क्षमता को कमजोर करना?

पिछले अध्याय में यह दिखाया गया था कि संसाधनों को दूसरी ओर मोड़कर कैसे
महत्वपूर्ण शांति निर्माण कार्यों से और आंतरिक पक्षों के बीच विश्वास को कमजोर
करने से।
उन संदर्भों में जहां अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ता और स्थानीय आबादी-
हस्तक्षेपकर्ताओं को तैनात किया गया, हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और

दुर्व्यवहार किया गया
इससे केंद्रीय मिशन लक्ष्यों को प्राप्त करने की उनकी क्षमता कमजोर हो गई।
अनुसंधान
हस्तक्षेपकर्ताओं के अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर किया गया
यह सुझाव दिया गया कि क्षमता पर प्रभाव कहीं अधिक व्यापक थे और कई मामलों में
ऐसे तरीकों से, जो अनुमान से कहीं अधिक कपटपूर्ण और दूरगामी हैं।
पहली नजर में, क्योंकि यौन दुर्व्यवहार जिस तरह से कमजोर करता है
हस्तक्षेपकर्ता समुदाय के भीतर वैधता के बारे में धारणाएँ
इससे उनका अपना काम बढ़ जाता है और पहले से ही दबाव में चल रही संस्था पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव पड़ता है।
संयुक्त राष्ट्र प्रणाली पर अत्यधिक दबाव है।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ काम करने का विकल्प चुनने वाले कई लोग शांति अभियानों में—नागरिक शांति रक्षकों, सैन्य विशेषज्ञों और अन्य के रूप में—संयुक्त राष्ट्र मिशनों में व्यक्तिगत पुलिस (वर्दीधारी टुकड़ियों से अलग)
राज्यों द्वारा तैनात) या व्यापक गैर-शांति स्थापना उपस्थिति के हिस्से के रूप में—वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे उन मूल्यों और लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं जो उनके आधारभूत सिद्धांतों का आधार हैं।
मानवीय और शांति निर्माण के प्रयास। मानवीय स्वास्थ्य का एक अध्ययन।
श्रमिकों ने पाया कि उपक्रम शुरू करने के लिए सबसे आम प्रेरक कारक...
इस तरह की तैनाती करना दूसरों के प्रति जिम्मेदारी की भावना थी—एक नैतिक दायित्व—जो व्यक्तिगत जोखिम और असुविधा के विचारों से अधिक महत्वपूर्ण था—आपातकालीन परिस्थितियों में तैनाती के दौरान सुविधा। 1 अन्य शोधों में
इसी प्रकार मानवीय कार्यों के लिए नैतिक प्रेरणाओं के महत्व पर प्रकाश डाला गया।
मानवता, परोपकारिता, एकजुटता, सहानुभूति जैसे मूल्यों पर आधारित भारतीय श्रमिक-
और लोकतंत्र, और यह तथ्य कि दूसरों की मदद करने की प्रबल प्रेरणा है
अन्य प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियों को प्रेरित करने वाली प्रेरणाओं से अधिक महत्वपूर्ण है, जैसे कि अध्याय 4 (106)

वित्तीय लाभ और पेशेवर विशेषज्ञता विकसित करने की इच्छा के कारण। 2 वास्तव में इनमें से कई मूल्य मानवीय सिद्धांतों में निहित हैं।
रेड क्रॉस और एनजीओ आचार संहिता तथा 1991 में उल्लिखित
संयुक्त राष्ट्र महासभा संकल्प 46/182। इन मूल सिद्धांतों में शामिल हैं:
सभी व्यक्तियों के प्रति मानवीय व्यवहार और सम्मान, सर्वोपरिता
मानवीय अनिवार्यता (मानवीय सहायता प्राप्त करने और प्रदान करने का अधिकार)
जहां भी आवश्यकता हो सहायता प्रदान करना, सहायता प्रदान करने में निष्पक्षता बरतना।
और स्वतंत्रता। 3 यौन शोषण और दुर्व्यवहार का कृत्य
मानवीय कार्यों और शांति अभियानों में शामिल लोग स्पष्ट रूप से उल्लंघन करते हैं
इन सिद्धांतों में से पहले तीन, इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि, अंतर-
कई उत्तरदाताओं के विचारों के अनुसार, उनके व्यक्तिगत विचारों के बीच तनाव का कारण यही था।
इन सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता और यौन शोषण का ज्ञान या
सहकर्मियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के गंभीर परिणाम होते हैं।
अपने संगठनों और मिशन में विश्वास और आत्मविश्वास।
कई महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके ज्ञान ने
सहकर्मियों द्वारा यौन रूप से अनुचित व्यवहार ने आत्मविश्वास को प्रभावित किया।
उनके अपने संगठन में और शांतिरक्षा परियोजना में अधिक लोग थे।
व्यापक रूप से। उदाहरण के लिए, एक प्रवासी महिला जिसने तिमोर में काम किया था-
स्वतंत्रता के बाद से लेस्टे का तर्क रहा है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई लोग...
राष्ट्रीय मिशन तिमोरियों की सुरक्षा और जरूरतों के बारे में बहुत चिंतित थे।
समुदायों में, उन्हें उन लोगों के साथ काम करना पड़ा जो ऐसा नहीं करते थे और जो
वे अपने कुछ अंतर्संबंधों के शोषणकारी स्वरूप को भी पहचानने में विफल रहे।
स्थानीय व्यक्तियों के साथ की गई कार्रवाइयां, विशेष रूप से ऐसे संबंध जो
निम्नलिखित विशेषताओं से युक्त हैं:
सत्ता का भारी असंतुलन। 4 एक अन्य ने मुझे बताया कि उसने अपने प्रति सम्मान

खो दिया।
जब उसने वेश्यालयों के बाहर संयुक्त राष्ट्र के वाहन खड़े देखे तो उसके सहकर्मियों ने उससे पूछा कि
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार ने मूल रूप से इसकी छवि को धूमिल कर दिया।
उनकी नजरों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिष्ठा। 5 दोनों ने सुझाव दिया
इससे उनके उन सहकर्मियों के साथ कामकाजी संबंधों पर असर पड़ा जिन्हें वे जानते थे।
यौन दुराचार में लिप्त होना, जिसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।
परिणाम। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक वरिष्ठ पुरुष कर्मचारी।
इसी प्रकार यह तर्क दिया गया कि संयुक्त राष्ट्र पर यौन शोषण और दुर्व्यवहार का प्रभाव
कर्मचारियों की संख्या अधिक है और यदि आप इसका हिस्सा हैं तो इससे तालमेल बिठाना "मुश्किल" है।
संयुक्त राष्ट्र प्रणाली: "जब आप संयुक्त राष्ट्र के बारे में जानते हैं, तो आप इसे अपने बच्चों को कैसे समझाएंगे?"
क्या यह इससे बेहतर होना चाहिए था?" 6 यह भावना तब और बढ़ गई जब
उत्तरदाताओं का मानना था कि उनके संगठन ने यौन उत्पीड़न के आरोपों पर कार्रवाई करने में विफल रहा।
दुर्व्यवहार के दोषियों को गंभीरतापूर्वक और उचित रूप से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।
जिनेवा में एक साक्षात्कारकर्ता ने याद किया कि उसके वरिष्ठ नेताओं ने उससे कहा था

संगठन ने कहा कि जब उसने यह मुद्दा उठाया तो वह "समस्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रही थी"।
कर्मचारियों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मुद्दे, और यह कि, जब मजबूर किया जाता है

जवाब में, प्रबंधन मुख्य रूप से संगठनात्मक जोखिम से चिंतित था।
और पीड़ितों के प्रति जवाबदेही के बजाय प्रतिष्ठा। 7 कई पुन:-
प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ काम करने वाले उत्तरदाताओं ने कहा कि वहाँ
कर्मचारियों के बीच निराशा की भावनाएँ विशेष रूप से तीव्र थीं जब-
वरिष्ठ नेताओं ने यह मानने से इनकार कर दिया कि उनके कर्मचारी यौन शोषण करेंगे।
दुर्व्यवहार के खिलाफ खड़े रहे और इस धारणा पर अड़े रहे कि सभी कर्मचारी इससे
प्रेरित थे।
परोपकारी मूल्य और मानवीय आचार संहिता में निहित सिद्धांत
कि उन्होंने हस्ताक्षर किए थे। यह बोस्नियाई लोगों द्वारा व्यक्त की गई भावना को
प्रतिध्वनित करता है।
जब मिशन नेतृत्व ने इनकार कर दिया तो संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ काम करने
वाले उत्तरदाताओं ने
शांतिरक्षकों की यौन संलिप्तता के बारे में व्यापक रूप से ज्ञात तथ्यों को स्वीकार
करना
पिछले अध्याय में शोषण पर चर्चा की गई है। समर्थन में शामिल व्यक्ति-
पीड़ित विशेष रूप से उस व्यवस्था से परेशान थे जिसे उन्होंने व्यवस्थागत बताया।
आरोपों के बाद पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति, विशेष रूप से मामलों में
लेन-देन संबंधी यौन संबंध या वेश्यावृत्ति में संलिप्तता और जांच में
ऐसी प्रक्रियाएँ जो पीड़ित-केंद्रित नहीं थीं और अक्सर रिपोर्ट वापस देने में विफल
रहती थीं
पीड़ितों ने अपने आरोपों के परिणामों पर अपनी राय व्यक्त की। 8
कुल मिलाकर, वरिष्ठ नेताओं की यह स्वीकार करने में अनिच्छा कि मानवतावादी-
ताइवानी कर्मी भी यौन शोषण और दुर्व्यवहार करते हैं, अपर्याप्त
आरोपों पर प्रतिक्रियाएं, मुखबिरों के प्रति खराब या प्रतिशोधात्मक प्रतिक्रियाएं,
और एक ऐसी संस्कृति जहाँ कुछ व्यवहारों को बिना किसी कारण के स्वीकार कर
लिया जाता है, भले ही वे
शोषणकारी नीतियां कर्मचारियों के अपने संगठन पर भरोसे को कमज़ोर करती प्रतीत
होती हैं।
स्थापना और शांति स्थापना परियोजना में। इसके महत्वपूर्ण परिणाम हैं।

कर्मचारियों के मनोबल के लिए व्यापक रूप से: साक्षात्कार किए गए कई प्रवासी कर्मचारियों ने,
विशेषकर महिलाओं ने बताया कि इन सब के परिणामस्वरूप वे निराश थीं।
उन्होंने उन कारकों का उल्लेख किया और बताया कि वे ऐसे सहकर्मियों को जानते थे जिन्होंने गलत तरीके से नौकरी छोड़ दी थी।
परिणामस्वरूप, एक पूर्व वरिष्ठ एनजीओ कर्मचारी
वह सदस्य जो अपनी संस्था में रोकथाम के लिए मुख्य केंद्र बिंदु रही थी
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में याद करते हुए उसने बताया कि समय के साथ उसे यह एहसास हुआ कि
वहाँ "बुराइयों का एक पदानुक्रम" था जिसके तहत एजेंसियां यह तय करती थीं कि कौन से व्यवहार स्वीकार्य हैं।
बदतर हैं। 9 हालाँकि, उन्होंने बताया कि एक अंडर की अनुपस्थिति में-
महिलाओं पर यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभावों की समझ और
बच्चों में, इस तरह के व्यवहार को कमतर रूप में देखना आसान था।
बुराई का और एक ऐसा क्षेत्र जिसमें एजेंसियां कम संसाधन लगा सकें।
कपड़े पहनना। यह विशेष रूप से उन कार्यों के लिए सच था जिनमें किसी न किसी स्तर की भागीदारी होती है।
सहमति या लेन-देन का, जो उनके शोषणकारी स्वरूप को समझना कठिन बना देता है

पता लगाना। इन संस्कृतियों को बदलने और स्थापित करने के प्रयास में असफल होने के बाद।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटने के लिए मजबूत तंत्रों के बावजूद, उन्होंने पद छोड़ दिया।
यह क्षेत्र जिनेवा स्थित यौन शोषण और दुर्व्यवहार विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा संचालित है।
यह तर्क दिया गया कि बाल संरक्षण नीतियों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता है।
दानदाताओं और संगठनात्मक नेतृत्व के बारे में, लेकिन यही बात अन्य लोगों के लिए सच नहीं है।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार संबंधी नीतियां दर्शाती हैं कि यह पदानुक्रम किस प्रकार कार्य करता है।
अभ्यास। 10
सारा वॉन बिलरबेक के शोध से पता चला है कि संयुक्त राष्ट्र अपनी पहचान को इस प्रकार प्रस्तुत करता है-
वैश्विक स्तर पर संघर्षों के प्रति प्रतिक्रिया देने में अपनी परिचालन भूमिका के संदर्भ में यह संस्था सर्वोपरि है।
और दूसरा, विकास, समर्थन और
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानदंडों और संयुक्त राष्ट्र सिद्धांतों को बढ़ावा देना। 11 ये
यह परिभाषित करें कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी स्वयं को कैसे देखते हैं और "योग्यता और औचित्य"
संघर्षोत्तर परिस्थितियों में उनकी भूमिका के बारे में।" 12 संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों के साथ मेरे साक्षात्कार
और शांति अभियानों से जुड़े अन्य लोगों ने दिखाया कि कैसे यौन दुर्व्यवहार...
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा संचालित प्रक्रिया इन दोनों धारणाओं को चुनौती देती है:
कमजोर करके
पिछले अध्याय में प्रदर्शित परिचालनात्मक प्रभावशीलता, और
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के मानदंडों और सिद्धांतों का प्रत्यक्ष उल्लंघन करके-
देश का दावा है कि वह शांति अभियानों में इसी भावना से प्रेरित है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि
कर्मचारियों की सही और न्यायसंगत होने संबंधी मान्यताओं को मौलिक रूप से चुनौती देना।
उनके काम और जिस अंतरराष्ट्रीय परियोजना का वे हिस्सा हैं, उसमें यौन शोषण शामिल है।
शोषण और दुर्व्यवहार से कर्मचारियों की संख्या में कमी आती है और वे अपने काम से विमुख हो जाते हैं।
संगठन के मिशन और परिणामस्वरूप मानव संसाधनों पर पड़ने वाले इस दबाव के कारण,
इससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने की क्षमता कम हो

जाती है।
शांति अभियानों के माध्यम से संघर्षों का समाधान करना।
एक और तरीका जिससे यौन दुर्व्यवहार क्षमता को कमजोर करता है
विशिष्ट मिशनों की तुलना में व्यापक रूप से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय
पहले से ही सीमित संसाधनों को प्रतिक्रिया तंत्रों की ओर मोड़कर
पीड़ितों को संस्थागत सहायता प्रदान करने के रूप में। 2016 में, महासचिव गुटेरेस
यौन शोषण के पीड़ितों की सहायता के लिए ट्रस्ट फंड की स्थापना की गई।
और दुर्व्यवहार, जो अगले वर्ष चालू हो गया। ट्रस्ट फंड
पीड़ितों को मुआवजा प्रदान नहीं करता बल्कि इसके बजाय दुर्व्यवहार में संलग्न रहता है।
सामुदायिक संपर्क स्थापित करना और विशेष सेवाएं प्रदान करने वाली परियोजनाओं को समर्थन देना
और यौन शोषण से पीड़ित और उससे पैदा हुए बच्चों को सहायता प्रदान करना।
दुर्व्यवहार। यह वर्तमान में तीन देशों में काम कर रहा है जहां उच्च दर देखी गई है।
शांति सैनिकों द्वारा किए गए यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में: डेमोक्रेटिक पार्टी
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, मध्य अफ्रीकी गणराज्य और लाइबेरिया।
उन्नीस देशों ने स्वेच्छा से इस ट्रस्ट फंड में योगदान दिया है, जो कि...

2017 के मध्य तक, कुल मिलाकर लगभग 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर उपलब्ध थे।
इसमें से 317,000 डॉलर की राशि संयुक्त राष्ट्र कर्मियों से रोके गए भुगतानों से प्राप्त होती है।
जिनके खिलाफ यौन दुर्व्यवहार के आरोप सिद्ध हो चुके थे। 13
हालांकि यह कार्य निस्संदेह महत्वपूर्ण है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के कई नीति निर्माताओं को
साक्षात्कार के दौरान यह चिंता व्यक्त की गई कि यह अन्य कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा।
दाता राज्यों से वित्तपोषण के लिए समान कार्य क्षेत्र, जैसे कि वित्तपोषण
संघर्ष में लिंग आधारित हिंसा के लिए और पीड़ितों के लिए ट्रस्ट फंड

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय। 14 ट्रस्ट फंड महत्वपूर्ण धन का भी दुरुपयोग कर सकता है।
यदि यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम संबंधी उपायों से धन हटा दिया जाए तो सदस्य देश अपने कुल योगदान की राशि बढ़ाने के लिए अनिच्छुक हैं।
इन मुद्दों में योगदान। इन "गैर-आवश्यक" कार्यों के वित्तपोषण के लिए प्रतिस्पर्धा।
पहले से मौजूद दबाव के कारण गतिविधियों में और तेजी आने की संभावना है।
संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षा बजट पर लागू किया जा रहा है, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र द्वारा
राज्य। इसके अलावा, पीड़ित सहायता कोष, जिनका उपयोग प्रदान करने के लिए किया जाता है
आपातकालीन आवास और चिकित्सा देखभाल से लेकर सहायता तक
एचआईवी रोकथाम परीक्षण और मनोवैज्ञानिक परामर्श, आमतौर पर
स्थानीय सेवा प्रदाताओं से अनुबंध करने के लिए आवश्यक धनराशि किसी अलग कोष से नहीं ली जाती है।
बल्कि प्रत्येक शांतिरक्षा मिशन के मौजूदा बजट से। 15 उल-
अंततः, यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति ये प्रतिक्रियाएँ कमजोर करती हैं
संसाधनों को दूसरी ओर मोड़कर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता को कम करना
शांति स्थापना के लिए महत्वपूर्ण कार्य, दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक हैं।
शांति सैनिकों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के पीड़ितों पर पड़ने वाले परिणाम। यह नहीं है
यह कहना गलत है कि इस तरह का मुआवजा देना गलत है—बिल्कुल इसके विपरीत, यह गलत है।
संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानवाधिकारों के सिद्धांतों के मूर्त रूप देने के लिए मौलिक और
सुरक्षा। बल्कि, यह दर्शाता है कि यौन दुर्व्यवहार वितरण को कैसे प्रभावित करता है।
पहले से ही सीमित संसाधनों का उपयोग, जिसका क्षमता पर अपरिहार्य प्रभाव पड़ेगा।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को मूलभूत गतिविधियों को पूरा करने के लिए। अधिक प्रभावी-
सक्रिय रोकथाम रणनीतियों से संसाधनों की आवश्यकता कम हो सकती है।
निवारण तंत्रों के प्रति समर्पित रहें।

वैधता को कमजोर करना?

पिछले अध्याय में यह दर्शाया गया था कि यौन शोषण को अंजाम देना किस प्रकार होता है।
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार के महत्वपूर्ण प्रभाव होते हैं।
मिशन की विश्वसनीयता के बारे में स्थानीय धारणाओं पर, प्रदर्शन योग्य परिचालन के साथ-
राष्ट्रीय प्रभाव। हालाँकि, यह देखते हुए कि शांति अभियानों को अध्याय 4 में 110 द्वारा समर्थित किया जाता है

नैतिकता की भाषा और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिक परियोजना के माध्यम से जो घूमती रहती है
न्याय, मानवाधिकार और शांति के मूल्यों के इर्द-गिर्द केंद्रित ये अभियान भी
यह विविध वैश्विक दर्शकों की धारणाओं पर निर्भर करता है और उन्हें प्रतिबिंबित करता है।
इस परियोजना की वैधता। वैधता का आकलन करने वाले विभिन्न दर्शक वर्ग...
शांतिरक्षा के दायरे में पड़ोसी और क्षेत्रीय राज्य, गुंबद शामिल हैं-
हस्तक्षेप करने वाले राज्यों के निर्वाचन क्षेत्रों और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय
हस्तक्षेपकर्ताओं के बारे में—जिनमें राज्य और गैर-राज्य दोनों ही पक्ष शामिल हैं। शोध
इस पुस्तक के लिए किए गए कार्य ने वैधता की धारणाओं को स्पष्ट किया है।
इन व्यापक दर्शकों में राज्यों के शामिल होने और समर्थन करने के तरीके पर प्रभाव पड़ता है।
अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा परियोजना, जो बदले में क्षमता को प्रभावित करती है
शांति अभियानों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय।
शांति काल में वैधता किस प्रकार कार्य करती है, इसका अध्ययन करने वाले विद्वान
अभियानों से पता चला है कि शांति स्थापना की कथित वैधता कम हो रही है।
कई स्रोतों और रणनीतियों से प्राप्त होता है। इनमें संरेखण शामिल है-
शांति अभियानों का अंतर्राष्ट्रीय कानूनी मानदंडों और व्यापक रूप से अनुपालन
संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य को रेखांकित करने वाले उदार अंतरराष्ट्रीय सिद्धांत;

यह उम्मीद कि शांति अभियानों से समाज के लिए सकारात्मक परिणाम निकलेंगे।
हिंसा और संघर्ष का सामना कर रहे क्षेत्र; एक अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति
शांतिरक्षा अभियानों पर आम सहमति (प्रदान किए गए जनादेश के माध्यम से)
प्राधिकरण निकायों द्वारा); और इस बात के सबूत कि शांतिरक्षा करने वाले कर्ता और राजनेता-
आईसीवाई पिछले अनुभवों से सीख रहे हैं और प्रभावशीलता में सुधार कर रहे हैं।
परिणामस्वरूप उनका काम। 16 दूसरे शब्दों में, वैधता की धारणाएँ इस प्रकार होती हैं कि
यह आकलन इस बात पर आधारित है कि कोई संगठन या उसके कार्य किस प्रकार प्रतिबिंबित करते हैं।
जिसे सही, उचित और न्यायसंगत माना जाता है और जिस हद तक परिचालन
परिणाम उन बयानबाजी और मानदंडों के अनुरूप हैं जिनका उपयोग अभियानों को उचित ठहराने के लिए किया जाता है।
सबसे पहले। 17
संयुक्त राष्ट्र और उससे जुड़े संगठन वैधता की रणनीतियों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं।
ऊपर सूचीबद्ध वैधता के स्रोतों में निहित छवियों को बढ़ावा देने के लिए।
इसकी आधारशिला विवेचनात्मक रणनीतियाँ हैं, जिनके द्वारा संयुक्त राष्ट्र चित्रण करता है।
इसके कार्यों को साझा सिद्धांतों और मूल लक्ष्यों के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।
संगठन के मूल उद्देश्य, अर्थात् शांति को बढ़ावा देना, को रेखांकित करना और
हिंसात्मक संघर्ष को रोकने और उसका समाधान करने के प्रयासों के माध्यम से मानवाधिकारों की रक्षा करना।
विश्व। संयुक्त राष्ट्र के सभी हितधारक इन वैधता रणनीतियों में भाग लेते हैं।
महासचिव और सचिवालय सहित, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा
परिषद, महासभा और संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न कोष और एजेंसियां।
वे सार्वजनिक संचार और प्रचार के संयोजन के माध्यम से ऐसा करते हैं।
(जैसे कि संयुक्त राष्ट्र की वेबसाइटें), आधिकारिक बयान, समारोह, कार्यक्रम, और

नियमित बहस या बैठकें जो संयुक्त राष्ट्र के अभियानों को संगठन से जोड़ती हैं
चार्टर में निर्धारित जनादेश और सिद्धांत। पिछला अध्याय
यह दर्शाता है कि शांति अभियानों में यह व्यवहार में कैसे काम करता है, जिसके तहत
संयुक्त राष्ट्र ने स्पष्ट किया है कि विशिष्ट परिचालन जनादेशों को शामिल करना क्यों
आवश्यक है।
कानून का शासन संयुक्त राष्ट्र के शांति संवर्धन संबंधी मूल लक्ष्यों को प्रतिबिंबित
करता है।
और मानवाधिकारों का समर्थन करते हैं, इसलिए ये शांति स्थापना के लिए उपयुक्त
गतिविधियाँ हैं।
इन परिचालनात्मक आदेशों को पूरा करने में सफलता ही सफलता का आधार है।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की वैधता के दावों को सुदृढ़ करने के लिए उपयोग किया
जाता है और
इसके आधारभूत मूल्य। 18

हालाँकि, शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार मौलिक रूप से
गिनती इन वैधीकरणों में किए गए कठिन परिश्रम को कमतर आंकती है।
मूल्यों के बीच के अंतर को उजागर करके रणनीतियाँ
शांतिरक्षा और इसके (भले ही अनपेक्षित) परिणाम। यौन दुर्व्यवहार
घोटाले, अल- के प्रति संस्थागत प्रतिक्रियाओं की लगातार खराब स्थिति के बारे में
खुलासे
दूतावासों और इस जागरूकता के कारण कि शून्य-सहिष्णुता नीति की बयानबाजी
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति किए गए प्रयासों से प्रभावी परिणाम नहीं मिले हैं।
शांति अभियानों में रोकथाम या प्रतिक्रिया तंत्र सभी कमजोर करते हैं
संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठन वैधता बनाए रखने के लिए जिन रणनीतियों का
उपयोग करते हैं और जिन पर निर्भर रहते हैं
शांतिरक्षा परियोजना के लिए वैश्विक समर्थन। वे समर्थन को भी प्रभावित करते हैं।
संयुक्त राष्ट्र को अधिक सामान्यतः, यह देखते हुए कि संयुक्त राष्ट्र का जनादेश,
जैसा कि इसमें निर्धारित है

इस चार्टर का उद्देश्य "आगामी पीढ़ियों को युद्ध के प्रकोप से बचाना" है और
मौलिक मानवाधिकारों में, गरिमा और मूल्य में विश्वास की पुष्टि करें
मानव व्यक्ति।" 19 शांति स्थापना के माध्यम से इन लक्ष्यों को प्राप्त करना केंद्र में
है-
संयुक्त राष्ट्र की पहचान और वैधता के आख्यानों के विपरीत। 20
हस्तक्षेप करने वाले राज्यों की नज़र में संयुक्त राष्ट्र की घटती वैधता
और उनके घरेलू मतदाताओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी।
हस्तक्षेपकर्ताओं के व्यापक समुदाय के कारण कुछ राज्यों ने कटौती की है।
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में उनके वित्तीय और कार्मिक योगदान को ध्यान में
रखते हुए।
यौन उत्पीड़न में शामिल अन्य संगठनों पर भी यही प्रभाव पड़ा है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार। समर्थन में कमी का सीधा प्रभाव पड़ता है।
व्यक्तिगत मिशनों और संगठनों की क्षमता, जो आगे चलकर...
इससे चर्चा की गई वैधता रणनीतियों की प्रभावशीलता कम हो जाती है।
ऊपर। संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता और
मूल्य (और शांति में संलग्न व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय का भी)
और मानवीय अभियान) पहले से ही कड़ी जांच के दायरे में है।
असंख्य अन्य चुनौतियों और असफलताओं का परिणाम। यह शांति स्थापना के
प्रयासों के बावजूद है।
शांति निर्माण और संबंधित मानवीय सेवाओं को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया जा रहा
है। अध्याय 4 (112)

शांति सैनिकों की तैनाती की संख्या और अन्य कारणों से आवेदन की संख्या बहुत
अधिक हो गई है।
शांतिरक्षा बजट सर्वकालिक उच्च स्तर पर है। 21
तो, व्यवहार में ये प्रभाव कैसे सामने आते हैं? इन प्रभावों पर करीब से नज़र डालने से
पता चलता है कि...
2018 में ऑक्सफैम यौन शोषण कांड पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाएं
हैती और मध्य अफ्रीका में 2016 के शांतिरक्षक यौन शोषण कांड

अफ़्रीकी गणराज्य यौन शोषण के वैश्विक राजनीतिक निहितार्थों पर प्रकाश डालता है। शोषण और दुर्व्यवहार के घोटालों को उजागर करता है। यह उन तरीकों को दर्शाता है जिनसे वे चुनौती पेश करते हैं।
संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाओं द्वारा स्थापित वैधता की प्रक्रियाओं और रणनीतियों का पालन किया जाता है।
संगठन अपनी नैतिक साख की वैश्विक धारणाओं को बनाए रखने के लिए इन पर निर्भर करते हैं।
प्राधिकरण, जो निरंतर समर्थन, वित्तपोषण और संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं प्रभावशीलता।

2018 का ऑक्सफैम हैती यौन शोषण घोटाला

2018 की शुरुआत में ऑक्सफैम यौन शोषण कांड यह दर्शाता है कि कैसे यहां तक कि सुस्थापित और सम्मानित मानवीय संस्थाओं पर भी जल्दी भरोसा करना मुश्किल है।
ऑक्सफैम जैसे संगठन गुमनामी में जा सकते हैं और जनता की उनके बारे में धारणा कितनी जल्दी बदल सकती है।
उनकी नैतिक सत्ता और वैधता को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे स्थायी परिणाम हो सकते हैं।
उन संगठनों के संचालन और उन पर दीर्घकालिक परिणामों के लिए संपूर्ण क्षेत्र।
जब टाइम्स ने यह खबर छापी कि ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन के कई सदस्य...
हैती में ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन (ऑक्सफैम) के कर्मचारियों, जिनमें संचालन निदेशक भी शामिल थे, को
तैनाती के दौरान स्थानीय हाईटियन महिलाओं के साथ पैसों के लिए यौन संबंध बनाए।
2010 के भूकंप राहत कार्य के तहत देश को दान देने वाली दोनों सरकारें-
सरकारों और आम जनता ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। 22 उसी दिन जब
जैसे ही यह कहानी सामने आई, ब्रिटेन सरकार ने मांग की कि सभी सबूतों को

खारिज कर दिया जाए।
मामला चैरिटी कमीशन को सौंप दिया जाए, और कुछ ही दिनों के भीतर
सरकार ने संगठन के खिलाफ वैधानिक जांच शुरू की थी।
उन्होंने ऑक्सफैम के नैतिक नेतृत्व पर सवाल उठाए और फंडिंग बंद करने की धमकी दी।
ऑक्सफैम के लिए यह मुश्किल हो सकता है यदि वह दावों के निपटान के संबंध में कोई स्पष्टीकरण नहीं दे पाता है,
इसके चलते ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इस्तीफा दे दिया। 23 ऑक्सफैम
ग्रेट ब्रिटेन के न्यासी अध्यक्ष ने एक सार्वजनिक बयान जारी कर स्वीकार किया कि कर्मचारियों
संगठन के भीतर से ही कुछ लोग अपनी चिंताओं को लेकर सामने आ रहे थे।
इस मामले में कर्मचारियों की भर्ती और जांच से पता चलता है कि ट्रस्ट के कर्मचारियों ने
उनके अपने संगठन पर इस घोटाले का गंभीर प्रभाव पड़ा था। 24
यूरोपीय आयोग ने पूर्ण स्पष्टता और पारदर्शिता की मांग की।
ऑक्सफैम को इस मामले के बारे में सूचित किया और घोषणा की कि वह
"वित्तपोषण बंद करने" के लिए तैयार है।

कोई भी साथी जो उच्च नैतिक मानकों पर खरा नहीं उतरता," और कई
प्रमुख कॉर्पोरेट प्रायोजकों ने भी इसी तरह की धमकियाँ दीं। 25 खबर आने के एक हफ्ते बाद
ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय विकास सचिव पेनी मोर्डाउंट के कार्यकाल में दरार आ गई।
उन्होंने घोषणा की कि ऑक्सफैम को अपनी स्थिति सुधारने से पहले अभी लंबा रास्ता तय करना है।
ब्रिटिश जनता, उनके कर्मचारियों और जिन लोगों की वे मदद करना चाहते हैं, उनका विश्वास" और
कि संगठन किसी भी नई यूके सरकार से हटने के लिए सहमत हो गया था।

अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग द्वारा वित्त पोषण संबंधी बोलियों पर विचार किया जाना बाकी है।
वे इस बात से संतुष्ट थे कि वे सुरक्षा संबंधी अपेक्षित मानकों को पूरा कर सकते हैं।
प्रश्न 26. ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन की लगभग 8 प्रतिशत आय ब्रिटेन से आती है।
सरकार, इसलिए यह एक महत्वपूर्ण कटौती थी। 27 इसके अलावा, दस दिनों के भीतर
अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इस घोटाले के सामने आने के बाद, ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन ने पुष्टि की कि
इसने 7,094 प्रत्यक्ष समर्थकों का समर्थन खो दिया था, जो लगभग
प्रत्यक्ष डेबिट के माध्यम से प्राप्त दान का 3.5 प्रतिशत, और यह संभावना है
हालांकि सटीक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, फिर भी यह संख्या लगातार बढ़ती रही। 28
खबर सामने आने के दो सप्ताह के भीतर ही हैती ने ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन के निलंबन की कार्यवाही रोक दी।
देश में चल रहे अभियानों की जांच शुरू की और गलत जानकारी के मामले में जांच शुरू की।
उत्पाद संबंधी दावों पर आपत्ति जताते हुए, संगठन को हाईटियन अधिकारियों को सूचित करने में विफल रहने के लिए फटकार लगाई गई।
उन आरोपों के समय अधिकारियों ने उन्हें स्वीकार किया था। 29 यह ध्यान देने योग्य है,
हालांकि, ऐसे ठोस कारण मौजूद हैं जिनकी वजह से ये आरोप निराधार साबित नहीं हुए।
आगे जानकारी दी गई, जिसमें महिलाओं के लिए संभावित अतिरिक्त जोखिम भी शामिल है।
इस मामले में शामिल होने का कारण यह है कि हैती में वेश्यावृत्ति गैरकानूनी है।
इस घोटाले के परिणाम केवल ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन तक ही सीमित नहीं थे।
स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।
मामले की जांच लंबित रहने तक ऑक्सफैम के साथ एक संयुक्त परियोजना को रोक दिया गया।
परिणामस्वरूप ढाई सौ लोगों की सहायता करने वाली एक मानवीय परियोजना रुक

गई।
इराक, मध्य अफ्रीकी गणराज्य और डेमो में हजार लोग।
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य। 30 यूरोपीय आयोग ने हस्ताक्षर रोक दिए।
ऑक्सफैम से संबद्ध संस्थाओं के साथ सभी नए विकास और मानवीय अनुबंधों के संबंध में
संगठन की रोकथाम संबंधी नीतियों का मूल्यांकन पूरा करने के दौरान,
दुर्व्यवहार के आरोपों का पता लगाना और उन पर प्रतिक्रिया देना—और इस पुनः-
उन सभी दो सौ संगठनों को देखें जिन्हें यह वित्त पोषण प्रदान करता है। 31
ब्रिटेन सरकार ने भी इसी प्रकार वित्त पोषण व्यवस्था की समीक्षा के लिए उपायों की घोषणा की।
सभी गैर सरकारी संगठनों के लिए जवाबदेही तंत्र और वित्तीय सहायता में कटौती करना और फंडिंग में कटौती करना।
वे सभी जिन्होंने सुरक्षा संबंधी चिंताओं की घोषणा करने और उन्हें संबंधित अधिकारियों को भेजने में विफल रहे।
अधिकारियों। 32 अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी ने अपने बयान को दोहराया।
यौन दुर्व्यवहार पर शून्य-सहिष्णुता नीति की घोषणा की और समीक्षा की घोषणा की।
ऑक्सफैम के साथ सभी मौजूदा समझौते। 33 ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री जूली

बिशप ने ऑक्सफैम ऑस्ट्रेलिया से अपने सभी कार्यों के लिए फंडिंग निलंबित करने का अनुरोध किया।
इसका यूके समकक्ष, जो लगभग एक चौथाई हिस्सा था
ऑस्ट्रेलियाई विदेश मामलों और व्यापार विभाग द्वारा ऑक्सफैम को दी जाने वाली धनराशि
ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण सूडान में प्रभावित परियोजनाएं और सीरियाई परियोजनाएं जॉर्डन और लेबनान में शरणार्थी। 34
हालांकि स्वीडन ने एक महीने बाद ऑक्सफैम के लिए फंडिंग फिर से शुरू कर दी, लेकिन मई तक
ऑक्सफैम जीबी ने घोषणा की थी कि उसे लगभग एक

अन्य बड़े दानदाताओं द्वारा नए दान को रोकने के परिणामस्वरूप सौ कर्मचारियों की छंटनी हो गई है।
अपेक्षित धनराशि। 35 इससे संगठन की पूंजी पर काफी प्रभाव पड़ेगा।
हालांकि जून में यूरोपीय संघ की फंडिंग को फिर से मंजूरी दे दी गई थी, हैती ने स्थायी रूप से
उसी महीने के अंत में ऑक्सफैम जीबी को देश में काम करने से प्रतिबंधित कर दिया गया।
इसके कारण "[हैती] के कानूनों का उल्लंघन और सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन" हुआ है।
मानव गरिमा का सिद्धांत," हालांकि इसने अन्य ऑक्सफैम सहयोगियों को अनुमति दी है
अपने मानवीय कार्यों को जारी रखने के लिए। 36 पिछले निष्कर्षों को देखते हुए
इस अध्याय में, यह संभव है कि यह निर्णय स्थानीय स्तर पर कामकाज के तरीके को प्रभावित करेगा।
समुदाय और सरकार अभी भी ऑक्सफैम के कर्मचारियों पर भरोसा करते हैं और उनसे जुड़ते हैं।
हैती में भी, भले ही वे ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन से न हों, इसके दूरगामी परिणाम होंगे।
संगठन अपने मानवीय परियोजनाओं को कितनी प्रभावी ढंग से क्रियान्वित कर सकता है
देश में।
यह मामला दर्शाता है कि कैसे आरोप और मामले कितनी जल्दी और गंभीरता से सामने आते हैं।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार धारणाओं को प्रभावित कर सकता है।
उन हस्तक्षेपकर्ताओं के लिए काम करने वाले संगठनों की वैधता, और
इससे कई समूह प्रभावित हुए हैं, जिनमें दाता सरकारें और आम जनता शामिल हैं।
यह दर्शाता है कि कैसे इससे सीधे तौर पर धन में कमी आ सकती है या
आरोपित संगठनों के साथ-साथ अन्य लोगों को दिए गए योगदान
इस क्षेत्र में परिचालन क्षमता सीमित हो जाती है। वास्तव में, कई विशेषज्ञों का मानना

है कि
कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि ऑक्सफैम घोटाला जनता के भरोसे को कम कर सकता है।
मानवीय सहायता क्षेत्र में समग्र रूप से प्रत्यक्ष दान में कमी आई है।
प्रमुख परोपकारियों सहित मानवीय संगठनों और
सरकारों पर अंतरराष्ट्रीय विकास पर कम खर्च करने का दबाव। 37
इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र और मानवीय सहायता के बारे में नकारात्मक जन धारणाएं भी मौजूद हैं।
ऑक्सफैम के सनसनीखेज मीडिया कवरेज से व्यापक रूप से इन क्षेत्रों में हलचल मच गई।
एक ऐसा संकट जिसने बिना किसी सबूत के यह सुझाव दिया कि बाल यौन शोषण करने वाले जानबूझकर ऐसा कर रहे थे।
मानवीय संगठनों और शांति अभियानों में बड़ी संख्या में घुसपैठ करना
कमजोर वर्ग तक पहुंच प्राप्त करने के लिए यौन पर्यटन उद्योग के बराबर काम करना।
बच्चों का शोषण और दुर्व्यवहार करना। 38 इन दावों पर सोशल मीडिया की प्रतिक्रिया,
उनके लिए सबूतों की कमी के बावजूद, यह पुष्टि हुई कि कैसे केवल

शांतिरक्षा या मानवीय सहायता कर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार के संदेह से यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
मानवीय क्षेत्र में वित्तीय योगदान में प्रत्यक्ष कमी आएगी।
इसका यह मतलब नहीं है कि संगठनों को लगातार सहायता प्राप्त करते रहना चाहिए।
जब वे उचित सुरक्षा उपायों को लागू करने में विफल रहते हैं तो उन्हें धन राशि से वंचित कर दिया जाता है।
अपने कर्मचारियों द्वारा यौन दुर्व्यवहार के मामलों में दोषियों को जवाबदेह ठहराना—
यूके और यूरोपीय आयोग द्वारा लागू किए गए नए निगरानी तंत्र-
ऑक्सफैम घोटालों के बाद के मिशन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
यह सुनिश्चित करना कि संगठनों के पास उचित नीतियां हों। बल्कि, यह दर्शाता है कि

कैसे
इस तरह के घोटाले संगठनों की वैधता के दावों को कमजोर करते हैं, जो कि
आम जनता से समर्थन प्राप्त करने का उनका प्राथमिक आधार
और आधिकारिक दानदाताओं द्वारा हाईटियन महिलाओं का यौन शोषण। ऑक्सफैम
द्वारा हाईटियन महिलाओं का यौन शोषण।
जीबी के कर्मचारी और संगठन की उन कर्मचारियों को खोजने से रोकने में विफलता-
अन्य समान संदर्भों में रोजगार की स्थिति इसके विपरीत थी।
“गरीबी से मुक्त एक न्यायपूर्ण दुनिया... जहाँ लोगों को महत्व दिया जाता है” की
परिकल्पना को व्यक्त किया गया है।
और समान रूप से व्यवहार किया जाता है" और इसका उद्देश्य "स्थायी समाधान बनाने
में मदद करना" है।
गरीबी का अन्याय।" 39 इसके बिल्कुल विपरीत: इसने दिखाया कि कुछ कर्मचारी
वे "गरीबी के अन्याय के संरचनात्मक कारणों" को चुनौती नहीं दे रहे थे।
जैसा कि ऑक्सफैम इंटरनेशनल के मिशन स्टेटमेंट में कहा गया है, बल्कि शोषण
करने के बजाय
जिन लोगों के साथ और जिनके लिए उन्हें काम करने के लिए भेजा गया था, उनकी
गरीबी को दूर करने के लिए
उनका शोषण और दुर्व्यवहार करना। इस मामले ने दिखाया है कि कैसे, उन्हें कमजोर
करके
ऑक्सफैम के वैधता के दावे और संगठन के बारे में वैश्विक धारणाएँ
नैतिक अधिकार के मामले में, इस घोटाले ने परिचालन क्षमताओं को गंभीर रूप से
प्रभावित किया।
ऑक्सफैम और व्यापक मानवीय क्षेत्र दोनों को अपना काम जारी रखना चाहिए।
विश्व के सबसे कमजोर समुदायों के साथ महत्वपूर्ण कार्य।

2015 में शांति रक्षकों द्वारा यौन शोषण कांड
केन्द्रीय अफ़्रीकी गणराज्य

जिस प्रकार ऑक्सफैम घोटाला यौन दुर्व्यवहार से उत्पन्न होने वाले जोखिमों को

दर्शाता है
मानवीय संगठनों की वैधता के बारे में वैश्विक धारणाओं के लिए,
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में यौन शोषण कांड पर वैश्विक प्रतिक्रिया-
2015 में हुई घटना से पता चलता है कि इस तरह का दुर्व्यवहार संयुक्त राष्ट्र की रणनीतियों के लिए किस प्रकार चुनौती पेश करता है।
वैधता के वे पहलू, जो सदस्य देशों की वित्तीय स्थिति को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
और शांति अभियानों के लिए राजनीतिक समर्थन। यह यह भी दर्शाता है कि कैसे केंद्रीय
अफ़्रीकी गणराज्य का घोटाला संयुक्त राष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसके साथ
सचिवालय, सुरक्षा परिषद और सदस्य देश लगातार बातचीत कर रहे हैं-
मजबूत तंत्रों के लिए समर्थन जुटाने हेतु वैधता के बारे में बात करना 116 अध्याय 4

यौन शोषण के कृत्यों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु और
दुर्व्यवहार। शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मामला दर्शाता है कि यह कितना महत्वपूर्ण है।
यौन दुर्व्यवहार के वैश्विक राजनीतिक निहितार्थ हैं। प्रतिक्रियाएँ
इस घोटाले से यह स्पष्ट होता है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार किस प्रकार जीवन को खतरे में डालता है।
संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षा और शांति निर्माण प्रयासों का भविष्य, एक
एक ऐसा चक्र जिसमें विश्वसनीयता की कम होती धारणाएं क्षमता को कम कर देती हैं।
शांति अभियान, जो बदले में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और कमजोर करता है।
समुदाय की वैधता की धारणाओं का लाभ उठाने की क्षमता।
यह घोटाला तब सामने आया जब एनजीओ एड्स-फ्री वर्ल्ड ने जानकारी लीक कर दी।
गार्जियन ने बच्चों के साथ होने वाले हिंसक यौन शोषण पर संयुक्त राष्ट्र की एक आंतरिक रिपोर्ट प्रकाशित की है।
फ्रांसीसी संगारी सैनिकों द्वारा मध्य अफ्रीकी गणराज्य पर कब्जा कर लिया गया।

शांति अभियान और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान का समर्थन करने के लिए सुरक्षा परिषद का जनादेश।
चाड और इक्वेटोरियल गिनी के 40 रखवाले। यह घोटाला इनके इर्द-गिर्द घूमता रहा।
न केवल किए गए दुर्व्यवहारों की क्रूर और हिंसक प्रकृति बल्कि
इस तथ्य को कि रिपोर्ट को लगभग एक वर्ष तक नजरअंदाज और दबा दिया गया था
संयुक्त राष्ट्र के कई कार्यालयों और एजेंसियों द्वारा वर्ष के दौरान इस घोटाले का खुलासा किया गया। यह घोटाला इस बात पर भी आधारित था कि...
संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यकर्ता और व्हिसलब्लोअर एंडर्स कोम्पास के साथ किए गए कठोर व्यवहार के बारे में जानकारी लीक हुई।
मानवाधिकार अधिकारी जिसने आरोपों की जांच पर रिपोर्ट सौंपी
संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों और विभागों के अधिकारियों के बाद फ्रांसीसी अधिकारियों ने...
सरकारें लगभग एक साल तक इस पर कार्रवाई करने में विफल रहीं। कोम्पास की निंदा की गई।
रिपोर्ट लीक करने के आरोप में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों द्वारा उन्हें निलंबित कर दिया गया और उनकी नौकरी से भी निलंबित कर दिया गया।
उनके आचरण की आंतरिक जांच शुरू की गई, अंततः उन्हें दोषमुक्त कर दिया गया।
उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया गया। 41 यहां तक कि ज़ैद राद अल हुसैन, जो इसके वास्तुकार थे।
संयुक्त राष्ट्र की 2005 की यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर व्यापक नीति और
2015 तक, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त स्वयं भी प्रभावित हो चुके थे।
कोम्पास के साथ किए गए कठोर व्यवहार में यह बात निहित है। 42
इसके बाद के महीनों में, एड्स-फ्री वर्ल्ड ने और भी प्रकाशन किए।
मध्य पूर्व में शांतिरक्षकों द्वारा यौन दुर्व्यवहार के लीक हुए दस्तावेज़ और रिपोर्टें-
मध्य अफ्रीकी गणराज्य और अन्य जगहों पर, समाचार मीडिया में हलचल मच गई थी।
इस मुद्दे पर वैश्विक स्तर पर रिपोर्टें। 43 अल- की विशेष रूप से भयावह प्रकृति-
दूतावासों और इस तथ्य कि इसमें शामिल शांति सैनिकों ने कथित तौर पर शोषण किया

जिन समुदायों में उन्हें भेजा गया था, वहां के सबसे कमजोर बच्चे।
इस संरक्षण ने वैश्विक प्रतिक्रिया को इस तरह से तीव्र कर दिया जैसा कि पहले यौन दुर्व्यवहार के मामले में नहीं हुआ था।
आचरण घोटालों में कमी नहीं आई थी, जो वैश्विक स्तर पर बढ़ते ध्यान को भी दर्शा सकता है।
संस्थागत बाल शोषण और लिंग आधारित हिंसा से संबंधित। इसके तुरंत बाद
रिपोर्ट लीक होने पर, फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रांस्वा होलांद ने प्रतिज्ञा की कि...
यौन अपराधों में संलिप्त पाए गए फ्रांसीसी सैनिकों के प्रति "कोई दया न दिखाएं"।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में तैनाती के दौरान शोषण और दुर्व्यवहार।
और यह घोषणा की कि किसी भी प्रकार की सजा अपराधों की गंभीरता को दर्शाती होनी चाहिए।
और इस तरह के व्यवहार के प्रति फ्रांस के शून्य-सहिष्णुता रवैये का एक उदाहरण स्थापित करें।
व्यवहार। 44 इसके विपरीत, मध्य अफ्रीकी गणराज्य के न्याय मंत्री, अरिस-टाइड सोकाम्बी ने मीडिया से कहा, "मुझे इस बात का अफसोस है कि हमें शामिल नहीं किया गया है।"
इस जांच के बारे में "भले ही यह मध्य अफ्रीकी गणराज्य में हो रही हो।"
जनता को अपने नागरिकों के विरुद्ध खड़ा किया और लोक अभियोजक को शुरू करने का निर्देश दिया।
फ्रांसीसी जांच के समानांतर जांच करना और सबूत इकट्ठा करना। 45

इस घोटाले ने संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर दबाव और गति भी पैदा की।
बान की-मून ने अंततः जिस बात का वर्णन किया, उसे संबोधित करने के लिए यह एक टेम है।
इन खुलासों के बाद के परिणामों को "हमारे सिस्टम में कैंसर" के रूप में वर्णित किया गया। 46 प्रतिक्रिया
इस घोटाले ने पहली बार, बढ़ती जागरूकता को प्रतिबिंबित किया।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार का वैश्विक धारणाओं पर पड़ने वाला प्रभाव

संयुक्त राष्ट्र की वैधता। हालाँकि यौन दुर्व्यवहार के बारे में बयान प्रभावित करते हैं
संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता पर पहले भी कई बार सवाल उठ चुके थे, बस एक बार फिर से सवाल उठ रहे थे।
इस विशेष घोटाले के बाद, इस तरह के बयान धीरे-धीरे
यौन शोषण किस प्रकार होता है, इस विषय में वास्तविक रुचि दिखाने लगे।
दुर्व्यवहार और उत्पीड़न संयुक्त राष्ट्र की वैधता की धारणाओं और इसके निहितार्थों को प्रभावित करता है।
शांतिरक्षा के लिए प्रयास। इस नए विमर्श के विकास पर नज़र रखना।
मध्य अफ्रीकी गणराज्य घोटाले के बाद की स्थिति को समझने में सहायक है।
वे तरीके जिनसे यौन दुर्व्यवहार संयुक्त राष्ट्र की वैधता और रणनीतियों को प्रभावित करता है
वैधता की वैश्विक धारणाएं व्यापक रूप से।
हालांकि संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया शुरू में कथित तौर पर गलत कामों पर केंद्रित थी-
कोम्पास द्वारा रिपोर्ट जारी करने में किए गए आचरण पर पहली घटना के लगभग एक महीने बाद संदेह जताया गया है।
खुलासे के बाद महासचिव ने संयुक्त राष्ट्र की विफलताओं को स्वीकार किया।
आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने एक बाहरी समीक्षा की घोषणा की।
संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस मुद्दे को संभालने के तरीके पर 47 संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों ने अपनी निराशा व्यक्त की।
संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष के माध्यम से इस घोटाले पर दुख व्यक्त किया गया।
जिन्होंने महासचिव को पत्र लिखकर इस्तीफे या बर्खास्तगी की मांग की थी।
आंतरिक मामलों के प्रभारी दो वरिष्ठ अधिकारियों के रोजगार की स्थिति
जांच शुरू की जानी चाहिए क्योंकि उनके कार्यों से संयुक्त राष्ट्र को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।
सामान्य तौर पर, उनके कार्यालय, [और] उनके साथी कर्मचारी।" 48 कुछ ही समय बाद,
जून 2015 में, शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय पैनल ने अपनी रिपोर्ट जारी की।
जिसमें (संक्षेप में ही सही) संयुक्त राष्ट्र की यौन उत्पीड़न संबंधी प्रतिक्रियाओं में

"गंभीर कमियों" का उल्लेख किया गया था।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार तथा "कानून लागू करने से बचने की संस्कृति।" 49 यह
उन्होंने आगे यह सिफारिश की कि महासचिव योगदान देने वालों के नाम बताएं।
जिन कर्मियों के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार के आरोप हैं, उनका देश 118 अध्याय 4

तब तक कथित अपराधियों की राष्ट्रीयता गुप्त रखी गई थी।
नीचे बताए गए कारणों से यह जानकारी गोपनीय है।
गति लगातार बढ़ती रही। अगस्त 2015 में, सचिव-
जनरल ने सेनेगा के जनरल बाबाकार गेय के इस्तीफे की मांग की।
संयुक्त राष्ट्र बहुआयामी एकीकृत स्थिरीकरण मिशन के प्रमुख
मध्य अफ्रीकी गणराज्य (MINUSCA) में कुप्रबंधन को लेकर
संयुक्त राष्ट्र और उससे संबद्ध बलों के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार के दर्जनों आरोप
देश में। उन्होंने सुरक्षा परिषद और पुलिस को भी जानकारी दी।
सैन्य सहायता प्रदान करने वाले देशों के साथ एक बंद सत्र में, जिसमें उन्होंने घोषणा की
शांतिरक्षा में विफल रहने वाले देशों के नाम उजागर करके उनकी आलोचना करने का उनका इरादा
कर्मचारियों पर यौन शोषण और दुर्व्यवहार के विश्वसनीय आरोप लगे हैं।
पिछली नीति से तीक्ष्ण बदलाव। 50 उनका भाषण एक महत्वपूर्ण बदलाव था।
बान और उनके पूर्ववर्ती कोफी अन्नान द्वारा दिए गए पिछले भाषणों के लहजे से
शांति सैनिकों द्वारा यौन दुर्व्यवहार का मुद्दा। यह एक सशक्त आह्वान था।
सदस्य देशों को रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी।
अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए जवाबदेही और दायित्व।
और यह स्वीकार करना कि संयुक्त राष्ट्र प्रभावी ढंग से इस समस्या का समाधान नहीं कर सकता था।
सदस्य देशों के सहयोग के बिना इस तरह के दुराचार के लिए, इसमें यह भी शामिल था।
किसी भी विफलता से कथित वैधता के संदर्भ में सबसे अधिक नुकसान होने की

संभावना होती है।
गणनात्मकता। उन्होंने ज़ोर देकर तर्क दिया कि "आरोपों का जवाब न देकर
चाहे जल्दी से, जिम्मेदारी से या पूरी तरह से किया जाए, हजारों लोगों की मेहनत
उलट-पुलट हो सकती है।
कुछ लोगों के अशोभनीय कृत्यों से," और यह कि "यौन शोषण का एक भी
मामला..."
दुर्व्यवहार और शोषण सबसे कमजोर आबादी के भरोसे को कमज़ोर करता है।
सुरक्षा के लिए भेजा गया।" उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए "सुरक्षा के लिए"
और अधिक कार्रवाई करने का आह्वान किया।
नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संयुक्त राष्ट्र के मूल्यों को कायम रखना।"
सीधे तौर पर संदर्भित करते हुए-
शांतिरक्षा की सफलता और विफलता के लिए यौन दुर्व्यवहार से उत्पन्न होने वाले
जोखिमों के प्रति सचेत रहें।
स्थानीय समुदायों के विश्वास और संयुक्त राष्ट्र के मूल्यों और मिशन के आधार पर,
महासचिव सक्रिय रूप से उन तरीकों का हवाला दे रहे थे जिनसे यह खतरा पैदा करता
है।
संयुक्त राष्ट्र अपने समर्थन को बनाए रखने के लिए जिन वैधता रणनीतियों पर निर्भर
करता है
वह ऐसा इसलिए कर रहा था ताकि सदस्यों से और अधिक ठोस कार्रवाई की उम्मीद
की जा सके।
राज्यों को यौन शोषण को रोकने और उसके लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए।
उनके नागरिकों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार।
संयुक्त राष्ट्र के भीतर और सदस्य देशों के बीच उपयुक्तता के बारे में बातचीत-
इस घटना के बाद भी यौन दुर्व्यवहार के प्रति उचित प्रतिक्रियाएँ जारी रहीं।
प्रभावशाली भाषण। उन्होंने शुरू में यौनिकता के निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित किया।
राज्य की ओर बढ़ने से पहले संयुक्त राष्ट्र की क्षमता के लिए शोषण और दुर्व्यवहार।
संयुक्त राष्ट्र की वैधता पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में टिप्पणियाँ। एक महीने बाद,
सुरक्षा

परिषद ने संकल्प 2242 को अपनाया, जिसमें बेहतर एकीकरण का वादा किया गया था।
परिषद के कार्यों में महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडा को शामिल करने का आह्वान किया गया।
शांति अभियानों की योजना में लैंगिक विश्लेषण और तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ाना-
योजना और कार्यान्वयन तथा संख्या को दोगुना करने के लिए एक संशोधित रणनीति
शांति अभियानों में महिलाओं की भागीदारी को पाँच वर्षों तक बढ़ा दिया गया है, और
पुलिस एवं सैन्य बलों से आग्रह किया गया है।
योगदान देने वाले देशों को यौन अपराधों की रोकथाम, जांच और अभियोजन में बेहतर सहायता प्रदान करना।
उनके शांतिरक्षकों द्वारा दुर्व्यवहार। 51 इसके बाद दो सुरक्षा
परिषद के अध्यक्षीय वक्तव्य। पहला वक्तव्य नवंबर 2015 में जारी किया गया था, जो इससे संबंधित था।
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों की प्रभावशीलता पर यौन दुर्व्यवहार का प्रभाव
सुरक्षा परिषद ने पुष्टि की कि उचित आचरण और अनुशासन बनाए रखना आवश्यक है।
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में तैनात सभी कर्मी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
उनकी प्रभावशीलता," और यौन शोषण का तत्काल उल्लेख करते हुए-
इस बयान के बाद दुर्व्यवहार और दुर्व्यवहार। 52 दूसरा, उसी वर्ष के दिसंबर में
इस वर्ष, उन्होंने बेहतर परामर्श प्रक्रियाओं और तंत्रों की मांग की।
सुरक्षा परिषद, सैन्य और पुलिस बल भेजने वाले देश और संयुक्त राष्ट्र
मिशन की योजना और कार्यान्वयन में सुधार के लिए सचिवालय, जिसमें शामिल हैं
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मुद्दे। 53

मध्य अफ्रीकी गणराज्य का घोटाला कई मायनों में एक महत्वपूर्ण मोड़ था।
संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में सदस्य देशों के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो
यह महसूस किया गया कि चाहे कुछ भी हो जाए, संयुक्त राष्ट्र की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नुकसान होगा।

अपराध करने वाले सैनिकों द्वारा पहनी गई वर्दी और उनके द्वारा किए गए यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में जानकारी।
शांति सैनिकों का मुद्दा शांति अभियानों की प्रभावशीलता पर चर्चा के लिए प्रासंगिक था।
इस अहसास ने एक मजबूत सामूहिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया जो आकर्षक थी।
इस घोटाले से उत्पन्न संयुक्त राष्ट्र की वैधता के संकट को दूर करने की आवश्यकता है।
यह एक बड़ा बदलाव था: दस साल पहले, जब सुरक्षा परिषद ने पहली बार
जैद रिपोर्ट के प्रकाशन के जवाब में यौन दुर्व्यवहार के मुद्दे को संबोधित किया गया।
इसमें यौन शोषण और दुर्व्यवहार के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा की गई है।
शांति सैनिकों द्वारा किए गए अतिक्रमण" के बारे में बात की, लेकिन इस मुद्दे को
"मुख्य रूप से" के रूप में प्रस्तुत किया।
प्रबंधकों और कमांडरों की जिम्मेदारी।" 54 बाद के वर्षों में,
महिलाओं पर वार्षिक बैठकों में कभी-कभी यौन शोषण और दुर्व्यवहार का मुद्दा उठाया जाता था।
शांति और सुरक्षा पर बहस तो हुई है, लेकिन कभी भी ठोस रूप से इस पर चर्चा नहीं हुई। इसके विपरीत,
मार्च में संकल्प 2272 को अपनाने से पहले हुई बैठकों में
2016 में, जिसने महासचिव को इकाइयों को वापस भेजने का अधिकार दिया या
वे दल जो अपने कर्मियों द्वारा किए गए यौन दुर्व्यवहार को रोकने में विफल रहे,
सुरक्षा परिषद के अधिकांश सदस्यों ने प्रत्यक्ष रूप से और पहली बार इसका उल्लेख किया।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा को जिस वैधता और विश्वसनीयता की कमी का सामना करना पड़ा,
ऐसे व्यवहारों का परिणाम।

बैठक में अपने प्रारंभिक भाषण में महासचिव ने तर्क दिया
कमजोर लोगों के खिलाफ यौन शोषण और दुर्व्यवहार किया जाता है

उनकी सुरक्षा के लिए अधिकृत संयुक्त राष्ट्र कर्मियों द्वारा की गई हत्या "विश्वसनीयता को धूमिल करती है"।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों और संयुक्त राष्ट्र के रूप में
इसका प्रभाव केवल दुर्व्यवहार के स्थान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह समग्र रूप से प्रतिबिंबित होता है।
हजारों शांति सैनिकों और नागरिक कर्मचारियों के प्रयासों पर आधारित कार्य-
कठिन परिस्थितियों में दुनिया भर के लोगों की जान बचाने और उनकी रक्षा करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।
और अक्सर खतरनाक स्थितियां होती हैं।" 55 अन्य राज्यों ने भी इन भावनाओं को दोहराया।
अमेरिका ने तर्क दिया कि इससे शांति स्थापना की विश्वसनीयता कमजोर होगी।
दुनिया भर में मिशनों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के अधिकार की वैधता भी सवालों के घेरे में है।
बड़े पैमाने पर होने वाला यौन शोषण और दुर्व्यवहार हमारी समस्याओं से निपटने की क्षमता को कमजोर करता है।
प्रभावी रूप से हमारे समय के गंभीर खतरे।" चीन ने दावा किया कि यौन
शोषण और दुर्व्यवहार ने संयुक्त राष्ट्र की छवि को धूमिल किया और उसे कमजोर कर दिया।
शांतिरक्षा अभियानों की प्रतिष्ठा पर सवाल उठाते हुए, सेनेगल ने बताया कि
“[इसने] सराहनीय प्रयासों और वीरतापूर्ण कार्यों को ढक दिया]
शांति रक्षकों द्वारा, कभी-कभी अपनी जान की कीमत पर, ये कार्य पूरे किए गए।
मलेशिया
उन्होंने "ब्लू हेलमेट्स को सभी आकांक्षाओं के प्रतीक" के रूप में वर्णित किया।
“शांति के लिए पूरी दुनिया से” और चेतावनी दी कि “की अपेक्षाएँ
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और स्थानीय आबादी, जिनके पास उन्हें भेजा जाता है
सुरक्षा का स्तर बेहद उच्च है और यौन दुर्व्यवहार से खतरा है।
इज़ुएला ने दावा किया कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार ने नैतिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाया।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों का बंदरगाह और "हमारी वैधता और कार्य"

संगठन।" ब्रिटेन और न्यूजीलैंड ने इस बात को दर्शाया कि प्रतिष्ठा
शांतिरक्षा, सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र यौन शोषण से कमजोर हो रहे हैं।
शोषण और दुर्व्यवहार, विशेष रूप से जब आरोपों को नजरअंदाज किया जाता है-
फ्रांस और उरुग्वे को चिंता थी कि इससे वैश्विक छवि धूमिल हो सकती है।
शांति सैनिकों में से अधिकांश ऐसे दुर्व्यवहार नहीं करते हैं, जबकि भारत
उन्होंने पूर्व के रूप में हमारी सामूहिक प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया।
सार्वभौमिक आदर्शवाद के उदाहरण।"
कुछ राज्यों ने यौन दुर्व्यवहार को परिचालन संबंधी परिणामों से सीधे तौर पर जोड़ा।
इससे संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की वैधता का संकट उत्पन्न होता है। अमेरिका
प्रतिनिधि ने दावा किया कि "यह एक जघन्य दुर्व्यवहार होने के अलावा, यौन शोषण भी है।"
शोषण और दुर्व्यवहार सैन्य और पुलिस इकाइयों के अनुशासन को कमजोर करते हैं।
और इससे शांति सैनिकों पर स्थानीय समुदायों का भरोसा कम हो जाता है।
ये दोनों ही सुरक्षा परिषद के जनादेशों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण हैं... यह...
यह हमारे समय के गंभीर खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने की हमारी क्षमता को कमजोर करता है।"
प्रमुख सैन्य योगदान देने वाले देशों की आशंकाओं का जवाब देते हुए फ्रांस ने

कि संकल्प 2272 पूरे दलों और उनके घर को कलंकित कर देगा
देशों ने इस बात की पुष्टि की कि शांति सैनिकों को यह पता होना चाहिए कि हम ऐसा नहीं चाहते हैं।
दूसरों के कार्यों के लिए उन्हें कलंकित करना; इसके विपरीत, हम चाहते हैं कि
उन्हें आश्वस्त करें कि वे अपने काम को प्रभावी ढंग से जारी रख सकते हैं।
इसे इसकी आवश्यकता है।" शायद सबसे प्रभावशाली ढंग से, यूके के प्रतिनिधि ने अपील की कि
संयुक्त राष्ट्र के महत्वाकांक्षी लक्ष्य और यौन दुर्व्यवहार से जुड़े तरीके
इससे उनका महत्व कम हो जाता है। उन्होंने कहा,

संघर्ष और अराजकता के बीच, शांति रक्षक सुरक्षा और आशा लेकर आते हैं।
सबसे जरूरतमंदों से लेकर अपने जीवन के सबसे अंधकारमय क्षणों से गुजर रहे लोगों तक, उनकी मदद करने के लिए।
उस महत्वपूर्ण भूमिका के लिए, शांति सैनिकों को उन लोगों का विश्वास चाहिए जिनकी वे रक्षा करना चाहते हैं।
जब कोई लड़की किसी ब्लू हेलमेट सैनिक को अपना आदर्श मानती है, तो उसे डर से नहीं, बल्कि आशा से ऐसा करना चाहिए। हर बार जब कोई शांति रक्षक हमारे सिद्धांतों पर खरा उतरने में विफल रहता है या असफल हो जाता है, तो हमें निराशा हाथ लगती है।
संयुक्त राष्ट्र से अपेक्षित सत्यनिष्ठा और शालीनता को बनाए रखने के लिए।
उस भरोसे को ठेस पहुंचती है।

ये बयान दर्शाते हैं कि मध्य अफ्रीकी गणराज्य का घोटाला और उसके
इसके बाद सुरक्षा परिषद और अन्य संस्थाओं के भीतर इसकी बढ़ती मान्यता हुई।
संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार एक मूलभूत चुनौती पेश करते हैं।
संगठन और उसके समग्र स्वरूप को वैधता प्रदान करने की संयुक्त राष्ट्र की रणनीतियों के लिए
शांतिरक्षा का उद्देश्य और इसे एक केंद्रीय परियोजना के रूप में स्थापित करना जिसके द्वारा संगठन...
यह उद्देश्य की पूर्ति करता है। दूसरे शब्दों में, उन्होंने यह माना कि यौन दुर्व्यवहार संयुक्त राष्ट्र के जनसंपर्क के लिए हानिकारक है और इसी कारण कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ा।
इस समस्या के समाधान के लिए। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, संयुक्त राष्ट्र की वैधता की रणनीतियाँ इस पर निर्भर करती हैं।
दो केंद्रीय दावों पर: इसका नैतिक नेतृत्व, जो इसके मूर्त रूप पर आधारित है व्यापक रूप से स्वीकृत और साझा मानदंड और मूल्य; और इसका परिचालन प्रभाव-सक्रियता। इस बात को स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हुए कि यौन दुर्व्यवहार दोनों को

प्रभावित करता है।
इन दावों के संबंध में, सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने तरीकों को स्वीकार किया।
जिसमें यह वैधता की प्रक्रियाओं को चुनौती देता है और गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने की धमकी देता है।
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों और संयुक्त राष्ट्र की कथित वैधता को कम करना
कुल मिलाकर, यह क्षमता और गिरावट के परस्पर सुदृढ़ दुष्चक्र को जन्म देता है।
कथित वैधता। यौन शोषण और दुर्व्यवहार एक साथ-
खदानों की परिचालन प्रभावशीलता और नैतिक दावों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता
यह अधिकार, सदस्य देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में भाग लेने के तरीके को प्रभावित करता है।
जिसके परिणामस्वरूप समर्थन और योगदान में कमी आएगी, और बदले में और अधिक कमी होगी।
खनन परिचालन प्रभावशीलता।

अमेरिकी सीनेट ने मध्य अफ्रीकी गणराज्य के प्रति जिस तरह से प्रतिक्रिया दी- लाइसेंस घोटाला क्षमता और अध्याय 4 के लिए इन माध्यमिक निहितार्थों को दर्शाता है।

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की कथित वैधता। संकल्प 2272 के तुरंत बाद
इसे सुरक्षा परिषद, अमेरिकी सीनेट और विदेश संबंध समिति द्वारा अपनाया गया था।
समिति ने शांति काल में यौन दुर्व्यवहार पर चर्चा करने के लिए एक विशेष सुनवाई आयोजित की।
इन अभियानों के दौरान वरिष्ठ सीनेटरों ने महासचिव की आलोचना की।
इस तरह के व्यवहारों को रोकने में विफलता का जिक्र किया गया और यह भी बताया गया कि अमेरिका सबसे बड़ा देश था।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा बजट में एकमात्र योगदानकर्ता होने के बावजूद, यह देश योगदान देता है।
कुछ कर्मियों का उल्लेख किया गया। सीनेटरों ने यह भी सुझाव दिया कि वे इसे दरकिनार कर सकते हैं।

प्रशासन द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटने के प्रयास
संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा से धन रोकने के लिए कानून पारित करना और
उन देशों से द्विपक्षीय सहायता रोक देना जो अपनी शांति बनाए रखने में विफल रहे।
संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में तैनात रहते हुए दुर्व्यवहार के लिए रक्षकों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। 56
समिति के अध्यक्ष सीनेटर बॉब कॉर्क ने कहा, "मैं बेहद निराश हूं।"
अमेरिकी करदाताओं द्वारा भुगतान किए जा रहे संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की कार्रवाइयों के कारण
और मुझे उम्मीद है कि हम किसी तरह इसे काबू में करने का रास्ता निकाल लेंगे।" 57
संयुक्त राष्ट्र प्रबंधन और सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी प्रतिनिधि
इसोबेल कोलमैन ने अमेरिका द्वारा प्रत्यक्ष द्विपक्षीय कार्रवाई करने की आवश्यकता पर जोर दिया।
संयुक्त राष्ट्र सुधार प्रक्रियाओं का समर्थन करने के अलावा, सुनवाई में उन्होंने कहा कि
"स्पष्ट रूप से, यौन शोषण की भयावहता और गंभीरता को देखते हुए..."
मध्य अफ्रीकी गणराज्य (CAR) से उत्पीड़न और दुर्व्यवहार की घटनाओं की रिपोर्ट आ रही है।
गणतंत्र] और अन्य मिशन, [यौन शोषण से निपटने के लिए हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की कार्रवाई]
शोषण और दुर्व्यवहार] आवश्यक तो हैं, लेकिन अपने आप में पर्याप्त नहीं हैं।
संकट का समाधान करें।" 58 समिति के समक्ष गवाही देने के लिए बुलाए गए विशेषज्ञों में से एक...
समिति ने इससे आगे बढ़कर कांग्रेस को संयुक्त राष्ट्र नीति के लिए दबाव डालने की सिफारिश की।
जो राज्यों को शांतिरक्षा अभियानों में सैनिक भेजने से रोकता है यदि वे
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए अपराधियों को जवाबदेह ठहराने में विफल रहना या

इससे उन्हें सेवाओं के प्रावधान के लिए प्राप्त होने वाली प्रतिपूर्ति में काफी कमी आती है।
शांति सैनिकों को मासिक मुआवजे का कुछ हिस्सा रोकने के बजाय...
आरोपी कर्मियों को मुआवजा। 59 यदि यह अंतिम उपाय अपनाया जाता है, तो संभवतः
इससे सैन्य सहायता देने वाले देशों के साथ महत्वपूर्ण संघर्ष भड़क सकता है, और संभवतः...
इसके परिणामस्वरूप शांति अभियानों में स्वैच्छिक योगदान में कमी आएगी।
एक साल बाद, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया गया।
आरोपों को लेकर सांसदों की चल रही चिंता पर नाराजगी जताई
संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा यौन दुर्व्यवहार। इसमें फिर से उल्लेख किया गया कि अमेरिका ने
संयुक्त राष्ट्र को जवाबदेह ठहराने और सहायता करने का दायित्व
"यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मुद्दों को संबोधित करने में संस्था की भूमिका," और कहा
कांग्रेस को राष्ट्रपति से आग्रह करना चाहिए कि वे अमेरिका की भूमिका का उपयोग करें।
संयुक्त राष्ट्र को यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति में सुधार और उसे बेहतर बनाने के लिए और

अन्य संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों और टीसीसी को पूरी तरह से जांच करने के लिए सीधे तौर पर प्रोत्साहित करें
और अपराधियों की जवाबदेही सुनिश्चित करें। 60 हालांकि यह मामला अभी तक सामने नहीं आया है।
प्रगति के बाद से, ये चर्चाएँ और प्रस्ताव इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि कितनी गंभीरता से
अमेरिकी सांसदों ने शांति अभियानों में यौन दुर्व्यवहार के मुद्दे पर चर्चा की।
मध्य अफ्रीकी गणराज्य घोटाले के बाद। वे दर्शाते हैं

शांति अभियान में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार कैसे होता है इससे संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा (और संयुक्त राष्ट्र) की कथित वैधता कम हो गई। अमेरिकी सांसदों की नजरों में, खासकर उन लोगों की नजरों में जो पहले से ही इसकी आलोचना कर रहे हैं-
यह मामला अमेरिकी सांसदों की क्षमता को भी रेखांकित करता है।
अगर यौन शोषण होता है तो भविष्य में शांतिरक्षा में अमेरिकी भागीदारी में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है।
दुर्व्यवहार का समाधान उस तरीके से नहीं किया जाता जिसे वे संतोषजनक मानते हैं। और इससे संयुक्त राष्ट्र की वैधता के बारे में उनकी धारणा बहाल हो जाती है। यदि इसे स्वीकार कर लिया जाए, तो
जिन कार्रवाइयों की धमकी दी गई है, उनसे शांति के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र की परिचालन क्षमता कम हो जाएगी।
वैश्विक स्तर पर संचालन। इसके अलावा, अमेरिकी समर्थन की वापसी से स्थिति और बिगड़ सकती है।
दावों के आधार पर समर्थन जुटाने की संयुक्त राष्ट्र की क्षमता को कम करना
नैतिक अधिकार और परिचालन प्रभावशीलता और वास्तव में विरोध को बढ़ावा दे सकता है।
वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र की भावनाएँ।

अन्य संदर्भों में यौन दुर्व्यवहार
संयुक्त राष्ट्र की वैधता के लिए चुनौतियाँ

इससे संबंधित एक मुद्दा यह है कि कुछ संकेत मिल रहे हैं कि देश फिर से...
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सैनिकों के योगदान को कम करके आंकना
दुर्व्यवहार के लिए जनता की नाराजगी और इस आशंका के परिणामस्वरूप कि वे ऐसा कर सकते हैं-
इसे दोबारा दोहराना या अन्य प्रकार के दुराचार में संलग्न होना। यह तो निश्चित रूप से इसका संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की क्षमता पर प्रभाव पड़ता है और इसलिए यह भी यदि परिचालन परिणाम प्रभावित होते हैं तो इसकी कथित वैधता पर असर पड़ता है।

हालाँकि, ऐसा है
अभी तक घटित नहीं हुए, शांतिरक्षकों द्वारा दुर्व्यवहार और विफलताओं के अन्य मामले जो सामने आए हैं-
शांतिरक्षा की वैधता के बारे में जनता की धारणाओं में आए बदलावों के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है।
शांतिरक्षा योगदान में कमी। इस अध्याय को देखते हुए
यह दर्शाया गया कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार किस प्रकार धारणाओं को प्रभावित करते हैं
शांतिरक्षा की वैधता, अनेक शिक्षाप्रद प्रभावों को ध्यान में रखते हुए
शांतिरक्षा में अतीत में हुए वैधता संकटों से यह स्पष्ट होता है कि दांव पर क्या लगा है।
यदि शांति अभियानों में यौन दुर्व्यवहार बिना किसी रोक-टोक के जारी रहता है।

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा से संबंधित सबसे महत्वपूर्ण संकटों में से एक शायद स्ब्रेबेनिका में डच संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की नरसंहार को रोकने में विफलता के कारण...
एन्क्लेव के बाद आठ हजार से अधिक बोस्नियाई लोगों की हत्या, शांति रक्षकों द्वारा
124 अध्याय 4

जिन क्षेत्रों की रक्षा करने का दायित्व सौंपा गया था, उन पर 1995 में सर्ब मिलिशिया ने कब्जा कर लिया था।
नरसंहार के बाद, डच सरकार ने अपने पहले से ही उच्च कर्मचारियों की संख्या में कटौती की।
सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में योगदान लगभग शून्य हो गया है।
स्ब्रेब्रेन युद्ध में डच बटालियन की भूमिका को लेकर जनता में गहरा आक्रोश था।
आईसीए नरसंहार, संयुक्त राष्ट्र कमान के प्रति सरकार और सेना का अविश्वास और नियंत्रण संरचनाएं, और डच विकास मंत्रालय में एक मजबूत धारणा-
बाड़ (और अधिक सामान्यतः) कि संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान अप्रभावी थे। 61 यह इसमें थोड़ा बदलाव आने से पहले आठ साल बीत चुके थे: बड़े योगदान
लाइबेरिया (2003-4) और लेबनान (2006-8) में मिशनों को नियुक्तियाँ की गईं।

लेकिन इनमें केवल समुद्री घटक ही शामिल थे, जिससे इनकी क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो गई।
डच शांति सैनिकों और स्थानीय आबादी के बीच बातचीत। 62 द्वारा-
इसके विपरीत, नीदरलैंड ने गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों में महत्वपूर्ण योगदान बनाए रखा।
सैन्य अभियान, विशेष रूप से नाटो मिशन, जैसे कि कोसोवो में।
और अफगानिस्तान और इराक में तदर्थ बहुराष्ट्रीय अभियान। 63 यह नहीं था
2013 तक नीदरलैंड्स ने बड़े पैमाने पर इसमें फिर से भाग लेना शुरू कर दिया था।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में यूरोप का सबसे बड़ा योगदान शामिल है।
माली में बहुआयामी एकीकृत स्थिरीकरण मिशन (MINUSMA),
450 डच सैनिकों के साथ। इसके अलावा, इसने संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिनिधि को भी सहायता प्रदान की।
मिशन के प्रति प्रतिबद्ध, विशेष अभियान बल, एक खुफिया इकाई, संख्यात्मक-
हेलीकॉप्टर, पुलिस अधिकारी, नागरिक विशेषज्ञ और कर्मचारियों के अधिकारी
सेना कमांडर ने ऐसा करके नीदरलैंड्स ने अपना प्रभाव सुनिश्चित किया।
MINUSMA के सैन्य अभियानों पर। 64 यह दर्शाता है कि कितनी गंभीरता से
स्ब्रेबेनिका की विफलता ने नीदरलैंड की भागीदारी की इच्छा को प्रभावित किया।
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में देश को वापस लौटने में पंद्रह साल लग गए।
विश्वास और वैधता के संकट के परिणामस्वरूप शांति स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान हुआ है।
बोस्निया में डच शांति सैनिकों की भागीदारी के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई अशांति।
सिमी-
खासकर तब, जब यातना में कनाडाई शांति सैनिकों की संलिप्तता का विवरण सामने आया।
और नवंबर में सोमाली किशोरी शिदान एरोन की हत्या का मामला सामने आया
1994 में प्रकाशन प्रतिबंध हटने के बाद, जनता और सरकार की धारणा में बदलाव आया।
सेना की गतिविधियों और संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में उसकी भागीदारी के
परिणामस्वरूप

संयुक्त राष्ट्र मिशनों में कनाडा के योगदान में उल्लेखनीय कमी आई है—
कर्मियों के उच्चतम योगदानकर्ताओं में से एक से लेकर निम्नतम योगदानकर्ताओं में से एक तक
परिणामस्वरूप कनाडा के सैन्य बजट में 25 प्रतिशत की कटौती हुई। 65
दोनों ही मामलों में, इस बात के सबूत हैं कि इन गतिविधियों में सैनिकों की संलिप्तता थी।
अत्याचारों ने जनता की धारणाओं और उनके प्रति समर्थन को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया।
सेनाओं पर इसका असर पड़ेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर उनके देशों की भागीदारी प्रभावित होगी।
शांति अभियान। 66 हालांकि इस संबंध में व्यापक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, ये

ऑक्सफैम और सेन के प्रति प्रतिक्रियाओं के बारे में हमें जो जानकारी है, उसके साथ-साथ रुझानों के आधार पर...
मध्य अफ्रीकी गणराज्य के घोटालों से पता चलता है कि यौन दुर्व्यवहार के घोटाले
इससे संयुक्त राष्ट्र में सैनिकों की तैनाती और अन्य योगदानों में भी कमी आ सकती है।
शांति अभियानों के परिणामस्वरूप, जिस तरह से वे धारणाओं को कमजोर करते हैं-
शांतिरक्षा की वैधता और प्रभावशीलता के पहलुओं पर यह सुझाव दिया जा सकता है।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा प्रतिज्ञाओं में सामान्य प्रवृत्ति के साथ असंगत प्रतीत होता है
सदस्य देशों के लिए सम्मेलन, जिसमें संयुक्त राष्ट्र में योगदान बढ़ाने का वादा किया जाएगा
हालाँकि, शांति अभियानों में वैधता के बारे में जनता की धारणाओं में बदलाव आया है।
हाल के वर्षों में यौन दुर्व्यवहार घोटालों के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर
संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा वित्त पोषण और शांति अभियानों के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव

व्यापक रूप से किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि शांतिरक्षा के समर्थन में अतीत में हुई वृद्धि...
यौन शोषण पर लगातार वैश्विक ध्यान दिए जाने से अर्थव्यवस्था में अस्थिरता आ सकती है।
और शांतिरक्षा में दुर्व्यवहार। 67

वैधता के बारे में स्थानीय धारणाएँ

हालिया यौन दुर्व्यवहार घोटालों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं ने प्रकाश डाला-
यह बताएं कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार किस प्रकार प्रत्यक्ष रूप से क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं
स्थापित व्यवस्थाओं को चुनौती देकर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के शांति निर्माण प्रयासों को बाधित करना।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा प्रतिधारण बनाए रखने के लिए उपयोग की जाने वाली सूचीबद्ध प्रक्रियाएँ-
विभिन्न दर्शकों के बीच वैधता की धारणा जो सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है
शांति अभियानों के लिए जारी वैश्विक समर्थन। इसके ठोस निहितार्थ हैं-
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की क्षमता के लिए, जो
यह वैधता प्रदान करने की रणनीतियों में एक और बाधा उत्पन्न करता है।
हालाँकि, इस परियोजना के लिए नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों के साथ साक्षात्कार किए गए थे-
आदि से पता चलता है कि एक और महत्वपूर्ण तरीका है जिससे संयुक्त राष्ट्र के बारे में धारणाएं प्रभावित होती हैं।
और शांतिरक्षा की वैधता कमजोर हो जाती है, जिससे मुख्य रूप से प्रभावित होता है।
उन दर्शकों को जो अंतरराष्ट्रीय शांति अभियानों के लाभार्थी रहे हैं।
तिमोर-लेस्ते और बोस्निया दोनों के संदर्भ में, कई उत्तरदाताओं ने इस विचार का उल्लेख किया।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार बस एक ऐसी चीज थी
कि मेजबान समुदायों को इसके बदले में "पीड़ित" या "सहन" करना पड़ता था।

हालाँकि अंतर्राष्ट्रीय मिशन का महत्वपूर्ण शांतिरक्षा कार्य। 68 वे
उन्होंने तर्क दिया कि इससे संयुक्त राष्ट्र की भूमिका के प्रति उनके सम्मान और समर्थन पर असर पड़ा।
अन्य संकटों और संगठन की संभावित पुनः सक्रियता का जवाब देना-
अगर हिंसा फिर से शुरू हुई तो उनके देश में क्या होगा? एक प्रमुख कंपनी के कर्मचारियों के एक समूह ने कहा कि अगर हिंसा फिर से शुरू हुई तो वे अपने देश में क्या करेंगे?
अंतर्राष्ट्रीय मानवीय संगठन ने तर्क दिया कि अपने काम में वे
देखा था कि ये भावनाएँ, साथ ही अध्याय 4 में यौन दुराचार के घोटाले 126

सामान्य तौर पर, इसका "व्यापक प्रभाव" हो सकता है, विशेष रूप से पड़ोसी या क्षेत्रीय देश जो शांति अभियानों के प्राप्तकर्ता भी रहे हों या
अन्य अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप। 69 इन विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि यह अन-
उन समुदायों का संयुक्त राष्ट्र पर भरोसा और उनकी तत्परता निर्धारित की गई।
हस्तक्षेपकर्ताओं के अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ चिंताओं को साझा करने के लिए शांति अभियानों के संदर्भ में उन्हें सुरक्षा या अन्य किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
उनकी सुरक्षा के लिए तैनात। संयुक्त राष्ट्र भर में कई अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी।
और गैर सरकारी संगठन क्षेत्र ने भी इस बात का समर्थन किया। इसके अलावा, यौन उत्पीड़न के प्रत्यक्ष अनुभवों ने भी इस बात को दोहराया।
शोषण या दुर्व्यवहार ने कुछ व्यक्तियों की धारणा को और भी जटिल बना दिया।
वे व्यक्ति और समूह जिनके प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय वास्तव में प्रतिबद्ध नहीं था
वे उन समुदायों का समर्थन करने में रुचि रखते थे जिनकी सेवा करने का उन्होंने दावा किया था, जो
इससे अंतरराष्ट्रीय शांतिरक्षा परियोजना और प्रणालियों की वैधता और भी कम हो गई।
उनकी नज़रों में। 70 शांति रक्षक सहायता प्राप्त करने वाले समुदायों की ये आशंकाएँ-
राजनीतिक परिदृश्य में खनन अभियान और भी महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

समय के साथ शांति स्थापना का दायरा: जैसे-जैसे मेजबान समाज दूर होते जाते हैं हिंसक संघर्ष में, वे ऐसे राज्य बन जाते हैं जिनके प्रति अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का रुख बदल जाता है।
देश अन्य स्थानों पर शांति अभियानों के लिए कर्मियों का योगदान देने पर विचार कर सकता है।
हालाँकि, शांतिरक्षा की वैधता के बारे में उनकी धारणाएँ, जो इससे उत्पन्न होती हैं हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार के उनके अपने अनुभव, संभवतः उनके निर्णय को प्रभावित करेंगे।
वे भविष्य में शांतिरक्षा परियोजना में किस प्रकार भाग लेंगे।

क्या वैश्विक उत्तर और दक्षिण के बीच खाई बढ़ती जा रही है?

यहां ध्यान देने योग्य एक अंतिम मुद्दा यह है कि संयुक्त राष्ट्र और
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाएँ शांति अभियानों का सरकारों और घरेलू जनता के कामकाज पर प्रभाव पड़ सकता है।
सैन्य योगदान देने वाले देशों में लाइसेंसधारी संयुक्त राष्ट्र की वैधता को समझते हैं और
इसकी शांतिरक्षा परियोजना। संयुक्त राष्ट्र में एक वरिष्ठ राजनयिक ने याद दिलाया कि इस दौरान
मध्य अफ्रीकी गणराज्य के बाद की बातचीत और बहसें-
महासभा और सुरक्षा परिषद दोनों की बैठकों में लाइसेंस घोटाला सामने आया।
कई सैन्य योगदान देने वाले देश नस्लीय विभाजन से भलीभांति परिचित थे।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार घोटालों पर रिपोर्टिंग की गतिशीलता और
उचित नीतिगत प्रतिक्रियाओं के बारे में अंतरराष्ट्रीय बहसें हुईं, और वे थीं
अपने देश के सभी लोगों की प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित।
अपने देशवासियों को बलात्कारी बताकर आम धारणाओं से ग्रस्त। 71 यह था
यह स्थिति विशेष रूप से इसलिए है क्योंकि जिन देशों का योगदान सबसे अधिक है संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में तैनात सैनिकों और पुलिस बल के जवान आम तौर पर कम विकसित होते हैं और

गैर-श्वेत होने के कारण, वे अक्सर पहले से ही पूर्वाग्रहों के शिकार होते हैं।
उनके लोगों की हिंसक प्रकृति या महिलाओं के प्रति सांस्कृतिक व्यवहार। राजनयिक-संबंधित मामले में अनौपचारिक चर्चाओं के दौरान एक प्रमुख चिंता का विषय सामने आया था।
सवाल यह था कि वैश्विक श्रोताओं द्वारा इन सामान्यीकरणों को कैसे स्वीकार किया जाएगा।
और टीसीसी के अपने नागरिकों के बीच। राजनयिक ने सुझाव दिया कि इससे
इससे सरकारों और मतदाताओं के बीच और अधिक आशंकाएं पैदा होंगी।
प्रमुख टीसीसी ने संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के लिए अपने समर्थन और अपनी तत्परता के बारे में बताया।
अगर उनके सैनिकों को नस्लीय भेदभाव का सामना करना पड़े तो उनकी जान
जोखिम में डालने की उनकी इच्छा।
उनके यौन हिंसा की प्रवृत्ति के बारे में प्रचलित सामान्यीकरणों के परिणामस्वरूप
कुछ ही कर्मचारियों का व्यवहार, विशेष रूप से कर्मचारियों की कम संख्या को देखते हुए
वैश्विक उत्तर के राज्यों से प्राप्त योगदान।

शायद इन्हीं चिंताओं के कारण कुछ टीसीसी, विशेष रूप से
नाइजीरिया, रवांडा और भारत ने अतीत में अपने सैन्य समझौते वापस लेने की धमकी दी थी।
शांतिरक्षा बलों से उन सैनिकों को हटा दिया गया जिनका नाम अल- के संबंध में
सार्वजनिक रूप से लिया गया था।
कथित दुर्व्यवहार—यौन शोषण और दुर्व्यवहार के साथ-साथ अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार
दुर्व्यवहार। 72 वास्तव में, 2015 में, मध्य अफ्रीकी गणराज्य के बीच
घोटाले के सामने आने और संकल्प 2272 को अपनाने के बाद, इन धमकियों ने मजबूर कर दिया
संयुक्त राष्ट्र द्वारा शांति सैनिकों की राष्ट्रीयता के बारे में जानकारी छिपाने का प्रस्ताव
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में सड़क पर रहने वाले बच्चों और महिलाओं के साथ

दुर्व्यवहार और बलात्कार में संलिप्त।
और पुलिस शांतिरक्षकों द्वारा आरोपित लोगों को रवांडा नागरिक के रूप में पहचान बताने से इनकार करना।
माली में नागरिकों की हत्या के संबंध में महासचिव के आधिकारिक बयान में...
घटना के बारे में टिप्पणी। 73 पत्रकार क्रिस मैकग्रील के अनुसार, एक
संयुक्त राष्ट्र के एक सूत्र ने कहा कि हालांकि रवांडा सरकार ने अपनी सेना वापस ले ली थी।
संबंधित पुलिस इकाई से पूछताछ करें और दोषियों को जवाबदेह ठहराने का वादा करें।
उसने अलग शांति अभियानों से अपने शांति सैनिकों को वापस बुलाने की धमकी दी।
दारफुर में घटना के संबंध में अगर इसका नाम सार्वजनिक रूप से लिया जाता है तो।
74
सुरक्षा परिषद में संकल्प 2272 पर बहस, महासचिव
उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीयताओं को अलग रखने की नीति को क्यों पलट दिया था।
कथित अपराधियों ने गोपनीय जानकारी दी। उन्होंने पुष्टि की कि "सम्मान और प्रतिष्ठा-
लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि सैन्य सहायता देने वाले देशों की प्रतिष्ठा का सम्मान किया जाना चाहिए।
कि कथित अपराधियों की राष्ट्रीयता पर गोपनीयता की नीति
“यह बहुत मददगार नहीं है” और “कभी-कभी हमें इसे बताना पड़ता है”
जनता को सूचित किया जाए ताकि [TCC] भी अपने तौर-तरीकों में सुधार करने के लिए प्रेरित हों।
व्यापार संचालन के बारे में।’ 75 फिर भी, सुरक्षा परिषद की बातचीत के दौरान-
कई सैन्य योगदान देने वाले देशों में मिस्र, सेनेगल आदि शामिल हैं।
पाकिस्तान और भारत ने नाम उजागर करने और शर्मिंदा करने की नीति का विरोध किया।
संकल्प 2272 में इकाइयों की वापसी के लिए निहित प्रावधान 128 अध्याय 4

या व्यवस्थित और व्यापक यौन शोषण में शामिल दल-

उन्होंने तर्क दिया कि यह सामूहिक दंड के समान था।
इस व्यवहार के कारण पूरी टुकड़ियों की प्रतिष्ठा धूमिल हो गई।
केवल कुछ ही कर्मियों का। पाकिस्तान ने आगे चेतावनी दी कि "कोई भी
सुरक्षा परिषद द्वारा की गई ऐसी कार्रवाई जिससे सभी पर एक समान रूप से
दोषारोपण हो सकता है
शांति सैनिकों की तैनाती से सैनिकों के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ना तय है।
"ग्राउंड," जिसका अर्थ है कि मिशन के परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि-
यह चिंता कि प्रतिष्ठा धूमिल होने की यह समस्या केवल वैश्विक स्तर तक ही सीमित नहीं है।
नस्लवाद को लेकर चिंतित दक्षिणी सदस्य राज्य: प्रारंभिक प्रतिक्रिया में
मध्य अफ्रीकी गणराज्य की रिपोर्ट के लीक होने पर, फ्रांसीसी रक्षा मंत्री ने...
टेर जीन-यवेस ले ड्रियन ने कहा कि उन्हें "घृणा" और "विश्वासघात" का एहसास हुआ था और
उन्होंने घोषणा की कि यदि ये कृत्य सत्य हैं, तो इनसे "हमारे झंडे पर धब्बा लगा है" और "साथियों" के साथ विश्वासघात हुआ है।
फ्रांस की छवि और सेना का मिशन।" 76
प्रमुख सैन्य योगदान देने वाले देशों की ये प्रतिक्रियाएँ एक
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया में गंभीर तनाव मौजूद है।
अर्थात्, टीसीसी की चिंता यह है कि उनकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान होगा।
अगर उनके कर्मचारियों के यौन दुर्व्यवहार में संलिप्त होने की खबरें सामने आती हैं तो उनकी छवि धूमिल हो सकती है।
यदि गलत सूचनाओं को सार्वजनिक किया जाता है तो इससे ऐसी गलतियों के
विवरणों को छिपाने की संभावना बढ़ जाती है।
संयुक्त राष्ट्र द्वारा किया गया आचरण। इससे अंततः संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता कमज़ोर होती है।
अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रों के समुदाय और वैश्विक जनता की निगाहों के सामने।
संसाधनों की कमी के कारण, संयुक्त राष्ट्र इन राज्यों पर निर्भर है और

उन्हें शांतिरक्षा कार्यों में शामिल रखने के लिए प्रबल प्रोत्साहन है, ठीक उसी तरह जैसे संगठन की प्रभावशीलता को बनाए रखने के लिए प्रबल प्रोत्साहन है।
वैधता रणनीतियाँ अधिक सामान्यतः, भले ही ये दो दबाव
तनाव में काम कर सकता है। इससे एक महत्वपूर्ण चुनौती उत्पन्न होने की संभावना है।
संकल्प 2272 का कार्यान्वयन, जो महासचिव को प्रदान करता है
सुरक्षा परिषद के समर्थन से इकाइयों या राष्ट्रीय सहयोगियों को वापस भेजने के लिए-
उन संस्थाओं में जहां व्यापक स्तर पर उनकी संलिप्तता के विश्वसनीय प्रमाण मौजूद हैं-
व्यापक और व्यवस्थित यौन शोषण और दुर्व्यवहार, या जहां टीसीसी
अपराधियों की जांच करने और उन्हें पकड़ने के लिए उचित कदम उठाने में विफल रहा है।
जवाबदेह। 77 पहले से ही कुछ ऐसे उदाहरण सामने आ चुके हैं जहां कॉन-
जांच और अनुशासन इकाई पर सूचना का खुलासा न करने का आरोप है।
आरोपों के बारे में। 78
इस संबंध में सैन्य सहायता देने वाले देशों की कुछ चिंताएँ हैं।
यह मुद्दा शांतिरक्षा की नस्लीय गतिशीलता से संबंधित हो सकता है, जिसके तहत गरीब दक्षिणी देश जमीनी स्तर पर सहायता प्रदान करते हैं और स्वीकार करते हैं
धनवान होने के दौरान ऐसा करने से उनके सैनिकों और पुलिस को होने वाले अंतर्निहित जोखिमों को समझना।

उत्तरी देश संसाधन उपलब्ध कराते हैं और नीतिगत एजेंडा निर्धारित करते हैं।
हालाँकि,
कुछ चिंताएँ उन लाभों पर भी आधारित हो सकती हैं जो देशों को प्राप्त होते हैं।
सैनिकों का योगदान करके, विशेष रूप से पारिश्रमिक के मामले में, क्रू को लाभ पहुंचाना।
और सैन्य उपकरणों और प्रशिक्षण तक पहुंच, जो सीधे तौर पर नहीं मिलती।

यह सीधे कर्मियों तक नहीं पहुंचता बल्कि रक्षा बलों में अपना रास्ता बना लेता है या सेना भेजने वाले राज्यों की सरकारें। हालांकि, यह देखना बाकी है कि कैसे
इन मुद्दों के सामने आने पर, 2015 में कुछ रिपोर्टें आई थीं कि संयुक्त राष्ट्र ने
विफल हो चुके टीसीसी को शांतिरक्षा सैनिकों के लिए भुगतान निलंबित करना शुरू कर दिया गया है
यौन दुर्व्यवहार के विश्वसनीय आरोपों का जवाब देना, हालांकि यह
यह स्पष्ट नहीं है कि इसे अब तक कितनी व्यापक रूप से लागू किया गया है। 79
यह अंक दर्शाता है कि संयुक्त राष्ट्र जिन वैधता रणनीतियों पर निर्भर करता है, वे किस प्रकार की हैं।
शांतिरक्षा के लिए समर्थन बनाए रखने के लिए परिस्थितियाँ संदर्भ पर निर्भर करती हैं और
श्रोता और कभी-कभी एक दूसरे के साथ टकराव। एक ओर,
संकल्प 2272 के माध्यम से जवाबदेही तंत्र को मजबूत करना था।
संयुक्त राष्ट्र और शांतिरक्षा की वैधता के बारे में धारणाओं को मजबूत करने का एक प्रयास
एक ऐसे मुद्दे को संबोधित करना जिसने मौजूदा वैधता रणनीतियों को कमजोर कर दिया था।
शांतिरक्षा और उसके परिणामों को संयुक्त राष्ट्र के मूल सिद्धांतों के साथ संरेखित करने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना
मूल्यों और लक्ष्यों। दूसरी ओर, ऐसा करने में, सुरक्षा परिषद
और सचिवालय को कई सरकारों और जनता द्वारा अलग-अलग रूप में देखा गया।
दक्षिणी सैन्य योगदान देने वाले देशों पर अनुचित रूप से दोषारोपण करने का आरोप लगाया गया।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार तथा कुछ लोगों के व्यवहारों को सामान्यीकृत करना
कर्मियों को पूरी टुकड़ियों या राष्ट्रीयताओं में स्थानांतरित करना, जिससे व्यक्तिगत खतरे की स्थिति पैदा हो जाती है।
नीति के संरेखण (और जिस प्रक्रिया से इसे विकसित किया गया था) की धारणाएँ
संयुक्त राष्ट्र के मूल मूल्यों और सिद्धांतों के साथ (संपादकीय)।

निष्कर्ष: संयुक्त राष्ट्र की नैतिक सत्ता का क्षरण

इस अध्याय में यह दर्शाया गया है कि किस प्रकार यौन शोषण और दुर्व्यवहार होता है।
हस्तक्षेपकर्ता परिचालन क्षमता और कथित लाभ दोनों को कमजोर करते हैं।
शांति अभियानों में संलग्न अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिबद्धता।
महत्वपूर्ण रूप से, इसने यह प्रदर्शित किया है कि इस तरह के व्यवहार किस प्रकार अस्तित्व को चुनौती देते हैं।
संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय जिन रणनीतियों पर भरोसा करते हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए
अपनी वैधता और नैतिक अधिकार की धारणाओं को बनाए रखने के लिए
विश्व स्तर पर अनेक दर्शकों की निगाहों में, जो कि इस अवधारणा की आधारशिला हैं।
शांति अभियानों के लिए निरंतर समर्थन। इस अध्याय में यह भी दिखाया गया है कि कैसे
क्षमता और कथित वैधता परस्पर सुदृढ़ करने वाले 130 अध्याय 4 में बंधे हुए हैं

संबंध—जैसे-जैसे एक कम होता है, वैसे-वैसे दूसरा भी कम होता जाता है, और इस प्रकार आगे भी अंतर बढ़ता जाता है।
पहले को कम करना। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने दिखाया है कि यौन दुर्व्यवहार कैसे...
इस प्रक्रिया और इसके प्रभावों से संयुक्त राष्ट्र की नैतिक विश्वसनीयता में गिरावट आती है।
न केवल शांति स्थापना के संबंध में बल्कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका के संबंध में भी।
वैश्विक शांति और सुरक्षा के प्रमुख समर्थक के रूप में और सभी के लिए एक मंच के रूप में
इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए राज्यों को समान रूप से मिलकर काम करना होगा।
संयुक्त राष्ट्र के भीतर यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति असमान प्रतिक्रियाएँ
प्रणाली और मुखबिरों के साथ किया जाने वाला व्यवहार, व्यक्तिगत अधिकारों के इस क्षरण को और बढ़ा देता है।

इसे वैधता प्राप्त हुई। उदाहरण के लिए, उच्चतम स्तर के बयानों के बावजूद
संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न महासचिवों और सुरक्षा परिषद सहित...
संयुक्त राष्ट्र की यौन दुर्व्यवहार के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के बारे में।
संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में किए गए आचरण के बावजूद, यह वास्तविकता में तब्दील नहीं हुआ है।
इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण शायद यौन शोषण कांड में देखने को मिला।
मध्य अफ्रीकी गणराज्य। जैसे-जैसे घोटाला आगे बढ़ा, मीडिया रिपोर्टिंग और
कोड ब्लू कैंपेन को लीक हुए दस्तावेजों से न केवल संयुक्त राष्ट्र की प्रारंभिक योजना का खुलासा हुआ, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई।
फ्रांसीसी संगारिस सैनिकों द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों पर कार्रवाई करने में विफलता
दुर्व्यवहार किए गए बच्चे, साथ ही फ्रांसीसी सैन्य अधिकारियों का असहयोग।
मानवाधिकार उल्लंघनों की सुरक्षा परिषद द्वारा अनिवार्य जांच के साथ
देश। रिपोर्टों से फ्रांसीसी भाषा के स्पष्ट ज्ञान का पता चला।
सैन्य अधिकारियों ने अपने सैनिकों द्वारा यौन शोषण में भागीदारी के बारे में जानकारी दी।
और दुर्व्यवहार। इसके अलावा, रिपोर्ट के लीक होने से व्हिसलब्लोअर को भी नुकसान उठाना पड़ा।
सजा के लिए लक्षित सैनिक न कि इसमें शामिल सैनिक। और अंत में,
कथित तौर पर शामिल सैनिकों के खिलाफ मामला अंततः खारिज कर दिया गया, इसके बावजूद
चिकित्सा और अन्य गैर सरकारी संगठनों द्वारा एकत्र किए गए साक्ष्यों ने आरोपों का समर्थन किया
बच्चों की गवाही की "अविश्वसनीयता" के कारण और क्योंकि
संयुक्त राष्ट्र द्वारा शुरू में एकत्र किए गए साक्ष्यों की गुणवत्ता स्पष्ट रूप से मानकों के अनुरूप नहीं थी।
फ्रांसीसी अभियोजन मानक। 80 ये सभी खुलासे सामने आए
वैश्विक मीडिया ने घोषित मूल्यों और वास्तविकताओं के बीच की खाई को उजागर कर

दिया।
मानवाधिकारों, रोकथाम आदि के संबंध में संयुक्त राष्ट्र और उसके सदस्य देशों की प्रतिबद्धताएं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार का निवारण और कमजोर समूहों का संरक्षण
और व्यवहार में यौन दुर्व्यवहार के आरोपों पर उनकी प्रतिक्रियाएँ।
यह खाई संयुक्त राष्ट्र की स्थापित वैधता रणनीतियों के लिए एक गंभीर चुनौती पेश करती है।
जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है।
यह संयुक्त राष्ट्र की नीतियों और नीतियों के सामने आने वाली एक मूलभूत चुनौती को उजागर करता है।
प्रणालियाँ—इसका आनुवंशिक दोष—जो इसे कई चीजों के संयोजन का बंधक बनाकर रखता है
इसके सदस्य राज्यों के विभिन्न हित, नौकरशाही की अनिवार्यताएँ-
इसकी छवि की रक्षा करना और अंतर्राष्ट्रीय परियोजना में इसकी केंद्रीय भूमिका को प्रदर्शित करना

शांति और सुरक्षा, और नौकरशाही की सीमाएँ जिनके तहत गोपनीयता
तरियत विशेष रूप से संसाधनों और अधिकार के संबंध में काम करता है।
शांतिरक्षा कर्मियों के रूप में। एक संगठन के रूप में जो इससे प्रेरित है और इसके प्रति जवाबदेह है।
राज्य के हित, जिनके पास वर्दीधारी कर्मियों के आचरण पर कोई अधिकार नहीं है।
शांति अभियानों में सदस्य देशों द्वारा योगदान किए गए शांति सैनिक, संयुक्त राष्ट्र जवाबदेही को प्रभावी ढंग से लागू करने की इसकी क्षमता संरचनात्मक रूप से सीमित है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए। लेकिन इसके पास एक मजबूत प्रोत्साहन भी है
यह प्रदर्शित करना कि मौजूदा नीतियां कारगर हैं ताकि निधि को उचित ठहराया जा सके।
सदस्य देशों द्वारा किए गए आवंटन और सैन्य योगदान को बनाए रखना

शांतिरक्षा के लिए राजनीतिक समर्थन। इससे रिपोर्टिंग करने का दबाव बनता है।
संयुक्त राष्ट्र और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर काम करने वाली सफलताएँ। उदाहरण के लिए,
जैसा कि अध्याय 2 में चर्चा की गई है, जैक्स पॉल क्लेन, संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रमुख
बोस्निया और हर्ज़ेगोविना उन खुलासों को दबाने में शामिल था कि
शांति रक्षक तस्करी में इसलिए शामिल थे क्योंकि यह उनके हित में था।
यह दावा करते हुए कि वह व्यवस्था और आचरण के मानकों को बनाए रख रहा था ताकि
उनकी प्रतिष्ठा और रोजगार के अवसरों की रक्षा करना। 81 दमन
एंडर्स कोम्पास की यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर मूल रिपोर्ट के बारे में
मध्य अफ्रीकी गणराज्य और उनके द्वारा किए गए खुलासे पर हुई प्रतिक्रिया
संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी जो पहले मजबूत जवाबदेही के प्रबल समर्थक थे-
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की क्षमता इसका एक और उदाहरण है।
यह संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के कामकाज में मौजूद एक मूलभूत तनाव को दर्शाता है:
संयुक्त राष्ट्र की नौकरशाही स्वयं की लेखापरीक्षा करने और रिपोर्ट देने की स्थिति में है।
आचरण के उल्लंघन से संबंधित, लेकिन साथ ही नौकरशाही की अड़चन से भी।
व्यवस्था, नियंत्रण और सफलता प्रदर्शित करने के लिए (जो कि केंद्रीय भी हैं)
संयुक्त राष्ट्र की वैधता रणनीतियों के लिए) मजबूत जांच के खिलाफ काम करना और
रिपोर्टिंग। इसके अलावा, यह संयुक्त राष्ट्र सचिवालय की सीमाओं को उजागर करता है।
वर्दीधारी शांति सैनिकों को यौन दुर्व्यवहार के लिए जवाबदेह ठहराने में आने वाली चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।
हालांकि ऐसा करने में उनकी असमर्थता को संयुक्त राष्ट्र की विफलता के रूप में देखा जाता है।
यह संयुक्त राष्ट्र के सीमित अधिकार का प्रतिबिंब होने के बजाय उसका एक हिस्सा है।

गठित कर्मियों और सैन्य योगदानकर्ताओं पर दबाव डालने की इसकी सीमित क्षमता
देशों को यौन शोषण के संबंध में संयुक्त राष्ट्र की आचार संहिता को पूरी तरह से
लागू करना होगा।
शोषण और दुर्व्यवहार।

अंततः, मध्य अफ्रीकी गणराज्य के घोटाले ने भी सच्चाई उजागर कर दी।
शांति अभियानों में सैन्य योगदान देने वाले देशों के परस्पर विरोधी हित-
संयुक्त राष्ट्र के अधिकार की सीमाओं और उससे जुड़ी समस्याओं को फ्रांसीसी
प्रतिक्रिया ने प्रदर्शित किया।
यौन दुर्व्यवहार के लिए जवाबदेही को प्राथमिकता देने में अनिच्छा दिखाई।
अपने सैनिकों की सुरक्षा और परिचालन संबंधी अन्य हितों की तुलना में 132
अध्याय 4

अनिवार्यताएँ। जब फ्रांसीसी कर्मियों को आरोपों की जांच के लिए भेजा गया था
संगारी परिवार के बाल शोषण में संलिप्तता के बारे में पता लगाने में उन्हें पांच महीने
लग गए।
जिस गांव में कथित तौर पर दुर्व्यवहार हुआ था, उसका एक कारण ऑपरेशन भी था।
कथित तौर पर संगारी लोग उन्हें वहां ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर उपलब्ध नहीं करा
सके।
अन्य परिचालन प्राथमिकताओं के लिए। 82 अधिकांश सैन्य योगदान देने वाले देशों ने
उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को अधिकार देने वाले किसी भी तंत्र का दृढ़तापूर्वक विरोध भी
किया है।
या स्वतंत्र अभिनेताओं का अपनी सेनाओं पर अधिकार क्षेत्र—जो, इसके अतिरिक्त
स्पष्ट मुद्दों के अलावा, इसका मतलब यह है कि संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों के लिए
यह मुश्किल बना रहेगा।
न्यायिक प्रणालियों में स्वीकार्य मानक और स्वरूप के साक्ष्य एकत्र करें
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के आरोपों के मामलों में सदस्य देशों की ओर से।
दरअसल, पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद में "घुसपैठ और
सदस्य देशों से उनकी आपराधिक प्रक्रियाओं की समीक्षा करने का निर्देशात्मक आह्वान
किया गया है।

और कानून बनाना," यह जताते हुए कि ऐसे सुझाव अपमानजनक हैं और
आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने के सिद्धांत के विपरीत
सदस्य राज्य। 83 इसके अलावा, कीथ ऑलरेड के शोध से पता चलता है कि
सैनिकों-
योगदान देने वाले देश उन कर्मियों पर शायद ही कभी मुकदमा चलाते हैं जिन पर
अपराध करने का आरोप लगाया गया हो।
अंतर्राष्ट्रीय और
राष्ट्रीय शर्मिंदगी। 84
कई संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों और कर्मचारियों ने चर्चाओं के दौरान मुझे सुझाव दिया
कि
मध्य अफ्रीकी गणराज्य घोटाले ने कई लोगों के विश्वास को चकनाचूर कर दिया।
संयुक्त राष्ट्र में काम करने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि यौन उत्पीड़न के मुद्दों पर
प्रगति हो रही है।
शोषण और दुर्व्यवहार, यह धारणा रिपोर्ट की गई गिरती दरों पर आधारित है।
आचरण एवं अनुशासन इकाई। 85 इसके बजाय, इसने प्रदर्शित किया कि वहाँ
शांतिरक्षा की संस्कृति और दृष्टिकोण में बहुत कम बदलाव आया है।
कई सैन्य योगदान देने वाले देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए
शांति अभियानों में स्वयं के वर्दीधारी कर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा,
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग के अधिकारी भी
संयुक्त राष्ट्र में राजनयिकों ने संयुक्त राष्ट्र के भीतर की अनिच्छा को स्वीकार किया।
यौन दुर्व्यवहार पर खुलकर चर्चा करना क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र की प्रतिष्ठा के लिए
हानिकारक है।
86 यह एक बार फिर दर्शाता है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार का प्रभाव किस प्रकार
होता है।
संस्थागत स्तर पर इसका प्रभाव दो प्रकार का होता है: यह कर्मचारियों की धारणाओं
को भी प्रभावित करता है।
उनके अपने संगठन और कई वैश्विक प्राधिकरणों की धारणा के बारे में।
संयुक्त राष्ट्र की वैधता और शांतिरक्षा के संरेखण पर मतभेद हैं
अपने घोषित मूल्यों और लक्ष्यों के साथ। यह भी पता चलता है कि कवर करने की

प्रेरणा
यौन दुर्व्यवहार के आरोपों को दबाना या अस्पष्ट करना न केवल इसके पीछे का कारण हो सकता है
सैन्य सहायता प्रदान करने वाले देशों के हितों और नौकरशाही के दबाव के कारण-
संयुक्त राष्ट्र के भीतर के लोगों द्वारा ही नहीं, बल्कि कुछ मामलों में नेक इरादे वाले कर्मचारियों द्वारा भी, जो

संयुक्त राष्ट्र के मिशन के प्रति प्रतिबद्ध और संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व के तरीके को लेकर चिंतित-
खुलासों से वैधता प्रभावित होगी। पूर्व राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्ता के अनुसार
तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति और हिप्पो पैनल के सह-अध्यक्ष ने मुझसे कहा, "
संयुक्त राष्ट्र कोई महाशक्ति नहीं है। इसके पास केवल नैतिक अधिकार है, और यदि आप इसे समझते हैं...
इसे मेरा करो, तुम्हारा काम खत्म।' 87 ऐसा प्रतीत होता है कि इस बात की तीव्र जागरूकता है
कम से कम कुछ संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच यह बात प्रचलित है।

निष्कर्ष

कई समस्याओं में से एक समस्या? एक एकीकृत यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति प्रतिक्रिया

जुलाई 1995 में, संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की सबसे कुख्यात विफलताओं में से एक में-
उत्तरी अमेरिका के स्ब्रेबेनिका के पास पोटोकारी अड्डे पर डच शांति सैनिक।
बोस्निया ने बोस्नियाई लोगों को संयुक्त राष्ट्र में स्थित अपने अड्डे में शरण लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

जब सर्ब मिलिशिया ने उस शहर पर कब्ज़ा कर लिया जिसे उन्होंने सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया था, तब उस क्षेत्र को सुरक्षित क्षेत्र घोषित कर दिया गया था।
सुरक्षा के लिए तैनात किया गया। इसके बाद, आठ हजार से अधिक बोस्नियाई लोगों को,
इस भीषण नरसंहार में ज्यादातर पुरुष और लड़के, मिलिशिया द्वारा मारे गए थे।
द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोपीय धरती पर। बोस्निया में साक्षात्कार के दौरान, लगभग सभी
जिन लोगों से मैंने बात की, उन्होंने किसी न किसी बिंदु पर सुझाव दिया कि केवल एक को ही दोषी ठहराना नासमझी होगी।
शांति स्थापना पर हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए यौन शोषण और दुर्व्यवहार का प्रभाव-
परिणामों और स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय के बीच संबंधों पर
समुदायों। उन्होंने तर्क दिया कि एक अधिक महत्वपूर्ण कारक जिम्मेदारी थी।
संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की नज़र में, श्री जैसे अत्याचारों के लिए उनकी संलिप्तता थी।
ब्रेनिका नरसंहार, जब वे नामित क्षेत्रों में नागरिकों की रक्षा करने में विफल रहे
सुरक्षित क्षेत्र, या अन्य उदाहरण जहां शांति रक्षकों ने अनादर या अपमान दिखाया हो-
जिन लोगों की रक्षा के लिए उन्हें भेजा गया था, उनके प्रति सम्मान। उन्होंने इस बारे में भी बात की।
पोटोकारी स्थित संयुक्त राष्ट्र बैरक में छोड़े गए भित्तिचित्र आपत्तिजनक थे।

एन्क्लेव में रहने वाले बोस्नियाई लोगों और विशेष रूप से बोस्नियाई महिलाओं के प्रति। अन्य बातों में
यौन उत्पीड़न के तरीकों के बारे में कहानियाँ और विवरण साझा करने के बाद, शब्दों में।
दुर्व्यवहार ने उनके देश में शांति स्थापना के परिणामों को प्रभावित किया—ये कहानियाँ हैं
जिन्होंने इस पुस्तक के अधिकांश भाग को जीवंत बनाया है—उन्होंने इस बात को

दोहराने में कोई कसर नहीं छोड़ी।
यह उन परस्पर जुड़े कारकों में से एक था जिसने रिश्ते को प्रभावित किया।
उनके समुदायों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच।

इस पुस्तक का उद्देश्य यौन शोषण और दुर्व्यवहार के तरीकों को समझना था।
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों के सक्रिय व्यवहार परिणामों को प्रभावित करते हैं।
उन अभियानों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी क्षमता और विश्वसनीयता के बारे में।
समुदाय, विशिष्ट कार्यों के भीतर और व्यापक रूप से दोनों।
इस प्रकार के व्यवहारों के महत्वपूर्ण दीर्घकालिक परिणामों को दर्शाते हुए,
इस पुस्तक ने उनके और कई अन्य लोगों के बीच के अंतर्संबंधों को उजागर किया है।
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के सामने आज अन्य चुनौतियाँ भी हैं, जिनमें विफलता भी शामिल है।
शांति सैनिकों को सुरक्षात्मक दायित्वों को पूरा करने के लिए तैनात किया गया था,
जैसे कि स्रेबेनिका में;
वितरण को लेकर वैश्विक उत्तर और दक्षिण के बीच बढ़ती खाई
शांति स्थापना का बोझ; और शांति में शामिल परस्पर विरोधी हित
संयुक्त राष्ट्र और सैन्य एवं पुलिस योगदान देने वाले संगठनों के बीच होने वाले अभियानों सहित।
देशों। इस अंतिम अध्याय में, मैं इन मुद्दों को एक साथ जोड़कर प्रस्तुत करता हूँ।
हस्तक्षेपकर्ता संस्कृतियाँ विभिन्न कारकों के साथ किस प्रकार परस्पर क्रिया करती हैं,
इस पर विचार करते हुए।
जो शांति अभियानों की प्रभावशीलता को चुनौती देते हैं और कमजोर करते हैं,
जिसमें यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अंजाम देने को बढ़ावा देना भी शामिल है।
स्थानीय समुदायों के विरुद्ध। इस संदर्भ में, मैं प्रमुख अंतर्दृष्टियों पर विचार करता हूँ।
इस पुस्तक में यौन दुर्व्यवहार की प्रकृति और उसके प्रभावों के बारे में खुलासा किया गया है।
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा किए गए आचरण का सुझाव दें और यह भी बताएं कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कैसे
समुदाय इस मुद्दे और इसके जटिल, परस्पर जुड़े पहलुओं को बेहतर ढंग से संबोधित

कर सकता है।
भविष्य में इसके निहितार्थ। मैं नीति की प्रमुख कमियों पर विचार करता हूँ।
आज तक यौन शोषण और दुर्व्यवहार, जिसमें व्यक्तिगतकरण भी शामिल है
यौन शोषण और दुर्व्यवहार, जो प्रतिक्रियाओं को मुख्य रूप से संघर्ष तक सीमित कर देता है।
व्यापक और व्यवस्थित मुद्दों को संबोधित करने के बजाय अनुशासन और व्यवहार संबंधी नीतियों पर ध्यान केंद्रित करना।
इसमें कई तकनीकी मुद्दे शामिल हैं। इसके बाद मैं इस बात पर विचार करता हूं कि हालिया नीतिगत बदलाव किस हद तक इसमें भूमिका निभाते हैं।
इससे यौन शोषण के संदर्भ में अतीत की गलतियों को दोहराने से बचा जा सकेगा और
दुर्व्यवहार नीति, विशेष रूप से शांति रक्षकों के यौन शोषण की घटना के बाद मध्य अफ्रीकी गणराज्य में घोटाला और ऑक्सफैम द्वारा यौन शोषण का मामला-हैती में यौन शोषण कांड। मेरा तर्क है कि शांति काल में यौन शोषण और दुर्व्यवहार ये अभियान मौलिक रूप से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विरोध को कमजोर करते हैं।
गृहयुद्धों के बाद प्रभावी ढंग से शांति स्थापित करने और उसे बनाए रखने की राष्ट्रवादी क्षमता।
संकटों में मानवीय पीड़ा को कम करने में सक्षम है और यह एक महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है। 136 निष्कर्ष

शांतिरक्षा परियोजना और संयुक्त राष्ट्र की कथित वैधता के संबंध में और अधिक यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब संगठन पहले से ही गहरे राजनीतिक संकट का सामना कर रहा है।
वैधता और औचित्य का संकट। अंततः, परस्पर सुदृढ़ीकरण को पहचानना।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के वे तरीके जो कमजोर करते हैं शांतिरक्षा और शांति निर्माण के परिणाम और एक प्रभावी प्रणाली का विकास और इस तरह के दुर्व्यवहार और अन्य परस्पर संबंधित शांतिरक्षा उपायों के प्रति मजबूत प्रतिक्रिया।
उस समझ के आधार पर चुनौतियों का सामना करना लक्ष्य की प्राप्ति के लिए

महत्वपूर्ण है।
वैश्विक शांति, व्यवस्था और न्याय।

शांति अभियानों में नस्लवाद, सम्मान और उत्तरदायित्व

बोस्निया में मेरे साक्षात्कारों के दौरान, कई उत्तरदाताओं ने सुझाव दिया कि कमी सहानुभूति और जिम्मेदारी के—और, कुछ मामलों में, नस्लवाद के—जो हस्तक्षेपकर्ताओं ने जिन समूहों की रक्षा के लिए उन्हें भेजा गया था, उनके प्रति जो भावनाएँ व्यक्त कीं, उन्होंने इसमें योगदान दिया।
यौन दुराचार का उच्च स्तर, विशेष रूप से लेन-देन संबंधी यौन संबंध-
युद्ध के दौरान संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षित क्षेत्रों में रहने वाले लोग। अध्याय 2 में बताया गया है कि कैसे ये लोग
बोस्टन में यौन दुर्व्यवहार के स्वरूपों को आकार देने में कई कारकों ने भूमिका निभाई। हालांकि, इन कारकों पर चर्चा करते समय, उत्तरदाताओं ने अक्सर ये मुद्दे भी उठाए।
हस्तक्षेपकर्ताओं और हस्तक्षेपकर्ताओं के बीच अन्य समस्याग्रस्त व्यवहार और अंतःक्रियाएँ
शांति अभियानों के दौरान यौन शोषण की घटनाओं की तुलना करते हुए,
उत्पीड़न और दुर्व्यवहार। अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के स्थानीय अनुभव।
स्ब्रेबेनिका सुरक्षित क्षेत्र इन विभिन्न पहलुओं के बीच अंतर्संबंध को दर्शाता है।
वे कारक और वे तरीके जिनसे वे मिलकर संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता को चुनौती देते हैं
शांतिरक्षा, हस्तक्षेप करने वाली संस्कृतियों पर प्रकाश डालती है जो पृष्ठभूमि तैयार करती हैं।
दुर्व्यवहार और शोषण को अंजाम देने के लिए। वे दिखाते हैं कि कैसे-
शांति अभियानों में इस तरह के दुर्व्यवहार को जन्म देने वाले कारक भी इसी प्रकार के दुर्व्यवहार को जन्म देते हैं।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए व्यवहार और कार्यों के अन्य रूपों तक, जिनमें ओपेरा भी शामिल है-
ऐसे राष्ट्रीय विकल्प जो उन लोगों के मूल्यों और निर्धारित लक्ष्यों के साथ टकराव पैदा

करते हैं
मिशन। इन कारकों और उनके परिणामों के बीच अंतर्संबंधों को देखते हुए-
यौन शोषण के प्रति सशक्त प्रतिक्रिया विकसित करने के लिए यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण है।
और दुर्व्यवहार, जैसा कि इस अंतिम अध्याय के शेष भाग में स्पष्ट किया जाएगा।
बोस्नियाई महिलाओं के बारे में अपमानजनक और यौन उत्तेजक भित्तिचित्र
स्ब्रेबेनिका के पास पोटोकारी में डच संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अड्डा अब कुख्यात हो चुका है।
और शांतिरक्षकों के व्यवहार पर चर्चा के दौरान इसे अक्सर उदाहरण के तौर पर उठाया जाता था।
शांति सैनिकों की स्थानीय लोगों के प्रति भावनाओं के बारे में। यह ज्ञापन में प्रमुखता से शामिल है।
स्ब्रेबेनिका नरसंहार के संदर्भ में, जिसमें स्थापित स्मारक भी शामिल है।

पोटोकारी बेस और गैलेरिया 11/07/95 में, स्मारक संग्रहालय
साराजेवो के मध्य में स्थित स्ब्रेबेनिका में आयोजित कार्यक्रम। संभवतः सबसे प्रसिद्ध रचना।
भित्तिचित्र का यह एक टुकड़ा है, जिसे कारखाने के अंदर सैनिकों द्वारा उकेरा गया है।
जिसमें लिखा है, "*दांत नहीं हैं...? *मूंछें हैं...? *बदबू आती है
[sic] बकवास? बोस्नियाई लड़की!" यह संग्रहालयों और अन्य जगहों पर आम है
साराजेवो की सड़कों पर एक ऐसी तस्वीर देखने को मिली जिसमें भित्तिचित्र को सुपरइम्पोज़ किया गया है।
एक विद्रोही युवा बोस्नियाई महिला के चेहरे पर बनी यह तस्वीर। कलाकार शेजला कामेरिक द्वारा बनाई गई है।
उन्होंने 2003 में पीड़ितों की याद में आयोजित समारोह के हिस्से के रूप में इस कलाकृति का निर्माण किया था।
स्ब्रेबेनिका। मैंने जिन लोगों से मुलाकात की, उनमें से लगभग सभी ने इसके प्रभावों पर चर्चा की।

स्थानीय और विदेशी दोनों प्रकार के हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार
इस भित्तिचित्र को शांतिरक्षकों द्वारा महसूस किए गए अनादर के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया था।
और उन्होंने बोस्नियाई लोगों की ओर इशारा किया जिनकी रक्षा के लिए उन्हें भेजा गया था। यह महत्वपूर्ण है।
यह देखते हुए कि स्ब्रेबेनिका के पतन से पहले की गर्मियों के दौरान, बोस्नियाई सर्ब सेना ने संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता काफिलों को व्यवस्थित रूप से प्रतिबंधित कर दिया था।
यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रति माह केवल एक ही काफिले को प्रवेश की अनुमति है।
लगभग उनतीस हजार नागरिकों का। 1 मिलिशिया ने निषेध किया-
काफिलों में नमक को शामिल करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया, जिससे निवासियों को परेशानी हुई।
अपने द्वारा उगाए गए भोजन को संरक्षित करने से, और परिणामस्वरूप
सीमित मानवीय सहायता आपूर्ति, कुपोषण और भुखमरी के कारण
एन्क्लेव का विस्तार हुआ। सर्ब मिलिशिया ने पानी, बिजली और चिकित्सा सुविधाओं से भी वंचित कर दिया।
स्ब्रेबेनिका के निवासियों को कृषि आपूर्ति। 2 इसी संदर्भ में
डच शांति सैनिकों को, जिन्हें स्वयं रोटेशनल व्यक्ति-
सर्ब मिलिशिया द्वारा नेल प्रतिस्थापन और प्रमुख उपकरण आपूर्ति और था
नहाने के लिए पानी की सीमित उपलब्धता, स्थानीय लोगों का मज़ाक उड़ाते हुए भित्तिचित्रों में यह लिखा था।
महिलाओं में कुपोषण और भुखमरी के बाहरी शारीरिक लक्षणों की पहचान की जाती है।
उसी बैरक की आस-पास की दीवारों पर बड़े पैमाने पर अश्लील भित्तिचित्र बने हुए थे।
इसमें बड़े स्तनों वाली अर्धनग्न महिलाओं को दर्शाया गया है, जिनके बीच कई यौन क्रियाएं हो रही हैं।
पुरुषों और महिलाओं को वेश्याओं के रूप में चित्रित किया गया है, एक पुरुष और एक महिला के बीच पशुता का चित्रण किया गया है।

घोड़ा, और एक महिला और एक अत्यधिक कामुक शांति-
रखवाले का टैंक। एक दीवार को इस तरह रंगा गया था मानो वह किसी सेक्स बार का प्रवेश द्वार हो।
डच शांति सैनिकों ने बहुत सारे गैर-यौनिक भित्तिचित्र भी छोड़े, जिनमें विभिन्न प्रकार के चित्रण थे।
कार्टून, कैलेंडर, धार्मिक प्रतीक और कुछ अन्य प्रकार की सामग्री।
स्थानीय बोस्नियाई लोगों की बदबू के बारे में टिप्पणियाँ। 3
यौन रूप से अनुचित व्यवहार और अधिक सामान्य रूप से
अन्य चर्चाओं में भी अनादर और सहानुभूति की कमी स्पष्ट रूप से सामने आई, जिनमें से अधिकांश में यही देखने को मिली।
विशेष रूप से हसन नुहानोविक के स्थानीय कर्मचारी के रूप में काम करने के दौरान के अनुभवों में।
स्ब्रेबेनिका सुरक्षित क्षेत्र में यूएनप्रोफोर के लिए अनुवादक। उन्होंने 138 निष्कर्ष के दौरान याद किया।

उनके साक्षात्कार ने स्थानीय लोगों के बीच व्यापक संदेह को जन्म दिया कि युवा बोस-
पोटोकारी अड्डे पर सफाईकर्मी और रसोइया के रूप में काम करने वाली नियान महिलाएं थीं
वहाँ रहने वाले डच शांति सैनिकों के साथ लेन-देन के आधार पर यौन संबंध बनाना; अन्य साक्षात्कारकर्ताओं की संख्या ने भी यही सुझाव दिया, जैसा कि अध्याय 1 में उल्लेख किया गया है। 4
नुहानोविक ने अपनी किताब में आगे बताया कि महिलाओं की तलाशी ली गई थी।
हर दिन जब वे बेस छोड़ते थे। एक बार उन्होंने इस खोज को देखा, जिसके दौरान-
जिनमें से कुछ महिलाओं के पास कुछ संतरे और छोटे-छोटे टुकड़े पाए गए।
उनकी जेबों में मक्खन के पैकेट थे जो वे अपने परिवार को देने के लिए ले गए थे।
झूठ, जो भूख से मर रहे थे। परिणामस्वरूप, पूरे समूह को तुरंत निकाल दिया गया।
तुरंत। 5 इसलिए, जबकि शांति रक्षक लेन-देन संबंधी यौन संबंध में संलग्न होंगे
वे महिलाएं भित्तिचित्र लिखती थीं जो (कम से कम परोक्ष रूप से) इस बात को

स्वीकार करते थे कि
बोस्नियाई लोगों की दयनीय स्थिति (केवल दो मानवीय सहायता केंद्र)
उस गर्मी में काफिले तो निकल गए थे, लेकिन स्थानीय लोग भुखमरी से मर रहे थे।
(धुलाई के लिए पानी की सुविधा न होने पर), उन्होंने नियमों को सख्ती से लागू किया।
बेस से भोजन बाहर ले जाया जा रहा है।
नुहानोविक के अपने अनुभवों से उनकी धारणाओं में और भी परतें जुड़ जाती हैं।
इन कारकों के मिश्रण में नस्लवाद भी शामिल है जो आपसी बातचीत की विशेषता बताते हैं।
स्ब्रेबेनिका सुरक्षित क्षेत्र में शांति रक्षक और स्थानीय लोग। उन्होंने बताया कि
अन्य बातों के अलावा, काम पर हर दिन भूख लगना, क्योंकि वहां खाने की कमी रहती है।
स्ब्रेबेनिका में शांति के नियमों का पालन करते हुए कैंटीन में खाने से रोक दिया गया।
जिन रखवालों के साथ वह काम करता था, वे स्थानीय महिला कर्मचारियों से अलग थीं, भले ही वे
उन्हें अपने साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, और भले ही शांति सैनिकों को पता था कि बोस्नियाई लोग
एन्क्लेव में लोग भूख से मर रहे थे। इसके अलावा, जब सर्ब मिलिशिया ने कब्जा कर लिया,
जुलाई 1995 में सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया और नागरिकों को पोटोकारी शांति समझौते से जबरन बाहर निकाल दिया गया।
जिस रक्षक अड्डे पर उन्होंने शरण ली थी, वहां नुहानोविक ने डचों से गुहार लगाई।
नेतृत्व ने उसके माता-पिता और उसके उन्नीस वर्षीय भाई को रहने की अनुमति दी।
निश्चित मौत से बचने के लिए वे उसे बेस पर अपने साथ ले जाना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। जैसे ही उसका परिवार...
जब कमांडर जाने के लिए पूरी तरह तैयार था, तो उसने नुहानोविक के पिता को बुलाया और
उन्हें दो विकल्प दिए गए: या तो वे अड्डे पर ही रहें या अपनी पत्नी के साथ चले जाएं।
और बेटा; वह चला गया, और तीनों को बोस्नियाई सर्ब मिलिशिया ने मार डाला।

अगले दिनों। 6 यह क्रूर विकल्प—सुरक्षित रहकर उसे देखना
पत्नी और बेटे को अड्डे के द्वार पर ही सर्ब मिलिशिया के हवाले कर दिया गया।
जहां पिछली रात लोगों की हत्या हुई थी, या उन्हें साथ लेकर जाना—यह
यह शांति सैनिकों द्वारा गरिमा और सुरक्षा के प्रति दिखाई गई उपेक्षा का प्रतीक है।
स्ब्रेबेनिका में बोस्नियाई लोगों की मानवता के प्रति वही उपेक्षा देखी गई।
आधार पर भित्तिचित्र और सुरक्षित क्षेत्र में यौन शोषण के मामले
शांति सैनिकों की तैनाती के दौरान।

कई समस्याओं में से एक समस्या? 139

हालांकि व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित, नुहानोविक का काम और कार्यस्थल दोनों का व्यक्तिगत विवरण-
स्ब्रेबेनिका में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान के अंतर्गत आना और उसके अधीन होना
यह उन कारकों के बीच अंतर्संबंधों को दर्शाता है जो योगदान करते हैं
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार का अंजाम
वे जो शांतिरक्षा के सामने आने वाली व्यापक चुनौतियों में योगदान करते हैं, जैसे कि
शांति सैनिकों द्वारा अपने सुरक्षात्मक दायित्वों को पूरा करने में विफलता के कारण
शांति, न्याय और मानवीय अधिकारों के नाम पर तैनात होने के बावजूद भी नागरिकों को नुकसान पहुँचाया जाता है।
अधिकार। यह विशेष रूप से तब होता है जब उसके खाते पर विचार किया जाता है-
डच शांति सैनिकों द्वारा दीवारों पर छोड़े गए भित्तिचित्रों के मुद्दों के बारे में।
पोटोकारी में उनके अड्डे और हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार के मामलों के बारे में जानकारी।
बोस्निया में रहने वाले लोगों के बारे में अध्याय 2 में चर्चा की गई है। ये विवरण मिलकर दर्शाते हैं कि
जिस तरह से लैंगिक व्यवस्थाएं और संरचनाएं (जैसे कि सैन्यीकृत मर्दानगी)
स्थानीय संदर्भों के साथ प्रतिच्छेदन (जिसमें स्थानीय समुदायों की भौतिक स्थिति भी शामिल है-)
समुदायों और स्थानीय लोगों और हस्तक्षेपकर्ताओं के बीच शक्ति का अंतर), अंतर-राष्ट्रीय गतिशीलता (जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकरण और संरचना)

मिशन, जिसका अर्थ था कि डच शांति सैनिक बनाए रखने में असमर्थ थे
बोस्नियाई सर्ब मिलिशिया के खिलाफ एक मजबूत रक्षा), और प्रणालीगत कारक (जैसे नस्लवाद और लिंगभेद)। अध्याय 1 में बताया गया है कि ये कारक आपस में किस प्रकार परस्पर क्रिया करते हैं।
हस्तक्षेपकर्ता संस्कृतियों और अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण करने के लिए कार्य करना जिनमें हस्तक्षेपकर्ता
यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अंजाम देते हैं, लेकिन बोस्निया में हुए शोध से पता चलता है कि...
उन्होंने यह बताया कि कैसे वही कारक और संस्कृतियाँ अन्य व्यवहारों को भी जन्म देती हैं।
जो स्थानीय समुदायों के प्रति अनादरपूर्ण हैं और परिचालन संबंधी निर्णयों की ओर ले जाते हैं
जो शांति स्थापना के मूल लक्ष्यों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं, जैसे कि नागरिकों की सुरक्षा।
नुकसान से बचाते हैं। दूसरे शब्दों में, वही कारक जो अपराधी को अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं-
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा यौन दुर्व्यवहार की घटनाओं के कारण भी
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा अन्य समस्याग्रस्त व्यवहारों को देखना, और इन विभिन्न पहलुओं पर विचार करना।
व्यवहारों को अलग-थलग करके देखना किसी भी समस्या का प्रभावी समाधान करने में बाधा उत्पन्न करता है।
उनमें से।
जैसा कि सेवरिन ऑटोसेरे ने अंतर-पर अपने नृवंशविज्ञान संबंधी कार्य में दिखाया है-
आदरणीय संस्कृतियों में, हस्तक्षेपकर्ताओं की रोजमर्रा की प्रथाएं कार्य को आकार देती हैं।
शांति अभियान जमीनी स्तर से शुरू होते हैं। 7 ये प्रथाएं निम्न से लेकर निम्न तक फैली हुई हैं:
सुरक्षा प्रक्रियाओं में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं की सामाजिक आदतें और उनके

हिंसा या उससे संबंधित जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के दृष्टिकोण
जिस संघर्ष में उन्हें तैनात किया जाता है। इनमें अनौपचारिक और व्यक्तिगत संपर्क शामिल हैं।
औपचारिक पेशेवर बातचीत के साथ-साथ अंतःक्रियाएं और अंततः,
वे रणनीतियों, नीतियों, आदि को सक्षम बनाते हैं, गठित करते हैं और पुनरुत्पादन में सहायता करते हैं।
"संस्थाएँ और प्रवचन" जो शांति अभियानों को प्रेरित करते हैं। 8 यह पुस्तक 140 निष्कर्ष

यह प्रदर्शित किया गया है कि यौन संबंध में यह कार्य-कारण संबंध किस प्रकार कार्य करता है।
विभिन्न संदर्भों में हस्तक्षेपकर्ताओं और स्थानीय व्यक्तियों के बीच अंतःक्रियाएं;
स्ब्रेबेनिका के अनुभव यह दर्शाते हैं कि यह एक विशेष तरीके से कैसे संचालित होता था।
शांतिरक्षा स्थल। इसने दिखाया है कि उनके यौन व्यवहार—जिसमें शामिल हैं
यौन शोषण और दुर्व्यवहार तथा सहमति से होने वाले दुर्व्यवहार के अस्पष्ट रूप दोनों ही इसमें शामिल हैं।
असमान शक्ति गतिशीलता वाले संबंध—एक दूसरे को काटते हैं
हस्तक्षेपकर्ता संस्कृतियों और व्यवहारों के अन्य पहलुओं को गतिशील बनाने के लिए।
ऐसे परिणाम और गतिविधियाँ जो शांति अभियानों और उद्देश्यों के साथ विरोधाभास पैदा करती हैं।
शांति निर्माण को मौलिक रूप से कमजोर करना।

संक्षेप में: यौनिकता की प्रकृति और उसके प्रभाव
शांति अभियानों में शोषण और दुर्व्यवहार

जब भी वैश्विक मीडिया में यौन दुर्व्यवहार का कोई घोटाला सामने आता है, संयुक्त राष्ट्र और

विश्व नेताओं ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की और दावा किया कि
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा इस प्रकार का व्यवहार क्षमता और विश्वसनीयता को कमजोर करता है।
शांति अभियानों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय। हालाँकि, इन सबके बावजूद
व्यापक रूप से स्वीकृत दावों के बावजूद, आज तक बहुत कम समझ विकसित हुई है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभावों के बारे में।
क्या वे विभिन्न शांति अभियानों में समान हैं, जहां
इस प्रकार के व्यवहार विभिन्न तरीकों से किए गए हैं, और इसकी सीमा अलग-अलग है।
जिनके परिचालन संबंधी प्रभाव व्यापक चुनौतियों में योगदान करते हैं
शांति प्रक्रिया की विफलता, जिसका सामना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय कर रहा है। इस पुस्तक में इसका समाधान बताया गया है।
यौन शोषण के प्रभावों का पहला तुलनात्मक विवरण प्रदान किया गया।
भारत में शांति अभियानों में उत्पीड़न और दुर्व्यवहार का शांति निर्माण परिणामों पर प्रभाव।
शांति के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता पर व्यक्तिगत मिशन।
व्यापक रूप से संचालन पर, और संयुक्त राष्ट्र की कथित वैधता पर
शांति प्रक्रियाओं में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भागीदारी -
रक्षा और शांति स्थापना अभियान। इसने ऐसा करते हुए अपने नुकसान को भी कम किया है।
नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार के कृत्यों पर प्रकाश डालना और
अन्य महत्वपूर्ण शांति संबंधी मुद्दों के साथ इसके अंतर्संबंधों पर विचार करते हुए-
चुनौतियों को बनाए रखना, जैसे कि शांति सैनिकों द्वारा अपने समर्थक दायित्वों को पूरा करने में विफलता-
सुरक्षात्मक जनादेश, हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा गैर-यौन दुर्व्यवहारों का अंजाम,
और वैश्विक उत्तर और दक्षिण के बीच उभरती दरारें
शांतिरक्षा नीति और इसे लागू करने की जिम्मेदारी का वितरण।
शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के अनुभव

बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में जो नींव रखी गई है, उसी पर बहुत कुछ आधारित है। यह विश्लेषण तैयार किया गया है, लेकिन व्यापक पुन: विश्लेषण द्वारा इसे पूरक बनाया गया है।
न्यूयॉर्क में हस्तक्षेपकर्ताओं के अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ खोज करें और जिनेवा में इस तरह के व्यवहार के अनुभवों और प्रभावों का विश्लेषण किया गया। अन्य शांति अभियानों में भी इसी तरह की भूमिका निभाने वाले लोगों पर यह जांच की गई है। इस जांच से कई निष्कर्ष निकले हैं।
ये निष्कर्ष न केवल उभरती हुई विद्वतापूर्ण बहसों के लिए प्रासंगिक हैं न केवल यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में, बल्कि नीति-निर्माता समुदाय के लिए भी।
निर्माता और अभ्यासकर्ता इस घटना और चुनौतियों से जूझ रहे हैं शांति अभियानों में व्यवहारिक रूप से ऐसे दुर्व्यवहार का जवाब देने के बारे में।
निष्कर्षों को मोटे तौर पर दो विषयों में विभाजित किया जा सकता है: वे जो ना- से संबंधित हैं यौन दुर्व्यवहार की प्रकृति और उससे संबंधित प्रभावों, दोनों में से जो नीतिगत प्रतिक्रियाओं पर इसके प्रभाव होंगे जिन पर अंतिम चर्चा में विचार किया जाएगा।
इस अध्याय का भाग।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार की प्रकृति

इस पुस्तक ने शांति अभियानों में यौन दुर्व्यवहार की प्रकृति को दर्शाया है। व्यवहार विविधतापूर्ण है और इसमें व्यवहारों का एक व्यापक समूह शामिल है जो कम प्रचलित हैं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के व्यापक लेबल की तुलना में अधिक सामान्य हालांकि वे व्यवहार की यौन प्रकृति से एकजुट हैं, जैसा कि सुझाव दे सकता है। इसमें शामिल कारकों की पहचान की गई। इसने व्यवहार के चार अलग-अलग लेकिन परस्पर संबंधित प्रकारों की पहचान की।

आईओआर: अवसरवादी यौन उत्पीड़न, सुनियोजित और क्रूर दुर्व्यवहार, लेन-देन संबंधी
यौन शोषण, और नेटवर्क आधारित दुर्व्यवहार और शोषण। इनमें से कुछ ही अपराध हैं।
अंतिम; कुछ में मौद्रिक या अन्य लेनदेन शामिल होते हैं, और उन सभी में शामिल होते हैं
योजना, हिंसा और सहमति के विभिन्न स्तर। इनका निर्माण इनके द्वारा किया जाता है।
अनुमति देने वाले कारकों और विकल्पों के विभिन्न संयोजनों द्वारा किए जा रहे हैं
अपराधी (और कभी-कभी पीड़ित भी), भले ही वे समान परिस्थितियों में घटित हों।
संदर्भ, और उनके बीच कुछ क्षेत्रों में ओवरलैप है। शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि...
महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पुस्तक दर्शाती है कि स्थानीय संदर्भ कारकों की एक श्रृंखला किस प्रकार भूमिका निभाती है।
अंतर्राष्ट्रीय, मानक और प्रणालीगत कारकों के साथ प्रतिच्छेदित होकर निर्माण किया
इन विशिष्ट परिस्थितियों में यौन दुर्व्यवहार किस प्रकार अंजाम दिया जाता है?
शांति अभियानों में भेद्य रूप। अंतर्संबंधों और
यदि ठोस नीतिगत प्रतिक्रियाओं को तैयार करना है तो इन कारकों की परस्पर क्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है।
इन्हें व्यक्तिगत शांति अभियानों और संयुक्त राष्ट्र भर में विकसित और तैनात किया गया है।
शांतिरक्षा प्रणाली समग्र रूप से। इसके अलावा, अंतर्क्षेत्रीय संबंधों के बारे में जागरूकता।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार तथा संघर्ष के बीच संबंध।
किसी विशेष संदर्भ में संबंधित यौन हिंसा को समझना महत्वपूर्ण है। 142 निष्कर्ष

शांति अभियानों की व्यापक परिस्थितियाँ जिनमें कुछ समूह या संस्थाएँ शामिल हैं-
व्यक्तियों को अंतर-समूहों द्वारा दुर्व्यवहार या शोषण का शिकार होने का विशेष खतरा होता है।

शांति अभियान के दौरान सम्मान का भाव प्रदर्शित किया जाता है।
इस पुस्तक ने यह भी दिखाया है कि हालांकि अक्सर यह माना जाता है कि यौन
शोषण और दुर्व्यवहार मुख्य रूप से सैन्य शांतिवादियों द्वारा किया जाता है।
रखवालों, यह साक्ष्यों में सिद्ध नहीं होता है, जो दर्शाता है कि वर्दीधारी
और नागरिक शांति रक्षक, मानवीय सहायता कर्मी और अन्य संबंधित लोग
शांति अभियानों में शामिल सभी लोग इसमें लिप्त हैं। जबकि विद्वान और नीति
निर्माता
सैनिकों द्वारा किए जाने वाले अपराधों को समझने पर काफी ध्यान दिया गया है।
यौन हिंसा—जिसमें सैन्यीकृत लोगों के वृत्तांत विकसित करना भी शामिल है
पुरुषत्व और सैन्य वेश्यावृत्ति की विरासतें—समान ध्यान-
इस बात को समझने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया है कि नागरिक कर्मियों को
भी क्यों
वे यौन शोषण और दुर्व्यवहार करते हैं, इस तथ्य के बावजूद कि वे
प्रति व्यक्ति दुर्व्यवहार के आरोपों की अधिक संख्या के लिए जिम्मेदार
शांति अभियान। यौन शोषण पर उपलब्ध आंकड़ों से समानताएं दर्शाते हुए-
मानवीय क्षेत्र में होने वाले उत्पीड़न और दुर्व्यवहार को इस पुस्तक ने उजागर किया है।
मानव समाज में संगठनात्मक और हस्तक्षेपकर्ता संस्कृतियों को समझना...
मानवतावादी क्षेत्र समझने और प्रतिक्रिया देने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
मानवीय या नागरिक कर्मियों द्वारा यौन दुराचार करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा
रहा है।
कर्मियों। इसके अलावा, पैटर्न और अनुमेय कारकों को समझना-
नागरिकों द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न और हिंसा के संबंध में जानकारी देने वाले
सहकर्मियों के खिलाफ विद्रोहियों की कार्रवाई से पैटर्न को समझने में मदद मिलती है।
स्थानीय समुदायों के खिलाफ नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार के
मामले।
प्रमुख रुझानों में यौन उत्पीड़न की व्यापकता शामिल थी, जो कि घटित होती है।
यह यौन शोषण और दुर्व्यवहार की श्रेणी से बाहर है, लेकिन इससे निकटता से जुड़ा
हुआ है।
इसमें शामिल व्यवहारों, यौन आक्रामकता की व्यापकता और

सामाजिक और साझा आवास संदर्भों में हमला, और यह तथ्य कि
अपराधी अक्सर अपने शिकार पर अधिकार की स्थिति में होते हैं।
उत्पीड़न के आरोपों की रिपोर्टिंग और उन पर प्रतिक्रिया देने के लिए व्यवस्था और प्रणालियाँ
और नागरिक हस्तक्षेपकर्ता समुदाय के भीतर दुर्व्यवहार अपर्याप्त हैं
पहली बात तो यह है कि संगठनात्मक संस्कृतियों द्वारा इन्हें और भी कमजोर कर दिया जाता है।
आरोपों को गंभीरता से नहीं लेते और पीड़ितों को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति रखते हैं।
इससे यह स्थिति उत्पन्न होती है कि...
कम रिपोर्टिंग दरें और हस्तक्षेपकर्ता संस्कृतियों को मजबूत करता है जिससे आरोप-अपराधियों के लिए एकता बनी रहती है। और अंत में, "लड़के होंगे" जैसे कारक भी इसमें शामिल हैं।
लड़कों की संस्कृति, तनाव से राहत के लिए नशीली दवाओं और शराब के सेवन की उच्च दरें
तंत्रों की कमी, और मजबूत कानून और व्यवस्था तंत्रों का अभाव
जिन परिस्थितियों में शांति अभियान चलाए जाते हैं, वे परिस्थितियाँ निर्माण में योगदान देती हैं।

वे संदर्भ जिनमें नागरिक समाज के भीतर यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार दोनों शामिल हैं-
स्थानीय लोगों के खिलाफ यौन शोषण और दुर्व्यवहार के संबंध में हस्तक्षेपकर्ता समुदाय
समुदायों पर अत्याचार किया जाता है।

यौन दुर्व्यवहार की प्रकृति के संबंध में ये रुझान
विस्तृत विवरणों में वर्दीधारी और नागरिक हस्तक्षेपकर्ताओं की भूमिका की पुष्टि हुई।
बोस्निया और तिमोर में शांति अभियानों के दौरान इस तरह के व्यवहार विकसित हुए।
लेस्टे। इन दो मामलों ने इस बात को पहचानने के महत्व को और पुष्ट किया कि...
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के अलग-अलग लेकिन परस्पर जुड़े रूपों को क्रम में

उन कारकों के विभिन्न संयोजनों को समझने के लिए जो उन्हें जन्म देते हैं
प्रत्येक संदर्भ और शांति के परिणामों पर उनके विभिन्न प्रभावों का अध्ययन किया जाना चाहिए।
संचालन। उन्होंने यह भी दिखाया कि स्थानीय समुदाय किस तरह से काम करते हैं।
इस प्रकार के दुर्व्यवहार का अनुभव सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से गहराई से जुड़ा हुआ है।
इसका अर्थ है कि अनुचित यौन व्यवहार किसे माना जाता है-
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा अपनाई जाने वाली प्रतिक्रियाएँ विभिन्न संदर्भों में काफी भिन्न हो सकती हैं। इससे एक समस्या उत्पन्न होती है।
शांति काल में एकसमान आचार संहिता के लिए यह एक विशेष चुनौती है।
संचालन, लेकिन जिसमें व्यवहार के उन रूपों को शामिल नहीं किया जा सकता है जिन्हें माना जाता है-
स्थानीय समुदायों द्वारा इसे विशेष रूप से घोर अपराध माना जाता है (जैसे कि तिमोर-लेस्ते में)।
भविष्य के बारे में झूठे वादों पर आधारित सहमतिपूर्ण संबंध
रिश्ते के (या रिश्ते के) व्यवहारों पर अधिक जोर दे सकता है, जिन्हें कम संभावित माना जाता है।
अन्य संदर्भों में भी यह समस्या आम है (जैसे बोस्निया में लेन-देन आधारित यौन संबंध)। ये मामले
अध्ययनों से यौन दुर्व्यवहार की घटनाओं की लगातार कम रिपोर्टिंग की समस्या भी सामने आई है।
मौन की संस्कृति और अपर्याप्त प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा
अंत में, उन्होंने अपराध करने के तरीकों में रुझानों की पुष्टि की।
लेन-देन आधारित यौन संबंध और नेटवर्क आधारित दुर्व्यवहार और शोषण के साथ,
यौन दुर्व्यवहार के सबसे सामान्य रूप, जबकि अवसरवादी यौन उत्पीड़न-
हमले और सुनियोजित, क्रूरतापूर्ण दुर्व्यवहार अपेक्षाकृत कम आम थे। अंततः
हालांकि, केस स्टडी से पता चला कि सीमित संख्या में उदाहरणों में भी
यौन शोषण के अधिक हिंसक रूप जनमत को दूषित कर सकते हैं।
स्थानीय लोगों के बीच हस्तक्षेप करने वालों की मौजूदगी, और यहाँ तक कि यौन

दुर्व्यवहार का रूप भी।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा कम गंभीर माने जाने वाले अपराध—अर्थात् ट्रांस-
क्रियात्मक यौन संबंध—शांति निर्माण के परिणामों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखता है और
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की वैधता के बारे में धारणाएँ।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभाव

जिस प्रकार यौन शोषण और दुर्व्यवहार की प्रकृति विविध है, उसी प्रकार उससे जुड़े परिणाम भी विविध हैं।
इसके क्रियान्वयन के शांति निर्माण परिणामों पर पड़ने वाले निहितार्थ 144 व्यक्तिगत निष्कर्ष

मिशनों और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता और विश्वसनीयता के लिए-
वैश्विक स्तर पर शांति। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय शांति अभियानों को लागू करता है।
शांति, सुरक्षा और न्याय की खोज में संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में स्थानांतरण।
शांतिरक्षा के माध्यम से, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का उद्देश्य नागरिकों की रक्षा करना है।
हिंसा से खलनायकों को बचाना, मानवीय पीड़ा को कम करना, स्थिर और समृद्ध समाज का निर्माण करना।
उदार समाजों में मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और उनकी रक्षा करना, महिलाओं का समर्थन करना।
राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देना और कानून के शासन तथा सुरक्षा संस्थानों को मजबूत करना।
इस पुस्तक में, स्थायी शांति को सुदृढ़ करने में योगदान दिया गया है।
यह दर्शाया गया है कि किस प्रकार यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अंजाम दिया जाता है।
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने से उन मूल्यों को ही नुकसान पहुंचता है जो उन्हें प्रेरित करते हैं।
शांति अभियान और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की इसे हासिल करने की क्षमता

अपने मिशनों में घोषित लक्ष्यों के अनुसार। यौन दुर्व्यवहार के प्रभाव कार्य करते हैं।
तीन प्रमुख स्तरों पर।
पहली बात तो यह है कि हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार गरीबी को और बढ़ा देता है।
और व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर मानवाधिकारों का उल्लंघन। अपराधी-
तस्कर उन व्यक्तियों को अपना शिकार बनाते हैं जो पहले से ही अपने समाज में सबसे कमजोर होते हैं।
इनमें युवा महिलाएं, बच्चे और संघर्ष से संबंधित पीड़ितों सहित कई समूह शामिल हैं।
यौन हिंसा। दुर्व्यवहार और शोषण का अनुभव हिंसा को और बढ़ा देता है।
इन व्यक्तियों की कमजोरियाँ, विशेष रूप से उन संदर्भों में जहाँ वे हैं
इसके परिणामस्वरूप परिवार और समुदाय द्वारा कलंकित किया जाना या जहां पुलिस की प्रतिक्रियाएँ
इसमें मानवाधिकारों का उल्लंघन भी शामिल हो सकता है, जैसा कि महिलाओं के मामले में होता है।
वेश्यावृत्ति में संलिप्त। इन परिणामों को उत्पन्न करने में, यौन दुराचार
यह संयुक्त राष्ट्र के मूल उद्देश्य का उल्लंघन करता है, जो कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार, यह है कि...
मौलिक मानवाधिकारों में, गरिमा और मूल्य में विश्वास की पुष्टि करें
मानव व्यक्तित्व।"
दूसरा, हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार के महत्वपूर्ण दीर्घकालिक परिणाम होते हैं।
मेजबान देश की संस्कृतियों, अर्थव्यवस्थाओं और संस्थानों पर संरचनात्मक प्रभाव
ऐसे समाज जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लक्ष्यों को कमजोर करते हैं
कानून के शासन को मजबूत करना और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना, स्थापना के हिस्से के रूप में-
एक स्थिर शांति का आनंद लेना। यौन शोषण और दुर्व्यवहार इसमें योगदान देता है।
दुर्व्यवहार और शोषण की संस्कृतियों का सुदृढ़ीकरण और विस्तार
इनसे जुड़ी अर्थव्यवस्थाएँ। ये संस्कृतियाँ और अर्थव्यवस्थाएँ लंबे समय से चली आ रही हैं।

शांति अभियानों से कहीं अधिक समय तक चलने वाले ये अभियान सहभागिता पर निर्भर रहते हैं और उसे बाध्य भी करते हैं।
व्यक्तियों और समूहों की एक विस्तृत श्रृंखला (सुरक्षा सहित) का समावेश
क्षेत्र), और बदले हुए आर्थिक परिवेश को प्रतिबिंबित करने के लिए अपने संचालन के तरीके को अनुकूलित करना।
अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति में गिरावट आने पर अवसर। शायद सबसे अधिक
महत्वपूर्ण बात यह है कि अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं की विफलता सुनिश्चित करने (और एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करने) में रही है।

दुराचार के लिए जवाबदेही संस्थागतकरण में योगदान करती है
यौन शोषण, यौन दुर्व्यवहार और यौन उत्पीड़न के अन्य रूपों के लिए दंड से मुक्ति।
युद्धोत्तर राज्यों के सुरक्षा और न्यायिक क्षेत्रों में हिंसा और
इसमें शामिल विशिष्ट संगठनों या कंपनियों की प्रथाएं और संस्कृतियां
शांति अभियानों में। यह चुप्पी की संस्कृति से और भी जटिल हो जाता है।
यौन हिंसा और अधिकारियों को इसकी सूचना देने का डर—जो एक समस्या हो सकती है
अतीत में जवाबदेही प्रक्रियाओं के खराब अनुभवों का परिणाम।
और संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के। ये परिणाम न केवल प्रभावित करते हैं
विधि के शासन की स्थापना और सुदृढ़ीकरण तथा संरक्षण एवं संवर्धन-
न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा बल्कि व्यापक दीर्घकालिक प्रगति को भी बाधित करेगा।
मानवीय पीड़ा को कम करने, समृद्ध और स्थिर समाज के निर्माण से संबंधित लक्ष्य
युद्धोत्तर समाजों में महिलाओं के सशक्तिकरण का समर्थन करना।

तीसरा, यौन शोषण और दुर्व्यवहार का ओपेरा पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।
इसके परिणामस्वरूप स्थानीय समुदायों के बीच अविश्वास और संघर्ष उत्पन्न होता है।
संबंध और अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ता, जिसके परिणामस्वरूप अनिच्छा उत्पन्न हो सकती है
शांति अभियान में सहयोग करने के साथ-साथ प्रत्यक्ष लक्ष्यीकरण के लिए भी।

अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारी। यह स्थानीय लोगों की निराशा और असंतोष की भावनाओं को और बढ़ा देता है।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा सम्मान, जो कि असहमति का परिणाम हो सकता है-
स्थानीय लोगों और अन्य लोगों के बीच रोजगार की स्थितियों और भौतिक संपदा में समानताएं
हस्तक्षेपकर्ता। यौन दुर्व्यवहार भी रिश्तों के टूटने का कारण बनता है।
अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया में विभिन्न इकाइयों या संगठनों के बीच,
जिसके परिणामस्वरूप कुछ मामलों में अंतर-अंतर्राष्ट्रीय समूहों के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं।
हस्तक्षेपकर्ताओं। इसके अलावा, यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटना
मुख्य शांति निर्माण कार्यों से परिचालन संसाधनों को दूर निर्देशित करना
शांति अभियानों के दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए ये अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, और इन्हें सही दिशा में ले जाना आवश्यक है।
इसके बजाय जांच और जवाबदेही तंत्र की ओर रुख किया जाना चाहिए।

कुल मिलाकर, ये परिणाम स्थानीय धारणाओं को प्रभावित करते हैं।
शांति अभियान की विश्वसनीयता जो स्थानीय स्तर पर सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण है
अंतर्राष्ट्रीय शांति प्रक्रियाओं में भागीदारी और स्वामित्व
समुदाय शांति अभियानों के माध्यम से समर्थन दे रहा है। इसे प्राप्त करने के लिए
मिशन के लक्ष्य, शांति अभियान, उनकी प्राप्त करने और प्राप्त करने की क्षमता पर निर्भर करते हैं।
स्थानीय अनुपालन और सहयोग बनाए रखना, और यह उनकी क्षमता पर निर्भर करता है-
अपनी सत्ता और राजनीतिक शक्ति के लिए नैतिक आधार का दावा करने की क्षमता।
9 यौन
शोषण और दुर्व्यवहार सीधे तौर पर इसे कमजोर करते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर इसका क्षरण होता है।
शांति अभियान की वैधता के बारे में धारणाओं के साथ-साथ स्थानीय इच्छुक-
इसके काम में सहयोग और अनुपालन करने की अनिच्छा। यह एक गहरे पाखंड को

भी उजागर करता है।
शांतिरक्षा परियोजना में जोखिम: अंतर्राष्ट्रीय समुदाय कैसे 146 निष्कर्ष

मानवाधिकार, न्याय और जवाबदेही के मानदंडों को बढ़ावा देने का विश्वसनीय दावा करते हैं-
जब उनके अपने कर्मचारी इन मानदंडों का उल्लंघन करते हैं तो उनकी क्षमता और कानून का शासन कायम रहता है।
सापेक्षिक दंडमुक्ति?
इससे इस पुस्तक द्वारा प्रकट किया गया अंतिम प्रमुख निष्कर्ष निकलता है: यौन-
यौन दुर्व्यवहार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी क्षमता और विश्वसनीयता को प्रभावित करता है।
समुदाय—न केवल मिशन स्तर पर, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी।
व्यक्तिगत मिशनों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा किए गए दुर्व्यवहारों के दूरगामी परिणाम होते हैं।
ऐसे प्रभाव जो शांति के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की क्षमताओं को कम करते हैं
संचालन और विभिन्न दर्शकों के बीच धारणा को कम करना
उन ओपेरा में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भागीदारी की वैधता-
अंतर्राष्ट्रीय शांति स्थापना परियोजना के पहलुओं और स्वयं उस परियोजना के बारे में।
यह ऐसा करता है
दो परस्पर सुदृढ़ करने वाले तरीके। पहला, यौन शोषण और दुर्व्यवहार...
इससे हस्तक्षेपकर्ताओं का अपने संगठन पर भरोसा कम हो जाता है।
और शांतिरक्षा परियोजना के कारण मनोबल में गिरावट, कर्मचारियों की छंटनी आदि हुई।
और खराब कामकाजी संबंध और यहां तक कि मतभेदों के बीच सीधा संघर्ष भी।
इससे पहले से ही दबाव में चल रही संगठनात्मक इकाइयों पर और अधिक वित्तीय दबाव पड़ता है।
अपर्याप्त वित्त पोषण वाले शांति अभियान, महत्वपूर्ण संसाधनों को मुख्य कार्यों से दूर मोड़ रहे हैं।
मिशन कार्यों। ये परिणाम तत्काल परिचालन क्षमता को कमजोर करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रभावी क्षमता
शांति अभियानों में संलग्न होना।
दूसरा, और अधिक महत्वपूर्ण, यौन शोषण का कृत्य और
दुनिया के सबसे कमजोर लोगों के खिलाफ उनकी रक्षा के लिए भेजे गए लोगों द्वारा किया गया दुर्व्यवहार
यह रणनीतियों और प्रक्रियाओं के लिए एक मौलिक चुनौती प्रस्तुत करता है।
वह वैधता जिस पर संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भरोसा करते हैं
सरकारों और जनता दोनों से अपने काम के लिए समर्थन बनाए रखने के लिए-
सदस्य देशों के बीच शांति के सामंजस्य पर जोर देने वाली ये रणनीतियाँ हैं।
अंतर्राष्ट्रीय कानूनी मानदंडों और व्यापक रूप से स्वीकृत सिद्धांतों के अनुरूप संचालन
जो संयुक्त राष्ट्र के मिशन के साथ-साथ परिचालन संरेखण को आधार प्रदान करते हैं।
संयुक्त राष्ट्र के मूल लक्ष्यों के साथ परिणाम। दूसरे शब्दों में, वे इस बात पर जोर देते हैं कि शांति अभियान...
सरकारें वही करती हैं जो उन्हें करना चाहिए—अर्थात, मानव पीड़ा को कम करना।
संघर्षग्रस्त समाजों में शांति स्थापित करने और उसे कायम रखने के लिए - और वे ऐसा करते हैं
संयुक्त राष्ट्र चार्टर में निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए—अर्थात् प्रचार-प्रसार के लिए
शांति, सुरक्षा और मानवाधिकारों के। जब हस्तक्षेपकर्ता यौन उत्पीड़न करते हैं
शोषण और दुर्व्यवहार के माध्यम से, वे वैधता की इन रणनीतियों को सीधे तौर पर कमजोर करते हैं।
सूचना के क्षेत्र में, ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय का नैतिक अधिकार खतरे में है
शांति अभियानों की पहले से ही गहन जांच हो रही है। घटती धारणा-
वैधता से संबंधित मुद्दे दानदाताओं की धन देने या अन्य प्रकार से दान करने की इच्छा को कम कर देते हैं।

शांति अभियानों और संबंधित कार्यों का समर्थन करना—जैसा कि ऑक्सफैम घोटाले

में सामने आया।
हैती में और मध्य अफ्रीकी गणराज्य में शांति रक्षक घोटाले का उदाहरण-
सहायता में कटौती से परिचालन क्षमता पर तत्काल प्रभाव पड़ता है।
जिसके परिणामस्वरूप वैधता की धारणाएं और भी कम हो जाती हैं और एक
शांति अभियानों में क्षमता और विश्वसनीयता में कमी का दुष्चक्र।
यदि यौन दुर्व्यवहार का प्रभावी ढंग से समाधान नहीं किया गया तो इसके गंभीर
परिणाम हो सकते हैं।
शांति अभियानों की वैधता के बारे में धारणाएं लगातार अपरिवर्तित बनी हुई हैं,
घोटालों का अपरिहार्य चक्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा।
राष्ट्रीय शांतिरक्षा और शांति निर्माण परियोजना ऐसे समय में जब परियोजना
शायद पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण (और पहले से कहीं अधिक खतरे में)।

रोकथाम और जवाबदेही: एक
एकीकृत नीति प्रतिक्रिया

इससे हमारे सामने यह सवाल उठता है कि इस पुस्तक के निष्कर्ष प्रकृति के बारे में
किस प्रकार हैं।
और यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभावों से बेहतर नीति बनाने में मदद मिल सकती
है।
प्रतिक्रियाएँ। इस पुस्तक ने दिखाया है कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार एक
यह एक जटिल मुद्दा है, जो स्थानीय और अंतर-क्षेत्रीय कारकों की एक विस्तृत
श्रृंखला की परस्पर क्रिया से उत्पन्न होता है।
राष्ट्रीय, मानक और प्रणालीगत कारक। इसके परिणामस्वरूप परस्पर सुदृढ़ीकरण
होता है।
ऐसे परिणामों का समूह जो मिलकर शांति निर्माण के परिणामों को कमजोर करते हैं
और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की क्षमता और कथित वैधता-
शांति अभियानों में एकता। इस प्रक्रिया में, इस पुस्तक ने यह भी सुझाव दिया है कि
कैसे
यौन शोषण और दुर्व्यवहार एक कठिन मुद्दा है जिसका समाधान करना मुश्किल है:

व्यवहार-
इसमें शामिल अपराध विविध और बहुआयामी हैं, लेकिन उनमें से कुछ ही आपराधिक हैं।
और कुछ ऐसे व्यवहार जिन्हें स्थानीय समुदायों द्वारा यौन दुराचार माना जाता है-
कुछ समुदाय निषिद्ध यौन गतिविधियों की आधिकारिक परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते हैं।
अंतःक्रियाएँ। वे अंतर्संबंध के अन्य पहलुओं के साथ अनेक तरीकों से प्रतिच्छेदित होती हैं।
नस्लवाद सहित विभिन्न संस्कृतियों में व्याप्त भेदभाव, शांति सैनिकों के बारे में धारणाएं
जिन समुदायों की रक्षा के लिए उन्हें भेजा गया है, उनकी संगठनात्मक संस्कृति-
शांति सैनिकों की जिम्मेदारियों के बीच अभी भी विवादित संतुलन...
उन संस्थाओं और उन दायित्वों को पूरा करने में उन्हें जिन स्वीकार्य जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।
जिम्मेदारियां। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नीतिगत प्रतिक्रियाएं विकसित करना-
राष्ट्रीय स्तर पर चुनौतियाँ जटिल रही हैं, खासकर सीमित अधिकार के कारण।
संयुक्त राष्ट्र ने शांति अभियानों में वर्दीधारी कर्मियों की तैनाती की है।
इस पुस्तक ने दिखाया है कि यौन व्यवहार का उचित नियमन...
हस्तक्षेपकर्ताओं के व्यवहार पर न केवल इकाइयों के भीतर स्थानीय स्तर पर विवाद होता है, 148 निष्कर्ष

संगठनों और मिशनों (भले ही नीतियां अपेक्षाकृत स्पष्ट हों)
बल्कि संयुक्त राष्ट्र की नीतियों के उच्चतम स्तर पर सैन्य योगदान देने वाले देशों में भी।
बर्फीले विकास और विद्वानों के विमर्श के भीतर। इसके अलावा, प्रक्रियाएं
जवाबदेही तंत्र को मजबूत करने और लागू करने के लिए-
अपराधियों और उनके वरिष्ठों के बीच संयुक्त राष्ट्र में लगातार संघर्ष चल रहा है।
सदस्य देशों और सदस्य देशों के बीच, सैन्य योगदान देने वाले देशों,

और सचिवालय। इसमें विभाजन की विशेषता रही है।
ग्लोबल साउथ, जो शांतिरक्षा कर्मियों के भार को वहन करता है-
योगदान, और वैश्विक उत्तर, जो वित्तीय बोझ वहन करता है।
शांतिरक्षा परियोजना के संबंध में, सैनिकों को तैनात करने के उचित तरीकों पर चर्चा की गई।
योगदान देने वाले देश यौन उत्पीड़न के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं।
उनके कर्मचारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार।
तो नीतियां प्रभावी रूप से रोकथाम करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने में विफल क्यों रही हैं?
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए जोखिम और उनसे कैसे निपटा जा सकता है
भविष्य में इन व्यापक संदर्भों से उत्पन्न चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना करने के लिए
क्या इसमें राजनीतिक कारक भी शामिल हैं? तीन विषय विफलताओं को समझाने में मदद करते हैं।
शून्य-सहिष्णुता नीति के बाद से पिछले पंद्रह वर्षों में नीतिगत विकास हुआ है।
अपनाए गए और इस बारे में सोचने के लिए आधार प्रदान करते हैं कि क्या हाल के विकास-
ये बातें बेहतर परिणामों का संकेत दे सकती हैं और किन कदमों से और अधिक लाभ हो सकता है?
भविष्य में मजबूत नीतियां।
सबसे पहले, यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीतियों के विकास में
नीति काफी हद तक प्रतिक्रियात्मक रही है: नीति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित की गई है।
वैश्विक स्तर पर सामने आए कदाचार घोटालों के जवाब में
मीडिया, जैसे कि मध्य अफ्रीकी गणराज्य में घोटाला या अधिक-
हैती में ऑक्सफैम घोटाला। वैश्विक आक्रोश के जवाब में, नए दौर के
नीतियों में सिद्धांत, प्रतिबद्धता और वैश्विक विचारों के बयान समाहित हैं।
इरादे, जैसे कि शून्य-सहिष्णुता की बयानबाजी और "कैन-" के बारे में बयान

संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में "सीईआर" पर ध्यान केंद्रित करना, तकनीकी, वैचारिक या पूर्ववर्ती नीतियों के कार्यान्वयन में कमजोरियाँ। 10 निकोला डाहरेंडोर्फ के अनुसार यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटने की चुनौतियों पर रिपोर्ट
डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियान ने दिखाया है कि घोटालों के बाद विकसित की गई नई नीतियां लागू की गई हैं।
एक शून्य में; शांति अभियानों के पास न तो क्षमता है और न ही अनुभव।
उन्हें ठीक से लागू करने के लिए, और संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा के भीतर
इन कार्यों का अर्थ यह है कि नेतृत्व अन्य कार्य क्षेत्रों को प्राथमिकता दे सकता है।
जैसा कि जल्द ही चर्चा की जाएगी। 11 दूसरे शब्दों में, नीतियों में संशोधन किया गया है।
और उन्होंने इस बात पर उचित ध्यान दिए बिना "सुधार" कर लिया कि वे इसे रोकने में क्यों सक्षम नहीं थे।
वे व्यवहार जिन्होंने सबसे पहले आक्रोश को जन्म दिया। 12

दूसरा, यौन शोषण और दुर्व्यवहार की नीतियां—शून्य-सहिष्णुता से लेकर संकल्प 2272 को अपनाने की नीति—एक व्यक्तिगत असंवेदी दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है।
समस्या की समझ और लक्षित व्यक्ति का अनुपालन मुख्य रूप से
आचरण मानकों, भर्ती मानकों और प्रशिक्षण के माध्यम से, और
दंड की धमकियाँ। 13 परिणामस्वरूप, वे जटिल मिश्रण को संबोधित करने में विफल रहते हैं।
प्रासंगिक, मानक और प्रणालीगत कारकों के जो अलग-अलग रूप में काम करते हैं जमीनी स्तर पर यौन शोषण और दुर्व्यवहार उत्पन्न करने के तरीके (चर्चा की गई) अध्याय 1 में)। दूसरे शब्दों में, यौन दुराचार को प्राथमिक रूप से समझा जाता है-
यह संभवतः नियमों के पर्याप्त रूप से संप्रेषित न होने, समझे न जाने और
विभिन्न स्तरों को शामिल करने वाले विविध व्यवहारों के समूह के बजाय आज्ञापालन किया गया।
एजेंसी और सहमति के साथ-साथ यह स्थानीय परिस्थितियों और कमजोरियों को भी

दर्शाता है।
साथ ही साथ यौन व्यवहार, अवसरवादिता, हिंसा आदि से संबंधित लैंगिक अपेक्षाएं भी शामिल हैं।
और हस्तक्षेपकर्ता अपने साथ तैनाती पर जो संस्कृतियाँ लाते हैं। नीतिगत पुनर्विचार-
विशेष रूप से कदाचार जांच के बाद विकसित हुई प्रतिक्रियाएं-
इन सरकारों का ध्यान यौन शोषण और दुर्व्यवहार को मजबूत करने पर केंद्रित रहा है।
रोकथाम प्रशिक्षण, रिपोर्टिंग और जांच प्रक्रियाएं और क्षमता
इस बात पर विचार करने के बजाय कि क्या प्रशिक्षण-और-दंड मॉडल सबसे उपयुक्त है
इस जटिल मुद्दे का उचित समाधान। इसके अलावा, अनुपालन-
आधारित दृष्टिकोण, जो यौन शोषण की नींव के रूप में कार्य करता रहा है-
शिक्षा और दुर्व्यवहार नीति, यह मानती है कि मजबूत जवाबदेही तंत्र मौजूद हैं।
नियमों के उल्लंघन को रोकना—एक ऐसा तर्क जिसके समर्थन में बहुत कम सबूत मौजूद हैं।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के व्यापक दायरे में, और जो कि, इसके अलावा,
आपराधिक अभियोगों या वास्तविक दंडों की कम दरों से इसकी स्थिति और भी खराब हो गई है।
अपराधियों के लिए। 14

शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रशिक्षण और दंड देने का दृष्टिकोण चुनौतियों को छिपा देता है।

मध्य से उच्च पदस्थ अधिकारियों को—संयुक्त राष्ट्र में, सैन्य योगदान देने वाले
संगठनों में—के लिए चुनौती का सामना करना पड़ता है।
देशों में, और अन्य संगठनों में—जब वे इनकार करते हैं तो विरोध करते हैं
आरोपों से निपटना या फिर "कठोर सुरक्षा" में बहुत अधिक व्यस्त रहना
लैंगिक मुद्दों को गंभीरता से लेने और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम
और जवाबदेही प्रक्रियाओं को समर्थन। यौन उत्पीड़न के आरोपों का तरीका-
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में यौन शोषण से निपटने के प्रयास जारी हैं।
पिछले तीन वर्षों से यह चुनौती स्पष्ट होती है और इस पर विचार करना उचित है।

2014-15 में, संयुक्त राष्ट्र की आंतरिक रिपोर्ट में हिंसक यौन शोषण का दस्तावेजीकरण किया गया था।
फ्रांसीसी संगारिस सैनिकों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा बच्चों का शिकार किया गया।
चाड और इक्वेटोरियल गिनी को संयुक्त राष्ट्र की कई संस्थाओं द्वारा दबाया और अनदेखा किया गया।
ज़ैद राद अल जैसे वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों सहित कार्यालय और एजेंसियां हुसैन, एड्स-फ्री वर्ल्ड को लीक होने से लगभग एक साल पहले,
जिस बिंदु पर अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण संयुक्त राष्ट्र को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 15 150 निष्कर्ष

फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रांस्वा होलांद द्वारा "कोई विरोध प्रदर्शन न करने" के वादे के बावजूद
2017 की शुरुआत में फ्रांसीसी न्यायाधीशों ने बलात्कार में शामिल सैनिकों के प्रति "दया" का भाव व्यक्त किया।
किसी के खिलाफ आरोप न लगाने का फैसला किया गया है, प्रवक्ता ने इसका हवाला देते हुए कहा।
केवल शामिल बच्चों के बयानों के आधार पर मामला बनाने में चुनौतियाँ
स्वतंत्र साक्ष्य के बिना। 16 इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या
अगर संयुक्त राष्ट्र ने उचित कदम उठाए होते तो परिणाम अलग होता।
जब पहली बार आरोप सामने आए तो उनकी जांच की जानी चाहिए थी। इससे कई सवाल भी उठते हैं।
फ्रांसीसी अधिकारियों की प्राथमिकताओं के इर्द-गिर्द, फ्रांसीसी चुनौतियों को देखते हुए
जांचकर्ताओं को कथित दुर्व्यवहार के स्थलों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा जब सैन्य कर्मियों ने
नेतृत्व ने महीनों तक उन्हें हेलीकॉप्टर से परिवहन करने से मना कर दिया क्योंकि
अन्य परिचालन संबंधी मांगें, जैसा कि मैंने पिछले अध्याय में चर्चा की थी।
फरवरी 2016 में, महासचिव बान की-मून द्वारा प्रतिबद्धता जताने के बाद

नागरिकों को यौन शोषण और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए "और अधिक प्रयास" करना।
शांति सैनिकों द्वारा, संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा की कि री- से 120 शांति सैनिक कांगो की जनता को इस गंभीर स्थिति के कारण तुरंत स्वदेश वापस भेज दिया जाएगा।
उनके खिलाफ यौन दुर्व्यवहार के आरोप। 17 हालाँकि, सैनिकों ने
जांच के एक महीने से अधिक समय बाद तक प्रश्नगत मामलों को स्वदेश वापस नहीं भेजा गया था।
यह जांच इसलिए हुई क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ अधिकारियों को इस बात की चिंता थी कि
मध्य फरवरी में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से संबंधित अस्थिरता के जोखिम कांगो गणराज्य में और वे नहीं चाहते थे कि यूनिट को वापस स्वदेश भेजा जाए।
चुनाव के बाद तक। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी के अनुसार, आरोप थे-
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के कम से कम नौ और मामलों के प्रमाण।
प्रत्यावर्तन के लिए निर्धारित दल द्वारा उपचारित, जिनमें से सात में शामिल थे बच्चों को, उनके स्वदेश वापसी के बीच की अवधि में
घोषित किया गया और यह वास्तव में कब हुआ। 18 "कठिन" को यह प्राथमिकता देना
यौन दुर्व्यवहार जैसे "नरम" सुरक्षा मुद्दों को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएँ
इससे सैन्य और अन्य संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठते हैं।
वे वास्तव में और भी कठोर यौन शोषण को लागू करने के लिए तैयार हैं।
संकल्प 2272 में उल्लिखित नीतियों जैसे दुर्व्यवहार और शोषण संबंधी नीतियां, जो प्रारंभिक प्रत्यावर्तन घोषणा के तुरंत बाद इसे औपचारिक रूप से अपनाया गया था।
अभी-अभी चर्चा हुई।
2017 में अपने कार्यकाल के पहले सप्ताह में, महासचिव एंटोनियो गुटेरेस
उन्होंने यौन शोषण से सुरक्षा प्रदान करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया और दुर्व्यवहार को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक बताते हुए उन्होंने घोषणा की, "इस तरह के क्रूरतापूर्ण कृत्यों को रोका जाना चाहिए।"
ऐसा कभी नहीं होगा। निश्चित रूप से, संयुक्त राष्ट्र में कार्यरत कोई भी व्यक्ति ऐसा

नहीं करेगा।
किसी भी रूप में ऐसे घृणित और जघन्य अपराधों से जुड़ा नहीं होना चाहिए। 19
फिर भी महासचिव की दृढ़ प्रतिबद्धता और प्रयासों के बावजूद
कई समस्याओं में से एक समस्या? 151

सचिवालय के सभी स्तरों पर और सदस्यों के बीच राजनीतिक इच्छाशक्ति का निर्माण करना।
मध्य अफ़्रीका में यौन दुर्व्यवहार के बारे में नए खुलासे हुए हैं।
2017 के मध्य में रिपब्लिक ने सुझाव दिया कि कुछ अधिकारी अभी भी प्रभावी कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।
प्रभावी नीति। एड्स-फ्री वर्ल्ड में कोड ब्लू अभियान द्वारा प्रकाशित।
मई के मध्य में लीक हुए संयुक्त राष्ट्र के गोपनीय दस्तावेजों में एक खुलासा शामिल था।
कांगो बटालियन द्वारा यौन और अन्य दुर्व्यवहार की रिपोर्ट का पीछा किया गया
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र बहुआयामी एकीकृत स्थिरीकरण मिशन में
(MINUSCA) और बल कमांडर से एक आधिकारिक प्रति (फोटोकॉपी) नहीं-
इसके बावजूद कि पूर्व बटालियन कमांडर की स्वदेश वापसी हो चुकी है और
2016 में सैनिकों के अनुसार बटालियन की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ था और वह "बदनाम" बनी रही।
दक्षिण पूर्व एशियाई एजेंसियों के दुर्व्यवहार, ईंधन की तस्करी और अनुशासनहीनता के लिए," और अनुरोध करते हुए
यदि कांगो इकाई की स्थिति में तुरंत सुधार नहीं कर पाता है तो उन्हें स्वदेश वापस भेज दिया जाए।
मानक 20 यह पत्र लेफ्टिनेंट जनरल लोइटी, सैन्य सलाहकार को भेजा गया था।
सैन्य मामलों के कार्यालय में शांतिरक्षा अभियान।
शांतिरक्षा अभियानों के प्रबंधन में लोइटी उस समय सचिव पद पर थे।
जनरल द्वारा नवस्थापित उच्च स्तरीय कार्य बल संयुक्त राष्ट्र की देखरेख कर रहा है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति के प्रति सुधारित दृष्टिकोण। फिर भी,
सचिवालय द्वारा 20 जून, 2017 तक, यानी दो सप्ताह बाद तक कोई कार्रवाई नहीं

की गई।
लीक हुए दस्तावेजों के प्रकाशित होने के बाद और एक महीने से अधिक समय बाद सेना कमांडर ने अपना ज्ञापन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय को भेजा था।

ये तीनों उदाहरण दर्शाते हैं कि सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है...

यौन शोषण और दुर्व्यवहार के खिलाफ प्रभावी नीति के लिए चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं।
नीतिगत विकास में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद अधिकारियों की इसे लागू करने की अनिच्छा।
हाल के वर्षों में और इसके प्रभावों के बारे में बढ़ती जागरूकता के बावजूद
यौन शोषण और दुर्व्यवहार ने संयुक्त राष्ट्र के बारे में वैश्विक धारणाओं को प्रभावित किया है।
वैधता। इस चुनौती को व्यक्तिगत, प्रशिक्षित दृष्टिकोण से छिपा दिया जाता है।
यौन दुर्व्यवहार के मामलों में अब तक अपनाई गई 'और दंडित करो' वाली नीति।
ये उदाहरण संयुक्त राष्ट्र की उस प्रवृत्ति को भी दर्शाते हैं, जिसकी चर्चा ऊपर की गई है, यानी पुनः-
सार्वजनिक आक्रोश के कारण यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर प्रतिक्रिया देना।
सक्रिय रूप से कार्रवाई करने के बजाय रोने-धोने और मीडिया में खुलासे करने के साथ-साथ अंतर्निहित
संयुक्त राष्ट्र की सकारात्मक संबंध बनाए रखने की आवश्यकता के परिणामस्वरूप तनाव
सैन्य सहायता प्रदान करने वाले देशों के साथ-साथ जवाबदेही सुनिश्चित करना।
अपने कर्मचारियों को दुर्व्यवहार के लिए दोषी ठहराना।

यौन शोषण को पूरी तरह से लागू करने की इच्छाशक्ति की कमी के मुद्दे को एक तरफ रखते हुए...

शोषण और दुर्व्यवहार की नीतियां, तीसरा संबंधित विषय है जो समझाने में मदद करता है
ऐसी नीतियों की विफलता का कारण यह है कि अस्वास्थ्यकर लोगों के प्रति व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाया जाता है।
यौन दुर्व्यवहार को समझने से नीति अन्य प्रासंगिक पहलुओं से अलग हो गई है। 152

निष्कर्ष

आचरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए विषयगत एजेंडा और परिचालन ढांचे तैयार करना।
और अनुशासन। यौन शोषण और दुर्व्यवहार को आचरण के दायरे में रखना।
और अनुशासन के क्षेत्र में सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नीति नहीं रही है
उन प्रासंगिक कारकों को संबोधित किया गया जो एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जिसमें
समुदाय विशेष रूप से दुर्व्यवहार और शोषण के प्रति संवेदनशील होते हैं।
शांति रक्षक। शांति अभियानों को उन परिस्थितियों में तैनात किया जाता है जिनकी विशेषताएँ होती हैं।
अभाव, विस्थापन, आर्थिक आवश्यकता और टूटने के कारण
युद्ध के परिणामस्वरूप सामाजिक सहायता नेटवर्क में आई दरार को इस पुस्तक में दर्शाया गया है।
किस प्रकार मुट्ठी भर हस्तक्षेपकर्ता जो यौन शोषण करते हैं-
दुर्व्यवहार और शोषण इन प्रासंगिक कारकों का फायदा उठाते हैं और उन लोगों को अपना शिकार बनाते हैं।
जो सबसे अधिक असुरक्षित हैं, जिनमें मुख्य रूप से महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हालांकि
संदर्भगत कारक हस्तक्षेपकर्ताओं के कार्यों की पहेली का केवल एक हिस्सा हैं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अंजाम देना, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय-
रोकथाम के प्रयासों को केवल कुछ ही चीजों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय व्यापक बनाया जा सकता है, जिससे इसमें उपयोगी रूप से और अधिक विस्तार किया जा सकता है।
तैनाती से पहले का प्रशिक्षण जोखिम कारकों को पहले से ही संबोधित करने के लिए
जिन परिचालन संदर्भों में वे तैनात होते हैं, उनमें यौन दुर्व्यवहार
हस्तक्षेपकर्ता। अभाव को तेजी से और व्यवस्थित रूप से संबोधित करना।
जिन क्षेत्रों में हस्तक्षेपकर्ताओं के बड़े समूह मौजूद हैं, वे संभवतः प्रभावित होंगे।

और संभवतः लेन-देन के विकास और समेकन को सीमित कर सकता है।
राष्ट्रीय यौन अर्थव्यवस्थाएँ। उदाहरण के लिए, वित्तपोषण और त्वरित तैनाती।
विश्व खाद्य कार्यक्रम के माध्यम से खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से
फाएला जैसी युवा लड़कियों का मतलब है, जिनकी कहानी अध्याय 1 में बताई गई थी।
शांति रक्षकों के साथ मामूली रकम के बदले यौन संबंध बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है।
अपने बच्चों को जीवित रखने के लिए भोजन। इस पर भी ध्यान दिया जा सकता है।
तैनात शांतिरक्षा कर्मियों को मिलने वाले अवसरों को कम करना-
स्थानीय लोगों का शोषण करना। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को कई जगहों पर तैनात किया गया था।
शांति अभियानों से संकेत मिलता है कि ऑस्ट्रेलियाई सेना को सफलता मिली थी।
यौन दुर्व्यवहार के मामलों को प्रतिबंधित करके या गंभीर दंड देकर सीमित करना।
अपने सैन्य शांतिरक्षकों द्वारा शराब के सेवन को सीमित करना
स्थायी आदेशों और सावधानीपूर्वक रोस्टरिंग व्यवस्थाओं का संयोजन जो
कर्मचारियों के बड़े समूहों के लिए शराब पीने या बाहर जाने के अवसरों में कमी।
एक साथ मनोरंजन के लिए आधार। 21 पर्याप्त आवास सुनिश्चित करना और
मनोरंजन की व्यवस्थाएँ—और विभिन्न समूहों के बीच इनमें समानता
शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने से यौन शोषण की घटनाओं को रोकने में भी मदद मिल सकती है।
और दुर्व्यवहार। जाहिर है, इन प्रासंगिक कारकों को संबोधित करने से कुछ हद तक ही मदद मिलेगी।
यौन दुर्व्यवहार की रोकथाम में सुधार की दिशा में हस्तक्षेप के माध्यम से काफी हद तक प्रगति हुई है।
लेकिन यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम के प्रयासों को एकीकृत करना आवश्यक है।

शांति अभियानों के परिचालन वातावरण के व्यापक विचारों के साथ-

ये प्रयास रोकथाम और प्रतिक्रिया दोनों के लिए मुख्यधारा के प्रयासों में मदद करेंगे। इस घटना को और अधिक प्रभावी ढंग से समझाना।

इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पुस्तक ने दिखाया है कि कारण और परिणाम कैसे होते हैं।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मुद्दे लिंग से संबंधित व्यापक मुद्दों से जुड़े हुए हैं। शांति अभियानों में संरक्षण और मानवाधिकार। हालाँकि, इन सबके बावजूद सहक्रियाओं, यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति को अलग-थलग कर दिया गया है महिला, शांति और सुरक्षा (डब्ल्यूपीएस) एजेंडा और ढांचा, साथ ही साथ संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा और नागरिकों की सुरक्षा से संबंधित मामले। यह उल्लेखनीय है कि संकल्प 2272 को डब्ल्यूपीएस संकल्प के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया था।

हालांकि सुरक्षा परिषद के उस हिस्से के साथ इसका स्पष्ट तालमेल है कार्यक्षेत्र में डब्ल्यूपीएस तंत्रों के लिए एक जनादेश शामिल है जिसमें शामिल हैं महासचिव को रिपोर्टिंग में यौन दुर्व्यवहार के आरोप। 22 में दरअसल, यौन शोषण और दुर्व्यवहार अभी भी संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा सूची में शामिल है।

इस वेबसाइट को केवल आचरण और अनुशासन के मुद्दे के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, यह अलग-थलग है।

मिशन के आदेशों में नागरिकों की सुरक्षा और डब्ल्यूपीएस के संदर्भों से, और इसे महासचिव की वार्षिक रिपोर्टों में शामिल नहीं किया गया था। संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा और बच्चे तथा सशस्त्र संघर्ष तब तक जब तक मध्य अफ्रीकी गणराज्य में हुआ घोटाला।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि, हालांकि उन कार्यों में कुछ समय लगा- डब्ल्यूपीएस नीति क्षेत्र में यौन शोषण के मुद्दों को पहचानना और दुर्व्यवहार को डब्ल्यूपीएस के दायरे में मानने के संबंध में, इसमें काफी बदलाव आया है।

हाल के वर्षों में। उदाहरण के लिए, 2015 का ग्लोबल स्टडी ऑन द इम्प्लीमेंट- महिलाओं, शांति और पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्प 1325 का कार्यान्वयन

सुरक्षा बलों ने यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर विशेष ध्यान दिया, तर्क दिया-
शांति अभियानों में महिलाओं की अधिक उपस्थिति की पुरजोर वकालत करना
यौन दुर्व्यवहार की घटनाओं को कम करने के लिए यह महत्वपूर्ण है; यह तर्क
महासचिव गुटेरेस ने भी इस बात को दोहराया है। 23 यह दिलचस्प है कि
ध्यान दें कि सबरीना करीम और काइल बियर्ड्सली द्वारा महिलाओं पर किए गए
हालिया अध्ययन में,
संघर्षोत्तर राज्यों में शांति और सुरक्षा ने सुझाव दिया कि प्रतिनिधित्व
इससे अकेले ही सीमित लाभ ही प्राप्त होंगे क्योंकि यह आवश्यक रूप से
समस्याओं की जड़ में मौजूद दोषपूर्ण संस्थागत संस्कृतियों में सुधार करें।
शांति अभियानों में महिलाओं के सशक्तिकरण में कमी और इस घटना के बारे में
शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार। इसके बजाय, उन्होंने पाया कि
एक अधिक समग्र दृष्टिकोण जो "समान अवसर" के मानदंड को स्थापित करने पर
केंद्रित है।
शांतिरक्षा के सभी पहलुओं में "अवसर" का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से समस्याओं
का समाधान करेगा।
सत्ता असंतुलन से उत्पन्न चुनौतियाँ। 24 फिर भी, इसके बावजूद 154 निष्कर्ष

डब्ल्यूपीएस की ओर से इन कदमों से ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकांश नीतिगत
विकास
यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित मामलों की जांच-पड़ताल जारी है।
यह WPS के व्यापक कार्यक्षेत्र से पृथक है।
तो यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अलग करने के क्या प्रभाव हैं?
अन्य प्रासंगिक ढाँचों और विषयगत एजेंडों से नीति
संयुक्त राष्ट्र? सबसे पहले, यौन शोषण और दुर्व्यवहार से एक व्यक्ति के रूप में
निपटकर-
केवल सामान्यीकृत आचरण और अनुशासन के मुद्दे, नीतियों और उनके कार्यान्वयन
पर ही ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
लैंगिक असमानताओं के संरचनात्मक स्वरूप को संबोधित करने में बाधाएँ हैं।
अपराधियों (और कभी-कभी, उनके पीड़ितों) द्वारा किए गए विकल्पों को आकार देना

अध्याय 1 और 2 सचित्र हैं)। संयुक्त राष्ट्र की नीति के संबंध में चुनौतियाँ-
लेन-देन आधारित यौन संबंध लिंग के प्रति इस असंवेदनशीलता का उदाहरण हैं।
अनुभवों और संरचनाओं। शून्य-सहिष्णुता बुलेटिन स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करता है-
इसका अर्थ है "पैसा, रोजगार, सामान या सेवाओं का यौन संबंध के बदले आदान-
प्रदान"।
हालांकि, शांति अभियानों को सामान्यतः ऐसे संदर्भों में तैनात किया जाता है जहां
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा और उससे जुड़े कलंक का अंतर्संबंध,
लैंगिक असमानता और भौतिक अभाव ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न करते हैं जिनके
कारण
“उत्तरजीविता” यौन अर्थव्यवस्थाओं का उदय और फलना-फूलना। एक प्रमुख
विशेषता यह है कि
लेन-देन आधारित यौन संबंध की विशेषता यह है कि इसमें "एक स्तर की सक्रियता
और बातचीत शामिल होती है"।
भले ही इस पर अक्सर अत्यधिक अभाव के संदर्भ में बातचीत की जाती है,
हताशा और असुरक्षा। 25 लिंग विश्लेषण के लाभ के बिना
उनके प्रशिक्षण सामग्री, दिशा-निर्देशों और यौन दुर्व्यवहार के प्रति दृष्टिकोण का
हिस्सा।
हस्तक्षेपकर्ताओं को इस एजेंसी के आचरण को समझने में कठिनाई हो सकती है।
यह स्थानीय लोगों के लिए कैसे काम करता है और यौन संबंधों को विनियमित करने
के लिए इसके क्या निहितार्थ हैं।
हस्तक्षेपकर्ताओं और स्थानीय लोगों के बीच की कार्रवाइयां। उदाहरण के लिए, प्राप्त
करने के बावजूद
संयुक्त राष्ट्र की आचार संहिता पर अनिवार्य प्रशिक्षण जो लेन-देन को प्रतिबंधित
करता है।
राष्ट्रीय यौन संबंध के संबंध में, कुछ शांति रक्षकों ने पॉल हिगेट से तर्क दिया है कि
उनका यौन
“लेन-देन” स्वीकार्य थे क्योंकि महिलाएं “उत्साहपूर्वक” भाग लेती थीं।
उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए, या "दान" किए गए भोजन, संसाधनों के कारण
पालतू जानवर

या पैसे ने इसमें शामिल महिलाओं को अधिक सुरक्षित बना दिया। 26 कुछ माता-पिता
उन्होंने अपने बच्चे को यौन शोषण के एक तरीके के रूप में, लेन-देन आधारित यौन संबंध में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।
अपने परिवार के आर्थिक अस्तित्व को सुनिश्चित करना इस धारणा को और मजबूत कर सकता है। 27 यह
यह शांतिरक्षकों के लिए निर्धारित नियमों की सूची और उनके बीच के अंतर को उजागर करता है।
अपेक्षित अनुपालन, जो अनिवार्य पूर्व-तैनाती प्रशिक्षण में बताया जाता है-
और उन नियमों के महत्व के बारे में उनकी समझ।
सत्ता के लैंगिक विश्लेषण के अंतर्गत यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति,
संदर्भ, भेद्यता और सक्रियता—जैसे कि डब्ल्यूपीएस में निहित है
यह ढांचा न केवल हस्तक्षेपकर्ताओं को भाषा और अवधारणाएं प्रदान करेगा

लेन-देन संबंधी यौन संबंध के बहुआयामी पहलुओं को समझना आवश्यक है।
इससे न केवल स्थानीय लोगों के साथ उनके संबंधों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी, बल्कि इससे बचने में भी मदद मिलेगी।
यह नीति वर्तमान में "महिलाओं को पीड़ित के रूप में देखने" की मानसिकता को बढ़ावा दे रही है।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अलग-थलग करने का एक और निहितार्थ है
डब्ल्यूपीएस फ्रेमवर्क से नीति सुरक्षा के बीच उत्पन्न तनाव है
और उन नीतियों के कार्यान्वयन में भागीदारी। सबसे महत्वपूर्ण में से एक।
शून्य-सहिष्णुता बुलेटिन में विवादास्पद प्रावधानों में कहा गया है कि "यौन
संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों और सहायता प्राप्त करने वालों के बीच संबंध,
क्योंकि वे स्वाभाविक रूप से असमान शक्ति समीकरणों पर आधारित हैं, इसलिए वे कमजोर पड़ जाते हैं।
संयुक्त राष्ट्र के कार्यों की विश्वसनीयता और अखंडता को लेकर हम दृढ़तापूर्वक प्रतिबद्ध हैं।

हतोत्साहित।" 28 इस प्रावधान की अप्रवर्तनीयता को एक तरफ रखते हुए, यह
इससे पता चलता है कि संघर्ष प्रभावित समुदायों में किसी भी वयस्क के पास यह
क्षमता नहीं है।
असमान शक्ति समीकरणों के संदर्भ में सहमति देना, जो शिशुकरण के समान है।
और शक्तिहीन करना। 29 अध्याय 2 में जटिलताओं की चर्चा
बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में सहमति से वयस्क यौन संबंध बनाने के उदाहरण
यह मान लेना एक भ्रांति है कि स्थानीय महिलाएं विचारणीय कार्य नहीं कर रही थीं।
विकल्प, भले ही उनमें शोषण के तत्व शामिल हों। यह देखते हुए कि
शून्य-सहिष्णुता नीति मुख्य रूप से उन रिश्तों पर लागू होती है जो...
किशोर हस्तक्षेपकर्ता पुरुष और स्थानीय महिलाएं (हालांकि स्थानीय लोगों के साथ
संबंध)
पुरुष भी इसी नियम के अंतर्गत आते हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सत्ता की गतिशीलता में
भी यही अंतर होता है।
महिलाओं और स्थानीय पुरुषों को आमतौर पर कम समस्याग्रस्त माना जाता है।
सत्ता में असमानताएँ और समलैंगिक संबंधों की गतिशीलता
इस पर बिल्कुल भी विचार नहीं किया जाना चाहिए), यह नीति उन मूल्यों को कमजोर
करती है जो इसके आधार हैं।
डब्ल्यूपीएस ढांचा। 30 ये मानते हैं कि महिलाएं यहां तक कि इसमें भी अपनी सक्रिय
भूमिका निभा सकती हैं।
संघर्ष और संघर्ष के बाद की स्थितियों में उन्हें जिन विशेष कमजोरियों का सामना
करना पड़ता है, उनके संदर्भ में...
संघर्ष के संदर्भों में उनका योगदान स्थानीय स्तर पर बहुमूल्य है।
और निर्णय लेने और शांति स्थापित करने की राष्ट्रीय प्रक्रियाएं।

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि समझाने-बुझाने में बहुत कम प्रगति हुई है।
शांति रक्षकों और नीति निर्माताओं को पूर्ण और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के
लिए।
यदि उन्हीं लोगों को ऐसा प्रशिक्षण मिले जो शांति प्रक्रियाओं में महिलाओं की भूमिका
को मजबूत करे, तो...
यह धारणा पुष्ट होती है कि संघर्षग्रस्त परिस्थितियों में वयस्क महिलाएं इतनी

असुरक्षित होती हैं कि
वे अपने द्वारा स्थापित रिश्तों के बारे में स्वयं निर्णय नहीं ले सकते।
अंततः, यौन उत्पीड़न के प्रति वर्तमान आचरण और अनुशासन का दृष्टिकोण
शोषण और दुर्व्यवहार शांति सैनिकों को उन अवधारणाओं और ज्ञान से लैस करने में विफल रहता है।
स्थानीय लोगों के साथ संबंधों की जटिलताओं को समझने के लिए आवश्यक भाषा।
इसमें शोषणकारी और गैर-शोषणकारी के बीच अंतर करना भी शामिल है।
रिश्ते।
156 निष्कर्ष

इस चर्चा से नीति निर्माताओं के लिए दो महत्वपूर्ण मुद्दे उठते हैं, जिनमें से पहला यह है कि...
यानी प्रशिक्षण और रोकथाम संबंधी उपायों में सुधार कैसे किया जाए।
शांति सैनिकों को वैचारिक आधार प्रदान करना ताकि वे समझ सकें
स्थानीय लोगों के साथ कुछ प्रकार की बातचीत समस्याग्रस्त क्यों हो सकती है और क्यों हो सकती है
सहमति मौजूद होने पर भी शोषणकारी कैसे बनें और सह-विकल्प कैसे प्राप्त करें
पर्यवेक्षकों और प्रबंधकों को इन विषयों पर ठोस चर्चाओं का समर्थन करने के लिए प्रेरित करना।
तैनाती के दौरान होने वाली बातचीत और निर्णय। साक्षात्कार के दौरान, एक से-
वैश्विक उत्तर के एक सैन्यकर्मी-योगदानकर्ता देश के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने सुझाव दिया-
उन्होंने सुझाव दिया कि इस मुद्दे को हल करने का सबसे प्रभावी तरीका जो उन्होंने पाया है, वह यह है कि
उसके सैनिकों और स्थानीय महिलाओं के बीच अनौपचारिक संबंध होने थे।
शाम के भोजन या बीयर के दौरान उन पुरुषों से हुई बातचीत, जिन पर उसने ध्यान दिया था
विभिन्न सांस्कृतिक धारणाओं के बारे में स्थानीय महिलाओं से बातचीत करना।
उन रिश्तों और पुरुषों के दीर्घकालिक इरादों के बारे में, विशेष रूप से

इसमें शामिल महिलाओं और उनके परिवारों की अपेक्षाओं के संदर्भ में।
रोमांटिक रिश्तों के बारे में और महिलाएं किस तरह से व्यवहार करेंगी, इस पर विचार किया जा सकता है।
यदि संबंध समाप्त हो जाए तो प्राप्त होगा। 31 यह दृष्टिकोण इससे बिल्कुल अलग है
यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति के लिए प्रशिक्षण और दंड देने का दृष्टिकोण
और यह कर्मचारियों को लिंग और
स्थानीय लोगों के साथ उनकी बातचीत की शक्ति गतिशीलता और विभिन्न निहितार्थ-
उन अंत:क्रियाओं के सभी संबंधित पक्षों पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव।
औपचारिक लैंगिक शिक्षा और यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार की रोकथाम
इस तरह की बातचीत के अवसर प्रदान करने वाला प्रशिक्षण उपयोगी हो सकता है।
कर्मचारियों के बीच अधिक मजबूत समझ विकसित करने का तरीका
यौन संबंधों में निहित जटिलताएं और शक्ति संतुलन
शांति अभियान में तैनाती के दौरान स्थानीय लोगों की मदद करना।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा पर साहित्य कई तथ्य प्रस्तुत करता है।
यौन शोषण की रोकथाम के तरीकों के बारे में और अधिक जानकारी के लिए...
शोषण और दुर्व्यवहार में सुधार किया जा सकता है। एलिजाबेथ वुड के अध्ययन में
यह बात सामने आई है कि कब
युद्धकाल में बलात्कार दुर्लभ है, यह दर्शाता है कि यदि नेता यौन हिंसा को
उनके हितों के लिए प्रतिकूल और यदि संगठनात्मक पदानुक्रम
यह व्यक्तिगत लड़ाकों द्वारा की जाने वाली यौन हिंसा को रोकने के लिए पर्याप्त मजबूत है या
कुछ विशेष इकाइयों में, यौन हिंसा बहुत कम देखने को मिलेगी। 32 वह तर्क देती है कि
नेता कई कारणों से यह रुख अपना सकते हैं, जिनमें से एक यह भी है कि
सशस्त्र समूह अपनी गतिविधियों के लिए विशेष रूप से नागरिकों पर निर्भर होते हैं।
संबंधों को मजबूत करता है और उन लोगों के समर्थन को बनाए रखने के महत्व को पहचानता है।
नागरिकों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करना। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान दिखाते हुए...

इस प्रकार की यौन हिंसा पर रोक लगाने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आकांक्षाओं को समर्थन मिल सकता है।

वित्तीय सहायता बनाए रखने के बारे में मान्यता और चिंताएँ
समर्थकों। अमेलिया हूवर ग्रीन का गहन अध्ययन कि कुछ लड़ाके ऐसा क्यों करते हैं-
चींटियाँ और सशस्त्र समूह हिंसा के दायरे और प्रकारों को सावधानीपूर्वक सीमित करते हैं।
वे इसका उपयोग करते हैं जबकि अन्य नहीं करते, इससे पता चलता है कि लड़ाकों में संयम बरता जाता है।
जब उन्हें पता होता है कि वे क्यों लड़ रहे हैं और उस उद्देश्य में विश्वास रखते हैं और जब
वे समझते हैं कि उनके व्यवहार से उद्देश्यों पर किस प्रकार प्रभाव पड़ता है।
उनके युद्ध का, जो तब होता है जब कमांडर या नेता निवेश करते हैं
राजनीतिक शिक्षा। 33 ये निष्कर्ष इस क्षेत्र के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति के संदर्भ में, दोनों के बीच घनिष्ठ समानता को देखते हुए
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा और यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वाले। वे हस्तक्षेप के महत्व पर प्रकाश डालते हैं।
यह सुनिश्चित करना कि सभी स्तरों पर और सभी संगठनों के भीतर के नेता शांति में
संचालन—उनके द्वारा यौन दुर्व्यवहार के तरीकों को समझें
कर्मचारी उनके हितों को नुकसान पहुंचाते हैं, जिसमें उनके हितों से समझौता करना भी शामिल है।
मिशन के मूल्यों और लक्ष्यों को प्रभावित करना, परिचालन क्षमता को प्रभावित करना और उसे कमजोर करना-
उनके काम की वैधता के बारे में स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय धारणाओं को प्रभावित करना।
वे इस बात पर भी जोर देते हैं कि एक मजबूत और प्रतिक्रियाशील प्रणाली का होना कितना महत्वपूर्ण है।

संगठनात्मक पदानुक्रम जिसमें क्षमता और प्रतिबद्धता दोनों हो
यह सुनिश्चित करें कि यौन उत्पीड़न से संबंधित रोकथाम और जवाबदेही तंत्र
दुर्व्यवहार के खिलाफ कार्रवाई मजबूत और प्रभावी होती है। और अंततः, वे इसे
सामने लाते हैं।
शांति प्रयासों में हस्तक्षेप करने वालों के बीच राजनीतिक शिक्षा का महत्वपूर्ण महत्व
उनकी तैनाती के कारणों और उनके कार्यों के प्रभावों के बारे में जानकारी देने वाले
अभियान।
व्यापक मिशन लक्ष्य और परिणाम, और कुछ व्यवहारों का उद्देश्य
इन्हें प्रतिबंधित या हतोत्साहित किया गया है। यह इसके महत्व को दोहराता है।
प्रशिक्षण और दंड देने वाली नीति के मॉडल से आगे बढ़कर एक अधिक
मुख्य मिशन लक्ष्यों और व्यवसाय के साथ एकीकृत।
नीति निर्माताओं के लिए दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा वह है जिस पर उपरोक्त चर्चा में चर्चा हुई है।
इससे यह सवाल उठता है कि क्या निषिद्ध और
शून्य-सहिष्णुता बुलेटिन में उल्लिखित हतोत्साहित व्यवहार, गंभीर परिणाम उत्पन्न करते हैं।
सुरक्षात्मक तंत्र स्थापित करने के बीच उचित संतुलन बनाए रखना जो
शांति सैनिकों को क्या करने की अनुमति है, इसे सीमित करना और एजेंसी को
कमजोर करना
स्थानीय व्यक्तियों द्वारा वयस्क, सहमतिपूर्ण संबंध स्थापित करने में
शांति रक्षक। शून्य-सहिष्णुता बुलेटिन, संक्षेप में, एक प्रशासनिक-
2003 में बड़े पैमाने पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाओं के जवाब में एक सक्रिय नीति
विकसित की गई थी।
ऐसे घोटाले जिन्हें अर्ध-कानूनी दर्जा प्राप्त हो चुका है: इसका उपयोग आधार के रूप में
किया जा रहा है
आंतरिक सामंजस्य न होने के बावजूद कानूनी जवाबदेही प्रक्रियाओं के लिए
कानूनी नियमों से सामान्यतः अपेक्षित स्पष्टता और सटीकता। 158 निष्कर्ष

नियमों की स्पष्टता में सुधार करने और विरोधाभासों को दूर करने के लिए इसमें

संशोधन करना।
अन्य ढाँचों के साथ समन्वय अधिक प्रभावी कार्यप्रणाली की नींव रख सकता है।
भविष्य में नीति का कार्यान्वयन। इसके अलावा, अध्याय 2 में चर्चा की गई है।
यौन शोषण को परिभाषित करने वाले व्यवहारों के बारे में स्थानीय धारणाओं का
और दुर्व्यवहार यह दर्शाता है कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से आकस्मिक
अनुभव कैसे होते हैं।
यौन रूप से अनुचित व्यवहारों के ये उदाहरण अधिक जागरूकता की आवश्यकता को
उजागर करते हैं।
लचीले नीतिगत ढांचे जो विशिष्टताओं के अनुरूप प्रतिक्रिया दे सकें
शांति सैनिकों को तैनात करने के लिए विशिष्ट संदर्भ ताकि रोका जा सके
इस पुस्तक में प्रदर्शित शांति निर्माण के नकारात्मक परिणामों को पुनः दर्शाया गया है।
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार का परिणाम।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अलग-थलग करने का अंतिम निहितार्थ
अन्य ढाँचों से नीति में अंतर यह है कि यह इससे अलग हो गई है।
संघर्ष से जुड़े मुद्दों पर व्यापक नीतिगत और परिचालन कार्य किया जा रहा है।
संबंधित यौन हिंसा। जैसा कि अध्याय 1 में चर्चा की गई है, महत्वपूर्ण
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बीच अंतर
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा; मुख्यतः संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा
हिंसा व्यक्तियों द्वारा हिंसक संघर्षों के हिस्से के रूप में की जाती है और
उन संघर्षों के भीतर के समूहों में, जबकि यौन शोषण और दुर्व्यवहार
उन लोगों द्वारा किए गए कृत्य जिन्हें नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए भेजा
गया था, और उसके बाद के दौरान भी।
हालांकि, कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समानता भी है।
नीतिगत प्रतिक्रियाओं के बारे में जो यौन शोषण को मजबूत करने में मदद कर सकती
हैं और
दुर्व्यवहार नीति यदि संबंध स्थापित हो जाते हैं और उससे संबंधित सबक सीखे जाते हैं
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा यौन शोषण में परिवर्तित हो जाती है।
और दुर्व्यवहार नीति प्रतिक्रिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1820 (2008)
और 1888 (2009) ने संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा को दृढ़ता से स्थापित किया।

एक ऐसा अपराध जिसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों के तहत रोका और दंडित किया जा सकता है।
मानवाधिकार कानून, और इन प्रस्तावों के कारण अपराध को मजबूत करने के लिए काम किया गया है।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के लिए जवाबदेही, प्रतिक्रियात्मकता
पीड़ित और न्यायिक क्षमता। जवाबदेही से संबंधित प्रमुख बाधाएं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मामलों में साक्ष्य एकत्र करने की कठिनाइयाँ शामिल हैं।
उन आरोपों के संबंध में प्रतिरोध जो कानूनी मानकों को पूरा करते हैं और उत्पन्न करते हैं
राष्ट्रीय स्तर पर अपराधियों को आपराधिक रूप से जवाबदेह ठहराने के लिए
राजनीतिक इच्छाशक्ति
कानूनी ढाँचे। परिचालन और नीतिगत कार्य जो इसके अंतर्गत किए जा रहे हैं।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के व्यापक दायरे में पहले से ही इन मुद्दों का समाधान किया जा रहा है।
चुनौतियाँ तो हैं, लेकिन अभी तक इसका संबंध यौन दुर्व्यवहार से नहीं जोड़ा जा सका है।
जवाबदेही तंत्रों का संचालन। वास्तव में, पहली सिफारिश यह थी कि

यौन शोषण और दुर्व्यवहार घोटाले की स्वतंत्र समीक्षा
मध्य अफ्रीकी गणराज्य वह था

संयुक्त राष्ट्र द्वारा सभी खतरों के प्रति अपनी प्रतिक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए उठाया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण कदम यह है कि...
शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार की निंदा का अर्थ यह स्वीकार करना है कि इस प्रकार के दुर्व्यवहार संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा का एक रूप हैं, जिनका समाधान किया जाना चाहिए।
संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार नीतियों के तहत संबोधित किया गया। स्वीकार करना

और विरोध करना-
पीड़ितों की रक्षा करने, रिपोर्ट करने, जांच करने और संयुक्त राष्ट्र के दायित्वों को तर्कसंगत बनाना
आरोपों की जांच करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाए, यौन शोषण और मानवाधिकार नीति के ढांचों को एक सामंजस्यपूर्ण व्यवस्था के तहत एकीकृत किया जाना चाहिए।
एकीकृत नीति ढांचा। 34

यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति को डब्ल्यूपीएस और संघर्ष से पुनः जोड़ना-
वैचारिक और परिचालन दोनों स्तरों पर यौन हिंसा से संबंधित ढाँचे
इन स्तरों को अपनाना इसे व्यक्तिवाद से दूर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।
समस्या का व्यक्तिगत, आचरण और अनुशासन संबंधी ढांचा, जो कि एक
नीतियों के अब तक अप्रभावी रहने का मुख्य कारण यही है। इससे दो मामलों में मदद मिलेगी।
विभिन्न मोर्चों पर: रोकथाम और प्रतिक्रिया नीतियों को स्थिति के अनुसार ढालने से लाभ होगा।
डब्ल्यूपीएस के लैंगिक, शक्ति और संरक्षण संबंधी मुद्दों के ढांचे के भीतर निर्मित, जबकि
घनिष्ठ एकीकरण से जवाबदेही तंत्र मजबूत होंगे।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के ढाँचों के साथ। दूसरे शब्दों में, लिंक
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा यौन हिंसा के आधार को मजबूत करेगी
मानवाधिकार और जवाबदेही के ढांचे में शोषण और दुर्व्यवहार नीति-
कार्य करता है, जबकि डब्ल्यूपीएस के लिंक नारीवादी दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेंगे।
एनआईएसटी विश्लेषण, जो व्यक्तियों को अनिवार्य रूप से आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है
व्यवहार में ऐसी नीतियों की जटिल व्याख्या और कार्यान्वयन।
यदि यौन शोषण और दुर्व्यवहार संबंधी नीतियां और प्रशिक्षण भाषा पर आधारित हों-

लिंग और शक्ति का मापक तथा महिलाओं के आसपास का वैचारिक ढांचा-
संघर्ष और शांति प्रक्रियाओं में पुरुषों की भूमिकाएँ और कमजोरियाँ—जो कि
डब्ल्यूपीएस एजेंडा की नींव और वर्तमान में यौन शोषण से अनुपस्थित-
शोषण और दुर्व्यवहार नीति पर चर्चा—शांति रक्षकों को सुसज्जित किया जाएगा
यौन दुर्व्यवहार संबंधी नियमों के महत्व को समझते हुए-
नियमों के महत्व से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इसके अलावा,
व्यापक डब्ल्यूपीएस ढांचे के अंतर्गत यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति
और भाषा शांतिरक्षकों और इसमें शामिल लोगों को जवाबदेह बनाएगी।
यौन दुर्व्यवहार के लिए क्षमता प्रक्रियाएं: एक वैचारिक ढांचा कि कैसे
160 निष्कर्ष के साथ संबंधों की कभी-कभी जटिल बातचीत को समझने के लिए

स्थानीय व्यक्ति और समुदाय, विशेष रूप से यौन संबंध जो
ये सहमति से होते हैं लेकिन कभी-कभी इनमें लेन-देन शामिल होते हैं और जहां
सहमति आवश्यक होती है
यह समान, गैर-पदानुक्रमित शक्ति संबंधों पर आधारित नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि
यह वैचारिक ढांचा शिशुकरण को रोकने में मदद करेगा और
महिलाओं की स्वायत्तता को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सशक्त न बनाना-
शांति सैनिकों को लैंगिक, नस्लीय और
आर्थिक संदर्भ जिसमें इसका प्रयोग किया जा सकता है। शांति सैनिकों को सुसज्जित करना
सत्ता की गतिशीलता की भाषा के साथ—जिसमें लिंग, नस्ल,
और अर्थशास्त्र—और एक ऐसा दृष्टिकोण जिसके माध्यम से वे अपने स्वयं के जीवन को समझ सकें
शांति स्थापना के संदर्भों में भूमिका और स्थिति, रोकथाम और
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना। इससे...
इसमें शामिल सभी कर्मियों को शामिल करें—जिनमें सैन्य, नीतिगत और नागरिक शांतिकर्मी शामिल हैं।
संरक्षक; संयुक्त राष्ट्र सचिवालय; सेना भेजने वाले देश; और संयुक्त राष्ट्र निधि

और एजेंसियों को बेहतर आधार प्रदान करना ताकि वे समझ सकें कि ऐसा क्यों होता है।
शांतिरक्षा अभियानों के संदर्भ में कुछ व्यवहार अस्वीकार्य हैं।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की पहचान करने और अपराधियों को दंडित करने के लिए।
शून्य-सहिष्णुता नीति के उल्लंघन के लिए उत्तरदायी। वर्तमान यौन
शोषण और दुर्व्यवहार नीति दृष्टिकोण निषिद्ध गतिविधियों की एक सूची प्रदान करता है और
हतोत्साहित व्यवहार, जो इस वास्तविकता को झुठलाता है कि परमिटों को नेविगेट करना
यौन संबंधों की संवेदनशीलता या शोषणकारी प्रकृति जो घटित होती है
शांति अभियानों को जिन जटिल और असमान परिस्थितियों में तैनात किया जाता है
व्यवहार में, यह स्थिति कहीं कम स्पष्ट है।
हालांकि रोकथाम और प्रतिक्रिया नीतियों को इससे काफी लाभ होगा
डब्ल्यूपीएस की भाषा और अवधारणाओं के अंतर्गत व्यक्त होने के कारण, जवाबदेही-
इसके माध्यम से प्रक्रियाओं और तंत्रों में काफी सुधार होगा।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के ढाँचों के साथ घनिष्ठ एकीकरण, जो
इससे व्यावहारिक, राजनीतिक और कानूनी चुनौतियों से निपटने में सहायता मिलेगी।
अपराधियों को जवाबदेह ठहराना। यौन दुर्व्यवहार के उन प्रकारों को पहचानना-
ऐसे आचरण जो आपराधिक हैं—उदाहरण के लिए यौन शोषण, यौन उत्पीड़न
बच्चों की तस्करी और मानव तस्करी—संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के रूपों के रूप में,
जिसके लिए मानवाधिकारों पर आधारित एक सशक्त आपराधिक कानूनी प्रतिक्रिया की आवश्यकता है और
पीड़ितों की जरूरतों को प्राथमिकता देने की मांग एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।
वर्तमान जवाबदेही तंत्र को मजबूत करने में। यह किया जा सकता है
यौन शोषण के बीच महत्वपूर्ण अंतरों को पहचानते हुए भी-
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार और संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा, लेकिन साथ ही
यह स्वीकार करते हुए कि संघर्ष और संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा

वह पृष्ठभूमि जो यौन शोषण और दुर्व्यवहार के संदर्भ को आकार देती है
कई समस्याओं में से एक समस्या? 161

अर्थव्यवस्थाएं विकसित होती हैं और जिनके विरुद्ध हस्तक्षेपकर्ता यौन गतिविधियों में भाग लेते हैं
स्थानीय समुदायों के खिलाफ दुर्व्यवहार। विशेष समन्वयक का कार्यालय-
SEA के लिए nator ने पहले ही सुव्यवस्थित और मानकीकरण के लिए काम शुरू कर दिया है
रिपोर्टिंग, डेटा संग्रह और रेफरल प्रक्रियाएं, जो एक महत्वपूर्ण
इस दिशा में उठाया गया कदम स्पष्ट संबंधों से और भी मजबूत होगा।
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के संबंध में भी इसी प्रकार का कार्य किया जा रहा है।
35
इसके अलावा, यदि इसे विशेष प्रतिनिधि के कार्य में भी एकीकृत किया जाए
यौन हिंसा, यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर नीति से लाभ होगा।
प्रतिनिधि द्वारा सुनिश्चित करने के लिए किए गए राजनीतिक लामबंदी से
राज्य अपने नागरिकों को यौन हिंसा के अपराधों के लिए जवाबदेह ठहराते हैं।
संघर्ष के संदर्भ।

संक्षेप में: नीति निर्माताओं के लिए सलाह

• समस्या को नए सिरे से परिभाषित करना। नीतिगत ढाँचों में बदलाव होना चाहिए।
यौन अभिव्यक्ति की व्यक्तिगत समझ से दूर-
शोषण और दुर्व्यवहार, जो "समस्या" को एक के रूप में पहचानता है
व्यक्तिगत कर्मियों द्वारा निषिद्ध व्यवहारों में संलग्न होने और नियमों का पर्याप्त रूप से
संप्रेषित, समझा और निष्पादित न होने की स्थिति में।
पालन किया गया; इस मॉडल में "समाधान" को समझा जाता है
प्रशिक्षण और दंड देने के प्रतिक्रिया मॉडल को मजबूत करना।
इसके बजाय, यौन शोषण और दुर्व्यवहार को अधिक जटिल रूप में समझा जाना
चाहिए: यह व्यवहारों का एक विविध समूह है जो

इसमें एजेंसी और सहमति के विभिन्न स्तर शामिल हैं और यह प्रतिबिंबित करता है
स्थानीय परिस्थितियाँ और कमजोरियाँ, साथ ही लैंगिक पूर्वाग्रह-
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा लाए गए यौन व्यवहार, अवसरवादिता,
हिंसा और संस्कृतियों से संबंधित अपेक्षाएं।
ये प्रासंगिक, मानक और प्रणालीगत कारक
विभिन्न शांति अभियानों में अलग-अलग तरीकों से प्रतिच्छेद करते हैं
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के विभिन्न पैटर्न उत्पन्न हो सकते हैं।
इसका अर्थ यह भी है कि स्थानीय समुदाय
यौन रूप से उचित और अनुचित व्यवहार के बारे में अलग-अलग अपेक्षाएं होती हैं।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा उचित व्यवहार, चाहे कुछ भी हो
औपचारिक आचार संहिता की रूपरेखा। नीति को इन जटिलताओं और प्रत्येक की
विशिष्टताओं के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए। 162 निष्कर्ष

रोकथाम की प्रभावशीलता में सुधार के लिए संदर्भ
और प्रतिक्रिया तंत्र।
• प्रतिबद्ध और जवाबदेह नेतृत्व। हर स्तर पर नेतृत्व।
शांति अभियानों में शामिल सभी स्तरों और उनसे जुड़े संगठनों को यह सुनिश्चित
करना होगा कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार को रोका जा सके।
नीतियों को लागू किया जाता है, भले ही ऐसा करने से परिचालन संबंधी समस्याएं
उत्पन्न हों।
अल्पावधि में राष्ट्रीय या प्रतिष्ठा संबंधी चुनौतियाँ। सुनिश्चित करना
कि मध्य से उच्च स्तर के अधिकारी उन तरीकों को समझते हैं जिनसे
उनके कर्मचारियों द्वारा किया गया यौन शोषण और दुर्व्यवहार उनके और उनके संगठन
के हितों को नुकसान पहुंचाता है।
जिसमें अपने मिशन के मूल्यों और लक्ष्यों से समझौता करना भी शामिल है,
परिचालन क्षमता को प्रभावित करना, और स्थानीय और आंतरिक स्तर पर कमजोर
करना।
उनके काम की वैधता के बारे में अंतरराष्ट्रीय धारणाओं को बदलना, अधिक प्रतिबद्धता
सुनिश्चित करने के लिए दृष्टिकोण में बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण है।

दुर्व्यवहार को रोकने और दोषियों को जवाबदेह ठहराने के लिए-
सक्षम। इसके अलावा, यह सुनिश्चित करना कि जो अधिकारी लागू करने में विफल रहते हैं
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए जवाबदेही तय करना और उन्हें स्वयं जवाबदेह ठहराना मजबूत और प्रभावी व्यवस्था स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित विश्वसनीय नीति और प्रक्रियाएं।
• सक्रिय और एकीकृत नीति विकास। नीति विकास-
बड़े घोटालों के जवाब में कार्रवाई करने के बजाय, सक्रिय रूप से सुधार किया जाना चाहिए और इसमें सबसे पहले कमियों पर विचार किया जाना चाहिए।
मौजूदा नीतिगत ढांचे में और उसके कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों के संबंध में-
यह कारगर है। नीतिगत क्षेत्र को और अधिक भीड़भाड़ वाला बनाने की आवश्यकता नहीं है।
बल्कि इसे और अधिक स्पष्ट किया गया है और अन्य प्रासंगिक नीतिगत ढाँचों, विशेष रूप से लिंग से संबंधित ढाँचों के साथ बेहतर ढंग से संरेखित किया गया है।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार; महिलाएं, शांति और सुरक्षा; और
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा। विशेष रूप से, यौन शोषण-
दुर्व्यवहार और उत्पीड़न की रोकथाम एवं प्रतिक्रिया नीतियों को भाषा और अवधारणाओं के अनुरूप बनाने से लाभ होगा।
लिंग, शक्ति आदि से संबंधित डब्ल्यूपीएस ढांचे द्वारा प्रदान किया गया।
एजेंसी और संरक्षण संबंधी मुद्दे। यौन शोषण और दुर्व्यवहार
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के मामलों के साथ एकीकरण के माध्यम से जवाबदेही प्रक्रियाओं और तंत्रों में काफी सुधार किया जा सकता है।
संवेदन ढाँचे, जो संबोधित करने में अधिक उन्नत हैं
व्यक्तिगत हिरासत रखने से जुड़ी व्यावहारिक, राजनीतिक और कानूनी चुनौतियाँ।
अपराधियों को जवाबदेह ठहराना। इसके अलावा, उन प्रकारों को पहचानना

यौन शोषण और दुर्व्यवहार जो आपराधिक श्रेणी में आते हैं

संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा जिसके लिए आपराधिक कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता होती है
पीड़ितों के अधिकारों और जरूरतों को प्राथमिकता देने वाली प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण होगी-
वर्तमान जवाबदेही ढांचों को मजबूती से मजबूत करना आवश्यक है।

• एकीकृत प्रशिक्षण और राजनीतिक शिक्षा। पूरक-

नियमों पर आधारित प्रशिक्षण प्रदान करना और निरंतर छूट के अवसर प्रदान करना।
मिशन और उनके बारे में चर्चा और राजनीतिक शिक्षा
इसमें भूमिका यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि कर्मचारी यह समझें कि तैनाती के दौरान उनके व्यवहार को नियंत्रित करने वाले नियम ही नहीं, बल्कि तैनाती का कारण, उनका दैनिक जीवन कैसा होगा, यह भी महत्वपूर्ण है।
कार्यों का व्यापक मिशन लक्ष्यों और परिणामों पर प्रभाव पड़ता है, और
कुछ व्यवहारों को प्रतिबंधित या हतोत्साहित करने के उद्देश्य से-
उम्रदराज। महत्वपूर्ण रूप से, इस तरह का एकीकृत प्रशिक्षण दृष्टिकोण
हस्तक्षेपकर्ताओं को यौन शोषण के बीच अंतर्संबंधों को समझने में मदद करेगा।
शोषणकारी और दुर्व्यवहारपूर्ण व्यवहार और व्यापक चुनौतियाँ
शांति अभियानों का सामना करना पड़ रहा है।

• यह स्वीकार करना कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार एक (अ-

कई समस्याओं में से एक महत्वपूर्ण समस्या। इस समस्या का बेहतर समाधान करने के लिए
शांतिरक्षा, नीति निर्माताओं और
शांति अभियानों में तैनात कर्मियों को अंतर्संबंधों को समझना चाहिए।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार को जन्म देने वाले कारकों और शांतिरक्षकों की विफलता का कारण बनने वाले कारकों के बीच संबंध।
उनकी सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारियों में व्यापक रूप से विचार करें-
गैर-यौन दुर्व्यवहारों के संदर्भ में यौन दुराचार का वर्णन करना
स्थानीय आबादी के खिलाफ हिंसा और शांति स्थापना की सफलता की पहेली के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में इसका समाधान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।
हस्तक्षेपकर्ता की गतिशीलता को संबोधित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

ऐसी संस्कृतियाँ जिनका सफलता या विफलता पर गंभीर प्रभाव पड़ता है-
शांति अभियानों की रूपरेखा। इसके अलावा, एक बहुआयामी प्रतिक्रिया यौन शोषण की रोकथाम की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को समाहित कर सकती है।
सामान्य परिचालन संदर्भ में दुर्व्यवहार और दुरुपयोग पर विचार करना-
संदर्भगत चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाने और उनका समाधान करने के लिए बदलाव किए जाते हैं।
ऐसे कारक जो यौन दुराचार को अंजाम देने के लिए परिस्थितियाँ तैयार करने में योगदान करते हैं, उदाहरण के लिए यह सुनिश्चित करके कि
शांति सैनिकों की तैनाती मानवीय दृष्टिकोण से गहराई से जुड़ी हुई है।
खाद्य सुरक्षा और आर्थिक समस्याओं से निपटने के लिए ताइवान की प्रतिक्रिया आवश्यकता।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार के पैटर्न और कारकों को समझना
जो इसे जन्म देते हैं, और इसकी क्षमता और विश्वसनीयता पर पड़ने वाले प्रभाव।
प्रभावी रोकथाम और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय महत्वपूर्ण है।
वैश्विक स्तर पर प्रतिक्रिया नीतियां। इस पुस्तक ने दिखाया है कि किस प्रकार अपराध को अंजाम दिया जाता है।
अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा यौन दुर्व्यवहार से इस प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होती है।
शांति स्थापित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की राष्ट्रीय क्षमता
गृहयुद्धों के बाद और संकटों में मानवीय पीड़ा को स्थायी रूप से कम करने के लिए।
इससे यह भी प्रदर्शित हुआ कि यौन शोषण और दुर्व्यवहार एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करता है।
वैधता की स्थापित प्रक्रियाओं के लिए चुनौती जो महत्वपूर्ण हैं
संयुक्त राष्ट्र और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए समर्थन बनाए रखना-
शांति अभियानों में शामिल, और बहुपक्षीय शांतिरक्षा परियोजना में यह शामिल है-
स्वयं। इसके शांति की प्रकृति और गतिशीलता पर गंभीर परिणाम होते हैं।

भविष्य में होने वाले कार्यों में यौन उत्पीड़न को प्रभावी ढंग से रोकना और उसका जवाब देना।
इसलिए दुर्व्यवहार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण है।
वैश्विक शांति, व्यवस्था और न्याय को बढ़ावा देना और सुरक्षित करना, लेकिन वर्तमान नीतिगत दृष्टिकोण...
समस्या को इस प्रकार परिभाषित करने के परिणामस्वरूप यह दृष्टिकोण मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण है।
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार का व्यक्तिगत रूप।
इस पुस्तक ने दिखाया है कि अंततः यौन शोषण और दुर्व्यवहार
हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा की गई कार्रवाई एक अलग मुद्दा नहीं है। हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा की गई कार्रवाई को पहचानना और उसे सक्रिय करना आवश्यक है।
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के अन्य क्षेत्रों के साथ इसके संबंध और समानताएं-
संघर्षों और शांति प्रक्रियाओं में समुदाय का कार्य एक मजबूत आधार प्रदान करेगा।
एक ऐसा आधार जिस पर एक मजबूत, बहुआयामी प्रतिक्रिया का निर्माण किया जा सके।
यह संदर्भ, कारणों और परिस्थितियों की जटिलताओं को अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिबिंबित करता है।
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं। अधिक जानकारी के लिए...
इसके अलावा, यौन शोषण और दुर्व्यवहार नीति के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण भी महत्वपूर्ण है।
जो नीतिगत प्रतिक्रिया के प्रशिक्षण और दंड मॉडल की ओर ले जाता है, वह इस तथ्य को झुठलाता है कि
यह तथ्य कि नियम विशिष्ट संदर्भों में बातचीत के माध्यम से तय किए जाते हैं और उनमें बदलाव किया जा सकता है।
उनसे विनियमन करने की अपेक्षा की जाती है, क्योंकि यौन व्यवहार के तरीके का विस्तृत विश्लेषण किया गया है।
तिमोर में कदाचार और उससे संबंधित जवाबदेही उपायों को लागू किया गया।
लेस्ते और बोस्निया का उदाहरण दिया गया है। प्रभावी रोकथाम और सुनिश्चित करने

के लिए।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए जवाबदेही तय करने के लिए, नीति निर्माताओं को अवश्य ध्यान देना चाहिए-
इसे पहचानें और ऐसे उपायों का अनुसरण करें जो कम नियम-आधारित हों, ध्यान केंद्रित करते हुए...
इस प्रकार के व्यवहारों के परस्पर संबंधित कारणों की पहचान करने के बजाय, विशेष रूप से
अपराधियों और पीड़ितों द्वारा लिए जा रहे निर्णय और संदर्भ और
वे अर्थव्यवस्थाएँ जिनमें ये विकल्प चुने जाते हैं।
हालांकि, शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि नीति निर्माता और हस्तक्षेपकर्ता...
समुदाय उन तरीकों को पहचानते हैं जिनसे यौन दुर्व्यवहार अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है।

प्रमुख मिशन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता—
इसमें स्थायी शांति, मानवाधिकारों की रक्षा और संवर्धन शामिल है, और
न्याय—वे सभी स्तरों पर अधिक राजनीतिक इच्छाशक्ति उत्पन्न करने में सक्षम हो सकते हैं
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इन व्यवहारों को गंभीरता से लेना चाहिए। इससे
न केवल अधिक मजबूत और प्रभावी दृष्टिकोण सुनिश्चित करने में कुछ हद तक मदद मिलेगी
अंतर-क्षेत्रीय संस्कृतियों में बदलाव लाकर रोकथाम और जवाबदेही सुनिश्चित करना।
राष्ट्रीय समुदाय जिसने विकास और कार्यान्वयन को आकार दिया है-
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की नीतियों की वर्तमान स्थिति के अलावा, इसमें यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित नीतियां भी शामिल होंगी।
शांति के मूल्यों, सिद्धांतों और लक्ष्यों के इर्द-गिर्द एकजुटता को मजबूत करना।
परियोजना को जारी रखना। दूसरे शब्दों में, जिस प्रकार यौन शोषण के परिणाम होते हैं...

हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा किए गए शोषण और दुर्व्यवहार का असर पीड़ितों के व्यक्तिगत जीवन से कहीं अधिक व्यापक स्तर पर महसूस किया जाता है।
एक मजबूत और एकीकृत प्रतिक्रिया अपनाने से सकारात्मक परिणाम होंगे।
इस तरह के दुर्व्यवहार को रोकने और व्यक्तिगत जवाबदेही तय करने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण कार्य हैं।
दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इस तरह की प्रतिक्रिया से स्थिति में मौलिक सुधार आएगा।
संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों को सहायता प्रदान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की क्षमता
जैसे-जैसे समाज युद्ध से न्याय पर आधारित स्थायी शांति की ओर अग्रसर होते हैं, मानवाधिकारों और जवाबदेही को बढ़ावा देना और ऐसा करके वैश्विक धारणा को मजबूत करना।
हिंसक संघर्षों से निपटने में संयुक्त राष्ट्र के मूल्य और वैधता के प्रश्न।
आज की दुनिया में।

नोट्स

परिचय

1. एड्स-मुक्त विश्व, “संयुक्त राष्ट्र का गंदा रहस्य: बाल यौन शोषण की अनकही कहानी”

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में और एंडर्स कोम्पास,” 29 मई, 2015, http://www.codeblue
campaign.com/carstatement/; मैरी डेसचैम्प्स, हसन बी. जालो और यास्मीन सूका, शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर कार्रवाई: मध्य अफ्रीकी गणराज्य में अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षक बलों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर एक स्वतंत्र समीक्षा की रिपोर्ट, संयुक्त राष्ट्र बाह्य स्वतंत्र पैनल, 2015।

2. जैस्मीन-किम वेस्टेंडॉर्फ और लुईस सियरल, "शांति काल में यौन शोषण और दुर्व्यवहार"

संचालन: रुझान, नीतिगत प्रतिक्रियाएँ और भविष्य की दिशाएँ,” अंतर्राष्ट्रीय मामले 93, संख्या 2 (2017): 365–87.

3. थेल्मा अवोरी, कैथरीन लुट्ज़ और पाबन थापा, अंतिम रिपोर्ट: मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ मिशन-
MINUSTAH, UNMIL, MONUSCO और UNMISS में समुद्र-समुद्री आपदा निवारण प्रयासों के लिए जोखिम
(3 नवंबर, 2013), 1, https://static1.squarespace.com/static/514a0127e4b04d7440e8045d/t/55afcfa1e4b07b89d11d35ae/1437585313823/2013+Expert+Team+Report+FINAL.pdf, 6 मई, 2019 को देखा गया। यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र द्वारा आधिकारिक तौर पर कभी जारी नहीं की गई थी, लेकिन ऊपर दिए गए लिंक पर उपलब्ध है।

4. महासचिव, सुरक्षा के लिए विशेष उपायों पर महासचिव की रिपोर्ट यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार ए/69/779 (13 फरवरी, 2015), 1, http://reliefweb से .int/report/world/special-measures-protection-sexual-exploitation-and-sexual-abuse-report-
महासचिव। महासचिव की अनौपचारिक बैठक में उनके विचार (पृष्ठ 3-4 पर टिप्पणियाँ)

महासभा (16 जनवरी, 2018), https://www.un.org/sg/en/content/sg/speeches/2018-01-16/remarks-informal-meeting-general-assembly.
5. बोस्निया और मध्य अफ्रीकी गणराज्य में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के आरोपों पर पारदर्शी रूप से प्रतिक्रिया देने में संस्थागत अनिच्छा के विवरण के लिए, कैथरीन बोल्कोवाक और कैरी लिन की पुस्तक "द व्हिसलब्लोअर: सेक्स ट्रैफिकिंग, मिलिट्री कॉन्ट्रैक्टर्स, एंड वन वुमन्स फाइट फॉर जस्टिस" (न्यूयॉर्क: मैकमिलन, 2011) देखें; एड्स-फ्री वर्ल्ड, "द यूएन्स डर्टी सीक्रेट।"
6. सिंथिया एनलो, युद्धाभ्यास: महिलाओं के जीवन को सैन्य बनाने की अंतर्राष्ट्रीय राजनीति (बर्कले: यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया प्रेस, 2000); हेनरी मर्टिनेन,

"पुरुषत्व को निरस्त्र करना," निरस्त्रीकरण मंच 4 (2003): 37-46; सैंड्रा व्हिटवर्थ, पुरुष, सैन्यवाद और संयुक्त राष्ट्र शांति-रक्षण: एक लैंगिक विश्लेषण (बोल्डर: लिन रीनर पब्लिशर्स, 2004); पॉल हिगेट और मार्शा हेनरी, "शांति समर्थन अभियानों में सुरक्षा को लैंगिक बनाना," सुरक्षा संवाद 35, संख्या 4 (2004): 481-98; पॉल हिगेट, "शांति रक्षक, पुरुषत्व और यौन शोषण," पुरुष और पुरुषत्व 10, संख्या 1 (2007): 99-119; मार्शा हेनरी और पॉल हिगेट, असुरक्षित स्थान: हैती, कोसोवो और लाइबेरिया में शांति स्थापना, शक्ति और प्रदर्शन (लंदन: ज़ेड बुक्स, 2009); मार्शा हेनरी, "संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार: वर्तमान प्रतिक्रियाओं का समस्याकरण," लिंग, एजेंसी और जबरदस्ती में, सुमी मधोक, ऐनी फिलिप्स और कल्पना विल्सन द्वारा संपादित (हाउंडमिल्स: पालग्रेव मैकमिलन, 2013), 122-42।

7. कैथलीन एम. जेनिंग्स और मोर्टेन बोआस, “लेन-देन और अंतःक्रियाएं: शांतिरक्षा अर्थव्यवस्था में रोजमर्रा की जिंदगी,” जर्नल ऑफ इंटरवेंशन एंड स्टेटबिल्डिंग 9, अंक 3 (2015): 281–95। यह लेख इन्हीं लेखकों द्वारा संपादित एक विशेष अंक का हिस्सा है जिसका शीर्षक है “सेवा, यौन संबंध और सुरक्षा: शांतिरक्षा अर्थव्यवस्था में रोजमर्रा की जिंदगी।” संग्रह के अन्य लेख भी इस चर्चा के लिए प्रासंगिक हैं।

8. कैथलीन एम. जेनिंग्स, “सेवा, यौन संबंध और सुरक्षा: लाइबेरिया और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में लैंगिक शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएँ,” सुरक्षा संवाद 45, संख्या 4 (2014): 313–30; कैथलीन एम. जेनिंग्स, “घनिष्ठता के अनपेक्षित परिणाम: शांतिरक्षा और यौन पर्यटन की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाएँ,” अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 17, संख्या 2 (2010): 229–43; कैथलीन जेनिंग्स और वेस्ना निकोलिक-रिस्टानोविक, “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएँ और स्थानीय यौन उद्योग: संबंध और निहितार्थ,” माइक्रोकॉन रिसर्च वर्किंग पेपर
संख्या 17, 2009, http://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm?abstract_id=1488842.

9. डायने ओटो, "शांति स्थापना यौन अर्थव्यवस्थाओं में शून्य सहिष्णुता नीतियों को समझना," यौनिकता और कानून में, संपादक वैनेसा मुनरो और कार्ल स्टाइचिन (एबिंगडन: रूटलेज-कैवेंडिश, 2007), 259-82; ओलिवेरा सिमिक, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों में यौन आचरण का विनियमन (न्यूयॉर्क: स्प्रिंगर, 2012);

गैब्रिएल सिम, शांति अभियानों में सेक्स (कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015); जेना मैकगिल, "शांति स्थापना अर्थव्यवस्थाओं में उत्तरजीविता सेक्स: संयुक्त राष्ट्र शांति सहायता अभियानों में यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार के लिए शून्य सहिष्णुता दृष्टिकोण का पुन: अध्ययन," जर्नल ऑफ इंटरनेशनल पीसकीपिंग 18 (2014): 1-44।

10. लिसा कार्सन, “ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए तैनाती-पूर्व ‘लिंग’ प्रशिक्षण और उसकी कमी”

ऑस्ट्रेलियाई शांति रक्षक," ऑस्ट्रेलियाई जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स 70, संख्या 3 (2016): 275-92; सारा स्मिथ, "शांति अभियानों में जवाबदेही और यौन शोषण और दुर्व्यवहार," ऑस्ट्रेलियाई जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स 71, संख्या 4 (2017): 405-422।

11. सबरीना करीम और काइल बियर्ड्सली, समान अवसर शांतिरक्षा: महिलाएं, शांति,

और संघर्षोत्तर राज्यों में सुरक्षा (ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2017)।

12. रागहिल्ड नॉर्डास और सिरी रुस्ताद, "शांति रक्षक बलों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार-"

ers: Understanding Variation,” International Interactions 39 (2013): 511–34; सबरीना करीम और काइल बियर्ड्सली, “Explaining Sexual Exploitation and Abuse in Peacekeeping Missions: The Role of Female Peacekeepers and Gender Equality in Contributing Countries,” Journal of Peace Research 53, no. 1 (2016): 100–115; बर्न्ड बेबर एट अल., “Peacekeeping, Compli-ance with International Norms, and Transactional Sex in Monrovia, Liberia,” International Organization 71, no. 1 (2017): 1–30; मेगन बैस्टिक, कैरिन ग्रिम और राहेल कुंज,

पृष्ठ 4–20 पर टिप्पणियाँ 169

सशस्त्र संघर्ष में यौन हिंसा: वैश्विक अवलोकन और सुरक्षा क्षेत्र के लिए निहितार्थ (जिनेवा: जिनेवा सेंटर फॉर द डेमोक्रेटिक कंट्रोल ऑफ आर्म्ड फोर्सेज, 2007)।

13. केली न्यूडॉर्फर, “यौन शोषण और दुर्व्यवहार को कम करना: क्या निवारण कारगर है?”

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मिशनों में यौन शोषण को रोकें?, अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 21, संख्या 5 (2014): 623-41; वेस्टेंडॉर्फ और सियरल, "शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार।"

14. केट ग्रेडी, “सेक्स, सांख्यिकी, शांति रक्षक और शक्ति: यौन शोषण पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े”

और दुर्व्यवहार और कानूनी सुधार की खोज,” मॉडर्न लॉ रिव्यू 79, नं. 6 (2016): 931–60; रोइसिन बर्क, “जिम्मेदारी का आरोपण: यौन शोषण और उत्पीड़न, और ब्लू हेलमेट्स का प्रभावी नियंत्रण,” जर्नल ऑफ इंटरनेशनल पीसकीपिंग 16, नं. 1 (2012): 1–46; मार्को ओडेलो और रोइसिन बर्क, “प्रतिरक्षा और दण्डमुक्ति के बीच: शांतिरक्षा और यौन शोषण और हिंसा,” इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स 20, नं. 6 (2016): 839–53; कैसेंड्रा मुडग्वे, “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण: अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून में ‘उत्तरजीविता लिंग’ अंतर,” इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स 21, नं. 9 (2017): 1453–76।

15. केली न्यूडॉर्फर, संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में यौन शोषण और दुर्व्यवहार: एक विश्लेषण

जोखिम और रोकथाम कारक (लैनहैम, एमडी: लेक्सिंगटन बुक्स, 2014); ओलिवेरा सिमिक, "क्या महिलाओं की उपस्थिति वास्तव में मायने रखती है? शांति-रक्षण अभियानों में पुरुष यौन हिंसा से निपटने की दिशा में," अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षण 17, संख्या 2 (2010): 188-99।

16. यह डेटा संयुक्त राष्ट्र के आचरण और अनुशासन इकाई की वेबसाइट https://con पर उपलब्ध है।

duct.unmissions.org/sea-data-introduction.

17. महासचिव, महासचिव का बुलेटिन: सुरक्षा के लिए विशेष उपाय यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार, ST/SGB/2003/13 (9 अक्टूबर, 2003), https://oios.

un.org/resources/2015/01/ST-SGB-2003-13.pdf, 1.

18. वेस्टेंडॉर्फ और सियरल, "शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार।"

19. सेवरिन ऑटोसेरे, द ट्रबल विद द कांगो (कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी)
प्रेस, 2010); सेवरिन ऑटोसेरे, पीसलैंड: संघर्ष समाधान और अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप की रोजमर्रा की राजनीति (कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014)।
20. केट ग्रेडी, "संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार: एक खतरा
निष्पक्षता," अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 17, संख्या 2 (2010): 215–28; जेनिंग्स, "घनिष्ठता के अनपेक्षित परिणाम"; जेनिंग्स और निकोलिक-रिस्तानोविच, "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएँ और स्थानीय यौन उद्योग।"
21. उदाहरण के लिए, महासचिव द्वारा यौन उत्पीड़न से सुरक्षा के लिए विशेष उपाय देखें।
शोषण और दुर्व्यवहार: एक नया दृष्टिकोण, A/71/818 (28 फरवरी, 2017), पैरा 1.4, https://
undocs.org/A/71/818; महासचिव, विशेष उपाय 2003, धारा 3(डी); जेन कॉनर्स,
"UNMISS ASG VRA मीडिया ब्रीफिंग (प्रतिलेख)," UNMISS, 8 दिसंबर, 2017, https://
unmiss.unmissions.org/unmiss-asg-vra-media-briefing-near-verbatim-transcript.
22. जेनिंग्स और निकोलिक-रिस्टानोविक, "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएँ और स्थानीय सेक्स"
उद्योग"; बोल्कोवाक और लिन, द व्हिसलब्लोअर।
23. यौन शोषण और दुर्व्यवहार के आरोपों और जांचों से संबंधित आंकड़ों के संपूर्ण सेट के लिए
संयुक्त राष्ट्र मिशनों में, यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर संयुक्त राष्ट्र का पृष्ठ देखें, 6 मई, 2019 को देखा गया।
https://conduct.unmissions.org/sea-data-introduction.
24. ऑटोसेरे, पीसलैंड; जैस्मीन-किम वेस्टेंडॉर्फ, शांति प्रक्रियाएँ क्यों विफल होती हैं: वार्ता-
गृहयुद्ध के बाद असुरक्षा (बोल्डर: लिन रीनर, 2015)।

25. मैट्स बर्दल, युद्ध के बाद शांति का निर्माण (लंदन: अंतर्राष्ट्रीय रणनीति संस्थान-जीआईसी अध्ययन, 2009), 27.

1. शांति अभियानों में यौन दुर्व्यवहार का इतिहास और प्रकृति
1. एवी सेल्क और एली रोसेनबर्ग, "ऑक्सफैम वेश्यावृत्ति घोटाला कम से कम तीन लोगों तक फैला"
देश," वाशिंगटन पोस्ट, 13 फरवरी, 2018, https://
www.washingtonpost.com/news/
विश्वदृष्टिकोण/wp/2018/02/13/ऑक्सफैम-वेश्यावृत्ति-घोटाला-कम से कम तीन देशों तक फैला/; 170 पृष्ठ 20-25 पर टिप्पणियाँ

शॉन ओ'नील और लीला हद्दू, "ऑक्सफैम सेक्स स्कैंडल: बर्खास्त कर्मचारियों को सहायता क्षेत्र में नई नौकरियां मिलीं," टाइम्स।
10 फरवरी, 2018, https://www.thetimes.co.uk/article/new-shame-for-oxfam-h5nq8lmfn.
2. वास्तव में, MINUSTAH में यौन शोषण और दुर्व्यवहार की उच्च दर ने संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम के प्रयासों के जोखिमों पर रिपोर्ट करने के लिए एक विशेषज्ञ टीम की स्थापना में योगदान दिया। थेल्मा अवोरी, कैथरीन लुट्ज़ और पाबन थापा, अंतिम रिपोर्ट: MINUSTAH में यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम के प्रयासों के जोखिमों का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ मिशन, UNMIL
MONUSCO और UNMISS (3 नवंबर, 2013), अप्रकाशित संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट, https://
static1.squarespace.com/static/514a0127e4b04d7440e8045d/t/55afcfa1e4b07b89d11d35ae/1437585313823/2013+Expert+Team+Report+FINAL.pdf.
3. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1542, S/RES/1542 (2004)
(30 अप्रैल, 2004), http://www.un.org/en/ga/search/

view_doc.asp?symbol=S/RES/1542(2004).
4. ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन, हैती जांच अंतिम रिपोर्ट एफ.आर.एन.5 (गोपनीय) (लंदन: ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन, 2011), 3.
5. महासचिव का बुलेटिन: सुरक्षा के लिए विशेष उपाय
यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार, ST/SGB/2003/13 (9 अक्टूबर, 2003), https://oios.un.
org/resources/2015/01/ST-SGB-2003-13.pdf; अंतर-एजेंसी स्थायी समिति, “छह मुख्य
यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित सिद्धांत” (आईएएससी, 13 जून, 2002), http://www.
pseataskforce.org/en/tools पर जाएं। संयुक्त राष्ट्र की नीतियों और मानकों की विस्तृत श्रृंखला भी देखें।
और आईएएससी टास्क टीम संसाधन पृष्ठ (http://
www.pseataskforce.com) पर मानवीय क्षेत्र।
org/en/tools).
6. सैंड्रा व्हिटवर्थ, पुरुष, सैन्यवाद और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना: एक लिंग-आधारित विश्लेषण (बोल्डर: लिन रीनर पब्लिशर्स, 2004), 67.
7. व्हिटवर्थ, पुरुष, सैन्यवाद, 68.
8. यूएनएआईडीएस, "एड्स और सेना," यूएनएआईडीएस बेस्ट प्रैक्टिसेज कलेक्शन (जिनेवा: यूएनएआईडीएस, 1998), 2.
9. जूडी एल. लेजरवुड, “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मिशन,” पूर्व-पश्चिम विश्लेषण सेंटर, एशिया प्रशांत मुद्दे (होनोलूलू: ईस्ट-वेस्ट सेंटर, मार्च 1994), http://
www.seasite.niu.
edu/khmer/ledgerwood/PDFAsiaPacifi c.htm; ओलिवेरा सिमिक, संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में यौन आचरण का विनियमन (न्यूयॉर्क: स्प्रिंगर, 2012), 41.
10. सिमिक, यौन आचरण का विनियमन, 41-42; गैब्रिएल सिम, शांति ओपेरा में सेक्स-
शन्स (कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015), 88–94.

11. इस तरह के व्यवहार के उदाहरण कई बोस्नियाई साक्षात्कारकर्ताओं द्वारा विस्तार से बताए गए थे, जिन्होंने
उन्होंने युद्ध के दौरान बोस्निया में तैनात संयुक्त राष्ट्र और मानवीय सहायता समुदाय के साथ काम किया और उनका विवरण अध्याय 3 में दिया गया है।
12. सिमिक, यौन आचरण का विनियमन, 42.
13. ह्यूमन राइट्स वॉच, “आशाओं का धोखा: महिलाओं और लड़कियों की डाक सेवाओं के लिए तस्करी”
"बोस्निया और हर्ज़ेगोविना में जबरन वेश्यावृत्ति के लिए संघर्ष," ह्यूमन राइट्स वॉच 14, अंक 9
(डी) (नवंबर 2002): 41-43, http://www.hrw.org/legacy/reports/2002/bosnia/
14. ह्यूमन राइट्स वॉच, “होप्स बिट्रेड,” 42.
15. महासचिव, सहायता कर्मियों द्वारा शरणार्थियों के यौन शोषण की जांच पश्चिम अफ्रीका में, ए/57/465, 11 अक्टूबर, 2002, 9-11।
16. महासचिव, शरणार्थियों के यौन शोषण की जांच, 1.
17. संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित संकल्प:
पश्चिम अफ्रीका में सहायता कर्मियों द्वारा शरणार्थियों के यौन शोषण की जांच, ए/आरईएस/
57/306 (22 मई, 2003), 1–2, http://www.un.org/en/ga/search/view_doc.asp?symbol=A/RES/
57/306. मूल पाठ में जोर दिया गया है।
18. महासचिव, विशेष उपाय 2003.
19. डायने ओटो, "शांति स्थापना में यौन अर्थशास्त्र में शून्य सहिष्णुता नीतियों को समझना-"
ओमीज़," सेक्सुअलिटी एंड द लॉ में, एड. वैनेसा मुनरो और कार्ल स्टाइचिन (एबिंगडन: रूटलेज, 2007), 259-282; सिमिक, रेगुलेशन ऑफ सेक्सुअल कंडक्ट।

20. केट ग्रेडी, “सेक्स, सांख्यिकी, शांति रक्षक और शक्ति: यौन शोषण पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े-
“तेशन और दुर्व्यवहार और कानूनी सुधार की खोज,” मॉडर्न लॉ रिव्यू 79, नं. 6 (2016): 935–41.

21. जैस्मीन-किम वेस्टेंडॉर्फ और लुईस सियरल, "शांति काल में यौन शोषण और दुर्व्यवहार"
संचालन: रुझान, नीतिगत प्रतिक्रियाएँ और भविष्य की दिशाएँ,” अंतर्राष्ट्रीय मामले 93, संख्या 2 (2017): 365–87.

22. दो सबसे व्यापक उदाहरण रैग्नहिल्ड नॉर्डास और सिरी रुस्ताद द्वारा लिखित "सेक्स-" हैं।
शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार: भिन्नता को समझना," अंतर्राष्ट्रीय अंतःक्रिया 39, संख्या 4 (2013): 511-34; और सबरीना करीम और काइल बियर्ड्सली, समान अवसर शांतिरक्षा: संघर्षोत्तर राज्यों में महिलाएं, शांति और सुरक्षा (ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2017)।

23. ग्रेडी, “सेक्स, सांख्यिकी,” 942. यौन शोषण की कम रिपोर्टिंग पर और दुर्व्यवहार, देखें कोरिना चाकी, नो वन टू टर्न टू—द अंडर-रिपोर्टिंग ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉयटेशन एंड एब्यूज बाय एड वर्कर्स एंड पीसकीपर्स (लंदन: सेव द चिल्ड्रन यूके, 2008); कैथलीन एम. जेनिंग्स, प्रोटेक्टिंग हूम? अप्रोचेस टू सेक्सुअल एक्सप्लॉयटेशन एंड एब्यूज
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में (ओस्लो: फाफो, 2008), http://lastradainternational.org/lsidocs/fafo_approaches_abuse_0309.pdf; नॉर्डास और रुस्ताद, "शांति रक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार," 530.

24. प्रभावित आबादी के प्रति जवाबदेही और पूर्व-संबंधी मामलों में यूएनएचसीआर के एक विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम, जिनेवा, 23 सितंबर, 2016।

25. एड्स-मुक्त विश्व, "लीक हुई फाइलों से संयुक्त राष्ट्र द्वारा यौन शोषण के छिपे हुए दायरे का खुलासा," 13 सितंबर।
2017, http://www.codebluecampaign.com/press-

releases/2017/9/13; एड्स-मुक्त विश्व, “एक और
संयुक्त राष्ट्र द्वारा शांतिरक्षकों के यौन शोषण के 41 आरोपों का खुलासा नहीं किया गया," 13 अप्रैल, 2016, http://
www.codebluecampaign.com/press-releases/2016/4/13.
26. नॉर्डास और रुस्ताद, "शांति रक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार।"
27. जैकी टू, महिलाओं के खिलाफ हिंसा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था (ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड)
यूनिवर्सिटी प्रेस, 2012), 114–15; निकोला हेनरी, “युद्धकालीन बलात्कार का सिद्धांत,” लिंग और समाज 30, संख्या 1 (2016): 44–56.
28. एलिजाबेथ जीन वुड, “संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा और नीतिगत निहितार्थ” हाल के शोध के," इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ द रेड क्रॉस 96, नं. 894 (2014): 473.
29. महासचिव, विशेष उपाय 2003.
30. नॉर्डास और रुस्ताद, "शांति रक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार," 518.
31. संयुक्त राष्ट्र क्षेत्र मिशनों में संयुक्त राष्ट्र का आचरण, "यौन शोषण और दुर्व्यवहार"
डेटा,” 23 जून, 2016, https://conduct.unmissions.org/table-of-allegations; महासचिव, यौन शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षा के लिए विशेष उपाय, ए/72/751 (15 फरवरी,
2018), 15–16, https://conduct.unmissions.org/sites/default/files/a_72_751_0.pdf.
32. महासचिव, विशेष उपाय 2018, अनुभाग अनुलग्नक 1; संयुक्त राष्ट्र आचरण और अनुशासन इकाई, “यौन शोषण और दुर्व्यवहार: आरोपों की तालिका,” संयुक्त राष्ट्र में आचरण
फील्ड मिशन, 5 अप्रैल, 2017, https://conduct.unmissions.org/table-of-allegations.
33. ह्यूमन राइट्स वॉच, “मध्य अफ्रीकी गणराज्य: शांति सैनिकों द्वारा बलात्कार,” 4 फरवरी,
2016, https://www.hrw.org/news/2016/02/04/central-african-republic-rape-peacekeepers.

34. केविन सीफ, "यौन शोषण और 'शांतिरक्षक शिशुओं' को लेकर बढ़ता संयुक्त राष्ट्र घोटाला,"
वॉशिंगटन पोस्ट, 27 फरवरी 2016, http://www.washingtonpost.com/sf/world/2016/02/27/
शांति रक्षक/.
35. “हैती में बाल शोषण को लेकर डर,” बीबीसी न्यूज़, 30 नवंबर, 2006, http://news.bbc.
co.uk/2/hi/6159923.stm.
36. क्रेग डॉड्स, “डीआरसी में एसए सैनिकों की शर्म,” आईओएल न्यूज़, 13 जून, 2013, http://
www.iol.co.za/dailynews/news/sa-soldiers-shame-in-the-drc-1531660; ह्यूमन राइट्स वॉच, “अगर तुम रोओगे तो हम तुम्हें मार डालेंगे: सिएरा लियोन संघर्ष में यौन हिंसा,” 16 जनवरी, 2003, http://www.hrw.org/en/reports/2003/01/15/well-kill-you-if-you-cry.
पृष्ठ 30-33 पर 172 टिप्पणियाँ

37. एलिजाबेथ जीन वुड, "सशस्त्र समूह और यौन हिंसा: युद्धकालीन बलात्कार कब होता है?"
दुर्लभ?,” राजनीति और समाज 37, संख्या 1 (2009): 131–61, https://doi.org/10.1177/00323292083297
55; सारा मेगर, “कांगो का बलात्कार: कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संघर्ष में यौन हिंसा को समझना,” जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी अफ्रीकन स्टडीज 28, नं. 2 (2010): 119–35,
https://doi.org/10.1080/02589001003736728; दारा के कोहेन, गृह युद्ध के दौरान बलात्कार (इथाका, एनवाई: कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस, 2016)।
38. जोआकिम क्रेट्ज़ और मैग्डा कार्डेनास, “महिलाएं, शांति और हस्तक्षेप: कैसे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय नागरिक संघर्ष में यौन हिंसा पर प्रतिक्रिया करता है," कैनेडियन विदेश नीति जर्नल 23, संख्या 3 (2017): 260-76।

39. सैंड्रा व्हिटवर्थ, “लिंग, नस्ल और शांति स्थापना की राजनीति,” ए फ्यूचर में शांति स्थापना के लिए? , एड. एडवर्ड मॉक्सन-ब्राउन (हाउंडमिल्स: मैकमिलन प्रेस लिमिटेड, 1998), 176-91; सिंथिया एनलो, पैंतरेबाज़ी: महिलाओं के जीवन को सैन्यीकरण करने की अंतर्राष्ट्रीय राजनीति (बर्कले: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय प्रेस, 2000)।
40. “चार में से एक पुरुष बलात्कार करता है,” आईआरआईएन, 18 जून, 2009, http://www.irinnews.org/report/849
09/दक्षिण-अफ्रीका-एक-चार-पुरुष-बलात्कार; संयुक्त राष्ट्र आचरण और अनुशासन इकाई, "आरोपों की स्थिति।"
41. करीम और बियर्ड्सली, समान अवसर शांतिरक्षा, 101–5.
42. एड्स-मुक्त विश्व, "संयुक्त राष्ट्र का गंदा रहस्य: बाल यौन शोषण की अनकही कहानी"
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में और एंडर्स कोम्पास,” 29 मई, 2015, http://www.codeblue
campaign.com/carstatement/; मैरी डेसचैम्प्स, हसन बी. जालो, और यास्मीन सूका, शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर कार्रवाई करना: मध्य अफ्रीकी गणराज्य में अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षक बलों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर एक स्वतंत्र समीक्षा की रिपोर्ट (संयुक्त राष्ट्र बाह्य स्वतंत्र पैनल, 2015)।
43. एड्स-मुक्त विश्व, "केंद्र में शांति रक्षकों द्वारा यौन शोषण की चौंकाने वाली नई रिपोर्टें-"
मध्य अफ्रीकी गणराज्य,” 30 मार्च, 2016, http://www.codebluecampaign.com/press-releases/
2016/3/30.
44. एड्स-मुक्त दुनिया, "चौंकाने वाली नई रिपोर्टें।"
45. शेरेन रज़ाक, “पेटवावा की ‘क्लीन स्नो’ से: कनाडाई हिंसा”
सोमालिया में शांति रक्षक,” सांस्कृतिक नृविज्ञान 15, संख्या 1 (2000): 127–63.
46. एमिली वैक्स, “कांगो की हताश ‘एक डॉलर वाली संयुक्त राष्ट्र की लड़कियाँ’”, वाशिंगटन पोस्ट, 21 मार्च।

2005, http://www.washingtonpost.com/wp-dyn/articles/A52333-2005Mar20.html.
47. ह्यूमन राइट्स वॉच, “मध्य अफ्रीकी गणराज्य: शांति सैनिकों द्वारा हत्या,” 7 जून,
2016, https://www.hrw.org/news/2016/06/07/central-african-republic-murder-peacekeepers.
48. सिंथिया एनलो, "अबू ग़रेब के अंदर मर्दानगी का इस्तेमाल: नारीवादी दृष्टिकोण से इसका अर्थ समझना"
एक अमेरिकी सैन्य घोटाला," एशियन जर्नल ऑफ विमेंस स्टडीज 10, नं. 3 (2004): 89–102.
49. संयुक्त राष्ट्र, भविष्य में यौन शोषण को समाप्त करने की एक व्यापक रणनीति संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में दुर्व्यवहार, ए/59/710 (24 मार्च, 2005)। शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार में शोषणकारी यौन संबंधों और वेश्याओं के साथ यौन संबंध की व्यापकता के समान आकलन के लिए, महासचिव द्वारा यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार से सुरक्षा के लिए विशेष उपाय, ए/61/957 (15 जून, 2007), 13-15 देखें।
https://undocs.org/A/61/957.
50. महासचिव, विशेष उपाय 2003.
51. ओटो, “मेकिंग सेंस,” 260–61.
52. सीफ, “बढ़ता हुआ संयुक्त राष्ट्र घोटाला।”
53. केट होल्ट और सारा ह्यूजेस, "अफ्रीका के हृदय में सेक्स और मृत्यु," इंडिपेंडेंट, 25 मई, 2004, http://www.independent.co.uk/news/world/africa/sex-and-death-in-the-heart-of-africa-564563.html.
54. वैक्स, “कांगो की हताश ‘एक-डॉलर यू.एन. गर्ल्स’।”
55. "हैती में बाल शोषण को लेकर भय।"

पृष्ठ 33-38 पर टिप्पणियाँ 173

56. यूएनएचसीआर और सेव द चिल्ड्रन यूके, यौन हिंसा और शोषण: अनुभव-

गिनी, लाइबेरिया और सिएरा लियोन में शरणार्थी बच्चों का पालन (फरवरी 2002), 4, https://
www.savethechildren.org.uk/content/dam/global/reports/health-and-nutrition/sexual_violence_and_exploitation_1.pdf.

57. शुकुको कोयामा और हेनरी मर्टिनेन, "शांति ओपेरा के अनपेक्षित परिणाम-"तिमोर लेस्ते में लैंगिक परिप्रेक्ष्य से होने वाले परिवर्तन," शांतिरक्षण अभियानों के अनपेक्षित परिणाम, संपादक: आओई चियुकी, सेड्रिक डी कॉनिंग और रमेश ठाकुर (न्यूयॉर्क: यूनाइटेड)
नेशंस यूनिवर्सिटी प्रेस, 2007), 34; ईटन लिस्टसर्व, लाओ हमुतुक, 2001 http://etan.org/lh/
news06.html.

58. चाकी, कोई सहारा नहीं, 6.

59. सेव द चिल्ड्रन यूके, शिविर से समुदाय तक: लाइबेरिया में शोषण पर अध्ययन बच्चे (लंदन: सेव द चिल्ड्रन यूके, 2006), 3.

60. पॉल हिगेट और मार्शा हेनरी, "शांति समर्थन संचालन में सुरक्षा उत्पन्न करना-" शन्स," सुरक्षा संवाद 35, संख्या 4 (2004): 491; पॉल हिगेट, "शांति रक्षक, मर्दानगी और यौन शोषण," पुरुष और मर्दानगी 10, संख्या 1 (2007): 100.

61. सेव द चिल्ड्रन यूके, फ्रॉम कैंप टू कम्युनिटी, 11.

62. उदाहरण के लिए, कैथरीन ह्यांग-सन मून द्वारा लिखित मौलिक अध्ययन, "सहयोगियों के बीच यौन संबंध" देखें:
अमेरिकी-कोरियाई संबंधों में सैन्य वेश्यावृत्ति (न्यूयॉर्क: कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रेस, 1997)।

63. संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग, "दस नियम: प्रति- संहिता" "ब्लू हेलमेट्स के लिए व्यक्तिगत आचरण," 1998, http://
pseataskforce.org/uploads/tools/tenrulescodeofpersonalconductforbluehelmets_undpko_english.pdf.

64. सारा डब्ल्यू. स्पेंसर, "शांति स्थापित करना: यौन शोषण की रोकथाम और प्रतिक्रिया-

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों द्वारा, "जर्नल ऑफ पब्लिक एंड इंटरनेशनल अफेयर्स 16 (स्प्रिंग 2005): 167; हिगेट, "शांतिरक्षक, मर्दानगी," 107.
65. महासचिव, शरणार्थियों के यौन शोषण की जांच।
66. सीफ, "बढ़ता हुआ संयुक्त राष्ट्र घोटाला।"
67. केट होल्ट और सारा ह्यूजेस, "सूडान में बच्चों के साथ बलात्कार के आरोप में संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी"
टेलीग्राफ, 2 जनवरी, 2007, http://www.telegraph.co.uk/news/worldnews/1538476/UN-staff-accused-of-raping-children-in-Sudan.html.
68. सेव द चिल्ड्रन यूके, फ्रॉम कैंप टू कम्युनिटी, 12–13.
69. महासचिव, विशेष उपाय 2003, 2.
70. ओटो, "समझ बनाना"; सिमिक, यौन आचरण का विनियमन।
71. न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र आचरण एवं अनुशासन इकाई के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ साक्षात्कार।
4 नवंबर, 2016।
72. "हैती में बाल शोषण को लेकर डर।"
73. हिगेट, "शांति रक्षक, पुरुषत्व," 106.
74. स्पेंसर, "शांति बनाना," 171.
75. बारबरा लिमानोव्स्का, दक्षिणपूर्वी यूरोप में मानव तस्करी (सारा-(स्रोत: यूनिसेफ, 2002), 65, https://www.osce.org/odihr/18540; सारा ई. मेंडेलसन, बैरक और वेश्यालय (वाशिंगटन डीसी: सीएसआईएस, 2005), 9, http://csis.org/fi les/media/csis/pubs/0502_barracksbrothels.pdf.
76. कैथलीन जेनिंग्स और वेस्ना निकोलिक-रिस्तानोविच, "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएँ और स्थानीय यौन उद्योग: संबंध और निहितार्थ," माइक्रोकॉन रिसर्च वर्किंग पेपर नंबर 17, 2009, 10–11, http://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm?abstract_id=1488842; ह्यूमन राइट्स वॉच, "होप्स बिट्रेड"; सिम, सेक्स इन

पीस ऑपरेशंस, 304; कैथरीन बोल्कोवाक और कैरी लिन, द व्हिसलब्लोअर: सेक्स ट्रैफिकिंग, मिलिट्री कॉन्ट्रैक्टर्स, और वन वुमन्स फाइट फॉर जस्टिस (न्यूयॉर्क: मैकमिलन, 2011)।

77. पीटर एंड्रियास, ब्लू हेलमेट्स और ब्लैक मार्केट्स: घेराबंदी में जीवित रहने का व्यवसाय
साराजेवो (इथाका: कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस, 2011), 47–48.
पृष्ठ 38-42 पर 174 टिप्पणियाँ

78. बोस्निया में संयुक्त राष्ट्र और यौन दास व्यापार: एक अलग मामला या एक बड़ी समस्या?
संयुक्त राष्ट्र प्रणाली? प्रतिनिधि सभा की अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति की अंतर्राष्ट्रीय संचालन और मानवाधिकार उपसमिति के समक्ष सुनवाई, 107वीं कांग्रेस 85 (2002) (बोस्निया में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार जांचकर्ता डेविड लैम्ब का बयान), http://commdocs.house.gov/committees/intlrel/hfa78948.000/hfa78948_0.HTM#65.
79. एमनेस्टी इंटरनेशनल, "'तो क्या इसका मतलब यह है कि हमारे पास अधिकार हैं?'
कोसोवो में जबरन वेश्यावृत्ति के लिए तस्करी की गई महिलाओं और लड़कियों के अधिकार," 5 मई, 2004, 7-8, https://www.amnesty.org/en/documents/eur70/010/2004/en/.
80. सत्य, हिंसा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था, 141. जेनिंग्स और निकोलिक-रिस्टानोविक भी देखें,
"संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएँ और स्थानीय यौन उद्योग," 9.
81. बोस्निया-हर्ज़ेगोविना में अंतरराष्ट्रीय मिशनों के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ साक्षात्कार, स्थानीय-
जानकारी रोकी गई, 2016.
82. फैनी रुडेन और मैट्स उटास, शांतिरक्षा कर्मियों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार-समकालीन अफ्रीका में स्थितियाँ (उप्साला: नॉर्डिक अफ्रीका संस्थान, नीति नोट्स,

2009), 2; एमनेस्टी इंटरनेशनल, "यह हमारे हाथों में है - महिलाओं के खिलाफ हिंसा बंद करो," 31 दिसंबर,
2004, 34, https://www.amnesty.ie/hands-stop-violence-women/.
83. कोयामा और मर्टिनेन, "अनपेक्षित परिणाम," 33.
84. इसके उदाहरण के लिए देखें: सारा मार्टिन, क्या लड़कों को लड़के ही रहना चाहिए? यौन शोषण का अंत-
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मिशनों में उत्पीड़न और दुर्व्यवहार (वाशिंगटन डीसी: रिफ्यूजीज़ इंटरनेशनल, 2005), 5-8; महासचिव, यौन शोषण से सुरक्षा के लिए विशेष उपाय
और यौन शोषण, A/70/729 (16 फरवरी, 2016), 729, https://undocs.org/A/70/729; संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 7642वीं बैठक (प्रतिलेख), S/PV.7642 (10 मार्च, 2016); कीथ जे. ऑलरेड, "शांति रक्षक और वेश्याएं: तैनाती बल तस्करी की गई महिलाओं की मांग को कैसे बढ़ावा देते हैं और इसे रोकने की नई उम्मीद," सशस्त्र बल और समाज 33, संख्या 1 (2006): 5–23। संयुक्त राष्ट्र आचरण और अनुशासन इकाई के एक वरिष्ठ कर्मचारी के साथ साक्षात्कार के दौरान प्रासंगिक कारकों के महत्व के बारे में इसी तरह के सुझाव दिए गए थे।
85. महासचिव, यौन शोषण से सुरक्षा के लिए विशेष उपाय और
दुर्व्यवहार: एक नया दृष्टिकोण, ए/71/818 (28 फरवरी, 2017), https://undocs.org/A/71/818.
86. नॉर्डास और रुस्ताद, "शांति रक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार," 526-30.
87. स्टीफन मोनक्रिफ, "सैन्य समाजीकरण, अनुशासनात्मक संस्कृति और यौन हिंसा"
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में," जर्नल ऑफ पीस रिसर्च 54, नं. 5 (2017): 715–30.
88. ऑलरेड, "शांति रक्षक और वेश्याएं," 8–10.
89. पॉल किर्बी, "बलात्कार युद्ध का हथियार कैसे है? नारीवादी अंतर्राष्ट्रीय संबंध।" युद्धकालीन यौन हिंसा के आलोचनात्मक स्पष्टीकरण और अध्ययन के तरीके,"

यूरोपीय जर्नल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस 19, नं. 4 (2012): 799.
90. रज़ाक, "पेटवावा की 'क्लीन स्नो' से," 138; हिगेट, "शांति रक्षक, मास-पाककला," 106.
91. हेलेना कैरेरास, "शांति स्थापना अभियानों में लैंगिक संस्कृति," अंतर्राष्ट्रीय पीसकीपिंग 17, नं. 4 (2010): 471–85; व्हिटवर्थ, मेन, मिलिटेरिज्म।
92. करीम और बियर्ड्सली, समान अवसर शांतिरक्षा, 93-108.
93. रॉबर्ट डब्ल्यू. कॉनेल और जेम्स डब्ल्यू. मेसरश्मिट, "वर्चस्ववादी मर्दानगी: पुनर्विचार-
इंग द कॉन्सेप्ट," जेंडर एंड सोसाइटी 19, नं. 6 (2005): 829–59.
94. पॉल किर्बी, "पुरुष बनने से इनकार? युद्ध बलात्कार के लिए पुरुषों की ज़िम्मेदारी और संभावना-
नारीवादी और लिंग सिद्धांत में सामाजिक संरचनाओं की समस्या," पुरुष और मर्दानगी 16, संख्या 1 (2013): 93-114।
95. मार्शा हेनरी, "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मिशनों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार: समस्या-
वर्तमान प्रतिक्रियाओं को अनुकूलित करना," जेंडर, एजेंसी और जबरदस्ती में, सुमी मधोक, ऐनी फिलिप्स और कल्पना विल्सन द्वारा संपादित (हाउंडमिल्स: पालग्रेव मैकमिलन, 2013), 127। एनलो, पैंतरेबाज़ी भी देखें।

पृष्ठ 42–48 पर टिप्पणियाँ 175

96. एनलो, पैंतरेबाज़ी, 101.
97. रज़ाक, "'पेटवावा की स्वच्छ बर्फ' से," 129; शेरेन रज़ाक, डार्क थ्रेट्स एंड व्हाइट नाइट्स (टोरंटो: यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो प्रेस, 2004)।
98. एम. हेनरी, "यौन शोषण और दुर्व्यवहार।"
99. संयुक्त राष्ट्र समाचार सेवा, "कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र के नागरिक कार्यकर्ता पर बाल यौन शोषण का आरोप," संयुक्त राष्ट्र समाचार सेवा, 1 नवंबर, 2004; मुना न्दुलो, "शांति स्थापना मिशनों के दौरान शांति रक्षकों द्वारा महिलाओं और लड़कियों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रियाएँ," बर्कले जर्नल ऑफ इंटरनेशनल लॉ 27, संख्या 1 (2009): 144.

100. महासचिव, संघर्ष से संबंधित यौन उत्पीड़न पर महासचिव की रिपोर्ट हिंसा, एस/2015/203 (23 मार्च, 2015), 1, http://www.securitycouncilreport.org/atf/cf/%7B65BFCF9B-6D27-4E9C-8CD3-CF6E4FF96FF9%7D/s_2015_203.pdf.

101. उदाहरण के लिए देखें मर्विन क्रिश्चियन एट अल., "यौन और लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में पुरुष: बचे हुए लोगों, उनके परिवारों और समुदाय पर प्रभाव-समुदाय," मेडिसिन, संघर्ष और उत्तरजीविता 27, संख्या 4 (1 अक्टूबर, 2011): 227–46, https://doi.org/10.1080/13623699.2011.645144; सारा चिनोवेथ, "हम इसे अपने दिल में रखते हैं": सेक्स-सीरिया संकट में पुरुषों और लड़कों के खिलाफ यौन हिंसा (जिनेवा: यूएनएचसीआर, 2017), https://data2.unhcr.org/en/documents/download/60864; विल स्टोर, "पुरुषों का बलात्कार: सबसे काला रहस्य" "युद्ध के बारे में," गार्जियन, 16 जुलाई, 2011, http://www.theguardian.com/society/2011/jul/17/the-rape-पुरुषों के बारे में; मेगन बैस्टिक, कैरिन ग्रिम और राहेल कुंज, सशस्त्र संघर्ष में यौन हिंसा: वैश्विक अवलोकन और सुरक्षा क्षेत्र के लिए निहितार्थ (जिनेवा: जिनेवा सेंटर फॉर द सशस्त्र बलों का लोकतांत्रिक नियंत्रण, 2007), https://www1.essex.ac.uk/armedcon/story_id/sexualviolence_confl ict_full%5B1%5D.pdf.

102. यह सुझाव मुझे कई उच्च-स्तरीय अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों द्वारा दिया गया था। संघर्ष में यौन हिंसा (सीआरएसएसवी) के जवाब में काम करने वाले नेल। यह कुछ नीतिगत शोधों में भी जोर पकड़ता दिख रहा है; उदाहरण के लिए, यह रिपोर्ट यौन

शोषण और दुर्व्यवहार को संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के एक प्रकार के रूप में देखती है (बैस्टिक, ग्रिम और कुंज, सशस्त्र संघर्ष में यौन हिंसा)।

103. तिमोर के पीड़ितों के वकील के साथ साक्षात्कार, दिली, 23 जुलाई, 2016।

104. बैस्टिक, ग्रिम और कुंज, सशस्त्र संघर्ष में यौन हिंसा, 10.

105. बैस्टिक, ग्रिम और कुंज, सशस्त्र संघर्ष में यौन हिंसा, 15.

106. संयुक्त राष्ट्र, "यौन शोषण और दुर्व्यवहार—डेटा," संयुक्त राष्ट्र क्षेत्र में आचरण
मिशन, 23 जनवरी, 2017, https://conduct.unmissions.org/sea-data-introduction.

107. ह्यूमैनिटेरियन विमेंस नेटवर्क, "सर्वे डेटा," 2016, www.humanitarianwom
ensnetwork.org; डायन मज़ुराना और फोबे डोनेली, मानवीय और विकास सहायता कर्मियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न को रोकें (सोमरविले: फीनस्टीन इंटरनेशनल सेंटर,
टफ्ट्स विश्वविद्यालय, 2017), http://fi c.tufts.edu/publication-item/stop-the-sexual-assault-against-
मानवीय और विकास सहायता कार्यकर्ता/; मेगन नोबर्ट, यौन हिंसा के साथ मानवीय अनुभव: दुर्व्यवहार डेटा संग्रह की रिपोर्ट के दो वर्षों का संकलन (जिनेवा:
दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करें, 2017), https://reliefweb.int/sites/reliefweb.int/fi les/resources/RTA%20Hu
यौन हिंसा के साथ पुरुषवादी अनुभवों का संकलन
of%20Two%20Years%20of%20Report%20the%20Abuse%20Data%20Collection.pdf; जूलियट बोर्के, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षित स्थान रिपोर्ट: हमारे कार्यस्थल में यौन उत्पीड़न पर सर्वेक्षण (सिडनी: डेलॉइट, 2019; संयुक्त राष्ट्र द्वारा कमीशन)।

108. इस पर डेटा के लिए, देखें मज़ुराना और डोनेली, स्टॉप द सेक्सुअल असॉल्ट, 12.

109. मेगन नोबर्ट, "सहायता कर्मी: मुझे नशीली दवा देकर दूसरे मानवीय कार्यकर्ता ने बलात्कार किया-

दक्षिण सूडान में इयान," गार्जियन, 29 जुलाई, 2015, http://
www.theguardian.com/global-devel
opment-professionals-network/2015/jul/29/aid-worker-rape-
humanitarian-south-sudan-sexual-
हिंसा।
110. मज़ुराना और डोनेली, यौन उत्पीड़न रोकें, 16, 34. 176 पृष्ठ 49-57 पर टिप्पणियाँ

111. इन कहानियों के उदाहरण के लिए, "सहकर्मी के साथ मुख मैथुन करने के लिए मजबूर: सहायता" देखें।
“कर्मचारी हमले पर खुलकर बोलते हैं | गुप्त सहायता कर्मी,” गार्जियन, 13 नवंबर, 2017, http://
www.theguardian.com/working-in-development/2017/
nov/13/forced-to-have-oral-sex-with-
एक सहकर्मी सहायता कर्मी हमले और उत्पीड़न पर खुलकर बोलते हैं; निकोला केली, "सहायता कर्मी और
"यौन हिंसा: पीड़ित खुलकर बोलते हैं," गार्जियन, 17 फरवरी, 2017, http://
www.theguard
ian.com/global-development-professionals-network/2017/
feb/17/aid-workers-and-sexual-
हिंसा पीड़ितों की अभिव्यक्ति; अन्ना लीच और सैंड्रा लाविल, “सहकर्मी द्वारा बलात्कार किया गया”
“बर्खास्त: वह सहायता कर्मी जिसने चुप रहने से इनकार कर दिया,” गार्जियन, 19 अक्टूबर, 2015, http://
www.theguardian.com/world/2015/oct/19/raped-by-a-
colleague-then-fi red-the-aid-worker-
जिन्होंने चुप रहने से इनकार कर दिया; नोबर्ट, "मानवीय अनुभव।"
112. केली, “सहायता कार्यकर्ता और यौन हिंसा”; नोबर्ट, “मानवीय अनुभव”; ह्यूमैनिटेरियन विमेंस नेटवर्क, "सर्वे डेटा।"

113. मानवीय महिला नेटवर्क, "सर्वेक्षण डेटा।"
114. मानवीय महिला नेटवर्क, "सर्वेक्षण डेटा।"
115. मानवीय महिला नेटवर्क, "सर्वेक्षण डेटा।"
116. नोबर्ट, “मानवीय अनुभव,” 5–7.
117. बोर्के, सेफ स्पेस.
118. मानवीय महिला नेटवर्क, “सर्वेक्षण डेटा”; बोर्के, सेफ स्पेस, 28.
119. मानवीय महिला नेटवर्क, "सर्वेक्षण डेटा।"
120. मज़ुराना और डोनेली, यौन उत्पीड़न रोकें, 44.
121. मेगन नोबर्ट, रोकथाम, नीति और प्रक्रिया चेकलिस्ट: यौन उत्पीड़न का जवाब देना-
मानवीय और विकासात्मक परिवेशों में यौन हिंसा (जिनेवा: रिपोर्ट द एब्यूज, 2016), 13–19, https://www.eisf.eu/library/prevention-policy-and-procedure-checklist-responding-to-
मानवीय और विकासात्मक परिवेश में यौन हिंसा।
122. मानवीय महिला नेटवर्क, "सर्वेक्षण डेटा।"
123. मज़ुराना और डोनेली, यौन उत्पीड़न रोकें, 21–23.
124. "सहकर्मी के साथ मुख मैथुन करने के लिए मजबूर किया गया।"
125. मज़ुराना और डोनेली, यौन उत्पीड़न रोकें, 30–38.

2. बोस्निया और तिमोर-लेस्ते में यौन शोषण और दुर्व्यवहार
1. महासचिव, महासचिव का बुलेटिन: संयुक्त राष्ट्र बलों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन, एसटी/एसजीबी/1999/13 (6 अगस्त, 1999)।
2. पूर्व यूगोस्लाविया में संयुक्त राष्ट्र की उपस्थिति पर साहित्य और रिपोर्टिंग में इन्हें विभिन्न रूप से "संरक्षित क्षेत्र," "सुरक्षित क्षेत्र," और "सुरक्षित क्षेत्र" के रूप में संदर्भित किया जाता है।
3. “UNPROFOR,” सार्वजनिक सूचना विभाग, संयुक्त राष्ट्र, अंतिम अद्यतन 31 अगस्त, 1996, https://peacekeeping.un.org/mission/past/unprof_p.htm.
4. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1031, एस/

आरईएस/1031 (1995) (15 दिसंबर, 1995)।
5. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1088, एस/आरईएस/1088 (1996) (21 दिसंबर, 1996)।
6. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1035, एस/आरईएस/1035 (1995) (21 दिसंबर, 1995), 10.
7. पीटर एंड्रियास, ब्लू हेलमेट्स और ब्लैक मार्केट्स: साराजेवो की घेराबंदी में जीवित रहने का व्यवसाय (इथाका, न्यूयॉर्क: कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस, 2011), 47-48, 128-35। कैथलीन जेनिंग्स और वेस्ना निकोलिक-रिस्तानोविच द्वारा लिखित "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएं और स्थानीय यौन उद्योग: संबंध और निहितार्थ," माइक्रोकॉन रिसर्च वर्किंग पेपर नंबर 17 भी देखें।
2009, http://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm?abstract_id=1488842.

पृष्ठ 58–62 पर टिप्पणियाँ 177

8. सालिहा जुडेरिजा (सहायक मंत्री, मानवाधिकार और शरणार्थी मंत्रालय, बोस्निया और हर्जेगोविना), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 14 सितंबर।
9. जुडेरिजा, लेखक के साथ साक्षात्कार; एंड्रियास, ब्लू हेलमेट्स और ब्लैक मार्केट्स, 47-48; नेला पोरोबिक (डब्ल्यूआईएलपीएफ), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 7 सितंबर, 2016; बोस्नियाई शोधकर्ताओं और महिला अधिकार कार्यकर्ताओं के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 8 सितंबर, 2016।
10. अमरा पांडज़ो (बोस्नियाई शांति निर्माता), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, सितंबर-
7 फरवरी, 2016।
11. बोस्नियाई शोधकर्ताओं और महिला अधिकार कार्यकर्ताओं के साथ साक्षात्कार।
12. एंड्रियास, ब्लू हेलमेट्स और ब्लैक मार्केट्स, 46–58.
13. सेविमा साली टेर्ज़िक (ग्लोबल राइट्स-पार्टनर्स फॉर जस्टिस की पूर्व निदेशक, वर्तमान)
संवैधानिक न्यायालय के वरिष्ठ सलाहकार), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 6 सितंबर, 2016; पांडज़ो, लेखक के साथ साक्षात्कार।

14. पांडज़ो, लेखक के साथ साक्षात्कार; हसन नुहानोविक (संयुक्त राष्ट्र के लिए बोस्नियाई अनुवादक)
स्ब्रेबेनिका), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 8 सितंबर, 2016; अंतर-सरकारी संगठन के लिए बोस्नियाई लिंग सलाहकार के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 7 सितंबर, 2016।
15. पांडज़ो, लेखक के साथ साक्षात्कार।
16. एंड्रियास, ब्लू हेलमेट्स और ब्लैक मार्केट्स, 128.
17. कैथरीन बोल्कोवाक और कैरी लिन, द व्हिसलब्लोअर: सेक्स ट्रैफिकिंग, मिलिट्री कॉन-
ट्रैक्टर, और न्याय के लिए एक महिला का संघर्ष (न्यूयॉर्क: मैकमिलन, 2011); ओलिवेरा सिमिक, संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में यौन आचरण का विनियमन (न्यूयॉर्क: स्प्रिंगर, 2012); ह्यूमन राइट्स वॉच, "आशाओं का धोखा: जबरन वेश्यावृत्ति के लिए संघर्षोत्तर बोस्निया और हर्ज़ेगोविना में महिलाओं और लड़कियों की तस्करी" ह्यूमन राइट्स वॉच 14, संख्या 9 (डी) (नवंबर,
2002), http://www.hrw.org/legacy/reports/2002/bosnia/; Djuderija, लेखक के साथ साक्षात्कार; बोस्नियाई एनजीओ अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 14 सितंबर, 2016।
18. बोस्नियाई गैर सरकारी संगठन के अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ, जुडेरिजा के साथ साक्षात्कार।
लेखक के साथ; एंड्रियास, ब्लू हेलमेट्स और ब्लैक मार्केट्स, 132.
19. ह्यूमन राइट्स वॉच, “होप्स बिट्रेड,” 62.
20. बोस्निया में मानव तस्करी पर स्वतंत्र विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 14 सितंबर।
2016.
21. गैब्रिएल सिम, सेक्स इन पीस ऑपरेशंस (कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015), 3; ह्यूमन राइट्स वॉच, “होप्स बिट्रेड,” 65–66.
22. ह्यूमन राइट्स वॉच, “होप्स बिट्रेड,” 19, 52–54, 62–66.
23. ह्यूमन राइट्स वॉच, “होप्स बिट्रेड,” 51.
24. सिमिक, यौन आचरण का विनियमन।

25. अदिशा फिशिच बारुकसिया (ट्रायल इंटरनेशनल), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो,
6 सितंबर, 2016; साराजेवो में अंतर-सरकारी संगठन के बोस्नियाई कानूनी सलाहकार के साथ साक्षात्कार, 7 सितंबर, 2016।
26. पीड़ितों को कानूनी सहायता प्रदान करने वाले अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन में कार्यरत बोस्नियाई कर्मचारी के साथ साक्षात्कार।
युद्धकालीन यौन हिंसा के मामले, साराजेवो, 6 सितंबर, 2016।
27. नेला पोरोबिक (डब्ल्यूआईएलपीएफ), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 7 सितंबर, 2016।
28. टेर्ज़िक, लेखक के साथ साक्षात्कार; अंतरसरकारी मामलों के बोस्नियाई लिंग सलाहकार के साथ साक्षात्कार-
सरकारी संगठन; बोस्निया में मानव तस्करी पर स्वतंत्र विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 14 सितंबर, 2016।
29. बोस्नियाई एनजीओ अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार।
30. बोस्नियाई शोधकर्ताओं और महिला अधिकार कार्यकर्ताओं के साथ साक्षात्कार।
31. ह्यूमन राइट्स वॉच, "आशाओं का विश्वासघात।"
32. ह्यूमन राइट्स वॉच, “होप्स बिट्रेड,” 51; एलिजाबेथ प्रुगल और हेले थॉम्प-पुत्र, “व्हिसलब्लोअर: कैथरीन बोल्कोवाक और मैडलीन रीस के साथ एक साक्षात्कार,” पृष्ठ 63-65 पर टिप्पणियाँ, 178

इंटरनेशनल फेमिनिस्ट जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स 15, नं. 1 (2013): 103–4; एंड्रियास, ब्लू हेलमेट्स एंड ब्लैक मार्केट्स, 128–32.
33. यह तिमोर-लेस्ते में मेरे द्वारा किए गए व्यापक साक्षात्कारों पर आधारित एक चिंतन है, लेकिन
अन्य शोधकर्ताओं ने भी इसी तरह के निष्कर्ष निकाले हैं; उदाहरण के लिए देखें सोफी ओस्पिना, संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों की लिंग-संबंधी गतिविधियों की समीक्षा और मूल्यांकन और तिमोर-लेस्ते में लिंग संबंधों पर उनका प्रभाव (न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग, 2006), 42-44।

34. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1264, एस/आरईएस/1264 (1999)
(15 सितंबर, 1999), http://unscr.com/en/resolutions/1264.
35. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1272, एस/आरईएस/1272 (1999)
(22 अक्टूबर, 1999)।
36. संयुक्त राष्ट्र सार्वजनिक सूचना विभाग, "यूएनटीएटी," मई 2002, https://peacekeeping.
un.org/mission/past/etimor/UntaetB.htm.
37. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1704, एस/आरईएस/1704 (2006)
(25 अगस्त, 2006)।
38. शुकुको कोयामा और हेनरी मर्टिनेन, "शांति ओपेरा के अनपेक्षित परिणाम- "तिमोर लेस्ते में लैंगिक परिप्रेक्ष्य से," शांति स्थापना अभियानों के अनपेक्षित परिणाम, संपादक: आओई चियुकी, सेड्रिक डी कॉनिंग और रमेश ठाकुर (न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय प्रेस, 2007), 36-37।
39. ईटी-डब्ल्यूएवी के पूर्व कर्मचारी, दिली के साथ साक्षात्कार, 28 जुलाई, 2016। ईटी-डब्ल्यूएवी एक स्थानीय कंपनी थी।
यह एनजीओ उन महिलाओं की सहायता करता है जो यौन हिंसा और यौन शोषण तथा दुर्व्यवहार का शिकार हुई हैं, जिसमें अस्पताल में चिकित्सा साक्ष्य एकत्र करना सुनिश्चित करना भी शामिल है। इस मामले की सूचना सीधे मेरे प्रतिवादी को दी गई थी। सोफी ओस्पिना, "एक समीक्षा और मूल्यांकन।"
44; मार्क डोड, "तिमोर में खुदाई करने वालों के बीच 'यौन' संघर्ष," द ऑस्ट्रेलियन, 21 मार्च, 2005, http://
www.etan.org/et2005/march/20/21digers.htm; मार्क डोड, "तिमोर का दबा हुआ बलात्कार," वीक-एंड ऑस्ट्रेलियन, 26 मार्च, 2005; असेनियो बानो (तिमोर के राजनेता), लेखक के साथ साक्षात्कार, ओकुसे, 25 जुलाई, 2016। असेनियो बानो ओकुसे में शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार की जांच में शामिल थे, और उन्होंने उन मामलों के बारे में संयुक्त राष्ट्र मिशन को सौंपी गई रिपोर्ट

तैयार की थी, जिसे सार्वजनिक रूप से जारी नहीं किया गया था। वे तिमोर-लेस्ते में पूर्व सामाजिक कल्याण मंत्री भी रह चुके हैं।
40. लिंडसे मर्डोक, “पूर्वी तिमोर में कर्मचारियों द्वारा यौन शोषण को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र की कार्रवाई,” एज,
30 अगस्त, 2006, http://www.theage.com.au/news/world/un-acts-to-stamp-out-sex-abuse-by-staff-in-east-timor/2006/08/29/1156816899264.html.
41. कोयामा और मर्टिनेन, “अनपेक्षित परिणाम,” 36–37.
42. कैथलीन कैरन, पूर्वी तिमोर में तस्करी—नवीनतम यौन उद्योग पर एक नज़र नेशन (दिली: द अलोला फाउंडेशन, 2004), http://www.alolafoundation.org/images/programs/publications/ALOLA_TRAFFICKING_REPORT.pdf; कोयामा और मर्टिनेन, “अनपेक्षित परिणाम,” 33–36; लिंडसे मर्डोक, “संयुक्त राष्ट्र तिमोर वेश्यालयों के उपयोग पर आंखें मूंद लेता है,”
एज, 7 मई, 2007, http://www.theage.com.au/news/world/un-turns-blind-eye-to-use-of-timor-brothels/2007/05/06/1178390140808.html.
43. लिंडसे मर्डोक, “तिमोर में आपराधिक गिरोह,” सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड, फरवरी- और 28, 2008, http://www.smh.com.au/news/world/criminal-syndicate-in-timor/2008/02/27/1203788443860.html.
44. कैरन, पूर्वी तिमोर में तस्करी, 18-29.
45. लिंडसे मर्डोक, "शांतिरक्षकों की गलतफहमियों को नजरअंदाज करने के लिए संयुक्त राष्ट्र आलोचनाओं के घेरे में"
“डक्ट,” सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड, 7 मई, 2007, http://www.smh.com.au/news/world/un-under-
fi re-for-turning-a-blind-eye-to-peacekeepers-misconduct/2007/05/06/1178390145310.html; कोयामा और मर्टिनेन, “अनपेक्षित परिणाम,” 34.

46. डोड, "तिमोर में खुदाई करने वालों का 'यौन' संघर्ष।"
47. संयुक्त राष्ट्र के पूर्व तिमोर कर्मचारी और वर्तमान वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के साथ साक्षात्कार
आधिकारिक, दिली, 28 जुलाई, 2016; अंगकिस ले लियोनोर (समन्वयक, स्कारलेट तिमोर), के साथ साक्षात्कार

पृष्ठ 66–69 पर टिप्पणियाँ 179

लेखक, दिली, 22 जुलाई, 2016; एक अन्य साक्षात्कारकर्ता ने भी बताया कि जो महिलाएं पैसों के लिए यौन संबंध बनाती थीं, उन्हें अक्सर तयशुदा शुल्क नहीं मिलता था, कुछ मामलों में तो उन्हें मात्र पच्चीस सेंट ही मिलते थे। संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने वाले तिमोर के एक कर्मचारी का साक्षात्कार, ओकुसे, 26 जुलाई, 2016।

48. जॉन मैकफार्लेन और विलियम माले, "संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में नागरिक पुलिस-
ations: Some Lessons from Recent Australian Experience," in United Nations Peacekeeping Operations: Ad Hoc Missions, Permanent Engagement , ed. Ramesh Thakur and Albrecht Schnabel (Tokyo: United Nations University Press, 2001), 198.

49. माद्रे गुइलेर्मिना (तिमोर की धार्मिक और नागरिक समाज नेता), के साथ साक्षात्कार
लेखक, दिली, 23 जुलाई, 2016; मैनुएला लियोन्ग परेरा (कार्यकारी निदेशक, एसीबीआईटी, पूर्व निदेशक, फोकुपर्स), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 20 जुलाई, 2016; नेल्सन बेलो (कार्यकारी निदेशक, फंडासाउन माहेन), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 22 जुलाई, 2016; टेरेसा वर्डियाल (पूर्व निदेशक, अलोला फाउंडेशन), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 18 जुलाई, 2016।

50. कैरन, पूर्वी तिमोर में तस्करी, 39; परेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार; सुसान केन-
डॉल (प्रैडेट, पूर्वी तिमोर), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 21 जुलाई, 2016।

51. मारिया डोमिंगस फर्नांडिस अल्वेस एट अल., यौन और लिंग पर बेसलाइन

अध्ययन-

बोबोनारो और कोवलिमा में हिंसा (दिली: एशिया प्रशांत सहायता समूह तिमोर-लेस्ते, 2009), 54-58; वर्डियाल, लेखक के साथ साक्षात्कार। यह उल्लेखनीय है कि इसी तरह की प्रथाएं अन्य शांति स्थापना संदर्भों में भी देखी गई हैं, जैसे कि दक्षिण अफ्रीकी गणराज्य (डीआरसी), जहां समुदायों के लिए बाहरी लोगों को लड़कियां सौंपना आम बात है जो समुदाय की मदद करने आते हैं (पीड़ित आबादी के प्रति जवाबदेही और यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम में यूएनएचसीआर विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार, जिनेवा, 23 सितंबर, 2016)।

52. कोयामा और मर्टिनेन, "अनपेक्षित परिणाम," 37. "यौन दुराचार होना जांच के दायरे में: यूएनएमआईटी के ग्योरगी काकुक, "पूर्वी तिमोर कानून और न्याय बुलेटिन, 12 अक्टूबर,
2010, http://
www.easttimorlawandjusticebulletin.com/2010/10/sexual-misconduct-being-inves
tigated.html.

53. लियोनोर, लेखक के साथ साक्षात्कार।

54. एफ. रीस (तिमोर के नागरिक समाज नेता), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 21 जुलाई।
2016.

55. पेरेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार; मारिलिया एल्व्स (कार्यकारी निदेशक, फोकुपर्स),
लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 20 जुलाई, 2016; संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने वाले तिमोर के कर्मचारी के साथ साक्षात्कार।

56. तिमोर के संयुक्त राष्ट्र अधिकारी के साथ साक्षात्कार, दिली, 19 जुलाई, 2016; पूर्व ईटी के साथ साक्षात्कार-
डब्ल्यूएवी स्टाफ सदस्य; पेरेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार; एल्व्स, लेखक के साथ साक्षात्कार; संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार इकाई और अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय स्टाफ सदस्य के साथ साक्षात्कार, दिली, 19 जुलाई, 2016।

57. तिमोर के संयुक्त राष्ट्र अधिकारी के साथ साक्षात्कार।
58. कोयामा और मर्टिनेन, "अनपेक्षित परिणाम," 38.
59. ऐनी बार्कर, "संयुक्त राष्ट्र ने पूर्वी तिमोर में यौन शोषण को रोकने के लिए कदम उठाए। एबीसी रेडियो पीएम।"
एबीसी रेडियो, 30 अगस्त, 2006, http://www.abc.net.au/pm/content/2006/s1728448.htm; मर्डोक, "संयुक्त राष्ट्र यौन शोषण को खत्म करने के लिए कदम उठाता है"; लिंडसे मर्डोक, "संयुक्त राष्ट्र की शर्मनाक विरासत" तिमोर," एज, 22 जुलाई, 2006, http://www.theage.com.au/news/world/uns-legacy-of-shame-in-timor/2006/07/21/1153166587803.html; ओस्पिना, एक समीक्षा और मूल्यांकन, 42–44.
60. तिमोर के संयुक्त राष्ट्र अधिकारी के साथ साक्षात्कार।
61. पेरेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार; लियोनोर, लेखक के साथ साक्षात्कार।
62. पेरेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार।
63. परेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार; एना पाउला सिकेरा (पूर्व यूएन पीकेओ तिमोरिस कर्मचारी)
सदस्य), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 20 जुलाई, 2016; केंडल, लेखक के साथ साक्षात्कार।
64 . एबेल डॉस सैंटोस (कार्यक्रम समन्वयक, फंडासौन माहेन), के साथ साक्षात्कार author, Dili, July 22, 2016.
पृष्ठ 69-76 पर 180 टिप्पणियाँ

65. सेक्वेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार; बानो, लेखक के साथ साक्षात्कार; रीस, साक्षात्कार
लेखक के साथ; गुइलेर्मिना, लेखक के साथ साक्षात्कार; संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार इकाई और अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी के साथ साक्षात्कार।
66. संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने वाले तिमोर के कर्मचारी के साथ साक्षात्कार; साक्षात्कार

तिमोर-लेस्ते के गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधि, दिली, 27 जुलाई, 2016; द एशिया फाउंडेशन, तिमोर-लेस्ते में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को समझना: नाबिलन बेसलाइन अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष—मुख्य रिपोर्ट (दिली: द एशिया फाउंडेशन, 2016), https://asiafoundation.org/wp-content/uploads/2016/05/UnderstandingVAWTL_main.pdf.

3. स्थिति को और भी बदतर बनाना

1. थेल्मा अवोरी, कैथरीन लुट्ज़ और पाबन थापा, अंतिम रिपोर्ट: मिनुस्ताह, यूएनमिल, मोनस्को और अन्य संगठनों में समुद्र-समुद्री आपदा निवारण प्रयासों के जोखिमों का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ मिशन।
UNMISS (3 नवंबर, 2013), अप्रकाशित संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट, 2, https://static1.squarespace.com/static/514a0127e4b04d7440e8045d/t/55afcfa1e4b07b89d11d35ae/1437585313823/2013+Expert+Team+Report+FINAL.pdf.

2. मैरी डेसचैम्प्स, हसन बी. जालो, और यास्मीन सूका, शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर कार्रवाई करना: मध्य अफ्रीकी गणराज्य में अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षक बलों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर एक स्वतंत्र समीक्षा की रिपोर्ट, संयुक्त राष्ट्र बाहरी स्वतंत्र पैनल, 2015, 5.

3. संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग, “हम क्या करते हैं,” से प्राप्त किया गया 5 अप्रैल, 2018, https://peacekeeping.un.org/en/what-we-do.

4. संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र का चार्टर, 24 अक्टूबर, 1945, http://www.refworld.org/docid/3ae6b3930.html.

5. सारा वॉन बिलरबेक, किसकी शांति? स्थानीय स्वामित्व और संयुक्त राष्ट्र शांति-रक्षण (ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2016), 51.

6. उदाहरण के लिए देखें वॉन बिलरबेक, हूज़ पीस?; रोलैंड पेरिस, “पीसकीपिंग एंड द कंस्ट्रेंट्स ऑफ ग्लोबल कल्चर,” यूरोपियन जर्नल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन्स 9, नं. 3 (2003): 441–473; रोलैंड पेरिस, एट वॉर्स एंड: बिल्डिंग पीस आफ्टर

सिविल कॉन्फ्लिक्ट (कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2004); टिमोथी डी. सिस्क, "पीसबिल्डिंग एज़ डेमोक्रैटाइजेशन: फाइंडिंग्स एंड रिकमेंडेशन्स," इन फ्रॉम वॉर टू डेमोक्रेसी: डिलेमाज़ ऑफ पीसबिल्डिंग, एड. अन्ना के. जारस्टैड और टिमोथी डी. सिस्क (कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2008), 239–59।

7. संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर पैनल की रिपोर्ट (ब्राहिमी रिपोर्ट), ए/55/305, एस/2000/809 (21 अगस्त,
2000), https://undocs.org/A/55/305; महासचिव का खतरों, चुनौतियों और परिवर्तन पर उच्च स्तरीय पैनल, एक अधिक सुरक्षित दुनिया: हमारी साझा जिम्मेदारी (न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र, 2004); संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय स्वतंत्र पैनल, शांति के लिए हमारी शक्तियों को एकजुट करना: राजनीति, साझेदारी और लोग (हिप्पो रिपोर्ट) (न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र,
(2015), https://peaceoperationsreview.org/wp-content/uploads/2015/08/HIPPO_Report_1_June_2015.pdf.

8. उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव को देखें जिसने तिमोर-लेस्ते में पहले शांति-रक्षण अभियान को अधिकृत किया था, जिसमें "पूर्वी तिमोर में अंतरराष्ट्रीय मानवीय और मानवाधिकार कानूनों के व्यवस्थित, व्यापक और घोर उल्लंघन की रिपोर्टों पर चिंता व्यक्त की गई थी, और इस बात पर जोर दिया गया था कि ऐसे उल्लंघन करने वाले व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार हैं।" संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद
संकल्प 1264, S/RES/1264 (15 सितंबर, 1999), http://unscr.com/en/resolutions/1264.

9. दीना फ्रांसेस्का हेन्स, "बोस्निया के एरिज़ोना बाज़ार से सबक: नवउदारीकृत संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण प्रक्रिया में महिलाओं को नुकसान," यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेनसिल्वेनिया लॉ रिव्यू 158, संख्या 6 (2010): 1784–85।

10. हेन्स, "बोस्निया के एरिज़ोना बाज़ार से सबक।"

पृष्ठ 76–80 पर टिप्पणियाँ 181

11. नेल्सन बेलो (कार्यकारी निदेशक, फंडासाउन माहेन), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली,
22 जुलाई, 2016।
12. अंगकिस ले लियोनोर (समन्वयक, स्कारलेट तिमोर), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली,
22 जुलाई, 2016।
13. उदाहरण के लिए मार्शा हेनरी और पॉल हिगेट की पुस्तक 'इनसिक्योर स्पेसेस: पीसकीपिंग' देखें।
हैती, कोसोवो और लाइबेरिया में शक्ति और प्रदर्शन (लंदन: ज़ेड बुक्स, 2009), 146; प्रीति पटेल और पाओलो ट्रिपोडी, "शांति रक्षक, एचआईवी और सैन्य व्यवहार में मर्दानगी की भूमिका," अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 14, संख्या 5 (2007): 584-98; मारिया जानसन, "सुरक्षा का तर्क: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एचआईवी/एड्स के आख्यान," अंतर्राष्ट्रीय नारीवादी राजनीति पत्रिका 19, संख्या 1 (2017): 71-85।
14. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार इकाई में काम करने वाले अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारी के साथ साक्षात्कार।
अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन, दिली, 19 जुलाई, 2016; सुसान केंडल (पीआरएडीईटी पूर्वी तिमोर), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 21 जुलाई, 2016।
15. ह्यूमन राइट्स वॉच, “आशाओं का धोखा: महिलाओं और लड़कियों की डाक सेवाओं के लिए तस्करी”
"बोस्निया और हर्ज़ेगोविना में जबरन वेश्यावृत्ति के लिए संघर्ष," ह्यूमन राइट्स वॉच 14, अंक 9
(डी) (नवंबर 2002), http://www.hrw.org/legacy/reports/2002/bosnia/; अंतरसरकारी संगठन के बोस्नियाई लिंग सलाहकार के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 7 सितंबर, 2016; बोस्नियाई एनजीओ अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 14 सितंबर, 2016; बोस्निया में तस्करी पर स्वतंत्र विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 14 सितंबर, 2016।
16. बोस्नियाई एनजीओ अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार।
17. अंतरसरकारी संगठन की बोस्नियाई लिंग सलाहकार सालिहा के साथ

साक्षात्कार
ड्जुडेरिजा (सहायक मंत्री, मानवाधिकार और शरणार्थी मंत्रालय, बोस्निया और हर्ज़ेगोविना), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 14 सितंबर, 2016; बोस्निया में तस्करी पर स्वतंत्र विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार।

18. एफ. रीस (तिमोर के नागरिक समाज नेता), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 21 जुलाई, 2016;
माद्रे गुइलेर्मिना (तिमोर की धार्मिक और नागरिक समाज नेता), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 23 जुलाई, 2016।

19. लियोनोर, लेखक के साथ साक्षात्कार।

20. तिमोर की गैर सरकारी संस्था की प्रतिनिधि के साथ साक्षात्कार, दिली, 27 जुलाई, 2016; मैनुएला लियोंग
पेरेरा (कार्यकारी निदेशक, एसीबीआईटी, पूर्व निदेशक, एफओकेयूपीआरएस), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 20 जुलाई, 2016।

21. मेगन स्मिथ-हर्ले (मानवाधिकार और कानून के शासन की विशेषज्ञ जिन्होंने ओएससीई के साथ काम किया)
संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग और मानवाधिकार चैंबर द्वारा लेखक का साक्षात्कार, साराजेवो, 12 सितंबर, 2016।

22. अंतरसरकारी संगठन के बोस्नियाई लिंग सलाहकार के साथ साक्षात्कार।

23. रीस, लेखक के साथ साक्षात्कार; परेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार; गुइलेर्मिना, साक्षात्कार-
लेखक के साथ मुलाकात; टेरेसा वर्डियाल (अलोला फाउंडेशन की पूर्व निदेशक), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 18 जुलाई, 2016।

24. जेरेमी फैरल, "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा और कानून के शासन का भविष्य," प्रोसीड में-
वार्षिक बैठक (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ) 101 (2007): 160–61.

25. संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, ब्राहिमी प्रतिवेदन।

26. संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय स्वतंत्र पैनल, HIPPO रिपोर्ट,

xi.
27. संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय स्वतंत्र पैनल, HIPPO रिपोर्ट, 40.
28. एना पाउला सेक्वेरा (संयुक्त राष्ट्र पीकेओ की पूर्व तिमोर कर्मचारी), के साथ साक्षात्कार
लेखक, दिली, 20 जुलाई, 2016; केंडल, लेखक के साथ साक्षात्कार; एसेनियो बानो (तिमोर के राजनेता), लेखक के साथ साक्षात्कार, ओकुसे, 25 जुलाई, 2016; एक अज्ञात अंतर-सरकारी संगठन के मिशन प्रमुख के साथ साक्षात्कार, दिली, 27 जून, 2016।
29. सीएवीआर, चेगा! स्वागत, सत्य और सुलह आयोग की रिपोर्ट तिमोर-लेस्ते (दिली: सीएवीआर, 2005), http://www.cavr-timorleste.org/en/chegaReport.htm. 182 पृष्ठ 80–86 पर टिप्पणियाँ

30. सेक्वेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार।
31. तिमोर के संयुक्त राष्ट्र अधिकारी के साथ साक्षात्कार, दिली, 19 जुलाई, 2016।
32. संयुक्त राष्ट्र के पूर्व तिमोर कर्मचारी और वर्तमान वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के साथ साक्षात्कार
आधिकारिक, दिली, 28 जुलाई, 2016।
33. संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने वाले तिमोर के कर्मचारी के साथ साक्षात्कार, ओकुसे, 26 जुलाई।
2016.
34. एशिया फाउंडेशन, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को समझना तिमोर-लेस्ते: नाबिलन बेसलाइन अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष—मुख्य रिपोर्ट (दिली: द एशिया)
(एशिया फाउंडेशन, 2016), https://asiafoundation.org/wp-content/uploads/2016/05/Understanding
VAWTL_main.pdf.
35. एलिजाबेथ रेहन और एलेन जॉनसन सिरलीफ, महिलाएँ, युद्ध और शांति: द इंडिपेंडेंट

सशस्त्र संघर्ष के महिलाओं पर प्रभाव और शांति निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर विशेषज्ञों का आकलन (न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र महिला विकास कोष, 2002), 61-62।

36. शुकुको कोयामा और हेनरी मर्टिनेन, "शांति संचालन के अनपेक्षित परिणाम- "तिमोर लेस्ते में लैंगिक परिप्रेक्ष्य से परिवर्तन," शांति-रक्षण अभियानों के अनपेक्षित परिणाम, संपादक: आओई चियुकी, सेड्रिक डी कॉनिंग और रमेश ठाकुर (न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय प्रेस, 2007), 33; कैथलीन जेनिंग्स और वेस्ना निकोलिक-रिस्तानोविच, "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षण अर्थव्यवस्थाएं और स्थानीय यौन उद्योग: संबंध और निहितार्थ,"
माइक्रोकॉन रिसर्च वर्किंग पेपर नंबर 17, 2009, http://papers.ssrn.com/sol3/papers.
cfm?abstract_id=1488842.

37. जुडेरिजा, लेखक के साथ साक्षात्कार; मानव तस्करी पर स्वतंत्र विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार
बोस्निया में; बोस्नियाई गैर सरकारी संगठन के अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ सेविमा साली टेर्ज़िक (ग्लोबल राइट्स-पार्टनर्स फॉर जस्टिस की पूर्व निदेशक, संवैधानिक न्यायालय की वर्तमान वरिष्ठ सलाहकार) के साथ साक्षात्कार; लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 6 सितंबर, 2016; अंतर-सरकारी संगठन के बोस्नियाई कानूनी सलाहकार के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 7 सितंबर, 2016।

38. टेर्ज़िक, लेखक के साथ साक्षात्कार।

39. जेनिंग्स और निकोलिक-रिस्टानोविक, "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएं और स्थानीय सेक्स"
उद्योग," 11.

40. रीस, लेखक के साथ साक्षात्कार; संयुक्त राष्ट्र के पूर्व तिमोर कर्मचारी के साथ साक्षात्कार
और वर्तमान वरिष्ठ सरकारी अधिकारी।

41. केंडल, लेखक के साथ साक्षात्कार; बेलो, लेखक के साथ साक्षात्कार; पत्राचार जुलाई 2016 में तिमोर-लेस्ते में स्थित मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ के साथ।

42. केंडल, लेखक के साथ साक्षात्कार।

43. काई शुल्ज़ और रजनीश भंडारी, "प्रसिद्ध मानवतावादी पर बच्चे के साथ दुर्व्यवहार का आरोप"
नेपाल में बलात्कार, एक गाँव को स्तब्ध कर देने वाला," न्यूयॉर्क टाइम्स, 11 मई, 2018, https://www.nytimes.
com/2018/05/11/world/asia/nepal-peter-dalglish-aid-pedophilia.html.
44. एक अज्ञात अंतरसरकारी संगठन के मिशन प्रमुख के साथ साक्षात्कार।
45. सैम आर. बेल, माइकल ई. फ्लिन, और कार्ला मार्टिनेज मचाईन, “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा-
"यौन तस्करी की मांग और इसमें शामिल ताकतें," इंटरनेशनल स्टडीज क्वार्टरली 62, नं. 3
(2018): 643–55, https://doi.org/10.1093/isq/sqy017.
46. कैथलीन एम. जेनिंग्स, “घनिष्ठता के अनपेक्षित परिणाम: राजनीतिक अर्थव्यवस्थाएँ
शांतिरक्षा और सेक्स पर्यटन," अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 17, संख्या 2 (2010): 229-43।
47. लियोनोर, लेखक के साथ साक्षात्कार।
48. केंडल, लेखक के साथ साक्षात्कार।
49. ह्यूमन राइट्स वॉच, “होप्स बिट्रेड,” 26–34.
50. कैथरीन बोल्कोवाक और कैरी लिन, द व्हिसलब्लोअर: सेक्स ट्रैफिकिंग, मिलिट्री कॉन-
ट्रैक्टर, और एक महिला का न्याय के लिए संघर्ष (न्यूयॉर्क: मैकमिलन, 2011)।
51. बोस्नियाई एनजीओ अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार।
52. बेलो, लेखक के साथ साक्षात्कार।

पृष्ठ 87–94 पर टिप्पणियाँ 183

53. कोयामा और मर्टिनेन, “अनपेक्षित परिणाम,” 31.
54. लियोनोर, लेखक के साथ साक्षात्कार; कैथलीन कैरन, पूर्वी तिमोर में तस्करी—

नवगठित राष्ट्र के यौन उद्योग पर एक नज़र (दिली: अलोला फाउंडेशन, 2004), 29-30,
http://www.alolafoundation.org/images/programs/publications/ALOLA_TRAFFICKING_
रिपोर्ट.पीडीएफ.
55. बानो, लेखक के साथ साक्षात्कार।
56. वरिष्ठ टीसीसी सैन्य अधिकारी के साथ साक्षात्कार, 18 जुलाई, 2016। मैं ऐसा करने में असमर्थ रहा हूँ।
इस मामले की जानकारी की पुष्टि कर ली गई है, इसलिए इसमें उस राज्य का नाम शामिल नहीं किया गया है जिस पर यह कृत्य करने का आरोप है।
57. मेगन नोबर्ट (रिपोर्ट द एब्यूज की संस्थापक और निदेशक), लेखक के साथ साक्षात्कार,
जेनेवा, 19 सितंबर, 2016।
58. केट होल्ट और सारा ह्यूजेस, "अफ्रीका के हृदय में सेक्स और मृत्यु," इंडिपेंडेंट, 25 मई, 2004, http://www.independent.co.uk/news/world/africa/sex-and-death-in-the-heart-of-africa-564563.html.
59. संयुक्त राष्ट्र पुलिस अधिकारी के साथ साक्षात्कार, न्यूयॉर्क, 31 अक्टूबर, 2016।
60. टेर्ज़िक, लेखक के साथ साक्षात्कार।
61. प्रभावित आबादी के प्रति जवाबदेही और पूर्व-संबंधी मामलों में यूएनएचसीआर विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार।
यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम, जिनेवा, 23 सितंबर, 2016; नोबर्ट, लेखक के साथ साक्षात्कार।
62. बोल्कोवाक और लिन, द व्हिसलब्लोअर, 219-30; तिमोर के स्टाफ सदस्यों के साथ साक्षात्कार-
बेर ऑफ रेडे फेटो, दिल्ली, 20 जुलाई,
63. संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय स्वतंत्र पैनल, HIPPO रिपोर्ट, 23.

64. लियोनोर, लेखक के साथ साक्षात्कार; तिमोर के एक कर्मचारी के साथ साक्षात्कार
संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी संगठनों के साथ।

65. संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने वाली तिमोर की कर्मचारी मारिलिया एल्व्स के साथ साक्षात्कार।
(कार्यकारी निदेशक, फोकुपर्स), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 20 जुलाई, 2016; सेक्वेरा, लेखक के साथ साक्षात्कार।

66. सारा मार्टिन, क्या लड़कों को लड़के ही रहना चाहिए? संयुक्त राष्ट्र में यौन शोषण और दुर्व्यवहार का अंत
शांतिरक्षा मिशन (वाशिंगटन डीसी: रिफ्यूजीज़ इंटरनेशनल, 2005), 5.

67. बोस्नियाई एनजीओ अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार।

68. बोस्नियाई एनजीओ अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार; स्वतंत्र व्यक्ति के साथ साक्षात्कार-
बोस्निया में मानव तस्करी पर स्वतंत्र विशेषज्ञ।

69. बोस्नियाई शोधकर्ताओं और महिला अधिकार कार्यकर्ताओं के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, सितंबर-
8 फरवरी, 2016।

70. स्मिथ-हर्ले, लेखक के साथ साक्षात्कार।

71. हसन नुहानोविक (स्ब्रेबेनिका में संयुक्त राष्ट्र के लिए बोस्नियाई अनुवादक), के साथ साक्षात्कार
लेखक, साराजेवो, 8 सितंबर, 2016।

72. हेनरी और हिगेट, असुरक्षित स्थान, 149.

73. बेलो, लेखक के साथ साक्षात्कार; संयुक्त राष्ट्र के पूर्व तिमोर कर्मचारी के साथ साक्षात्कार
और वर्तमान वरिष्ठ सरकारी अधिकारी; ईटी-डब्ल्यूएवी के पूर्व कर्मचारी के साथ साक्षात्कार, दिली, 28 जुलाई, 2016।

74. सेवरिन ऑटोसेरे, पीसलैंड: संघर्ष समाधान और रोजमर्रा की राजनीति अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप (कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014), 194–215.

75. सारा बी. के. वॉन बिलरबेक, “स्थानीय स्वामित्व और संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण: विमर्श”
बनाम संचालन," ग्लोबल गवर्नेंस 21, संख्या 2 (2015): 37-38; संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा संचालन विभाग/क्षेत्रीय सहायता विभाग, एक नया साझेदारी एजेंडा, संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के लिए एक नए क्षितिज का निर्धारण (न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र, 2009),
https://www.un.org/ruleofl aw/fi les/newhorizon.pdf
76. रिचर्ड कैपलान, एक नई न्यास व्यवस्था? युद्धग्रस्त क्षेत्रों का अंतर्राष्ट्रीय प्रशासन क्षेत्र (लंदन: रूटलेज, 2014)।
पृष्ठ 95-107 पर 184 टिप्पणियाँ

77. एंड्रयू गोल्डस्मिथ और वैंड्रा हैरिस, “विश्वास, भरोसेमंदता और विश्वास निर्माण” अंतर्राष्ट्रीय पुलिसिंग मिशन में," ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ क्रिमिनोलॉजी 45, संख्या 2 (2012): 238.
78. ऑटेसेरे, पीसलैंड.
79. एक अज्ञात अंतरसरकारी संगठन के मिशन प्रमुख के साथ साक्षात्कार।
80. हेनरी और हिगेट, असुरक्षित स्थान, 148.
81. नुहानोविक, लेखक के साथ साक्षात्कार।
82. केट ग्रेडी, “संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार: एक खतरा
निष्पक्षता,” अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 17, संख्या 2 (2010): 219–20.
83. मार्क डोड, “तिमोर में खुदाई करने वालों के बीच ‘यौन’ संघर्ष,” ऑस्ट्रेलियन, 21 मार्च, 2005, http://
www.etan.org/et2005/march/20/21digers.htm.
84. वरिष्ठ टीसीसी सैन्य अधिकारी के साथ साक्षात्कार।
85. टुकड़ियों और इकाइयों के बीच समन्वय और सहयोग का महत्व
संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षा सिद्धांत में शांति अभियानों के भीतर बहुआयामी शांतिरक्षा पर बार-बार जोर दिया गया है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ब्रामिनी रिपोर्ट; संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय

स्वतंत्र पैनल की HIPPO रिपोर्ट; संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग की संयुक्त राष्ट्र बहुआयामी शांतिरक्षा अभियानों पर पुस्तिका (न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र, 2003) देखें।
86. एलिजाबेथ प्रुगल और हेले थॉम्पसन, "व्हिसलब्लोअर: एक साक्षात्कार" कैथरीन बोल्कोवाक और मैडलीन रीस, इंटरनेशनल फेमिनिस्ट जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स 15, नं. 1 (2013): 107–8.
87. अंतरसरकारी संगठन के बोस्नियाई कानूनी सलाहकार के साथ साक्षात्कार।
88. संयुक्त राष्ट्र पुलिस अधिकारी के साथ साक्षात्कार।
89. जेनी व्हलन, शांति अभियान कैसे काम करते हैं: शक्ति, वैधता और प्रभावशीलता
(ऑक्सफ़ोर्ड: ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2013), 200.
90. माइकल मर्सियाडेस, "शांति स्थापना और वैधता: कंबोडिया से सबक और सोमालिया," अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 12, संख्या 2 (2005): 206.

4. संकट में वैधता
1. नताशा टैसल और रॉस फ्लेट, "मानवीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं में प्रेरणा: एक आत्म-निर्धारण सिद्धांत परिप्रेक्ष्य," डेवलपमेंट इन प्रैक्टिस 21, नं. 7 (2011): 959–73.
2. कटरीना कोमेंस्का, "मानवीय अभिनेताओं की नैतिक प्रेरणा," मानवीय कार्रवाई और नैतिकता में, संपादक आयशा अहमद और जेम्स स्मिथ (लंदन: ज़ेड बुक्स, 2018), 65-66, 69.
3. आईएफआरसी, आपदा राहत में अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट आंदोलन और एनजीओ के लिए आचार संहिता (अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसायटी महासंघ और अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति जिनेवा, 1994)।
4. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार इकाई और अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी के साथ साक्षात्कार, दिली, 19 जुलाई, 2016।
5. संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ कर्मचारी के साथ साक्षात्कार, जिन्हें अनेक शांति अभियानों का अनुभव है, न्यूयॉर्क, 31 अक्टूबर, 2016।
6. संयुक्त राष्ट्र पुलिस अधिकारी के साथ साक्षात्कार, न्यूयॉर्क, 31 अक्टूबर,

2016।
7. जिनेवा में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन के लिए यौन शोषण और दुर्व्यवहार के पूर्व वरिष्ठ फोकल प्वाइंट के साथ साक्षात्कार, 19 सितंबर, 2016।
8. एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए पूर्व वरिष्ठ फोकल प्वाइंट के साथ साक्षात्कार; टेरेसा वर्डियाल (अलोला फाउंडेशन की पूर्व निदेशक), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 18 जुलाई, 2016; एबेल डॉस सैंटोस (फंडासाउन माहेन के कार्यक्रम समन्वयक), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 22 जुलाई, 2016; संयुक्त राष्ट्र एजेंसी में लिंग आधारित हिंसा समन्वयक के साथ साक्षात्कार, जिनेवा, 23 सितंबर, 2016; बोस्नियाई लिंग सलाहकार के साथ साक्षात्कार।

पृष्ठ 107–112 पर टिप्पणियाँ 185

अंतरसरकारी संगठन, साराजेवो, 7 सितंबर, 2016; बोस्नियाई गैर सरकारी संगठन के अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 14 सितंबर, 2016।
9. एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन के लिए यौन शोषण और दुर्व्यवहार के पूर्व वरिष्ठ फोकल प्वाइंट के साथ साक्षात्कार।
10. जिनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन में लिंग सलाहकार के साथ साक्षात्कार, 22 सितंबर।
2016; एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन के लिए दक्षिण पूर्व एशिया मामलों के पूर्व वरिष्ठ फोकल प्वाइंट के साथ साक्षात्कार।
11. सारा वॉन बिलरबेक, किसकी शांति? स्थानीय स्वामित्व और संयुक्त राष्ट्र शांति-कीपिंग (ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2016), 120.
12 . बिलरबेक, शांति किसकी? , 121.
13. संयुक्त राष्ट्र, "यौन शोषण के पीड़ितों की सहायता के लिए ट्रस्ट फंड और दुर्व्यवहार," यौन शोषण और दुर्व्यवहार की रोकथाम/संयुक्त राष्ट्र, 30 मई, 2018 को प्राप्त किया गया।
https://www.un.org/preventing-sexual-exploitation-and-abuse/content/trust-fund. जुलाई 2018 तक ट्रस्ट फंड में दान देने वाले

उन्नीस सदस्य देश (वर्णमाला क्रम में) इस प्रकार हैं: अल्बानिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, कनाडा, साइप्रस, फिनलैंड, भारत, इटली, जापान, लक्ज़मबर्ग, नाइजीरिया, नॉर्वे, पाकिस्तान, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, श्रीलंका, स्विट्जरलैंड और युगांडा।

14. संयुक्त राष्ट्र महिला अधिकारी के साथ साक्षात्कार, न्यूयॉर्क, 2 नवंबर, 2016; के साथ साक्षात्कार

महिलाओं, शांति और सुरक्षा के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाले गैर सरकारी संगठन के वरिष्ठ अधिकारी, न्यूयॉर्क, 3 नवंबर, 2016।

15. निवारण, शांतिरक्षा अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार: सुधार पीड़ितों की क्षतिपूर्ति, सहायता और सहयोग तक पहुंच (लंदन: रिड्रेस, 2017), 34-36, https://redress.org/wp-content/uploads/2017/08/REDRESS-peacekeeping-report-English.pdf.

16. जेनी व्हलन, शांति अभियान कैसे काम करते हैं: शक्ति, वैधता और प्रभावशीलता

(ऑक्सफ़ोर्ड: ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2013), 205; जेनी व्हलन, "शांति की स्थानीय वैधता-
रखवाले," जर्नल ऑफ इंटरवेंशन एंड स्टेटबिल्डिंग 11, नं. 3 (2017): 308, https://doi.org/10.
1080/17502977.2017.1353756; बिलरबेक, शांति किसकी? , 121-24.

17 . बिलरबेक, शांति किसकी? , 115.

18. व्यवहार में इन विवेचनात्मक रणनीतियों के उदाहरणों के लिए, यूनाइटेड में हुई चर्चाओं को देखें।
संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्वतंत्र रिपोर्ट
शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय पैनल, ए/70/95, एस/2015/446 (17 जून, 2015), http://
www.un.org/en/ga/search/view_doc.asp?
symbol=S/2015/446; संयुक्त राष्ट्र विभाग
शांतिरक्षा अभियान, "हम क्या करते हैं," 5 अप्रैल, 2018 को देखा गया, https://

peacekeeping.un.org/
en/what-we-do; संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग, “हमारी ओर से समाचार”
मिशन,” 13 जुलाई, 2018 को एक्सेस किया गया, https://
peacekeeping.un.org/en/news-our-missions.

19. संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र का चार्टर, 24 अक्टूबर, 1945, http://
www.ref
world.org/docid/3ae6b3930.html.

20. उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र के सत्तर वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में निर्मित लेख और लघु फिल्में देखें।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग में शांतिरक्षा, "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा-
“शांतिपालन: 70 वर्षों की सेवा और बलिदान,” 13 जुलाई, 2018 को देखा गया,
https://peacekeeping.un.org/en/
शांति स्थापना के 70 वर्ष की सेवा और बलिदान।

21. क्वैलन, “शांति रक्षकों की स्थानीय वैधता,” 308.

22. शॉन ओ'नील, "ऑक्सफैम के शीर्ष कर्मचारियों ने हैती पीड़ितों को यौन संबंध के लिए भुगतान किया," टाइम्स, 9 फरवरी।
2018. ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन, ऑक्सफैम इंटरनेशनल परिसंघ के उन्नीस राष्ट्रीय सदस्य संगठनों (या "संबद्ध संगठनों") में से एक है। प्रत्येक सदस्य संगठन साझेदार देशों में विशिष्ट कार्यक्रमों के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है, इन उद्देश्यों के लिए विशेष रूप से कर्मचारियों की नियुक्ति करता है, और इसकी अपनी प्रबंधन, वित्त और मानव संसाधन प्रक्रियाएं हैं। इस प्रकार, ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन अपने कर्मचारियों के विरुद्ध आरोपों के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है, और ये प्रक्रियाएं किसी भी अन्य सदस्य संगठन से स्वतंत्र हैं।

23. जेम्स लैंडेल, “हैती में यौन उत्पीड़न के आरोपों पर ऑक्सफैम के उप प्रमुख ने इस्तीफा दिया,” बीबीसी न्यूज, 12 फरवरी।
2018, https://www.bbc.com/news/uk-43027631; मे बुलमैन,
“सरकार ने धमकी दी है 186 पृष्ठ 112–114 पर टिप्पणियाँ

"यौन शोषण कांड के बाद चैरिटी संस्थाओं को दी जाने वाली सहायता राशि में कटौती," इंडिपेंडेंट, 10 फरवरी, 2018।
http://www.independent.co.uk/news/uk/home-news/oxfam-sexual-exploitation-charity-aid-funding-government-penny-mordaunt-international-development-a8204896.html.
24. कैरोलिन थॉमसन, “ऑक्सफैम जीबी के न्यासी अध्यक्ष द्वारा प्रेस विज्ञप्ति: ऑक्सफैम प्रतिबद्ध है”
हैती के बाद की स्थिति में सुधार पर रिपोर्ट, "ऑक्सफैम जीबी, 11 फरवरी, 2018, https://www.
oxfam.org.uk/media-centre/press-releases/2018/02/oxfam-commits-to-improvements-in-
हैती के बाद की रिपोर्टों के बारे में।
25. लैंडेल, "हैती में यौन उत्पीड़न के आरोपों पर ऑक्सफैम के डिप्टी ने इस्तीफा दिया।"
26. पेनी मोर्डाउंट, "अंतर्राष्ट्रीय विकास सचिव का वक्तव्य"
ऑक्सफैम” (अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग, ब्रिटेन सरकार, 16 फरवरी, 2018), https://www.gov.uk/government/news/statement-from-the-international-development-sec
retary-on-oxfam.
27. लौरा कुएन्सबर्ग, “ऑक्सफैम ने सरकारी अनुदान के लिए अपनी बोलियां वापस लेने पर सहमति जताई,” बीबीसी
समाचार, 16 फरवरी, 2018, https://www.bbc.com/news/uk-politics-43091489.
28. “ऑक्सफैम हैती घोटाला: हजारों लोगों ने दान रद्द किया,” बीबीसी न्यूज़, 20 फरवरी।
2018, https://www.bbc.com/news/uk-43121833.
29. “ऑक्सफैम सेक्स स्कैंडल: हैती ने चैरिटी के संचालन को निलंबित किया,” बीबीसी न्यूज़, 22 फरवरी।

2018, https://www.bbc.com/news/uk-43163620.
30. पीटर ब्यूमोंट, “ऑक्सफैम के जिस अधिकारी पर मेजबानी का आरोप है, उसका कहना है कि ‘झूठ और अतिशयोक्ति’”
“सेक्स पार्टियां,” गार्जियन, 15 फरवरी, 2018, http://
www.theguardian.com/global-develop
ment/2018/feb/15/oxfam-offi cial-accused-hosting-sex-
parties-haiti-lies-exaggerations.
31. विंस चैडविक, “एक्सक्लूसिव: सेक्स के बाद यूरोपीय संघ गैर सरकारी संगठनों के वित्तपोषण नियमों को सख्त करने के लिए तैयार है”
घोटाले,” डेवेक्स, 1 मार्च, 2018, https://www.devex.com/news/
sponsored/exclusive-eu-ready-
to-tighten-ngo-funding-rules-after-sex-scandals-92205.
32. बुलमैन, "सरकार ने सहायता निधि में कटौती करने की धमकी दी।"
33. माइकल इगो, "यूएसएआईडी प्रमुख ने ऑक्सफैम के सभी मौजूदा समझौतों की समीक्षा का आदेश दिया,"
डेवेक्स, 16 फरवरी, 2018, https://www.devex.com/news/
sponsored/usaid-chief-orders-review-
सभी वर्तमान ऑक्सफैम समझौतों में से 92150.
34. ईयान हिगिंस, “बिशप ने ऑक्सफैम को धन देना बंद किया,” ऑस्ट्रेलियन, 27 फरवरी, 2018, https://
www.theaustralian.com.au/national-affairs/foreign-affairs/
julie-bishop-stops-funds-to-oxfam/
समाचार-कहानी/71ec521a443f07b36a09d03a319fa42a.
35. विंस चैडविक, “स्वीडन ऑक्सफैम को वित्त पोषण फिर से शुरू करने वाला पहला दाता है,” डेवेक्स,
14 मार्च, 2018, https://www.devex.com/news/sponsored/
sweden-is-the-fi rst-donor-to-resume-
ऑक्सफैम-फंडिंग-92332; शहाब खान, “फंडिंग में गिरावट के बाद ऑक्सफैम 100 लोगों को नौकरी से निकालेगा”

“सहायता कर्मी यौन कांड,” इंडिपेंडेंट, 18 मई 2018, https://www.independent.co.uk/news/uk/home-news/oxfam-charity-lay-off-100-people-haiti-sex-scandal-funding-cut-a8357476.
एचटीएमएल.
36. “यौन कांड के बाद ऑक्सफैम जीबी पर हैती में प्रतिबंध लगा दिया गया,” बीबीसी न्यूज़, 13 जून, 2018।
https://www.bbc.com/news/uk-44474211.
37. हैमिश मैके, “हैती घोटाले का ऑक्सफैम पर क्या प्रभाव पड़ेगा?”, बीबीसी न्यूज़, फरवरी-
12 अप्रैल, 2018, https://www.bbc.com/news/uk-43030705; एलिस रॉस, "ऑक्सफैम घोटाले का डर"
सभी प्रमुख चैरिटी दान पर असर पड़ सकता है," फाइनेंशियल टाइम्स, 18 फरवरी, 2018, https://www.ft.com/content/d93f95bc-14a5-11e8-9376-4a6390addb44.
38. इसका एक उदाहरण देखने के लिए, एंड्रयू मैकलियोड का लेख "जब बाल यौन शोषण की बात आती है" देखें।
सहायता कार्य, ऑक्सफैम के खुलासे तो बस हिमबर्ग का एक छोटा सा हिस्सा हैं,” इंडिपेंडेंट, 10 फरवरी।
2018, http://www.independent.co.uk/voices/oxfam-aid-work-prostitutes-un-workers-child-sex-abuse-harassment-dfi d-a8204526.html; इन दावों और उपलब्ध साक्ष्यों की सत्यता के आकलन के लिए, अमांडा टाउब की पुस्तक "झूठ, घिनौने झूठ और एक बहुत ही भ्रामक आँकड़ा" देखें।
टिक,” न्यूयॉर्क टाइम्स, 1 मार्च, 2018, https://www.nytimes.com/2018/02/28/world/americas/un-sexual-assaults.html.

39. ऑक्सफैम इंटरनेशनल, “हमारा उद्देश्य और मान्यताएं,” ऑक्सफैम इंटरनेशनल, एक्सेस किया गया
24 मई, 2019, https://oxf.am/2FOuLlO.

40. सैंड्रा लाविल, "संयुक्त राष्ट्र सहायता कर्मी को बाल शोषण पर रिपोर्ट लीक करने के लिए निलंबित किया गया"
फ्रांसीसी सैनिक,” गार्जियन, 29 अप्रैल, 2015, http://www.theguardian.com/world/2015/apr/29/
संयुक्त राष्ट्र सहायता कार्यकर्ता को बाल शोषण की रिपोर्ट लीक करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया - फ्रांसीसी सैनिकों की कार।

41. सैंड्रा लाविल, "संयुक्त राष्ट्र के व्हिसलब्लोअर जिन्होंने शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण का पर्दाफाश किया है"
“दोषमुक्त”, गार्जियन, 18 जनवरी 2016, http://www.theguardian.com/world/2016/jan/18/
शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण का पर्दाफाश करने वाले व्हिसलब्लोअर को बरी कर दिया गया है।

42. मैरी डेसचैम्प्स, हसन बी. जालो और यास्मीन सूका, यौन उत्पीड़न पर कार्रवाई करना
शांतिरक्षकों द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार: मध्य अफ्रीकी गणराज्य में अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षक बलों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर एक स्वतंत्र समीक्षा की रिपोर्ट (संयुक्त राष्ट्र बाह्य स्वतंत्र पैनल, 2015), viii.

43. एड्स-मुक्त विश्व देखें, "मध्य अफ्रीकी गणराज्य में घटनाओं की समयरेखा," प्राप्त की गई
24 मई, 2019, https://www.codebluecampaign.com/spotlight-car/#timeline, और चाइल्ड राइट्स इंटरनेशनल नेटवर्क, “संयुक्त राष्ट्र द्वारा मध्य पूर्व में यौन शोषण के खुलासे से संबंधित घटनाओं की समयरेखा-मध्य अफ्रीकी गणराज्य,” 27 जुलाई, 2019 को एक्सेस किया गया, https://archive.crin.org/en/home/campaigns/
इन प्रतिक्रियाओं की समयरेखा के लिए transparency/uncover.html देखें।

44. एंजेलिक क्रिसाफिस और सैंड्रा लाविल, "हॉलैंड: फ्रांसीसी सैनिकों के दावों पर

कोई दया नहीं"

"मध्य कोरिया में शोषित बच्चे," गार्जियन, 30 अप्रैल, 2015, http://www.theguardian.com/world/2015/apr/30/hollande-no-mercy-over-allegations-of-child-abuse-in-car-by-french-soldiers.

45. किम विल्शर और सैंड्रा लाविल, "फ्रांस ने कथित यौन उत्पीड़न के मामले में आपराधिक जांच शुरू की"

"शांतिरक्षकों द्वारा दुर्व्यवहार," गार्जियन, 8 मई, 2015, http://www.theguardian.com/world/2015/मई/07/फ्रांस-आपराधिक-जांच-तथाक-तथाक-फ्रांसीसी-सैनिक-संयुक्त-मध्य-अफ्रीकी-गणतंत्र.

46. महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद परामर्श के दौरान दिए गए भाषण पर महासचिव की टिप्पणी

मध्य अफ्रीकी गणराज्य की स्थिति, 13 अगस्त 2015, http://www.un.org/sg/statements/index.asp?nid=8903.

47. महासचिव द्वारा आरोपों पर दिया गया वक्तव्य

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में यौन शोषण पर, 3 जून, 2015, https://www.un.org/sg/en/content/sg/statement/2015-06-03/statement-attributable-secretary-general-allegations-sexual-दुर्व्यवहार; सैंड्रा लाविल और बेन क्विन, "संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने दावों के निपटान की समीक्षा का आदेश दिया"

फ्रांसीसी सैनिकों द्वारा बाल शोषण," गार्जियन, 3 जून 2015, http://www.theguardian.com/world/2015/जून/03/संयुक्त राष्ट्र-बाल-दुर्व्यवहार-फ्रांसीसी-सैनिक.

48. लाविल और क्विन, "संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बाल शोषण के दावों से निपटने की समीक्षा का आदेश दिया"

फ्रांसीसी सैनिकों द्वारा।"

49. संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट शांति अभियानों पर स्वतंत्र उच्च स्तरीय पैनल, 74.

50. महासचिव, सुरक्षा परिषद परामर्श के संबंध में महासचिव की टिप्पणियाँ मध्य अफ्रीकी गणराज्य की स्थिति।

51. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, सुरक्षा परिषद संकल्प 2242, S/RES/2242 (2015)
(13 अक्टूबर, 2015)।

52. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष का वक्तव्य, एस/पीआरएसटी/2015/22 (2015) (25 नवंबर 2015), http://undocs.org/S/PRST/2015/22

53. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष का वक्तव्य, एस/पीआरएसटी/2015/26 (2015) (31 दिसंबर, 2015), http://undocs.org/S/PRST/2015/26.

54. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष का वक्तव्य, एस/पीआरएसटी/2005/21 (2015) (31 मई, 2005), https://www.un.org/press/en/2005/sc8400.doc.htm.

55. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 7642वीं बैठक (अनुवाद-
स्क्रिप्ट), एस/पीवी.7642 (10 मार्च, 2016)। निम्नलिखित उद्धरण भी इसी प्रतिलेख से लिए गए हैं।

56. सोमिनी सेनगुप्ता, “अमेरिकी सीनेटरों ने शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण के मामले में संयुक्त राष्ट्र को धमकी दी।”
न्यूयॉर्क टाइम्स, 21 दिसंबर 2017, https://www.nytimes.com/2016/04/14/world/africa/ 188 पृष्ठ 122–126 पर टिप्पणियाँ

us-senators-threaten-un-over-sex-abuse-by-peacekeepers.html; लुई चारबोन्यू, “संयुक्त राष्ट्र प्रमुख
“शांतिरक्षक यौन शोषण पर ‘अक्षम’: प्रमुख अमेरिकी सीनेटर,” रॉयटर्स, 14 अप्रैल,

2016, https://www.
reuters.com/article/us-un-peacekeepers-usa/u-n-chief-was-inept-on-peacekeeper-sex-abuse-key-u-s-senator-idUSKCN0XA2MK.
57. अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति, "कॉर्कर यौन उत्पीड़न से घृणा करता है-"
संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा यौन दुर्व्यवहार के मामले में, उन देशों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है जो ऐसा करने में विफल रहते हैं।
"दुराचार के लिए सैनिकों पर कार्रवाई," 13 अप्रैल, 2016, https://
www.foreign.senate.gov/press/chair/release/
कॉर्कर-अशांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण से घृणा करता है।
58. अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति, "कॉर्कर यौन उत्पीड़न से घृणा करता है"
संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा दुर्व्यवहार।"
59. ब्रेट डी शेफर, शांति रक्षक: दुर्व्यवहार के आरोप और जवाबदेही का अभाव-संयुक्त राष्ट्र में गवाही, अफ्रीका, वैश्विक स्वास्थ्य, वैश्विक मानवाधिकार और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों पर उपसमिति के समक्ष, विदेश मामलों की समिति के समक्ष। स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, 13 अप्रैल, 2016, 16, https://
docs.house.gov/meetings/FA/
FA16/20160413/104766/HHRG-114-FA16-Wstate-SchaeferB-20160413.pdf.
60. राष्ट्रपति से आग्रह करना कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि को निर्देश दें संयुक्त राष्ट्र और उसके सदस्य देशों को यौन शोषण और दुर्व्यवहार के आरोपों के लिए जवाबदेह ठहराने हेतु राष्ट्र संयुक्त राज्य अमेरिका की आवाज़ और वोट का उपयोग करेंगे।
नेशंस पीसकीपर्स, एच.कॉन.रेस.62, 115वीं कांग्रेस (2017), https://
www.congress.gov/bill/
115वीं-कांग्रेस/हाउस-समवर्ती-संकल्प/62/पाठ.
61 . जेर वैन डेर लिजन और स्टेफनी रोस, "शांतिरक्षक योगदानकर्ता प्रोफाइल: द

नेथ-
एरलैंड्स, "शांति स्थापना के लिए प्रावधान, जनवरी 2014, http://
www.providingforpeacekeeping.
org/2014/04/08/contributor-profi le-the-netherlands/; नील्स
वैन विलगेन, “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में डच वापसी?,” अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 23,
संख्या 5 (2016): 702–720.
62 . वैन डेर लिजन और रोस, "शांतिरक्षा योगदानकर्ता प्रोफ़ाइल।"
63. वैन विलगेन, “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में डच वापसी?,” 710.
64. वैन विलगेन, “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में डच वापसी?,” 714.
65. इवान सिंक-मार्स, “शांति स्थापना में योगदानकर्ता प्रोफ़ाइल: कनाडा,” शांति
प्रदान करना-
कीपिंग, अक्टूबर 2017, http://
www.providingforpeacekeeping.org/2014/04/03/contributor-
profi le-canada-2/; बिल रॉबिन्सन और पीटर इबॉट, कनाडाई सैन्य व्यय:
वर्तमान स्तर की तुलना ऐतिहासिक स्तरों से कैसे की जाती है? सहयोगी देशों के व्यय
से? संभावित खतरों से?
(वाटरलू, ओंटारियो: प्रोजेक्ट प्लॉशेयर्स, 2003), http://ploughshares.ca/
wp-content/uploads/
2012/08/WP3.1.pdf.
66. हॉवर्ड जी. कूम्ब्स, "सोमालिया के 25 साल बाद: इसने कनाडाई सशस्त्र बलों
को कैसे बदल दिया"
ऑपरेशन के लिए बलों की तैयारी,” कैनेडियन मिलिट्री जर्नल 17, नं. 4 (2017):
35–46; ऐनियस लासस, “स्ब्रेबेनिका की विरासत: यूरोपीय संघ-सर्बियाई संबंधों में
डच कारक,” पॉलिटिकल साइकोलॉजी 34, नं. 6 (2013): 899–915; जॉयस
वैन डे बिल्ड्ट, “स्ब्रेबेनिका: एक डच राष्ट्रीय आघात,” जर्नल ऑफ पीस, कॉन्फ्लिक्ट
एंड डेवलपमेंट, नं. 21 (2015): 115–45।
67. वार्षिक रूप से किए गए वादों का विवरण "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा" में संकलित
किया जाता है।
प्रतिज्ञाएँ,” शांतिरक्षा के लिए प्रावधान, http://

www.providingforpeacekeeping.org/capabilities-
शिखर सम्मेलन/संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा प्रतिज्ञा प्रतिवर्ती/.
68. मैनुएला लियोन्ग परेरा (कार्यकारी निदेशक, एसीबीआईटी, पूर्व निदेशक, एफओकेयूपीआरएस),
लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 20 जुलाई, 2016; मारिलिया एल्व्स (कार्यकारी निदेशक, फोकुपर्स), लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 20 जुलाई, 2016; अंतर-सरकारी संगठन के बोस्नियाई कानूनी सलाहकार के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 7 सितंबर, 2016।
69. जिनेवा में एक प्रमुख मानवीय संगठन के वरिष्ठ कर्मचारियों के साथ साक्षात्कार, सितंबर-
20 सितंबर, 2016।
70. अमरा पांडज़ो (बोस्नियाई शांति निर्माता), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, सितंबर-
7 फरवरी, 2016; हसन नुहानोविक (स्रेबेनिका में संयुक्त राष्ट्र के लिए बोस्नियाई अनुवादक), के साथ साक्षात्कार

पृष्ठ 126–132 पर टिप्पणियाँ 189

लेखक, साराजेवो, 8 सितंबर, 2016; सेविमा साली टेर्ज़िक (ग्लोबल राइट्स-पार्टनर्स फॉर जस्टिस की पूर्व निदेशक, संवैधानिक न्यायालय की वर्तमान वरिष्ठ सलाहकार), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 6 सितंबर, 2016।
71. संयुक्त राष्ट्र में वरिष्ठ राजनयिक के साथ साक्षात्कार, न्यूयॉर्क, 4 नवंबर, 2016।
72. क्रिस मैकग्रील, “बलात्कार करने वाले शांति सैनिकों की रक्षा करना बंद करो, बान की-मून ने संयुक्त राष्ट्र से कहा”
सदस्य राज्य,” गार्जियन, 17 सितंबर, 2015, http://
www.theguardian.com/world/2015/
sep/17/stop-protecting-peacekeepers-who-rape-ban-ki-moon-tells-un-member-states.
73. मध्य अफ्रीका में संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों पर सड़क पर रहने वाले बच्चों

का यौन शोषण करने का आरोप
रिपब्लिक," गार्जियन, 23 जून, 2015, http://www.theguardian.com/world/2015/jun/23/un-
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में शांति सैनिकों पर सड़क पर रहने वाले बच्चों के यौन शोषण का आरोप; "संयुक्त राष्ट्र को मध्य अफ्रीकी गणराज्य में मिनुस्का शांति सैनिकों द्वारा बलात्कार के नए आरोप मिले," गार्जियन, 19 अगस्त 2015। http://www.theguardian.com/world/2015/aug/19/un-receives-new-allegations-of-by-minusca-
शांति रक्षक कार में; महासचिव का वक्तव्य: माली हिंसा पर रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद, महासचिव ने गठित पुलिस द्वारा "अत्यधिक बल प्रयोग" की निंदा की यूनिट, एसजी/एसएम/16640-एएफआर/3102-पीकेओ/476 (2 अप्रैल 2015), https://www.un.org/press/en/2015/sgsm16640.doc.htm.

74. मैकग्रील, "बलात्कार करने वाले शांति रक्षकों की रक्षा करना बंद करो।"

75. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 7642वीं बैठक।

76. एंजेलिक क्रिसाफिस, "फ्रांसीसी मंत्री ने उन सैनिकों से अपील की जिन्होंने बच्चों का यौन शोषण किया-"
"बच्चे सच बताएंगे," गार्जियन, 3 मई 2015, http://www.theguardian.com/world/2015/
मई/03/फ्रांसीसी मंत्री जीन यवेस ले ड्रियन - शांति रक्षक बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं - सामने आएं।

77. संकल्प 2272 को लागू करने में आने वाली चुनौतियों के व्यापक विश्लेषण के लिए,
जेनी व्हलन द्वारा लिखित 'डीलिंग विद डिसग्रेस: इम्प्लीमेंटिंग रेज़ोल्यूशन 2272 ऑन द चैलेंजेस ऑफ सेक्सुअल एक्सप्लॉयटेशन एंड एब्यूज इन यूएन पीसकीपिंग' (इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट, 2017) देखें।

78. एड्स-मुक्त विश्व, "लीक हुई फाइलों से संयुक्त राष्ट्र द्वारा यौन शोषण के छिपे हुए दायरे का खुलासा," 13 सितंबर।
2017, http://www.codebluecampaign.com/press-

releases/2017/9/13.
79. मैकग्रील, "बलात्कार करने वाले शांति रक्षकों की रक्षा करना बंद करो।"
80 . जस्टिन ब्रैबेंट और लीला मिआनो, "द डीएनए ऑफ़ संगारिस," मीडियापार्ट, 1 मार्च,
2017, https://zeroimpunity.com/sangaris/?lang=en; बेनोइट मोरेन, “यौन संबंध में कोई शुल्क नहीं
फ्रांसीसी शांति सैनिकों से जुड़े दुर्व्यवहार का मामला,” न्यूयॉर्क टाइम्स, 22 दिसंबर, 2017, https://
www.nytimes.com/2017/01/06/world/africa/french-peacekeepers-un-sexual-abuse-case-cen
tral-african-republic.html; टोनी क्रॉस, “कार्लोट अफ्रीकन रिपब्लिक में यौन शोषण के आरोपों पर कोई आरोप नहीं”
फ्रांसीसी सैनिक,” आरएफआई, 1 अप्रैल, 2017, http://en.rfi.fr/africa/20170104-no-charges-over-car-sex-
फ्रांसीसी सैनिकों के खिलाफ दुर्व्यवहार के आरोप; ओवेन बोवकॉट, "संयुक्त राष्ट्र पर 'घोर विफलता' का आरोप"
फ्रांसीसी सैनिकों द्वारा कथित यौन शोषण पर,” गार्जियन, 17 दिसंबर, 2015, http://www.
theguardian.com/world/2015/dec/17/un-gross-failure-sexual-abuse-french-troops-central-
अफ़्रीकी गणराज्य; “बाल बलात्कार के आरोपी फ्रांसीसी सैनिकों के खिलाफ मामला खारिज,” राष्ट्रीय
16 जनवरी, 2016, https://www.thenational.ae/world/africa/case-against-french-troops-accused-
बाल बलात्कार का मामला खारिज कर दिया गया 1.695712; एड्स-मुक्त विश्व, "संयुक्त राष्ट्र का गंदा रहस्य: मध्य अफ्रीकी गणराज्य में बाल यौन शोषण की अनकही कहानी और एंडर्स कोम्पास," 29 मई,
2015, http://www.codebluecampaign.com/carstatement/.
81. कैथरीन बोल्कोवाक और कैरी लिन, द व्हिसलब्लोअर: सेक्स ट्रैफिकिंग, मिलिट्री

कॉन-
ट्रैक्टर, और एक महिला का न्याय के लिए संघर्ष (न्यूयॉर्क: मैकमिलन, 2011)।
82 . ब्रैबेंट और मिआनो, "संगारिस का डीएनए।"
83. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 7642वीं बैठक।
84. कीथ जे. ऑलरेड, “शांति रक्षक और वेश्याएं: तैनाती बल कैसे बढ़ावा देते हैं”
तस्करी की गई महिलाओं की मांग और इसे रोकने की नई उम्मीद," सशस्त्र बल और समाज 33, संख्या 1 (2006): 5-23।
पृष्ठ 132–150 पर 190 टिप्पणियाँ

85. संयुक्त राष्ट्र महिला अधिकारी के साथ साक्षात्कार; संयुक्त राष्ट्र पुलिस अधिकारी के साथ साक्षात्कार; के साथ साक्षात्कार
यूनिसेफ के यौन शोषण और दुर्व्यवहार विशेषज्ञ, न्यूयॉर्क, 31 अक्टूबर, 2016।
86. संयुक्त राष्ट्र में वरिष्ठ राजनयिक के साथ साक्षात्कार; शांतिरक्षा विभाग के साथ साक्षात्कार-
संचालन विभाग के कर्मचारी, न्यूयॉर्क, 2 नवंबर, 2016।
87. जोस रामोस होर्टा (तिमोर-लेस्ते के पूर्व राष्ट्रपति, संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान में वरिष्ठ अधिकारी)
(संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय स्वतंत्र पैनल के अध्यक्ष) द्वारा लेखक के साथ साक्षात्कार, दिली, 21 जुलाई, 2016।

निष्कर्ष
1. ह्यूमन राइट्स वॉच, “स्रेबेनिका का पतन और बोस्निया और हर्ज़ेगोविना में संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की विफलता,” ह्यूमन राइट्स वॉच 7, संख्या 13 (1995): 11.
2. ह्यूमन राइट्स वॉच, “स्रेबेनिका का पतन,” 11–12.
3. इस भित्तिचित्र की तस्वीरों के लिए, देखें दादो रुविक, "दीवार पर चित्रकारी," रॉयटर्स:
द वाइडर इमेज, 7 जुलाई, 2015, https://widerimage.reuters.com/story/drawings-on-the-wall;
“Dutch Graffi ti in Srebrenica,” Srebrenica Genocide Blog

(ब्लॉग), 27 जून, 2008, http://sre
brenica-genocide.blogspot.com/2008/06/dutch-graffi ti-in-srebrenica-sickening.html.
4. हसन नुहानोविक (स्ब्रेबेनिका में संयुक्त राष्ट्र के लिए बोस्नियाई अनुवादक), लेखक के साथ साक्षात्कार, साराजेवो, 8 सितंबर, 2016।
5. हसन नुहानोविक, संयुक्त राष्ट्र ध्वज के तहत: अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और सेब्रेनिका नरसंहार (साराजेवो: डीईएस, 2007), 545.
6. नुहानोविक, संयुक्त राष्ट्र ध्वज के तहत; नुहानोविक, लेखक के साथ साक्षात्कार।
7. सेवरिन ऑटोसेरे, पीसलैंड: संघर्ष समाधान और अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप की रोजमर्रा की राजनीति (कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014), 9.
8. ऑटेसेरे, पीसलैंड, 9.
9. जेनी व्हलन, शांति अभियान कैसे काम करते हैं: शक्ति, वैधता और प्रभावशीलता (ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2013)।
10. जैस्मीन-किम वेस्टेंडॉर्फ और लुईस सियरल, "यौन शोषण और दुर्व्यवहार" शांति अभियान: रुझान, नीतिगत प्रतिक्रियाएँ और भविष्य की दिशाएँ," अंतर्राष्ट्रीय मामले 93, संख्या 2 (2017): 381–82.
11. निकोला डाहरेंडोर्फ, यौन शोषण और दुर्व्यवहार: सीखे गए सबक अध्ययन, पता-एमओएनयूसी में यौन शोषण और दुर्व्यवहार (न्यूयॉर्क: यूएनडीपीकेओ, 2006)।
12. प्रमुख यौन दुराचार घोटालों और नीतिगत विकास की समयरेखा के लिए जो दर्शाती है-
इस प्रतिक्रियात्मक चक्र का वर्णन करने के लिए, जैस्मीन वेस्टेंडॉर्फ का लेख देखें, "चर्चा पत्र: शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रभाव का मानचित्रण," पायलट परियोजना के निष्कर्ष।
दिसंबर 2016, 5, https://www.latrobe.edu.au/_data/assets/pdf_fi le/0003/769800/Mapping-the-impact-of-sexual-abuse-by-interveners-in-peace-operations.pdf.
13. वेस्टेंडॉर्फ और सियरल, "शांति अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार।"
14. पॉल किर्बी, "संघर्ष में यौन हिंसा का अंत: यौन हिंसा की रोकथाम पहल-

पहल और इसके आलोचक," अंतर्राष्ट्रीय मामले 91, संख्या 3 (2015): 464.
15. लीक हुए दस्तावेजों के पूरे सेट के लिए, कोड ब्लू, "संयुक्त राष्ट्र दस्तावेज़," http://www. देखें।
codebluecampaign.com/un-docs. मैरी डेसचैम्प्स, हसन बी. जालो, और यास्मीन सूका, शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर कार्रवाई करना: मध्य अफ्रीकी गणराज्य में अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षक बलों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर एक स्वतंत्र समीक्षा की रिपोर्ट (संयुक्त राष्ट्र बाह्य स्वतंत्र पैनल, 2015), viii.
16. एंजेलिक क्रिसाफिस और सैंड्रा लाविल, "हॉलैंड: फ्रांसीसी दावों पर कोई दया नहीं"
"मध्य कोरिया में सैनिकों ने बच्चों का यौन शोषण किया," गार्जियन, 30 अप्रैल, 2015, http://www.theguardian.com/
विश्व/2015/अप्रैल/30/हॉलैंड में फ्रांसीसी सैनिकों द्वारा कार में बाल शोषण के आरोपों पर कोई दया नहीं दिखाई गई
डायर्स; बेनोइट मोरेन, "फ्रांसीसी शांतिरक्षकों से जुड़े यौन शोषण मामले में कोई आरोप नहीं,"
न्यूयॉर्क टाइम्स, 22 दिसंबर 2017, https://
www.nytimes.com/2017/01/06/world/africa/
french-peacekeepers-un-sexual-abuse-case-central-african-republic.html?nytmobile=0.

पृष्ठ 150–161 पर टिप्पणियाँ 191

17. संयुक्त राष्ट्र समाचार सेवा, "यौन शोषण के नए आरोप सामने आए"
"मध्य अफ्रीकी गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक," संयुक्त राष्ट्र समाचार सेवा अनुभाग, 4 फरवरी, 2016।
https://www.un.org/apps/news/story.asp?NewsID=53163.
18. संयुक्त राष्ट्र महिला अधिकारी के साथ साक्षात्कार, न्यूयॉर्क, 2 नवंबर, 2016।
19. महासचिव, संवाददाताओं के लिए टिप्पणी: विशेष मामलों पर महासचिव की रिपोर्ट
यौन शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षा के उपाय: एक नया दृष्टिकोण | यूनाइटेड

संयुक्त राष्ट्र महासचिव, 9 मार्च 2017, https://www.un.org/sg/en/content/sg/note-corre
उत्तरदाता/2017-03-09/नोट-उत्तरदाता-महासचिव%E2%80%99s-रिपोर्ट-विशेष.
20. ये लीक हुए दस्तावेज़ कोड ब्लू पर भी उपलब्ध हैं, “खुला पत्र: लीक हुए दस्तावेज़-
संयुक्त राष्ट्र द्वारा यौन शोषण को रोकने के लिए शर्मनाक निष्क्रियता का खुलासा करने वाले दस्तावेज, 6 जून, 2017, http://www.codebluecampaign.com/press-releases/2017/6/6.
21. वरिष्ठ टीसीसी सैन्य अधिकारी के साथ साक्षात्कार, दिली, 18 जुलाई, 2016।
22. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 2272, एस/आरईएस/2272 (2016) (11 मार्च, 2016), 13.
23. राधिका कुमारस्वामी एट अल., संघर्ष की रोकथाम, न्याय का रूपांतरण, सुरक्षा शांति: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1325 के कार्यान्वयन पर एक वैश्विक अध्ययन (न्यूयॉर्क: यूएनवुमेन, 2015)।
24. सबरीना करीम और काइल बियर्ड्सली, समान अवसर शांतिरक्षा: महिलाएं, शांति,
और संघर्षोत्तर राज्यों में सुरक्षा (ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2017)।
25. डायने ओटो, "शांति स्थापना में यौन अर्थशास्त्र में शून्य सहिष्णुता नीतियों को समझना-"
ओमीज़," सेक्सुअलिटी एंड द लॉ में, वैनेसा मुनरो और कार्ल स्टाइचिन द्वारा संपादित (एबिंगडन: रूटलेज, 2007), 260-61।
26. पॉल हिगेट, “शांति रक्षक, पुरुषत्व और यौन शोषण,” पुरुष और पुरुष-पाक कला 10, संख्या 1 (2007): 100–107.
27. सेव द चिल्ड्रन यूके, शिविर से समुदाय तक: लाइबेरिया में शोषण पर अध्ययन बच्चे (लंदन: सेव द चिल्ड्रन यूके, 2006), 13.
28. महासचिव, महासचिव का बुलेटिन: सुरक्षा के लिए विशेष उपाय
यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार, एसटी/एसजीबी/2003/13 (9 अक्टूबर, 2003), http://oios.

un.org/resources/2015/01/ST-SGB-2003-13.pdf, पैरा। 3(डी).

29. इस विषय पर अधिक विस्तृत चर्चा के लिए, जैस्मीन-किम वेस्टेंडॉर्फ की पुस्तक "यौन शोषण" देखें।

शांति अभियानों में उत्पीड़न और दुर्व्यवहार: महिला शांति अभियानों के परिप्रेक्ष्य से देखना," ऑक्सफोर्ड हैंडबुक ऑन विमेन, पीस एंड सिक्योरिटी में, संपादक जैकी ट्रू और सारा डेविस (ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2018)।

30. इस परियोजना के दौरान पूर्वी क्षेत्र में किए गए कई साक्षात्कारों में यह बात स्पष्ट हुई।

तिमोर, बोस्निया-हर्जेगोविना, जिनेवा और न्यूयॉर्क।

31. ये टिप्पणियाँ विशेष रूप से पुरुष कर्मचारियों के बीच संबंधों के बारे में थीं। और स्थानीय महिलाएं, हालांकि यह संभव है कि महिला कर्मियों और स्थानीय पुरुषों के बीच संबंध भी उतने ही महत्वपूर्ण हों, खासकर डब्ल्यूपीएस द्वारा महिलाओं के प्रतिनिधित्व में सुधार के लिए की गई प्रतिबद्धताओं के परिणामस्वरूप तैनात महिलाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए। टीसीसी के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के साथ साक्षात्कार।

32. एलिजाबेथ जीन वुड, "सशस्त्र समूह और यौन हिंसा: युद्धकालीन बलात्कार कब होता है?"

दुर्लभ?," राजनीति और समाज 37, संख्या 1 (2009): 140.

33. अमेलिया हूवर ग्रीन, कमांडर की दुविधा: युद्ध में हिंसा और संयम-समय (इथाका, न्यूयॉर्क: कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस, 2018)।

34. डेसचैम्प्स, जालो और सूका, टेकिंग एक्शन, x.

35. इस कार्य और इसकी प्रगति का विवरण संयुक्त राष्ट्र, यौन-संक्रमण रोकथाम पर उपलब्ध है।

यौन शोषण और दुर्व्यवहार, https://www.un.org/preventing-sexual-exploitation-and-abuse/.

ग्रन्थसूची

साक्षात्कारों की सूची

इस सूची में साक्षात्कारकर्ताओं के नाम और संगठन शामिल हैं।
मुझे स्वीकार करने की अनुमति दी गई है और यह एक सामान्य विवरण देता है।
उन साक्षात्कारकर्ताओं के संगठन या पद के बारे में जो अपना नाम नहीं बताना चाहते थे
सीधे तौर पर पहचान की गई। अधिकांश मामलों में मैं साक्षात्कारकर्ताओं की वर्तमान भूमिकाओं को शामिल करता हूँ या
उनके निर्देशानुसार पदों पर रहते हुए, हालांकि पाठ में मैंने अतीत का भी उल्लेख किया है।
उस समय साझा की गई जानकारी के लिए प्रासंगिक होने पर पदों या भूमिकाओं का उल्लेख करना आवश्यक है।
कुछ साक्षात्कारों को इस सूची में शामिल नहीं किया गया है, ऐसा अनुरोध पर किया गया है।
साक्षात्कारकर्ताओं में से कुछ का प्रत्यक्ष रूप से उल्लेख नहीं किया गया है।
यह लेख साक्षात्कारकर्ताओं के अनुरोध पर भी तैयार किया गया है।

एबेल डोस सैंटोस (कार्यक्रम समन्वयक, माहेन फाउंडेशन), दिली,
22 जुलाई, 2016
अदिसा फिसिक बरुकिजा (ट्रायल इंटरनेशनल), साराजेवो, 6 सितंबर,
2016

अमरा पांडज़ो (बोस्नियाई शांति निर्माता), साराजेवो, 7 सितंबर, 2016
एना पाउला सेक्वेरा (पूर्व संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान तिमोर निवासी)
कर्मचारी सदस्य), दिली, 20 जुलाई 2016
अंगकिस लियोनोरा (समन्वयक, स्कारलेट तिमोर कलेक्टिव), दिली, 22 जुलाई।
2016
असेनियो बानो (तिमोर के राजनेता), ओकुसे, 25 जुलाई 2016
ऑस्ट्रेलियाई सरकार की कर्मचारी, दिली, 22 जुलाई, 2016; अंतरसरकारी संगठन

में बोस्नियाई लिंग सलाहकार, साराजेवो।
7 सितंबर, 2016
साराजेवो स्थित अंतरसरकारी संगठन के बोस्नियाई कानूनी सलाहकार
7 सितंबर, 2016
बोस्नियाई गैर सरकारी संगठन के अधिकारी और मानव तस्करी विरोधी विशेषज्ञ, साराजेवो, 14 सितंबर।
2016
बोस्नियाई शोधकर्ता और महिला अधिकार कार्यकर्ता, साराजेवो, 8 सितंबर।
2016
अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन में कार्यरत बोस्नियाई कर्मचारी, जो पीड़ितों को कानूनी सहायता प्रदान करता है।
युद्धकालीन यौन हिंसा के मामले, साराजेवो, 6 सितंबर, 2016
अंतरसरकारी संगठन के मिशन प्रमुख, दिली, 27 जून।
2016
संयुक्त राष्ट्र में एक मिशन पर तैनात राजनयिक, न्यूयॉर्क, 1 नवंबर, 2016
संयुक्त राष्ट्र मिशन में एक राजनयिक कर्मचारी, न्यूयॉर्क, नवंबर-
2 फरवरी, 2016
डुल्सी लीमबैक (संपादक, पासब्लू), न्यूयॉर्क, 5 नवंबर, 2016; प्रवासी गैर सरकारी संगठन की अधिकारी, साराजेवो, 8 सितंबर, 2016
एफ. रीस (तिमोर के नागरिक समाज नेता), दिली, 21 जुलाई 2016
ईटी-डब्ल्यूएवी (ईस्ट तिमोर वुमेन अगेंस्ट वायो) की पूर्व कर्मचारी
(लेंस), दिली, 28 जुलाई, 2016
बड़े संगठनों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के पूर्व वरिष्ठ केंद्र बिंदु
अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन, जिनेवा, 19 सितंबर, 2016
वरिष्ठ सरकारी अधिकारी; संयुक्त राष्ट्र के पूर्व तिमोर कर्मचारी, दिली
28 जुलाई, 2016
अंतर्राष्ट्रीय मानवीय संगठन में लिंग और दक्षिण पूर्व एशिया विशेषज्ञ,
जेनेवा, 20 सितंबर, 2016
जेनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन में लिंग सलाहकार, 22 सितंबर,

2016
जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी में लिंग आधारित हिंसा समन्वयक, सितंबर-
23 फरवरी, 2016
जेनेवा कॉल के कर्मचारी, जेनेवा, 22 सितंबर, 2016
जेनेवीव साइकोट (जवाबदेही प्रबंधक, सीएचएस एलायंस [कोर हू-)
गुणवत्ता और जवाबदेही पर मानक], जिनेवा, 19 सितंबर, 2016

हसन नुहानोविक (स्रेबेनिका में संयुक्त राष्ट्र के लिए बोस्नियाई अनुवादक),
साराजेवो,
8 सितंबर, 2016
होरासियो डी अल्मेडा (पूर्व संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रीय स्टाफ सदस्य), डिली, 28 जुलाई,
2016
बोस्निया में मानव तस्करी के स्वतंत्र विशेषज्ञ, साराजेवो, 14 सितंबर।
2016
संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार इकाई में काम करने वाला अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारी और
अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन, दिली, 19 जुलाई 2016
जैस्मिंका डज़ुमहुर (बोस्निया और हर्ज़ के मानवाधिकार लोकपाल-
गोविना), साराजेवो, 15 सितंबर 2016
कैला मिंट्ज़ (एड्स-फ्री वर्ल्ड में कोड ब्लू अभियान की समन्वयक),
फोन पर साक्षात्कार, 27 अक्टूबर, 2016
केरी ब्रोगन (एशिया में नाबिलन कार्यक्रम के पूर्व निदेशक)
फाउंडेशन; संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निगरानी में पूर्व कर्मचारी
(रिपोर्टिंग यूनिट 2007-10), दिली, 19 जुलाई 2016
नट ओस्टबी (तिमोर-लेस्ते में संयुक्त राष्ट्र निवासी समन्वयक), डिली, 19 जुलाई,
2016
माद्रे गुइलेर्मिना (तिमोर की धार्मिक और नागरिक समाज नेता), दिली,
23 जुलाई, 2016
मैनुएला लियोंग परेरा (कार्यकारी निदेशक, एसीबिट [एसोसियासौं चेगा!

बा इटा]; पूर्व कार्यकारी निदेशक, फोकुपर्स [संचार]
तिमोर की महिलाओं के लिए मंच), दिली, 20 जुलाई 2016
मारिलिया दा सिल्वा अल्वेस (कार्यकारी निदेशक, फ़ोकपर्स [संचार-
तिमोर की महिलाओं के लिए सम्मेलन (डिली, 20 जुलाई, 2016)
मेगन स्मिथ-हर्ले (मानवाधिकार और विधि के शासन की विशेषज्ञ)
यूरोपीय संघ में सुरक्षा और सहयोग संगठन के साथ काम किया।
रस्सी, शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त [यूएनएचसीआर], और
मानवाधिकार चैंबर), साराजेवो, 12 सितंबर, 2016
मेगन नोबर्ट (रिपोर्ट द एब्यूज की संस्थापक और निदेशक), जिनेवा, सितंबर-
19 सितंबर, 2016
नेला पोरोबिक इसाकोविक (महिलाओं की अंतर्राष्ट्रीय शांति लीग और
फ्रीडम (स्वतंत्रता), साराजेवो, 15 सितंबर 2016
नेल्सन बेलो (कार्यकारी निदेशक, फंडासाउन माहेन), दिली, 22 जुलाई।
2016
न्यूजीलैंड रक्षा बल के शांतिरक्षा प्रतिनिधि, दिली, 27 जुलाई।
2016
सैन्य मामलों के कार्यालय के अधिकारी, संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा विभाग
सम्मेलन, 1 नवंबर, 2016
पौला डोनोवन (सीईओ, एड्स-फ्री वर्ल्ड), फोन साक्षात्कार, नवंबर-
10 फरवरी, 2016

सालिहा जुडेरिजा (सहायक मंत्री, मानवाधिकार मंत्रालय)
बोस्निया और हर्ज़ेगोविना के शरणार्थी, साराजेवो, 14 सितंबर, 2016
सुरक्षा परिषद रिपोर्ट के कर्मचारी, न्यूयॉर्क, 4 नवंबर, 2016; संयुक्त राष्ट्र में वरिष्ठ
राजनयिक, न्यूयॉर्क, 4 नवंबर, 2016
महिलाओं, शांति और सुरक्षा के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाले गैर सरकारी संगठन
में वरिष्ठ अधिकारी।
न्यूयॉर्क, 3 नवंबर, 2016

बोस्निया-हर्ज़ेगोविना में अंतरराष्ट्रीय मिशनों में वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय-
जानकारी और तिथि गोपनीय रखी गई है, 2016
संयुक्त राष्ट्र आंतरिक निरीक्षण सेवा कार्यालय, न्यूयॉर्क के वरिष्ठ अधिकारी
4 नवंबर, 2016
जिनेवा में एक प्रमुख मानवीय संगठन के वरिष्ठ कर्मचारी, सितंबर-
20 फरवरी, 2016
संयुक्त राष्ट्र आचरण एवं अनुशासन इकाई, न्यूयॉर्क, नवंबर के वरिष्ठ कर्मचारी।
4 नवंबर, 2016
संयुक्त राष्ट्र के यौन उत्पीड़न मामलों के विशेष समन्वयक कार्यालय के वरिष्ठ
कर्मचारी
शोषण और दुर्व्यवहार, न्यूयॉर्क, 31 अक्टूबर, 2016
वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, देश का सैन्य अधिकारी, दिली, 18 जुलाई।
2016
कई शांति अभियानों में अनुभव रखने वाले संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ कर्मचारी।
न्यूयॉर्क, 31 अक्टूबर, 2016
सेविमा साली टेर्ज़िक (संवैधानिक न्यायालय की वरिष्ठ सलाहकार; पूर्व)
निदेशक, ग्लोबल राइट्स: पार्टनर्स फॉर जस्टिस), साराजेवो, 6 सितंबर,
2016
सुसान केंडल (पीआरएईटी [मनोसामाजिक पुनर्प्राप्ति और विकास में])
पूर्वी तिमोर]), डिली, 21 जुलाई 2016
टेरेसा वर्डियाल (अलोला फाउंडेशन की पूर्व निदेशक), दिली, 18 जुलाई।
2016
तिमोरिस एनजीओ प्रतिनिधि, डिलि, 27 जुलाई 2016
तिमोरिस स्टाफ सदस्य, REDE FETO, डिलि, 20 जुलाई 2016
संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने वाला तिमोर का एक
कर्मचारी, ओकुसे, 26 जुलाई।
2016
तिमोरिस संयुक्त राष्ट्र अधिकारी, डिलि, 19 जुलाई 2016
तिमोर के पीड़ितों के वकील, दिली, 23 जुलाई 2016

संयुक्त राष्ट्र क्षेत्र सहायता विभाग के कर्मचारी, न्यूयॉर्क, नवंबर-
2 फरवरी, 2016
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग का कर्मचारी, न्यूयॉर्क,
2 नवंबर, 2016
संयुक्त राष्ट्र पुलिस अधिकारी, न्यूयॉर्क, 31 अक्टूबर, 2016
संयुक्त राष्ट्र महिला प्रतिनिधि, साराजेवो, 14 सितंबर 2016 संयुक्त राष्ट्र महिला अधिकारी, न्यूयॉर्क, 2 नवंबर 2016

प्रभावित आबादी के प्रति जवाबदेही और रोकथाम में यूएनएचसीआर विशेषज्ञ यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर सम्मेलन, जिनेवा, 23 सितंबर, 2016
यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर यूनिसेफ विशेषज्ञ, न्यूयॉर्क, अक्टूबर-
31 फरवरी, 2016

प्रकाशित स्रोत

एड्स-मुक्त दुनिया। "शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण के 41 अन्य आरोप अभी भी गुप्त रखे गए हैं।"
संयुक्त राष्ट्र।" 13 अप्रैल, 2016। http://
www.codebluecampaign.com/press-releases/2016/
4/13.
——. “लीक हुई फाइलों से संयुक्त राष्ट्र में यौन शोषण के छिपे हुए दायरे का खुलासा हुआ।” 13 सितंबर, 2017।
http://www.codebluecampaign.com/press-
releases/2017/9/13. ——. “मध्य अफ्रीकी गणराज्य में शांति रक्षकों के यौन शोषण की चौंकाने वाली नई रिपोर्टें-
लाइसेंस।” 30 मार्च, 2016। http://www.codebluecampaign.com/
press-releases/2016/3/30 —— “मध्य अफ्रीकी गणराज्य में घटनाओं की समयरेखा।” 24 मई, 2019 को प्राप्त किया गया।
https://www.codebluecampaign.com/spotlight-car/#timeline.

——. “संयुक्त राष्ट्र का घिनौना रहस्य: मध्य अमेरिका में बाल यौन शोषण की अनकही कहानी”
अफ़्रीकी गणराज्य और एंडर्स कोम्पास।" 29 मई, 2015। http://www.codebluecam
paign.com/carstatement/.
ऑलरेड, कीथ जे. “शांति रक्षक और वेश्याएं: तैनाती बल किस प्रकार बढ़ावा देते हैं” मानव तस्करी की शिकार महिलाओं की मांग और इसे रोकने की नई उम्मीद।" सशस्त्र बल और
सोसाइटी 33, नं. 1 (2006): 5–23.
एमनेस्टी इंटरनेशनल। “यह हमारे हाथों में है—महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकें।” दिसंबर-
31 फरवरी, 2004. https://www.amnesty.ie/hands-stop-violence-women/. ——. “‘तो क्या इसका मतलब यह है कि हमें अधिकार मिल गए हैं?’ महिलाओं के अधिकारों की रक्षा
और कोसोवो में जबरन वेश्यावृत्ति के लिए तस्करी की गई लड़कियां।" 5 मई, 2004। https://www.
amnesty.org/en/documents/eur70/010/2004/en/.
एंड्रियास, पीटर। ब्लू हेलमेट्स और ब्लैक मार्केट्स: घेराबंदी में जीवित रहने का व्यवसाय।
साराजेवो का। इथाका, न्यूयॉर्क: कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस, 2011। एशिया फाउंडेशन। तिमोर में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को समझना।
लेस्ते: नाबिलन बेसलाइन अध्ययन के निष्कर्ष—मुख्य रिपोर्ट। दिली: एशिया
एशिया फाउंडेशन, 2016. https://asiafoundation.org/wp-content/uploads/2016/05/Under
standingVAWTL_main.pdf.
ऑटोसेरे, सेवेरिन। पीसलैंड: संघर्ष समाधान और अंतर-राजनीतिक राजनीति।
राष्ट्रीय हस्तक्षेप। कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014। — कांगो की समस्या।
कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2010। अवोरी, थेल्मा, कैथरीन लुट्ज़ और पाबन थापा। अंतिम रिपोर्ट: विशेषज्ञ मिशन

MINUSTAH, UNMIL और MONUSCO में समुद्र-समुद्री आपदाओं की रोकथाम के प्रयासों के जोखिमों का मूल्यांकन करें।
और UNMISS. 3 नवंबर, 2013. अप्रकाशित संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट. 6 मई को प्राप्त किया गया।
2019. https://static1.squarespace.com/static/514a0127e4b04d7440e8045d/t/55afcfa1e4b07b89d11d35ae/1437585313823/2013+Expert+Team+Report+FINAL.pdf. बार्कर, ऐनी। "संयुक्त राष्ट्र ने पूर्वी तिमोर में यौन शोषण को रोकने के लिए कदम उठाए। एबीसी रेडियो पीएम।"
एबीसी रेडियो, 30 अगस्त, 2006। http://www.abc.net.au/pm/content/2006/s1728448.htm 198 संदर्भ ग्रंथ सूची

बैस्टिक, मेगन, कैरिन ग्रिम और राहेल कुंज। सशस्त्र संघर्ष में यौन हिंसा: वैश्विक अवलोकन और सुरक्षा क्षेत्र के लिए निहितार्थ। जिनेवा: जिनेवा केंद्र-सशस्त्र बलों के लोकतांत्रिक नियंत्रण के लिए टीआरई, 2007। https://www1.essex.ac.uk/armedcon/story_id/sexualviolence_confl ict_full%5B1%5D.pdf.
ब्यूमोंट, पीटर. "'झूठ और अतिशयोक्ति' कहते हैं ऑक्सफैम अधिकारी, जिन पर यौन उत्पीड़न की मेजबानी का आरोप है
पार्टियाँ।" गार्जियन, 15 फरवरी, 2018। http://www.theguardian.com/global-developm
ent/2018/feb/15/oxfam-offi cial-accused-hosting-sex-parties-haiti-lies-exaggerations. बेबर, बर्न्ड, माइकल गिलिगन, जेनी गार्डेडो और सबरीना करीम। "शांति स्थापना,
मोनरोविया, लाइबेरिया में अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का अनुपालन और लेन-देन आधारित यौन संबंध।
अंतर्राष्ट्रीय संगठन 71, संख्या 1 (2017): 1–30. बेल, सैम आर., माइकल ई. फ्लिन, और कार्ला मार्टिनेज मचाईन। "संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा
यौन तस्करी के लिए बल और मांग।" अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन त्रैमासिक 62,

नं. 3 (2018): 643–55. https://doi.org/10.1093/isq/sqy017.
बर्दल, मैट्स. युद्ध के बाद शांति का निर्माण. लंदन: इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक
अध्ययन, 2009.
बिलरबेक, सारा बी. के. वॉन। “स्थानीय स्वामित्व और संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण: प्रवचन बनाम
संचालन।” ग्लोबल गवर्नेंस 21, नं. 2 (2015): 299–315. ——. किसकी
शांति? स्थानीय स्वामित्व और संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा। ऑक्सफोर्ड:
ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2016।
बोल्कोवाक, कैथरीन, और कैरी लिन। द व्हिसलब्लोअर: सेक्स ट्रैफिकिंग, मिलिट्री कॉन-
ट्रैक्टर, और एक महिला का न्याय के लिए संघर्ष। न्यूयॉर्क: मैकमिलन, 2011। बोर्के, जूलियट। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षित स्थान रिपोर्ट: हमारे क्षेत्र में यौन उत्पीड़न पर सर्वेक्षण। कार्यस्थल। सिडनी: डेलॉइट, 2019। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित। बॉवकोट, ओवेन। "फ्रांसीसी नागरिकों द्वारा कथित यौन शोषण के मामले में संयुक्त राष्ट्र पर 'घोर विफलता' का आरोप।"
सैनिक।” गार्जियन, 17 दिसंबर 2015। http://www.theguardian.com/world/2015/
17 दिसंबर, संयुक्त राष्ट्र की घोर विफलता - यौन शोषण - फ्रांसीसी सैनिक - मध्य अफ्रीकी गणराज्य। ब्राबेंट, जस्टिन और लीला मिनानो। "संगारिस का डीएनए।" मीडियापार्ट, 1 मार्च।
2017. https://zeroimpunity.com/sangaris/?lang=en.
बुलमैन, मे। "यौन शोषण के बाद सरकार ने चैरिटी संस्थाओं को दी जाने वाली सहायता राशि में कटौती करने की धमकी दी है।"
घोटाला।” इंडिपेंडेंट, 10 फरवरी, 2018। http://www.independent.co.uk/news/uk/home-news/oxfam-sexual-exploitation-charity-aid-funding-government-penny-mordaunt-international-development-a8204896.html.

बर्क, रोइसिन। "जिम्मेदारी का आरोपण: यौन दुर्व्यवहार और शोषण, और
ब्लू हेलमेट्स का प्रभावी नियंत्रण।" जर्नल ऑफ इंटरनेशनल पीसकीपिंग 16, नं. 1
(2012): 1–46.
कैपलान, रिचर्ड। एक नई न्यास व्यवस्था? युद्धग्रस्त क्षेत्रों का अंतर्राष्ट्रीय प्रशासन
क्षेत्र। लंदन: रूटलेज, 2014। कैरन, कैथलीन। पूर्वी तिमोर में तस्करी—नए युग के
यौन उद्योग पर एक नज़र।
यह राष्ट्र है। दिली: अलोला फाउंडेशन, 2004। http://
www.alolafoundation.org/
images/programs/publications/
ALOLA_TRAFFICKING_REPORT.pdf. कैरेरास, हेलेना। “शांति स्थापना
अभियानों में लैंगिक संस्कृति।” अंतर्राष्ट्रीय
पीसकीपिंग 17, नं. 4 (2010): 471–85. कार्सन, लिसा. “ऑस्ट्रेलियाई लोगों के
लिए तैनाती-पूर्व ‘लिंग’ प्रशिक्षण और उसकी कमी-
लियान पीसकीपर्स।" ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स 70, नं. 3
(2016):
275–92.

“बाल बलात्कार के आरोपी फ्रांसीसी सैनिकों के खिलाफ मामला खारिज।” नेशनल,
16 जनवरी।
2016. https://www.thenational.ae/world/africa/case-against-
french-troops-accused-
बाल बलात्कार खारिज कर दिया गया 1.695712.
सीएवीआर. चेगा! स्वागत, सत्य और सुलह आयोग की रिपोर्ट
तिमोर-लेस्ते। दिली: सीएवीआर, 2005। http://www.cavr-
timorleste.org/en/chegaReport.htm चैडविक, विंस। "एक्सक्लूसिव:
सेक्स स्कैन के बाद यूरोपीय संघ एनजीओ फंडिंग नियमों को सख्त करने के लिए
तैयार है-"
डाल्स।” डेवेक्स, 1 मार्च, 2018। https://www.devex.com/news/
sponsored/exclusive-eu-

यौन कांड के बाद एनजीओ फंडिंग नियमों को सख्त करने के लिए तैयार -92205।
——। "ऑक्सफैम को फंडिंग फिर से शुरू करने वाला स्वीडन पहला दाता है।"
डेवेक्स, 14 मार्च।
2018. https://www.devex.com/news/sponsored/sweden-is-
the-fi rst-donor-to-resume-
ऑक्सफैम-फंडिंग-92332.
चारबोन्यू, लुई। “संयुक्त राष्ट्र प्रमुख शांति रक्षकों द्वारा यौन शोषण के मामले में
‘अक्षम’: प्रमुख अमेरिकी सीनेटर।”
रॉयटर्स, 14 अप्रैल 2016। https://www.reuters.com/article/us-un-
peacekeepers-usa/u-
अमेरिकी सीनेटर के प्रमुख शांति रक्षक यौन शोषण मामले में अक्षम थे। बाल
अधिकार अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क। संयुक्त राष्ट्र यौन शोषण समीक्षा से घटनाओं की
समयरेखा।
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में उत्साह।” 27 जुलाई, 2019 को प्राप्त किया गया।
https://archive.crin.org/
इन प्रतिक्रियाओं की समयरेखा के लिए en/home/campaigns/
transparency/uncover.html देखें। क्रिसाफी, एंजेलिक। “फ्रांसीसी मंत्री ने
बच्चों का यौन शोषण करने वाले सैनिकों से अपील की”
सच सामने लाना।" गार्जियन, 3 मई, 2015। http://
www.theguardian.com/world/2015/
3 मई को फ्रांसीसी मंत्री जीन यवेस लेड्रियन ने शांति रक्षकों द्वारा बच्चों के साथ
दुर्व्यवहार के मामले में मदद मांगी।
वार्ड।
क्रिसाफी, एंजेलिक और सैंड्रा लाविल। "हॉलैंड: फ्रांसीसी सैनिकों के दावों पर कोई
दया नहीं।"
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में शोषित बच्चे।” गार्जियन, 30 अप्रैल, 2015। http://
www.theguardian.com/
विश्व/2015/अप्रैल/30/हॉलैंड-कार में बाल शोषण के आरोपों पर कोई दया नहीं
फ्रांसीसी सैनिक।

क्रिश्चियन, मर्विन, ऑक्टेव सफारी, पॉल रमाज़ानी, गिल्बर्ट बर्नहैम और नैन्सी ग्लास। लोकतांत्रिक गणराज्य में पुरुषों के खिलाफ यौन और लिंग आधारित हिंसा कांगो: बचे हुए लोगों, उनके परिवारों और समुदाय पर प्रभाव।" मेडिसिन, कॉन-संघर्ष और उत्तरजीविता 27, संख्या 4 (2011): 227–46. https://doi.org/10.1080/13623699.201
1.645144.
चिनोवेथ, सारा। “हम इसे अपने दिल में रखते हैं”: पुरुषों और लड़कों के खिलाफ यौन हिंसा
सीरिया संकट में। जिनेवा: यूएनएचसीआर, 2017। https://data2.unhcr.org/en/documents/
डाउनलोड/60864.
सिंक-मार्स, इवान। “शांति स्थापना में योगदानकर्ता प्रोफ़ाइल: कनाडा।” शांति स्थापना के लिए प्रावधान-
अक्टूबर 2017. http://www.providingforpeacekeeping.org/2014/04/03/contributor-profi le-canada-2/.
कोहेन, दारा के. गृहयुद्ध के दौरान बलात्कार. इथाका, न्यूयॉर्क: कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस, 2016. कॉनेल, रॉबर्ट डब्ल्यू., और जेम्स डब्ल्यू. मेसरश्मिट. “वर्चस्ववादी मर्दानगी: पुनर्विचार-
"अवधारणा को समझना।" लिंग और समाज 19, संख्या 6 (2005): 829-59।
यूएनमिस, 8 दिसंबर।
2017. https://unmiss.unmissions.org/unmiss-asg-vra-media-briefing-near-verbatim-
प्रतिलेख।
कुमारस्वामी, राधिका, आदि। संघर्ष को रोकना, न्याय का रूपांतरण करना, सुरक्षा सुनिश्चित करना।
शांति: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कार्यान्वयन पर एक वैश्विक अध्ययन संकल्प 1325. न्यूयॉर्क: यूएनवुमेन, 2015.

कूम्ब्स, हॉवर्ड जी. “सोमालिया के 25 साल बाद: इसने कनाडाई सशस्त्र बलों को कैसे बदला”
ऑपरेशन की तैयारी।" कैनेडियन मिलिट्री जर्नल 17, नं. 4 (2017): 35–46.
क्रॉस, टोनी. "फ्रांसीसी सैनिकों के खिलाफ CAR यौन शोषण के आरोपों पर कोई आरोप नहीं।"
आरएफआई, 1 अप्रैल, 2017. http://en.rfi.fr/africa/20170104-no-charges-over-car-sex-abuse-all
फ्रांसीसी सैनिकों के खिलाफ आरोप।
Csaky, Corinna. No One to Turn to—The Under-Reporting of Child Sexual Exploita-
सहायता कर्मियों और शांति रक्षकों द्वारा दुर्व्यवहार और शोषण। लंदन: सेव द चिल्ड्रन यूके।
2008.
डाहरेंडोर्फ, निकोला। यौन शोषण और दुर्व्यवहार: सीखे गए सबक अध्ययन, पता-
MONUC में यौन शोषण और दुर्व्यवहार पर एक शोधपत्र। न्यूयॉर्क: UNDPKO, 2006 डेसचैम्प्स, मैरी, हसन बी. जालो और यास्मीन सूका। यौन शोषण पर कार्रवाई करना।
शांतिरक्षकों द्वारा शोषण और दुर्व्यवहार: यौन शोषण पर एक स्वतंत्र समीक्षा की रिपोर्ट।
मध्य अफ्रीका में अंतर्राष्ट्रीय शांति सेना द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार
कनाडा गणराज्य। संयुक्त राष्ट्र बाह्य स्वतंत्र पैनल, 2015। https://www.un.org/News/dh/infocus/centafricrepub/Independent-Review-Report.pdf.
डोड, मार्क। “तिमोर में खुदाई करने वालों के बीच ‘यौन’ संघर्ष।” ऑस्ट्रेलियन, 21 मार्च, 2005। http://www.etan.org/et2005/march/20/21digers.htm.
——. “तिमोर का गुपचुप बलात्कार।” वीकेंड ऑस्ट्रेलियन, 26 मार्च, 2005।
डॉड्स, क्रेग। “डीआरसी में दक्षिण अफ्रीकी सैनिकों की शर्म।” आईओएल न्यूज़, 13 जून, 2013। http://

www.iol.co.za/dailynews/news/sa-soldiers-shame-in-the-drc-1531660 डोमिंगस फर्नांडीस अल्वेस, मारिया, इसाबेल एम. एम. सिकेरा, लौरा एस. अब्रांटेसम, और
फिलोमेना रीस। बोबोनारो में यौन और लिंग आधारित हिंसा पर आधारभूत अध्ययन। कोवलिमा. डिलि: एशिया पैसिफिक सपोर्ट कलेक्टिव तिमोर-लेस्ते, 2009।
“स्ब्रेबेनिका में डच भित्तिचित्र।” स्ब्रेबेनिका नरसंहार ब्लॉग (ब्लॉग), 27 जून, 2008। http://
srebrenica-genocide.blogspot.com/2008/06/dutch-graffi ti-in-srebrenica-sickening.
एचटीएमएल.
एनलो, सिंथिया। पैंतरेबाज़ी: महिलाओं के जीवन के सैन्यीकरण की अंतर्राष्ट्रीय राजनीति।
बर्कले: यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया प्रेस, 2000।
——. “अबू ग़रेब के अंदर मर्दानगी का इस्तेमाल: एक अमेरिकी का नारीवादी अर्थ निकालना-
क्या सैन्य घोटाला हो सकता है?” एशियन जर्नल ऑफ वूमेन्स स्टडीज 10, नं. 3 (2004): 89–102. फैरल, जेरेमी. “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा और कानून के शासन का भविष्य।” प्रोसीड-
वार्षिक बैठक की कार्यवाही (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ) 101 (2007):
160–63.
“हैती में बाल शोषण को लेकर डर।” बीबीसी न्यूज़, 30 नवंबर 2006। http://
news.bbc.co.uk/
2/hi/6159923.stm.
“सहकर्मी के साथ जबरन मुख मैथुन: सहायता कर्मियों ने हमले के बारे में खुलकर बात की | गुप्त
सहायता कर्मी।” गार्जियन, 13 नवंबर, 2017। http://
www.theguardian.com/work
ing-in-development/2017/nov/13/forced-to-have-oral-sex-

with-a-colleague-aid-
श्रमिक उत्पीड़न के खिलाफ खुलकर बोलते हैं।
गोल्डस्मिथ, एंड्रयू, और वैंड्रा हैरिस। “विश्वास, भरोसेमंदता और विश्वास निर्माण” अंतर्राष्ट्रीय पुलिसिंग मिशन।" ऑस्ट्रेलियन और न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ क्रिमिनोलॉजी-ओजी 45, नं. 2 (2012): 231–54.
ग्राडी, केट। “सेक्स, सांख्यिकी, शांति रक्षक और शक्ति: यौन शोषण पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े-
दुर्व्यवहार और कानूनी सुधार की खोज।" मॉडर्न लॉ रिव्यू 79, नं. 6
(2016): 931–60.

——. “संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार: निष्पक्षता के लिए एक खतरा।”
अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 17, संख्या 2 (2010): 215–28. हेन्स, दीना फ्रांसेस्का।
“बोस्निया के एरिज़ोना बाज़ार से सबक: महिलाओं को होने वाला नुकसान नवउदारवादी युद्धोत्तर पुनर्निर्माण प्रक्रिया।" पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय विधि विभाग समीक्षा 158, संख्या 6 (2010): 1779–1829. हेनरी, मार्शा. “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मिशनों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार: संभावना-
"वर्तमान प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करना।" जेंडर, एजेंसी और ज़बरदस्ती में, सुमी द्वारा संपादित।
मधोक, ऐनी फिलिप्स, और कल्पना विल्सन, 122-42। हाउंडमिल्स: पालग्रेव मैक-मिलन, 2013.
हेनरी, मार्शा और पॉल हिगेट। असुरक्षित स्थान: शांति स्थापना, शक्ति और प्रदर्शन-हैती, कोसोवो और लाइबेरिया में प्रदर्शन। लंदन: ज़ेड बुक्स, 2009। हेनरी, निकोला।
"युद्धकालीन बलात्कार का सिद्धांत।" लिंग और समाज 30, संख्या 1 (2016):
44–56.
हिगेट, पॉल। “शांति रक्षक, पुरुषत्व और यौन शोषण।” पुरुष और पुरुषत्व-लिनिटीज़ 10, नहीं। 1 (2007): 99-119।
हिगेट, पॉल, और मार्शा हेनरी। “शांति समर्थन संचालन में सुरक्षा उत्पन्न करना-शन्स।" सुरक्षा संवाद 35, संख्या 4 (2004): 481–98.

हिगिंस, ईन। “बिशप ने ऑक्सफैम को दी जाने वाली धनराशि रोक दी।” ऑस्ट्रेलियन, 27 फरवरी, 2018। https://www.theaustralian.com.au/national-affairs/foreign-affairs/julie-bishop-stops-funds-to-oxfam/news-story/71ec521a443f07b36a09d03a319fa42a.
संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर उच्च स्तरीय स्वतंत्र पैनल। हमारे एकजुट होना शांति के लिए ताकत: राजनीति, साझेदारी और लोग (हिप्पो रिपोर्ट)। न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र, 2015. https://peaceoperationsreview.org/wp-content/uploads/2015/08/HIPPO_Report_1_June_2015.pdf.
होल्ट, केट, और सारा ह्यूजेस। “अफ्रीका के हृदय में सेक्स और मृत्यु।” इंडिपेंडेंट। 25 मई, 2004. http://www.independent.co.uk/news/world/africa/sex-and-death-in-the-heart-of-africa-564563.html.
——. “सूडान में बच्चों के साथ बलात्कार के आरोप में संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी गिरफ्तार।” टेलीग्राफ, 2 जनवरी, 2007। http://www.telegraph.co.uk/news/worldnews/1538476/UN-staff-accused-of-raping-children-in-Sudan.html.
हूवर ग्रीन, अमेलिया। कमांडर की दुविधा: युद्ध में हिंसा और संयम। समय। इथाका, न्यूयॉर्क: कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस, 2018। ह्यूमन राइट्स वॉच। "मध्य अफ्रीकी गणराज्य: शांति सैनिकों द्वारा हत्या।" 7 जून, 2016। https://www.hrw.org/news/2016/06/07/central-african-republic-murder-peacekeepers.
——. “मध्य अफ्रीकी गणराज्य: शांति सैनिकों द्वारा बलात्कार।” 4 फरवरी, 2016। https://www.hrw.org/news/2016/02/04/central-african-republic-rape-peacekeepers. ——. “स्ब्रेबेनिका का पतन और बोस्निया और हर्ज़ेगोविना में संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की विफलता-

गोविना।” ह्यूमन राइट्स वॉच 7, नं. 13 (1995): 1–80. ——. “आशाओं का धोखा: संघर्ष के बाद बोस्निया में महिलाओं और लड़कियों की तस्करी और हर्ज़ेगोविना में जबरन वेश्यावृत्ति के लिए।" ह्यूमन राइट्स वॉच 14, नं. 9 (डी) (नवंबर-
(बर 2002)। http://www.hrw.org/legacy/reports/2002/bosnia/ —— “अगर तुम रोओगे तो हम तुम्हें मार डालेंगे: सिएरा लियोन संघर्ष में यौन हिंसा।” जनवरी
16, 2003. http://www.hrw.org/en/reports/2003/01/15/well-kill-you-if-you-cry.
ह्यूमैनिटेरियन विमेंस नेटवर्क। “सर्वे डेटा,” 2016।
www.humanitarianwomen
snetwork.org.

अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट आंदोलन के लिए IFRC की आचार संहिता आपदा राहत में कार्यरत गैर सरकारी संगठन। अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रॉस महासंघ।
क्रेसेंट सोसाइटीज़ और इंटरनेशनल कमेटी ऑफ द रेड क्रॉस जिनेवा, 1994. इगो, माइकल. “यूएसएआईडी प्रमुख ने सभी मौजूदा ऑक्सफैम समझौतों की समीक्षा का आदेश दिया।” डेवेक्स,
16 फरवरी, 2018. https://www.devex.com/news/sponsored/usaid-chief-orders-review-
सभी वर्तमान ऑक्सफैम समझौतों में से 92150.
अंतर-एजेंसी स्थायी समिति। "यौन शोषण से संबंधित छह मूल सिद्धांत"
और दुर्व्यवहार।” आईएएससी, 13 जून, 2002। http://www.pseataskforce.org/en/tools जैन्सन, मारिया। “सुरक्षा का तर्क: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा में एचआईवी/एड्स के आख्यान
परिषद।” अंतर्राष्ट्रीय नारीवादी राजनीति पत्रिका 19, संख्या 1 (2017): 71–85.
जेनिंग्स, कैथलीन एम. किसकी रक्षा? यौन शोषण और

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में दुर्व्यवहार। ओस्लो: फाफो, 2008। http://lastradainterna
tional.org/lsidocs/fafo_approaches_abuse_0309.pdf.
——. “सेवा, सेक्स और सुरक्षा: लाइबेरिया में लिंग आधारित शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएँ और
डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो।" सुरक्षा संवाद 45, संख्या 4 (2014): 313-30। ——। "घनिष्ठता के अनपेक्षित परिणाम: शांति स्थापना और राजनीतिक अर्थव्यवस्थाएँ
सेक्स टूरिज्म।” इंटरनेशनल पीसकीपिंग 17, नं. 2 (2010): 229–43. जेनिंग्स, कैथलीन एम., और मोर्टेन बोआस। “लेन-देन और अंतःक्रियाएँ: रोज़मर्रा शांतिरक्षा अर्थव्यवस्था में जीवन।" जर्नल ऑफ इंटरवेंशन एंड स्टेटबिल्डिंग 9, अंक 3 (2015): 281–95.
जेनिंग्स, कैथलीन, और वेस्ना निकोलिक-रिस्तानोविक। “संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अर्थव्यवस्थाएँ
और स्थानीय यौन उद्योग: संबंध और निहितार्थ।" माइक्रोकॉन रिसर्च कार्यपत्र संख्या 17, 2009. http://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm?abstract_id=
1488842.
करीम, सबरीना और काइल बियर्ड्सली। समान अवसर शांतिरक्षा: महिलाएं, शांति। और संघर्षोत्तर राज्यों में सुरक्षा। ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2017।
——। "शांति स्थापना मिशनों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार की व्याख्या: भूमिका" सहयोगी देशों में महिला शांतिरक्षकों और लैंगिक समानता के बारे में।" जर्नल ऑफ पीस रिसर्च 53, नं. 1 (2016): 100–115. केली, निकोला. “सहायता कर्मी और यौन हिंसा: पीड़ित खुलकर बोलते हैं.” गार्जियन,
17 फरवरी, 2017. http://www.theguardian.com/global-development-professionals-
network/2017/feb/17/aid-workers-and-sexual-violence-survivors-speak-out. खान, शेहाब. “सहायता के बाद फंडिंग में गिरावट के चलते ऑक्सफैम 100 लोगों को नौकरी से निकालेगा”
"श्रमिक यौन कांड।" इंडिपेंडेंट, 18 मई, 2018। https://

www.independent.co.uk/
news/uk/home-news/oxfam-charity-lay-off-100-people-haiti-sex-scandal-funding-
cut-a8357476.html.
किर्बी, पॉल। “संघर्ष में यौन हिंसा का अंत: यौन हिंसा रोकथाम पहल-
“नैतिक और इसके आलोचक।” अंतर्राष्ट्रीय मामले 91, संख्या 3 (2015): 457–
72। ——। “बलात्कार युद्ध का हथियार कैसे है? नारीवादी अंतर्राष्ट्रीय संबंध, तरीके
युद्धकालीन यौन हिंसा का आलोचनात्मक विश्लेषण और अध्ययन।" यूरोपीय जर्नल
ऑफ
अंतर्राष्ट्रीय संबंध 19, अंक 4 (2012): 797–821. http://
doi.org/10.1177/1354066
111427614.
——. “क्या पुरुष होने से इनकार? युद्ध बलात्कार के लिए पुरुषों की ज़िम्मेदारी और
समस्या
नारीवादी और लिंग सिद्धांत में सामाजिक संरचनाएं।" पुरुष और पुरुषत्व 16, अंक 1
(2013): 93–114. http://doi.org/10.1177/1097184X12468100.

कोमेंस्का, कैटरीना। "मानवीय अभिनेताओं की नैतिक प्रेरणा।" मानवीयता में-
इयान एक्शन एंड एथिक्स, आयशा अहमद और जेम्स स्मिथ द्वारा संपादित, 62–78.
लंदन:
ज़ेड बुक्स, 2018।
कोयामा, शुकुको और हेनरी मर्टिनेन। "शांति अभियानों के अनपेक्षित परिणाम-"
"तिमोर लेस्ते में लैंगिक परिप्रेक्ष्य से होने वाली घटनाएं।" अनपेक्षित परिणाम
शांतिरक्षा अभियान, आओई चियुकी, सेड्रिक डी कॉनिंग और रमेश द्वारा संपादित
ठाकुर, 23–43. न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय प्रेस, 2007. क्रेट्ज़,
जोआकिम, और मैग्डा कार्डनास. “महिलाएं, शांति और हस्तक्षेप: कैसे
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने गृहयुद्ध में यौन हिंसा पर प्रतिक्रिया दी। कनाडाई
फॉरेन पॉलिसी जर्नल 23, नं. 3 (2017): 260–76. कुएन्सबर्ग, लौरा.
“ऑक्सफैम ने सरकारी फंडिंग के लिए आवेदन वापस लेने पर सहमति जताई.”

बीबीसी
समाचार, 16 फरवरी, 2018. https://www.bbc.com/news/uk-politics-43091489. लैंडेल, जेम्स. “हैती में यौन उत्पीड़न के आरोपों पर ऑक्सफैम के उप प्रमुख ने इस्तीफा दिया।” बीबीसी समाचार, 12 फरवरी। 2018. https://www.bbc.com/news/uk-43027631.
लासस, ऐनियस। "स्ब्रेबेनिका की विरासतें: यूरोपीय संघ-सर्बियाई संबंधों में डच कारक।"
राजनीतिक मनोविज्ञान 34, नं. 6 (2013): 899–915. लाविल, सैंड्रा. “बाल शोषण पर रिपोर्ट लीक करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सहायता कर्मी निलंबित”
फ्रांसीसी सैनिकों द्वारा।” गार्जियन, 29 अप्रैल, 2015। http://www.theguardian.com/world/2015/apr/29/un-aid-worker-suspended-leaking-report-child-abuse-french-tro
ऑप्स-कार.
——. “शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण का पर्दाफाश करने वाले संयुक्त राष्ट्र के व्हिसलब्लोअर को बरी कर दिया गया है।”
गार्जियन, 18 जनवरी, 2016. http://www.theguardian.com/world/2016/jan/18/un-
शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण का पर्दाफाश करने वाले व्हिसलब्लोअर को बरी कर दिया गया है। लाविल, सैंड्रा, और बेन क्विन। "संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने दावों के निपटान की समीक्षा का आदेश दिया"
फ्रांसीसी सैनिकों द्वारा बाल शोषण।" गार्जियन, 3 जून, 2015। http://www.theguardian.com/world/2015/jun/03/united-nations-child-abuse-french-soldiers. लीच, अन्ना, और सैंड्रा लाविल। “सहकर्मी द्वारा बलात्कार और फिर नौकरी से निकाल दिया गया: वह सहायता कर्मी जो
चुप रहने से इनकार कर दिया। गार्जियन, 19 अक्टूबर, 2015। http://www.theguardian.com/
विश्व/2015/अक्टूबर/19/सहकर्मी द्वारा बलात्कार किया गया, फिर उस सहायता

कर्मी को निकाल दिया गया जिसने इनकार कर दिया था
चुप रहो।
लेजरवुड, जूडी एल. “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मिशन।” पूर्व-पश्चिम केंद्र से विश्लेषण-
टेर. एशिया प्रशांत मुद्दे. होनोलूलू: ईस्ट-वेस्ट सेंटर, मार्च 1994. http://
www.seasite.
niu.edu/khmer/ledgerwood/PDFAsiaPacifi c.htm.
लिमानोव्स्का, बारबरा। दक्षिणपूर्वी यूरोप में मानव तस्करी। साराजेवो:
यूनिसेफ, 2002. https://www.osce.org/odihr/18540.
मैके, हैमिश। “हैती घोटाले का ऑक्सफैम पर क्या प्रभाव पड़ेगा?” बीबीसी न्यूज़, 12
फरवरी।
2018. https://www.bbc.com/news/uk-43030705.
मैकलियोड, एंड्रयू। "जब सहायता कार्य में बाल यौन शोषण की बात आती है, तो
ऑक्सफैम रेव-
"खुशियाँ तो बस हिमशैल का एक छोटा सा हिस्सा हैं।" इंडिपेंडेंट, 10 फरवरी,
2018। http://
www.independent.co.uk/voices/oxfam-aid-work-prostitutes-
un-workers-child-sex-
abuse-harassment-dfi d-a8204526.html.
मार्टिन, सारा। क्या लड़कों को लड़के ही रहना चाहिए? संयुक्त राष्ट्र में यौन शोषण
और दुर्व्यवहार का अंत।
शांतिरक्षा मिशन। वाशिंगटन डीसी: रिफ्यूजीज़ इंटरनेशनल, 2005। मज़ुराना, डायन,
और फोबे डोनेली। मानवीय सहायता कर्मियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न रोकें।
और विकास सहायता कार्यकर्ता। सोमरविले: फीनस्टीन इंटरनेशनल सेंटर, टफ्ट्स
204 ग्रंथसूची

विश्वविद्यालय, 2017. http://fi c.tufts.edu/publication-item/stop-
the-sexual-assault-against-
मानवीय एवं विकास सहायता कार्यकर्ता/
मैकफार्लेन, जॉन, और विलियम माले। "संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान में नागरिक

पुलिस-"
"हाल के ऑस्ट्रेलियाई अनुभव से कुछ सबक।" संयुक्त राष्ट्र शांति-
संचालन जारी रखना: तदर्थ मिशन, स्थायी जुड़ाव, रमेश द्वारा संपादित
ठाकुर और अल्ब्रेक्ट श्नाबेल, 182–212. टोक्यो: संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय प्रेस,
2001.
मैकगिल, जेना। "शांति स्थापना अर्थव्यवस्थाओं में अस्तित्व के लिए आवश्यक यौन
संबंध: शून्य सहिष्णुता का पुनर्पाठ"
संयुक्त राष्ट्र शांति सहायता में यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार के प्रति दृष्टिकोण
ऑपरेशन्स।" जर्नल ऑफ इंटरनेशनल पीसकीपिंग 18 (2014): 1–44. मैकग्रील,
क्रिस. "बलात्कार करने वाले शांतिरक्षकों की रक्षा करना बंद करो, बान की-मून ने
संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों से कहा-
"बर्बर स्टेट्स।" गार्जियन, 17 सितंबर, 2015। http://
www.theguardian.com/world/2015/
17 सितंबर/बलात्कार करने वाले शांतिरक्षकों की रक्षा करना बंद करो, बान की मून
ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को बताया। मेगर, सारा। "कांगो का बलात्कार: संघर्ष
में यौन हिंसा को समझना"
डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो।" जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी अफ्रीकन स्टडीज 28, नं.
2
(2010): 119–35. https://
doi.org/10.1080/02589001003736728.
मेंडेलसन, सारा ई. बैरक और वेश्यालय। वाशिंगटन, डीसी: सीएसआईएस, 2005.
http://csis.
org/fi les/media/csis/pubs/0502_barracksbrothels.pdf.
मर्सियाडेस, माइकल। "शांति स्थापना और वैधता: कंबोडिया से सबक और
सोमालिया।" अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 12, संख्या 2 (2005): 205–21। मोनक्रिफ,
स्टीफन। "सैन्य समाजीकरण, अनुशासनात्मक संस्कृति और यौन हिंसा में
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान।" जर्नल ऑफ पीस रिसर्च 54, नं. 5 (2017):
715–30. मून, कैथरीन ह्युंग-सन। सहयोगियों के बीच यौन संबंध: अमेरिका-कोरिया
में सैन्य वेश्यावृत्ति।

संबंध। न्यूयॉर्क: कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रेस, 1997। मोर्डाउंट, पेनी। "ऑक्सफैम पर अंतर्राष्ट्रीय विकास सचिव का बयान।"
अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग, ब्रिटेन सरकार, 16 फरवरी, 2018। https://www.gov.uk/government/news/statement-from-the-international-development-
ऑक्सफैम के सचिव।
मोरेन, बेनोइट। "फ्रांसीसी शांति सैनिकों से जुड़े यौन शोषण मामले में कोई आरोप नहीं।"
न्यूयॉर्क टाइम्स, 22 दिसंबर, 2017। https://www.nytimes.com/2017/01/06/world/africa/french-peacekeepers-un-sexual-abuse-case-central-african-republic.html. मुडग्वे, कैसेंड्रा। “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण: ‘जीवन रक्षा के लिए किया गया यौन संबंध’”
अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून में अंतर।" अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार पत्रिका 21, संख्या 9 (2017): 1453–1476.
मर्डोक, लिंडसे। “तिमोर में आपराधिक गिरोह।” सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड, फरवरी-और 28, 2008. http://www.smh.com.au/news/world/criminal-syndicate-in-timor/2008/02/27/1203788443860.html.
“पूर्वी तिमोर में कर्मचारियों द्वारा यौन शोषण को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र की कार्रवाई।” एज, 30 अगस्त, 2006। http://www.theage.com.au/news/world/un-acts-to-stamp-out-sex-abuse-by-staff-in-east-timor/2006/08/29/1156816899264.html.
—— “तिमोर में संयुक्त राष्ट्र की शर्मनाक विरासत।” एज, 22 जुलाई, 2006। http://www.theage.com.au/news/world/uns-legacy-of-shame-in-timor/2006/07/21/1153166587803.html.
——. “संयुक्त राष्ट्र तिमोर के वेश्यालयों के उपयोग पर आंखें मूंद लेता है।” एज, 7

मई, 2007. http://www.theage.
com.au/news/world/un-turns-blind-eye-to-use-of-timor-
brothels/2007/05/06/1178
390140808.html.

“शांति सैनिकों के दुर्व्यवहार को नजरअंदाज करने के लिए संयुक्त राष्ट्र आलोचनाओं के घेरे में।” सिडनी
मॉर्निंग हेराल्ड, 7 मई, 2007. http://www.smh.com.au/news/world/
un-under-fire-
शांतिरक्षकों के दुर्व्यवहार को नजरअंदाज करने के
लिए/2007/05/06/1178390145310.
एचटीएमएल.
मर्टिनेन, हेनरी। “पुरुषत्व को निरस्त्र करना।” निरस्त्रीकरण मंच 4 (2003): 37–
46। न्दुलो, मुना। “यौन शोषण और दुर्व्यवहार के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रियाएँ”
"शांति अभियानों के दौरान शांति सैनिकों द्वारा महिलाओं और लड़कियों का शोषण।"
बर्कले जर्नल
अंतर्राष्ट्रीय कानून 27, संख्या 1 (2009): 127–61। न्यूडॉर्फर, केली। "यौन
शोषण और दुर्व्यवहार को कम करना: क्या निवारण कारगर है?"
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मिशनों में समुद्री हिंसा को कैसे रोका जाए? अंतर्राष्ट्रीय
शांतिरक्षा 21, अंक 5
(2014): 623–41.
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में यौन शोषण और दुर्व्यवहार: जोखिम और पूर्व-परिस्थितियों
का विश्लेषण
रोकथाम कारक। लैनहैम, एमडी: लेक्सिंगटन बुक्स, 2014। नोबर्ट, मेगन। "सहायता
कर्मी: मुझे एक अन्य मानवतावादी ने नशीली दवा देकर बलात्कार किया।"
दक्षिण सूडान।” गार्जियन, 29 जुलाई, 2015। http://
www.theguardian.com/global-develo
pment-professionals-network/2015/jul/29/aid-worker-rape-
humanitarian-south-

सूडान-यौन-हिंसा।
—— यौन हिंसा से संबंधित मानवीय अनुभव: दो वर्षों का संकलन
रिपोर्ट द एब्यूज डेटा कलेक्शन। जिनेवा: रिपोर्ट द एब्यूज, 2017. https://
reliefweb.int/sites/reliefweb.int/fi les/resources/RTA
%20Humanitarian%20experi-
यौन हिंसा से संबंधित घटनाओं का संकलन
रिपोर्ट के वर्षों का दुर्व्यवहार डेटा संग्रह.pdf रोकथाम, नीति और प्रक्रिया चेकलिस्ट:
यौन हिंसा का जवाब देना
मानवीय और विकास संबंधी व्यवस्थाएँ। जिनेवा: रिपोर्ट द एब्यूज, 2016. https://
www.eisf.eu/library/prevention-policy-and-procedure-
checklist-responding-to-sex
मानवीय और विकासात्मक परिवेशों में यौन हिंसा। नॉर्डास, रागहिल्ड और सिरी
रुस्ताद। "शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार:
भिन्नता को समझना।" अंतर्राष्ट्रीय अंतःक्रियाएँ 39, संख्या 4 (2013): 511–34।
नुहानोविक, हसन। संयुक्त राष्ट्र ध्वज के अंतर्गत: अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और स्ब्रेबेन-
साराजेवो में नरसंहार। साराजेवो: डीईएस, 2007। ओडेलो, मार्को, और रोइसिन
बर्क। "प्रतिरक्षा और दण्डमुक्ति के बीच: शांतिरक्षा"
और यौन शोषण और हिंसा।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स 20, नं. 6
(2016): 839–53.
"चार में से एक पुरुष बलात्कार करता है।" आईआरआईएन, 18 जून, 2009।
http://www.irinnews.org/report/84909/
दक्षिण अफ्रीका में चार पुरुषों द्वारा बलात्कार।
ओ'नील, शॉन। "ऑक्सफैम के शीर्ष कर्मचारियों ने हैती पीड़ितों को यौन संबंध के
लिए भुगतान किया।" टाइम्स, 9 फरवरी, 2018। ओ'नील, शॉन, और लीला हद्दू।
"ऑक्सफैम यौन घोटाला: बर्खास्त कर्मचारियों को नई सहायता मिली।"
जॉब्स।" टाइम्स, 10 फरवरी, 2018। https://www.thetimes.co.uk/
article/new-shame-for-
ऑक्सफैम-एच5एनक्यू8एलएमएफएन.
ओस्पिना, सोफी। संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की लिंग-संबंधी गतिविधियों की समीक्षा

और मूल्यांकन।
तिमोर-लेस्ते में खनन अभियान और उनका लैंगिक संबंधों पर प्रभाव। न्यूयॉर्क:
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग, 2006।
ओटो, डायने। "शांति स्थापना में यौन दुर्व्यवहार के प्रति शून्य सहनशीलता नीतियों को समझना"
अर्थव्यवस्थाएँ।" वैनेसा मुनरो और कार्ल स्टाइचिन द्वारा संपादित "यौनिकता और कानून" में।
259–82. एबिंगडन: रूटलेज, 2007.
206 ग्रंथसूची

“यौन कांड के बाद ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन पर हैती में प्रतिबंध लगा दिया गया।”
बीबीसी न्यूज़, 13 जून, 2018। https://
www.bbc.com/news/uk-44474211.
ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन। हैती जांच अंतिम रिपोर्ट FRN5 (गोपनीय)। लंदन:
ऑक्सफैम ग्रेट ब्रिटेन, 2011।
“ऑक्सफैम हैती घोटाला: हजारों लोगों ने दान रद्द किया।” बीबीसी न्यूज़, फरवरी-
20 अप्रैल, 2018. https://www.bbc.com/news/uk-43121833.
ऑक्सफैम इंटरनेशनल. “हमारा उद्देश्य और मान्यताएँ.” ऑक्सफैम इंटरनेशनल.
एक्सेस किया गया
24 मई, 2019 https://oxf.am/2FOuLlO.
“ऑक्सफैम यौन कांड: हैती ने संस्था का संचालन निलंबित किया।” बीबीसी न्यूज़,
22 फरवरी।
2018. https://www.bbc.com/news/uk-43163620.
पेरिस, रोलैंड। युद्ध की समाप्ति पर: गृहयुद्ध के बाद शांति का निर्माण। कैम्ब्रिज: कैम-
ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2004।
——. “शांति स्थापना और वैश्विक संस्कृति की बाधाएँ।” यूरोपीय जर्नल ऑफ
अंतर्राष्ट्रीय संबंध 9, संख्या 3 (2003): 441–73. पटेल, प्रीति, और पाओलो
ट्रिपोडी। “शांति रक्षक, एचआईवी और मर्दानगी की भूमिका
सैन्य व्यवहार।” अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 14, संख्या 5 (2007): 584–98। प्रुगल,

एलिजाबेथ, और हेले थॉम्पसन। “व्हिसलब्लोअर: कैथ के साथ एक साक्षात्कार-
रिन बोल्कोवाक और मैडलीन रीस।" इंटरनेशनल फेमिनिस्ट जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स 15,
नं. 1 (2013): 102–9.
रज़ाक, शेरीन। डार्क थ्रेट्स एंड व्हाइट नाइट्स। टोरंटो: टोरंटो विश्वविद्यालय।
प्रेस, 2004.
—— “पेटवावा की ‘साफ बर्फ’ से: कनाडाई शांति रक्षकों की हिंसा”
सोमालिया में।" सांस्कृतिक नृविज्ञान 15, संख्या 1 (2000): 127-63। निवारण।
शांति स्थापना अभियानों में यौन शोषण और दुर्व्यवहार: सुधार
पीड़ितों को मुआवज़ा, सहायता और समर्थन प्राप्त करने का अधिकार। लंदन: रिड्रेस,
2017।
https://redress.org/wp-content/uploads/2017/08/REDRESS-peacekeeping-report-
इंग्लिश.पीडीएफ.
रेहन, एलिजाबेथ, और एलेन जॉनसन सिरलीफ। महिलाएँ, युद्ध और शांति: द
इंडिपेंडेंट
सशस्त्र संघर्ष का महिलाओं और महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेषज्ञों का
आकलन
शांति निर्माण में भूमिका। न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र महिला विकास कोष।
2002.
रॉबिन्सन, बिल, और पीटर इबॉट। कनाडाई सैन्य व्यय: वर्तमान स्थिति कैसी है?
किराए का स्तर ऐतिहासिक स्तरों से कितना मेल खाता है? सहयोगी देशों के खर्च से
कितना मेल खाता है? संभावित खतरों से कितना मेल खाता है?
वाटरलू, ओंटारियो: प्रोजेक्ट प्लॉशेयर्स, 2003. http://ploughshares.ca/
wp-content/
अपलोड/2012/08/WP3.1.pdf.
रॉस, एलिस। “ऑक्सफैम घोटाले से सभी प्रमुख धर्मार्थ संस्थाओं के दान पर असर
पड़ने की आशंका।” वित्तीय
टाइम्स, 18 फरवरी, 2018. https://www.ft.com/content/

d93f95bc-14a5-11e8-9376-
4a6390addb44.
रुडेन, फैनी और मैट्स उटास। शांतिरक्षा कर्मियों द्वारा यौन शोषण और दुर्व्यवहार। समकालीन अफ्रीका में स्थितियाँ। उप्साला: नॉर्डिक अफ्रीका संस्थान, नीतिगत टिप्पणियाँ।
2009.
रुविक, दादो। "दीवार पर चित्रकारी।" रॉयटर्स: द वाइडर इमेज, 7 जुलाई, 2015। https://
widerimage.reuters.com/story/drawings-on-the-wall.
सेव द चिल्ड्रन यूके। शिविर से समुदाय तक: लाइबेरिया में शोषण पर अध्ययन। बच्चे। लंदन: सेव द चिल्ड्रन यूके, 2006।

शेफर, ब्रेट डी. शांति रक्षक: दुर्व्यवहार के आरोप और जवाबदेही का अभाव-
संयुक्त राष्ट्र में। अफ्रीका, वैश्विक उपसमिति के समक्ष गवाही।
स्वास्थ्य, वैश्विक मानवाधिकार और अंतर्राष्ट्रीय संगठन समिति
विदेश मामले, संयुक्त राज्य प्रतिनिधि सभा, 13 अप्रैल, 2016. https://docs.
house.gov/meetings/FA/FA16/20160413/104766/
HHRG-114-FA16-Wstate-Schae
ferB-20160413.pdf.
शुल्ज़, काई, और रजनीश भंडारी। "प्रसिद्ध मानवतावादी पर बाल बलात्कार का आरोप"
नेपाल में, एक गाँव को चौंका देने वाला दृश्य।" न्यूयॉर्क टाइम्स, 11 मई, 2018। https://www.nytimes.
com/2018/05/11/world/asia/nepal-peter-dalglish-aid-
pedophilia.html. महासचिव का खतरों, चुनौतियों और बदलाव पर उच्च स्तरीय पैनल। अधिक जानकारी
सुरक्षित विश्व: हमारी साझा जिम्मेदारी। न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र, 2004। महासचिव। सहायता कर्मियों द्वारा शरणार्थियों के यौन शोषण की जांच।
पश्चिम अफ्रीका. ए/57/465 (11 अक्टूबर, 2002).

संवाददाताओं के लिए नोट: महासचिव की विशेष उपायों पर रिपोर्ट
यौन शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षा: एक नया दृष्टिकोण | संयुक्त राष्ट्र
महासचिव। 9 मार्च, 2017। https://www.un.org/sg/en/content/sg/
note-corre
उत्तरदाताओं/2017-03-09/नोट-उत्तरदाताओं-महासचिव%E2%80%99s-
रिपोर्ट-
विशेष।
महासचिव द्वारा आम सभा की अनौपचारिक बैठक में दिए गए भाषण के अंश।
महासभा। 16 जनवरी, 2018 को न्यूयॉर्क में महासभा की बैठक में प्रस्तुत किया
गया।
https://www.un.org/sg/en/content/sg/speeches/2018-01-16/
remarks-informal-meet
इंग-जनरल-असेंबली.
संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा पर महासचिव की रिपोर्ट। एस/2015/203
(23 मार्च, 2015). http://www.securitycouncilreport.org/atf/cf/
%7B65BFCF9B-
6D27-4E9C-8CD3-CF6E4FF96FF9%7D/s_2015_203.pdf. ——.
यौन उत्पीड़न से सुरक्षा के लिए विशेष उपायों पर महासचिव की रिपोर्ट-
यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार। ए/69/779 (13 फरवरी, 2015)। http://
reliefweb.
int/report/world/special-measures-protection-sexual-
exploitation-and-sexual-abuse-
रिपोर्ट-सचिव।
महासचिव का बुलेटिन: संयुक्त राष्ट्र बलों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नियमों का पालन।
राष्ट्रीय मानवीय कानून। एसटी/एसजीबी/1999/13 (6 अगस्त, 1999)। ——
महासचिव का बुलेटिन: यौन शोषण से सुरक्षा के लिए विशेष उपाय-
शिक्षा और यौन शोषण। ST/SGB/2003/13 (9 अक्टूबर, 2003)। http://
oios.un.org/
resources/2015/01/ST-SGB-2003-13.pdf.

सुरक्षा परिषद में स्थिति पर हुई परामर्श बैठक में महासचिव की टिप्पणी
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में। 13 अगस्त, 2015। https://www.un.org/sg/
statements/
इंडेक्स.एएसपी?एनआईडी=8903.
यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार से सुरक्षा के लिए विशेष उपाय।
ए/61/957 (15 जून, 2007)। https://undocs.org/A/61/957
——. यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार से सुरक्षा के लिए विशेष उपाय।
ए/70/729 (16 फरवरी, 2016)। https://undocs.org/A/70/729
——. यौन शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षा के लिए विशेष उपाय। ए/72/751
(15 फरवरी, 2018)। https://conduct.unmissions.org/sites/
default/fi les/a_72_751_0.pdf — यौन शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षा के
लिए विशेष उपाय: एक नया
दृष्टिकोण. ए/71/818 (28 फरवरी, 2017). https://undocs.org/
A/71/818.

— यौन शोषण के आरोपों पर महासचिव का बयान
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में। 3 जून, 2015। https://www.un.org/sg/en/
content/sg/
बयान/2015-06-03/बयान-जो-महासचिव-के-लगाव-के-लगाव-के-लगाव-है-
दुर्व्यवहार करना।
महासचिव का वक्तव्य: माली हिंसा पर रिपोर्ट प्राप्त होने पर, महासचिव ने यह बयान
दिया।
जनरल ने गठित पुलिस इकाई द्वारा “अत्यधिक बल प्रयोग” की निंदा की। SG/
SM/16640-
एएफआर/3102-पीकेओ/476 (2 अप्रैल 2015)। https://www.un.org/
press/en/2015/sgsm16640
doc.htm.
सेल्क, एवी और एली रोसेनबर्ग। "ऑक्सफैम वेश्यावृत्ति घोटाला कम से कम तीन

लोगों तक फैला"
देश।" वाशिंगटन पोस्ट, 13 फरवरी, 2018। https://
www.washingtonpost.
com/news/worldviews/wp/2018/02/13/oxfam-prostitution-scandal-widens-to-at-
कम से कम तीन देश/.
सेनगुप्ता, सोमिनी। "अमेरिकी सीनेटरों ने शांति सैनिकों द्वारा यौन शोषण के मामले में संयुक्त राष्ट्र को धमकी दी।"
न्यूयॉर्क टाइम्स, 21 दिसंबर, 2017। https://
www.nytimes.com/2016/04/14/world/
africa/us-senators-threaten-un-over-sex-abuse-by-peacekeepers.html. "यौन दुर्व्यवहार की जांच की जा रही है: यूएनएमआईटी के ग्योरगी काकुक।" पूर्वी तिमोर कानून
और न्याय बुलेटिन। 12 अक्टूबर, 2010। http://
www.easttimorlawandjusticebulletin.
com/2010/10/sexual-misconduct-being-investigated.html.
सीफ, केविन। "यौन शोषण और 'शांतिरक्षक शिशुओं' को लेकर बढ़ता संयुक्त राष्ट्र घोटाला।"
वॉशिंगटन पोस्ट, 27 फरवरी, 2016. http://
www.washingtonpost.com/sf/world/2016/
02/27/शांतिरक्षक/.
सिमिक, ओलिवेरा। "क्या महिलाओं की उपस्थिति वास्तव में मायने रखती है? पुरुष प्रधानता से लड़ने की दिशा में"
शांतिरक्षा अभियानों में यौन हिंसा।" अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा 17, अंक 2
(2010): 188–99.
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में यौन आचरण का विनियमन। न्यूयॉर्क:
स्प्रिंगर, 2012.
सिम, गैब्रिएल। शांति अभियानों में सेक्स। कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015।
सिस्क, टिमोथी डी. "लोकतंत्रीकरण के रूप में शांति निर्माण: निष्कर्ष और

सिफारिशें-"
"युद्ध से लोकतंत्र तक: शांति निर्माण की दुविधाएँ" में, अन्ना के. द्वारा संपादित। जारस्टैड और टिमोथी डी. सिस्क, 239–59. कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2008. स्मिथ, सारा. "शांति ओपेरा में जवाबदेही और यौन शोषण और दुर्व्यवहार-"ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स 71, नं. 4 (2017): 405–22.
स्पेंसर, सारा डब्ल्यू. "शांति स्थापित करना: यौन शोषण को रोकना और उसका जवाब देना"
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों द्वारा।" जर्नल ऑफ पब्लिक एंड इंटरनेशनल अफेयर्स 16 (वसंत 2005): 167–81.
स्टोर, विल। "पुरुषों का बलात्कार: युद्ध का सबसे काला रहस्य।" गार्जियन, 16 जुलाई, 2011।
http://www.theguardian.com/society/2011/jul/17/the-rape-of-men. टैसल, नताशा, और रॉस फ्लेट। "मानवीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं में प्रेरणा: आत्म-निर्धारण सिद्धांत परिप्रेक्ष्य।" व्यवहार में विकास 21, संख्या 7 (2011): 959–73.
टाउब, अमांडा। "झूठ, घिनौने झूठ, और एक बेहद भ्रामक आँकड़ा।" न्यूयॉर्क टाइम्स, 1 मार्च, 2018. https://www.nytimes.com/2018/02/28/world/americas/un-sexual-assaults.html.
थॉमसन, कैरोलिन। "ऑक्सफैम जीबी के न्यासी अध्यक्ष की प्रेस विज्ञप्ति: ऑक्सफैम प्रतिबद्ध है"
हैती में हुई आपदा के बाद के सुधारों पर रिपोर्ट। ऑक्सफैम जीबी, 11 फरवरी, 2018।

https://www.oxfam.org.uk/media-centre/press-releases/2018/02/oxfam-commits-to-
हैती की घटनाओं के बाद हुए सुधारों की रिपोर्ट।
राष्ट्रपति से आग्रह करना कि वे संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी प्रतिनिधि को निर्देश दें
संयुक्त राष्ट्र और उसके प्रतिनिधियों को नियंत्रित करने के लिए संयुक्त राज्य

अमेरिका की आवाज़ और वोट का उपयोग करना।
सदस्य राज्य यौन शोषण और दुर्व्यवहार के आरोपों के लिए उत्तरदायी हैं
संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक। एच.कॉन.रेस.62, 115वीं कांग्रेस (2017)। https://
www.
congress.gov/bill/115th-congress/house-concurrent-
resolution/62/text. सच है, जैकी। महिलाओं के खिलाफ हिंसा की राजनीतिक
अर्थव्यवस्था। ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी-
यूनिवर्सिटी प्रेस, 2012।
संयुक्त राष्ट्र और बोस्निया में यौन दास व्यापार: क्या यह एक अलग मामला है या
संयुक्त राष्ट्र में एक बड़ी समस्या?
प्रणाली? अंतर्राष्ट्रीय संचालन और मानव संसाधन संबंधी उपसमिति के समक्ष सुनवाई
प्रतिनिधि सभा की अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति के अधिकार।
107वीं कांग्रेस 85 (2002) (डेविड लैम्ब का बयान, पूर्व संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार
जांचकर्ता-
बोस्निया में बाघ)। http://commdocs.house.gov/committees/
intlrel/hfa78948.000/hfa
78948_0.HTM#65.
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों पर सड़क पर रहने वाले
बच्चों का यौन शोषण करने का आरोप लगा है।
"लाइसेंस" गार्जियन, 23 जून, 2015। http://www.theguardian.com/
world/2015/jun/23/
संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षकों पर मध्य अफ्रीकी गणराज्य में बेघर बच्चों के यौन शोषण
का आरोप लगा है। “मध्य अफ्रीकी गणराज्य में मिनुस्का शांतिरक्षकों द्वारा बलात्कार
के नए आरोप संयुक्त राष्ट्र को मिले हैं।” गार्जियन।
19 अगस्त, 2015. http://www.theguardian.com/world/2015/
aug/19/un-receives-new-
charges-of-by-minusca-peacekeepers-in-car.
यूएनएआईडी। “एड्स और सेना।” यूएनएआईडी सर्वोत्तम अभ्यास संग्रह। जिनेवा:
यूएनएआईडी।

1998.
यूएनएचसीआर और सेव द चिल्ड्रन यूके। यौन हिंसा और शोषण: अनुभव
गिनी, लाइबेरिया और सिएरा लियोन में शरणार्थी बच्चों के बारे में। फरवरी 2002।
https://
www.savethechildren.org.uk/content/dam/global/reports/
health-and-nutrition/sex
ual_violence_and_exploitation_1.pdf.
संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र का चार्टर, 24 अक्टूबर, 1945। http://www.ref
world.org/docid/3ae6b3930.html.
भविष्य में होने वाले यौन शोषण और दुर्व्यवहार को समाप्त करने के लिए एक व्यापक
रणनीति
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान। ए/59/710 (24 मार्च, 2005)। ——। “यौन
शोषण और दुर्व्यवहार—आंकड़े।” संयुक्त राष्ट्र क्षेत्र मिशनों में आचरण, जनवरी-
23 अप्रैल, 2017. https://conduct.unmissions.org/sea-data-
introduction. ——. “यौन शोषण और दुर्व्यवहार के पीड़ितों के समर्थन में ट्रस्ट
फंड।” प्रिवेंट-
यौन शोषण और दुर्व्यवहार/संयुक्त राष्ट्र। 30 मई, 2018 को एक्सेस किया गया।
https://
www.un.org/preventing-sexual-exploitation-and-abuse/
content/trust-fund. संयुक्त राष्ट्र क्षेत्र मिशनों में संयुक्त राष्ट्र का आचरण।
“यौन शोषण और दुर्व्यवहार: तालिका
आरोपों के बारे में।" संयुक्त राष्ट्र क्षेत्र मिशनों में आचरण, 5 अप्रैल, 2017।
https://conduct.unmis
sions.org/table-of-allegations.
——. “यौन शोषण और दुर्व्यवहार डेटा,” 23 जून, 2016, https://
conduct.unmis
sions.org/table-of-allegations.
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियान विभाग। संयुक्त राष्ट्र पर पुस्तिका
बहुआयामी शांतिरक्षा अभियान। न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र, 2003।

——. “हमारे मिशनों से समाचार।” 13 जुलाई, 2018 को प्राप्त किया गया। https://peacekeeping.un.org/
en/news-our-missions.
210 ग्रंथसूची

—— “दस नियम: ब्लू हेलमेट्स के लिए व्यक्तिगत आचरण संहिता,” 1998. http://pseatask
force.org/uploads/tools/
tenrulescodeofpersonalconductforbluehelmets_undpko_eng
lish.pdf.
“संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा: सेवा और बलिदान के 70 वर्ष।” 13 जुलाई, 2018 को प्राप्त किया गया।
https://peacekeeping.un.org/en/un-peacekeeping-70-years-of-service-sacrifi ce
——. “हम क्या करते हैं।” 5 अप्रैल, 2018 को अभिगमित। https://
peacekeeping.un.org/en/what-we-do. संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा संचालन विभाग/क्षेत्रीय सहायता विभाग।
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के लिए एक नया क्षितिज तैयार करने वाला एक नया साझेदारी एजेंडा।
यॉर्क: संयुक्त राष्ट्र, 2009. https://www.un.org/ruleofl aw/fi les/
newhorizon.pdf.
संयुक्त राष्ट्र लोक सूचना विभाग। “यूएनटीएएईटी,” मई 2002। https://
peacekeeping.un.org/mission/past/etimor/UntaetB.htm.
संयुक्त राष्ट्र महासभा। महासभा द्वारा अपनाया गया प्रस्ताव: जांच-
पश्चिम अफ्रीका में सहायता कर्मियों द्वारा शरणार्थियों के यौन शोषण की जांच। ए/आरईएस/
57/306 (22 मई, 2003). http://www.un.org/en/ga/search/
view_doc.asp?symbol=A/RES/
57/306.
संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट।

शांति अभियानों पर स्वतंत्र उच्च स्तरीय पैनल, ए/70/95, एस/2015/446 (17 जून,
2015). http://www.un.org/en/ga/search/view_doc.asp?symbol=S/2015/446. ——. संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर पैनल की रिपोर्ट (ब्राहिमी रिपोर्ट).
ए/55/305, एस/2000/809 (21 अगस्त, 2000)। https://undocs.org/A/55/305 संयुक्त राष्ट्र समाचार सेवा। "संयुक्त राष्ट्र के खिलाफ यौन शोषण के नए आरोप सामने आए"
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में शांति सैनिक।" संयुक्त राष्ट्र समाचार सेवा अनुभाग, 4 फरवरी।
2016. https://www.un.org/apps/news/story.asp?NewsID=53163. ——. "कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र के नागरिक कर्मचारी पर बाल यौन शोषण का आरोप।" संयुक्त राष्ट्र समाचार सेवा, 1 नवंबर, 2004।
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 7642वीं बैठक (अनुवाद-
स्क्रिप्ट). एस/पीवी.7642 (10 मार्च, 2016).
सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष का वक्तव्य। एस/पीआरएसटी/2005/21 (2005) (31 मई, 2005)। https://www.un.org/press/en/2005/sc8400.doc.htm सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष का वक्तव्य। S/PRST/2015/22 (2015)
(25 नवंबर, 2015)। http://undocs.org/S/PRST/2015/22 सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष का वक्तव्य। S/PRST/2015/26 (2015)
(31 दिसंबर, 2015)। http://undocs.org/S/PRST/2015/26 ——
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1031। S/RES/1031 (1995) (15 दिसंबर, 1995)। ——। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1035। S/RES/1035 (1995) (21 दिसंबर, 1995)। ——। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1088। S/RES/1088 (1996) (12 दिसंबर, 1996)। ——। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1264। S/RES/1264 (1999) (15 सितंबर,

1999)।
http://unscr.com/en/resolutions/1264.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1272. S/RES/1272 (1999) (22 अक्टूबर, 1999). संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1542. S/RES/1542 (2004) (30 अप्रैल, 2004). संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1704. S/RES/1704 (2006) (24 अगस्त, 2006). संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 2242. S/RES/2242 (2015) (13 अक्टूबर, 2015). संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 2272. S/RES/2272 (2016) (11 मार्च, 2016). अमेरिकी सीनेट विदेश संबंध समिति। "कॉर्कर यौन उत्पीड़न से घृणा करते हैं-"
संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा यौन दुर्व्यवहार के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने वाले देशों के लिए परिणाम भुगतने की मांग की गई है।

ग्रंथसूची 211

"दुराचार के लिए सैनिकों को दंडित करें।" 13 अप्रैल, 2016। https://www.foreign.senate.gov/
प्रेस/अध्यक्ष/विज्ञप्ति/संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों द्वारा यौन शोषण से घृणा व्यक्त करने वाला व्यक्ति। “UNPROFOR” सार्वजनिक सूचना विभाग, संयुक्त राष्ट्र। अंतिम अद्यतन
31 अगस्त, 1996. http://peacekeeping.un.org/mission/past/unprof_p.htm. वैन डे बिल्ड्ट, जॉयस. “स्ब्रेबेनिका: एक डच राष्ट्रीय आघात.” जर्नल ऑफ पीस, कॉन्फ्लिक्ट
और विकास, नहीं. 21 (2015): 115-45। वैन डेर लिजन, जेयर, और स्टेफनी रोस। "शांतिरक्षा योगदानकर्ता प्रोफ़ाइल: नीदरलैंड-
भूमि।" शांतिरक्षा के लिए प्रावधान, जनवरी 2014। http://www.providingforpeace
keeping.org/2014/04/08/contributor-profi le-the-netherlands/. वैन विलगेन, नील्स. “संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में डच वापसी?” अंतर्राष्ट्रीय शांतिरक्षा-
इंग 23, नं. 5 (2016): 702–20.

वैक्स, एमिली। “कांगो की हताश ‘एक डॉलर वाली संयुक्त राष्ट्र की लड़कियाँ’।” वाशिंगटन पोस्ट, 21 मार्च।
2005. https://www.washingtonpost.com/wp-dyn/articles/A52333-2005Mar20.html. वेस्टेंडॉर्फ, जैस्मीन-किम. “चर्चा पत्र: यौन शोषण के प्रभाव का मानचित्रण-
शांति अभियानों में हस्तक्षेपकर्ताओं द्वारा दुर्व्यवहार और शोषण," पायलट परियोजना के निष्कर्ष, दिसंबर
2016, 5, https://www.latrobe.edu.au/_data/assets/pdf_file/0003/769800/Mapping-
शांति अभियानों में हस्तक्षेप करने वालों द्वारा यौन शोषण का प्रभाव.pdf —— शांति प्रक्रियाएँ विफल क्यों होती हैं: गृहयुद्ध के बाद असुरक्षा पर बातचीत। बोल्डर: लिन
रीनर, 2015.
वेस्टेंडॉर्फ, जैस्मीन-किम और लुईस सियरल। "शांति काल में यौन शोषण और दुर्व्यवहार"
संचालन: रुझान, नीतिगत प्रतिक्रियाएं और भविष्य की दिशाएँ। अंतर्राष्ट्रीय मामले 93, नं. 2 (2017): 365–87.
व्हैलन, जेनी। अपमान से निपटना: चुनौतियों पर संकल्प 2272 का कार्यान्वयन संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में यौन शोषण और दुर्व्यवहार के बारे में। अंतर्राष्ट्रीय शांति संस्थान-
ट्यूटोरियल, 2017.
——. शांति अभियान कैसे काम करते हैं: शक्ति, वैधता और प्रभावशीलता। ऑक्सफोर्ड:
ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2013।
——. “शांतिरक्षकों की स्थानीय वैधता।” जर्नल ऑफ इंटरवेंशन एंड स्टेटबिल्ड-इंग 11, नं. 3 (2017): 306–20. https://doi.org/10.1080/17502977.2017.1353756. व्हिटवर्थ, सैंड्रा. “लिंग, नस्ल और शांति स्थापना की राजनीति.” ए फ्यूचर फॉर में
शांति स्थापना? , एडवर्ड मॉक्सन-ब्राउन द्वारा संपादित, 176–91. हाउंडमिल्स:

मैकमिल-
लैन, 1998.
पुरुष, सैन्यवाद और संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा: एक लैंगिक विश्लेषण। बोल्डर: लिन रीनर पब्लिशर्स, 2004।
विल्शर, किम और सैंड्रा लाविले। "फ्रांस ने कथित आपराधिक जांच शुरू की"
"शांति रक्षकों द्वारा यौन शोषण।" गार्जियन। 8 मई, 2015। http://www.theguardian.com/
विश्व/2015/मई/07/फ्रांस-आपराधिक-जांच-फ्रांसीसी-सैनिकों-के-आरोप-का-आरोप-संयुक्त राष्ट्र-
केन्द्रीय अफ्रीकी गणराज्य।
वुड, एलिजाबेथ जीन। "सशस्त्र समूह और यौन हिंसा: युद्धकालीन बलात्कार कब होता है?"
दुर्लभ?" राजनीति और समाज 37, संख्या 1 (2009): 131–61. ——. "संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा और हाल के शोध के नीतिगत निहितार्थ।"
इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ द रेड क्रॉस 96, नं. 894 (2014): 457–78.

अनुक्रमणिका

सहायताकर्मी (नागरिक बोलकोवाक, कैथरीन, 59, 86, 97 भी देखें)
हस्तक्षेपकर्ता), 7, 24, 30, 34, 45–54 बोस्निया-हर्ज़ेगोविना, 15, 23, 28, 37,
एड्स-मुक्त विश्व, 28, 72, 116, 130, 149, 38, 56–62, 76–79, 82, 85–86, 89,
151 92–93, 95, 97–98, 123–124, 125,
अबू ग़रेब, 32 134–140
अफगानिस्तान, 124 एरिज़ोना मार्केट, 60, 76
एजेंसी (सहमति भी देखें), 32, 35, 37, अपराधियों पर अधिकार क्षेत्र, 62
149, 154–155, 157, 160–162 स्थानीय पुलिस, 62, 76–77, 85–86, 95–96

अकाशी, यासुशी, 23, 40 साराजेवो घेराबंदी, 57, 58-59, 92-93
अल हुसैन, ज़ीद राद, 116, 149 सेब्रेनिका, 9, 93, 123–124, 134–140
अन्नान, कोफी, 24, 118 ब्राहिमी रिपोर्ट (2000 पैनल की रिपोर्ट)
एरोन, शिदाने, 31, 124 (संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर), 75, 79
ऑस्ट्रेलिया, 64, 113–114
ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल, 63, 96, 152 कंबोडिया (देखें यूएनटीएसी भी), 22-23, 37,
ऑस्ट्रेलियाई विदेश विभाग 84, 95
मामले और व्यापार, 113–114 कनाडा, 124
मध्य अफ्रीकी गणराज्य, 1, 29, 31, 32, 35,
पशुगमन, 64 73, 104, 108, 113, 115–123, 126–128,
लाभार्थी, 25, 36, 155 130–132, 149–151, 153, 159
बिशप, जूली, 113–114 बाल संरक्षण, 7, 36, 73, 108 214 अनुक्रमणिका

बच्चे: पीड़ित के रूप में, 26, 29, 31, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य
32–36, 38, 64–67, 75, 83–84, 91, (MONUC भी देखें), 28, 30–32, 72,
116–117, 124, 127, 130, 144, 150, 88, 108, 113, 148
152, 154 घरेलू कामगार (गृहणियों को भी देखें), 67
बच्चे और सशस्त्र संघर्ष ढांचा, घरेलू गुलामी, 60, 76
153 मादक पदार्थों की तस्करी, 58, 76–77
चीन, 38, 120 डच रक्षा मंत्रालय, 124
नागरिक हस्तक्षेपकर्ता, 5, 7, 17, 21–22, 29, डायनकोर्प, 23, 37, 57, 59–60, 86, 89
43, 46–54, 57, 105–107, 120, 124,
140, 142–143, 160 मिस्र, 127
पीड़ितों के रूप में, 47–54, 142 इरिट्रिया, 38
नागरिक शांति रक्षक, 5, 21–22, 24, यूरोपीय संघ, 112–115
29–30, 43, 46–47, 57, 63, 105, दक्षिण पूर्व समुद्र के जोखिमों का
मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ मिशन

142–143, 160 मिनुस्ताह में रोकथाम के प्रयास,
कोड ब्लू अभियान (देखें एड्स-मुक्त यूएनएमआईएल, मोनस्को और यूएनमिस भी)
विश्व), 28, 72, 116, 130, 149, 151 72
आचार संहिता (शून्य भी देखें)
सहिष्णुता नीति), 2, 21, 86, 131, जबरन वेश्यावृत्ति, 38, 44, 59–60, 77
143, 161 फ्रांस, 60, 116–117, 120–121, 128,
कोलमैन, आइसोबेल, 122 130–132
औपनिवेशिकता, 3, 42–43, 66 संगारी सैनिक, 31, 116, 128, 130,
संघर्ष संबंधी यौन हिंसा, 7, 10, 132, 149–150
18, 28, 30, 33, 40, 42–46, 56, 58,
61, 69–70, 73, 97–98, 141–142, Gaye, General Babacar, 118
144–145, 149, 153–154, 156–163 लैंगिक समानता, 4, 30, 41, 154
सहमति, 2, 4–5, 21, 25, 32, 35–36, लिंग मानदंड, 4, 42, 70
61, 65, 68–69, 77, 107–108, 149, गिनी, 24, 33
154-158, 160-161 गुटेरेस, एंटोनियो, 2, 108, 150-151, 153
सहमति से बने यौन संबंध, 8, 15,
26, 35–36, 56, 60–61, 63, 66–68, हैती, 20–21, 29, 33, 72, 77,
82, 88, 93,
70, 78, 81, 106, 143, 154–156, 104, 112–115, 147
159–160 खतरों और चुनौतियों पर उच्च स्तरीय पैनल
कॉर्कर, बॉब, 122 और परिवर्तन (2004), 75, 133
भ्रष्टाचार, 9, 79 HIPPO रिपोर्ट (उच्च- की 2015 रिपोर्ट-
कोटे डी आइवर, 33, संयुक्त राष्ट्र पर 35 स्तर का स्वतंत्र पैनल
अपराध/आपराधिक नेटवर्क, 26, 38, 62, शांति अभियान), 75, 79, 90, 117
82–83, 87, 160 एचआईवी/एड्स, 23, 76, 109
संस्कृति हॉलैंड, फ़्राँस्वा, 116-117, 150
हस्तक्षेपकर्ता संस्कृतियाँ, 7, 52–53, 85, 89, गृहस्वामी, 67, 93
93, 108, 117, 132, 135–140, मानवाधिकार, 73–79, 81, 85–86, 90,
98,

142–143, 153, 161 130, 144
सैन्य संस्कृतियाँ, 42, 151 ह्यूमन राइट्स वॉच, 24, 29, 60, 85–86
मानव तस्करी (यौन तस्करी भी देखें)
दारफुर, 127 तस्करी), 23, 37–38, 44, 46,
डेटन समझौता, 57 58–59, 82–83, 85–86, 89, 97
सूचकांक 215

मानवीय संगठन: वित्तपोषण, कोम्पास, एंडर्स, 116–117, 131, 149
112–115 कोसोवो, 37–38, 82, 124
मानवीय सिद्धांत, 13, 105–106,
108, 110–111, 115, 144 लेबनान, 114, 124
मानवीय महिला नेटवर्क, वैधता, 9–10, 13, 94–96, 101–102,
48–49, 51 109–115, 117, 124
वैधता रणनीतियाँ, 9, 104–105,
अंतर-एजेंसी स्थायी समिति, 27 110–112, 115, 117–118, 121, 125,
निष्पक्षता, 8, 96, 101, 104, 106 128–131, 146–147, 156–157,
164
कार्यान्वयन बल (IFOR), 57 उदार शांतिरक्षा, 75
दण्डमुक्ति, 80, 85–89, 91–92, 106–107, लाइबेरिया (संयुक्त राष्ट्र मिशन
इन लाइबेरिया भी देखें),
145, 149–151 24, 28, 33–34, 72, 82, 91, 95, 108,
भारत, 120, 127 124
इंटरफेट (तिमोर-लेस्ते भी देखें), 63
आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के शिविर, मलेशिया, 64, 120
32-33, 83, 88 माली (मिनुस्मा भी देखें), 124, 127
अंतर्राष्ट्रीय समुदाय विवाह, 67–68, 78, 81
क्षमता, 2, 7–11, 74, 95–98, 100, पुरुषत्व, 3, 30, 40–41, 54, 139,
142
105–111, 140–146, 164–165 मीडिया, 47, 68, 114–117, 126,

130, 140,
परिभाषा, 17 148, 151
वैधता, 9, 104–107, 110, 112–115, सैन्य वेश्यावृत्ति, 34, 42, 54, 142
132–133, 145–146, 165 मिनुस्का (मध्य अफ्रीकी भी देखें)
अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय, 109 गणराज्य), 29, 118, 151
अंतर्राष्ट्रीय संगठन फॉर मिनुस्मा (माली भी देखें), 124
प्रवासन, 77 मिनुस्ताह (हैती भी देखें), 20
अंतर्राष्ट्रीय संगठन: रोजगार MONUC (डेमोक्रेटिक रिपब्लिक भी देखें)
कांगो के राष्ट्रीय कर्मचारियों के लिए प्रथाएं (93-94), 30, 33, 35, 43
हस्तक्षेपकर्ता समुदाय मोर्डाउंट, पेनी, 113
आंतरिक संघर्ष, 96–97, 104, 146
परिभाषा, 17 नाटो, 57, 124 हस्तक्षेपकर्ता नेटवर्कयुक्त दुर्व्यवहार और शोषण,
परिभाषा, 17 37–39, 42–43, 60, 62, 65, 69–70,
अविश्वास, 91–94, 96, 100, 111 81–82, 85–86, 143
मनोबल, 104–107, 128, 132–133, 146 न्यूजीलैंड, 64, 120
आईपीटीएफ (यूएनप्रोफोर और बोस्निया-नाइजीरिया, 127 भी देखें)
हर्ज़ेगोविना), 23, 57, 59–60, 62, नोबर्ट, मेगन, 47–48, 88
76–77, 86 नुहानोविक, हसन, 93, 95, 137
इराक, 32, 113, 124
ओएचसीएचआर, 23, 59, 97
जॉनसन, बेन, 59-60 ओआईओएस, 24, 48
जॉर्डन, 114 ऑक्सफैम, 20–21, 77, 104, 112–115,
147–148
केएफओआर (कोसोवो भी देखें), 38
Ki-moon, Ban, 2, 72, 117, 127, 150 Pakistan, 127–128, 132
क्लेन, जैक्स पॉल, 92, 131 शांति शिशु, 15, 63, 65–68, 77–78, 91 216
अनुक्रमणिका

शांति निर्माण: परिभाषा, पाकिस्तान से 17, 60, 66
शांति सुदृढ़ीकरण: परिभाषा, पुर्तगाल से 17, 65-66, 83

कांगो गणराज्य से शांति अभियान, 32,150
चुनौतियाँ और असफलताएँ, 72–73, 95, 98, रूस से, 60
134–136, 163 रवांडा से, 127
दक्षिण अफ्रीका की ओर से 29-30 गोल, 73, 78-79, 90, 95, 98-101
104–105, 109–111, 119, 121, स्पेन से, 60
139–140, 144–146, 165 यूनाइटेड किंगडम से, 60
वैधता, 99, 101–102, 104, 110, यूक्रेन से, 30, 38
117, 120–129, 132–135, 138–140, उरुग्वे से, 33
संयुक्त राज्य अमेरिका से 145, 165, 23, 37, 57–60, 78
जनादेश, 20–21, 31, 35–36, 45, अमेरिका से, 23, 37, 57–60, 78
63–64, 73, 79–80, 93, 110–111, अविश्वास, 91–97, 100–101,
120–121,
119–120, 139–140, 153 145
परिचालन संबंधी चुनौतियाँ, 92, 95–97, प्रत्यावर्तन, 62, 95, 119, 127–128,
111–112, 120–121, 129, 145 150
संसाधन और कार्मिक शांतिरक्षा अर्थव्यवस्थाएँ, 3, 33–34,
योगदान, 97, 100, 108–109, 37–38, 58, 61, 68, 78–79, 81–85,
111, 122–129, 145–146 92, 94, 136, 144, 152, 154–155,
शांति प्रक्रिया: परिभाषा, 16 160–161
शांति रक्षक, 17 अश्लील सामग्री, 7, 38, 60, 62, 66, 137
हिंसा के शिकार के रूप में, 95–96, 145 गरीबी, 36–37, 42–46, 68, 74–
75,
अपेक्षाएँ, 34, 92, 100, 120–121, 77–78, 115, 144
156, 161 पावर, 3, 6, 8, 13, 25, 34, 36, 68, 86,
अर्जेंटीना से, 60 92–95, 100–101, 106, 128–129,
ऑस्ट्रेलिया से, 96–97, 152 136–140, 142, 145, 159–160
बांग्लादेश से, 95 लैंगिक शक्ति गतिशीलता, 36-37,
बेल्जियम से, 35, 38 40–41, 49, 56, 61, 80, 106, 139,
ब्राजील से, 29 153–156

बुल्गारिया से, 95 यौन शोषण की रोकथाम और
बुरुंडी से, 29, 35 दुर्व्यवहार प्रशिक्षण, 4, 7, 10, 13, 52, 149,
कनाडा से, 31, 42, 95–96, 124 152, 154–156, 159–160, 163
चाड से, 1, 31, 116 149 निजी सुरक्षा ठेकेदार, 7, 12, 17,
लोकतांत्रिक गणराज्य से 21, 37, 57
कांगो, 30, 151 नागरिकों की सुरक्षा, 2, 7, 34, 73, 74,
भूमध्यरेखीय गिनी से, 1, 31, 116, 76, 90, 118, 134–135, 139, 150,
153
149
फिजी से, 60, 97 नस्ल, नस्लवाद, 42, 160
फ्रांस से (फ्रेंच संगारिस भी देखें), नस्लवाद, 3, 7, 13, 42, 78, 93, 126–129,
1, 31, 43, 60 136–140, 147, 160
इटली से, 38 रामोस-होर्ता, जोस, 133
जापान से, 66 बलात्कार, 1, 20, 24, 28–33, 35–39, 44–49,
जॉर्डन से, 64–65, 81, 91, 96 61–62, 64, 67, 69–70, 81, 87, 95,
मेक्सिको से, 60 127, 150, 156
मोरक्को से, 33 रीस, मैडलीन, 59, 97
नीदरलैंड से, 23, 93, दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करें, 48, 50, 88
123-134, 134, 136-139 रोमा, 82

सूचकांक 217

विधि का शासन, 73, 79–90, 99, 101, 111, पीड़ित संरक्षण, 23, 77, 113
144–146 व्हिसलब्लोअर, 59–60, 96, 116–117,
रवांडा, 127 128, 120-132, 149-151

सुरक्षा क्षेत्र सुधार, 73, 79, 84,
स्कारलेट-तिमोर सेक्स वर्कर कलेक्टिव, 65, 144–145
67, 76, 84 सेनेगल, 120, 127
यौन शोषण और दुर्व्यवहार, यौन उद्योग, 37–38, 65, 78, 82–84, 86,
निजी क्षेत्र द्वारा दुर्व्यवहार, 69 114
जवाबदेही तंत्र और यौन दासता, 32, 37–38, 44, 59–60, 76–77

जांच, 51, 53, 62, 86–87, यौन पर्यटन, 83–84, 114
89, 91, 98, 106–109, 111–113, यौन तस्करी (मानव तस्करी भी देखें)
115–118, 122, 127–128, 130–133, तस्करी), 7, 15, 56–57, 60–
61,
141–143, 145, 149–151, 157, 65, 76, 81–82, 84–86, 89, 92, 96–97
160–161 लिंगभेद, 42, 51–52, 93, 139
कारण, 39–43, 53, 141, 149, 152, 161 यौन उत्पीड़न, 4, 15, 30, 41,
46–55,
विवादित व्यवहार, 58–59, 62–63, 66, 63, 66–67, 80–81, 87, 91, 98,
68, 70, 143, 154, 157–159, 161 142–143
मौन की संस्कृति, 59, 61–62, 65, यौन संचारित संक्रमण, 76
69-70, 88, 91, 143, 145 एसएफओआर, 37, 57, 60
अपराधियों के लिए प्रतिरक्षा, 40 शर्म (कलंक भी देखें), 33, 36, 46, 51,
प्रपत्र, 26–39, 70, 141–143, 160, 163 58–59, 61, 68–69, 77–78
नामकरण और बदनामी, 117–123, सिएरा लियोन, 24, 28, 30
127–128 तस्करी (अपराध भी देखें), 38, 58
अपराधी, 14, 16, 109, 117–118, नरम तकिया अभ्यास, 66
120-121, 142 सोकांबी, एरिस्टाइड, 117
नीतिगत प्रतिक्रियाएँ, 7, 27, 47, 51, 89, सैनिक: यौन हिंसा, 28, 41, 44
91, 98, 107–108, 115, 118–119, सोमालिया, 31, 38, 42, 124
122, 126–127, 131, 135, 141–143, दक्षिण सूडान (संयुक्त राष्ट्र मिशन
भी देखें)
147–165 दक्षिण सूडान), 36, 47, 72, 88, 114
प्रचलन, 27–28, 47, 49, 61, 64, टेरेन होटल हमला, 9
69–70, 87, 100, 143 कलंक (शर्म भी देखें), 16, 45–46, 61,
रिपोर्टिंग तंत्र, 27, 51, 53, 61, 67, 69–70, 77–78
67, 69, 88–89, 107, 113, 115–118, सूडान, 28
142–143, 150–151, 157, 161 उत्तरजीविता यौन संबंध (लेनदेन संबंधी यौन
संबंध भी देखें), 32

सेना में योगदान देने वाले स्वीडन की जिम्मेदारी, 113–114
देश, 118–123, 126–129, स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास
131–132, 151 सहयोग एजेंसी, 113
जोखिम कारक, 4, 33, 36–37, 40, 52, 62,
136–140, 152–153, 161 अस्थायी पत्नियाँ, 67–68, 81
नेतृत्व की भूमिका, 10, 23–24, 44, नीदरलैंड, 123–125
107-108, 112, 121, 138, 148, 150, तिमोर-लेस्ते, 15, 28, 33, 45,
53, 62-71,
162 76–91, 93–94, 97, 106, 125
यौन शोषण की परिभाषा, 6, 28 लैंगिक हिंसा की संस्कृतियाँ, 80–81,
यौन शोषण की परिभाषा, 6 84, 87
संयुक्त राष्ट्र डेटा, 14, 26-27, 47, 62 दिली 2001 होटल, 66
पीड़ित सहायता एवं मुआवजा, तैरती नाव, 66
12, 23, 83, 89, 104, 107–109, 159 इंडोनेशियाई कब्ज़ा, 69, 80 218
सूचकांक

तिमोर-लेस्ते (जारी) संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी संघ, 117
स्थानीय सुरक्षा क्षेत्र, 81, 84–87 यूएनएआईडी, 23
ओकुसे, 64–66, 81, 91, 96 यूएनएएमईटी (देखें तिमोर-लेस्ते भी), 63,
लेन-देन संबंधी यौन संबंध, 7, 15, 21, 23, 35, 82–83
53, 58–59, 62, 64–66, 68, 70, 77, यूनाइटेड किंगडम, 112–113,
120–121
83, 91, 93, 95, 101, 106–107, 136, यूके चैरिटी कमीशन, 112
138–139, 152, 154–155, 160 यूके अंतर्राष्ट्रीय विभाग
परिभाषा, 32 विकास, 113
संक्रमणकालीन न्याय, 97 संयुक्त राज्य अमेरिका, 120–123
ट्रस्ट, 24, 27, 35, 51, 69, 73, 89, यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल
91–105, 112–114, 118, 121, 124, विकास, 113
126, 132, 134–135 अमेरिकी सीनेट विदेश संबंध

समिति के पीड़ितों की सहायता के लिए ट्रस्ट फंड, 122
SEA, 108 UNMIBH (बोस्निया-हर्जेगोविना भी देखें),
23, 57, 62, 131
UN UNMISET (तिमोर-लेस्ते भी देखें),
नौकरशाही अनिवार्यताएँ, 130–132, 63–64
150–151, 162 यूएनएमआईटी (तिमोर-लेस्ते भी देखें), 64
पहचान और मूल्य, 108–111, 118, यूएनप्रोफोर (बोस्निया भी देखें-)
120–121, 129–132, 144–145, 165 हर्ज़ेगोविना), 57, 92, 137–138
वैधता, 108, 110–112, 115–123, यूएनटीएसी (कंबोडिया भी देखें), 6, 22–23,
125–126, 128–130, 132–133, 84, 92
145–146, 165 UNTAET, (देखें तिमोर-लेस्ते भी), 38,
संसाधन, 109, 122–123, 128 63–64, 82
संयुक्त राष्ट्र आचरण एवं अनुशासन इकाई, 27, 29, उरुग्वे, 120
36, 68, 81, 128, 132, 153
संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा विभाग, वेनेजुएला, 120
ऑपरेशन, 132, 151 महिलाओं के खिलाफ हिंसा, 30, 53, 69, 81
संयुक्त राष्ट्र महासभा, 24, 106, 110, 126 हिंसक दुर्व्यवहार, 31–32, 39, 42, 65, 70,
लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन, 72 116
दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन, 72
संयुक्त राष्ट्र महिला, शांति और सुरक्षा विशेष समन्वयक कार्यालय, 7, 10, 88,
एसईए, 161 119, 145, 153–156, 159–162
संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन में महिलाओं का समावेशन, 73, 88, 145, 153,
डीआरसी में, 72 155
संयुक्त राष्ट्र पुलिस, 12, 17, 23, 29, 37, 56–57, महिला अंतर्राष्ट्रीय शांति संघ
63–64, 66, 69, 79, 86–87, 98, 127 और स्वतंत्रता, 60
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, 63–64, 79, 88,

110, 115, 116, 118–123, 126–130, ज़ीद रिपोर्ट, 32, 35, 119
132, 153, 158 शून्य सहिष्णुता नीति/बुलेटिन, 4, 24–25,
संकल्प 2272, 119, 121–122, 32, 36, 48, 56, 60–61, 63, 66,
127–129, 149–150, 153 67–68, 72, 111, 113, 116–117, 131,
हैती में संयुक्त राष्ट्र स्थिरीकरण मिशन, 20, 72 148–149, 154–155, 157–158, 160